Hindi: Translation Notes, Translation Questions, Translation Words, Unlocked Literal Bible for 2 Kings

Formatted for Translators

©2022 Wycliffe Associates

Released under a Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Bible Text: The English Unlocked Literal Bible (ULB)

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English Unlocked Literal Bible is based on the unfoldingWord® Literal Text, CC BY-SA 4.0. The original work of the unfoldingWord® Literal Text is available at [https://unfoldingword.bible/ult/](https://nam12.safelinks.protection.outlook.com/?url=https%3A%2F%2Funfoldingword.bible%2Fult%2F&data=02%7C01%7Cmarv_lucas%40wycliffeassociates.org%7Cab3b29dbe7fc44554aeb08d8080e8e70%7C7baa11086adb4be299cf00a4872ab1cf%7C0%7C0%7C637268205914531190&sdata=SW2KxVr%2BcxHGAgMpv602NzoYenorfHi9bOs2SNzVpR4%3D&reserved=0).

The ULB is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

Notes: English ULB Translation Notes

©2017 Wycliffe Associates

Available at <https://bibleineverylanguage.org/translations>

The English ULB Translation Notes is based on the unfoldingWord translationNotes, under CC BY-SA 4.0. The original unfoldingWord work is available at <https://unfoldingword.bible/utn>.

The ULB Notes is licensed under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International License.

To view a copy of the CC BY-SA 4.0 license visit <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

Below is a human-readable summary of (and not a substitute for) the license.

**You are free to:**

* **Share**— copy and redistribute the material in any medium or format.
* **Adapt**— remix, transform, and build upon the material for any purpose, even commercially.

The licensor cannot revoke these freedoms as long as you follow the license terms.

**Under the following conditions:**

* **Attribution**— You must attribute the work as follows: “Original work available at <https://BibleInEveryLanguage.org>.” Attribution statements in derivative works should not in any way suggest that we endorse you or your use of this work.
* **ShareAlike**— If you remix, transform, or build upon the material, you must distribute your contributions under the same license as the original.
* **No additional restrictions**— You may not apply legal terms or technological measures that legally restrict others from doing anything the license permits.

**Notices:**

You do not have to comply with the license for elements of the material in the public domain or where your use is permitted by an applicable exception or limitation.

No warranties are given. The license may not give you all of the permissions necessary for your intended use. For example, other rights such as publicity, privacy, or moral rights may limit how you use the material.

A picture containing text, clipart

Description automatically generated

TOC \o "1-2" \h \z \uRight-click to update field (doing so will insert table of contents).

Page left intentionally blank

## 2 राजाओं

Chapter 1  
अहज्याह की मृत्यु

1अहाब के मरने के बाद मोआब इस्राएल के विरुद्ध बलवा करने लगा।2अहज्याह एक जालीदार खिड़की में से, जो सामरिया में उसकी अटारी में थी, गिर पड़ा, और बीमार हो गया। तब उसने दूतों को यह कहकर भेजा, “तुम जाकर एक्रोन के बाल-जबूब\* नामक देवता से यह पूछ आओ, कि क्या मैं इस बीमारी से बचूँगा कि नहीं?”3तब यहोवा के दूत ने तिशबी एलिय्याह से कहा, “उठकर सामरिया के राजा के दूतों से मिलने को जा, और उनसे कह, ‘क्या इस्राएल में कोई परमेश्‍वर नहीं जो तुम एक्रोन के \*बाल-जबूब देवता से पूछने जाते हो?’4इसलिए अब यहोवा तुझ से यह कहता है, ‘जिस पलंग पर तू पड़ा है, उस पर से कभी न उठेगा, परन्तु मर ही जाएगा।’ ” तब एलिय्याह चला गया।5जब अहज्याह के दूत उसके पास लौट आए, तब उसने उनसे पूछा, “तुम क्यों लौट आए हो?”6उन्होंने उससे कहा, “एक मनुष्य हम से मिलने को आया, और कहा कि, ‘जिस राजा ने तुम को भेजा उसके पास लौटकर कहो, यहोवा यह कहता है, कि क्या इस्राएल में कोई परमेश्‍वर नहीं जो तू एक्रोन के बाल-जबूब देवता से पूछने को भेजता है? इस कारण जिस पलंग पर तू पड़ा है, उस पर से कभी न उठेगा, परन्तु मर ही जाएगा।’ ”7उसने उनसे पूछा, “जो मनुष्य तुम से मिलने को आया, और तुम से ये बातें कहीं, उसका कैसा रंग-रूप था?”8उन्होंने उसको उत्तर दिया, “वह तो रोंआर मनुष्य था और अपनी कमर में चमड़े का फेंटा बाँधे हुए था।” उसने कहा, “वह तिशबी एलिय्याह होगा।” (मत्ती 3:4, मर. 1:6)9तब उसने उसके पास पचास सिपाहियों के एक प्रधान को उसके पचासों सिपाहियों समेत भेजा। प्रधान ने एलिय्याह के पास जाकर क्या देखा कि वह पहाड़ की चोटी पर बैठा है। उसने उससे कहा, “हे परमेश्‍वर के भक्त राजा ने कहा है, ‘तू उतर आ।’ ”10एलिय्याह ने उस पचास सिपाहियों के प्रधान से कहा, “यदि मैं परमेश्‍वर का भक्त हूँ तो आकाश से आग गिरकर तुझे तेरे पचासों समेत भस्म कर डाले।” तब आकाश से आग उतरी और उसे उसके पचासों समेत भस्म कर दिया। (प्रका. 11:5)11फिर राजा ने उसके पास पचास सिपाहियों के एक और प्रधान को, पचासों सिपाहियों समेत भेज दिया। प्रधान ने उससे कहा, “हे परमेश्‍वर के भक्त राजा ने कहा है, ‘फुर्ती से तू उतर आ।’ ”12एलिय्याह ने उत्तर देकर उनसे कहा, “यदि मैं परमेश्‍वर का भक्त हूँ तो आकाश से आग गिरकर तुझे और तेरे पचासों समेत भस्म कर डाले। ” तब आकाश से परमेश्‍वर की आग उतरी और उसे उसके पचासों समेत भस्म कर दिया।13फिर राजा ने तीसरी बार पचास सिपाहियों के एक और प्रधान को, पचासों सिपाहियों समेत भेज दिया, और पचास का वह तीसरा प्रधान चढ़कर, एलिय्याह के सामने घुटनों के बल गिरा, और गिड़गिड़ाकर उससे विनती की, “हे परमेश्‍वर के भक्त मेरा प्राण और तेरे इन पचास दासों के प्राण तेरी दृष्टि में अनमोल ठहरें।14पचास-पचास सिपाहियों के जो दो प्रधान अपने-अपने पचासों समेत पहले आए थे, उनको तो आग ने आकाश से गिरकर भस्म कर डाला, परन्तु अब मेरा प्राण तेरी दृष्टि में अनमोल ठहरे।”15तब यहोवा के दूत ने एलिय्याह से कहा, “उसके संग नीचे जा, उससे मत डर।” तब एलिय्याह उठकर उसके संग राजा के पास नीचे गया,16और उससे कहा, “यहोवा यह कहता है, ‘तूने तो एक्रोन के बाल-जबूब देवता से पूछने को दूत भेजे थे तो क्या इस्राएल में कोई परमेश्‍वर नहीं कि जिससे तू पूछ सके? इस कारण तू जिस पलंग पर पड़ा है, उस पर से कभी न उठेगा, परन्तु मर ही जाएगा।’ ”17यहोवा के इस वचन के अनुसार जो एलिय्याह ने कहा था, वह मर गया। और उसकी सन्तान न होने के कारण यहोराम उसके स्थान पर यहूदा के राजा यहोशापात के पुत्र यहोराम के दूसरे वर्ष में राज्य करने लगा।18अहज्याह के और काम जो उसने किए वह क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

#### 2 Kings 1:1

##### मोआब

“मोआब एक देश का नाम है“।

##### एक जालीदार खिड़की में से

यह ऊपरी कमरे महल की छत पर बनाया गया था। जाली पतली बनी थी जो एक दूसरे पर सजावटी रूप से पार कर के लिए एक खिड़की को बनाने के लिए। यहाँ "अपने महल की छत के आसपास लकड़ी के डब्बे बनाए थे“।

##### बाल-जबूब।

“यह एक झूठे देवता का नाम है”

#### 2 Kings 1:3

##### यहोवा

यहोवा नाम परमेश्‍वर ने पुराने नियम के लोगों पर प्रकट किया था।

##### तिशबी

यह नाम तिशबी किसी शहर को दर्शाता है।

##### क्या इस्राएल में कोई परमेश्‍वर नहीं जो तुम एक्रोन के बाल-जबूब देवता से पूछने जाते हो?

यह एक बयान के रूप मे लिखा जा सकता है कि क्योंकि वह इस्राएल के परमेश्‍वर के बारे मे पता कर रहे थे कि “तुम मुर्ख हो तुम्हे पता नहीं है वहाँ इस्राएल का परमेश्‍वर है लेकिन आप इस रूप से कार्य कर रहे है कि एक्रोन का परमेश्‍वर बाल-जबूब है।

##### बाल-जबूब देवता से पूछने जाते हो

शब्द “विमर्श” का अर्थ है कि किसी पक्ष के लिए किसी से राय प्राप्त करना।

##### तब यहोवा ने कहा

यह संदेश यहोवा ने अहज्याह के राजा को दिया। कि “जैसे अहज्याह के राजा को कहा”।

##### तुझ से यह कहता है, ‘जिस पलंग पर तू पड़ा है, उस पर से कभी न उठेगा, परन्तु मर ही जाएगा

जब अहज्याह का राजा जखमी होकर अपने बिसतर पे था। तो यहोवा ने उस से कहा तू ठीक नहीं होगा, और इस बिसतर पर तु से कभी नहीं उठ पाएगा

#### 2 Kings 1:5

##### जब अहज्याह के दूत उसके पास लौट आए

अहज्याह से मिलने के बाद, एक्रोन के राजा को फिर से संदेश भेजा गया।

##### क्या इस्राएल में कोई परमेश्‍वर नहीं जो तू एक्रोन के बाल-जबूब देवता से पूछने को भेजता है?

इस ब्यानबाजी मे फटकार के लिए पूछा जाता है। “तुम मुर्ख लोगों, तुम्हे पता है कि इस्राएल में एक परमेश्‍वर है लेकिन जब तुमने एक्रोन के देवता बाल-जबूब के पास पूछताछ करने के लिए मनुष्य भेजे तो आप इस रीति से कार्य कर रहे है जैसे आप को इस बात का पता नहीं है।

##### तू पड़ा है, उस पर से कभी न उठेगा, परन्तु मर ही जाएगा

तो यहोवा ने उस से कहा तू ठीक नहीं होगा, और इस बिसतर पर तु से कभी नहीं उठ पाएगा

#### 2 Kings 1:7

##### वह तो रोंआर मनुष्य था

इसका सामान अर्थ है कि “वह बहुत बालों वाला था”।

#### 2 Kings 1:9

##### तब उसने उसके पास पचास सिपाहियों के एक प्रधान को उसके पचासों सिपाहियों समेत भेजा

राजा के सेना के अगुवे को पचास आदमियों के साथ भेजा ताकि एलिय्याह उसे वापस लाया जा सके कि “तो राजा ने एलिय्याह पर कब्जा करने के लिए पचास सैनिकों के साथ एक कपतान को भेजा “।

##### पचासों सिपाहियों

“50 सिपाही”।

##### यदि मैं परमेश्‍वर का भक्त हूँ तो आकाश से आग गिरकर तुझे तेरे पचासों समेत भस्म कर डाले

कप्ता‍न ने एलिय्याह को परमेश्‍वर का आदमी कहा था, लेकिन कप्तान और राजा ने एलिय्याह को सही सम्मान नहीं दिया। एलिय्याह ने ऐसा इसलिए कहा कि आग स्वर्ग से नीचे आ जाएगी, और यह साबित होगा कि एलिय्याह वास्तव में परमेश्‍वर का एक आदमी था और वह उनके सम्मान के लायक था। कि "यदि मैं परमेश्‍वर का एक जन हूँ जैसा कि तुमने कहा है, आग स्वर्ग से नीचे आ जाए”।

##### आकाश

“आकाश”।

#### 2 Kings 1:11

##### पचासों सिपाहियों

“50 सिपाही”।

##### यदि मैं परमेश्‍वर का भक्त हूँ तो आकाश से आग गिरकर

कप्ता‍न ने एलिय्याह को परमेश्‍वर का जन कहा था, लेकिन कप्तान और राजा ने एलिय्याह को सही सम्मान नहीं दिया। एलिय्याह ने ऐसा इसलिए कहा कि आग स्वर्ग से नीचे आ जाएगी, और यह साबित होगा कि एलिय्याह वास्तव में परमेश्‍वर का एक जन था और वह उनके सम्मान के लायक था। कि "यदि मैं परमेश्‍वर का एक जन हूँ जैसा कि तुमने कहा है, आग स्वर्ग से नीचे आ जाए”।

##### परमेश्‍वर की आग

इसका अर्थ यह है कि आग परमेश्‍वर से आई थी कि “परमेश्‍वर की आग”।

#### 2 Kings 1:13

##### पचास सिपाहियों

“50 सिपाही”।

##### उससे विनती की

“उस से भीख माँगी”।

##### तेरे इन पचास दासों के

कप्तान कहता है अपने सेवकों को एलिय्याह के सेवक कह कर उसे आदर देता है। “मेरे पचास सैनिक”।

##### मेरा प्राण…तेरी दृष्टि में अनमोल ठहरें

“कप्तान एलिय्याह से अनुरोध कर रहा है कि वे उन्हे जीने दे”।

##### मेरा प्राण तेरी दृष्टि में अनमोल ठहरें

यहाँ कप्तान एलिय्याह के लिए अपने अनुरोध दोहरा रहा है कि “और उस से दया दिखा कर जीने देने के लिए कह रहा है”।

#### 2 Kings 1:15

##### तो क्या इस्राएल में कोई परमेश्‍वर नहीं कि जिससे तू पूछ सके?

इस ब्यानबाजी मे फटकार के लिए पूछा जाता है। “तुम मुर्ख लोगों, तुम्हे पता है कि इस्राएल में एक परमेश्‍वर है लेकिन जब तुमने एक्रोन के देवता बाल-जबूब के पास पूछताछ करने के लिए मनुष्य भेजे तो आप इस रीति से कार्य कर रहे है जैसे आप को इस बात का पता नहीं है।

##### इस कारण तू जिस पलंग पर पड़ा है, उस पर से कभी न उठेगा

जब अहज्याह का राजा जखमी होकर अपने बिसतर पे था। तो यहोवा ने उस से कहाँ तूँ इस बिसतर से कभी नहीं उठ पाएगाँ

#### 2 Kings 1:17

##### यहोवा के इस वचन के अनुसार जो एलिय्याह ने कहा था

“यहोवा ने एलिय्याह से जो कहाँ था उसने किया”।

##### दूसरे वर्ष

“2 वर्ष”।

##### यहोराम उसके स्थान पर यहूदा के राजा यहोशापात के पुत्र यहोराम के दूसरे वर्ष में राज्य करने लगा

यहोराम ने यह बताते हुए शासन करना‍ शुरु किया कि यहूदा के राजा ने कब तक राज किया। कि “दूसरे साल मे यहोशापात का बेटा यहूदा का राजा था”।

##### काम जो उसने किए वह क्या…इस्राएल?

“वे लिखे गये हैं …इस्राएल”।

### Translation Questions

#### 2 Kings 1:2

##### अहज्याह कैसे ज़ख़्मी हुआ?

अहज्याह सामरिया में अपनी अटारी की जालीदार खिड़की में से गिरकर ज़ख़्मी हुआ।

#### 2 Kings 1:4

##### अहज्याह की मृत्यु निश्चित क्यों थी?

अहज्याह ने एक्रोन के बाल जबूब देवता के पास भावी पूछने दूतों को भेजा था इसलिए उसकी मृत्यु निश्चित थी।

#### 2 Kings 1:8

##### एलिय्याह ने क्या पहना था?

एलिय्याह ने बाल से बने वस्त्र पहने, और उसने चमड़े का कमर बंध पहन रखा था।

#### 2 Kings 1:10

##### प्रधान और उसके पचास सिपाही कैसे भस्म हुए?

स्वर्ग से आग गिरी और उन प्रधान और पचास सिपाहीयों को भस्म कर दिया।

#### 2 Kings 1:13

##### तीसरा सेना प्रधान एलिय्याह के पास कैसे आया?

तीसरे सेना प्रधान ने आ कर एलिय्याह के सामने घुटने टेके और गिड़गिड़ाकर उससे याचना की।

#### 2 Kings 1:17

##### अहज्याह के स्थान यहोराम ने शासन क्यों किया?

अहज्याह की संतान न होने के कारण योराम ने शासन किया।

Chapter 2  
एलिय्याह का स्वर्गारोहण

1जब यहोवा एलिय्याह को बवंडर के द्वारा स्वर्ग में उठा ले जाने को था, तब एलिय्याह और एलीशा दोनों संग-संग गिलगाल से चले।2एलिय्याह ने एलीशा से कहा, “यहोवा मुझे\* बेतेल तक भेजता है इसलिए तू यहीं ठहरा रह।” एलीशा ने कहा, “यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोड़ने का;” इसलिए वे बेतेल को चले गए,3और बेतेलवासी भविष्यद्वक्ताओं के दल एलीशा के पास आकर कहने लगे, “क्या तुझे मालूम है कि आज यहोवा तेरे स्वामी को तेरे पास से उठा लेने पर है?” उसने कहा, “हाँ, मुझे भी यह मालूम है, तुम चुप रहो।” 4एलिय्याह ने उससे कहा, “हे एलीशा, यहोवा मुझे यरीहो को भेजता है; इसलिए तू यहीं ठहरा रह।” उसने कहा, “यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोड़ने का।” अतः वे यरीहो को आए।5और यरीहोवासी भविष्यद्वक्ताओं के दल एलीशा के पास आकर कहने लगे, “क्या तुझे मालूम है कि आज यहोवा तेरे स्वामी को तेरे पास से उठा लेने पर है?” उसने उत्तर दिया, “हाँ मुझे भी मालूम है, तुम चुप रहो।” 6फिर एलिय्याह ने उससे कहा, “यहोवा मुझे यरदन तक भेजता है, इसलिए तू यहीं ठहरा रह।” उसने कहा, “यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोड़ने का।” अतः वे दोनों आगे चले।7और भविष्यद्वक्ताओं के दल में से पचास जन जाकर उनके सामने दूर खड़े हुए, और वे दोनों यरदन के किनारे खड़े हुए।8तब एलिय्याह ने अपनी चद्दर पकड़कर ऐंठ ली, और जल पर मारा, तब वह इधर-उधर दो भाग हो गया; और वे दोनों स्थल ही स्थल पार उतर गए।9उनके पार पहुँचने पर एलिय्याह ने एलीशा से कहा, “इससे पहले कि मैं तेरे पास से उठा लिया जाऊँ जो कुछ तू चाहे कि मैं तेरे लिये करूँ, वह माँग।” एलीशा ने कहा, “तुझ में जो आत्मा है, उसका दो गुना भाग मुझे मिल जाए\*।” 10एलिय्याह ने कहा, “तूने कठिन बात माँगी है, तो भी यदि तू मुझे उठा लिये जाने के बाद देखने पाए तो तेरे लिये ऐसा ही होगा; नहीं तो न होगा।” 11वे चलते-चलते बातें कर रहे थे, कि अचानक एक अग्निमय रथ और अग्निमय घोड़ों ने उनको अलग-अलग किया, और एलिय्याह बवंडर में होकर स्वर्ग पर चढ़ गया। (मर. 16:19, प्रका. 11:12)12और उसे एलीशा देखता और पुकारता रहा, “हाय मेरे पिता! हाय मेरे पिता! हाय इस्राएल के रथ और सवारो\*!” जब वह उसको फिर दिखाई न पड़ा, तब उसने अपने वस्त्र फाड़े और फाड़कर दो भाग कर दिए।13फिर उसने एलिय्याह की चद्दर उठाई जो उस पर से गिरी थी, और वह लौट गया, और यरदन के तट पर खड़ा हुआ।14तब उसने एलिय्याह की वह चद्दर जो उस पर से गिरी थी, पकड़कर जल पर मारी और कहा, “एलिय्याह का परमेश्‍वर यहोवा कहाँ है?” जब उसने जल पर मारा, तब वह इधर-उधर दो भाग हो गया और एलीशा पार हो गया।15उसे देखकर भविष्यद्वक्ताओं के दल जो यरीहो में उसके सामने थे, कहने लगे, “एलिय्याह में जो आत्मा थी, वही एलीशा पर ठहर गई है।” अतः वे उससे मिलने को आए और उसके सामने भूमि तक झुककर दण्डवत् की।16तब उन्होंने उससे कहा, “सुन, तेरे दासों के पास पचास बलवान पुरुष हैं, वे जाकर तेरे स्वामी को ढूँढ़ें, सम्भव है कि क्या जाने यहोवा के आत्मा ने उसको उठाकर किसी पहाड़ पर या किसी तराई में डाल दिया हो।” उसने कहा, “मत भेजो।” 17जब उन्होंने उसको यहाँ तक दबाया कि वह लज्जित हो गया, तब उसने कहा, “भेज दो।” अतः उन्होंने पचास पुरुष भेज दिए, और वे उसे तीन दिन तक ढूँढ़ते रहे परन्तु न पाया।18उस समय तक वह यरीहो में ठहरा रहा, अतः जब वे उसके पास लौट आए, तब उसने उनसे कहा, “क्या मैंने तुम से न कहा था, कि मत जाओ?” एलीशा के दो आश्चर्यकर्म

19उस नगर के निवासियों ने एलीशा से कहा, “देख, यह नगर मनभावने स्थान पर बसा है, जैसा मेरा प्रभु देखता है परन्तु पानी बुरा है; और भूमि गर्भ गिरानेवाली है।” 20उसने कहा, “एक नये प्याले में नमक डालकर मेरे पास ले आओ।” वे उसे उसके पास ले आए।21तब वह जल के सोते के पास गया, और उसमें नमक डालकर कहा, “यहोवा यह कहता है, कि मैं यह पानी ठीक कर देता हूँ, जिससे वह फिर कभी मृत्यु या गर्भ गिरने का कारण न होगा।” 22एलीशा के इस वचन के अनुसार पानी ठीक हो गया, और आज तक ऐसा ही है।23वहाँ से वह बेतेल को चला, और मार्ग की चढ़ाई में चल रहा था कि नगर से छोटे लड़के निकलकर उसका उपहास करके कहने लगे, “हे चन्दुए चढ़ जा, हे चन्दुए चढ़ जा।” 24तब उसने पीछे की ओर फिरकर उन पर दृष्टि की और यहोवा के नाम से उनको श्राप दिया, तब जंगल में से दो रीछनियों ने निकलकर उनमें से बयालीस लड़के फाड़ डाले।25वहाँ से वह कर्मेल को गया, और फिर वहाँ से सामरिया को लौट गया।

#### 2 Kings 2:1

##### जब उठा ले जाने को था

“तो क्या हुआ” इस वाक्यांश मे अगली घटना को शुरु करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

##### बवंडर

एक तेज हवा जो चारो ओर घूमती है।

##### यहोवा के और तेरे जीवन

जेसे कि निश्चित रूप से यहोवा वहाँ रहता है और वह कहता है कि “मै गंभीरता से तुमसे प्रतिज्ञा करता हूँ”।

#### 2 Kings 2:3

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

इसका अर्थ यह नही है कि वह भविष्यद्वक्ताओं के बेटे थे बल्कि, कि “वे पुरुषो का एक समूह जो कि भविष्यद्वक्ताओं का था।

##### यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोड़ने का।” अतः वे यरीहो को आए

जेसे कि निश्चित रूप से यहोवा वहाँ रहता है और वह कहता है कि “मै गंभीरता से तुमसे प्रतिज्ञा करता हूँ”।

#### 2 Kings 2:5

##### और यरीहोवासी भविष्यद्वक्ताओं के दल एलीशा के पास आकर कहने लगे

“जब एलिय्याह ओर एलीशा यरीहो के पास से आये तो भविष्यद्वक्ताओं के बेटे एलीशा से कहते है”।

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

इसका अर्थ यह नही है कि वह भविष्यद्वक्ताओं के बेटे थे बल्कि, कि “वे पुरुषों का एक समूह जो कि भविष्यद्वक्ताओं का था।

##### यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे नहीं छोड़ने का।” अतः वे यरीहो को आए

जेसे कि निश्चित रूप से यहोवा वहाँ रहता है और वह कहता है कि “मै गंभीरता से तुमसे प्रतिज्ञा करता हूँ”।

#### 2 Kings 2:7

##### दल में से पचास जन

“50 बेटो मे से”।

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

इसका अर्थ यह नही है कि वह भविष्यद्वक्ताओं के बेटे थे बल्कि, कि “वे पुरुषो का एक समूह जो कि भविष्यद्वक्ताओं का था।

##### उनके सामने दूर खड़े हुए

इसका अर्थ यह है वह उनके सामने खड़े थे कि “वे उनको देख कर खड़ा था“।

##### चद्दर

यह कपड़े का एक टुकड़ा जिस से डक़ा जाता है।

##### तब वह इधर-उधर दो भाग हो गया; और वे दोनों स्थल ही स्थल पार उतर गए

“यरदन नदी का पानी दो हिस्सो मे बट गया एलिय्याह और अलीशा के लिए यरदन के उस पार जाने के लिए रासता बन गया “।

##### इधर-उधर दो भाग

“दाँए और बाँए” यह एलिय्याह के पानी को दो हिस्सो के बारे मे दर्शाता है।

#### 2 Kings 2:9

##### उनके पार पहुँचने पर

“यह हुआ”।

##### पार पहुँचने

यह यरदन नदी के उस पतर जाने को दर्शाता है कि “यरदन नदी के उस पार”।

##### इससे पहले कि मैं तेरे पास

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “इसके पहले कि यहोवा मुझे तुम सै लेता है”।

##### उसका दो गुना भाग मुझे मिल जाए

यहाँ एलिय्याह की आत्मा उसकी शक्ति को दर्शाती है कि “आपने आध्यात्मिक शक्ति के रूप मे दिया जाए”।

#### 2 Kings 2:11

##### एक अग्निमय रथ और अग्निमय घोड़ों ने उनको अलग-अलग किया

यहाँ इस वाक्यांश मे “आग” का अर्थ अक्षर्य की बात पर ध्यान देने के लिए कहा है।

##### बवंडर में होकर स्वर्ग पर चढ़ गया

“एक भवंड़र से आकाश मे लाया गया था” कि यह एक तेज हवा जो चारो ओर घूमती है।

##### मेरे पिता, मेरे पिता

एलीशा एलिय्याह को अपना सम्मानित नेता कह रही है।

##### उसने अपने वस्त्र फाड़े और फाड़कर दो भाग कर दिए

लोग अकसर अपने कपड़े फाड़ते थे क्योकि यह अकसर एक दु:ख का संकेत होता था, क्योकि वह अपने कपड़ो को फाड़ कर एक महान उदासी दिखाते थे।

#### 2 Kings 2:13

##### चद्दर

चद्दर एक नबी के कपड़े थे। यह अय्यूब का संकेत देते थे। जब एलीशा ने एलिय्याह का कपड़ा लिया तो वह कह रहा था कि वह एलियाह की जगह नबी के रूप में ले जा रहा है।

##### एलिय्याह का परमेश्‍वर यहोवा कहाँ है?

एलीशा एलिय्याह से पूछ रहा है कि यहोवा उसके साथ है। कि “यहोवा एलिय्याह का वह परमेश्‍वर के साथ है।

##### तब वह इधर-उधर दो भाग हो गया और एलीशा पार हो गया

नदी अलग होकर एलीशा ओर चली गयी इस प्रकार पहले भी परमेश्‍वर ने एलिय्याह के साथ होने के दोरान पहले भी ऐसा किया था।

##### दो भाग हो

“दाँए और बाए” यहाँ एलिय्याह पानी के दूसरी ओर होने को दर्शाता है।

#### 2 Kings 2:15

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

इसका अर्थ यह नहीं है कि वह भविष्यद्वक्ताओं के बेटे थे बल्कि, कि “वे पुरुषों का एक समूह जो कि भविष्यद्वक्ताओं का था।

##### उसके सामने भूमि तक झुककर दण्डवत् की

वे उसे गहरा सम्मान दिखा रहे है कि उसे अपने नये अगुवे के रूप मे स्वीकार करते थे।

##### एलिय्याह में जो आत्मा थी, वही एलीशा पर ठहर गई है

यहाँ एलिय्याह की आत्मा उसकी अधियात्मक शक्ति को दर्शाती है और वह शक्ति अब एलीशा के पास है।

##### तब उन्होंने उससे कहा, “सुन, तेरे

ये लोग खुद की बात कर रहे है जब वह कहते है कि “आब देखो हम पचाँस मजबूत आदमी है आओ अब हम चलते है”।

##### पचास बलवान पुरुष

“50 मजबूत पुरुष”।

#### 2 Kings 2:17

##### जब उन्होंने उसको यहाँ तक दबाया कि वह लज्जित हो गया

भविष्यद्वक्ताओं के समूह “एलीशा से पूछ रखा है कि जब तक वह उन्हे अनुरोध से इनकार करने के लिए ना रोके”।

##### क्या मैंने तुम से न कहा था, कि मत जाओ?

एलीशा इस सवाल का प्रयोग करता है कि उन्हे पहले क्या कहा गया होगा कि “मेने तुमसे पहले ही कहा था कि तुम्हे उस से मिलने नही जान होगा”।

#### 2 Kings 2:19

##### उस नगर के निवासियों

“उस शहर के अगुवों ने”।

##### यह नगर मनभावने स्थान पर बसा है

इसका अर्थ यह हे कि शहर एक अच्छी जगह पर स्थित है और “इस शहर मे एक अच्छा स्थान है”।

##### जैसा मेरा प्रभु देखता है

यहाँ पुरुषों के रूप मे एलीशा का सम्मान “मेरे प्रभु“ से किया गया है।

##### भूमि गर्भ गिरानेवाली है

“अच्छी फसलों का उतपादन न करना”।

#### 2 Kings 2:21

##### पानी ठीक कर देता हूँ

यह पानी को शुद्ध बनाने के लिए यहोवा की बात करता है कि “उसने पानी को शुद्ध बनाया”।

##### जिससे वह फिर कभी मृत्यु या गर्भ गिरने का कारण न होगा

यह पानी से खाराब होने वाली चीजों को दर्शाता है यह भी स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “और अब से इस पानी मे जीवन लाने के और मदद मिलेगी जिस से भूमी उपयोगी हो।

##### पानी ठीक हो गया

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “पानी शुद्ध बना हुआ है”।

##### आज तक,…ऐसा ही है

इसका अर्थ यह है कि कुछ वर्तमान समय तक निश्चित रूप से रहता है और “यह शब्द एलीशा के सदा तक शुद्ध बने रहेंगे”।

#### 2 Kings 2:23

##### वहाँ से वह बेतेल को चला

इस वाकायांश मे “जाना” का प्रयोग इस लिए किया गया है कि क्योकि “ बेतेल यरीहो से ऊँचाई मे है”।

##### चढ़ जा

वह युवा लड़के चाहते थे कि एलीशा उनसे दूर चला जाए वह यह कहना चाहते थे कि “जाओ”।

##### चन्दुए

एक गंजा व्यक्ति जिस के सिर पर कोई बाल नहीं है। वह युवा लड़के एक गंजा होने के कारण वह एलीशा का माजाक उड़ाते है।

##### बयालीस लड़के फाड़ डाले

“42 लड़के”।

### Translation Questions

#### 2 Kings 2:1

##### एलिय्याह एलीशा के साथ गिलगाल से कब चला?

जब यहोवा एलिय्याह को बवण्डर में स्वर्ग ले जाने वाला था एलिय्याह गिलगाल और एलीशा साथ में गिलगाल से चले।

#### 2 Kings 2:3

##### जब भविष्यद्वक्ताओं के पुत्रों ने, यहोवा के एलियाह को उठाए जाने की बात की तो एलीशा की प्रतिक्रिया कैसी थी?

एलीशा ने उत्तर दिया, "मुझे इस बारें में पता है तुम इस बारें में बात मत करो।"

#### 2 Kings 2:8

##### नदी दो भाग क्यों हो गई थी?

क्योंकि एलिय्याह ने अपनी चद्दर ऐंठ कर नदी के जल पर मारा तो नदी का पानी दो भागों में बट गया।

#### 2 Kings 2:9

##### एलीशा ने क्या माँगा?

एलीशा ने एलिय्याह से कहा कि उसमें जो आत्मा है उसका दुगना भाग उसे मिल जाए।

#### 2 Kings 2:11

##### एलिय्याह स्वर्ग में कैसे गया?

एलिय्याह बवण्डर द्वारा स्वर्ग की ओर गया।

#### 2 Kings 2:14

##### एलीशा ने एलिय्याह की चद्दर से जब नदी के जल को मारा तब क्या हुआ?

जब एलीशा ने पानी में मारा तो जल दो भागों में विभाजित हो गया और एलीशा चलकर नदी पार हुआ।

#### 2 Kings 2:16

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल पचास बलवान पुरुषों को भेजकर क्या कराना चाहते थे?

वे एलीशा के स्वामी की खोज करवाना चाहते थे कि परमेश्वर के आत्मा ने उसे उठाकर किसी पहाड़ या तराई में नहीं गिरा दिया हो।

#### 2 Kings 2:17

##### वे पचास पुरूष कब तक एलिय्याह को खोजते रहे?

उन्होंने तीन दिन तक एलिय्याह को खोजा।

#### 2 Kings 2:19

##### यरीहो में क्या समस्या थी?

वहाँ पानी दुषीत था और ज़मीन फलदायी नहीं थी।

#### 2 Kings 2:21

##### पानी ठीक कैसे हुआ ?

एलीशा पानी के झरने के पास गया और उसमे नमक डाला।

#### 2 Kings 2:22

##### पानी ठीक कैसे हुआ ?

एलीशा पानी के झरने के पास गया और उसमे नमक डाला।

#### 2 Kings 2:23

##### जब कुछ लडको ने एलीशा का उपहास किया तो उन पर क्या श्राप पड़ा?

जब उन्होंने एलीशा का उपहास किया तो जंगल में से दो मादा भालू ने उन पर हमला कर, उन बयालीस लड़को को ज़ख़्मी किया।

#### 2 Kings 2:24

##### जब कुछ लडको ने एलीशा का उपहास किया तो उन पर क्या श्राप पड़ा?

जब उन्होंने एलीशा का उपहास किया तो जंगल में से दो मादा भालू ने उन पर हमला कर, उन बयालीस लड़को को ज़ख़्मी किया।

Chapter 3  
यहोराम के राज्य का आरम्भ

1यहूदा के राजा यहोशापात के राज्य के अठारहवें वर्ष में अहाब का पुत्र यहोराम सामरिया में राज्य करने लगा, और बारह वर्ष तक राज्य करता रहा।2उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था तो भी उसने अपने माता-पिता के बराबर नहीं किया वरन् अपने पिता की बनवाई हुई बाल के स्तम्भ को दूर किया।3तो भी वह नबात के पुत्र यारोबाम के ऐसे पापों में जैसे उसने इस्राएल से भी कराए लिपटा रहा और उनसे न फिरा।4मोआब का राजा मेशा बहुत सी भेड़-बकरियाँ रखता था, और इस्राएल के राजा को एक लाख बच्चे और एक लाख मेढ़ों का ऊन कर की रीति से दिया करता था।5जब अहाब मर गया, तब मोआब के राजा ने इस्राएल के राजा से बलवा किया।6उस समय राजा यहोराम ने सामरिया से निकलकर सारे इस्राएल की गिनती ली।7और उसने जाकर यहूदा के राजा यहोशापात के पास यह सन्देश भेजा, “मोआब के राजा ने मुझसे बलवा किया है, क्या तू मेरे संग मोआब से लड़ने को चलेगा?” उसने कहा, “हाँ मैं चलूँगा, जैसा तू वैसा मैं, जैसी तेरी प्रजा वैसी मेरी प्रजा, और जैसे तेरे घोड़े वैसे मेरे भी घोड़े हैं।”8फिर उसने पूछा, “हम किस मार्ग से जाएँ?” उसने उत्तर दिया, “एदोम के जंगल से होकर।”9तब इस्राएल का राजा, और यहूदा का राजा, और एदोम का राजा चले और जब सात दिन तक घूमकर चल चुके, तब सेना और उसके पीछे-पीछे चलनेवाले पशुओं के लिये कुछ पानी न मिला।10और इस्राएल के राजा ने कहा, “हाय! यहोवा ने इन तीन राजाओं को इसलिए इकट्ठा किया, कि उनको मोआब के हाथ में कर दे।”11परन्तु यहोशापात ने कहा, “क्या यहाँ यहोवा का कोई नबी नहीं है\*, जिसके द्वारा हम यहोवा से पूछें?” इस्राएल के राजा के किसी कर्मचारी ने उत्तर देकर कहा, “हाँ, शापात का पुत्र एलीशा जो एलिय्याह के हाथों को धुलाया करता था वह तो यहाँ है।”12तब यहोशापात ने कहा, “उसके पास यहोवा का वचन पहुँचा करता है।” तब इस्राएल का राजा और यहोशापात और एदोम का राजा उसके पास गए।13तब एलीशा ने इस्राएल के राजा से कहा, “मेरा तुझ से क्या काम है? अपने पिता के भविष्यद्वक्ताओं और अपनी माता के नबियों के पास जा।” इस्राएल के राजा ने उससे कहा, “ऐसा न कह, क्योंकि यहोवा ने इन तीनों राजाओं को इसलिए इकट्ठा किया, कि इनको मोआब के हाथ में कर दे।”14एलीशा ने कहा, “सेनाओं का यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहा करता हूँ, उसके जीवन की शपथ यदि मैं यहूदा के राजा यहोशापात का आदरमान न करता, तो मैं न तो तेरी ओर मुँह करता और न तुझ पर दृष्टि करता।15अब कोई बजानेवाला मेरे पास ले आओ।” जब बजानेवाला बजाने लगा, तब यहोवा की शक्ति एलीशा पर हुई16और उसने कहा, “इस नाले में तुम लोग इतना खोदो, कि इसमें गड्ढे ही गड्ढे हो जाएँ।17क्योंकि यहोवा यह कहता है, ‘तुम्हारे सामने न तो वायु चलेगी, और न वर्षा होगी; तो भी यह नदी पानी से भर जाएगी; और अपने गाय बैलों और पशुओं समेत तुम पीने पाओगे।18और यह यहोवा की दृष्टि में छोटी सी बात है; यहोवा मोआब को भी तुम्हारे हाथ में कर देगा।19तब तुम सब गढ़वाले और उत्तम नगरों को नाश करना, और सब अच्छे वृक्षों को काट डालना, और जल के सब सोतों को भर देना, और सब अच्छे खेतों में पत्थर फेंककर उन्हें बिगाड़ देना।’”20सवेरे को अन्नबलि चढ़ाने के समय एदोम की ओर से जल बह आया, और देश जल से भर गया।21यह सुनकर कि राजाओं ने हम से युद्ध करने के लिये चढ़ाई की है, जितने मोआबियों की अवस्था हथियार बांधने योग्य थी, वे सब बुलाकर इकट्ठे किए गए, और सीमा पर खड़े हुए।22सवेरे को जब वे उठे उस समय सूर्य की किरणें उस जल पर ऐसी पड़ीं कि वह मोआबियों के सामने की ओर से लहू सा लाल दिखाई पड़ा।23तो वे कहने लगे, “वह तो लहू होगा, निःसन्देह वे राजा एक दूसरे को मारकर नाश हो गए हैं, इसलिए अब हे मोआबियों लूट लेने को जाओ।”24और जब वे इस्राएल की छावनी के पास आए ही थे, कि इस्राएली उठकर मोआबियों को मारने लगे और वे उनके सामने से भाग गए; और वे मोआब को मारते-मारते उनके देश में पहुँच गए।25और उन्होंने नगरों को ढा दिया, और सब अच्छे खेतों में एक-एक पुरुष ने अपना-अपना पत्थर डालकर उन्हें भर दिया; और जल के सब सोतों को भर दिया; और सब अच्छे-अच्छे वृक्षों को काट डाला, यहाँ तक कि कीरहरासत के पत्थर तो रह गए, परन्तु उसको भी चारों ओर गोफन चलानेवालों ने जाकर मारा।26यह देखकर कि हम युद्ध में हार चले, मोआब के राजा ने सात सौ तलवार रखनेवाले पुरुष संग लेकर एदोम के राजा तक पाँति चीरकर पहुँचने का यत्न किया परन्तु पहुँच न सका।27तब उसने अपने जेठे पुत्र को जो उसके स्थान में राज्य करनेवाला था पकड़कर शहरपनाह पर होमबलि चढ़ाया। इस कारण इस्राएल पर बड़ा ही क्रोध हुआ, इसलिए वे उसे छोड़कर अपने देश को लौट गए।

#### 2 Kings 3:1

##### यहूदा के राजा यहोशापात के राज्य के अठारहवें वर्ष में अहाब का पुत्र यहोराम सामरिया में राज्य करने लगा

यारोम यह बताता है कि यहूदा के राजा ने कब तक शासन किया इसके अर्थ से यह स्पष्ट हो जाता है कि “आठारहवे वर्ष मे ही यहोशापात यहूदा का राजा था”।

##### अठारहवें वर्ष में

“18 वर्ष”।

##### अहाब का पुत्र यहोराम

यह 1:17 में बताया गया यहोराम नहीं है।

##### उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था

उसने वो काम किए जिन्हे यहोवा दुष्टता के काम मानता है।

##### तो भी उसने अपने माता-पिता के बराबर नहीं किया

यहाँ उसके पिता की राशी की तुमना की बुराई की गयी है। “लेकिन उसने अपने माता पिता के रूप मे इतनी बुराई नही की “।

##### बाल के स्तम्भ को दूर किया

इस स्तम्भ को बाल की पूजा में इसतेमाल किया जाता है और “उसे बाल की पूजा के लिए पवित्र स्तम्भ कहते है”।

##### ऐसे पापों में जैसे उसने

यह एक मुहावरा हे कि वह पा करने जारी रखता है।

##### नबात

यह एक पुरुष का नाम है।

##### वह लिपटा रहा और उनसे न फिरा

किसी वीज से दूर होना इसका अर्थ है बंद करना कि “वह उन पापों को करना बंद कर देता है”।

#### 2 Kings 3:4

##### इस्राएल के राजा को एक लाख बच्चे और एक लाख मेढ़ों का ऊन कर की रीति से दिया करता था

मेशा को ये बातें इस्राएल के राजा को देनी थीं क्योंकि उसका राज्य इस्राएल के राजा द्वारा नियंत्रित था। इस कथन का पूरा अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है। कि “हर साल वह 100,000 भेड़ के बच्चे और इस्राएल के राजा को 100,000 मेढ़ों से ऊन देने के लिए मजबूर किया गया था, क्योंकि उसके राज्य इस्राएल के राजा द्वारा नियंत्रित किया गया था।

##### इस्राएल की गिनती ली

युद्ध के लिए इस्राएल के लोगों को तैयार करने के लिए। “यहाँ “सभी इस्राएल” इस्राएली सैनिकों को दर्शाता है। कि “युद्ध के लिए इस्राएली सैनिकों को जुटाने के लिए“।

#### 2 Kings 3:7

##### सामान्य जानकारी:

राजा योराम के राजा यहोशापात से बात करना जारी रखता है।

##### क्या तू मेरे संग मोआब से लड़ने को चलेगा?

यह शब्द “तुम” यहोशापात और उसकी सेना को दर्शाता है यहाँ मोआब की सेना मोआब के लिए खड़ी है कि “क्या तुम अपनी सेना के साथ मेरे लिए मोआब से लड़ने के जाओगे”।

##### हाँ मैं चलूँगा

यहोशापात योराम की सेना को कहता है कि मै तुम्हारे साथ मोआब की सेना को हराने के लिए चलूँगा।

##### जैसा तू वैसा मैं, जैसी तेरी प्रजा वैसी मेरी प्रजा, और जैसे तेरे घोड़े वैसे मेरे भी घोड़े हैं

योशापात योराम अपने-अपने लोगों और अपने घोड़ों को अपने उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने दे रहा है। वह इस बात की बात करता है मानो वे योराम के हों। कि “जो कुछ भी आप हमसे चाहते हैं हम करने के लिए तैयार हैं। मेरे सैनिकों और मेरे घोड़ों आप मदद करने के लिए तैयार है“।

##### एदोम के जंगल से होकर

“एदोम के जंगल के माध्यम से जा रहे थे”।

#### 2 Kings 3:9

##### इस्राएल का राजा, और यहूदा का राजा, और एदोम का राजा

यह उनकी सेनाओं के साथ राजाओं को दर्शाता है कि “इस्राएल के राजाओ, यहूदा, और एदोम और उनकी सेना”।

##### घूमकर चल चुके

यह उनके बताए गये तारीके से वर्णन किया गया है।

##### घूमकर

एक चाप जो आधे व्रत का आकार होता है।

##### उनको पानी न मिला

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “उनको पानी नहीं मिला”।

##### हाय! यहोवा ने इन तीन राजाओं को इसलिए इकट्ठा किया, कि उनको मोआब के हाथ में कर देॽ

राजा यह ब्यान करता हुआ स्पष्ट रूप से कहता है कि “ऐसा लगता है कि यहोवा हम तीनो को मोआब पर कबजा करने के लिए कहेगा!”।

##### उनको मोआब के हाथ में कर दे

यहाँ “मोआब” सेना को दर्शाता है कि “मोआब” पर सब का नियंत्रण था।

#### 2 Kings 3:11

##### परन्तु यहोशापात ने कहा, “क्या यहाँ यहोवा का कोई नबी नहीं है\*, जिसके द्वारा हम यहोवा से पूछें?

यहोशापात यहाँ एक बयान के रूप मे एक नबी का पता लागाने के लिए यह स्वाल करता है कि “मुझे यकीन है कि वहाँ यहोवा के लिए एक नबी है। मुझे बताओ कि वह कहाँ है हम उसके द्वारा यहोवा से पर्मर्श कर सकते है”।

##### शापात

यह एक पुरुष का नाम है।

##### जो एलिय्याह के हाथों को धुलाया करता था वह तो यहाँ है

इसका अर्थ यह है कि वह एलिय्याह का सहायक है। इस वाकयांश मे एलिय्याह के हाथों पर पानी ड़ालना उसकी सेवा करना है।

##### उसके पास यहोवा का वचन पहुँचा करता है

इसका अर्थ यह है कि वह एक नबी है और यहोवा उसे बताता है कि उसे क्या कहना है “वह बोलता है जो यहोवा उसे कहता है”।

##### उसके पास गए

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकतअ है कि वह एलिय्याह से मिलने गये और उस से सलाह मशवरा किया कि “एलीशा उसे देखने के लिए पूछता है”।

#### 2 Kings 3:13

##### मेरा तुझ से क्या काम है?

एलीशा इस सवाल का प्रयोग करता है कि उसके और राजा के बीच कोई बात में समानता नहीं है कि “मुझे तुम्हारे साथ कुछ भी नहीं करना”।

##### इनको मोआब के हाथ में कर दे

यहाँ “मोआब का हाथ” मोआब पर नियंत्रण को दर्शाता है कि “उन्हे मोआब के नियंत्रण में कर दो”।

##### सेनाओं का यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहा करता हूँ

जैसे कि मै जानता हूँ कि मेजबानों के लिए यहोवा उनके सामने खड़ा है। यहाँ एलीशा यहोवा की निच्क्षच्ता को दर्शाता है कि यहोवा जीवित है। कि “यहोवा तुम्हारे जीवन के लिए प्रतिज्ञा करता है कि वह तुम्हारे साथ हमेशा खड़ा रहेगा”।

##### जिसके सम्मुख मैं उपस्थित

यहाँ यहोवा की सेवा के रूप मे उसकी उपस्थिति मे खड़े होने की बात की गयी है कि “मै जिसका सेवक हूँ”।

##### जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहा करता हूँ, उसके जीवन की शपथ यदि मैं यहूदा के राजा यहोशापात का आदरमान न करता, तो मैं न तो तेरी ओर मुँह करता

यह साकारात्मक रूप से लिखा जा सकता है कि “मै तुम पर सिर्फ इस लिए ध्यान दे रहा हूँ क्योकि मै यहूदा और यहोशापात की उपस्थिति का सम्मान करता हुँ”।

##### मैं यहोशापात का आदरमान करता

यहाँ यहोशापप की उपस्थिति को दर्शाया गया है कि “मैने यहोशापात का सम्मान किया”।

##### मैं न तो तेरी ओर मुँह करता और न तुझ पर दृष्टि करता

इन दो वाक्यांशो का एक ही अर्थ है कि वह योराम पर ध्यान दे रहे थे कि “मुझे तुम सब से क्या करना चाहिए”।

#### 2 Kings 3:15

##### बजानेवाला

कोई जो वीणा बाजाता है।

##### यहोवा की शक्ति एलीशा पर हुई

यहाँ यहोवा का हाथ शक्ति को दर्शाता है कि “यहोवा की शक्ति एलीशा पर आई”।

##### खोदो

एक लम्बी खुदाई है जो कि जमीन मे खुदाई के लिए दानी इक्ठ्ठा करने के लिए की जाती है”।

##### यह नदी पानी से भर जाएगी

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “मै इस नदी की घाटी को पानी से भर दूँगा”।

##### तुम पीने पाओगे

यहोवा ने उनको जो पानी पीने को दिया यह उसे दर्शाता है कि “तुम पानी पीलाओगे”।

#### 2 Kings 3:18

##### यह यहोवा की दृष्टि में छोटी सी बात है

“यह काम यहोवा के लिये बहुत आसान है”।

##### उत्तम नगरों

यह उत्तम नगर ऊँची दीवारों से बना है जिस से दुश्‍मनों से बचा जा सकता है।

##### खेतों में पत्थर फेंककर उन्हें बिगाड़ देना

इसका अर्थ यह है कि उपजाऊँ भूमि पर चट्टानों को रखना ताकि इसका उपयोग करना मुश्किल ना हो। यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “उन्हे चट्टानों के साथ ढक कर देश के हर टुकड़े मे रखा जाए“।

#### 2 Kings 3:20

##### जल बह आया

“पानी बहने लगा”।

##### देश जल से भर गया

“और जल्दी ही देश पानीस ए भर गया”।

##### देश

“भूमि” या ज़मीन

#### 2 Kings 3:21

##### अब

इस शब्द का प्रयोग मुख्य कहानी को शुरु करने के लिए किया जाता है। लेखक यहाँ मोआब की सेना द्वारा युद्ध में तीन राजाओं और उनकी सेनाओं से मिलने की तैयारी की पृष्ठभूमि बताता है

##### वे सब बुलाकर इकट्ठे किए गए

यहाँ “आमोर” लड़ने की क्षमता को दर्शाता है। कि “वह सभी पुरुष जो लड़ रहे थे “।

##### राजाओं ने हम से युद्ध करने के लिये चढ़ाई की

यह शब्द “राजा” दोनो राजाओ की सेनाऔ को दर्शाता है। कि “राजा अपनी सॆनाओ के साथ आए थे”।

##### लहू सा लाल दिखाई पड़ा

यह पानी की लाल रंग की तुलना रक्त के सामान करता है; “यह लहू की तरह लाल था”।

##### जितने मोआबियों

सैनिको के रूप मे यहाँ खुद की बात की गयी है कि “मोआब के सैनिक”।

##### लूट लेने को जाओ

उनके सामान को लूट लो

#### 2 Kings 3:24

##### इस्राएल की छावनी

यहाँ “इस्राएल” केवल इस्राएली सैनिको को दर्शाता है और इस्राएल पूरे देश के लिए नहीं है। “वह जगह जहाँ इस्राऐली सैनिकों ने अपने तम्बू लागाये थे”।

##### इस्राएली उठकर

यहाँ “इस्राएल” केवल इस्राएली सैनिको को दर्शाता है और इस्राएल पूरे देश के लिए नही है कि “इस्राएली सैनिक चौंक गये”।

##### उनके सामने से भाग गए

“वह उन लोगों से भाग गया था”।

##### कीरहरासत

यह मोआब की राजधानी है

##### यहाँ तक कि पत्थर तो रह गए

इस शहर की दीवारे और इमारतें पत्थरों से बनी थी। इसका अर्थ स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “अभी भी उस जगह पर पत्थर की दीवारें और इमारतें हैं”।

##### गोफन

एक “गोफन” दोनों सिरों पर लंबी डोरियों के साथ पशु की चमड़े का एक टुकड़ा है जिसमें एक व्यक्ति एक पत्थर या अन्य छोटी, मजबूत वस्तु डाल सकते हैं और इसे एक लंबी दूरी फेंका जा सकता है।

#### 2 Kings 3:26

##### हम युद्ध में हार चले

“उसकी सेना को हाराया जा रहा था”।

##### सात सौ तलवार रखनेवाले पुरुष

“700 तलवार रखनेवाले पुरुष“।

##### तलवार रखनेवाले पुरुष

तलवारो से लड़ने वाले सैनिक।

##### चीरकर पहुँचने

“अपने तारीके के मजबूर करने के माध्यम से” वहाँ कोई सैनिक थे जो युद्ध के मैदान के लिए लड़ रहे थे।

##### पकड़कर शहरपनाह पर होमबलि चढ़ाया

मेशा के राजा ने आग के साथ अपने बेटे को जला दिया जब तक वह मर नही गया। स्पष्ट रूप मे कहा जा सकता है कि वह ऐसा कामोश मोआब के झूठे देवते के लिए भेट के रूप मे ऐसा कर रहा है।

##### इस कारण इस्राएल पर बड़ा ही क्रोध हुआ

यहाँ शब्द “क्रोध” को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है वहाँ गुस्से होने की दो भावनाए है कि “तो मोआबी सैनिक इस्राएल से बहुत गुस्सा थे”।

### Translation Questions

#### 2 Kings 3:2

##### यहोराम की दुष्टता उसके माता पिता के दुष्टता से अलग कैसे थी ?

यहोराम की दुष्टता उसके माता पिता से अलग थी क्योंकि उसने अपने पिता की बनवाई हुई बाल के स्तम्भ को दूर किया।

#### 2 Kings 3:6

##### राजा यहोराम सामरिया से क्यों निकले थे?

राजा यहोराम संपूर्ण इस्राएल को युद्ध के लिए तैयार करने के लिए सामरिया से निकले थे।

#### 2 Kings 3:9

##### सात दिन तक अर्ध चक्र बनाए चलने वाली सेनाएं कौन-कौन सी थीं?

इस्राएल, यहूदा और एदोम की सेनाएं सात दिन तक अर्धचक्र में चलती रहीं।

#### 2 Kings 3:11

##### एलीशा ने एलिय्याह के लिए क्या किया?

एलीशा, एलिय्याह (एक सेवक) के हाथ धुलाता था।

#### 2 Kings 3:14

##### इस्राएल के राजा के तरफ एलीशा ने ध्यान क्यों दिया?

एलीशा ने यहूदा के राजा यहोशापात का मान रखने के कारण इस्राएल के राजा की बात सुनी।

#### 2 Kings 3:15

##### एलीशा पर यहोवा की शक्ति कब उतरी?

जब वीणा बजाने वाले ने वीणा बजाया तब यहोवा की शक्ति एलीशा पर उतरी।

#### 2 Kings 3:20

##### संपूर्ण देश में जल से कब भर गया?

सवेरे अन्न बलि चढ़ाने के समय एदोम से पानी बहकर आने लगा और संपूर्ण देश पानी से भर गया।

#### 2 Kings 3:21

##### मोआबियों की ओर से युद्ध करने के लिए कौन आए?

जितने मोआबी हथियार बांधने में योग्य थे युद्ध के लिए इकट्ठा हुए।

#### 2 Kings 3:22

##### पानी को देख कर मोआबियों ने क्या सोचा?

पानी को देखकर मोआबियों ने सोचा कि वे तीनों राजा एक दूसरे को मार कर नष्ट हो गए।

#### 2 Kings 3:23

##### पानी को देख कर मोआबियों ने क्या सोचा?

पानी को देखकर मोआबियों ने सोचा कि वे तीनों राजा एक दूसरे को मार कर नष्ट हो गए।

#### 2 Kings 3:27

##### मोआब के राजा ने अपने बड़े पुत्र के साथ क्या किया?

उसने अपने बड़े पुत्र को लेकर शहरपनाह पर होमबलि चढ़ाया।

Chapter 4  
एलीशा के चार आश्चर्यकर्म

1भविष्यद्वक्ताओं के दल में से एक की स्त्री ने एलीशा की दुहाई देकर कहा, “तेरा दास मेरा पति मर गया, और तू जानता है कि वह यहोवा का भय माननेवाला था, और जिसका वह कर्जदार था, वह आया है कि मेरे दोनों पुत्रों को अपने दास बनाने के लिये ले जाए।”2एलीशा ने उससे पूछा, “मैं तेरे लिये क्या करूँ? मुझे बता कि तेरे घर में क्या है?” उसने कहा, “तेरी दासी के घर में एक हाँड़ी तेल को छोड़ और कुछ नहीं है।”3उसने कहा, “तू बाहर जाकर अपनी सब पड़ोसिनों से खाली बर्तन माँग ले आ, और थोड़े बर्तन न लाना।4फिर तू अपने बेटों समेत अपने घर में जा, और द्वार बन्द करके उन सब बरतनों में तेल उण्डेल देना, और जो भर जाए उन्हें अलग रखना।”5तब वह उसके पास से चली गई, और अपने बेटों समेत अपने घर जाकर द्वार बन्द किया; तब वे तो उसके पास बर्तन लाते गए और वह उण्डेलती गई।6जब बर्तन भर गए, तब उसने अपने बेटे से कहा, “मेरे पास एक और भी ले आ;” उसने उससे कहा, “और बर्तन तो नहीं रहा।” तब तेल रुक गया।7तब उसने जाकर परमेश्‍वर के भक्त को यह बता दिया। और उसने कहा, “जा तेल बेचकर ऋण भर दे; और जो रह जाए, उससे तू अपने पुत्रों सहित अपना निर्वाह करना।”8फिर एक दिन की बात है कि एलीशा शूनेम को गया, जहाँ एक कुलीन स्त्री थी, और उसने उसे रोटी खाने के लिये विनती करके विवश किया। अतः जब-जब वह उधर से जाता, तब-तब वह वहाँ रोटी खाने को उतरता था।9और उस स्त्री ने अपने पति से कहा, “सुन यह जो बार-बार हमारे यहाँ से होकर जाया करता है वह मुझे परमेश्‍वर का कोई पवित्र भक्त जान पड़ता है।10हम दीवार पर एक छोटी उपरौठी कोठरी बनाएँ, और उसमें उसके लिये एक खाट, एक मेज, एक कुर्सी और एक दीवट रखें, कि जब-जब वह हमारे यहाँ आए, तब-तब उसी में टिका करे।”11एक दिन की बात है, कि वह वहाँ जाकर उस उपरौठी कोठरी में टिका और उसी में लेट गया।12और उसने अपने सेवक गेहजी से कहा, “उस शूनेमिन को बुला ले।” उसके बुलाने से वह उसके सामने खड़ी हुई।13तब उसने गेहजी से कहा, “इससे कह, कि तूने हमारे लिये ऐसी बड़ी चिन्ता की है, तो तेरे लिये क्या किया जाए? क्या तेरी चर्चा राजा, या प्रधान सेनापति से की जाए?” उसने उत्तर दिया, “मैं तो अपने ही लोगों में रहती हूँ\*।”14फिर उसने कहा, “तो इसके लिये क्या किया जाए?” गेहजी ने उत्तर दिया, “निश्चय उसके कोई लड़का नहीं, और उसका पति बूढ़ा है।”15उसने कहा, “उसको बुला ले।” और जब उसने उसे बुलाया, तब वह द्वार में खड़ी हुई।16तब उसने कहा, “वसन्त ऋतु में दिन पूरे होने पर तू एक बेटा छाती से लगाएगी।” स्त्री ने कहा, “हे मेरे प्रभु! हे परमेश्‍वर के भक्त ऐसा नहीं, अपनी दासी को धोखा न दे।”17स्त्री को गर्भ रहा, और वसन्त ऋतु का जो समय एलीशा ने उससे कहा था, उसी समय जब दिन पूरे हुए, तब उसके पुत्र उत्‍पन्‍न हुआ।18जब लड़का बड़ा हो गया, तब एक दिन वह अपने पिता के पास लवनेवालों के निकट निकल गया।19और उसने अपने पिता से कहा, “आह! मेरा सिर, आह! मेरा सिर।” तब पिता ने अपने सेवक से कहा, “इसको इसकी माता के पास ले जा।”20वह उसे उठाकर उसकी माता के पास ले गया, फिर वह दोपहर तक उसके घुटनों पर बैठा रहा, तब मर गया।21तब उसने चढ़कर उसको परमेश्‍वर के भक्त की खाट पर लिटा दिया, और निकलकर किवाड़ बन्द किया, तब उतर गई।22तब उसने अपने पति से पुकारकर कहा, “मेरे पास एक सेवक और एक गदही तुरन्त भेज दे कि मैं परमेश्‍वर के भक्त के यहाँ झटपट हो आऊँ।”23उसने कहा, “आज तू उसके यहाँ क्यों जाएगी? आज न तो नये चाँद का, और न विश्राम का दिन है;” उसने कहा, “कल्याण होगा।”24तब उस स्त्री ने गदही पर काठी बाँध कर अपने सेवक से कहा, “हाँके चल; और मेरे कहे बिना हाँकने में ढिलाई न करना।”25तो वह चलते-चलते कर्मेल पर्वत को परमेश्‍वर के भक्त के निकट पहुँची। उसे दूर से देखकर परमेश्‍वर के भक्त ने अपने सेवक गेहजी से कहा, “देख, उधर तो वह शूनेमिन है।26अब उससे मिलने को दौड़ जा, और उससे पूछ, कि तू कुशल से है? तेरा पति भी कुशल से है? और लड़का भी कुशल से है?” पूछने पर स्त्री ने उत्तर दिया, “हाँ, कुशल से हैं।”27वह पहाड़ पर परमेश्‍वर के भक्त के पास पहुँची, और उसके पाँव पकड़ने लगी\*, तब गेहजी उसके पास गया, कि उसे धक्का देकर हटाए, परन्तु परमेश्‍वर के भक्त ने कहा, “उसे छोड़ दे, उसका मन व्याकुल है; परन्तु यहोवा ने मुझ को नहीं बताया, छिपा ही रखा है।”28तब वह कहने लगी, “क्या मैंने अपने प्रभु से पुत्र का वर माँगा था? क्या मैंने न कहा था मुझे धोखा न दे?”29तब एलीशा ने गेहजी से कहा, “अपनी कमर बाँध, और मेरी छड़ी हाथ में लेकर चला जा, मार्ग में यदि कोई तुझे मिले तो उसका कुशल न पूछना, और कोई तेरा कुशल पूछे, तो उसको उत्तर न देना, और मेरी यह छड़ी उस लड़के के मुँह पर रख देना।” (लूका 10:4, लूका 12:35)30तब लड़के की माँ ने एलीशा से कहा, “यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे न छोड़ूँगी।” तो वह उठकर उसके पीछे-पीछे चला।31उनसे पहले पहुँचकर गेहजी ने छड़ी को उस लड़के के मुँह पर रखा, परन्तु कोई शब्द न सुन पड़ा, और न उसमें कोई हरकत हुई, तब वह एलीशा से मिलने को लौट आया, और उसको बता दिया, “लड़का नहीं जागा।”32जब एलीशा घर में आया, तब क्या देखा, कि लड़का मरा हुआ उसकी खाट पर पड़ा है।33तब उसने अकेला भीतर जाकर किवाड़ बन्द किया, और यहोवा से प्रार्थना की। (मत्ती 6:6)34तब वह चढ़कर लड़के पर इस रीति से लेट गया\* कि अपना मुँह उसके मुँह से और अपनी आँखें उसकी आँखों से और अपने हाथ उसके हाथों से मिला दिये और वह लड़के पर पसर गया, तब लड़के की देह गर्म होने लगी।35वह उसे छोड़कर घर में इधर-उधर टहलने लगा, और फिर चढ़कर लड़के पर पसर गया; तब लड़के ने सात बार छींका, और अपनी आँखें खोलीं।36तब एलीशा ने गेहजी को बुलाकर कहा, “शूनेमिन को बुला ले।” जब उसके बुलाने से वह उसके पास आई, “तब उसने कहा, अपने बेटे को उठा ले।” (लूका 7:15)37वह भीतर गई, और उसके पाँवों पर गिर भूमि तक झुककर दण्डवत् किया; फिर अपने बेटे को उठाकर निकल गई।38तब एलीशा गिलगाल को लौट गया। उस समय देश में अकाल था, और भविष्यद्वक्ताओं के दल उसके सामने बैठे हुए थे, और उसने अपने सेवक से कहा, “हण्डा चढ़ाकर भविष्यद्वक्ताओं के दल के लिये कुछ पका।”39तब कोई मैदान में साग तोड़ने गया, और कोई जंगली लता पाकर अपनी अँकवार भर जंगली फल तोड़ ले आया, और फाँक-फाँक करके पकने के लिये हण्डे में डाल दिया, और वे उसको न पहचानते थे।40तब उन्होंने उन मनुष्यों के खाने के लिये हण्डे में से परोसा। खाते समय वे चिल्लाकर बोल उठे, “हे परमेश्‍वर के भक्त हण्डे में जहर है;” और वे उसमें से खा न सके।41तब एलीशा ने कहा, “अच्छा, कुछ आटा ले आओ।” तब उसने उसे हण्डे में डालकर कहा, “उन लोगों के खाने के लिये परोस दे।” फिर हण्डे में कुछ हानि की वस्तु न रही।42कोई मनुष्य बालशालीशा से, पहले उपजे हुए जौ की बीस रोटियाँ, और अपनी बोरी में हरी बालें परमेश्‍वर के भक्त के पास ले आया; तो एलीशा ने कहा, “उन लोगों को खाने के लिये दे।”43उसके टहलुए ने कहा, “क्या मैं सौ मनुष्यों के सामने इतना ही रख दूँ?” उसने कहा, “लोगों को दे दे कि खाएँ, क्योंकि यहोवा यह कहता है, ‘उनके खाने के बाद कुछ बच भी जाएगा।’ ”44तब उसने उनके आगे रख दिया, और यहोवा के वचन के अनुसार उनके खाने के बाद कुछ बच भी गया। (मत्ती 14:20, लूका 9:17)

#### 2 Kings 4:1

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

“वे पुरुषों का एक समूह जो सब भविष्यद्वक्ता थे।

##### तेरा दास मेरा पति

“मेरा पति, जो तुम्हारा सेवक था”।

##### वह

यहाँ “वह“ वो व्यक्ति जो अन्य लोगों को धन का उधार देता था।

##### तेरी दासी के घर में …कुछ नहीं है।

औरत ने एलीशा को सम्मान देने के लिये स्वयं को दासी रूप मे दर्शाया।

##### तेरी दासी के घर में एक हाँड़ी तेल को छोड़ और कुछ नहीं है।

एकमात्र मूल्यवान चीज जो उसके पास थी वो तेल की एक हाँड़ी थी।

#### 2 Kings 4:3

##### अपने घर में जा

“आपको अपने घर के अंदर जाना होगा”।

#### 2 Kings 4:5

##### बर्तन

“बर्तन“।

#### 2 Kings 4:7

##### परमेश्‍वर के भक्त

यह एलीशा को दर्शाता है। कि “एलीशा परमेश्‍वर का भक्त है”।

##### उससे तू अपने पुत्रों सहित अपना निर्वाह करना

इसका पैसे का उपयोग करने के लिए जरूरत की चीजें खरीदने के लिए करना है जैसे भोजन और कपड़े। अत: “अपने लिए और आपके बेटे के लिए बाकी चीजें लेने के लिए पैसे का उपयोग करना ”।

#### 2 Kings 4:8

##### शूनेम

यह एक शहर का नाम है।

##### उसने उसे रोटी खाने के लिये विनती करके विवश कि

“उसने उसे उसके घर आकर भोजन करने को कहा”

##### उधर से जाता

“शूनेम के माध्यम से यात्रा करता”।

##### वह मुझे…जान पड़ता है

“अब मै समझी हूँ

##### यहाँ से होकर जाया करता है

“जो नियमित रूप से यात्रा करता है”।

#### 2 Kings 4:10

##### सामान्य जानकारी:

वह महत्तवपूर्ण औरत एलीशा के बारे में अपने पति से बात करना जारी रखती है।

##### हम पर

यहाँ “हम” महत्तवपूर्ण महिला और उसके पति को दर्शाता है।

#### 2 Kings 4:12

##### गेहजी

यह एक पुरुष का नाम है।

##### उस शूनेमिन को बुला ले

“उस शूनेमिन महिला को बुला लो” यह उस शूनेमी महिला को दर्शाती है जिसके यहाँ एलीशा रहा करता था।

##### तूने हमारे लिये ऐसी बड़ी चिन्ता की है, तो तेरे लिये क्या किया जाए

“आपने हमारे लिए बहुत दया और चिंता दिखाई है”।

##### तो तेरे लिये क्या किया जाए?

अत: “हम आपके लिए क्या कर सकते है”।

##### क्या तेरी चर्चा

अत: “ क्या हम तुम्हारे लिये अनुरोध कर सकते हैं“।

##### मैं तो अपने ही लोगों में रहती हूँ

उस औरत के कहने का अर्थ है कि उसे कोई भी चीज की जरूरत नहीं है कि “मै अपने परिवार के साथ हूँ और वो मेरी देखभाल करते हैं इस लिये मुझे किसी वस्तु की जरूरत नहीं है।

#### 2 Kings 4:14

##### उसको बुला ले

“उस से बोलो कि वो आकर मुझ से मिले”।

##### जब उसने उसे बुलाया

“जब गहेजी ने उसे बुलाया था”।

##### द्वार

यह दरवाजे को दर्शाता है।

##### एक बेटा

“तुम्हारा बेटा”।

##### मेरे प्रभु! हे परमेश्‍वर के भक्त

महिला इन दोनों नामों का उपयोग एलीशा का उल्लेख करने के लिए करती है।

##### अपनी दासी

महिला उसे सम्मान दिखाने के लिए सवयं को एलीशा की दासी के रूप मे दर्शाती है।

#### 2 Kings 4:17

##### उसी समय जब दिन पूरे हुए

“अगले वर्ष इसी समय के दौरान“।

##### जब लड़का बड़ा हो गया

“जब बच्चा बड़ा हो गया”।

##### आह! मेरा सिर, आह! मेरा सिर

अत: “मेरे सिर मे दर्द होता है! मेरे सिर में दर्द होता है!“।

##### फिर वह दोपहर तक उसके घुटनों पर बैठा रहा, तब मर गया

अत: “वह दोपहर तक उसकी गोद में रहा और फिर वह मर गया“।

#### 2 Kings 4:21

##### उसको परमेश्‍वर के भक्त की खाट पर लिटा दिया

यह कमरे में बिस्तर वह एलीशा के लिए तैयार किया था जब वह शूनेमन के माध्यम से वहा जा रहा था।

##### परमेश्‍वर के भक्त

“एलीशा, परमेश्‍वर का भक्त था”।

##### एक गदही तुरन्त भेज दे कि मैं परमेश्‍वर के भक्त के यहाँ झटपट हो आऊँ

महिला ने अपने पति से कहा कि वह एलीशा को मिलने जा रही है, लेकिन उसने यह नहीं कहा कि वह इसलिए जा रही है क्योंकि उसके बेटे की मौत हो चुकी है। “कि मैं परमेश्‍वर के जन के पास जल्दी से जाकर वापिस आ जाऊँगी।

#### 2 Kings 4:23

##### उसने कहा कल्याण होगा

“यदि तू मेरे कहे अनुसार करे तो सब ठीक होगा“

##### गदही पर काठी बाँध

महिला ने गदही पर काठी नहीं बाँधी बल्कि उसके नौकर नेे ऐसा किया।

#### 2 Kings 4:25

##### तो वह चलते-चलते कर्मेल पर्वत को परमेश्‍वर के भक्त के निकट पहुँची

“तो वह चलती-चलती कर्मेल के पर्वत पर परमेश्‍वर के भक्त एलीशा के पास पहुँच गई।

##### उसे दूर से देखकर परमेश्‍वर के भक्त ने अपने सेवक से कहा

“जब वह अभी भी दूर था, और एलीशा उसे ने उसे आते हुए देखा“।

##### हाँ, कुशल से हैं

“हाँ, सब कुछ ठीक है”।

#### 2 Kings 4:27

##### पहाड़

“कर्मेल पर्वत”।

##### उसके पाँव पकड़ने लगी

वह उसके सामने जमीन पर गिर पड़ी और उसके पैर पकड़ लिए

##### परन्तु यहोवा ने मुझ को नहीं बताया, छिपा ही रखा है

एलीशा देख पा रहा था कि वह औरत परेशान है लेकिन यहोवा ने उसकी समस्या एलीशा पर प्रकट नहीं की थी।

#### 2 Kings 4:28

##### तब वह कहने लगी, “क्या मैंने अपने प्रभु से पुत्र का वर माँगा था? क्या मैंने न कहा था मुझे धोखा न दे?

अत: “मैने तुम्हे एक बेटा देने के लिए नहीं कहा था लेकिन मैंने ये माँगा था कि मुझ से झूठ मत बोलना

##### अपनी कमर बाँध

“यात्रा करने के लिए तैयार हो जाओ”।

##### यदि कोई तुझे मिले तो उसका कुशल न पूछना, और कोई तेरा कुशल पूछे, तो उसको उत्तर न देना

एलीशा चाहता है कि गहेजी जल्द‍ से जल्द यात्रा करे और किसी से भी बात करने के लिए रूके बिना आगे बढ़े।

#### 2 Kings 4:30

##### यहोवा के और तेरे जीवन की शपथ मैं तुझे न छोड़ूँगी

मैं गंभीरता से प्रतिज्ञा करती हूँ।

##### परन्तु कोई शब्द न सुन पड़ा

इसका अर्थ यह है कि बच्चा जीवित नहीं था। इस से यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “लेकिन बच्चे के जीवित होने का कोई संकेत नहीं मिल रहा था”।

##### नहीं जागा

“मर चुका है”।

#### 2 Kings 4:32

##### तब उसने अकेला भीतर जाकर किवाड़ बन्द किया

तो एलीशा कमरे मे चला गया जहा बच्चे को रखा हुआ था और दरवाजा बंद कर लिया था।

#### 2 Kings 4:35

##### फिर चढ़कर लड़के पर पसर गया

“लड़के के ऊपर फिर से लेट गया”।

##### शूनेमिन

“शूनेमानी औरत”।

##### वह भीतर गई, और उसके पाँवों पर गिर भूमि तक झुककर दण्डवत् किया

वह धन्यवाद देने के लिए एलीशा के सामने भूमि पर झुकी।

#### 2 Kings 4:38

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

इसका अर्थ यह नही है कि वह भविष्यद्वक्ताओं के बेटे थे बल्कि, कि “वे पुरुषो का एक समूह जो कि भविष्यद्वक्ता थे

##### हण्डे

यह एक पकवान है कि आम तौर पर मांस और तरल के साथ सब्जियों के साथ एक बर्तन में पका कर बनाया जाता है।

##### जंगली फल

यह जंगली संब्बिजयाँ है जिसको किसी ने नही उगाया जो अपने आप बढ़ती है।

##### अपनी अँकवार भर

उसने अपने कपड़े को निचले किनारे को अपनी कमर तक उठा लिया ताकि वह अपने हाथों से अधिक लौकी ले जाने के लिए एक जगह बना सके।

##### वे उसको न पहचानते थे

क्योकि वे नहीं जानते थे कि वे किस तरह की लौकी थी, उन्हें पता नहीं था कि वे खाने के लिए सुरक्षित हैं या नहीं। कि "लेकिन पता नहीं था कि वे अच्छा या खाने के लिए बुरा था”।

#### 2 Kings 4:40

##### उन्होंने उन मनुष्यों के खाने के लिये हण्डे में से परोसा

“उन्होने कटोरे मे हण्‍डे ड़ाले”।

##### हण्डे में जहर है

इसका अर्थ है कि कटोरे मे जहर था जो उन्हे मार सकता था “उस कटोरे में कुछ ऐसा है जिस से हम मर जाएँगे”।

##### उसने उसे हण्डे में डालकर कहा

“उसने कहा कि इस बर्तन मे हण्‍डे का जोड़ा है“।

##### उन लोगों के खाने के लिये परोस दे

“यह लोगों के आगे परोस दो”।

#### 2 Kings 4:42

##### बालशालीशा

यह एक शहर का नाम है।

##### बीस रोटियाँ

“20 रोटियाँ”।

##### बोरी में हरी बालें

“नई फसल से आनाज बनाया”।

##### बोरी में हरी बालें

“आनाज के नये सिरे से“ यह नई फसल को दर्शाता है।

##### क्या मैं सौ मनुष्यों के सामने इतना ही रख दूँ?

वह पुरुष 100 पुरुषो को रोटी खिलाने को कहता है। यह स्पष्ट रूप से का जा सकता है कि “यह एक सौ पुरुषो को खिलाने के लिए कम है”।

##### सौ मनुष्यों

“100 पुरुष”।

##### यहोवा के वचन

यहाँ यहोवा क्या कह रहे है उसे दर्शाता है। इस वाक्यांश मे यहोवा संव्य को कह रहे है कि “यहोवा”।

### Translation Questions

#### 2 Kings 4:1

##### भविष्यद्वक्ताओं में से एक की स्त्री के पुत्रों के साथ क्या होने वाला था?

ऋणदाता उसके दोनों बच्चो को दास बनाकर ले जाने वाला था।

#### 2 Kings 4:3

##### स्त्री को कहा से पात्र उधार लेना चाहिए?

उसे अपने पड़ोसियों से पात्र उधार लेना चाहिए था।

#### 2 Kings 4:6

##### तेल बहना कब बंद हुआ?

जब उसके पुत्र ने कहा कि और पात्र नहीं है तब तेल बहना बंद हुआ।

#### 2 Kings 4:10

##### एलीशा के लिए शूनेम के महत्वपूर्ण स्त्री और उसके पती ने क्या बनाया?

उन्होंने एलीशा के लिए छत पर एक कमरा बनवाया और उसमें एक खाट, एक मेज, एक कुर्सी और एक दीपक रख दिया।

#### 2 Kings 4:16

##### वह स्त्री एक वर्ष में किसे छाती से लगाएगी?

साल भर में एक पुत्र होगा।

#### 2 Kings 4:18

##### बच्चे के सीर में चोट कब लगी?

एक दिन जब बच्चा अपने पिता के साथ बाहर गया, वह फसल काटनेवालों के साथ था तब उसके सीर में चोट लगी।

#### 2 Kings 4:19

##### बच्चे के सीर में चोट कब लगी?

एक दिन जब बच्चा अपने पिता के साथ बाहर गया, वह फसल काटनेवालों के साथ था तब उसके सीर में चोट लगी।

#### 2 Kings 4:20

##### वह बालक मरने तक कहां बैठा रहा था?

मरने से पहले बालक अपनी माता के घुटनों पर बैठा था।

#### 2 Kings 4:25

##### परमेश्वर का भक्त कहाँ था ?

परमेश्वर का भक्त कर्मेल पर्वत पर था।

#### 2 Kings 4:26

##### गहेजी द्वारा कुशल क्षेम पूछने पर उस स्त्री ने क्या उत्तर दिया?

गहेजी द्वारा कुशल क्षेम पूछने पर उस स्त्री ने उत्तर दिया, "हां कुशल से है।"

#### 2 Kings 4:27

##### पहाड़ पर जब वह स्त्री परमेश्वर के भक्त के पास आई तब उसने क्या किया?

पहाड़ पर उस स्त्री ने आकर परमेश्वर के भक्त के पांव पकड़ लिए।

#### 2 Kings 4:29

##### यदि गहेजी से कोई मार्ग में कुशल पूछे या कोई उससे भेंट करे तो गहेजी को क्या करना था?

यदि गेहज़ी किसी से मिले या कोई उसे मिले तो उसे कोई उत्तर नहीं देना है।

#### 2 Kings 4:31

##### गहेजी ने उस बालक के मुख पर क्या रखा?

गहेजी ने उस बालक के मुंह पर एलीशा की छड़ी को रखा।

#### 2 Kings 4:34

##### उस बालक का शरीर गर्म कैसे हुआ?

एलीशा जब उस लड़के पर लेट गया तो उसका शरीर गर्म होने लगा।

#### 2 Kings 4:35

##### आँख खोलने से पहले उस बालक ने क्या किया?

उस बालक ने सात बार छींका फिर आँखें खोलीं।

#### 2 Kings 4:38

##### मैदान से साग तोड़ने कौन गया था?

भविष्यद्वक्ताओं के दल में से कोई मैदान से साग तोड़ने गया।

#### 2 Kings 4:39

##### मैदान से साग तोड़ने कौन गया था?

भविष्यद्वक्ताओं के दल में से कोई मैदान से साग तोड़ने गया।

#### 2 Kings 4:40

##### एलीशा ने हण्डे में से मौत को कैसे हटाया?

एलीशा ने हण्डे में कुछ मैदा डाल दिया।

#### 2 Kings 4:41

##### एलीशा ने हण्डे में से मौत को कैसे हटाया?

एलीशा ने हण्डे में कुछ मैदा डाल दिया।

#### 2 Kings 4:42

##### जौ की बीस रोटियां कितने लोगों ने खाईं?

एक सो लोगो ने जौ की बीस रोटीयाँ खाई।

#### 2 Kings 4:43

##### जौ की बीस रोटियां कितने लोगों ने खाईं?

एक सो लोगो ने जौ की बीस रोटीयाँ खाई।

Chapter 5  
नामान कोढ़ी का शुद्ध किया जाना

1अराम के राजा का नामान नामक सेनापति अपने स्वामी की दृष्टि में बड़ा और प्रतिष्ठित पुरुष था, क्योंकि यहोवा ने उसके द्वारा अरामियों को विजयी किया था, और वह शूरवीर था, परन्तु कोढ़ी था।2अरामी लोग दल बाँधकर इस्राएल के देश में जाकर वहाँ से एक छोटी लड़की बन्दी बनाकर में ले आए थे और वह नामान की पत्‍नी की सेवा करती थी।3उसने अपनी स्वामिनी से कहा, “यदि मेरा स्वामी सामरिया के भविष्यद्वक्ता के पास होता, तो क्या ही अच्छा होता! क्योंकि वह उसको कोढ़ से चंगा कर देता।”4तो नामान ने अपने प्रभु के पास जाकर कह दिया, “इस्राएली लड़की इस प्रकार कहती है।”5अराम के राजा ने कहा, “तू जा, मैं इस्राएल के राजा के पास एक पत्र भेजूँगा।” तब वह दस किक्कार चाँदी और छः हजार टुकड़े सोना, और दस जोड़े कपड़े साथ लेकर रवाना हो गया।6और वह इस्राएल के राजा के पास वह पत्र ले गया जिसमें यह लिखा था, “जब यह पत्र तुझे मिले, तब जानना कि मैंने नामान नामक अपने एक कर्मचारी को तेरे पास इसलिए भेजा है, कि तू उसका कोढ़ दूर कर दे।”7यह पत्र पढ़ने पर इस्राएल के राजा ने अपने वस्त्र फाड़े और बोला, “क्या मैं मारनेवाला और जिलानेवाला परमेश्‍वर हूँ कि उस पुरुष ने मेरे पास किसी को इसलिए भेजा है कि मैं उसका कोढ़ दूर करूँ? सोच विचार तो करो, वह मुझसे झगड़े का कारण ढूँढ़ता होगा।”8यह सुनकर कि इस्राएल के राजा ने अपने वस्त्र फाड़े हैं, परमेश्‍वर के भक्त एलीशा ने राजा के पास कहला भेजा, “तूने क्यों अपने वस्त्र फाड़े हैं? वह मेरे पास आए, तब जान लेगा, कि इस्राएल में भविष्यद्वक्ता है।”9तब नामान घोड़ों और रथों समेत एलीशा के द्वार पर आकर खड़ा हुआ।10तब एलीशा ने एक दूत से उसके पास यह कहला भेजा\*, “तू जाकर यरदन में सात बार डुबकी मार, तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा।”11परन्तु नामान क्रोधित हो यह कहता हुआ चला गया, “मैंने तो सोचा था, कि अवश्य वह मेरे पास बाहर आएगा, और खड़ा होकर अपने परमेश्‍वर यहोवा से प्रार्थना करके कोढ़ के स्थान पर अपना हाथ फेरकर कोढ़ को दूर करेगा!12क्या दमिश्क की अबाना और पर्पर नदियाँ इस्राएल के सब जलाशयों से उत्तम नहीं हैं? क्या मैं उनमें स्नान करके शुद्ध नहीं हो सकता हूँ?” इसलिए वह क्रोध से भरा हुआ लौटकर चला गया।13तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, “हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये।”14तब उसने परमेश्‍वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जाकर उसमें सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया। (लूका 4:27)15तब वह अपने सब दल बल समेत परमेश्‍वर के भक्त के यहाँ लौट आया, और उसके सम्मुख खड़ा होकर कहने लगा, “सुन, अब मैंने जान लिया है, कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्‍वर नहीं है! इसलिए अब अपने दास की भेंट ग्रहण कर।”16एलीशा ने कहा, “यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूँ उसके जीवन की शपथ मैं कुछ भेंट न लूँगा\*;” और जब उसने उसको बहुत विवश किया कि भेंट को ग्रहण करे, तब भी वह इन्कार ही करता रहा।17तब नामान ने कहा, “अच्छा, तो तेरे दास को दो खच्चर मिट्टी मिले, क्योंकि आगे को तेरा दास यहोवा को छोड़ और किसी परमेश्‍वर को होमबलि या मेलबलि न चढ़ाएगा।18एक बात यहोवा तेरे दास की क्षमा करे, कि जब मेरा स्वामी रिम्मोन के भवन में दण्डवत् करने को जाए, और वह मेरे हाथ का सहारा ले, और मुझे भी रिम्मोन के भवन में दण्डवत् करनी पड़े, तब यहोवा तेरे दास का यह काम क्षमा करे कि मैं रिम्मोन के भवन में दण्डवत् करूँ।”19उसने उससे कहा, “कुशल से विदा हो।” वह उसके यहाँ से थोड़ी दूर चला गया था, (मर. 5:34)20कि परमेश्‍वर के भक्त एलीशा का सेवक गेहजी सोचने लगा, “मेरे स्वामी ने तो उस अरामी नामान को ऐसा ही छोड़ दिया है कि जो वह ले आया था उसको उसने न लिया, परन्तु यहोवा के जीवन की शपथ\* मैं उसके पीछे दौड़कर उससे कुछ न कुछ ले लूँगा।”21तब गेहजी नामान के पीछे दौड़ा नामान किसी को अपने पीछे दौड़ता हुआ देखकर, उससे मिलने को रथ से उतर पड़ा, और पूछा, “सब कुशल क्षेम तो है?”22उसने कहा, “हाँ, सब कुशल है; परन्तु मेरे स्वामी ने मुझे यह कहने को भेजा है, ‘एप्रैम के पहाड़ी देश से भविष्यद्वक्ताओं के दल में से दो जवान मेरे यहाँ अभी आए हैं, इसलिए उनके लिये एक किक्कार चाँदी और दो जोड़े वस्त्र दे।’”23नामान ने कहा, “खुशी से दो किक्कार ले-ले।” तब उसने उससे बहुत विनती करके दो किक्कार चाँदी अलग थैलियों में बाँधकर, दो जोड़े वस्त्र समेत अपने दो सेवकों पर लाद दिया, और वे उन्हें उसके आगे-आगे ले चले।24जब वह टीले के पास पहुँचा, तब उसने उन वस्तुओं को उनसे लेकर घर में रख दिया, और उन मनुष्यों को विदा किया, और वे चले गए।25और वह भीतर जाकर, अपने स्वामी के सामने खड़ा हुआ। एलीशा ने उससे पूछा, “हे गेहजी तू कहाँ से आता है?” उसने कहा, “तेरा दास तो कहीं नहीं गया।”26उसने उससे कहा, “जब वह पुरुष इधर मुँह फेरकर तुझ से मिलने को अपने रथ पर से उतरा, तब से वह पूरा हाल मुझे मालूम था;\* क्या यह समय चाँदी या वस्त्र या जैतून या दाख की बारियाँ, भेड़-बकरियाँ, गाय बैल और दास-दासी लेने का है?27इस कारण से नामान का कोढ़ तुझे और तेरे वंश को सदा लगा रहेगा।” तब वह हिम सा श्वेत कोढ़ी होकर उसके सामने से चला गया।

#### 2 Kings 5:1

##### स्वामी की दृष्टि में

यह किसी बात को सोचते हुए राजा की दर्ष्टि को दर्शाता है कि “राजा की राय में”।

##### क्योंकि यहोवा ने उसके द्वारा अरामियों को विजयी किया था

यहाँ “आराम” आरामियो की सेना को दर्शाता है कि “क्योकि नामान के माध्यम से यहोवा ने आरामियो को जीत दी”।

##### अरामी लोग दल देश मे जाकर

यहाँ ”अरामी” अरामियो की सेना को दर्शाते है।

##### बन्दी बनाकर

“छोटे समूहो पर हमला करने के लिए” कि बाहर जाकर छोटे समूहो पर हमला किया।

#### 2 Kings 5:3

##### उसने अपनी स्वामिनी से कहा

इस्राएल की लड़की जिस पर अरामियों के सैनिकों द्वारा कब्जा किया गया था उसने नामान की पत्‍नी से बात की।

##### मेरा स्वामी

यहाँ “मेरा स्वामी” नामान को दर्शाता है।

#### 2 Kings 5:5

##### मैं एक पत्र भेजूँगा

राजा नामान को पत्र देने जा रहे है ताकि वह इस्राएल के राजा को साथ लेकर आ सके कि “मै तुम्हारे हाथों एक पत्र भेज दूँगा”।

##### दस किक्कार चाँदी और छः हजार टुकड़े सोना

“10 किक्कार चाँदी, 600 टुक्ड़े सोने के” यह एक माप है जैसे कि “340 किलोग्राम चाँदी, 6,000 सोने के टुकड़े”।

##### दस जोड़े कपड़े साथ लेकर

"अपने साथ दस ... कपड़े, जो इस्राएल के राजा के लिए उपहार थे।”

#### 2 Kings 5:7

##### अपने वस्त्र फाड़े।

उन्होंने अपने संकट को दिखाने के लिए अपने कपड़े फाड़ दिए।”

##### क्या मैं मारनेवाला और जिलानेवाला परमेश्‍वर हूँ कि उस पुरुष ने मेरे पास किसी को इसलिए भेजा है कि मैं उसका कोढ़ दूर करूँ?

"शायद आराम का राजा यह सोचता कि मैं किसी प्रकार का परमेश्‍वर हूँ, जिसके पास मृत्यु और जीवन की शक्ति है! वह चाहता है कि मैं इस आदमी के कोढ़ का इलाज करूँ, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता।”

##### सोच विचार तो करो, वह मुझसे झगड़े का कारण ढूँढ़ता होगा।”

"ऐसा लगता है कि वह मेरे साथ युद्ध शुरू करने का बहाना ढूँढ रहा है"

#### 2 Kings 5:8

##### सामान्य जानकारी:

एलीशा इस्राएल के राजा से नामान के विष्य मे बात कर रहा है।

##### क्यों अपने वस्त्र फाड़े हैं?

एलीशा यह कहता है कि उसने दुखी होकर कपड़े फाड़ दिए क्योकि “उसने कहा दुखी होने और कपड़े फाड़ देने की कोई जरूरत नही है”।

##### तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा

“तेरा मांस ठीक हो जाएगा“।

##### तू शुद्ध होगा

आपका चमड़ी शुद्ध होने का अर्थ है कि वह अब अशुद्ध नहीं रहेगा। किसी व्यक्ति का आत्मिक रीति से अशुद्ध होना ऐसे बताया जाता था जैसे वो शरीरिक रूप में अशुद्ध हो। परमेश्वर एक कोढ़ी व्यक्ति को अशुद्ध और अपवित्र मानता था।

#### 2 Kings 5:11

##### यहोवा से

यहाँ नाम यहोवा को दर्शाता है। “यहोवा”

##### कोढ़ के स्थान पर

“मेरी चमड़ी के रोगी हिस्से पर“, या “मेरे कोढ़ पर“

##### क्या दमिश्क की अबाना और पर्पर नदियाँ इस्राएल के सब जलाशयों से उत्तम नहीं हैं?

“अबाना और पर्पर नदीयाँ मेरे देश आराम से इस्राएल की नदियों से बेहतर हैं!

##### अबाना और पर्पर

यह नदियों के नाम हैं।

##### क्या मैं उनमें स्नान करके शुद्ध नहीं हो सकता हूँ?

मैं वहाँ आसानी से उन नदीयों में नहा कर चंगा हो सकता था।

##### लौटकर चला गया

वह बहुत क्रोधित होकर वहाँ से चला गया।

#### 2 Kings 5:13

##### हमारे पिता

नौकर नामान को “मेरा पिता” कह कर सम्मान दिखा रहे थे।

##### तो क्या तू उसे न करता?

नौकर इस स्वाल का उपयोग नामान को सावधानी दिखाने के लिए करता है। “आपने निक्षित रूप से ऐसा कर दिया होता”।

##### तो कितना अधिक

“कि आपका पालण करने के लिए कितना तैयार होना होगा”।

##### जब वह कहता है, कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये?

जब वह आपसे इतना कहे कि तो आपको आज्ञा मानने के लिए और भी तैयार होना चाहिए “अपने आपको डुबो कर रखे”।

##### परमेश्‍वर के भक्त

“एलीशा परमेश्‍वर का भक्त है”।

##### उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया

“उसका शरीर फिर से चंगा हो गया और छोटे बच्चे जैसा हो गया”।

##### उसका शरीर

“उसकी त्‍वचा”।

##### वह शुद्ध हो गया

“उसका कोढ़ दूर हो गया”।

#### 2 Kings 5:15

##### सुन

इस शब्द का प्रयोग किसी का ध्यान आक्रक्षित करने के लिया जाता है जैसे कि “सुनो”।

##### इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्‍वर नहीं है

“इस्राएल का परमेश्‍वर ही सच्चा परमेश्‍वर है”।

##### यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूँ

"वे निक्षित रूप से यहोवा के सामने खड़ा है, मै उस से वायदा करता हूँ“।

##### जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूँ

“जिसकी मै सेवा करता”।

##### मैं कुछ भेंट न लूँगा

इसका अर्थ यह है कि “मै तुमसे कोई भी उपहार नही लूँगा”।

#### 2 Kings 5:17

##### अच्छा, तो

“यदि ये उपहार जो मैं तुम्हारे लिए लाया हूँ नहीं लेंगे।“

##### तेरे दास को दो खच्चर मिट्टी मिले

“मुझे ऐसा करने की अनुमति दो”।

##### दो खच्चर मिट्टी मिले

इस्राएल की मिट्टि के रूप मे हम दो खच्चरों को लेकर जा सकते हैं क्योंकि हमे यहोवा के लिए वेदी तैयार करनी है।

##### तेरे दास

नामान एलीशा को आदर देने के लिये खुद को उसका सेवक बताता है।

##### तेरा दास यहोवा को छोड़ और किसी परमेश्‍वर को होमबलि या मेलबलि न चढ़ाएगा

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “कोई भी यहोवा परमेश्‍वर को जला हुआ बलिदान नहीं चढ़ाता”।

##### जब मेरा स्वामी

यह अराम के राजा को दर्शाता है, राजा नामान के साथ बात करता है।

##### वह मेरे हाथ का सहारा ले

“वह अपने आप को मेरे हाथ पर रखता है“ इसका अर्थ यह है कि नामान राजा की सहायता करता है जब वह रिमोन के घर में धनुष लेकर गया था क्योकि राजा बीमार था।

##### थोड़ी दूर चला

“घर जाओ और चिंता मत करो”।

#### 2 Kings 5:20

##### वह ले आया था

“नामान ने यात्रा की”।

##### गहेजी

यह एक पुरुष का नाम है।

##### देख

इस शब्द का प्रयोग किसी का ध्यान आक्रक्षित करने के लिया जाता है जैसे कि “सुनो”।

##### उस अरामी नामान को ऐसा ही छोड़ दिया है

“नामान को भी अरामियों ने आसानी से छोड़ दिया”।

##### ऐसा ही छोड़ दिया

“स्वीकार ना करके”।

##### यहोवा के जीवन

“यहोवा के जीवन के रूप मे मैने वायदा किया”।

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल

इसका अर्थ यह नही है कि वह भविष्यद्वक्ताओं के बेटे थे बल्कि, कि “वे पुरुषो का एक समूह जो कि भविष्यद्वक्ताओं का था।

##### एक किक्कार चाँदी

“34 किलोग्राम चाँदी”।

#### 2 Kings 5:23

##### दो किक्कार

“चाँदी के दो किक्कार”।

##### दो जोड़े वस्त्र समेत

“उन्हे दे दिया”।

##### उससे बहुत विनती करके

“नामान ने गहेजी को उपहार लेने के लिए कहा”।

##### दो सेवकों

गहेजी खुद को एलीशा का नौकर करके दर्शाता है।

#### 2 Kings 5:26

##### जब वह पुरुष इधर मुँह फेरकर तुझ से मिलने को अपने रथ पर से उतरा?

गहेजी खुद को एलीशा का नोकर करके दर्शाता है। नामान रथ बंद करता हुआ कह रहा है कि आपको एहसास होना चाहिए कि मेरी आत्मा आपको देख सकती है।

##### दाख की बारियाँ, भेड़-बकरियाँ, गाय बैल और दास-दासी लेने का है?

“यह पैसे स्वीकार करने का अर्थ नही है…महिला ने कहाँ”।

##### नामान का कोढ़ तुझे और तेरे वंश को सदा लगा रहेगा

तुम्हे और तुम्हारे वंश्‍जो को कोढ़ होगा जैसे कि नामान को है।

##### तो गहेजी उसके सामने से चला गया

“जब गहेजी कमरे से बाहर निकला तो वह वहाँ से चला गया था”।

##### हिम सा श्वेत

“उसका माँस बर्फ के सामान सफेद हो गया”।

### Translation Questions

#### 2 Kings 5:1

##### यहोवा ने नामान द्वारा अरामियों के लिए क्या दिया था?

यहोवा ने अरामियों को विजय दिलाई थी।

#### 2 Kings 5:3

##### उस बालिका ने किसके लिए कहा कि वह नामान को रोग मुक्त कर सकता है?

उस बालिका ने कहा कि सामरिया में जो भविष्यद्वक्ता है वह उसके स्वामी नामान को रोग मुक्त कर सकता है।

#### 2 Kings 5:6

##### अराम के राजा का पत्र लेकर नामान किसके पास गया?

नामान उस पत्र को लेकर इस्राएल के राजा के पास गया।

#### 2 Kings 5:7

##### नामान का इस्राएल के राजा के पास चंगाई के लिए आने का क्या कारण राजा ने सोचा ?

इस्राएल के राजा को लगा की नामान इस बहाने झगड़े का कारण खोजता है।

#### 2 Kings 5:10

##### नामान से शुद्धीकरण के लिए क्या कहा गया?

नामान को यरदन नदी में सात बार गोता लगाने के लिए कहा गया।

#### 2 Kings 5:11

##### नामान ने एलीशा द्वारा चंगाई के बारें में क्या सोचा ?

नामान ने सोचा था कि एलीशा उससे भेंट करने के लिए बाहर आएगा और खड़ा होकर यहोवा को पुकारेगा और कोढ़ के स्थान पर अपना हाथ फेरकर कोढ़ को दूर करेगा।

#### 2 Kings 5:14

##### नामान की देह किस प्रकार से स्वस्थ हुई?

नामान की देह एक शिशु के सदृश्य कोमल हो गई।

#### 2 Kings 5:15

##### रोग-मुक्ति से नामान को किस बात का बोध हुआ?

उसे यह बोध हो गया कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है।

#### 2 Kings 5:18

##### नामान ने परमेश्वर से किस लिए माफी माँगी?

नामान ने यहोवा से क्षमा मांगी क्योंकि उसे राजा को सहारा देकर रिम्मोन के भवन में दण्डवत् करने जाना पड़ता था।

#### 2 Kings 5:22

##### गेहजी के अनुसार एप्रैम के पहाड़ों में से कौन आया था?

गेहजी के अनुसार, भविष्यद्वक्ताओं के दल में से दो जवान एप्रैम के पहाड़ी देश आए थे।

#### 2 Kings 5:24

##### गेहजी ने घर में क्या छिपाया?

उसने घर में चांदी से भरे बोरे छिपाए।

#### 2 Kings 5:26

##### गेहज़ी के झूट बोलने से क्या हुआ?

झूठ बोलने के कारण गेहज़ी कोढ़ी हो गया।

#### 2 Kings 5:27

##### गेहज़ी के झूट बोलने से क्या हुआ?

झूठ बोलने के कारण गेहज़ी कोढ़ी हो गया।

Chapter 6  
एलीशा का एक और आश्चर्यकर्म

1भविष्यद्वक्ताओं के दल में से किसी ने एलीशा से कहा, “यह स्थान जिसमें हम तेरे सामने रहते हैं, वह हमारे लिये बहुत छोटा है।2इसलिए हम यरदन तक जाएँ, और वहाँ से एक-एक बल्ली लेकर, यहाँ अपने रहने के लिये एक स्थान बना लें;” उसने कहा, “अच्छा जाओ।” 3तब किसी ने कहा, “अपने दासों के संग चल;” उसने कहा, “चलता हूँ।” 4अतः वह उनके संग चला और वे यरदन के किनारे पहुँचकर लकड़ी काटने लगे।5परन्तु जब एक जन बल्ली काट रहा था, तो कुल्हाड़ी बेंट से निकलकर जल में गिर गई; इसलिए वह चिल्लाकर कहने लगा, “हाय! मेरे प्रभु, वह तो माँगी हुई थी।” 6परमेश्‍वर के भक्त ने पूछा, “वह कहाँ गिरी?” जब उसने स्थान दिखाया, तब उसने एक लकड़ी काटकर वहाँ डाल दी, और वह लोहा पानी पर तैरने लगा।7उसने कहा, “उसे उठा ले।” तब उसने हाथ बढ़ाकर उसे ले लिया।एलीशा का अरामी दल से बचना

8अराम का राजा इस्राएल से युद्ध कर रहा था, और सम्मति करके अपने कर्मचारियों से कहा, “अमुक स्थान पर मेरी छावनी होगी।” 9तब परमेश्‍वर के भक्त ने इस्राएल के राजा के पास कहला भेजा, “चौकसी कर और अमुक स्थान से होकर न जाना क्योंकि वहाँ अरामी चढ़ाई करनेवाले हैं।” 10तब इस्राएल के राजा ने उस स्थान को, जिसकी चर्चा करके परमेश्‍वर के भक्त ने उसे चिताया था, दूत भेजकर, अपनी रक्षा की; और उस प्रकार एक दो बार नहीं वरन् बहुत बार हुआ।11इस कारण अराम के राजा का मन बहुत घबरा गया; अतः उसने अपने कर्मचारियों को बुलाकर उनसे पूछा, “क्या तुम मुझे न बताओगे कि हम लोगों में से कौन इस्राएल के राजा की ओर का है?” उसके एक कर्मचारी ने कहा, “हे मेरे प्रभु! हे राजा! ऐसा नहीं,12एलीशा जो इस्राएल में भविष्यद्वक्ता है, वह इस्राएल के राजा को वे बातें भी बताया करता है, जो तू शयन की कोठरी में बोलता है\*।” 13राजा ने कहा, “जाकर देखो कि वह कहाँ है, तब मैं भेजकर उसे पकड़वा मंगाऊँगा।” उसको यह समाचार मिला: “वह दोतान में है।” 14तब उसने वहाँ घोड़ों और रथों समेत एक भारी दल भेजा, और उन्होंने रात को आकर नगर को घेर लिया।15भोर को परमेश्‍वर के भक्त का टहलुआ उठा और निकलकर क्या देखता है कि घोड़ों और रथों समेत एक दल नगर को घेरे हुए पड़ा है। तब उसके सेवक ने उससे कहा, “हाय! मेरे स्वामी, हम क्या करें?” 16उसने कहा, “मत डर; क्योंकि जो हमारी ओर हैं\*, वह उनसे अधिक हैं, जो उनकी ओर हैं।” 17तब एलीशा ने यह प्रार्थना की, “हे यहोवा, इसकी आँखें खोल दे\* कि यह देख सके।” तब यहोवा ने सेवक की आँखें खोल दीं, और जब वह देख सका, तब क्या देखा, कि एलीशा के चारों ओर का पहाड़ अग्निमय घोड़ों और रथों से भरा हुआ है।18जब अरामी उसके पास आए, तब एलीशा ने यहोवा से प्रार्थना की कि इस दल को अंधा कर डाल। एलीशा के इस वचन के अनुसार उसने उन्हें अंधा कर दिया।19तब एलीशा ने उनसे कहा, “यह तो मार्ग नहीं है, और न यह नगर है, मेरे पीछे हो लो; मैं तुम्हें उस मनुष्य के पास जिसे तुम ढूँढ़ रहे हो पहुँचाऊँगा।” तब उसने उन्हें सामरिया को पहुँचा दिया।20जब वे सामरिया में आ गए, तब एलीशा ने कहा, “हे यहोवा, इन लोगों की आँखें खोल कि देख सकें।” तब यहोवा ने उनकी आँखें खोलीं, और जब वे देखने लगे तब क्या देखा कि हम सामरिया के मध्य में हैं।21उनको देखकर इस्राएल के राजा ने एलीशा से कहा, “हे मेरे पिता, क्या मैं इनको मार लूँ? मैं उनको मार लूँ?” 22उसने उत्तर दिया, “मत मार। क्या तू उनको मार दिया करता है, जिनको तू तलवार और धनुष से बन्दी बना लेता है? तू उनको अन्न जल दे, कि खा पीकर अपने स्वामी के पास चले जाएँ।” 23तब उसने उनके लिये बड़ा भोज किया, और जब वे खा पी चुके, तब उसने उन्हें विदा किया, और वे अपने स्वामी के पास चले गए। इसके बाद अराम के दल इस्राएल के देश में फिर न आए।सामरिया में बड़ा अकाल और उसका दूर होना

24इसके बाद अराम के राजा बेन्हदद ने अपनी समस्त सेना इकट्ठी करके, सामरिया पर चढ़ाई कर दी और उसको घेर लिया।25तब सामरिया में बड़ा अकाल पड़ा और वह ऐसा घिरा रहा, कि अन्त में एक गदहे का सिर चाँदी के अस्सी टुकड़ों में और कब की चौथाई भर कबूतर की बीट पाँच टुकड़े चाँदी तक बिकने लगी।26एक दिन इस्राएल का राजा शहरपनाह पर टहल रहा था, कि एक स्त्री ने पुकार के उससे कहा, “हे प्रभु, हे राजा, बचा।” 27उसने कहा, “यदि यहोवा तुझे न बचाए, तो मैं कहाँ से तुझे बचाऊँ? क्या खलिहान में से, या दाखरस के कुण्ड में से?” 28फिर राजा ने उससे पूछा, “तुझे क्या हुआ?” उसने उत्तर दिया, “इस स्त्री ने मुझसे कहा था, ‘मुझे अपना बेटा दे, कि हम आज उसे खा लें, फिर कल मैं अपना बेटा दूँगी, और हम उसे भी खाएँगी’।” 29तब मेरे बेटे को पकाकर हमने खा लिया, फिर दूसरे दिन जब मैंने इससे कहा “अपना बेटा दे कि हम उसे खा लें, तब इसने अपने बेटे को छिपा रखा।” 30उस स्त्री की ये बातें सुनते ही, राजा ने अपने वस्त्र फाड़े (वह तो शहरपनाह पर टहल रहा था), जब लोगों ने देखा, तब उनको यह देख पड़ा कि वह भीतर अपनी देह पर टाट पहने है।31तब वह बोल उठा, “यदि मैं शापात के पुत्र एलीशा का सिर आज उसके धड़ पर रहने दूँ, तो परमेश्‍वर मेरे साथ ऐसा ही वरन् इससे भी अधिक करे।” 32एलीशा अपने घर में बैठा हुआ था, और पुरनिये भी उसके संग बैठे थे। सो जब राजा ने अपने पास से एक जन भेजा, तब उस दूत के पहुँचने से पहले उसने पुरनियों से कहा, “देखो, इस खूनी के बेटे ने किसी को मेरा सिर काटने को भेजा है; इसलिए जब वह दूत आए, तब किवाड़ बन्द करके रोके रहना। क्या उसके स्वामी के पाँव की आहट उसके पीछे नहीं सुन पड़ती?” 33वह उनसे यह बातें कर ही रहा था कि दूत उसके पास आ पहुँचा। और राजा कहने लगा, “यह विपत्ति यहोवा की ओर से है, अब मैं आगे को यहोवा की बाट क्यों जोहता रहूँ?”

#### 2 Kings 6:1

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल में से

ये भविष्यद्वक्ताओं के पुत्र नहीं थे लेकिन ये भविष्यद्वक्ताओं का समूह था।

##### हम यरदन तक जाएँ,

यह यरदन नदी के क्षेत्र को दर्शाता है कि "हमें यरदन नदी के समीप जाने दे“।

##### अपने दासों

यहाँ भविष्यवक्ता में से एक उसे सम्मान दिखाने के लिए एलीशा के सेवकों के रूप में भविष्यद्वक्ताओं के बेटों को दर्शाता है

#### 2 Kings 6:4

##### सामान्य जानकारी

एलीशा नबियों के साथ पेड़ों को काटने के लिए जाता है।

##### कुल्हाड़ी बेंट से निकलकर जल में गिर गई

"कुल्हाड़ी से बेंट निकलकर अलग हो गई और पानी में गिर गई“।

##### हाय!

उस व्यक्ति ने यह दिखाया कि वह निराश और उदास है।

##### वह तो माँगी हुई थी।

यह स्पष्ट रूप में कहा जा सकता है कि “मैनें इसे उधार लिया”।

#### 2 Kings 6:6

##### परमेश्‍वर के भक्त ने पूछा,

“तो एलीशा, परमेश्‍वर के भक्त ने पुछा”।

##### तब उसने एक लकड़ी काटकर वहाँ डाल दी, और वह लोहा पानी पर तैरने लगा।

परमेश्‍वर एक चमत्कार करने के लिए एलीशा का उपयोग करता है। कुल्हाड़ी बेट पानी की सतह पर उगता है और यह वहाँ रहता है तो नबी इसे उठा सकते हैं।

##### वह लोहा पानी पर तैरने लगा।

“लोहा तैरने लगा”।

##### तैरना

“कुल्हाड़ी सिर”। कुल्हाड़ी का सिर लोहे से बना हुआ था।

#### 2 Kings 6:8

##### अराम का राजा इस्राएल से युद्ध कर रहा था

“जब इस्राएल के राजे अराम के साथ युद्ध में था“।

##### अब

यहाँ लेखक कहानी का एक नया हिस्सा बताने के लिए शुरू होता है।

##### कहा, “अमुक स्थान पर मेरी छावनी होगी।

और उन्हें बताया कि उसका शिविर कहाँ स्थित है।

##### परमेश्‍वर के भक्त

“एलीशा परमेश्‍वर का भक्त”।

##### “चौकसी कर और अमुक स्थान से होकर न जाना क्योंकि वहाँ अरामी चढ़ाई करनेवाले हैं।”

एलीशा को पता था कि अरामी अपना शिविर लगाने जा रहा है और उसने अपने सैनिकों को उस इलाके से दूर रहने की सलाह दी है।

#### 2 Kings 6:10

##### उस स्थान को, जिसकी चर्चा करके परमेश्‍वर के भक्त ने उसे चिताया था

“जब इस्राएल के राजे अराम के साथ युद्ध में था“।(6:8)

##### दूत भेजकर, अपनी रक्षा की; और उस प्रकार एक दो बार नहीं वरन् बहुत बार हुआ।

"एलिशा ने इस्राएल के राजा को कई बार चेतावनी दी और इस्राएलियों को सुरक्षित रहने में सक्षम किया गया“।

##### “क्या तुम मुझे न बताओगे कि हम लोगों में से कौन इस्राएल के राजा की ओर का है?”

मुझे बताओ जो आप में से इस्राएल के राजा को हमारी योजनाओं का खुलासा कर रहा है!

##### इस्राएल के राजा

"इस्राएल के राजा के प्रति वफादार है"।

#### 2 Kings 6:12

##### जो तू शयन की कोठरी में बोलता है\*।

जो आप अपने खुद के शयन की गोपनीयता में कहते हैं।

##### तब मैं भेजकर उसे पकड़वा मंगाऊँगा।

"मैं उसे पकड़ने के लिए पुरुषों को भेज सकते हैं"।

##### वह दोतान में है।

एलीशा दोतान में है।

##### देखो

“सुनो”।

##### दोतान

दोतान एक शहर का नाम है।

#### 2 Kings 6:14

##### तब उसने

यह अराम के राजा को दर्शाता है।

##### परमेश्‍वर के भक्त

एलीशा परमेश्‍वर का भक्त।

##### देखता

यहाँ शब्द "देखो“ से पता चलता है कि वह नौकर हैरान होते कया देखता है।

##### टहलुआ उठा और निकलकर क्या देखता

उसने देखा और जल्दी सुबह उठकर बाहर चला गया।

##### उससे कहा, “हाय! मेरे स्वामी,

स्वा़मी वापस अंदर चला गया और उसने एलीशा से कहा।

##### क्योंकि जो हमारी ओर हैं\*, वह उनसे अधिक हैं, जो उनकी ओर हैं।

जो लोग लड़ाई में हमारी ओर में हैं जो अपने पक्ष में हैं की तुलना में अधिक कर रहे हैं।

#### 2 Kings 6:17

##### इसकी आँखें खोल दे\* कि यह देख सके।

उसे देखने में सक्षम बनाना।

##### और जब वह देख सका

और वह देख सकता था कि उन्होंने वह जो देखा था।

##### देखा

यहाँ शब्द "देखो“ से पता चलता है कि वह नौकर हैरान होते क्या देखता है।

##### पहाड़ अग्निमय घोड़ों से भरा हुआ है।

"पहाड़ के किनारे घोड़ों के साथ ढ़का हुआ था।

##### एलीशा के चारों ओर

एलीशा के शहर के आसपास था।

##### उसने उन्हें

यह अरामी सैनिकों को दर्शता है।

##### इस दल को अंधा कर डाल।

"क्योंकि इन लोगों को अंधा कर दो" यह यहोवा को दर्शाता है जिससे उन्हें स्पष्ट रूप से देखने में असमर्थहो।

##### यह तो मार्ग नहीं है, और न यह नगर है,

यह वह रास्ता नहीं है और न ही यह वह शहर है जिसकी तुम तलाश कर रहे हो।

#### 2 Kings 6:20

##### जब

फिर।

##### इन लोगों की आँखें खोल कि देख सकें।

इन लोगों को देखने के लिए अनुमति दें।

##### यहोवा, इन लोगों की आँखें खोल कि देख सकें।

यहोवा ने उन्हें स्पष्ट रूप से देखने के लिए अनुमति दी।

##### देखने

यहाँ “देखों” शब्द से पता चलता है कि वो ये सब देखकर हैरान हो गये।

##### उनको देखकर

जब उसने अरामी सैनिकों को देखा।

##### मेरे पिता,

राजा एलीशा नबी से बात कर रहा है और उसे "पिता" बुला रहा है ताकि वह आदर दिखा सके।

##### क्या मैं इनको मार लूँ? मैं उनको मार लूँ?”

क्या मुझे अपनी सेना को इन दुश्मन सैनिकों को मारने का आदेश देना चाहिए?

#### 2 Kings 6:22

##### उसने उत्तर दिया

एलीशा इस्राएल के राजा के सवाल का जवाब दे रही थी।

##### क्या तू उनको मार दिया करता है, जिनको तू तलवार और धनुष से बन्दी बना लेता है?

तुम उन आदमियों को नहीं मारेंगे जिन्हें युद्ध के कैदियों के रूप में कैद किया गया था।

##### जिनको तू तलवार और धनुष से बन्दी बना लेता है

तुम्हारे सैनिकों को उनकी तलवार और धनुष के साथ बंदी बना लिया था।

##### तू तलवार और धनुष से

तुम्हारी तलवार और धनुष के साथ युद्ध में।

##### तू उनको अन्न जल दे, कि खा पीकर अपने स्वामी के पास चले जाएँ।”

उन्हें खाने के लिए खाना और पीने के लिए पानी दे।

##### अपने स्वामी के पास चले जाएँ।

यह अराम के राजा को दर्शाता है।

##### तब उसने उनके लिये बड़ा भोज किया,

तब राजा ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे उनके लिए बहुत सारा भोजन तैयार करें।

##### के दल।

उन समूहों।

##### इस्राएल के देश में फिर न आए।

"लंबे समय तक इस्राएल की भूमि पर हमला करना बंद कर दिया"

#### 2 Kings 6:24

##### बेन्हदद

ये अराम के राजा का नाम है। उसके नाम का अर्थ “हदाद का पुत्र”।

##### सामरिया पर चढ़ाई कर दी

उन्होनें सामरिया पर हमला कर दिया।

##### एक गदहे का सिर

एक गधे के सिर की कीमत।

##### चाँदी के अस्सी टुकड़ों

चांदी के 80 टुकड़े।

##### कब की चौथाई भर

एक लीटर का एक चौथाई।

##### चौथाई

"चौथा भाग"। यह चार बराबर भागों में से एक हिस्सा है।

##### कबूतर की बीट

कबूतर की बीट की कीमत

##### शहरपनाह पर टहल रहा था

शहर की दीवार के शीर्ष पर चलना।

##### हे प्रभु

यह कह कर महिला राजा को आदर देती है।

#### 2 Kings 6:27

##### उसने कहा,

इस्राएल के राजा ने उस औरत को उत्तर दिया।

##### यदि यहोवा तुझे न बचाए, तो मैं कहाँ से तुझे बचाऊँ?

यहोवा तेरी मदद नहीं कर रहा है, तो मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता हूँ।

##### क्या खलिहान में से, या दाखरस के कुण्ड में से?

पीने के लिए शराब बनाने के लिए फसल या किसी अंगूर का कोई भोजन नहीं है।

##### राजा ने उससे पूछा

"राजा ने कहा"। इसका अर्थ है कि वे बात करना जारी रखा।

##### पकाकर हमने

हमने पकाया।

#### 2 Kings 6:30

##### उस स्त्री की ये बातें सुनते ही

सुनकर स्त्री ने बताया कि उसने और दूसरी स्त्री ने क्या किया था।

##### राजा ने अपने वस्त्र फाड़े

उन्होंने दु:ख में अपने कपड़े फाड़े।

##### वह तो शहरपनाह पर टहल रहा था

वह शहर की दीवार पर चल रहा था जब औरत उसे अब में बाहर बुलाया वह इसके साथ चलना जारी रखा।

##### तब उनको यह देख पड़ा कि वह भीतर अपनी देह पर टाट पहने है।

वह अपने बाहरी बागे के नीचे टाट का कपड़ा पहने हुए था कयोंकि वह बहुत परेशान था।

##### तो परमेश्‍वर मेरे साथ ऐसा ही वरन् इससे भी अधिक करे।

परमेश्‍वर मुझे मार और मुझे सजा दे।

##### यदि मैं शापात के पुत्र एलीशा का सिर आज उसके धड़ पर रहने दूँ,

अगर आज मेरे सिपाही शापात के पुत्र एलीशा का सिर धड़ से अलग न कर दें

#### 2 Kings 6:32

##### सो जब राजा ने अपने पास से एक जन भेजा

इस्राएल के राजा ने अपने एक सेवक को एक दूत के रूप मेंं भेजा।

##### जब उस दूत के पहुँचने से पहले उसने पुरनियों से कहा,

जब दूत लगभग आ चुका था, तब एलीशा ने पुरानियों से कहा।

##### देखो, इस खूनी के बेटे ने किसी को मेरा सिर काटने को भेजा है

देखो, एक कातिल के इस बेटे ने किसी को भेजा है मेरे सिर को हटाने के लिए!

##### खूनी के बेटे

कातिल की तरह।

##### भेजा है

किसी को भेजा।

##### मेरा सिर काटने को

मेरा सिर काटने के लिए।

##### देखों

सुनो।

##### तब किवाड़ बन्द करके रोके रहना।

वह दरवाजा बंद रखे ताकि कोई अंदर न आ सके।

##### क्या उसके स्वामी के पाँव की आहट उसके पीछे नहीं सुन पड़ती?”

उसके ठीक पीछे उसके स्वामी के पैरों की आवाज है।

##### देखो, दूत

शब्द "देखो" दूत के आगमन के लिए हमें सचेत करता है।

##### दूत उसके पास आ पहुँचा।

दूत और राजा पहुँचे।

##### देखो, यह विपत्ति

वास्तव में, यह परेशानी। वाक्यांश “यह विपत्ति" सामरिया में अकाल और यह दुख के बने कारण को दर्शाता है।

##### अब मैं आगे को यहोवा की बाट क्यों जोहता रहूँ?

मैं यहोवा से मदद के लिए किसी भी लंबे समय तक इंतजार नहीं करेंगे!।

### Translation Questions

#### 2 Kings 6:1

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल रहने का स्थान क्यों बनाना चाहते थे?

एलीशा के साथ रहनेवाला स्थान बहुत छोटा था इस कारण वह रहने के लिए घर बनाना चाहते थे।

#### 2 Kings 6:2

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल रहने का स्थान क्यों बनाना चाहते थे?

एलीशा के साथ रहनेवाला स्थान बहुत छोटा था इस कारण वह रहने के लिए घर बनाना चाहते थे।

#### 2 Kings 6:5

##### जिसकी कुल्हाड़ी पानी में गिर गई थी वह चिन्ता में क्यों पड़ गया था?

वह कुल्हाड़ी माँगी हुई थी इसलिए वह चिंतीत था।

#### 2 Kings 6:6

##### एलीशा ने उस लोहे की कुल्हाड़ी को पानी पर कैसे तैराया?

उसने पेड़ की एक टहनी काट कर पानी में डाल दी और कुल्हाड़ी पानी के ऊपर तैरने लगी।

#### 2 Kings 6:12

##### अराम के राजा के शब्द इस्राएल के राजा को किसने बताये?

एलीशा ने इस्राएल के राजा को अराम के राजा के शब्द बताये।

#### 2 Kings 6:15

##### एलीशा का सेवक परेशान क्यों था ?

वह परेशान था क्योंकि उसने देखा कि घोड़ों और रथों के साथ एक विशाल सेना नगर को घेर कर खड़ी थी।

#### 2 Kings 6:18

##### एलीशा अरामी सेना को सामरिया में कैसे ले आया?

एलीशा ने यहोवा से कहा कि वह उनको अंधा कर दे और फिर एलीशा उन्हें उसके पीछे हो लेने को कहा।

#### 2 Kings 6:19

##### एलीशा अरामी सेना को सामरिया में कैसे ले आया?

एलीशा ने यहोवा से कहा कि वह उनको अंधा कर दे और फिर एलीशा उन्हें उसके पीछे हो लेने को कहा।

#### 2 Kings 6:20

##### जब यहोवा ने अरामीयो की आखें खोली तब वे कहा थे?

जब यहोवा ने आरामीयों की आखें खोली तब वे सामरिया नगर के मध्य में थे।

#### 2 Kings 6:22

##### इस्राएल के राजा ने अरामियों के साथ क्या किया?

उसने उन्हें पानी और रोटी दी और उन्हें भेज दिया।

#### 2 Kings 6:23

##### इस्राएल के राजा ने अरामियों के साथ क्या किया?

उसने उन्हें पानी और रोटी दी और उन्हें भेज दिया।

#### 2 Kings 6:25

##### गधे का सिर चांदी के अस्सी टुकड़ों में क्यों बिक रहा था?

सामरिया में भीषण अकाल के कारण गधे का सिर भी चांदी के अस्सी टुकड़ों में बिक रहा था।

#### 2 Kings 6:28

##### स्त्री ने राजा को उसके परेशानी का क्या कारण बताया?

उसने उत्तर दिया, “इस स्त्री ने मुझसे कहा था, ‘मुझे अपना बेटा दे, कि हम आज उसे खा लें, फिर कल मैं अपना बेटा दूँगी, और हम उसे भी खाएँगे’।”, तो तब मेरे बेटे को पकाकर हमने खा लिया, फिर दूसरे दिन जब मैंने इससे कहा “अपना बेटा दे कि हम उसे खा लें, तब इसने अपने बेटे को छिपा रखा।”

#### 2 Kings 6:29

##### स्त्री ने राजा को उसके परेशानी का क्या कारण बताया?

उसने उत्तर दिया, “इस स्त्री ने मुझसे कहा था, ‘मुझे अपना बेटा दे, कि हम आज उसे खा लें, फिर कल मैं अपना बेटा दूँगी, और हम उसे भी खाएँगे’।”, तो तब मेरे बेटे को पकाकर हमने खा लिया, फिर दूसरे दिन जब मैंने इससे कहा “अपना बेटा दे कि हम उसे खा लें, तब इसने अपने बेटे को छिपा रखा।”

#### 2 Kings 6:31

##### अकाल के लिए राजा ने किसे दोषी ठहराया?

उसने एलीशा पर दोष लगाया।

#### 2 Kings 6:32

##### जब सन्देशवाहक एलीशा के पास आया तब एलीशा ने पुरनियों से क्या करने को कहा?

जब सन्देशवाहक एलीशा के पास आया तब एलीशा ने पुरनियों से द्वार को बन्द रखने को कहा।

Chapter 7

1तब एलीशा ने कहा, “यहोवा का वचन सुनो\*, यहोवा यह कहता है, ‘कल इसी समय सामरिया के फाटक में सआ भर मैदा एक शेकेल में और दो सआ जौ भी एक शेकेल में बिकेगा।’ ”2तब उस सरदार ने जिसके हाथ पर राजा तकिया करता था, परमेश्‍वर के भक्त को उत्तर देकर कहा, “सुन, चाहे यहोवा आकाश के झरोखे खोले, तो भी क्या ऐसी बात हो सकेगी?” उसने कहा, “सुन, तू यह अपनी आँखों से तो देखेगा, परन्तु उस अन्न में से कुछ खाने न पाएगा।”3चार कोढ़ी फाटक के बाहर थे; वे आपस में कहने लगे, “हम क्यों यहाँ बैठे-बैठे मर जाएँ?4यदि हम कहें, ‘नगर में जाएँ,’ तो वहाँ मर जाएँगे; क्योंकि वहाँ अकाल पड़ा है, और यदि हम यहीं बैठे रहें, तो भी मर ही जाएँगे। तो आओ हम अराम की सेना में पकड़े जाएँ; यदि वे हमको जिलाए रखें तो हम जीवित रहेंगे, और यदि वे हमको मार डालें, तो भी हमको मरना ही है।”5तब वे सांझ को अराम की छावनी में जाने को चले, और अराम की छावनी की छोर पर पहुँचकर क्या देखा, कि वहाँ कोई नहीं है।6क्योंकि प्रभु ने अराम की सेना को रथों और घोड़ों की और भारी सेना की सी आहट सुनाई थी, और वे आपस में कहने लगे थे, “सुनो, इस्राएल के राजा ने हित्ती और मिस्री राजाओं को वेतन पर बुलवाया है कि हम पर चढ़ाई करें।”7इसलिए वे सांझ को उठकर ऐसे भाग गए, कि अपने डेरे, घोड़े, गदहे, और छावनी जैसी की तैसी छोड़कर अपना-अपना प्राण लेकर भाग गए।8जब वे कोढ़ी छावनी की छोर के डेरों के पास पहुँचे, तब एक डेरे में घुसकर खाया पिया, और उसमें से चाँदी, सोना और वस्त्र ले जाकर छिपा रखा; फिर लौटकर दूसरे डेरे में घुस गए और उसमें से भी ले जाकर छिपा रखा।9तब वे आपस में कहने लगे, “जो हम कर रहे हैं वह अच्छा काम नहीं है, यह आनन्द के समाचार का दिन है, परन्तु हम किसी को नहीं बताते। जो हम पौ फटने तक ठहरे रहें तो हमको दण्ड मिलेगा; सो अब आओ हम राजा के घराने के पास जाकर यह बात बता दें।”10तब वे चले और नगर के चौकीदारों को बुलाकर बताया, “हम जो अराम की छावनी में गए, तो क्या देखा, कि वहाँ कोई नहीं है, और मनुष्य की कुछ आहट नहीं है, केवल बंधे हुए घोड़े और गदहे हैं, और डेरे जैसे के तैसे हैं।”11तब चौकीदारों ने पुकार के राजभवन के भीतर समाचार दिया।12तब राजा रात ही को उठा, और अपने कर्मचारियों से कहा, “मैं तुम्हें बताता हूँ कि अरामियों ने हम से क्या किया है? वे जानते हैं, कि हम लोग भूखे हैं इस कारण वे छावनी में से मैदान में छिपने को यह कहकर गए हैं, कि जब वे नगर से निकलेंगे, तब हम उनको जीवित ही पकड़कर नगर में घुसने पाएँगे।”13परन्तु राजा के किसी कर्मचारी ने उत्तर देकर कहा, “जो घोड़े नगर में बच रहे हैं उनमें से लोग पाँच घोड़े लें, और उनको भेजकर हम हाल जान लें। वे तो इस्राएल की सब भीड़ के समान हैं जो नगर में रह गई है वरन् इस्राएल की जो भीड़ मर मिट गई है वे उसी के समान हैं।”14अतः उन्होंने दो रथ और उनके घोड़े लिये\*, और राजा ने उनको अराम की सेना के पीछे भेजा; और कहा, “जाओे, देखो।”15तब वे यरदन तक उनके पीछे चले गए, और क्या देखा, कि पूरा मार्ग वस्त्रों और पात्रों से भरा पड़ा है, जिन्हें अरामियों ने उतावली के मारे फेंक दिया था; तब दूत लौट आए, और राजा से यह कह सुनाया।16तब लोगों ने निकलकर अराम के डेरों को लूट लिया; और यहोवा के वचन के अनुसार एक सआ मैदा एक शेकेल में, और दो सआ जौ एक शेकेल में बिकने लगा।17अब राजा ने उस सरदार को जिसके हाथ पर वह तकिया करता था फाटक का अधिकारी ठहराया; तब वह फाटक में लोगों के पाँवों के नीचे दबकर मर गया। यह परमेश्‍वर के भक्त के उस वचन के अनुसार हुआ जो उसने राजा से उसके यहाँ आने के समय कहा था।18परमेश्‍वर के भक्त ने जैसा राजा से यह कहा था, “कल इसी समय सामरिया के फाटक में दो सआ जौ एक शेकेल में, और एक सआ मैदा एक शेकेल में बिकेगा,” वैसा ही हुआ।19और उस सरदार ने परमेश्‍वर के भक्त को, उत्तर देकर कहा था, “सुन चाहे यहोवा आकाश में झरोखे खोले तो भी क्या ऐसी बात हो सकेगी?” और उसने कहा था, “सुन, तू यह अपनी आँखों से तो देखेगा, परन्तु उस अन्न में से खाने न पाएगा।”20अतः उसके साथ ठीक वैसा ही हुआ, अतएव वह फाटक में लोगों के पाँवों के नीचे दबकर मर गया।

#### 2 Kings 7:1

##### फाटक में सआ भर मैदा एक शेकेल में और दो सआ जौ भी एक शेकेल

लोग एक शेकेल के लिए मैदे का आटा और शेकेल के लिए मुश्‍किलसे दो उपाय बेचेंगे।

##### सआ भर मैदा एक… दो सआ जौ भी

"7 लीटर मैदे का आटा... 14 लीटर जौ“।

##### एक शेकेल

“एक चाँदी का सिक्का”।

##### उस सरदार ने जिसके हाथ पर राजा तकिया करता था,

सरदार जो राजा का निजी नसहायक था।

##### चाहे यहोवा आकाश के झरोखे खोले,

भले ही यहोवा स्वर्ग से बहुत बारिश गिरने का कारण थे।

##### तो भी क्या ऐसी बात हो सकेगी?

सरदार अपने अविश्वास को व्यक्त करने के लिए कहता है कि यह कभी नहीं हो सकता।

##### उसने कहा, “सुन, तू यह अपनी आँखों से तो देखेगा,

वाक्यांश में “अपनी आँखों से देखेगी” का अर्थ है एलीशा भविष्यवाणी देखेगी जैसे कि इन बातों को होते हुए देखेगी।

##### परन्तु उस अन्न में से कुछ खाने न पाएगा।”

“लेकिन तुम आटा या जो नहीं खाएंगे”।

#### 2 Kings 7:3

##### अब

यहाँ लेखक कहानी का एक नया हिस्सा बताना शुरू करता है।

##### क्यों यहाँ बैठे-बैठे मर जाएँ?

निश्चित रूप से हमें मर जाने तक यहाँ नहीं बैठना चाहिए

##### यदि वे हमको जिलाए रखें तो हम जीवित रहेंगे, और यदि वे हमको मार डालें, तो भी हमको मरना ही है।”

वे उन्हें मार सकते है, जो तब भी बदतर नहीं होगा क्योंकि वे वैसे भी मर जाएंगे।

#### 2 Kings 7:5

##### सांझ को

यह सूरज ढलने के बाद की शाम को दर्शाता है, लेकिन अंधेरा होने से पहले।

##### छोर पर पहुँचकर

“धार”।

##### अराम की सेना को रथों और घोड़ों की और भारी सेना की सी आहट सुनाई थी, और वे आपस में कहने लगे थे,

अरामियन सेना के सैनिकों ने उन शोरों को सुना जो एक बड़ी सेना की तरह लग रहे थे जो उन्हें लड़ने के लिए आ रहे थे। यह एक वास्तविक सेना नहीं था, लेकिन भगवान ने उन्हें इन ध्वनियों को सुना था।

##### वे आपस में कहने लगे थे,

"अरामी सैनिकों ने एक दूसरे से कहा“।

##### राजा ने हित्ती और मिस्री राजाओं

यहाँ “राजा” शब्द इन देशों की सैनिकों को दर्शता है जैसे कि “हित्ती और मिस्री की सैना”।

##### हम पर चढ़ाई करें

“हम पर हमला करने के लिए”।

#### 2 Kings 7:7

##### सामान्य जानकारी

ऐसा तब हुआ जब परमेश्‍वर ने आरामी सैनिकों को यह सोचने के लिए प्ररीत किया कि उन्होनें एक बड़ी दुश्‍मन सेना को अपने शिविर के पास आते सुना।

##### सांझ को

यह सूरज ढलने के बाद की शाम को दर्शाता है, लेकिन अंधेरा होने से पहले।

#### 2 Kings 7:9

##### पौ फटने

"सुबह तक”।

##### तो हमको दण्ड मिलेगा;

चार लोगों को सज़ा देने वाले किसी व्यक्ति की बात इस तरह की जाती है मानो दंड एक ऐसा व्यक्ति है जो उन्हें पकड़ता है जैसे कि "लोग हमें सज़ा देंगे“।

##### राजा के घराने के पास जाकर यह बात बता दें।

यहाँ शब्द "घराने” उन लोगों का दर्शाता है जो राजा के महल में रहते हैं जैसे कि "राजा और उसके लोगों को बताओ“।

##### जैसे के तैसे हैं

जब वे सैनिक थे तब भी थे।

##### तब चौकीदारों ने पुकार के राजभवन के भीतर समाचार दिया।

यह स्पष्ट रूप में कहा जा सकता है कि “तो लोगों को यह राजा और उसके महल में उन लोगों को बताया"।

#### 2 Kings 7:12

##### हम से क्या किया है

“हमें धोखा देने के लिए किया है"।

##### उनको जीवित ही पकड़कर

इसका अर्थ यह है कि वे लोगों को जीवित पकड़ना होगा।

##### घोड़े लें, और उनको भेजकर हम हाल जान लें।

इस्राएलियों के बहुत-से घोड़ों की अकाल की वजह से मौत हो गयी थी। इसका अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है कि "शहर में अभी भी घोड़े जीवित थे”।

##### वे तो इस्राएल की सब भीड़ के समान हैं जो नगर में रह गई है वरन् इस्राएल की जो

जो लोग अरामीन शिविर में जाते थे, वे उसी के भाग्य को बाँट देते थे, जो शहर में रहनेवाले बाकी इस्राएलियों के लिए भी यही करते थे। वे या तो भुखमरी से मर जाते हैं, या अरामियों द्वारा मार दिय गये।

#### 2 Kings 7:14

##### जाओ और देखो

जाओ और देखो कि क्या इन कोढ़ियों ने सच कहा है।

##### तब वे यरदन तक उनके पीछे चले गए,

उन्होनें एस रास्ते का अनुसरण किया जिस रास्ते आरामियों सेना यरदन नदीं तक जाती है।

##### कि पूरा मार्ग वस्त्रों और पात्रों से भरा पड़ा है,

इसका अर्थ यह है कि पुरुषों को इन वस्तुओं को सड़क के साथ बिखरे हुए देखा कि "वहाँ कपड़े और उपकरण सभी सड़क पर पड़े हुए थे।

#### 2 Kings 7:16

##### डेरों को लूट लिया

यह एक हारी हुई सेना से वस्तुएँ लेने को दर्शाता है।

##### एक सआ मैदा एक शेकेल में, और दो सआ जौ एक शेकेल में

यह स्पष्ट रूप में कहा जा सकता है कि "तो लोगों को एक शेकेल के लिए मैदे का आटा का एक उपाय बेच दिया और एक शेकेल के लिए जौ के दो उपाय“।

##### सआ मैदा एक शेकेल में… दो सआ जौ एक शेकेल में

"7 लीटर मैदे का आटा... 14 लीटर जौ“।

##### एक शेकेल

“एक चाँदी का सिक्का”।

##### यहोवा के वचन के अनुसार

यहाँ "वचन" यहोवा को दर्शाता है जैसे कि "यहोवा ने कहा था।

##### उस सरदार को जिसके हाथ पर वह तकिया करता था

सरदार अपने अविश्वास को व्यक्त करने के लिए कहता है कि यह कभी नहीं हो सकता।(7:1)

##### नीचे दबकर मर गया।

लोगों की भीड़ में इतनी भीड़ थी कि शिविर में भोजन करने के लिए कि वे आदमी पर चढ़ गये और वह नीचे कुचलकर मारा गया।

#### 2 Kings 7:18

##### सामान्य जानकारी

लोग एक शेकेल के लिए मैदे का आटा और शेकेल के लिए मुश्‍किलसे दो उपाय बेचेंगे।(7:1)

##### इसी समय

“कल इसी समय मे”।

##### सआ मैदा एक शेकेल में… दो सआ जौ एक शेकेल में

"7 लीटर मैदे का आटा... 14 लीटर जौ“।

##### एक शेकेल

“एक चाँदी का सिक्का”।

##### सुन

“वास्तव” शब्‍द “सुनों” यहाँ की और ज़ोर देता है।

##### चाहे यहोवा आकाश में झरोखे खोले

भले ही यहोवा स्वर्ग से बहुत बारिश गिराए।(7:1)

##### क्या ऐसी बात हो सकेगी?

सरदार ने अपने अविश्वास को व्यक्त करने के लिए कहता है कि यह कभी नहीं हो सकता।(7:1)

##### तू यह अपनी आँखों से तो देखेगा,

तुम स्वयं इन चीजों को होते देखोगे

##### परन्तु उस अन्न में से खाने न पाएगा।

“लेकिन तुम आटा या जौ नहीं खा पाओगे”।(7:1)

### Translation Questions

#### 2 Kings 7:2

##### एलीशा ने कहा की विश्वास न करने वाले प्रधान के साथ क्या होगा?

एलीशा ने कहा के वह कोई भी आटा तथा जौ नहीं खाएगा।

#### 2 Kings 7:3

##### वे चारों कोढ़ी अरामी सेना के शिविर में क्यों गए?

वे चारों कोढ़ी अरामी सेना के शिविर में गए क्योंकि वे आपस में कहने लगे कि चाहे वे फाटक के बाहर बैठें या नगर में जाएं या अरामी सेना के पास जाएं उन्हें तो मरना ही है।

#### 2 Kings 7:6

##### अरामीयों के सेना को ऐसा क्यों लगा के इस्राएल के राजा ने हित्ती और मिस्री राजाओं को उनके खिलाफ नियुक्त किया है?

अरामी सेना को ऐसा लगा कि इस्राएल के राजा ने हित्ती और मिस्री राजाओं को उनके खिलाफ नियुक्त किया है क्योंकि उन्होंने रथ और घोडो का शोर सुनाई दिया – एक और विशाल सेना की आवाज़।

#### 2 Kings 7:11

##### चौकीदारों ने क्या किया जब उन्हें यह सूचना मिली की अरामियों ने अपना तंबू छोड़ दिया है ?

चौकीदारों ने इस समाचार को चिलाकर बोला की अरामियों ने अपना तंबू छोड़ दिया है।

#### 2 Kings 7:12

##### अरामी सेना द्वारा छावनी और सब कुछ छोड़कर भागने का कारण राजा के विचार में क्या था

राजा ने सोचा कि वे छावनी से निकल कर खेतों में छिप गए हैं और जब इस्राएली निकले तो उन्हें जीवित पकड़कर नगर में घुस जाएं।

#### 2 Kings 7:15

##### मार्ग किससे भरी हुई थी ?

मार्ग वस्त्रों और पात्रों से भरी हुई थी जिन्हें अरामियों ने भागते हुए त्याग दिया था।

#### 2 Kings 7:18

##### “कल इसी समय सामरिया के फाटक में दो सआ जौ एक शेकेल में, और एक सआ मैदा एक शेकेल में बिकेगा,” एलीशा की यह बात सुनकर प्रधान ने क्या कहा?

प्रधान ने एलीशा से कहा, “सुन चाहे यहोवा आकाश में झरोखे खोले तो भी क्या ऐसी बात हो सकेगी?”

#### 2 Kings 7:19

##### “कल इसी समय सामरिया के फाटक में दो सआ जौ एक शेकेल में, और एक सआ मैदा एक शेकेल में बिकेगा,” एलीशा की यह बात सुनकर प्रधान ने क्या कहा?

प्रधान ने एलीशा से कहा, “सुन चाहे यहोवा आकाश में झरोखे खोले तो भी क्या ऐसी बात हो सकेगी?”

Chapter 8  
एलीशा के आश्चर्यकर्मों की कीर्ति

1जिस स्त्री के बेटे को एलीशा ने जिलाया था, उससे उसने कहा था कि अपने घराने समेत यहाँ से जाकर जहाँ कहीं तू रह सके वहाँ रह; क्योंकि यहोवा की इच्छा है कि अकाल पड़े, और वह इस देश में सात वर्ष तक बना रहेगा।2परमेश्‍वर के भक्त के इस वचन के अनुसार वह स्त्री अपने घराने समेत पलिश्तियों के देश में जाकर सात वर्ष रही।3सात वर्ष के बीतने पर वह पलिश्तियों के देश से लौट आई, और अपने घर और भूमि के लिये दुहाई देने को राजा के पास गई।4राजा उस समय परमेश्‍वर के भक्त के सेवक गेहजी से बातें कर रहा था, और उसने कहा, “जो बड़े-बड़े काम एलीशा ने किये हैं उनका मुझसे वर्णन कर।”5जब वह राजा से यह वर्णन कर ही रहा था कि एलीशा ने एक मुर्दे को जिलाया, तब जिस स्त्री के बेटे को उसने जिलाया था वही आकर अपने घर और भूमि के लिये दुहाई देने लगी। तब गेहजी ने कहा, “हे मेरे प्रभु! हे राजा! यह वही स्त्री है और यही उसका बेटा है जिसे एलीशा ने जिलाया था।”6जब राजा ने स्त्री से पूछा, तब उसने उससे सब कह दिया। तब राजा ने एक हाकिम को यह कहकर उसके साथ कर दिया कि जो कुछ इसका था वरन् जब से इसने देश को छोड़ दिया तब से इसके खेत की जितनी आमदनी अब तक हुई हो सब इसे फेर दे।हजाएल का अराम की गद्दी छीन लेना

7एलीशा दमिश्क को गया। और जब अराम के राजा बेन्हदद को जो रोगी था यह समाचार मिला, “परमेश्‍वर का भक्त\* यहाँ भी आया है,”8तब उसने हजाएल से कहा, “भेंट लेकर परमेश्‍वर के भक्त से मिलने को जा, और उसके द्वारा यहोवा से यह पूछ, ‘क्या बेन्हदद जो रोगी है वह बचेगा कि नहीं?’ ”9तब हजाएल भेंट के लिये दमिश्क की सब उत्तम-उत्तम वस्तुओं से चालीस ऊँट लदवाकर, उससे मिलने को चला, और उसके सम्मुख खड़ा होकर कहने लगा, “तेरे पुत्र अराम के राजा बेन्हदद ने मुझे तुझ से यह पूछने को भेजा है, ‘क्या मैं जो रोगी हूँ तो बचूँगा कि नहीं?’ ”10एलीशा ने उससे कहा, “जाकर कह, ‘तू निश्चय बच सकता,’ तो भी यहोवा ने मुझ पर प्रगट किया है, कि तू निःसन्देह मर जाएगा।”11और वह उसकी ओर टकटकी बाँध कर देखता रहा\*, यहाँ तक कि वह लज्जित हुआ। और परमेश्‍वर का भक्त रोने लगा।12तब हजाएल ने पूछा, “मेरा प्रभु क्यों रोता है?” उसने उत्तर दिया, “इसलिए कि मुझे मालूम है कि तू इस्राएलियों पर क्या-क्या उपद्रव करेगा; उनके गढ़वाले नगरों को तू फूँक देगा; उनके जवानों को तू तलवार से घात करेगा, उनके बाल-बच्चों को तू पटक देगा, और उनकी गर्भवती स्त्रियों को तू चीर डालेगा।”13हजाएल ने कहा, “तेरा दास जो कुत्ते सरीखा है, वह क्या है कि ऐसा बड़ा काम करे?” एलीशा ने कहा, “यहोवा ने मुझ पर यह प्रगट किया है कि तू अराम का राजा हो जाएगा।”14तब वह एलीशा से विदा होकर अपने स्वामी के पास गया, और उसने उससे पूछा, “एलीशा ने तुझ से क्या कहा?” उसने उत्तर दिया, “उसने मुझसे कहा कि बेन्हदद निःसन्देह बचेगा।”15दूसरे दिन उसने रजाई को लेकर जल से भिगो दिया, और उसको उसके मुँह पर ऐसा ओढ़ा दिया कि वह मर गया। तब हजाएल उसके स्थान पर राज्य करने लगा।इस्राएली योराम का राज्य

16इस्राएल के राजा अहाब के पुत्र योराम के राज्य के पाँचवें वर्ष में, जब यहूदा का राजा यहोशापात जीवित था, तब यहोशापात का पुत्र यहोराम यहूदा पर राज्य करने लगा।17जब वह राजा हुआ, तब बत्तीस वर्ष का था, और आठ वर्ष तक यरूशलेम में राज्य करता रहा।18वह इस्राएल के राजाओं की सी चाल चला, जैसे अहाब का घराना चलता था, क्योंकि उसकी स्त्री अहाब की बेटी थी; और वह उस काम को करता था जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था\*।19तो भी यहोवा ने यहूदा को नाश करना न चाहा, यह उसके दास दाऊद के कारण हुआ, क्योंकि उसने उसको वचन दिया था, कि तेरे वंश के निमित्त मैं सदा तेरे लिये एक दीपक जलता हुआ रखूँगा।20उसके दिनों में एदोम ने यहूदा की अधीनता छोड़कर अपना एक राजा बना लिया।21तब योराम अपने सब रथ साथ लिये हुए साईर को गया, और रात को उठकर उन एदोमियों को जो उसे घेरे हुए थे, और रथों के प्रधानों को भी मारा; और लोग अपने-अपने डेरे को भाग गए।22अतः एदोम यहूदा के वश से छूट गया, और आज तक वैसा ही है। उस समय लिब्ना ने भी यहूदा की अधीनता छोड़ दी।23योराम के और सब काम और जो कुछ उसने किया, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?24अन्त में योराम मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उनके बीच दाऊदपुर में उसे मिट्टी दी गई; और उसका पुत्र अहज्याह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।।यहूदी अहज्याह का राज्य

25अहाब के पुत्र इस्राएल के राजा योराम के राज्य के बारहवें वर्ष में यहूदा के राजा यहोराम का पुत्र अहज्याह राज्य करने लगा।26जब अहज्याह राजा बना, तब बाईस वर्ष का था, और यरूशलेम में एक ही वर्ष राज्य किया। और उसकी माता का नाम अतल्याह था, जो इस्राएल के राजा ओम्री की पोती थी।27वह अहाब के घराने की चाल चला, और अहाब के घराने के समान वह काम करता था, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है, क्योंकि वह अहाब के घराने का दामाद था।28वह अहाब के पुत्र योराम के संग गिलाद के रामोत में अराम के राजा हजाएल से लड़ने को गया, और अरामियों ने योराम को घायल किया।29राजा योराम इसलिए लौट गया, कि यिज्रेल में उन घावों का इलाज कराए, जो उसको अरामियों के हाथ से उस समय लगे, जब वह हजाएल के साथ लड़ रहा था। और अहाब का पुत्र योराम तो यिज्रेल में रोगी था, इस कारण यहूदा के राजा यहोराम का पुत्र अहज्याह उसको देखने गया।

#### 2 Kings 8:1

##### अब

यहाँ लेखक कहानी का एक नया हिस्सा बताना शुरू करता है।

##### जिस स्त्री के बेटे को एलीशा ने जिलाया था,

इस औरत और उसके पुत्र की कहानी 4:8 में पाई जाती है।

##### बेटे को एलीशा ने जिलाया था

"वह फिर से उसके जीवित होने का कारण बना था“।

##### जाकर

यहाँ तुम हो वहाँ से खड़े होकर चले जाओ

##### परमेश्‍वर के भक्त

“एलीशा, परमेश्‍वर का भक्त था”।

#### 2 Kings 8:3

##### राजा

यह इस्राएल के राजा को दर्शाता है।

##### अपने घर और भूमि के लिये

जब महिला गई थी, उसके घर और संपत्ति घेराबंदी की गई थी। वह उनसे भीख माँग रही है कि वे उसे लौटा दें। इस वक्तव्य का पूरा अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है कि "उसके घर और उसकी संपत्ति उसे वापस करने के लिए“।

##### उस समय

यहाँ लेखक हमें पृष्ठभूमि जानकारी बताता है कि राजा क्या कर रहा था जब स्त्री आ रही थी।

#### 2 Kings 8:5

##### जिस स्त्री के बेटे को उसने जिलाया था

“जो बच्चे को मर गया था फिर से जीवित होने का कारण बना था"।

##### अपने घर और भूमि के लिए

जब महिला गई थी, उसके घर और संपत्ति घेराबंदी की गई थी। वह उनसे भीख माँग रही है कि वे उसे लौटा दें। इस वक्तव्य का पूरा अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है कि "उसके घर और उसकी संपत्ति उसे वापस करने के लिए“।

##### उसका बेटा

यह उसके बेटे के मरने और एलीशा उसे जीवन में वापस लाने की कहानी को दर्शाता है। इस का अर्थ स्पष्ट किया जा सकता है कि “जो उसका बेटा हुआ था”।

##### तब से इसके खेत की जितनी आमदनी

“उसकी फसल से सारे लाभ”।

#### 2 Kings 8:7

##### बेन्हदद

यह पुरुष का नाम है।

##### हजाएल

यह पुरुष का नाम है।

##### भेंट के लिये

हजाएल को केवल एक बार नहीं बल्कि कई बार उपहार लेने थे।

##### परमेश्‍वर के भक्त

"एलीशा, परमेश्‍वर का भक्त”।

##### उसके द्वारा यहोवा से यह पूछ

“पुछे एलीशा से यहोवा पुछे”।

##### चालीस ऊँट लदवाकर,

यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि “जो चालीस ऊँट ले जाया गया”।

##### चालीस ऊँट।

४० ऊँट।

##### तेरे पुत्र अराम के राजा बेन्हदद

“बेन्‍हदद, अराम का राजा जो तुम्हारे लिए पुतचर के सामान है”।

#### 2 Kings 8:10

##### यहाँ तक कि वह लज्जित हुआ।

“जब तक हजाएल ने असहज महसूस किया”।

##### मेरा प्रभु

हजाएल उसे सम्मान करने के लिए इस तरह से एलीशा को दर्शाता है।

##### इसलिए कि मुझे मालूम है

परमेश्‍वर ने एलीशा को दिखाया है कि भविष्य में क्या होगा।

##### तू करेगा

शब्द "तुम” हजाएल को दर्शाता है और खुद को और उसके नियंत्रण में सैनिकों को दर्शाता है जब वह राजा है कि "तुम अपने सैनिकों के आदेश होगा“।

##### तू घात करेगा

शब्द "तू” हजाएल को यहाँ अपने सैनिकों को दर्शाता है कि "तुम सैनिकों को स्थिर करेंगे... तुम सैनिकों को मार देंगे"।

##### उनके बाल-बच्चों को तू पटक देगा,

"तुमने छोटे बच्चों को कुचला”। यह बच्चों की हत्या सैनिकों की एक क्रूर वर्णन है।

##### उनके जवानों को तू तलवार से घात करेगा,

इसका अर्थ यह है कि पुरुष लड़ाई में मारे जाएंगे। तलवार लड़ाई में इस्तेमाल मुख्य हथियार था जैसे कि "युद्ध में युवा पुरुषों को मार डालो“।

##### उनकी गर्भवती स्त्रियों को तू चीर डालेगा।”

यह उनके पेट को खोलने के आंसूओं को दर्शाता है कि "उन्होनें गर्भवती स्त्रियों के तलवार से चीर डाला”।

#### 2 Kings 8:13

##### तेरा दास जो कुत्ते सरीखा है, वह क्या है कि ऐसा बड़ा काम करे?”

मैं इस तरह के महान काम कभी नहीं कर सकता।

##### ऐसा बड़ा काम करे

“यह भयानक बात है“ कि "यहाँ शब्द “बड़ा” कुछ ऐसा है जो बहुत बड़ा प्रभाव और भयानक होता है।

##### जो कुत्ते सरीखा है

मैं कुत्ते की तरह एक शक्‍तिहीन हूँ।

##### अपने स्वामी के पास गया,

वाक्यांश “अपने स्वामी” बेन्हदद को दर्शाता है।

##### वह मर गया।

बेन्हदद चेहरे के माध्यम से साँस लेने में असमर्थ था और एसलिए उसकी मृत्यु हो गई।

#### 2 Kings 8:16

##### सामान्य जानकारी

यहोराम यहुदा का राजा बन जाता है।

##### इस्राएल के राजा अहाब के पुत्र योराम के राज्य के पाँचवें वर्ष में,

आहाब के पुत्र यहोराम के राजा बनने के पाँचवें वर्ष में।

##### पाँचवें वर्ष

“5वें वर्ष”।

##### यहोराम पर राज्य करने लगा।

यहोशापात का पुत्र यहोराम, यहूदा का राजा बन गया।

##### बत्तीस वर्ष

“32 वर्ष”।

#### 2 Kings 8:18

##### वह इस्राएल के राजाओं की सी चाल चला,

यहोराम एक दुष्ट राजा था, जैसे इस्राएल के कई अन्य राजा थे , जिन्होनें उस से पहले शासन किया था।

##### जैसे अहाब का घराना चलता था,

जैसे कि आहाब का बाकी परिवार कर रहा था।

##### उसकी स्त्री अहाब की बेटी थी;

यहोराम राजा अहाब की बेटी से शादी कर ली थी।

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था\*।

उन्होने ऐसी बाते कहीं जो यहोवा के लिए बुरी थी।

##### यहूदा को नाश करना

यहूदा के लोगों को नष्ट कर दो।

##### कि तेरे वंश के निमित्त मैं सदा तेरे लिये एक दीपक जलता हुआ रखूँगा।

कयोंकि उसने दाऊद से कहा था कि उसके वंशज हमेशा यहूदा पर राज करते रहेगे।

#### 2 Kings 8:20

##### एदोम की अधीनता छोड़कर

“एदोम ने बगावत किया”।

##### यहूदा की अधीनता

यहूदा के राजा का नियंत्रण।

##### अपना एक राजा बना लिया।

"वे खुद पर शासन करने के लिए एक राजा नियुक्त किया“।

##### तब योराम अपने सब

फिर यहोराम ने दुशमन रेखा को पार किया।

##### रात को उठकर उन

फिर रात में उठाकर।

##### उनको उठाकर

वह और उसकी सेना।

#### 2 Kings 8:22

##### सामान्य जानकारी

यहूदा के राजा यहोराम की मृत्यु हो जाती है और उसका पुत्र अहज्याह राजा बन जाता है।

##### अतः एदोम यहूदा के वश से छूट गया, और आज तक वैसा ही है।

तो उसके बाद, एदोम अब यहूदा द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता था, और यह अभी भी ऐसा ही है।

##### यहूदा के वश

यहूदा के अधिकार से।

##### आज तक वैसा ही है।

उस समय जब यह पुस्तक लिखी गई थी।

##### उस समय लिब्ना ने भी यहूदा की अधीनता छोड़ दी।

उसी समय के दौरान, लिब्ना भी यहूदा के राजा के खिलाफ विद्रोह कर रहा था।

##### लिब्ना

लिब्ना के लोग।

##### योराम के और सब काम और जो कुछ उसने किया, वह क्या

यहोराम के इतिहास के बारे में और अधिक जाने के लिए और उसने कया किया।

##### पुस्तक में नहीं लिखा है… यहूदा?

ये बातें लिखी गई हैं

##### अन्त में योराम मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उनके बीच दाऊदपुर में उसे मिट्टी दी गई

यहोराम की मृत्यु हो गई, और उन्होंने उसे अपने पुरखों के साथ दफना दिया।

##### उसका पुत्र अहज्याह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।।

“तब यहोराम का पुत्र अहज्याह, उसकी मृत्यु के बाद राजा बन गया"।

#### 2 Kings 8:25

##### सामान्य जानकारी

अहज्याह यहूदा का राजा बन जाता है।

##### अहाब के पुत्र इस्राएल के राजा योराम के राज्य के बारहवें वर्ष में

बारह वर्ष की आयु में अहाब का पुत्र योराम इस्राएल का राजा था।

##### बारह वर्ष

“12 वर्ष”।

##### बाईस वर्ष

“22 वर्ष”।

##### अतल्याह… ओम्री

अतल्याह स्त्री का नाम है। ओम्री पुरुष का नाम है।

##### अहाब के घराने

अहाब का परिवार।

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है

वह बाते जो यहोवा की द्दष्टि में बुरी है।

##### वह अहाब के घराने का दामाद था।

“राजा अहाब का दामाद”।

#### 2 Kings 8:28

##### वह अहाब के पुत्र योराम के संग, अहाब के पुत्र योराम, हजाएल से लड़ने को गया, राजा अराम

अहज्याह की सेना इस्राएल की सेना योराम के साथ में शामिल हो गई, अराम की सेना हजाएल की सेना के खिलाफ लड़ने के लिए।

##### इलाज कराए

यह स्पष्ट रूप में कहा जा सकता है कि “चंगा करने के लिए”।

##### अराम के राजा हजाएल से लड़ने को गया,

यहाँ “हजाएल” खुदको और अपनी सेना को दर्शाता है जैसे कि “अराम के राजा हजाएल की सेना”।

##### योराम को घायल किया।

यह स्पष्ट रूप में कहा जा सकता है कि “अरामियों ने योराम को घायल कर दिया था“।

### Translation Questions

#### 2 Kings 8:1

##### जिस स्त्री के पुत्र को एलीशा ने जीवित किया था वह सात वर्ष पलिश्तियों के देश में क्यों रही थी?

जिस स्त्री के पुत्र को एलीशा ने जीवित किया था वह सात वर्ष पलिश्तियों के देश रही क्योंकि एलीशा ने कहा था कि यहोवा की इच्छा से अकाल पड़ने वाला है।

#### 2 Kings 8:2

##### जिस स्त्री के पुत्र को एलीशा ने जीवित किया था वह सात वर्ष पलिश्तियों के देश में क्यों रही थी?

जिस स्त्री के पुत्र को एलीशा ने जीवित किया था वह सात वर्ष पलिश्तियों के देश रही क्योंकि एलीशा ने कहा था कि यहोवा की इच्छा से अकाल पड़ने वाला है।

#### 2 Kings 8:3

##### वह स्त्री राजा के पास क्यों गई?

वह स्त्री अपने घर और भूमि के लिये दोहाई देने राजा के पास गई।

#### 2 Kings 8:5

##### एलीशा ने जिस स्त्री के बेटे को उढ़ाया, उसे आता देख गेहजी ने राजा को क्या बताया?

गेहजी ने राजा को बताया कि किस तरह एलीशा ने उसके बच्चे को मरे हुए से उढ़ाया।

#### 2 Kings 8:9

##### हजाएल ने एलीशा के लिए क्या भेट ली?

हजाएल ने दमिश्क की सब उत्तम वस्तुओं को चालीस ऊंट पर लदवा कर ले गया।

#### 2 Kings 8:11

##### परमेश्वर का भक्त क्यों रोने लगेगा?

परमेश्वर का भक्त रोने लगे क्योंकि उन्हें मालूम था कि हजाएल द्वारा इस्राएलियों पर क्या-क्या उपद्रव होगा।

#### 2 Kings 8:12

##### परमेश्वर का भक्त क्यों रोने लगेगा?

परमेश्वर का भक्त रोने लगे क्योंकि उन्हें मालूम था कि हजाएल द्वारा इस्राएलियों पर क्या-क्या उपद्रव होगा।

#### 2 Kings 8:14

##### हजाएल ने अराम के राजा को ठीक होने की तसल्ली देने के बाद राजा बेन्हदद के साथ क्या किया?

हजाएल ने अराम के राजा को ठीक होने की तसल्ली देने के बाद, हजाएल ने रजाई पानी में भीगोकर राजा बेन्हदद के चहरे पर रखा ताकि वह मर जाए।

#### 2 Kings 8:15

##### हजाएल ने अराम के राजा को ठीक होने की तसल्ली देने के बाद राजा बेन्हदद के साथ क्या किया?

हजाएल ने अराम के राजा को ठीक होने की तसल्ली देने के बाद, हजाएल ने रजाई पानी में भीगोकर राजा बेन्हदद के चहरे पर रखा ताकि वह मर जाए।

#### 2 Kings 8:18

##### यहोराम की पत्नी कौन थी?

यहोराम की पत्नी अहाब की बेटी थी।

#### 2 Kings 8:19

##### यहोवा यहूदा का नाश क्यों नहीं करना चाहता था?

यहोवा यहूदा का नाश नहीं करना चाहता था क्योंकि उसने उसके दास दाऊद को वचन दिया था कि वह उसे हमेशा वंश देगा।

#### 2 Kings 8:20

##### एदोम ने यहूदा के विरूद्ध कब विद्रोह किया?

यहोराम के राज्यकाल में एदोम ने यहूदा से विद्रोह किया था।

#### 2 Kings 8:27

##### अहज्याह ने यहोवा की दृष्टि में क्यों बुराई की?

आहाब के परिवार का दामाद होने के कारण अहज्याह ने वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था।

#### 2 Kings 8:29

##### अरामीयों द्वारा रामोत में दीए गए ज़ख्मो को ठीक करने राजा योराम कहा गया?

राजा योराम ठीक होने के लिए यिज्रैल लौटे।

Chapter 9  
येहू का अभिषेक और राज्य

1तब एलीशा भविष्यद्वक्ता ने भविष्यद्वक्ताओं के दल में से एक को बुलाकर उससे कहा, “कमर बाँध, और हाथ में तेल की यह कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत को जा। (लूका 12:35)2और वहाँ पहुँचकर येहू को जो यहोशापात का पुत्र और निमशी का पोता है, ढूँढ़ लेना; तब भीतर जा, उसको खड़ा कराकर उसके भाइयों से अलग एक भीतर कोठरी में ले जाना।3तब तेल की यह कुप्पी लेकर तेल को उसके सिर पर यह कहकर डालना, ‘यहोवा यह कहता है, कि मैं इस्राएल का राजा होने के लिये तेरा अभिषेक कर देता हूँ।’ तब द्वार खोलकर भागना, विलम्ब न करना\*।”4अतः वह जवान भविष्यद्वक्ता गिलाद के रामोत को गया।5वहाँ पहुँचकर उसने क्या देखा, कि सेनापति बैठे हुए हैं; तब उसने कहा, “हे सेनापति, मुझे तुझ से कुछ कहना है।” येहू ने पूछा, “हम सभी में किस से?” उसने कहा, “हे सेनापति, तुझी से!”6तब वह उठकर घर में गया; और उसने यह कहकर उसके सिर पर तेल डाला, “इस्राएल का परमेश्‍वर यहोवा यह कहता है, मैं अपनी प्रजा इस्राएल पर राजा होने के लिये तेरा अभिषेक कर देता हूँ।7तो तू अपने स्वामी अहाब के घराने को मार डालना, जिससे मुझे अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के वरन् अपने सब दासों के खून का जो ईजेबेल ने बहाया, बदला मिले। (प्रका. 6:10, प्रका. 19:2)8क्योंकि अहाब का समस्त घराना नाश हो जाएगा, और मैं अहाब के वंश के हर एक लड़के को और इस्राएल में के क्या बन्दी, क्या स्वाधीन, हर एक का नाश कर डालूँगा।9और मैं अहाब का घराना नबात के पुत्र यारोबाम का सा, और अहिय्याह के पुत्र बाशा का सा कर दूँगा।10और ईजेबेल को यिज्रेल की भूमि में कुत्ते खाएँगे, और उसको मिट्टी देनेवाला कोई न होगा।” तब वह द्वार खोलकर भाग गया।11तब येहू अपने स्वामी के कर्मचारियों के पास निकल आया, और एक ने उससे पूछा, “क्या कुशल है, वह बावला क्यों तेरे पास आया था?” उसने उनसे कहा, “तुम को मालूम होगा कि वह कौन है और उससे क्या बातचीत हुई।”12उन्होंने कहा, “झूठ है, हमें बता दे।” उसने कहा, “उसने मुझसे कहा तो बहुत, परन्तु मतलब यह है ‘यहोवा यह कहता है कि मैं इस्राएल का राजा होने के लिये तेरा अभिषेक कर देता हूँ।’ ”13तब उन्होंने झट अपना-अपना वस्त्र उतार कर उसके नीचे सीढ़ी ही पर बिछाया, और नरसिंगे फूँककर कहने लगे, “येहू राजा है।” (लूका 19:36)14यह येहू जो निमशी का पोता और यहोशापात का पुत्र था, उसने योराम से राजद्रोह की युक्ति की। (योराम तो सारे इस्राएल समेत अराम के राजा हजाएल के कारण गिलाद के रामोत की रक्षा कर रहा था;15परन्तु राजा योराम आप अपने घाव का जो अराम के राजा हजाएल से युद्ध करने के समय उसको अरामियों से लगे थे, उनका इलाज कराने के लिये यिज्रेल को लौट गया था।) तब येहू ने कहा, “यदि तुम्हारा ऐसा मन हो, तो इस नगर में से कोई निकलकर यिज्रेल में सुनाने को न जाने पाए।”16तब येहू रथ पर चढ़कर, यिज्रेल को चला जहाँ योराम पड़ा हुआ था; और यहूदा का राजा अहज्याह योराम के देखने को वहाँ आया था।17यिज्रेल के गुम्मट पर, जो पहरुआ खड़ा था, उसने येहू के संग आते हुए दल को देखकर कहा, “मुझे एक दल दिखता है;” योराम ने कहा, “एक सवार को बुलाकर उन लोगों से मिलने को भेज और वह उनसे पूछे, ‘क्या कुशल है?’ ”18तब एक सवार उससे मिलने को गया, और उससे कहा, “राजा पूछता है, ‘क्या कुशल है?’ ” येहू ने कहा, “कुशल से तेरा क्या काम? हटकर मेरे पीछे चल।” तब पहरुए ने कहा, “वह दूत उनके पास पहुँचा तो था, परन्तु लौटकर नहीं आया।”19तब उसने दूसरा सवार भेजा, और उसने उनके पास पहुँचकर कहा, “राजा पूछता है, ‘क्या कुशल है?’ ” येहू ने कहा, “कुशल से तेरा क्या काम? हटकर मेरे पीछे चल।”20तब पहरुए ने कहा, “वह भी उनके पास पहुँचा तो था, परन्तु लौटकर नहीं आया। हाँकना निमशी के पोते येहू का सा है; वह तो पागलों के समान हाँकता है।”21योराम ने कहा, “मेरा रथ जुतवा।” जब उसका रथ जुत गया, तब इस्राएल का राजा योराम और यहूदा का राजा अहज्याह, दोनों अपने-अपने रथ पर चढ़कर निकल गए, और येहू से मिलने को बाहर जाकर यिज्रेल नाबोत की भूमि में उससे भेंट की।22येहू को देखते ही योराम ने पूछा, “हे येहू क्या कुशल है,” येहू ने उत्तर दिया, “जब तक तेरी माता ईजेबेल छिनालपन और टोना करती रहे, तब तक कुशल कहाँ?” (प्रका. 2:20, प्रका. 9:21)23तब योराम रास फेर के, और अहज्याह से यह कहकर भागा, “हे अहज्याह विश्वासघात है, भाग चल।”24तब येहू ने धनुष को कान तक खींचकर योराम के कंधों के बीच ऐसा तीर मारा, कि वह उसका हृदय फोड़कर निकल गया, और वह अपने रथ में झुककर गिर पड़ा।25तब येहू ने बिदकर नामक अपने एक सरदार से कहा, “उसे उठाकर यिज्रेली नाबोत की भूमि में फेंक दे; स्मरण तो कर, कि जब मैं और तू, हम दोनों एक संग सवार होकर उसके पिता अहाब के पीछे-पीछे चल रहे थे तब यहोवा ने उससे यह भारी वचन कहलवाया था,26‘यहोवा की यह वाणी है, कि नाबोत और उसके पुत्रों का जो खून हुआ, उसे मैंने देखा है, और यहोवा की यह वाणी है, कि मैं उसी भूमि में तुझे बदला दूँगा।’ तो अब यहोवा के उस वचन के अनुसार इसे उठाकर उसी भूमि में फेंक दे।”27यह देखकर यहूदा का राजा अहज्याह बारी के भवन के मार्ग से भाग चला। और येहू ने उसका पीछा करके कहा, “उसे भी रथ ही पर मारो;” तो वह भी यिबलाम के पास की गूर की चढ़ाई पर मारा गया, और मगिद्दो तक भागकर मर गया।28तब उसके कर्मचारियों ने उसे रथ पर यरूशलेम को पहुँचाकर दाऊदपुर में उसके पुरखाओं के बीच मिट्टी दी।29अहज्याह तो अहाब के पुत्र योराम के राज्य के ग्यारहवें वर्ष में यहूदा पर राज्य करने लगा था।30जब येहू यिज्रेल को आया, तब ईजेबेल यह सुन अपनी आँखों में सुरमा लगा, अपना सिर संवारकर, खिड़की में से झाँकने लगी।31जब येहू फाटक में होकर आ रहा था तब उसने कहा, “हे अपने स्वामी के घात करनेवाले जिम्री, क्या कुशल है?”32तब उसने खिड़की की ओर मुँह उठाकर पूछा, “मेरी ओर कौन है? कौन?” इस पर दो तीन खोजों ने उसकी ओर झाँका।33तब उसने कहा, “उसे नीचे गिरा दो।” अतः उन्होंने उसको नीचे गिरा दिया, और उसके लहू के कुछ छींटे दीवार पर और कुछ घोड़ों पर पड़े, और उन्होंने उसको पाँव से लताड़ दिया।34तब वह भीतर जाकर खाने-पीने लगा; और कहा, “जाओ उस श्रापित स्त्री को देख लो, और उसे मिट्टी दो; वह तो राजा की बेटी है\*।”35जब वे उसे मिट्टी देने गए, तब उसकी खोपड़ी पाँवों और हथेलियों को छोड़कर उसका और कुछ न पाया।36अतः उन्होंने लौटकर उससे कह दिया; तब उसने कहा, “यह यहोवा का वह वचन है, जो उसने अपने दास तिशबी एलिय्याह से कहलवाया था, कि ईजेबेल का माँस यिज्रेल की भूमि में कुत्ते खाएँगे।37और ईजेबेल का शव यिज्रेल की भूमि पर खाद के समान पड़ा रहेगा, यहाँ तक कि कोई न कहेगा, ‘यह ईजेबेल है।’”

#### 2 Kings 9:1

##### भविष्यद्वक्ताओं के दल में से

“भविष्यद्वक्ताओं के समूह”।

##### तेरे हाथ में

तेरे साथ।

##### गिलाद के रामोत

अहज्याह की सेना के साथ स्राएल की सेना योराम के साथ में शामिल हो गई, अराम की सेना हजाएल की सेना के खिलाफ लड़ने के लिए।(8:28)

##### येहू को जो यहोशापात का पुत्र और निमशी का पोता है,

इसका अर्थ यह है कि यहोशाप येहू के पिता हैं और निम्शी यहोशाप के पिता हैं।

##### साथ

ये वे लोग हैं जिनके साथ येहू बैठा था।

##### भीतर कोठरी में ले जाना

उसके सात जाने के लिए।

##### भीतर कोठरी

“एक निजी कमरा”।

#### 2 Kings 9:4

##### देखा

लेखक इस शब्द का उपयोग करता है "देखो" प्रत्यक्ष ध्यान के लिए।

##### कि सेनापति बैठे हुए हैं;

येहू और कुछ अन्य सेना अधिकारी एक साथ बैठे थे।

##### हम सभी में किस से

“हम” शब्द येहू और अन्य सेनापतियों को दर्शाता है।

#### 2 Kings 9:7

##### सामानय जानकारी

जवान भविष्यवक्ता आज भी येहू से बात कर रहा है, जिसे उसने इस्राएल पर राजा के तौर पर सिर्फ अभिषेक किया था।

##### तो तू अपने स्वामी अहाब के घराने को मार डालना, जिससे मुझे अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के वरन् अपने सब दासों के खून का जो ईजेबेल ने बहाया, बदला मिले।

"मैं अपने सेवकों भविष्यद्वक्ताओं और यहोवा के सभी सेवकों की मौत का बदला ले सकते हैं"।

##### और खून

और खून का बदला लेना।

##### अपने सब दासों के खून का जो ईजेबेल ने बहाया, बदला मिले।

जिसे ईजेबेल ने अपने सेवकों को हत्या की आज्ञा दी थी।

##### जो ईजेबेल ने बहाया, बदला मिले।

" जिनका कत्ल ईजेबेल के आदेश से हुआ।

##### क्योंकि अहाब का समस्त घराना नाश हो जाएगा, और मैं अहाब के वंश के हर एक लड़के को और इस्राएल में के क्या बन्दी,

क्योंकि अहाब का पूरा परिवार खत्म हो जाएगा, और मैं उसके परिवार के हर पुरुष बच्चे को मार डाला जाएगा"।

##### हर एक लड़के को

हर पुरुष को

#### 2 Kings 9:9

##### सामानय जानकारी

जवान भविष्यवक्ता उस येहू को यहोवा का वचन बताना जारी रखता है, जिसे उसने इस्राएल पर राजा के तौर पर अभिषेक किया था।

##### मैं अहाब का घराना नबात के पुत्र यारोबाम का सा,

मैं अहाब के घराने से ऐसे छुटकारा पाऊँगा, जैसे

##### घराना

परिवार।

##### नबात… अहिय्याह

यह एक पुरुष का नाम है।

##### ईजेबेल को यिज्रेल की भूमि में कुत्ते खाएँगे,

ईजेबेल के मृत शरीर को कुत्ते खाएँगे।

#### 2 Kings 9:11

##### अपने स्वामी के कर्मचारियों

यह उन अन्य अधिकारियों से संबंधित है जो राजा अहाब की सेवा कर रहे थे।

##### बावला

पागल पुरुष।

##### तुम को मालूम होगा कि वह कौन है और उससे क्या बातचीत हुई।

तुम्हें पता है कि उसके जैसे युवा भविष्यद्वक्ताओं क्या बातें कहता है।

##### उन्होंने कहा,

उसने क्या कहा, हमें बताओ।

##### उसने कहा, “उसने मुझसे कहा तो बहुत,

वह कुछ बातों के बारे में बात की थी।

##### अपना वस्त्र उतार कर उसके नीचे सीढ़ी ही पर बिछाया,

उनके बाहरी कपड़े उतार दिया और उन्हें चलने के लिए येहू के क्रम में लगा दिया।

##### नरसिंगे फूँककर कहने लगे

उनमें से एक ने तुरही फूंकी और वे सभी बोले।

#### 2 Kings 9:14

##### निमशी

यह एक पुरूष का नाम है

##### योराम

यहाँ लेखक पृष्ठभूमि बताता है योराम कैसे घायल हुआ और ठीक होने के लिए यिज्रेल गया।

##### सारे इस्राएल

वह और इस्राऐली सेना।

##### उनका इलाज कराने के लिये

ठीक होने के लिए।

##### अपने घाव का जो अराम के

योराम को अरामियन सेना के साथ लड़ाई के दौरान जो घाव मिले।

##### हजाएल

यह पुरुष का नाम है।(8:7)

##### तब येहू ने कहा,

यह उन अधिकारियों से संबंधित है जो रामोत गिलाद में योराम के साथ थे।

##### यदि तुम्हारा ऐसा मन हो,

अगर तुम सच में मुझे अपने राजा बनना चाहते हैं।

##### तो इस नगर में से कोई निकलकर यिज्रेल में सुनाने को न जाने पाए।

राजा योराम और यिज्रेल में उसकी सेना को चेतावनी देता है।

##### अहज्याह

अब शब्द यहाँ मुख्य कहानी में एक ब्रेक चिह्नित करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यहाँ लेखक अहज्याह योराम के बारे में पृष्ठभूमि जानकारी बताता है।

#### 2 Kings 9:17

##### पहरुआ

रक्षक।

##### उसने येहू के संग आते हुए दल को देखकर

येहू और उसके पुरुषों के रूप में वे अभी भी दूर थे।

##### क्या कुशल है?’

अगर मैं शांति में आ गए। तो यह तुम्हारी चिंता का विषय नहीं है।

##### वह दूत उनके पास पहुँचा तो था, परन्तु लौटकर नहीं आया।

पहरुआ ने राजा योरम को बताया कि जिस आदमी को उसने भेजा है वह राजा के सवाल का जवाब देने के लिए वापस नहीं आ रहा है।

#### 2 Kings 9:19

##### तब उसने दूसरा सवार भेजा, और उसने उनके पास पहुँचकर कहा,

तब राजा योराम ने एक दूसरा दूत भेजा, जो एक घोड़े पर सवार था, जो येहू और उसकी सेना से मिलने के लिए बाहर गया था।

##### दूसरा सवार

दूसरा पुरुष।

##### क्या कुशल है?

अगर मैं शांति में आ गए। तो यह तुम्हारी चिंता का विषय नहीं है।(9:17)

##### हाँकना निमशी के पोते येहू का सा है; वह तो पागलों के समान हाँकता है।

कयोंकि रथ का चालक उसी तरह से गाड़ी चलाता है, जैसे कि निमशी का पुत्र येहू चलाता है।

#### 2 Kings 9:21

##### अपने रथ पर

हर कोई अपने ही रथ में।

##### नाबोत

यह एक पुरुष का नाम है।

##### यिज्रेल

यह यिज्रेल के एक व्यक्ति को दर्शाता है।

##### हे येहू क्या कुशल है,” येहू ने उत्तर दिया, “जब तक तेरी माता ईजेबेल छिनालपन और टोना करती रहे, तब तक कुशल कहाँ?

जब तक अपनी माँ ईजेबेल प्रथाओं के रूप में कोई शांति हो सकती है और वेश्यावृत्ति और जादू टोने के रूप में इतना मूर्तिपूजा को बढ़ावा देता है।

#### 2 Kings 9:23

##### रास फेर के… भागा

भागने की कोशिश करने के लिए अपने रथ को चारों ओर घुमा दिया।

##### विश्वासघात

धोखा।

##### वह अपने रथ में झुककर गिर पड़ा।

योराम एक तीर लगने से मर गया और अपने रथ से नीचे गिर कर मर गया।

#### 2 Kings 9:25

##### बिदकर

यह एक पुरुष का नाम है

##### उसे उठाकर फेंक दे

उसके मृत शरीर को उठाओ और इसे फेंक दो।

##### स्मरण तो कर

याद करना।

##### उसके पिता अहाब के पीछे-

अपने पिता अहाब के रथ के पीछे।

##### तब यहोवा ने उससे यह भारी वचन कहलवाया था

यहोवा अहाब के खिलाफ इस भविष्यवाणी बात की जाती है।

##### नाबोत और उसके पुत्रों का जो खून हुआ,

नाबोत की हत्या और उसके बेटों की हत्या।

##### मैं तुझे बदला दूँगा

मैं तुम्हें वही दूंगा जो तुम्हारे द्वारा की गई बुराई के योग्य है।

##### इसे उठाकर उसी भूमि में फेंक दे।

योराम की लाश को लो और उसे नाबोत के मैदान के खेत में फेक दो।

##### यहोवा के उस वचन के अनुसार

हमारे द्वारा बोली गई भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए।

##### यहोवा के उस वचन के अनुसार

यहोवा ने कहा कि कया होगा।

#### 2 Kings 9:27

##### सामान्य जानकारी

यहूदा के राजा अहज्याह के साथ भी यही हुआ, जिसके बाद येहू ने योराम को मार डाला।

##### यह देखकर

देखा कि योराम के साथ क्या हुआ।

##### गूर… यिबलाम… मगिद्दो…

यह स्थानों के नाम है।

##### गूर की चढ़ाई पर

गूर तक जाने वाली सड़क पर।

##### उसके पुरखाओं

अपने पूर्वजों।

#### 2 Kings 9:29

##### अहाब के पुत्र योराम के राज्य के ग्यारहवें वर्ष

अहाब का पुत्र योराम इस्राएल का राजा था

##### ग्यारहवें वर्ष

11 साल।

#### 2 Kings 9:30

##### अपनी आँखों में सुरमा लगा, अपना सिर संवारकर,

अपने आप को सजाया, अपने बालों को सुंदर बनाया।

##### हे अपने स्वामी के घात करनेवाले जिम्री, क्या कुशल है?

आप निश्चित रूप से शांति में नहीं आ रहे हैं, तुम ज़िम्री, जिसने अपने ही स्वामी की हत्या कर दी।

##### हे अपने स्वामी के घात करनेवाले जिम्री

"तुमने अपने मालिक की हत्या कर दी, ठीक वैसे ही जैसे जिम्री ने अपने मालिक की हत्या कर दी"

##### जिम्री

यह एक पुरुष का नाम है।

##### मेरी ओर कौन है?

कौन मेरे प्रति वफादार है

#### 2 Kings 9:33

##### उसे नीचे गिरा दो

येहू किन्नरों को ईजेबेल को खिडकी से फेंकने के लिए कह रहा था।

##### तब उसने कहा, “उसे नीचे गिरा दो।

किन्नरों ने ईजेबेल को ऊँची खिड़की से बाहर फेंक दिया और जब वह जमीन पर गिरा तो उसकी मौत हो गई।

##### और उन्होंने उसको पाँव से लताड़ दिया।

और येहू के घोड़े जो उसके रथ को खींच रहे थे, उसके शरीर को उनके पैरों के नीचे रौंद दिया।

##### देख लो

अब पर जाएँ

##### वह तो राजा की बेटी है\*।

क्योंकि वह एक राजा की बेटी है और इसलिए ठीक से दफन किया जाना चाहिए।

#### 2 Kings 9:35

##### उसका और कुछ न पाया।

उन्होने पाया कि सभी शरीर के बचा था।

##### हथेलियों को छोड़कर उसका

हथेली हाथ का भीतरी हिस्सा है।

##### तिशबी

यह तिशब के निवासीयों को कहा जाता था।

##### ईजेबेल का शव यिज्रेल की भूमि पर खाद के समान पड़ा रहेगा, यहाँ तक कि कोई न कहेगा,

ईजेबेल के शरीर के टुकड़े खेतों में गोबर की तरह बिखरे होंगे, ताकि कोई भी उन्हें पहचान न सके और कह न सके।

##### खाद

“खाद“।यह विशेष रूप से एक उर्वरक के रूप में इस्तेमाल गोबर को दर्शाता है।

##### यहाँ तक कि कोई न कहेगा, ‘यह ईजेबेल है।’”

तो कोई भी उसके शरीर को पहचान करने में सक्षम हो जाएगा।

### Translation Questions

#### 2 Kings 9:1

##### भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक, तेल की कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत के पास क्यों गया?

वह तेल की कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत के पास येहू को अभीशीक्त करने गया।

#### 2 Kings 9:2

##### भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक, तेल की कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत के पास क्यों गया?

वह तेल की कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत के पास येहू को अभीशीक्त करने गया।

#### 2 Kings 9:3

##### भविष्यवक्ताओं के पुत्रों में से एक, तेल की कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत के पास क्यों गया?

वह तेल की कुप्पी लेकर गिलाद के रामोत के पास येहू को अभीशीक्त करने गया।

#### 2 Kings 9:6

##### येहू के सिर पर तेल किसने डाला?

भविष्यद्वक्ता ने येहू के सिर पर तेल डाला।

#### 2 Kings 9:7

##### यहोवा ने अपने सेवको के खून का पलटा कैसे लिया?

यदि येहू आहाब के घराने को नष्ट कर दे यहोवा के सब दासों की हत्या का पलटा लिया जाएगा।

#### 2 Kings 9:10

##### ईजेबेल का क्या होगा?

यिज्रैल में कुत्ते ईजेबेल को खाएंगे, और उसको दफनाने वाला कोई न होगा।

#### 2 Kings 9:12

##### जब येहू ने अपने अभिषेक की सूचना दी तब उसके स्वामी के दासों ने क्या किया?

येहू के स्वयं को राजा के रुप में अभीशीक्त बताने पर, दासों ने झट अपना अपना वस्त्र उतार कर उसके नीचे सीढ़ी ही पर बिछाया। वे नरसिंगे फूंक कर कहने लगे, "येहू राजा है।"

#### 2 Kings 9:13

##### जब येहू ने अपने अभिषेक की सूचना दी तब उसके स्वामी के दासों ने क्या किया?

येहू के स्वयं को राजा के रुप में अभीशीक्त बताने पर, दासों ने झट अपना अपना वस्त्र उतार कर उसके नीचे सीढ़ी ही पर बिछाया। वे नरसिंगे फूंक कर कहने लगे, "येहू राजा है।"

#### 2 Kings 9:15

##### राजा योराम यिज्रेल क्यों लौटा?

राजा योराम यिज्रेल, अरामियों द्वारा दीए गए घाव को चंगा करने के लिए लौटा।

#### 2 Kings 9:17

##### पहरूए ने सन्देशवाहक को क्या करते देखा?

पहरूए ने देखा कि वह सन्देशवाहक येहू के साथ आ रहा है।

#### 2 Kings 9:18

##### पहरूए ने सन्देशवाहक को क्या करते देखा?

पहरूए ने देखा कि वह सन्देशवाहक येहू के साथ आ रहा है।

#### 2 Kings 9:20

##### पहरूए को कैसे पता चला कि येहू ही रथ को हांक रहा है?

पहरूआ पहचान गया कि रथ को येहू ही हांक रहा था क्योंकि येहू पागलों के समान रथ को हांक रहा है।

#### 2 Kings 9:21

##### इस्राएल का राजा योराम येहू से भेंट करने कैसे गया?

इस्राएल का राजा योराम और यहूदा का राजा अहज्याह दोनों अपने-अपने रथ पर येहू से भेंट करने गये।

#### 2 Kings 9:24

##### येहू ने योराम के कंधों के बीच में तीर मारा तो क्या हुआ?

येहू ने योराम के कंधों के बीच में तीर मारा, कि वह उसका हृदय चीरकर निकल गया और वह रथ ही में गिर गया।

#### 2 Kings 9:26

##### यहोवा का कहा हुआ वचन कैसे पूरा होना था?

योराम के शव को उठाकर उसी भूमि में फेंका जाएगा जहां यहोवा के वचन के अनुसार नाबोत और उसके पुत्रों का लहू बहा था।

#### 2 Kings 9:28

##### दाऊदपुर में कौन अपने पुरखाओं के साथ दफन किया गया?

अहज्याह को उसके पुरखाओं के साथ दफन किया गया।

#### 2 Kings 9:30

##### जब येहू यिज्रैल पहुंचा तब क्या हुआ?

जब येहू यिज्रैल पहुंचा तब ईज़ेबेल ने उसके आगमन का समाचार सुनकर आंखों में सुरमा लगाकर और केश संवार कर खिड़की में से झाँकने लगे।

#### 2 Kings 9:33

##### ईजेबेल को किसने फेंका?

ईजेबेल को खोंजो ने निचे फेंका।

#### 2 Kings 9:35

##### ईजेबेल को कोई भी दफन करने वाला कोई क्यों नहीं कर सका?

जब उसे दफन के लिए उठाने गए तो उसकी खोपड़ी, पांव और हथेलियों को छोड़ वहां कुछ भी नहीं था।

Chapter 10  
अहाब के सत्तर बेटों का मारा जाना

1अहाब के सत्तर बेटे\*, पोते, सामरिया में रहते थे। अतः येहू ने सामरिया में उन पुरनियों के पास, और जो यिज्रेल के हाकिम थे, और जो अहाब के लड़कों के पालनेवाले थे, उनके पास पत्रों को लिखकर भेजा,2“तुम्हारे स्वामी के बेटे, पोते तो तुम्हारे पास रहते हैं, और तुम्हारे रथ, और घोड़े भी हैं, और तुम्हारे एक गढ़वाला नगर, और हथियार भी हैं; तो इस पत्र के हाथ लगते ही,3अपने स्वामी के बेटों में से जो सबसे अच्छा और योग्य हो, उसको छांटकर, उसके पिता की गद्दी पर बैठाओ, और अपने स्वामी के घराने के लिये लड़ो।”4परन्तु वे बहुत डर गए, और कहने लगे, “उसके सामने दो राजा भी ठहर न सके, फिर हम कहाँ ठहर सकेंगे?”5तब जो राजघराने के काम पर था, और जो नगर के ऊपर था, उन्होंने और पुरनियों और लड़कों के पालनेवालों ने येहू के पास यह कहला भेजा, “हम तेरे दास हैं, जो कुछ तू हम से कहे, उसे हम करेंगे; हम किसी को राजा न बनाएँगे, जो तुझे भाए वही कर।”6तब उसने दूसरा पत्र लिखकर उनके पास भेजा, “यदि तुम मेरी ओर के हो और मेरी मानो, तो अपने स्वामी के बेटों-पोतों के सिर कटवाकर कल इसी समय तक मेरे पास यिज्रेल में हाजिर होना।” राजपुत्र तो जो सत्तर मनुष्य थे, वे उस नगर के रईसों के पास पलते थे।7यह पत्र उनके हाथ लगते ही, उन्होंने उन सत्तरों राजपुत्रों को पकड़कर मार डाला, और उनके सिर टोकरियों में रखकर यिज्रेल को उसके पास भेज दिए।8जब एक दूत ने उसके पास जाकर बता दिया, “राजकुमारों के सिर आ गए हैं।” तब उसने कहा, “उन्हें फाटक में दो ढेर करके सवेरे तक रखो।”9सवेरे उसने बाहर जा खड़े होकर सब लोगों से कहा, “तुम तो निर्दोष हो\*, मैंने अपने स्वामी से राजद्रोह की युक्ति करके उसे घात किया, परन्तु इन सभी को किस ने मार डाला?10अब जान लो कि जो वचन यहोवा ने अपने दास एलिय्याह के द्वारा कहा था, उसे उसने पूरा किया है; जो वचन यहोवा ने अहाब के घराने के विषय कहा, उसमें से एक भी बात बिना पूरी हुए न रहेगी।”11तब अहाब के घराने के जितने लोग यिज्रेल में रह गए, उन सभी को और उसके जितने प्रधान पुरुष और मित्र और याजक थे, उन सभी को येहू ने मार डाला, यहाँ तक कि उसने किसी को जीवित न छोड़ा।।12तब वह वहाँ से चलकर सामरिया को गया। और मार्ग में चरवाहों के ऊन कतरने के स्थान पर पहुँचा ही था,13कि यहूदा के राजा अहज्याह के भाई येहू से मिले और जब उसने पूछा, “तुम कौन हो?” तब उन्होंने उत्तर दिया, “हम अहज्याह के भाई हैं, और राजपुत्रों और राजमाता के बेटों का कुशलक्षेम पूछने को जाते हैं।”14तब उसने कहा, “इन्हें जीवित पकड़ो।” अतः उन्होंने उनको जो बयालीस पुरुष थे, जीवित पकड़ा, और ऊन कतरने के स्थान की बावली पर मार डाला, उसने उनमें से किसी को न छोड़ा।।15जब वह वहाँ से चला, तब रेकाब का पुत्र यहोनादाब सामने से आता हुआ उसको मिला। उसका कुशल उसने पूछकर कहा, “मेरा मन तो तेरे प्रति निष्कपट है, क्या तेरा मन भी वैसा ही है?” यहोनादाब ने कहा, “हाँ, ऐसा ही है।” फिर उसने कहा, “ऐसा हो, तो अपना हाथ मुझे दे।” उसने अपना हाथ उसे दिया, और वह यह कहकर उसे अपने पास रथ पर चढ़ाने लगा,16“मेरे संग चल और देख, कि मुझे यहोवा के निमित्त कैसी जलन रहती है।” तब वह उसके रथ पर चढ़ा दिया गया।17सामरिया को पहुँचकर उसने यहोवा के उस वचन के अनुसार जो उसने एलिय्याह से कहा था, अहाब के जितने सामरिया में बचे रहे, उन सभी को मार के विनाश किया।18तब येहू ने सब लोगों को इकट्ठा करके कहा, “अहाब ने तो बाल की थोड़ी ही उपासना की थी, अब येहू उसकी उपासना बढ़के करेगा।19इसलिए अब बाल के सब नबियों, सब उपासकों और सब याजकों को मेरे पास बुला लाओ, उनमें से कोई भी न रह जाए; क्योंकि बाल के लिये मेरा एक बड़ा यज्ञ होनेवाला है; जो कोई न आए वह जीवित न बचेगा।” येहू ने यह काम कपट करके बाल के सब उपासकों को नाश करने के लिये किया।20तब येहू ने कहा, “बाल की एक पवित्र महासभा का प्रचार करो।” और लोगों ने प्रचार किया।21येहू ने सारे इस्राएल में दूत भेजे; तब बाल के सब उपासक आए, यहाँ तक कि ऐसा कोई न रह गया जो न आया हो। वे बाल के भवन में इतने आए, कि वह एक सिरे से दूसरे सिरे तक भर गया।22तब उसने उस मनुष्य से जो वस्त्र के घर का अधिकारी था, कहा, “बाल के सब उपासकों के लिये वस्त्र निकाल ले आ।” अतः वह उनके लिये वस्त्र निकाल ले आया।23तब येहू रेकाब के पुत्र यहोनादाब को संग लेकर बाल के भवन में गया, और बाल के उपासकों से कहा, “ढूँढ़कर देखो, कि यहाँ तुम्हारे संग यहोवा का कोई उपासक तो नहीं है, केवल बाल ही के उपासक हैं।”24तब वे मेलबलि और होमबलि चढ़ाने को भीतर गए। येहू ने तो अस्सी पुरुष बाहर ठहराकर उनसे कहा था, “यदि उन मनुष्यों में से जिन्हें मैं तुम्हारे हाथ कर दूँ, कोई भी बचने पाए, तो जो उसे जाने देगा उसका प्राण, उसके प्राण के बदले जाएगा।”25फिर जब होमबलि चढ़ चुका, तब येहू ने पहरुओं और सरदारों से कहा, “भीतर जाकर उन्हें मार डालो; कोई निकलने न पाए।” तब उन्होंने उन्हें तलवार से मारा और पहरुए और सरदार उनको बाहर फेंककर बाल के भवन के नगर को गए।26और उन्होंने बाल के भवन में की लाठें निकालकर फूँक दीं।27और बाल के स्तम्भ को उन्होंने तोड़ डाला; और बाल के भवन को ढाकर शौचालय बना दिया; और वह आज तक ऐसा ही है।28अतः येहू ने बाल को इस्राएल में से नाश करके दूर किया।29तो भी नबात के पुत्र यारोबाम, जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार करने, अर्थात् बेतेल और दान में के सोने के बछड़ों की पूजा, उससे येहू अलग न हुआ।30यहोवा ने येहू से कहा\*, “इसलिए कि तूने वह किया, जो मेरी दृष्टि में ठीक है, और अहाब के घराने से मेरी इच्छा के अनुसार बर्ताव किया है, तेरे परपोते के पुत्र तक तेरी सन्तान इस्राएल की गद्दी पर विराजती रहेगी।”31परन्तु येहू ने इस्राएल के परमेश्‍वर यहोवा की व्यवस्था पर पूर्ण मन से चलने की चौकसी न की, वरन् यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार करने से वह अलग न हुआ।32उन दिनों यहोवा इस्राएल की सीमा को घटाने लगा, इसलिए हजाएल ने इस्राएल के उन सारे देशों में उनको मारा:33यरदन से पूरब की ओर गिलाद का सारा देश, और गादी और रूबेनी और मनश्शेई का देश अर्थात् अरोएर से लेकर जो अर्नोन की तराई के पास है, गिलाद और बाशान तक।34येहू के और सब काम और जो कुछ उसने किया, और उसकी पूर्ण वीरता, यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?35अन्त में येहू मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला, और सामरिया में उसको मिट्टी दी गई, और उसका पुत्र यहोआहाज उसके स्थान पर राजा बन गया।36येहू के सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने का समय तो अट्ठाईस वर्ष का था।

#### 2 Kings 10:1

##### सत्तर बेटे

70 वंशज।

##### येहू ने सामरिया में उन पुरनियों के पास,

येहू ने पत्र लिखे और एक संदेशवाहक को उन्हें सामरिया में देने के लिए भेजा।

##### लिखकर, “तुम्हारे स्वामी

पत्र में लिखा था तुम्हारा स्वामी।

##### उसके पिता की गद्दी पर बैठाओ,

उसके पिता के स्थान पर राजा बनाना।

##### अपने स्वामी के घराने के लिये लड़ो।

उसकी रक्षा करने के लिए।

#### 2 Kings 10:4

##### परन्तु वे बहुत डर गए,

तो वे बहुत डर गे थे।

##### दो राजा

दो राजे, योराम और अज्याह।

##### उसके सामने भी ठहर न सके,

येहू का विरोध नहीं कर सकते।

##### फिर हम कहाँ ठहर सकेंगे?

हम उसका विरोध भी नहीं कर सकते।

##### जो नगर के ऊपर था,

वे पुरुष जो नगर के प्रभारी थे।

##### उन्होनें लड़कों के पालनेवालों

उन्होणें राजा के बेटे को उठाया।

##### जो तुझे भाए वही कर।

जो तेरी द्दष्टि में अच्छा है।

#### 2 Kings 10:6

##### दूसरा

दूसरी बार

##### मेरी ओर

मेरे लिए वफादार।

##### मानो।

सुनो और पालन करो।

##### मेरी मानो।

"जो मैं कहता हूं"

##### तो अपने स्वामी के बेटों-पोतों के… और मेरे पास

तू अपने बेटों के पोतों को… उन्हें मेरे पास लाओं।

##### तो अपने स्वामी के बेटों-पोतों के सिर कटवाकर कल इसी समय तक मेरे पास

अपने स्वामी के वंशज को मार डालों और उनके सिर काटकर मेरे पास ले आओं।

##### सत्तर मनुष्य थे… उन सत्तरों

70 की संख्या में… 70 पुरुष थे।

##### वे उस के पास पलते थे।

जो उन्हें उठा रहे थे।

##### और उसके पास भेज दिए।

और लोगों को येहू के पास ले जाने के लिए भेजो।

#### 2 Kings 10:8

##### राजकुमारों

अहाब के वंशज।

##### उसने बाहर जा खड़े होकर

येहू शहर के फाटक के पास गया और लोगों के सामने खड़ा हो गया"।

##### तुम तो निर्दोष हो

तुम इस मामले में निर्दोष हो।

##### परन्तु इन सभी को किस ने मार डाला?

"आहाब के सत्तर वंशजों के कातिल सामरिया के पुरूष हैं" या "यह यहोवा की इच्छा थी कि ये आदमी मर जाएँ।"

#### 2 Kings 10:10

##### जान लो

“समझना” या उस सत्य के प्रति जागरूक हो जाओ

##### जो वचन यहोवा ने…उसमें से एक भी बात बिना पूरी हुए न रहेगी

यहोवा के द्वारा बोला हुआ हर वचन पूरा होगा।

##### उसे उसने पूरा किया है

यहोवा ने पूरा किया है।

##### सभी को येहू ने मार डाला… और याजक थे

तो येहू ने सभी को मारने की अज्ञा दी।

##### जितने लोग रह गए।

"सभी जो बचे थे"

##### यहाँ तक कि उसने किसी को जीवित न छोड़ा।।

वह उन सभी को मार डालते है।

#### 2 Kings 10:12

##### चरवाहों के ऊन कतरने के स्थान पर पहुँचा ही था

यह उस स्थान का नाम है यहाँ चारवारे जिस स्थान पर भेड़ों से ऊन कतरते है।

##### कुशलक्षेम पूछने को जाते हैं

मिलने जाते हैं

##### राजपुत्रों के बेटों

राजा योराम के पुत्र।

##### इन्हें जीवित पकड़ो

इसका अर्थ है उन्हे मारे बिना पकड़ना।

##### जीवित पकड़ा

तब उन्होने उन्हे पकड़ लिया

##### बयालीस पुरुष थे

“42 पुरुष”।

##### उसने उनमें से किसी को न छोड़ा।।

वह उन सभी को मार डाला।

#### 2 Kings 10:15

##### रेकाब का पुत्र यहोनादाब

यह पुरुष का नाम है।

##### “मेरा मन तो तेरे प्रति निष्कपट है, क्या तेरा मन भी वैसा ही है?”

क्या तुम मेरे प्रति वफादार रहेंगा, क्योंकि मैं तेरे प्रति वफादार रहूँगा? ... 'मैं करूंगा।

##### ऐसा हो, तो अपना हाथ मुझे दे।

यदि ऐसा हो, तो तू अपना हाथ मुझे दे।

##### और देख, जलन रहती है।

और देखो मैं कितना उत्साही हूँ।

##### अहाब के जितने सामरिया में बचे रहे

पूरा परिवार।

##### सामरिया को पहुँचकर उसने यहोवा के उस वचन के अनुसार जो उसने एलिय्याह से कहा था,

“एलिय्याह ने जो भविष्यवाणी की थी उसे पूरा करने के लिए, जो यहोवा ने उसे दिया था"।

#### 2 Kings 10:18

##### इकट्ठा

“बुलाया”।

##### सब लोगों को इकट्ठा करके

सामरिया के सभी लोग।

##### उसकी उपासना बढ़के करेगा।

अहाब की तुलना में उसकी बहुत सेवा करेगा।

##### उनमें से कोई भी न रह जाए;

किसी को भी बाहर मत छोड़ो।

##### जो कोई न आए वह जीवित न बचेगा।

जो भी आएगा हम उस पर अमल नहीं करगे।

##### प्रचार करो

तैयारी करो

#### 2 Kings 10:21

##### येहू ने भेजा

येहू ने संदेश भेजा

##### यहाँ तक कि ऐसा कोई न रह गया जो न आया हो।

इतना है कि बाल के हर उपासक वहाँ था।

##### भर गया।

यह भरा हुआ था।

##### उपासकों के लिये वस्त्र निकाल

जो याजकों के वस्त्र के प्रभारी थे।

#### 2 Kings 10:23

##### और बाल के उपासकों से कहा,

और येहू ने उन लोगों से कहा जो मंदिर में बाल पूजा करते है।

##### केवल बाल ही के उपासक हैं।

"लेकिन यहाँ केवल बाल के उपासक है“।

##### यदि उन मनुष्यों में से जिन्हें मैं तुम्हारे हाथ कर दूँ, कोई भी बचने पाए,

यदि इनमें से कोई भी पुरुष जो मैं तुम्हारे नियंत्रण में लाया था, बच जाता है।

##### तो जो उसे जाने देगा उसका प्राण, उसके प्राण के बदले जाएगा।

जो उसे जाने देगा उसका प्राण, उसके प्राण के बदले वह मारा जाएगा।

##### उसे जाने देगा उसका प्राण,

हम उसे मार देंगे।

##### उसके प्राण के बदले जाएगा।

पुरुष के लिए।

#### 2 Kings 10:25

##### तब येहू ने पहरुओं और सरदारों से कहा,

वह बाल के मंदिर के पीछे जाकर पहरुओं और सरदारों से कहता है।

##### उन्हें तलवार से मारा

पुरूषों ने बाल के पुजारीयों को तलवार से मारा। “उनकी तलवार के साथ।“

##### उनको बाहर फेंककर

उनके शवों को मंदिर से बाहर निकाला गया।

##### शौचालय बना दिया;

"यह एक सार्वजनिक शौचालय बनाया“ शौचालय एक क्षेत्र है, आमतौर पर एक छावनी या इमारतों के लिए सैनिकों के घर के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

##### वह आज तक ऐसा ही है।

और तब से यह हमेशा से ही ऐसा ही रहा है।

#### 2 Kings 10:29

##### ने इस्राएल से पाप कराया था… उससे येहू अलग न हुआ

नबात के पुत्र यारोबाम के जैसे पाप करने बंद नहीं किए

##### नबात

यह एक पुरूष का नाम है।

##### इस्राएल से पाप

इस्राएल के लोगों का पाप।

##### वह किया,

“पूरा करना”।

##### जो मेरी दृष्टि में ठीक है,

जिन्हे मैं सही काम मानता हूँ

##### अहाब के घराने से

यहाँ अहाब के “घर” और “परिवार” को दर्शाया गया है।

##### गद्दी पर विराजती रहेगी।

“राजा रहोगे या बनोंगे।

##### परपोते के पुत्र तक तेरी सन्तान

“4 पीढ़ी के लिए“ या "चार और पीढ़ियों के लिए“। यह अपने बेटे के पुत्रों, और पोते के पुत्र परपोतो को दर्शाता है।

##### येहू ने इस्राएल के परमेश्‍वर यहोवा की व्यवस्था पर पूर्ण मन से चलने की चौकसी न की,

जेहू हयोवा की व्यवस्था के अनुसार जीने के लिए चौकस नहीं था।

##### मन से

सब कुछ जो उसने किया।

##### यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार करने से वह अलग न हुआ।

यारोबाम के समान ही जेहू पाप नकरने से नहीं रूका।

#### 2 Kings 10:32

##### इस्राएल की सीमा को घटाने लगा,

“इस्राएल द्वारा नियंत्रित क्षेत्र छोटा होने का कारण बनने लगा”।

##### सीमा

“भूमि के क्षेत्र”।

##### हजाएल मारा

हजाएल ओर उसकी अरामी सेना

##### हजाएल

यह पुरुष का नाम है।

##### यरदन से पूरब की ओर

“पूर्व की भूमि से यरदन”।

##### अरोएर… बाशान

ये सभी स्थानों के नाम हैं।

##### अर्नोन

“अर्नान नदी”। यह एक नदी का नाम है।

#### 2 Kings 10:34

##### यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

वे इस्राएल के राजाओं की घटनाओं की पुस्तक में लिखा है।

##### अन्त में येहू मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला, और सामरिया में उसको मिट्टी दी गई,

जेहू की मृत्यु हो गई और उन्होंने उसे सामरिया में दफना दिया, जहां उन्होंने उसके पूर्वजों को भी दफना दिया था।

##### यहोआहाज

यह पुरुष का नाम है।

##### येहू के सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने का समय तो अट्ठाईस वर्ष का था।

आठ साल- येहू ने सामरिया के इस्राएल के शासन पर अट्ठाईस वर्ष राज किया।

##### अट्ठाईस वर्ष

“28 वर्ष”।

### Translation Questions

#### 2 Kings 10:3

##### येहू ने आहाब के वंशजों के पुरनियों और अभिभावकों को पत्र में क्या लिखकर भेजा?

येहू के पत्र ने पुरनियों और अभिभावकों से अहाब के वंशज से सबसे उत्तम जन चुनकर उसे पिता के राजगद्दी पर बिठाने के लिए कहा।

#### 2 Kings 10:4

##### आहाब के वंशजों के पुरनियों और अभिभावकों ने किसी को भी राजा नहीं बनाया, इसका कारण क्या था?

उन्होंने देखा कि दो राजा येहू का सामना नहीं कर पाए तो उनका राजा क्या करेगा इस कारण उन्होंने किसी को भी राजा नहीं बनाया।

#### 2 Kings 10:5

##### आहाब के वंशजों के पुरनियों और अभिभावकों ने किसी को भी राजा नहीं बनाया, इसका कारण क्या था?

उन्होंने देखा कि दो राजा येहू का सामना नहीं कर पाए तो उनका राजा क्या करेगा इस कारण उन्होंने किसी को भी राजा नहीं बनाया।

#### 2 Kings 10:7

##### आहाब के वंशजों पर पुरनियों और अभिभावकों ने क्या किया?

उन्होंने आहाब राजा के 70 पुत्रों को मारकर उनके सिर एक टोकरी में रखकर येहू के पास यिज्रैल भेज दिए।

#### 2 Kings 10:10

##### येहू ने क्यों कहा कि अहाब के परिवार के बारे में कहा गया यहोवा के वचन की एक भी बात पूरी हुए न रहेगी?

यहोवा ने अपने दास एलिय्याह के मुख से जो वचन कहा था उसे उसने पूरा कर दिया है, यहीं कारण था कि येहू ने ऐसा कहा था।

#### 2 Kings 10:13

##### येहू अहज्याह के कितने भाइयों से मिला और उनका वध किया?

वह मिला और बयालीस का वध किया।

#### 2 Kings 10:14

##### येहू अहज्याह के कितने भाइयों से मिला और उनका वध किया?

वह मिला और बयालीस का वध किया।

#### 2 Kings 10:15

##### येहू ने यहोनादाब को अपने रथ पर क्यों चढ़ाया?

यहोनादाब ने कहा कि उसका मन येहू के प्रति निष्कपट है और अपना हाथ उसे दे दिया।

#### 2 Kings 10:19

##### येहू ने बाल के सब भविष्यद्वक्ताओं को और सब आराधकों तथा सब पुजारियों को क्यों एकत्र किया?

उसने उन्हें छल से एकत्र किया कि बाल के सब आराधकों को मार डाले।

#### 2 Kings 10:21

##### बाल के आराधक कहां एकत्र हुए?

वे सब बाल के मंदिर में एकत्र हुए।

#### 2 Kings 10:24

##### यदि बाल का एक भी आराधक बच कर निकला तो क्या होगा?

यदि बाल का एक भी उपासक बच कर निकला तो जिसके हाथ से वह बचकर निकला है वही उसके स्थान पर मारा जाएगा।

#### 2 Kings 10:27

##### पहरुओं और सरदारों ने बाल के भवन को क्या बना दिया?

उन्होंने बाल के भवन को शोचालय बना दिया।

#### 2 Kings 10:29

##### येहू ने यारोबाम के पाप को कैसे नहीं छोड़ा?

यारोबाम को येहू ने इसलिए नहीं छोड़ा क्योंकि उसने बेतेल और दान में सोने के बछड़ों की पूजा करी ।

#### 2 Kings 10:30

##### येहू के वंशज इस्राएल की राज गद्दी पर चौथी पीढ़ी तक क्यों राज करेंगे?

येहू ने यहोवा की दृष्टि में उचित काम किया था और अहाब के कुटुंब के साथ यहोवा की इच्छानुसार व्यवहार किया इसलिए उसकी चौथी पीढ़ी भी इस्राएल की राजगद्दी पर बैठेगी।

#### 2 Kings 10:34

##### येहू की और बातें कहां लिखी हुई हैं?

येहू के सब काम और उसकी वीरता इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।

Chapter 11  
योहाश का राजा बनना

1जब अहज्याह की माता अतल्याह ने देखा, कि उसका पुत्र मर गया, तब उसने पूरे राजवंश को नाश कर डाला।2परन्तु यहोशेबा जो राजा योराम की बेटी, और अहज्याह की बहन थी, उसने अहज्याह के पुत्र योआश को घात होनेवाले राजकुमारों के बीच में से चुराकर दाई समेत बिछौने रखने की कोठरी में छिपा दिया। और उन्होंने उसे अतल्याह से ऐसा छिपा रखा, कि वह मारा न गया।3और वह उसके पास यहोवा के भवन में छः वर्ष छिपा रहा, और अतल्याह देश पर राज्य करती रही।4सातवें वर्ष में यहोयादा ने अंगरक्षकों और पहरुओं के शतपतियों को बुला भेजा, और उनको यहोवा के भवन में अपने पास ले आया; और उनसे वाचा बाँधी और यहोवा के भवन में उनको शपथ खिलाकर, उनको राजपुत्र दिखाया।5और उसने उन्हें आज्ञा दी, “एक काम करो: अर्थात् तुम में से एक तिहाई लोग जो विश्रामदिन को आनेवाले हों, वे राजभवन का पहरा दें।6और एक तिहाई लोग सूर नामक फाटक में ठहरे रहें, और एक तिहाई लोग पहरुओं के पीछे के फाटक में रहें; अतः तुम भवन की चौकसी करके लोगों को रोके रहना;7और तुम्हारे दो दल अर्थात् जितने विश्रामदिन को बाहर जानेवाले हों वह राजा के आस-पास होकर यहोवा के भवन की चौकसी करें।8तुम अपने-अपने हाथ में हथियार लिये हुए राजा के चारों और रहना, और जो कोई पाँतियों के भीतर घुसना चाहे वह मार डाला जाए, और तुम राजा के आते-जाते समय उसके संग रहना।” 9यहोयादा याजक की इन सब आज्ञाओं के अनुसार शतपतियों ने किया। वे विश्रामदिन को आनेवाले और जानेवाले दोनों दलों के अपने-अपने जनों को संग लेकर यहोयादा याजक के पास गए।10तब याजक ने शतपतियों को राजा दाऊद के बर्छे, और ढालें जो यहोवा के भवन में थीं दे दीं।11इसलिए वे पहरुए अपने-अपने हाथ में हथियार लिए हुए भवन के दक्षिणी कोने से लेकर उत्तरी कोने तक वेदी और भवन के पास, राजा के चारों ओर उसको घेरकर खड़े हुए।12तब उसने राजकुमार को बाहर लाकर उसके सिर पर मुकुट, और साक्षीपत्र रख दिया; तब लोगों ने उसका अभिषेक करके उसको राजा बनाया; फिर ताली बजा-बजाकर बोल उठे, “राजा जीवित रहे!” 13जब अतल्याह को पहरुओं और लोगों की हलचल सुनाई पड़ी, तब वह उनके पास यहोवा के भवन में गई;14और उसने क्या देखा कि राजा रीति के अनुसार खम्भे के पास खड़ा है, और राजा के पास प्रधान और तुरही बजानेवाले खड़े हैं। और सब लोग आनन्द करते और तुरहियां बजा रहे हैं। तब अतल्याह अपने वस्त्र फाड़कर, “राजद्रोह! राजद्रोह!” पुकारने लगी।15तब यहोयादा याजक ने दल के अधिकारी शतपतियों को आज्ञा दी, “उसे अपनी पाँतियों के बीच से निकाल ले जाओ; और जो कोई उसके पीछे चले उसे तलवार से मार डालो।” क्योंकि याजक ने कहा, “वह यहोवा के भवन में न मार डाली जाए।” 16इसलिए उन्होंने दोनों ओर से उसको जगह दी, और वह उस मार्ग के बीच से चली गई, जिससे घोड़े राजभवन में जाया करते थे; और वहाँ वह मार डाली गई।17तब यहोयादा ने यहोवा के, और राजा-प्रजा के बीच यहोवा की प्रजा होने की वाचा\* बँधाई, और उसने राजा और प्रजा के मध्य भी वाचा बँधाई।18तब सब लोगों ने बाल के भवन को जाकर ढा दिया, और उसकी वेदियाँ और मूरतें भली भाँति तोड़ दीं; और मत्तान नामक बाल के याजक को वेदियों के सामने ही घात किया। याजक ने यहोवा के भवन पर अधिकारी ठहरा दिए\*।19तब वह शतपतियों, अंगरक्षकों और पहरुओं और सब लोगों को साथ लेकर राजा को यहोवा के भवन से नीचे ले गया, और पहरुओं के फाटक के मार्ग से राजभवन को पहुँचा दिया। और राजा राजगद्दी पर विराजमान हुआ।20तब सब लोग आनन्दित हुए, और नगर में शान्ति हुई। अतल्याह तो राजभवन के पास तलवार से मार डाली गई थी।21जब योआश राजा हुआ उस समय वह सात वर्ष का था।

#### 2 Kings 11:1

##### अतल्याह...यहोशेबा...योआश

योआश पुरुष का नाम है और अतल्याह, यहोशेबा दोनो औरतों के नाम है।

##### देखा, कि उसका पुत्र मर गया।

उसे "पता चल गया कि उसका बेटा मर गया था।"

##### तब उसने पूरे राजवंश को नाश कर डाला।

"उसने अपने नौकरों को आदेश दिया कि वह अज़्याह के परिवार के सभी सदस्यों को मार डालें जो राजा बन सकते हैं।”

##### उसने अहज्याह के पुत्र योआश को घात होनेवाले राजकुमारों के बीच में से चुराकर दाई समेत बिछौने रखने की कोठरी में छिपा दिया। और उन्होंने उसे अतल्याह से ऐसा छिपा रखा, कि वह मारा न गया।

"अहज्याह के बहुत छोटे बेटे जोश को ले लिया और उसे और उसके दाई को मंदिर के एक सोने के कक्ष में छिपा दिया। इसलिए उसे नहीं मारा गया।"

##### और वह उसके पास यहोवा के भवन में छः वर्ष छिपा रहा, और अतल्याह देश पर राज्य करती रही।

यहोवा के घर में योआश और यहोशेबा छह साल छिप गए, क्योंकि अतल्याह का देश पर शासन था।”

##### देश।

साम्राज्य

#### 2 Kings 11:4

##### जोड़ने वाला वाक्य

यह कहानी जारी है कि राजा अज़्याह के बेटे, योआश के बाद क्या होता है, सभी राजा के ड़र से मंदिर में छिपे हुए थे।अज़्याह के अन्य वंशज मारे गये।

##### सातवें वर्ष में।

अतल्याह के शासनकाल के 7 वें वर्ष में"

##### यहोयादा।

महायाजक।

##### शतपतियों।

यह शाही पहरेदारो के एक विशेष समूह का नाम है।

##### उनको अपने पास ले आया।

वे मंदिर में उनसे मिलने आए थे।"

##### उनको राजपुत्र दिखाया।

फिर उसने उन्हें राजा के पुत्र को दिखाया। योआश ने उन्हें बताया कि राजा अज़्याह का पुत्र योआश अब भी जीवित है।

#### 2 Kings 11:7

##### सामान्य जानकारी।

यहोयादा उन सैनिकों को दिशा-निर्देश देता रहता है जो राजा योआश की रक्षा करेंगे।

##### वह राजा के आस-पास।

राजा योआश की रक्षा करने के लिए है।"

##### जो कोई पाँतियों के भीतर घुसना चाहे।

"कोई भी जो राजा योआश की रक्षा करते हुए आपके अतीत में जाने की कोशिश करता है।"

##### वह मार डाला जाए,।

"तुम्हें उसे मारना देना।"

##### तुम राजा के आते-जाते समय उसके संग रहना।”

“तुम्‍हें हर समय राजा के पास रहना चाहिए।”

#### 2 Kings 11:9

##### शतपतियों ने।

यह उन अधिकारियों को दर्शाता है जिन्होंने शाही अंगरक्षकों और महल के पहरेदारो की निगरानी की।

##### अपने-अपने जनों को।

"प्रत्येक सेनापति।”

##### यहोवा के भवन में थीं।

भवन में इकट्ठे थे।"

#### 2 Kings 11:11

##### भवन के दक्षिणी कोने से लेकर उत्तरी कोने तक वेदी और भवन के पास।

यह अनिश्चित है कि क्या यहां "घर" शब्द भवन या महल को दर्शाता है। कुछ संस्करण "भवन" की पहली दो घटनाओं का अनुवाद "महल" के रूप में करते हैं। ये संस्करण कहते हैं, "महल के दाईं ओर से महल के बाईं ओर, वेदी और भवन के पास।"

##### तब उसने राजकुमार को बाहर लाकर

यहोयादा, महायाजक, राजा अहज्याह के बेटे, योआश को भवन के कोठरी से बाहर ले आया, जहाँ उसे छुप कर बड़ा हुवा था।

##### साक्षीपत्र रख दिया।

"उसे कानून की पुस्तक के साथ प्रस्तुत किया।"

##### उसका अभिषेक।

योआश के सिर पर कुछ जैतून का तेल डाला।"

##### फिर ताली बजा-बजाकर।

हाथों को ताली बजाना नए राजा के अभिषेक में लोगों की खुशी का संकेत था।

#### 2 Kings 11:13

##### पहरुओं की हलचल सुनाई पड़ी।

यह सभी सैनिकों द्वारा किए गए शोर को दर्शाता है।

##### तब वह उनके पास यहोवा के भवन में गई।

वह यहोव के भवन में यहा लोगों का इकट्ठ था आई।"

##### उसने क्या देखा कि राजा रीति के अनुसार खम्भे के पास खड़ा है,

"जब वह पहुंची, तो राजा योआश को खड़ा देखकर हैरान रह गई।"

##### खम्भे के ।

"भवन के खम्भे में से एक।"

##### रीति के अनुसार।

"राजा के खड़े होने की सामान्य जगह थी।"

##### तुरही बजानेवाले।

जो लोग तुरही बजाते थे।

##### तब अतल्याह अपने वस्त्र फाड़कर।

उसने प्रकट करने के लिए अपने कपड़े फाड़ दिए कि वह बहुत परेशान और गुस्से में थी।

##### राजद्रोह! राजद्रोह!

"तुम गद्दार हो! तुमने मुझे धोखा दिया है!

#### 2 Kings 11:15

##### अधिकारी शतपतियों को।

यह उन अधिकारियों को दर्शाता है जिन्होंने शाही अंगरक्षकों और महल के पहरेदारो की निगरानी की।

##### “उसे अपनी पाँतियों के बीच से निकाल ले जाओ।

पहरेदारो की दो पंक्तियों के बीच से उसे दूर ले जाओ।”

##### जो कोई उसके पीछे चले।

जो भी उसका बचाव करने की कोशिश करता है।

##### इसलिए उन्होंने दोनों ओर से उसको जगह दी, और वह उस मार्ग के बीच से चली गई, जिससे घोड़े राजभवन में जाया करते थे।

कुछ संस्करण इसका अनुवाद करते हैं, "पहरेदारों ने उसे जब्त कर लिया और उसे महल में ले गए, जहां घोड़े आंगन में प्रवेश करते हैं।"

#### 2 Kings 11:17

##### राजा-प्रजा के बीच।

"राजा और प्रजा के बीच एक वाचा भी बाँधी गई।"

##### सब लोगों।

देश के लोगों की एक बड़ी संख्या।”

##### बाल के भवन।

"बाल का मंदिर।"

##### मत्तान।

यह एक पुरुष याजक का नाम है।”

#### 2 Kings 11:19

##### सामान्य जानकारी।

वे नए राजा, योआश को मंदिर से महल में ले जाते हैं।

##### शतपतियों।

यह उन अधिकारियों को दर्शाता है जिन्होंने शाही अंगरक्षकों और महल के पहरेदारों के अगुवे थे।

##### अंगरक्षकों

यह शाही पहरेदारों के एक विशेष समूह का नाम है।

##### लेकर राजा को यहोवा के भवन से नीचे ले गया, और पहरुओं के फाटक के मार्ग से राजभवन को पहुँचा दिया।

"भवन से राजा को महल में लाया।"

##### तब सब लोग आनन्दित हुए,।

यहाँ आम बात की गई है। यह संभव है कि कुछ लोग आनन्दित नहीं हुए।

##### नगर में शान्ति हुई।

शहर शांत था "या" शहर शांतिपूर्ण था।”

#### 2 Kings 11:21

##### योआश राजा उस समय वह सात वर्ष का था।

"योआश 7 साल का था।"

### Translation Questions

#### 2 Kings 11:1

##### अतल्याह ने किसे नहीं मारा?

अतल्याह ने योआश को नहीं मारा।

#### 2 Kings 11:2

##### अतल्याह ने किसे नहीं मारा?

अतल्याह ने योआश को नहीं मारा।

#### 2 Kings 11:4

##### कनानियों के शतपतियों तथा अंगरक्षकों को राजपुत्र को देखने से पहले क्या करना था?

उन्हें यहोयादा के साथ वाचा बांधकर यहोवा के भवन में शपथ खानी थी तब ही वे राजपुत्र का दर्शन कर सकते थे।

#### 2 Kings 11:7

##### जो दो दल सब्त के दिन सेवानिवृत्त होने वाले थे उन्हें क्या करना था?

जो दो दल सब्त के दिन सेवानिवृत्त होने वाले थे उन्हें राजा के लिए यहोवा के भवन की चौकसी करनी थी।

#### 2 Kings 11:10

##### यहोयादा ने शतपतियों को क्या दिया?

यहोयादा ने यहोवा के भवन में रखे दाऊद के भाले और उसकी ढाल को शतपतियों को सौंप दिया।

#### 2 Kings 11:14

##### अतल्याह ने अपने वस्त्र फाड़े और क्यों चिल्लाई?

अतल्याह ने देखा कि राजा योआब रीति के अनुसार खंभे के पास खड़ा है, इसलिए उसने अपने वस्त्र फाड़े और चिल्लाई।

#### 2 Kings 11:15

##### अतल्याह राजा के घर में क्यों घात की गई थी?

अतल्याह की हत्या राजा के घर में ही की गई क्योंकि याजक ने कहा था, "वह यहोवा के भवन में न मार डाली जाए।"

#### 2 Kings 11:16

##### अतल्याह राजा के घर में क्यों घात की गई थी?

अतल्याह की हत्या राजा के घर में ही की गई क्योंकि याजक ने कहा था, "वह यहोवा के भवन में न मार डाली जाए।"

#### 2 Kings 11:17

##### यहोयादा जब वाचा बांध चुका तब प्रजा ने क्या किया?

यहोयादा जब वाचा बांध चुका तब प्रजा ने बाल के भवन को ढा दिया और बाल की वेदियां और उसकी मूर्तियां ध्वंस कर दीं और बाल के याजक मत्तान को वहीं मार डाला।

#### 2 Kings 11:18

##### यहोयादा जब वाचा बांध चुका तब प्रजा ने क्या किया?

यहोयादा जब वाचा बांध चुका तब प्रजा ने बाल के भवन को ढा दिया और बाल की वेदियां और उसकी मूर्तियां ध्वंस कर दीं और बाल के याजक मत्तान को वहीं मार डाला।

#### 2 Kings 11:19

##### जब योआश राजा की गद्दी पर बैठा तब प्रजा ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?

योआश के राजा बनने पर सारे लोगो ने आनंद मनाया।

#### 2 Kings 11:20

##### जब योआश राजा की गद्दी पर बैठा तब प्रजा ने कैसी प्रतिक्रिया दिखाई?

योआश के राजा बनने पर सारे लोगो ने आनंद मनाया।

Chapter 12  
यहोआश का राज्य

1येहू के राज्य के सातवें वर्ष में योआश राज्य करने लगा, और यरूशलेम में चालीस वर्ष तक राज्य करता रहा। उसकी माता का नाम सिब्या था जो बेर्शेबा की थी।2और जब तक यहोयादा याजक योआश को शिक्षा देता रहा, तब तक वह वही काम करता रहा जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है।3तो भी ऊँचे स्थान गिराए न गए; प्रजा के लोग तब भी ऊँचे स्थान पर बलि चढ़ाते और धूप जलाते रहे।4योआश ने याजकों से कहा, “पवित्र की हुई वस्तुओं का जितना रुपया यहोवा के भवन में पहुँचाया जाए, अर्थात् गिने हुए लोगों का रुपया और जितना रुपया देने के जो कोई योग्य ठहराया जाए, और जितना रुपया जिसकी इच्छा यहोवा के भवन में ले आने की हो,5इन सब को याजक लोग अपनी जान-पहचान के लोगों से लिया करें और भवन में जो कुछ टूटा फूटा हो उसको सुधार दें।” 6तो भी याजकों ने भवन में जो टूटा फूटा था, उसे योआश राजा के राज्य के तेईसवें वर्ष तक नहीं सुधारा था।7इसलिए राजा योआश ने यहोयादा याजक, और याजकों को बुलवाकर पूछा, “भवन में जो कुछ टूटा फूटा है, उसे तुम क्यों नहीं सुधारते? अब से अपनी जान-पहचान के लोगों से और रुपया न लेना, और जो तुम्हें मिले, उसे भवन के सुधारने के लिये दे देना।” 8तब याजकों ने मान लिया कि न तो हम प्रजा से और रुपया लें और न भवन को सुधारें।9तब यहोयादा याजक ने एक सन्दूक लेकर, उसके ढक्कन में छेद करके उसको यहोवा के भवन में आनेवालों के दाहिने हाथ पर वेदी के पास रख दिया; और द्वार की रखवाली करनेवाले याजक उसमें वह सब रुपया डालने लगे जो यहोवा के भवन में लाया जाता था। (मर. 12:41)10जब उन्होंने देखा, कि सन्दूक में बहुत रुपया है, तब राजा के प्रधान और महायाजक ने आकर उसे थैलियों में बाँध दिया, और यहोवा के भवन में पाए हुए रुपये को गिन लिया।11तब उन्होंने उस तौले हुए रुपये को उन काम करानेवालों के हाथ में दिया, जो यहोवा के भवन में अधिकारी थे; और इन्होंने उसे यहोवा के भवन के बनानेवाले बढ़इयों, राजमिस्त्रियों, और संगतराशों को दिये।12और लकड़ी और गढ़े हुए पत्थर मोल लेने में, वरन् जो कुछ भवन के टूटे फूटे की मरम्मत में खर्च होता था, उसमें लगाया।13परन्तु जो रुपया यहोवा के भवन में आता था, उससे चाँदी के तसले, चिमटे, कटोरे, तुरहियां आदि सोने या चाँदी के किसी प्रकार के पात्र न बने।14परन्तु वह काम करनेवाले को दिया गया, और उन्होंने उसे लेकर यहोवा के भवन की मरम्मत की।15और जिनके हाथ में काम करनेवालों को देने के लिये रुपया दिया जाता था, उनसे कुछ हिसाब न लिया जाता था, क्योंकि वे सच्चाई से काम करते थे।16जो रुपया दोषबलियों और पापबलियों के लिये दिया जाता था\*, यह तो यहोवा के भवन में न लगाया गया, वह याजकों को मिलता था।17तब अराम के राजा हजाएल ने गत नगर पर चढ़ाई की, और उससे लड़ाई करके उसे ले लिया। तब उसने यरूशलेम पर भी चढ़ाई करने को अपना मुँह किया।18तब यहूदा के राजा योआश ने उन सब पवित्र वस्तुओं को जिन्हें उसके पुरखा यहोशापात यहोराम और अहज्याह\* नामक यहूदा के राजाओं ने पवित्र किया था, और अपनी पवित्र की हुई वस्तुओं को भी और जितना सोना यहोवा के भवन के भण्डारों में और राजभवन में मिला, उस सब को लेकर अराम के राजा हजाएल के पास भेज दिया; और वह यरूशलेम के पास से चला गया।19योआश के और सब काम जो उसने किया, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?20योआश के कर्मचारियों ने राजद्रोह की युक्ति करके, उसको मिल्लो के भवन में जो सिल्ला की ढलान पर था, मार डाला।21अर्थात् शिमात का पुत्र योजाकार और शोमेर का पुत्र यहोजाबाद, जो उसके कर्मचारी थे, उन्होंने उसे ऐसा मारा, कि वह मर गया। तब उसे उसके पुरखाओं के बीच दाऊदपुर में मिट्टी दी, और उसका पुत्र अमस्याह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 12:1

##### येहू के राज्य के सातवें वर्ष ।

"इस्राएल पर योआश के शासनकाल के 7 साल के दौरान।"

##### योआश राज्य करने लगा।

"योआश ने यहूदा पर शासन करना शुरू किया।"

##### सिब्या

यह एक महिला का नाम था।

##### सिब्या जो बेर्शेबा

सिब्या, बेर्शेबा शहर से थी।

##### जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है।

"यहोवा को क्या भाता था।"

##### शिक्षा देता।

"उसे पढ़ाना।"

##### तो भी ऊँचे स्थान गिराए न गए।

"लेकिन लोगों ने उच्च स्थानों को नष्ट नहीं किया।"

##### प्रजा के लोग तब भी ऊँचे स्थान पर बलि चढ़ाते और धूप जलाते रहे।

"लोग उन स्थानों पर बलिदान करने और धूप जलाने के लिए जाना जारी रखते थे जो यहौवा के लिए अस्वीकार्य थे,।

#### 2 Kings 12:4

##### “पवित्र की हुई वस्तुओं का जितना रुपया यहोवा के भवन में पहुँचाया जाए,

यह पैसे को दर्शाता है जो लोगों ने भवन का समर्थन करने के लिए दिए जाते थे। यह धन तीन रूपों में आया था जो बाकी वाक्य में वर्णित हैं।

##### जितना रुपया जिसकी इच्छा यहोवा के भवन में ले आने की हो।

यह पैसे को दर्शाता है जो लोगों ने यहोवा को स्वतंत्र रूप से देने का फैसला किया।

#### 2 Kings 12:6

##### योआश राजा के राज्य के तेईसवें वर्ष

जब योआश के राज्यकाल के तेईसवें साल में

##### भवन में जो कुछ टूटा फूटा है, उसे तुम क्यों नहीं सुधारते?

आपको भवन की मरम्मत करनी चाहिए थी!

##### उसे भवन के सुधारने के लिये दे देना।

"कर्मचारीयो को पैसा देना जो मरम्मत करेंगे।"

#### 2 Kings 12:9

##### तब

"याजकों के धन इकट्ठा करने की बजाय“

##### उसको यहोवा के भवन में आनेवालों के दाहिने हाथ पर।

"भवन के प्रवेश द्वार के दाईं ओर"

##### डालने लगे

“सन्दूक में डालने लगे।"

##### वह सब रुपया जो लाया जाता था।

लोगों द्वारा लाया गया धन। ”

##### उसे थैलियों में बाँध दिया और पाए हुए रुपये को गिन लिया।

"पैसे गिनो और थैलियों में डाल दो।"

##### रुपये उसे थैलियों में बाँध दिया

"बैग में पैसे बाँध दिए।

##### पाए हुए रुपये।

"पैसे जो उन्हें सन्दूक में मिले।"

#### 2 Kings 12:11

##### तौले हुए।

"गिना हुआ।"

##### काम करानेवालों के हाथ में दिया।

"पुरुषों के।"

##### भवन के बनानेवाले राजमिस्त्रि।”

"जिसने भवन की मरम्मत की।"

##### बढ़इयों।

जो लोग लकड़ी से बनी चीजों की मरम्मत करते हैं।”

##### पत्थर मोल लेने वाले।

जो लोग पत्थर से बनाते हैं।”

##### संगतराशों।

जो लोग पत्थरों को सही आकार में काटते हैं।”

##### लकड़ी और गढ़े हुए पत्थर मोल लेने में,।

"लकड़ी खरीदने और पत्थर काटने के लिए।"

##### टूटे फूटे की मरम्मत में खर्च होता था।

"सभी आवश्यक मरम्मत के भुगतान करने के लिए।”

#### 2 Kings 12:13

##### किसी प्रकार के पात्र न बने।

"मंदिर के किसी भी व्यक्ति के भुगतान करने के लिए खर्च नहीं किया गया था।"

##### उससे चाँदी के तसले, चिमटे, कटोरे, तुरहियां आदि सोने या चाँदी।

ये ऐसे वस्तु हैं जिनका उपयोग यायको द्वारा विभिन्न भवन कार्यों के लिए किया जाता था, जैसे कि बलिदान करने के लिए या त्योहारों में।

#### 2 Kings 12:15

##### और जिनके हाथ में काम करनेवालों को देने के लिये रुपया दिया जाता था, उनसे कुछ हिसाब न लिया जाता था

"उन्हें उन पुरुषों की आवश्यकता नहीं थी जो पैसे प्राप्त करते थे और मरम्मत के लिए काम करने वालों को पैसे का भुगतान करते थे."

##### हिसाब लिया जाता था।

कितना पैसा मिला और खर्च किया गया, इसका हिसाब रखना है।

##### जो रुपया दोषबलियों और पापबलियों के लिये दिया जाता था\*, यह तो यहोवा के भवन में न लगाया गया?

"उन्होंने अपराध के चढ़ावे और पाप के चढ़ावे के पैसे का इस्तेमाल यहोवा के मंदिर की मरम्मत के लिए नहीं किया।"

#### 2 Kings 12:17

##### तब अराम के राजा हजाएल ने गत नगर पर चढ़ाई की।

अराम के राजा हजाएल और उनकी सेना ने हमला किया,..........फिर उन्होंने हमला किया।"

##### हजाएल।

यह सीरिया देश के राजा का नाम है।

##### उसे ले लिया।

"पराजित कर और उसे नियंत्रण मे कर लिया।"

##### उसके पुरखा यहोशापात यहोराम और अहज्याह।

ये लोग यहूदा के पिछले राजा थे।

##### पवित्र किया।

"समर्पित करना।"

##### जितना सोना के भण्डारों में और राजभवन में मिला।

"सोने को भण्डारों में जमा किया गया था।"

##### हजाएल वह यरूशलेम के पास से चला गया।

"इसलिए जाएल ने यरूशलेम पर हमला करना बंद कर दिया और छोड़ दिया।"

#### 2 Kings 12:19

##### सब काम जो उसने किया, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

"वे यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे गए हैं।"

##### सिल्ला।

इस स्थिति का स्थान अज्ञात है।

##### योजाकार,.....शिमात,...,यहोजाबाद,.....शोमेर,.,अमस्याह।

ये पुरुषों के नाम हैं।

##### उसके पुरखाओं के बीच।

उस जगह पर जहां उनके पूर्वजों को दफनाया गया था।"

##### उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

"यहूदा का अगला राजा बन गया।"

### Translation Questions

#### 2 Kings 12:2

##### योआश ने सदैव यहोवा की दृष्टि में उचित काम क्यों किया?

याजक यहोयादा उसका मार्गदर्शन करता था इसलिए उसने सदैव वही किया जो यहोवा की दृष्टि में उचित है।

#### 2 Kings 12:4

##### मंदिर के लिए पैसा देने के लिए लोग प्रेरित कैसे हुए?

लोग यहोवा द्वारा प्रेरित हुए कि मंदिर के लिए पैसा दें।

#### 2 Kings 12:6

##### योआश ने याजकों से क्यों कहा कि कर देने वालों से पैसा नहीं लिया जाए?

योआश ने याजकों से ऐसी आज्ञा इसलिए दी कि उन्होंने मंदिर की टूट-फूट नहीं सुधारी थी।

#### 2 Kings 12:7

##### योआश ने याजकों से क्यों कहा कि कर देने वालों से पैसा नहीं लिया जाए?

योआश ने याजकों से ऐसी आज्ञा इसलिए दी कि उन्होंने मंदिर की टूट-फूट नहीं सुधारी थी।

#### 2 Kings 12:9

##### उस सन्दूक में कौन पैसा लेकर डालते थे?

द्वार की रखवाली करने वाले याजक यहोवा के भवन में लाया गया सब पैसा उस सन्दूक में डाल देते थे।

#### 2 Kings 12:12

##### काम करने वालों ने वह पैसा किस काम में लिया?

काम करने वालों ने वह पैसा मंदिर के लिए लकड़ी खरीदने और पत्थरों के काटने में काम में लिया तथा मंदिर के सुधार कार्य में लगाया।

#### 2 Kings 12:16

##### यहोवा के मंदिर में दोषबलियों और पापबलियों के लिए दिया गया धन क्यों नहीं लाया जाता?

यहोवा के मंदिर में दोषबलियों और पापबलियों के लिए दिया गया धन नहीं लाया जाता क्योंकि वह याजक के लिए था।

#### 2 Kings 12:18

##### राजा योआश ने राजा हजाएल को यरूशलेम पर आक्रमण करने से कैसे रोका?

योआश ने यहोशापात, यहोराम, अहज्याह तथा अपने द्वारा पवित्र की गई सब पवित्र वस्तुयें तथा यहोवा के भवन के तथा राजा के भंडारों का सब सोना अराम के राजा हजाएल को भेज दिया और हजाएल यरूशलेम से चला गया।

#### 2 Kings 12:21

##### योआश पर किसने आक्रमण किया?

शिमात के पुत्र योजाकार और शोमेर के पुत्र यहोजाबाद जो उसके दास थे, योआश पर आक्रमण किया।

Chapter 13  
यहोआहाज का राज्य

1अहज्याह के पुत्र यहूदा के राजा योआश के राज्य के तेईसवें वर्ष में येहू का पुत्र यहोआहाज सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने लगा, और सत्रह वर्ष तक राज्य करता रहा।2और उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था अर्थात् नबात के पुत्र यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनको छोड़ न दिया।3इसलिए \*यहोवा का क्रोध इस्राएलियों के विरुद्ध भड़क उठा, और उसने उनको अराम के राजा हजाएल, और उसके पुत्र बेन्हदद के अधीन कर दिया।4तब यहोआहाज यहोवा के सामने गिड़गिड़ाया और यहोवा ने उसकी सुन ली; क्योंकि उसने इस्राएल पर अंधेर देखा कि अराम का राजा उन पर कैसा अंधेर करता था।5इसलिए यहोवा ने इस्राएल को एक छुड़ानेवाला\* दिया और वे अराम के वश से छूट गए; और इस्राएली पिछले दिनों के समान फिर अपने-अपने डेरे में रहने लगे।6तो भी वे ऐसे पापों से न फिरे, जैसे यारोबाम के घराने ने किया, और जिनके अनुसार उसने इस्राएल से पाप कराए थे: परन्तु उनमें चलते रहे, और सामरिया में अशेरा भी खड़ी रही।7अराम के राजा ने यहोआहाज की सेना में से केवल पचास सवार, दस रथ, और दस हजार प्यादे छोड़ दिए थे; क्योंकि उसने उनको नाश किया, और रौंद रौंदकर के धूल में मिला दिया था।8यहोआहाज के और सब काम जो उसने किए, और उसकी वीरता, यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?9अन्ततः यहोआहाज मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और सामरिया में उसे मिट्टी दी गई; और उसका पुत्र यहोआश उसके स्थान पर राज्य करने लगा।यहोआश का राज्य और एलीशा की मृत्यु

10यहूदा के राजा योआश के राज्य के सैंतीसवें वर्ष में यहोआहाज का पुत्र यहोआश सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने लगा, और सोलह वर्ष तक राज्य करता रहा।11और उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, अर्थात् नबात का पुत्र यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे अलग न हुआ।12यहोआश के और सब काम जो उसने किए, और जिस वीरता से वह यहूदा के राजा अमस्याह से लड़ा, यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?13अन्त में यहोआश मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और यारोबाम उसकी गद्दी पर विराजमान हुआ; और यहोआश को सामरिया में इस्राएल के राजाओं के बीच मिट्टी दी गई।14एलीशा को वह रोग लग गया जिससे उसकी मृत्यु होने पर थी, तब इस्राएल का राजा यहोआश उसके पास गया, और उसके ऊपर रोकर कहने लगा, “हाय मेरे पिता! हाय मेरे पिता! हाय इस्राएल के रथ और सवारो!” 15एलीशा ने उससे कहा, “धनुष और तीर ले आ।” वह उसके पास धनुष और तीर ले आया।16तब उसने इस्राएल के राजा से कहा, “धनुष पर अपना हाथ लगा।” जब उसने अपना हाथ लगाया, तब एलीशा ने अपने हाथ राजा के हाथों पर रख दिए।17तब उसने कहा, “पूर्व की खिड़की खोल।” जब उसने उसे खोल दिया, तब एलीशा ने कहा, “तीर छोड़ दे;” उसने तीर छोड़ा। और एलीशा ने कहा, “यह तीर यहोवा की ओर से छुटकारे अर्थात् अराम से छुटकारे का चिन्ह है, इसलिए तू अपेक में अराम को यहाँ तक मार लेगा कि उनका अन्त कर डालेगा।” 18फिर उसने कहा, “तीरों को ले;” और जब उसने उन्हें लिया, तब उसने इस्राएल के राजा से कहा, “भूमि पर मार;” तब वह तीन बार मार कर ठहर गया।19और परमेश्‍वर के जन ने उस पर क्रोधित होकर कहा\*, “तुझे तो पाँच छः बार मारना चाहिये था। ऐसा करने से तो तू अराम को यहाँ तक मारता कि उनका अन्त कर डालता, परन्तु अब तू उन्हें तीन ही बार मारेगा।” 20तब एलीशा मर गया, और उसे मिट्टी दी गई। प्रति वर्ष वसन्त ऋतु में मोआब के दल, देश पर आक्रमण करते थे।21लोग किसी मनुष्य को मिट्टी दे रहे थे, कि एक दल उन्हें दिखाई पड़ा, तब उन्होंने उस शव को एलीशा की कब्र में डाल दिया, और एलीशा की हड्डियों से छूते ही वह जी उठा\*, और अपने पाँवों के बल खड़ा हो गया।22यहोआहाज के जीवन भर अराम का राजा हजाएल इस्राएल पर अंधेर ही करता रहा।23परन्तु यहोवा ने उन पर अनुग्रह किया, और उन पर दया करके अपनी उस वाचा के कारण जो उसने अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, उन पर कृपादृष्‍टि की, और न तो उन्हें नाश किया, और न अपने सामने से निकाल दिया।24तब अराम का राजा हजाएल मर गया, और उसका पुत्र बेन्हदद उसके स्थान पर राजा बन गया।25तब यहोआहाज के पुत्र यहोआश ने हजाएल के पुत्र बेन्हदद के हाथ से वे नगर फिर ले लिए, जिन्हें उसने युद्ध करके उसके पिता यहोआहाज के हाथ से छीन लिया था। यहोआश ने उसको तीन बार जीतकर इस्राएल के नगर फिर ले लिए।

#### 2 Kings 13:1

##### अहज्याह के पुत्र यहूदा के राजा योआश के राज्य के तेईसवें वर्ष में

योआश के यहूदा के ऊपर लगभग 23 साल शाशन करने के बाद”

##### सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने लगा,

“इस्रराएल के ऊपर सामरिया में शाशन करने लगा”

##### सत्रह वर्ष तक राज्य करता रहा।

“17 साल यहोआहाज राजा था”

##### उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था

“यहोवा के अनुसार जो बुरा था उसने वही किया”

##### यारोबाम के पापों के अनुसार वह करता रहा,

“यारोबाम की तरह पाप करता रहा”

##### यहोआहाज ने उनको छोड़ न दिया।

“यहोआहाज ने यारोबाम की तरह पाप करना नही छोड़ा”

#### 2 Kings 13:3

##### यहोवा का क्रोध इस्राएलियों के विरुद्ध भड़क उठा,

“तब यहोवा इस्राएल के पर बहुत क्रोधित हो गया”

##### उनको अराम के राजा हजाएल, और उसके पुत्र बेन्हदद के अधीन कर दिया।

“आराम के राजा हजाएल को, और उसके पुत्र बेन्‍हदद को इस्राएल को बार-बार युद्ध में हराने की अनुमति दी”

##### यहोवा के सामने गिड़गिड़ाया

“यहोवा के आगे प्राथना की”

##### क्योंकि उसने इस्राएल पर अंधेर देखा कि अराम का राजा उन पर कैसा अंधेर करता था।

“उसने देखा के आराम के राजा बहुत बुरी तरह इस्राएल पर अंधेर कर रहते है”

##### छुड़ानेवाला

“उनको छूड़ाने वाला कोई ”

##### वे अराम के वश से छूट गए;

“उसने उनको आराम के वश से छुड़ा दिया”

#### 2 Kings 13:6

##### तो भी वे ऐसे पापों से न फिरे, जैसे यारोबाम के घराने ने किया,

“इस्राएल ने यारोबाम की तरह लगातार पाप करना जारी रखा”

##### यारोबाम के घराने

“यारोबाम का परिवार”

##### उनको नाश किया,

“यहोआहाज की सेना को हरा दिया था”

##### रौंद रौंदकर के धूल में मिला दिया था।

“उनको कुचल दिया जैसे काम करने वाले कटनी के समय भूसी को पाओं के नीचे कुचल देते है”

#### 2 Kings 13:8

##### यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

“यह सब इस्राएल के राजा की घटनाओं की एक पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

##### मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“यह नम्रता से कहने का एक तरीका है कि वह मर गया है”

#### 2 Kings 13:10

##### यहूदा के राजा योआश के राज्य के सैंतीसवें वर्ष में

“योआश के यहूदा पर लगभग 37 साल राज्‍य करने के बाद”

##### यहोआहाज का पुत्र यहोआश सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने लगा

“यहोआहाज के पुत्र यहोआश सामरिया में यहूदा पर राज्‍य करने लगा”

##### यहोआश

यह इस्राएल का राजा था जो यहोआहाज का पुत्र था

##### उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था

“उसने वही किया जो यहोवा की नज़रो में बुरा था”

##### यारोबाम के पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे अलग न हुआ।

“यहोआश ने यारोबाम की तरह पाप करना नहीं छोड़ा”

##### जिस ने इस्राएल से पाप कराया था

“जिसके द्वारा यारोबाम ने इस्राएल से पाप करवाया था”

##### उसके पापों के अनुसार वह करता रहा,

“परँतु यहोआश लगातार वही पाप करता रहा”

#### 2 Kings 13:12

##### जिस वीरता से वह यहूदा के राजा अमस्याह से लड़ा,

“और जो बल उसकी सेना ने दिखाया जब वह यहूदा के राजा अमस्‍याह के विरूध लड़े थे”

##### यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

“यह सब इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा है”

##### यहोआश मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

यह नम्रता से कहने का एक तरीका है कि यहोआश मर गया है।

##### यारोबाम उसकी गद्दी पर विराजमान हुआ

“उसके बाद यरोबाम राजा बन गया”

#### 2 Kings 13:14

##### उसके ऊपर रोकर कहने लगा,

“रोया क्‍योंकि एलीशा बीमार था”

##### “हाय मेरे पिता! हाय मेरे पिता!

वास्‍तव में एलीशा राजा का पिता नहीं था। राजा योआश ने इन शब्‍दो का प्रयोग सम्‍मान के रूप में किया था।

##### इस्राएल के रथ और सवारो!

“इस्रराएल के रथ और घोड़ सवार तुमहे आकाश में ले जा रहे है”

##### सवारो!

“रथों के चालक”

#### 2 Kings 13:17

##### सामन्‍य जानकारी

इस्राएल के राजा योआश के साथ एलीशा लगातार बात कर रहा है।

##### पूर्व की खिड़की खोल

“पूर्व की ओर की खिड़की खोल दो”

##### जब उसने उसे खोल दिया,

“तो दास ने खिड़की खोल दी”

##### उसने तीर छोड़ा।

“योआश ने तीर छोड़ा”

##### यह तीर यहोवा की ओर से छुटकारे अर्थात् अराम से छुटकारे का चिन्ह है

“यह तीर जीत का प्रतीक है जो यहोवा तुमहे आराम के ऊपर देगा”

##### अपेक

“यह इस्राएल में एक शहर है”

##### परमेश्‍वर के जन ने उस पर क्रोधित होकर कहा

“परंतू एलीशा राजा योआश के साथ करोधित था”

##### अब तू उन्हें तीन ही बार मारेगा।”

“जब तक तूँ उसे पूरी तरह समाप्त नहीं कर देता”

#### 2 Kings 13:20

##### तब

“उस समय”

##### प्रति वर्ष वसन्त ऋतु में

“हर साल वसन्‍त ऋतु के दौरान”

##### लोग किसी मनुष्य को मिट्टी दे रहे थे,

“कुछ इस्राएल के लोग आदमी की देह को मिट्टी दे रहे थे”

##### कि एक दल उन्हें दिखाई पड़ा,

“उन्‍होने देखा के मोआबीयो का एक दल उनकी तरफ आ रहा है तो वह ड़र गये”

##### एलीशा की कब्र

“कब्र जिसमें एलीशा को दफनाया गया था”

##### एलीशा की हड्डियों से छूते ही

“जैसे ही मरे हुवे आदमी का शरीर एलीशा की हड्डीयों से टकराया”

##### वह जी उठा\*, और अपने पाँवों के बल खड़ा हो गया।

“मरा हुआ आदमी जीवित हो गया और खड़ा हो गया”

#### 2 Kings 13:22

##### परन्तु यहोवा ने उन पर अनुग्रह किया और उन पर दया करके उन पर कृपादृष्‍टि की,

“परँतू यहोवा इस्राएल के लिऐ बहुत दयालू था। वह उनकी मदद करता था”

##### न तो उन्हें नाश किया,

“अपनी वाचा के कारण यहोवा ने उनका नाश नही किया”

##### न अपने सामने से निकाल दिया।

“उनको त्‍यागा नही”

### Translation Questions

#### 2 Kings 13:4

##### यहोवा ने इस्राएल को एक छुड़ाने वाला क्यों दिया?

यहोआहाज यहोवा के सामने गिड़गिड़ाया इसलिए यहोवा ने इस्राएल को एक छुड़ाने वाला दिया।

#### 2 Kings 13:5

##### यहोवा ने इस्राएल को एक छुड़ाने वाला क्यों दिया?

यहोआहाज यहोवा के सामने गिड़गिड़ाया इसलिए यहोवा ने इस्राएल को एक छुड़ाने वाला दिया।

#### 2 Kings 13:7

##### अराम के राजा ने इस्राएल की सेना को रौंदकर कैसा कर दिया था?

अराम के राजा ने इस्राएली सेना को रौंदकर खलिहान की भूसी के समान कर दिया था।

#### 2 Kings 13:15

##### जब एलीशा बीमार हो गया तब उसने यहोआश से क्या उठाने को कहा?

एलीशा ने उससे धनुष और कुछ तीर उठाने को कहे।

#### 2 Kings 13:18

##### यहोआश ने केवल तीन बार भूमि पर मारा तो इसका अर्थ क्या था?

क्योंकि यहोआश केवल तीन बार भूमि पर मारा तो वह अराम के राजा पर सिर्फ तीन बार हमला कर सकता।

#### 2 Kings 13:19

##### यहोआश ने केवल तीन बार भूमि पर मारा तो इसका अर्थ क्या था?

क्योंकि यहोआश केवल तीन बार भूमि पर मारा तो वह अराम के राजा पर सिर्फ तीन बार हमला कर सकता।

#### 2 Kings 13:21

##### जिस मृतक को एलीशा की कब्र में रखा गया उसका क्या हुआ?

एलीशा की हड्डियों का स्पर्श होते ही वह मृतक जीवित होकर खड़ा हो गया।

#### 2 Kings 13:23

##### यहोवा ने इस्राएल को अपनी उपस्थिति से दूर क्यों नहीं किया?

यहोवा इस्राएल पर दयावान था और अनुग्रह करता था क्योंकि यहोवा ने अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ वाचा बांधी थी इसलिए उसने उन्हें नष्ट नहीं किया और अपनी उपस्थिति से दूर नहीं किया।

Chapter 14  
अमस्याह का राज्य

1इस्राएल के राजा यहोआहाज के पुत्र योआश के राज्य के दूसरे वर्ष में यहूदा के राजा योआश का पुत्र अमस्याह राजा हुआ।2जब वह राज्य करने लगा तब वह पच्चीस वर्ष का था, और यरूशलेम में उनतीस वर्ष राज्य करता रहा। उसकी माता का नाम यहोअद्दान था, जो यरूशलेम की थी।3उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था तो भी अपने मूल पुरुष दाऊद के समान न किया; उसने ठीक अपने पिता योआश के से काम किए\*।4उसके दिनों में ऊँचे स्थान गिराए न गए; लोग तब भी उन पर बलि चढ़ाते, और धूप जलाते रहे।5जब राज्य उसके हाथ में स्थिर हो गया, तब उसने अपने उन कर्मचारियों को मृत्यु-दण्ड दिया, जिन्होंने उसके पिता राजा को मार डाला था।6परन्तु उन खूनियों के बच्चों को उसने न मार डाला, क्योंकि यहोवा की यह आज्ञा मूसा की व्यवस्था की पुस्तक में लिखी है: “पुत्र के कारण पिता न मार डाला जाए, और पिता के कारण पुत्र न मार डाला जाए; जिसने पाप किया हो, वही उस पाप के कारण मार डाला जाए।” 7उसी अमस्याह ने नमक की तराई में दस हजार एदोमी पुरुष मार डाले, और सेला नगर से युद्ध करके उसे ले लिया, और उसका नाम योक्तेल रखा, और वह नाम आज तक चलता है।8तब अमस्याह ने इस्राएल के राजा यहोआश के पास जो येहू का पोता और यहोआहाज का पुत्र था दूतों से कहला भेजा, “आ हम एक दूसरे का सामना करें।” 9इस्राएल के राजा यहोआश ने यहूदा के राजा अमस्याह के पास यह सन्देश भेजा, “लबानोन पर की एक झड़बेरी ने लबानोन के एक देवदार के पास कहला भेजा, ‘अपनी बेटी का मेरे बेटे से विवाह कर दे’ इतने में लबानोन में का एक वन पशु पास से चला गया और उस झड़बेरी को रौंद डाला।10तूने एदोमियों को जीता तो है इसलिए तू फूल उठा है। उसी पर बड़ाई मारता हुआ घर रह जा; तू अपनी हानि के लिये यहाँ क्यों हाथ उठाता है, जिससे तू क्या वरन् यहूदा भी नीचा देखेगा?” 11परन्तु अमस्याह ने न माना। तब इस्राएल के राजा यहोआश ने चढ़ाई की, और उसने और यहूदा के राजा अमस्याह ने यहूदा देश के बेतशेमेश में एक दूसरे का सामना किया।12और यहूदा इस्राएल से हार गया, और एक-एक अपने-अपने डेरे को भागा।13तब इस्राएल के राजा यहोआश ने यहूदा के राजा अमस्याह को जो अहज्याह का पोता, और योआश का पुत्र था, बेतशेमेश में पकड़ लिया, और यरूशलेम को गया, और एप्रैमी फाटक से कोनेवाले फाटक तक, चार सौ हाथ यरूशलेम की शहरपनाह गिरा दी।14और जितना सोना, चाँदी और जितने पात्र यहोवा के भवन में और राजभवन के भण्डारों में मिले, उन सब को और बन्धक लोगों को भी लेकर वह सामरिया को लौट गया।।15यहोआश के और काम जो उसने किए, और उसकी वीरता और उसने किस रीति यहूदा के राजा अमस्याह से युद्ध किया, यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?16अन्त में यहोआश मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसे इस्राएल के राजाओं के बीच सामरिया में मिट्टी दी गई; और उसका पुत्र यारोबाम उसके स्थान पर राज्य करने लगा।।17यहोआहाज के पुत्र इस्राएल के राजा यहोआश के मरने के बाद योआश का पुत्र यहूदा का राजा अमस्याह पन्द्रह वर्ष जीवित रहा।18अमस्याह के और काम क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?19जब यरूशलेम में उसके विरुद्ध राजद्रोह की गोष्ठी की गई, तब वह लाकीश को भाग गया। अतः उन्होंने लाकीश तक उसका पीछा करके उसको वहाँ मार डाला।20तब वह घोड़ों पर रखकर यरूशलेम में पहुँचाया गया, और वहाँ उसके पुरखाओं के बीच उसको दाऊदपुर में मिट्टी दी गई।21तब सारी यहूदी प्रजा ने अजर्याह को लेकर, जो सोलह वर्ष का था, उसके पिता अमस्याह के स्थान पर राजा नियुक्त कर दिया।22राजा अमस्याह मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला, तब उसके बाद अजर्याह ने एलत को दृढ़ करके यहूदा के वश में फिरकर लिया।।दूसरे यारोबाम का राज्य

23यहूदा के राजा योआश के पुत्र अमस्याह के राज्य के पन्द्रहवें वर्ष में इस्राएल के राजा यहोआश का पुत्र यारोबाम सामरिया में राज्य करने लगा, और इकतालीस वर्ष राज्य करता रहा।24उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था; अर्थात् नबात के पुत्र यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।25उसने इस्राएल की सीमा\* हमात की घाटी से ले अराबा के ताल तक ज्यों का त्यों कर दी, जैसा कि इस्राएल के परमेश्‍वर यहोवा ने अमित्तै के पुत्र अपने दास गथेपेरवासी योना भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था।26क्योंकि यहोवा ने इस्राएल का दुःख देखा कि बहुत ही कठिन है, वरन् क्या बन्दी क्या स्वाधीन कोई भी बचा न रहा, और न इस्राएल के लिये कोई सहायक था।27यहोवा ने नहीं कहा था, कि मैं इस्राएल का नाम धरती पर से मिटा डालूँगा। अतः उसने यहोआश के पुत्र यारोबाम के द्वारा उनको छुटकारा दिया।28यारोबाम के और सब काम जो उसने किए, और कैसे पराक्रम के साथ उसने युद्ध किया, और दमिश्क और हमात को जो पहले यहूदा के राज्य में थे इस्राएल के वश में फिर मिला लिया, यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?29अन्त में यारोबाम मर कर अपने पुरखाओं के संग जो इस्राएल के राजा थे जा मिला, और उसका पुत्र जकर्याह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 14:1

##### इस्राएल के राजा यहोआहाज के पुत्र योआश के राज्य के दूसरे वर्ष में

“जब यहोआहाज का पुत्र यहोआश लगभग दो साल इस्राएल का राजा था”

##### यहूदा के राजा योआश का पुत्र अमस्याह राजा हुआ।

“योआश का बेटा अमस्‍याह यहूदा का राजा बना”

##### जब वह राज्य करने लगा तब वह पच्चीस वर्ष का था,

“वह 25 साल का था जब वह राजा बना था”

##### यरूशलेम में उनतीस वर्ष राज्य करता रहा।

“वह 29 साल तक यरूशलम में राजा था”

##### यहोअद्दान

यह औरत का नाम है।

##### उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था तो भी अपने मूल पुरुष दाऊद के समान न किया;

“अमस्‍याह ने यहोवा को खुश करने वाले बहुत से काम किये, परंतू उसने दाऊद की तरह यहोवा को खुश करने को उतने काम नही किये”

##### उसने ठीक अपने पिता योआश के से काम किए\*।

“उसने अपने पिता के समान अच्‍छे काम किये”

#### 2 Kings 14:4

##### सामन्‍य जानकारी

यहूदा के राजा अमस्याह के राज्‍य की कहानी लगातार जारी है।

##### ऊँचे स्थान गिराए न गए;

“परँतू उसने ऊँचे स्‍थानों को नहीं गिराया”

##### लोग तब भी उन पर बलि चढ़ाते, और धूप जलाते रहे।

”अन्‍यजाती के लोग ऊँचे स्‍थानों अपने भगवानों को बली चड़ाते और धूप जलाते रहे”

##### जब राज्य

“इस का प्रयोग नयो घटना को दर्शाने के लिऐ किया गया है“

##### जब राज्य उसके हाथ में स्थिर हो गया,

“जैसै जी अमस्‍याह ने अपना शाही राज्‍य और राज्‍य अधिकारी सुरक्षित स्‍थापित कर लिए”

##### तब उसने अपने उन कर्मचारियों को मृत्यु-दण्ड दिया,

“उसने अपने कर्मचारी अधिकारीयो को म्रत्‍यू- दण्‍ड दिया”

#### 2 Kings 14:6

##### सामान्‍य जानकारी

लेखक बता रहा है कि अमस्‍याह ने अपने पिता, राजा योआश की हत्या किये जाने के बाद क्या किया।

##### परन्तु उन खूनियों के बच्चों को उसने न मार डाला,

“परँतू उसने अपने दासों को उन अधिकारीओं के बच्‍चों को मारने को नहीं कहा”

##### पुत्र के कारण पिता न मार डाला जाए, और पिता के कारण पुत्र न मार डाला जाए;

“लोगों को बच्‍चों के पाप के कारन बाप को नहीं मारना चाहोये और उन्‍हे बच्‍चो के पाप के मात-पिता को नही मारना चाहीए”

##### जिसने पाप किया हो, वही उस पाप के कारण मार डाला जाए।

“हर व्‍याकित अपने ही पापों की सजा पाये”

##### उसी अमस्याह ने मार डाले

“अमस्याह की सेना ने मार डाले”

##### दस हजार एदोमी पुरुष

“10.000 सिपाही”

##### नमक की तराई में

“यह स्‍थान का नाम है जो मृत्यु सागर के दक्षिण में है”

##### सेला नगर से युद्ध करके उसे ले लिया,

“राजा अमस्‍याह की सेना ने सेला शहर को बंदी बना लिया”

##### सेला...योक्तेल

“उन्‍होने सेला शहर का बदल दिया। नया नाम जोक्‍तेल था”

#### 2 Kings 14:8

##### तब अमस्याह ने इस्राएल के राजा यहोआश के पास जो येहू का पोता और यहोआहाज का पुत्र था दूतों से कहला भेजा, “आ हम एक दूसरे का सामना करें।

“तब अमस्‍याह ने इस्राएल के राजा यहोआश को संदेश वाहक भेजे और कहने लगे ”यहा आओ और चलो और हमारी सेना एक दुसरे से युद्ध में लड़ेगी”

##### “लबानोन पर की एक झड़बेरी ने... उस झड़बेरी को रौंद डाला।

यह दर्शाता है कि देवदार का पेड़ महान है और झड़बेरी छोटी और तुच्‍छ है। यहोआश अपने आप की तुलना देवदार से और अमस्‍याह की तुलना झड़बेरी से करता है और अमस्‍याह को हमला ना करने को आगाह करता है”

##### झड़बेरी

“काँटो वाली झाड़ी”

##### कहला भेजा, ‘अपनी बेटी का मेरे बेटे से विवाह कर दे’

“देवदार को अपनी बेटी झड़बेरी के बेटे की पतनी होने के लिऐ कह रहा है”

##### तूने एदोमियों को जीता तो है

“अमस्‍याह, तू एदोम को जरूर जीत लेगा”

##### इसलिए तू फूल उठा है।

“तुम जो अपनी करनी का बहुत घुमण्‍ड करते हो”

##### उसी पर बड़ाई मारता हुआ

“अपनी जीत की बड़ाई करता हुआ”

##### तू अपनी हानि के लिये यहाँ क्यों हाथ उठाता है,

“तुमहे अपने आप को मुसीबत में नहीं डालना चाहीए और हार का सामना करना पड़े”

#### 2 Kings 14:11

##### परन्तु अमस्याह ने न माना।

“परँतु, अमस्‍याह ने योआश की चेतावनी को नहीं माना”

##### तब इस्राएल के राजा यहोआश ने चढ़ाई की... यहूदा के राजा अमस्याह ने यहूदा देश के बेतशेमेश में एक दूसरे का सामना किया।

“इस लिए योआश की सेना अमस्‍याह से लड़ने के लिए गई और उन्‍होने और उसकी सैना ने ऐक दूसरे का सामना किया”

##### बेतशेमेश

यह यहूदा का एक कसबा है जो इस्राएल की सीमा के नजदीक है।

##### यहूदा इस्राएल से हार गया,

इस्राएल ने यहूदा को हरा दिया

##### एक-एक अपने-अपने डेरे को भागा।

“यहूदा की सेना के सिपाही घरों को भाग गये”

#### 2 Kings 14:13

##### सामान्‍य जानकारी

बेतशेमेश में इस्राएल की सेना के यहूदा की सेना को हराने के बाद यह हुआ।

##### यरूशलेम को गया...लेकर वह सामरिया को लौट गया।।

“यहोआश अपनी सेना के साथ आया...यहोआश के सिपाही उनको बन्‍धक बना के ले गये”

##### एप्रैमी फाटक...कोनेवाले फाटक

“यरूशलम की दीवार पे फाटको के नाम है”

##### चार सौ हाथ

“लगभग 180 मीटर”

##### हाथ

“एक हाथ 46 सैंटीमीटर का होता था”

##### बन्धक लोगों को भी लेकर वह सामरिया को लौट गया।।

“और वह कुछ बन्‍धकों को सामरिया ले गये इस लिए कि वह अमस्‍याह उनको ओर ज्यादा दुख नहीं देगा”

#### 2 Kings 14:15

##### यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

“यह सब इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

##### अन्त में यहोआश मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“तब यहोआश मर गया”

##### उसके स्थान पर राज्य करने लगा।।

“उसके बाद राजा बन गया”

#### 2 Kings 14:17

##### क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

“यह सब इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

##### जब यरूशलेम में उसके विरुद्ध राजद्रोह की गोष्ठी की गई,

“यरूशलम में कुछ लोगों ने अमस्‍याह के विरुध साजिश रची”

##### लाकीश

“यह यहूदा के दक्षिण में एक शहर है”

##### उन्होंने लाकीश तक उसका पीछा करके उसको वहाँ मार डाला।

जिस आदमी ने साजिश रची थी उसने और आदमीयों को अमस्‍याह का पीछा करने के लिऐ लाकीस की और भेजा।

#### 2 Kings 14:20

##### सामान्‍य जानकारी

राजा अमस्‍याह के मौत के बाद ऐसा हुवा।

##### वह घोड़ों पर रखकर यरूशलेम में पहुँचाया गया,

वह अमस्‍याह की देह को घोड़ों पर वापिस ले आये

##### तब सारी यहूदी प्रजा ने अजर्याह को लेकर, जो सोलह वर्ष का था, उसके पिता अमस्याह के स्थान पर राजा नियुक्त कर दिया।

“यहूदा के लोगो ने 16 साल के अजर्याह को लिया और उसके पिता अमस्‍याह के बाद उसको राजा बना दिया।”

##### अजर्याह ने एलत को दृढ़ करके

“यह अजर्याह था जिसने एलत को दौबारा बनाने का हुक्म जारी किया”

##### अजर्याह

“यह राजा आज उज्‍जियाह के नाम से जाना जाता है”

##### एलत

“एलत यहूदा में एक शहर है”

##### यहूदा के वश में फिर कर लिया।

“फिर यहूदा के वश में कर लिया”

##### मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला,

यह एक कविता के रूप में कहने का तरीका है, कि वह मर गया।

#### 2 Kings 14:23

##### सामान्‍य जानकारी

“यह वर्नण करता है कि उज्‍जियाह ने राजा बनने के बाद क्या किया”

##### अमस्याह के राज्य के पन्द्रहवें वर्ष में

“अमस्‍याह के पन्‍द्रहवें साल में”

##### इकतालीस वर्ष

“41साल”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था

“ जिन कामों को यहोवा बुरा समझता था“

##### उसके पापों के अनुसार वह करता रहा…और उनसे वह अलग न हुआ

“उसने यारोबाम की तरह पाप करना नहीं छोड़ा”

##### उसने सीमा ज्यों का त्यों कर दी

“उसकी सेनायों ने दोबारा कुछ क्षेत्रों को जीत लिया जो पहले इस्राएल के थे”

##### हमात की घाटी

“यह शहर हमात भी कहलाता था”

##### अराबा के ताल

“मृत सागर”

#### 2 Kings 14:26

##### बहुत ही कठिन है,

“यह बहुत मुशकिल था”

##### न इस्राएल के लिये कोई सहायक था।

“यहाँ कोई नहीं था जो इस्राएल को छुड़ा सकता था”

##### मिटा डालूँगा।

“पूरी तरह नाश कर दूँगा”

##### इस्राएल का नाम

“इस्राएल के लोग”

##### धरती पर से

“धरती के ऊपर”

##### उसने यहोआश के पुत्र यारोबाम के द्वारा उनको छुटकारा दिया।

“उसने राजा यारोबाम और उसकी सैना को उनको छूड़ाने के योग्य बनाया”

#### 2 Kings 14:28

##### यह सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

“यह सब इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

##### यारोबाम मर कर अपने पुरखाओं के संग जो इस्राएल के राजा थे जा मिला

“यारोबाम मर गया और उसको भी दफना दिया गया यहा इस्राएल के दूसरे राजाओं को दफनाया गया था”

### Translation Questions

#### 2 Kings 14:5

##### जब राज्य अमस्याह के हाथ में स्थिर हो गया तब उसने क्या किया?

जब राज्य अमस्याह के हाथ में स्थिर हो गया तब उसने अपने पिता के हत्यारों को मार डाला।

#### 2 Kings 14:6

##### अमस्याह ने उन हत्यारों के पुत्रों को क्यों नहीं मारा?

अमस्याह ने उनके पुत्रों की हत्या इसलिए नहीं की क्योंकि यहोवा ने आज्ञा दी थी, "पुत्र के कारण पिता न मार डाला जाए और पिता के कारण पुत्र न मार डाला जाए, जिसने पाप किया हो वही उस पाप के कारण मार डाला जाए।"

#### 2 Kings 14:9

##### झड़बेरी को किसने रौंद डाला?

लबानोन से निकले एक वनपशु ने झड़बेरी को रौंद डाला।

#### 2 Kings 14:14

##### यहोआश यरूशलेम से क्या ले गया?

यहोवा के भवन में जितना भी सोना चांदी था और सब पात्र और राजा के भवन की सब बहुमूल्य वस्तुएं तथा लोगों को बन्दी बनाकर ले गया।

#### 2 Kings 14:19

##### अमस्याह की मृत्यु कैसे हुई?

यरूशलेम में उसके विरूद्ध राजद्रोह की गोष्टी की गई तो वह लाकीश को भाग गया परन्तु लोगों ने लाकीश तक उसका पीछा करके उसे वहां मार डाला।

#### 2 Kings 14:22

##### अजर्याह ने एलत के साथ क्या किया?

अजर्याह ने एलत को दृढ़ करके यहूदा के वश में फिर कर दिया।

#### 2 Kings 14:25

##### यारोबाम ने किससे सन्देश पाया था कि उसे इस्राएल की सीमा हमात की घाटी से अराबा के ताल तक ज्यों की त्यों करनी है?

अमित्तै के पुत्र योना भविष्यद्वक्ता के द्वारा यहोवा का वचन उसके पास पहुंचा था कि वह हमात की घाटी से अराबा के ताल तक इस्राएल की सीमा को ज्यों का त्यों कर दे।

#### 2 Kings 14:26

##### यहोवा ने देखा कि इस्राएल का कोई छुड़ाने वाला नहीं है तो उसने उन्हें कैसे छुड़ाया?

यहोवा ने देखा कि इस्राएल का कोई छुड़ाने वाला नहीं है तो यहोवा ने योआश के पुत्र यारोबाम के द्वारा उनको छुटकारा दिया।

#### 2 Kings 14:27

##### यहोवा ने देखा कि इस्राएल का कोई छुड़ाने वाला नहीं है तो उसने उन्हें कैसे छुड़ाया?

यहोवा ने देखा कि इस्राएल का कोई छुड़ाने वाला नहीं है तो यहोवा ने योआश के पुत्र यारोबाम के द्वारा उनको छुटकारा दिया।

Chapter 15  
अजर्याह का राज्य

1इस्राएल के राजा यारोबाम के राज्य के सताईसवें वर्ष में यहूदा के राजा अमस्याह का पुत्र अजर्याह राजा हुआ।2जब वह राज्य करने लगा, तब सोलह वर्ष का था, और यरूशलेम में बावन वर्ष राज्य करता रहा। उसकी माता का नाम यकोल्याह था, जो यरूशलेम की थी।3जैसे उसका पिता अमस्याह किया करता था जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था, वैसे ही वह भी करता था।4तो भी ऊँचे स्थान गिराए न गए; प्रजा के लोग उस समय भी उन पर बलि चढ़ाते, और धूप जलाते रहे।5यहोवा ने उस राजा को ऐसा मारा, कि वह मरने के दिन तक कोढ़ी रहा, और अलग एक घर में रहता था\*। योताम नामक राजपुत्र उसके घराने के काम पर अधिकारी होकर देश के लोगों का न्याय करता था।6अजर्याह के और सब काम जो उसने किए, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?7अन्त में अजर्याह मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसको दाऊदपुर में उसके पुरखाओं के बीच मिट्टी दी गई, और उसका पुत्र योताम उसके स्थान पर राज्य करने लगा।जकर्याह का राज्य

8यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के अड़तीसवें वर्ष में यारोबाम का पुत्र जकर्याह इस्राएल पर सामरिया में राज्य करने लगा, और छः महीने राज्य किया।9उसने अपने पुरखाओं के समान वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है, अर्थात् नबात के पुत्र यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।10और याबेश के पुत्र शल्लूम ने उससे राजद्रोह की गोष्ठी करके उसको प्रजा के सामने मारा, और उसको घात करके उसके स्थान पर राजा हुआ।11जकर्याह के और काम इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।12अतः यहोवा का वह वचन पूरा हुआ, जो उसने येहू से कहा था, “तेरे परपोते के पुत्र तक तेरी सन्तान इस्राएल की गद्दी पर बैठती जाएगी।” और वैसा ही हुआ।शल्लूम का राज्य

13यहूदा के राजा उज्जियाह के राज्य के उनतालीसवें वर्ष में याबेश का पुत्र शल्लूम राज्य करने लगा, और महीने भर सामरिया में राज्य करता रहा।14क्योंकि गादी के पुत्र मनहेम ने, तिर्सा से सामरिया को जाकर याबेश के पुत्र शल्लूम को वहीं मारा, और उसे घात करके उसके स्थान पर राजा हुआ।15शल्लूम के अन्य काम और उसने राजद्रोह की जो गोष्ठी की, यह सब इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखा है।16तब मनहेम ने तिर्सा से जाकर, सब निवासियों और आस-पास के देश समेत तिप्सह को इस कारण मार लिया, कि तिप्सहियों ने उसके लिये फाटक न खोले थे, इस कारण उसने उन्हें मार दिया, और उसमें जितनी गर्भवती स्त्रियाँ थीं, उन सभी को चीर डाला।मनहेम का राज्य

17यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के उनतालीसवें वर्ष में गादी का पुत्र मनहेम इस्राएल पर राज्य करने लगा, और दस वर्ष सामरिया में राज्य करता रहा।18उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, अर्थात् नबात के पुत्र यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह जीवन भर अलग न हुआ।19अश्शूर के राजा पूल ने देश पर चढ़ाई की, और मनहेम ने उसको हजार किक्कार चाँदी इस इच्छा से दी, कि वह उसका सहायक होकर राज्य को उसके हाथ में स्थिर रखे।20यह चाँदी अश्शूर के राजा को देने के लिये मनहेम ने बड़े-बड़े धनवान इस्राएलियों से ले ली, एक-एक पुरुष को पचास-पचास शेकेल चाँदी देनी पड़ी; तब अश्शूर का राजा देश को छोड़कर लौट गया।21मनहेम के और काम जो उसने किए, वे सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?22अन्त में मनहेम मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसका पुत्र पकहयाह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।पकहयाह और पेकह का राज्य

23यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के पचासवें वर्ष में मनहेम का पुत्र पकहयाह सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने लगा, और दो वर्ष तक राज्य करता रहा।24उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, अर्थात् नबात के पुत्र यारोबाम जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।25उसके सरदार रमल्याह के पुत्र पेकह ने उसके विरुद्ध राजद्रोह की गोष्ठी करके, सामरिया के राजभवन के गुम्मट में उसको और उसके संग अर्गोब और अर्ये को मारा; और पेकह के संग पचास गिलादी पुरुष थे, और वह उसका घात करके उसके स्थान पर राजा बन गया।26पकहयाह के और सब काम जो उसने किए, वह इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।पेकह का राज्य

27यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के बावनवें वर्ष में रमल्याह का पुत्र पेकह सामरिया में इस्राएल पर राज्य करने लगा, और बीस वर्ष तक राज्य करता रहा।28उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, अर्थात् नबात के पुत्र यारोबाम, जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।29इस्राएल के राजा पेकह के दिनों में अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर ने आकर इय्योन, आबेल्वेत्माका, यानोह, केदेश और हासोर नामक नगरों को और गिलाद और गलील, वरन् नप्ताली के पूरे देश को भी ले लिया, और उनके लोगों को बन्दी बनाकर अश्शूर को ले गया।30उज्जियाह के पुत्र योताम के बीसवें वर्ष में एला के पुत्र होशे ने रमल्याह के पुत्र पेकह के विरुद्ध राजद्रोह की गोष्ठी करके उसे मारा, और उसे घात करके उसके स्थान पर राजा बन गया।31पेकह के और सब काम जो उसने किए वह इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।योताम का राज्य

32रमल्याह के पुत्र इस्राएल के राजा पेकह के राज्य के दूसरे वर्ष में यहूदा के राजा उज्जियाह का पुत्र योताम राजा हुआ।33जब वह राज्य करने लगा, तब पच्चीस वर्ष का था, और यरूशलेम में सोलह वर्ष तक राज्य करता रहा। और उसकी माता का नाम यरूशा था जो सादोक की बेटी थी।34उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था\*, अर्थात् जैसा उसके पिता उज्जियाह ने किया था, ठीक वैसा ही उसने भी किया।35तो भी ऊँचे स्थान गिराए न गए, प्रजा के लोग उन पर उस समय भी बलि चढ़ाते और धूप जलाते रहे। यहोवा के भवन के ऊँचे फाटक को इसी ने बनाया था।36योताम के और सब काम जो उसने किए, वे क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?37उन दिनों में यहोवा अराम के राजा रसीन को, और रमल्याह के पुत्र पेकह को, यहूदा के विरुद्ध भेजने लगा।38अन्त में योताम मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और अपने मूलपुरुष दाऊद के नगर में अपने पुरखाओं के बीच उसको मिट्टी दी गई, और उसका पुत्र आहाज उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 15:1

##### यारोबाम के राज्य के सताईसवें वर्ष में

यारोबाम के राज्‍य के 27वें साल में

##### अजर्याह

यह राजा आज के दिनो में उज्‍जियाह के नाम से अच्‍छे से जाना जाता है।

##### यकोल्याह

यह अजर्याह की माता का नाम है।

##### जैसे ठीक था, वैसे ही वह भी करता था।

अजर्याह ने वही किया जो सही था।

##### जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था,

“जो यहोवा की नज़रो में सही था।”

#### 2 Kings 15:4

##### ऊँचे स्थान गिराए न गए

“किसी ने भी ऊँचे स्‍थानों को नहीं गिराया”

##### गिराए न गए

“नाश नहीं गए”

##### वह मरने के दिन तक

“उसके मरने के दिन तक”

##### योताम नामक राजपुत्र उसके घराने के काम पर अधिकारी होकर

“घराने के काम” राजा के महल में रहने वाले लोगों को दर्शाता है। क्‍योकि अजर्याह कोढ़ी था वह अलग कमरे में रहता था, इसलिऐ योताम ने महल का सारा काम अपने हाथो में ले लिया।

##### घराने के काम पर अधिकारी होकर

“वह राज घराने के कामों का अधिकारी था”

#### 2 Kings 15:6

##### क्या यहूदा के... राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

“यह सब यहूदा के राजा के इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

##### अजर्याह मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“अजर्याह अपने पुरखाओ के जैसै मर गया।”

##### उसको उसके पुरखाओं के बीच मिट्टी दी गई,

उसके परिवार ने उसे वहाँ दफनाया जहाँ उसके पूर्वजों को दफनाया था।

##### उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

अजर्याह के स्‍थान पर राजा बन गया”

#### 2 Kings 15:8

##### यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के अड़तीसवें वर्ष में

“यहूदा के राजा अजर्याह के राज्‍य काल के 38वें साल में“

##### यारोबाम का पुत्र जकर्याह

यारोबाम इस्राएल का दूसरा राजा था जिसका यह नाम है। वह यहोयाश राजा का बेटा था।

##### इस्राएल पर सामरिया में राज्य करने लगा, और छः महीने राज्य किया।

“सामरिया में रह कर छ: महीने तक राज्‍य किया”

##### उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है,

“यकर्याह ने दुष्टता के काम किए।”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है,

यहोवा की नज़रों में जो बुरा था।

##### बात के पुत्र यारोबाम के पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।

“उसने नबात के बेटे यरोबाम के जैसे पाप किये”

##### नबात के पुत्र यारोबाम

यह यारोबाम दक्षिण के दस गोत्रों का राजा था जो इस्राएल का राजा बना था।

##### जिस ने इस्राएल से पाप कराया था

“जिन्होने इस्राएल लोगों से पाप करवाया था”

#### 2 Kings 15:10

##### याबेश.... शल्लूम

यह दो पुरुषों के नाम है।

##### जकर्याह

“राजा जकर्याह”

##### उसके स्थान पर राजा हुआ।

“तब शल्लू‍म यकर्याह के स्‍थान पर राजा बन गया”

##### जकर्याह के काम और इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।

“यह सब इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

##### यहोवा का वह वचन पूरा हुआ,

“जो जकर्याह के साथ हुवा था यहोवा के कहे हुए वचनों के अनुसार हुआ था”

##### “तेरे परपोते के पुत्र तक तेरी सन्तान इस्राएल की गद्दी पर बैठती जाएगी।”

“चार पीड़ीयो तक तेरा वंश इस्राएल के राजा होंगे”

#### 2 Kings 15:13

##### यहूदा के राजा उज्जियाह के राज्य के उनतालीसवें वर्ष में

“यहूदा के राजा अजर्याह के राज्‍य काल के 39वें साल में“

##### याबेश... शल्लूम

“यह दोनो पुरुषो के नाम है”

##### गादी... मनहेम

“यह दोनों पुरुषों के नाम है

##### महीने भर सामरिया में राज्य करता रहा।

“शल्लू‍म ने सामरिया मे रहकर इस्राएल पर सिर्फ एक महीने के लिऐ राज्‍य किया”

##### उसके स्थान पर राजा हुआ।

“वह शल्लू‍म के स्थान पर राजा बन गया।”

#### 2 Kings 15:15

##### उसने राजद्रोह की जो गोष्ठी की,

“उसने जो राजा जकर्याह को मारने की योजना बनाई”

##### यह सब इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखा है।

“तुम इस्राएल के राजा के इतिहास की पुस्‍तक में पढ़ सकते हो”

##### तिर्सा

यह शहर का नाम है।

#### 2 Kings 15:17

##### यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के उनतालीसवें वर्ष में

यहूदा के राजा अजर्याह के राज्‍य काल के 39वें साल में”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था,

“जो यहोवा की नज़रों में बुरा था”

##### उनसे वह जीवन भर

”अपने जीवन के सारे समय में”

##### नबात के पुत्र यारोबाम के पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह जीवन भर अलग न हुआ।

“जकर्याह ने नबात के बेटे यारोबाम की तरह पाप करना न छोड़ा”

##### जिस ने इस्राएल से पाप कराया था

“जिसने इस्राएल के लोगों से पाप करवाया था”

#### 2 Kings 15:19

##### अश्शूर के राजा पूल ने देश पर चढ़ाई की

“पुल अश्‍शूर के राजा ने अपने सेना के साथ देश पर चढ़ाई कर दी”

##### अश्शूर के राजा पूल ने

”पूल नाम का आदमी जो अश्‍शूर का राजा था”

##### देश पर चढ़ाई की,

अपनी सेना के साथ इस्राएल के लोगों पर हमला करने को आया।

##### हजार किक्कार चाँदी

“34000 किलोग्राम चाँदी”

##### वह उसका सहायक होकर

“ताकि पूल उसकी सहायता कर सके”

##### राज्य को उसके हाथ में स्थिर रखे।

“इस्राएल के राज्‍य के ऊपर उसके राज्‍य को बल मिलता रहे”

##### बड़े-बड़े धनवान इस्राएलियों से ले ली,

“इस्राएल से यह धन ले गया”

##### पचास-पचास शेकेल चाँदी

“छे सो ग्राम चाँदी”

##### राजा देश को छोड़कर लौट गया।

“और इस्राएल देस को छोड़ कर चला गया”

#### 2 Kings 15:21

##### वे सब क्या इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

यह इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है

##### मनहेम मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“मनहेम अपने पुरखाओं की तरह मर गया”

##### पकहयाह

यह पुरुष का नाम है।

##### उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

वह मनहेम के स्‍थान पर राजा बन गया।

#### 2 Kings 15:23

##### यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के पचासवें वर्ष में

"यहूदा के राजा के राज्‍य काल के 50वें साल में “

##### पकहयाह

यह पुरुष का नाम है।

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था,

“जो यहोवा की नज़रो में जो बुरा है”

##### नबात के पुत्र यारोबाम के पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।

“पेकह ने नबात के बेटे यारोबाम की तरह पाप करना नहीं छोड़ा”

##### जिस ने इस्राएल से पाप कराया था,

“यहा पर इस्राएल शब्‍द इस्राएल राज्‍य के लोगो को दर्शाता है”

#### 2 Kings 15:25

##### रमल्याह... पेकह

यह पुरुषों के नाम है।

##### उसके विरुद्ध राजद्रोह की गोष्ठी करके,

“पेकह को मारने की शाजिस की गयी।”

##### पचास गिलादी पुरुष थे

“50आदमी”

##### अर्गोब... अर्ये

यह पुरुषों मे नाम हैं।

##### राजभवन के गुम्मट में

“राजा के महल में एक सुरक्षित स्‍थान “

##### उसके स्थान पर राजा बन गया।

“पकहयाह के स्‍थान पर राजा बन गया।”

##### वह इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।

“आप उनके विषय में इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्तक में पढ़ सकते हो”

#### 2 Kings 15:27

##### यहूदा के राजा अजर्याह के राज्य के बावनवें वर्ष में

यहूदा के राजा अजर्याह के राज्‍य काल के 52वें साल के दोरान”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था,

“जो यहोवा की नज़रो में बुरा था”

##### नबात के पुत्र यारोबाम, के पापों के अनुसार वह करता रहा, और उनसे वह अलग न हुआ।

“उसने यारोबाम के बेटे की तरह पाप करना नहीं छोड़ा”

#### 2 Kings 15:29

##### इस्राएल के राजा पेकह के दिनों में

“इस्राएल के राजा पेकह के राज्‍य काल के समय के दौरान”

##### तिग्लत्पिलेसेर

“यह आदमी पूल कहलाता था”

##### इय्योन...आबेल्वेत्माका...यानोह...केदेश...हासोर... गिलाद ...गलील... नप्ताली

यह शहरों के नाम हैं”

##### उनके लोगों को बन्दी बनाकर अश्शूर को ले गया।

“उसने और उसके परिवार ने लोगों को अश्‍शूर जाने के लिए मजबूर किया“

##### लोगों को

“इस्राएल के लोगों को”

##### एला... होशे

यह आदमीयो के नाम हैं।

##### राजद्रोह की गोष्ठी

यह किसी समूह के द्वारा शाजिस तहित किसी को नुकसान पहुँचाने के लिऐ बनाई गुप्‍त योजना होती है ।

##### विरुद्ध राजद्रोह की गोष्ठी करके उसे मारा,

“होशे ने पेकह पर हमला किया और उसे मार दिया”

##### उसके स्थान पर राजा बन गया।

“पेकह के स्‍थान पर राजा बन गया”

##### उज्जियाह के पुत्र योताम के बीसवें वर्ष में

“उज्‍जियाह के बेटे योताम के राज्‍य काल के 20वें साल में”

##### सब काम जो उसने किए वह इस्राएल के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में लिखे हैं।

“आप उनके विषय में इस्राएल के राजा की इतिहास की पुस्तक में पढ़ सकते हो”

#### 2 Kings 15:32

##### रमल्याह के पुत्र इस्राएल के राजा पेकह के राज्य के दूसरे वर्ष में

“इस्राएल के राजा, रमल्‍याह के पुत्र पेकह के राज्‍य काल के दूसरे साल में”

##### यहूदा के राजा उज्जियाह का पुत्र योताम राजा हुआ।

“यहूदा के राजा उज्‍जियाह का बेटा योताम यहूदा का राजा बन गया”

##### वह तब पच्चीस वर्ष का था...सोलह वर्ष

“वह पच्‍चीस साल का था... सोलह साल का”

##### यरूशा

“यह औरत का नाम है”

#### 2 Kings 15:34

##### जो यहोवा की दृष्टि में ठीक था\*,

“जो यहोवा की नजरों में सही है “

##### ऊँचे स्थान गिराए न गए,

“कोई भी ऊँचे स्‍थानो को गिरा ना पाएगा”

##### गिराए न गए,

“नाश ना किये गये”

##### योताम ने ऊँचे फाटक को बनाया था

“योताम के पास ऊँचे फाटक बनाने के लिऐ कर्मचारी थे”

##### क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

“यह सब यहूदा के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा हुआ है”

### Translation Questions

#### 2 Kings 15:5

##### यहोवा ने राजा अजर्याह को कैसे पीड़ित किया?

यहोवा ने राजा को यह पीड़ा दी की वह मरने तक कोढ़ी रहा और अलग एक घर में रहता था।

#### 2 Kings 15:7

##### अजर्याह के बदले कौन राजा बना?

उसका पुत्र योताम उसके बदले राजा बना।

#### 2 Kings 15:10

##### शल्लूम ने जकर्याह को कहां मारा?

शल्लूम ने जकर्याह को लोगो के सामने मारा।

#### 2 Kings 15:12

##### येहू के वंशज इस्राएल में कब तक शासन करेंगे?

येहू के वंशज चौथे पीढ़ी तक इस्राएल में शासन करेंगे।

#### 2 Kings 15:13

##### शल्लूम सामरिया पर एक ही महीने क्यों राज कर पाया?

शल्लूम सामरिया पर एक ही महीने ही राज कर पाया क्योंकि गादी के पुत्र मनहेम ने सामरिया जाकर उसे मार डाला।

#### 2 Kings 15:14

##### शल्लूम सामरिया पर एक ही महीने क्यों राज कर पाया?

शल्लूम सामरिया पर एक ही महीने ही राज कर पाया क्योंकि गादी के पुत्र मनहेम ने सामरिया जाकर उसे मार डाला।

#### 2 Kings 15:16

##### मनहेम ने तिप्सह और उसके लोगो पर क्यों हमला किया?

मनहेम ने तिप्सह और उसके लोगो पर हमला किया क्योंकि उन्होंने ने उसके लिए फाटक नहीं खोला था

#### 2 Kings 15:19

##### मनहेम ने अश्शूर के राजा पूल को एक हजार किक्कार चांदी कैसे जुटाई थी?

अश्शूर के राजा पूल को हजार किक्कार चान्दी मनहेम ने बड़े बड़े धनवान इस्राएलियों से ले ली, एक एक पुरुष को पचास पचास शेकेल चान्दी देनी पड़ी।

#### 2 Kings 15:20

##### मनहेम ने अश्शूर के राजा पूल को एक हजार किक्कार चांदी कैसे जुटाई थी?

अश्शूर के राजा पूल को हजार किक्कार चान्दी मनहेम ने बड़े बड़े धनवान इस्राएलियों से ले ली, एक एक पुरुष को पचास पचास शेकेल चान्दी देनी पड़ी।

#### 2 Kings 15:25

##### पकहयाह की हत्या किसने की?

पेकह ने पकहयाह की हत्या की।

#### 2 Kings 15:29

##### होशे ने पेकह के खिलाफ षड्‍यंत्र क्यों रचा ?

होशे ने पेकह के खिलाफ षड्‍यंत्र क्यों रचा क्योंकि अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर ने आकर कई शेहरो को तबाह कर दिया।

#### 2 Kings 15:30

##### होशे ने पेकह के खिलाफ षड्‍यंत्र क्यों रचा ?

होशे ने पेकह के खिलाफ षड्‍यंत्र क्यों रचा क्योंकि अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर ने आकर कई शेहरो को तबाह कर दिया।

#### 2 Kings 15:34

##### योताम किसके चरण चिन्हों पर चला?

योताम अपने पिता उजिय्याह के चरण चिन्हों पर चला था।

Chapter 16  
आहाज का राज्य

1रमल्याह के पुत्र पेकह के राज्य के सत्रहवें वर्ष में यहूदा के राजा योताम का पुत्र आहाज राज्य करने लगा।2जब आहाज राज्य करने लगा, तब वह बीस वर्ष का था, और सोलह वर्ष तक यरूशलेम में राज्य करता रहा। और उसने अपने मूलपुरुष दाऊद का सा काम नहीं किया, जो उसके परमेश्‍वर यहोवा की दृष्टि में ठीक था।3परन्तु वह इस्राएल के राजाओं की सी चाल चला, वरन् उन जातियों के घिनौने कामों के अनुसार, जिन्हें यहोवा ने इस्राएलियों के सामने से देश से निकाल दिया था, उसने अपने बेटे को भी आग में होम कर दिया\*।4वह ऊँचे स्थानों पर, और पहाड़ियों पर, और सब हरे वृक्षों के नीचे, बलि चढ़ाया और धूप जलाया करता था।5तब अराम के राजा रसीन, और रमल्याह के पुत्र इस्राएल के राजा पेकह ने लड़ने के लिये यरूशलेम पर चढ़ाई की, और उन्होंने आहाज को घेर लिया, परन्तु युद्ध करके उनसे कुछ बन न पड़ा।6उस समय अराम के राजा रसीन ने, एलत को अराम के वश में करके, यहूदियों को वहाँ से निकाल दिया; तब अरामी लोग एलत को गए, और आज के दिन तक वहाँ रहते हैं।7अतः आहाज ने दूत भेजकर अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर के पास कहला भेजा, “मुझे अपना दास, वरन् बेटा जानकर चढ़ाई कर, और मुझे अराम के राजा और इस्राएल के राजा के हाथ से बचा जो मेरे विरुद्ध उठे हैं।” 8आहाज ने यहोवा के भवन में और राजभवन के भण्डारों में जितना सोना-चाँदी मिला उसे अश्शूर के राजा के पास भेंट करके भेज दिया।9उसकी मानकर अश्शूर के राजा ने दमिश्क पर चढ़ाई की, और उसे लेकर उसके लोगों को बन्दी बनाकर, कीर को ले गया, और रसीन को मार डाला।10तब राजा आहाज अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर से भेंट करने के लिये दमिश्क को गया, और वहाँ की वेदी देखकर उसकी सब बनावट के अनुसार उसका नक्शा ऊरिय्याह याजक के पास नमूना करके भेज दिया।11ठीक इसी नमूने के अनुसार जिसे राजा आहाज ने दमिश्क से भेजा था, ऊरिय्याह याजक ने राजा आहाज के दमिश्क से आने तक एक वेदी बना दी।12जब राजा दमिश्क से आया तब उसने उस वेदी को देखा, और उसके निकट जाकर उस पर बलि चढ़ाए।13उसी वेदी पर उसने अपना होमबलि और अन्नबलि जलाया, और अर्घ दिया और मेलबलियों का लहू छिड़क दिया।14और पीतल की जो वेदी यहोवा के सामने रहती थी उसको उसने भवन के सामने से अर्थात् अपनी वेदी और यहोवा के भवन के बीच से हटाकर, उस वेदी के उत्तर की ओर रख दिया।15तब राजा आहाज ने ऊरिय्याह याजक को यह आज्ञा दी, “भोर के होमबलि और सांझ के अन्नबलि, राजा के होमबलि और उसके अन्नबलि, और सब साधारण लोगों के होमबलि और अर्घ बड़ी वेदी पर चढ़ाया कर, और होमबलियों और मेलबलियों का सब लहू उस पर छिड़क; और पीतल की वेदी को मैं यहोवा से पूछने के लिये प्रयोग करूँगा।” 16राजा आहाज की इस आज्ञा के अनुसार ऊरिय्याह याजक ने किया।17फिर राजा आहाज ने कुर्सियों की पटरियों को काट डाला, और हौदियों को उन पर से उतार दिया, और बड़े हौद को उन पीतल के बैलों पर से जो उसके नीचे थे उतारकर, पत्थरों के फर्श पर रख दिया।18विश्राम के दिन के लिये जो छाया हुआ स्थान भवन में बना था, और राजा के बाहरी प्रवेश-द्वार को उसने अश्शूर के राजा के कारण यहोवा के भवन से अलग कर दिया।19आहाज के और काम जो उसने किए, वे क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?20अन्त में आहाज मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसे उसके पुरखाओं के बीच दाऊदपुर में मिट्टी दी गई, और उसका पुत्र हिजकिय्याह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 16:1

##### रमल्याह के पुत्र पेकह के राज्य के सत्रहवें वर्ष में

“रमल्‍याह के पुत्र पेकह के शासम काल के 17 साल में”

##### रमल्याह..... पेकह

यह आदमीयों के नाम है।

##### जो उसके परमेश्‍वर यहोवा की दृष्टि में ठीक था।

“जो उसका यहोवा परमेश्वर सही समझता है”

##### अपने मूलपुरुष दाऊद का सा काम नहीं किया

“दाऊद ने वही किया जो सही था”

#### 2 Kings 16:3

##### वह इस्राएल के राजाओं की सी चाल चला,

“राजा आहाज ने वैसे ही काम किये जैसे इस्राएल के राजा करते थे”

##### जातियों के घिनौने कामों के अनुसार

“वैसे ही घिनोने काम कर रहे है जो अन्य जातियाँ करती हैं”

##### जातियों के

“अन्य जातीयों के लोग“

##### जिन्हें यहोवा ने निकाल दिया था

“जिन्‍हे यहोवा ने अपने बल से निकाल दिया”

##### इस्राएलियों के सामने से

“जैसे इस्‍राऐल के लोग ओर देश में चले गये थे“

##### ऊँचे स्थानों पर, और पहाड़ियों पर, और सब हरे वृक्षों के नीचे,

“यह वह स्‍थान है यहा अन्‍य लोग अपने झूठे देवताओं की पूजा करते है”

##### सब हरे वृक्षों के नीचे

“देश के चारो तरफ बहुत सारे पेड़ों के नीचे”

#### 2 Kings 16:5

##### रसीन... पेकह... रमल्याह

यह पुरूषों के नाम है।

##### आहाज को घेर लिया,

“आहाज के साथ शहर के अंदर चारों ओर”

##### एलत को अराम के वश में करके,

“एलत के शहर पर नियंत्रन ले लिया”

##### एलत

“यह शहर का नाम है”

##### यहूदियों को एलत से निकाल दिया

“यहूदीयों को एलत छोड़ने के लिए मझबूर किया गया”

#### 2 Kings 16:7

##### तिग्लत्पिलेसेर

इस आदमी को “पूल“ कहा जाता था। यह आदमी का नाम है।

##### “मुझे अपना दास, वरन् बेटा जानकर

“मैं आपके बेटे ओर दास के समान आपकी आज्ञा का पालण करूँगा”

##### अराम के राजा और इस्राएल के राजा के हाथ से

“आराम और इस्राएळ के राजा के बल से”

##### जो मेरे विरुद्ध उठे हैं।

“जिनकी सेनायों ने मुझ पर हमला किया”

##### अश्शूर के राजा ने दमिश्क पर चढ़ाई की

“अश्‍शूर के राजा और उसकी सेना दमिश्‍क पर के विरुध लड़ने गई”

##### लोगों को बन्दी बनाकर, कीर को ले गया,

“लोगों को अपने बन्‍दी बनाकर कीर को जाने के लिए मजबूर किया”

##### कीर

“कीर का अर्थ है शहर यह अश्‍शूर की राजधानी थी”

#### 2 Kings 16:10

##### सब बनावट के अनुसार

“वह सब निर्देश जिनकी मजदूरों को इसे बनाने के लिए जरूरत थी”

#### 2 Kings 16:13

##### सामान्य जानकारी

यही है जो राजा आहाज ने दमिश्‍क से लौटने के बाद किया था और जिस वेदी को बनाने की आज्ञा दी थी उसे देखने गया”

##### उसने अपना होमबलि दिया

“राजा आहाज ने अपनी होमबली दी”

##### वेदी पर

यह उस वेदी को दर्शाता है जिसको बानाने के लिए राजा आहाज ने ऊरीआह को कहा था।

##### पीतल की जो वेदी यहोवा के सामने रहती थी

यह वेदी है जो बहुत पहले परमेश्वर के निर्देशों के अनुसार इस्राएल के लोगों ने बनाई थी।

##### पीतल की जो वेदी यहोवा के सामने रहती थी

“पीतल की वेदी जो भवन के सामने थी”

##### भवन के सामने से ...अपनी वेदी और यहोवा के भवन के बीच से

“यह दोनो वाक्‍यांश बताते है कि पीतल की वेदी कहा थी, यह एक ही स्‍थान को दर्शाते है”

#### 2 Kings 16:15

##### बड़ी वेदी

यह नई वेदी को दर्शाता है जिसको बनाने के लिए राजा आहाज ने ऊरिय्‍याह को कहा था।

##### राजा के होमबलि और उसके अन्नबलि,

“मेरी होमबली और मेरी अन्नबलि”

#### 2 Kings 16:17

##### पीतल के बैलों पर

यह पहीयों पर खड़ा रहता है ताकि वह इधर-उधर किया जा सके “खिसकाने वाला सटैंड़”

##### बड़े हौद को …उतारकर, पत्थरों के फर्श पर रख दिया

“वह बड़े हौद को भी हटा दिया”

##### अश्शूर के राजा के कारण

“अश्‍शूर के राजा को प्रसन्न करने के लिये”

#### 2 Kings 16:19

##### यहूदा.... क्या पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

“यह यहूदा के राजाओं की घटनाओं की किताब में लिखे हुए हैं”

##### आहाज मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“आहाज अपने पुरखों के समान मर गया“

##### उसे उसके पुरखाओं के बीच दाऊदपुर में मिट्टी दी गई,

“और लोगो ने उसे उसके पुरखो के साथ दफन कर दिया”

##### उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

“आहाज के स्‍थान पर राजा बन गया”

### Translation Questions

#### 2 Kings 16:3

##### आहाज ने अपने पुत्र का क्या किया था?

आहाज ने अन्य जातियों के घृणित कामों के अनुसार अपने पुत्र को होम कर दिया था।

#### 2 Kings 16:5

##### यरूशलेम पर रसीन ने आक्रमण तो किया परन्तु वह क्या नहीं कर पाया?

वह यरूशलेम पर आक्रमण करके आहाज को जीत नहीं पाया।

#### 2 Kings 16:8

##### आहाज ने अश्शूरी राजा को क्या भेंट भेजा?

आहाज ने यहोवा के भवन औरऔर राजभवन के भण्डारों में जितना सोना-चाँदी मिला उसे अश्शूरी राजा को भेंट करके भेजा।

#### 2 Kings 16:10

##### आहाज ऊरिय्याह से किस वेदी की नकल बनवाना चाहता था?

आहाज दमिश्क की वेदी की नकल बनवाना चाहता था।

#### 2 Kings 16:11

##### आहाज ऊरिय्याह से किस वेदी की नकल बनवाना चाहता था?

आहाज दमिश्क की वेदी की नकल बनवाना चाहता था।

#### 2 Kings 16:13

##### होमबलि और अन्नबलि किसने चढ़ाई?

राजा ने होमबलि और अन्नबलि चढ़ाई।

#### 2 Kings 16:15

##### उस पीतल की वेदी का उद्देश्य क्या था?

वह पीतल की वेदी आहाज के लिए थी कि वह परमेश्वर से सहायता मांगे।

#### 2 Kings 16:18

##### आहाज ने विश्राम के दिन के लिए जो छाया हुआ स्थान भवन में बना था और राजा के बाहरी प्रवेश द्वार को क्यों हटवा दिया?

आहाज ने अश्शूर के राजा के कारण, यहोवा के मन्दिर के बाहर राजा के प्रवेश के साथ मंदिर में बनाए गए सब्त के लिए ढके हुए रास्ते को हटा दिया।

Chapter 17  
होशे का इस्राएल में शासन

1यहूदा के राजा आहाज के राज्य के बारहवें वर्ष में एला का पुत्र होशे सामरिया में, इस्राएल पर राज्य करने लगा, और नौ वर्ष तक राज्य करता रहा।2उसने वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, परन्तु इस्राएल के उन राजाओं के बराबर नहीं जो उससे पहले थे।3उस पर अश्शूर के राजा शल्मनेसेर ने चढ़ाई की, और होशे उसके अधीन होकर, उसको भेंट देने लगा।4परन्तु अश्शूर के राजा ने होशे के राजद्रोह की गोष्ठी को जान लिया, क्योंकि उसने सो नामक मिस्र के राजा के पास दूत भेजे थे और अश्शूर के राजा के पास वार्षिक भेंट भेजनी छोड़ दी; इस कारण अश्शूर के राजा ने उसको बन्दी बनाया, और बेड़ी डालकर बन्दीगृह में डाल दिया।5तब अश्शूर के राजा ने पूरे देश पर चढ़ाई की, और सामरिया को जाकर तीन वर्ष तक उसे घेरे रहा।6होशे के नौवें वर्ष में अश्शूर के राजा ने सामरिया को ले लिया, और इस्राएलियों को अश्शूर में ले जाकर, हलह में और गोजान की नदी हाबोर के पास और मादियों के नगरों में बसाया।7इसका यह कारण है, कि यद्यपि इस्राएलियों का परमेश्‍वर यहोवा उनको मिस्र के राजा फ़िरौन के हाथ से छुड़ाकर मिस्र देश से निकाल लाया था, तो भी उन्होंने उसके विरुद्ध पाप किया\*, और पराये देवताओं का भय माना,8और जिन जातियों को यहोवा ने इस्राएलियों के सामने से देश से निकाला था, उनकी रीति पर, और अपने राजाओं की चलाई हुई रीतियों पर चलते थे।9इस्राएलियों ने कपट करके अपने परमेश्‍वर यहोवा के विरुद्ध अनुचित काम किए, अर्थात् पहरुओं के गुम्मट से लेकर गढ़वाले नगर तक अपनी सारी बस्तियों में ऊँचे स्थान बना लिए;10और सब ऊँची पहाड़ियों पर, और सब हरे वृक्षों के नीचे लाठें और अशेरा खड़े कर लिए।11ऐसे ऊँचे स्थानों में उन जातियों के समान जिनको यहोवा ने उनके सामने से निकाल दिया था, धूप जलाया\*, और यहोवा को क्रोध दिलाने के योग्य बुरे काम किए,12और मूरतों की उपासना की, जिसके विषय यहोवा ने उनसे कहा था, “तुम यह काम न करना।” 13तो भी यहोवा ने सब भविष्यद्वक्ताओं और सब दर्शियों के द्वारा इस्राएल और यहूदा को यह कहकर चिताया\* था, “अपनी बुरी चाल छोड़कर उस सारी व्यवस्था के अनुसार जो मैंने तुम्हारे पुरखाओं को दी थी, और अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के हाथ तुम्हारे पास पहुँचाई है, मेरी आज्ञाओं और विधियों को माना करो।” 14परन्तु उन्होंने न माना, वरन् अपने उन पुरखाओं के समान, जिन्होंने अपने परमेश्‍वर यहोवा का विश्वास न किया था, वे भी हठीले बन गए।15वे उसकी विधियों और अपने पुरखाओं के साथ उसकी वाचा, और जो चितौनियाँ उसने उन्हें दी थीं, उनको तुच्छ जानकर, निकम्मी बातों के पीछे हो लिए; जिससे वे आप निकम्मे हो गए, और अपने चारों ओर की उन जातियों के पीछे भी हो लिए जिनके विषय यहोवा ने उन्हें आज्ञा दी थी कि उनके से काम न करना।16वरन् उन्होंने अपने परमेश्‍वर यहोवा की सब आज्ञाओं को त्याग दिया, और दो बछड़ों की मूरतें ढालकर बनाईं, और अशेरा भी बनाई; और आकाश के सारे गणों को दण्डवत् की, और बाल की उपासना की।17उन्होंने अपने बेटे-बेटियों को आग में होम करके चढ़ाया; और भावी कहनेवालों से पूछने, और टोना करने लगे; और जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था जिससे वह क्रोधित भी होता है, उसके करने को अपनी इच्छा से बिक गए।18इस कारण यहोवा इस्राएल से अति क्रोधित हुआ, और उन्हें अपने सामने से दूर कर दिया; यहूदा का गोत्र छोड़ और कोई बचा न रहा।19यहूदा ने भी अपने परमेश्‍वर यहोवा की आज्ञाएँ न मानीं, वरन् जो विधियाँ इस्राएल ने चलाई थीं, उन पर चलने लगे।20तब यहोवा ने इस्राएल की सारी सन्तान को छोड़कर, उनको दुःख दिया, और लूटनेवालों के हाथ कर दिया, और अन्त में उन्हें अपने सामने से निकाल दिया।21जब उसने इस्राएल को दाऊद के घराने के हाथ से छीन लिया, तो उन्होंने नबात के पुत्र यारोबाम को अपना राजा बनाया; और यारोबाम ने इस्राएल को यहोवा के पीछे चलने से दूर खींचकर उनसे बड़ा पाप कराया।22अतः जैसे पाप यारोबाम ने किए थे, वैसे ही पाप इस्राएली भी करते रहे, और उनसे अलग न हुए।23अन्त में यहोवा ने इस्राएल को अपने सामने से दूर कर दिया, जैसे कि उसने अपने सब दास भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा था। इस प्रकार इस्राएल अपने देश से निकालकर अश्शूर को पहुँचाया गया, जहाँ वह आज के दिन तक रहता है।इस्राएल के देश में अन्य जातिवालों का बसाया जाना

24अश्शूर के राजा ने बाबेल, कूता, अव्वा, हमात और सपर्वैम नगरों से लोगों को लाकर, इस्राएलियों के स्थान पर सामरिया के नगरों में बसाया; सो वे सामरिया के अधिकारी होकर उसके नगरों में रहने लगे।25जब वे वहाँ पहले-पहले रहने लगे, तब यहोवा का भय न मानते थे, इस कारण यहोवा ने उनके बीच सिंह भेजे, जो उनको मार डालने लगे।26इस कारण उन्होंने अश्शूर के राजा के पास कहला भेजा कि जो जातियाँ तूने उनके देशों से निकालकर सामरिया के नगरों में बसा दी हैं, वे उस देश के देवता की रीति नहीं जानतीं, इससे उसने उसके मध्य सिंह भेजे हैं जो उनको इसलिए मार डालते हैं कि वे उस देश के देवता की रीति नहीं जानते।27तब अश्शूर के राजा ने आज्ञा दी, “जिन याजकों को तुम उस देश से ले आए, उनमें से एक को वहाँ पहुँचा दो; और वह वहाँ जाकर रहे, और वह उनको उस देश के देवता की रीति सिखाए।” 28तब जो याजक सामरिया से निकाले गए थे, उनमें से एक जाकर बेतेल में रहने लगा, और उनको सिखाने लगा कि यहोवा का भय किस रीति से मानना चाहिये।29तो भी एक-एक जाति के लोगों ने अपने-अपने निज देवता बनाकर, अपने-अपने बसाए हुए नगर में उन ऊँचे स्थानों के भवनों में रखा जो सामरिया के वासियों ने बनाए थे।30बाबेल के मनुष्यों ने सुक्कोतबनोत को, कूत के मनुष्यों ने नेर्गल को, हमात के मनुष्यों ने अशीमा को,31और अव्वियों ने निभज, और तर्त्ताक को स्थापित किया; और सपर्वैमी लोग अपने बेटों को अद्रम्मेलेक और अनम्मेलेक नामक सपर्वैम के देवताओं के लिये होम करके चढ़ाने लगे।32अतः वे यहोवा का भय मानते तो थे, परन्तु सब प्रकार के लोगों में से ऊँचे स्थानों के याजक भी ठहरा देते थे, जो ऊँचे स्थानों के भवनों में उनके लिये बलि करते थे।33वे यहोवा का भय मानते तो थे, परन्तु उन जातियों की रीति पर, जिनके बीच से वे निकाले गए थे, अपने-अपने देवताओं की भी उपासना करते रहे।34आज के दिन तक वे अपनी पुरानी रीतियों पर चलते हैं, वे यहोवा का भय नहीं मानते।वे न तो उन विधियों और नियमों पर और न उस व्यवस्था और आज्ञा के अनुसार चलते हैं, जो यहोवा ने याकूब की सन्तान को दी थी, जिसका नाम उसने इस्राएल रखा था।35उनसे यहोवा ने वाचा बाँधकर उन्हें यह आज्ञा दी थी, “तुम पराये देवताओं का भय न मानना और न उन्हें दण्डवत् करना और न उनकी उपासना करना और न उनको बलि चढ़ाना।36परन्तु यहोवा जो तुम को बड़े बल और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा मिस्र देश से निकाल ले आया, तुम उसी का भय मानना, उसी को दण्डवत् करना और उसी को बलि चढ़ाना।37और उसने जो-जो विधियाँ और नियम और जो व्यवस्था और आज्ञाएँ तुम्हारे लिये लिखीं, उन्हें तुम सदा चौकसी से मानते रहो; और पराये देवताओं का भय न मानना।38और जो वाचा मैंने तुम्हारे साथ बाँधी है, उसे न भूलना और पराये देवताओं का भय न मानना।39केवल अपने परमेश्‍वर यहोवा का भय मानना, वही तुम को तुम्हारे सब शत्रुओं के हाथ से बचाएगा।” 40तो भी उन्होंने न माना, परन्तु वे अपनी पुरानी रीति के अनुसार करते रहे।41अतएव वे जातियाँ यहोवा का भय मानती तो थीं, परन्तु अपनी खुदी हुई मूरतों की उपासना भी करती रहीं, और जैसे वे करते थे वैसे ही उनके बेटे पोते भी आज के दिन तक करते हैं।

#### 2 Kings 17:1

##### एला का पुत्र होशे

होशे ईस्‍राऐल के उतरी राज्‍य का राजा बन गया।

##### एला

यह आदमी का नम है।

##### वह सामरिया में राज्य करने लगा था

सामरिया ईस्‍राऐल का मुख्‍य शहर है।

##### यहोवा की दृष्टि में बुरा था

उसने मूसा को यहोवा के द्वारा दी गयी आज्ञा को नही माना “यह यहोवा की नजरो में बुरा था”

##### होशे उसके अधीन होकर, उसको भेंट देने लगा।

होशे ने वही किया जो अश्‍शूर के राजा ने हुकम दिया था और राजा के पास धन्‍न लेकर आया कि वह ईस्‍राऐल को नाश ना करे।

##### शल्मनेसेर

यह पुरष का नाम है”

#### 2 Kings 17:4

##### सो

यह पुरष का नाम है।

##### वार्षिक

“हर साल”

##### बेड़ी डालकर बन्दीगृह में डाल दिया।

होशे को बन्‍दीग्रह में डाल दिया।

##### घेरे रहा

“गुलामी को मझबूर करने के लिऐ शहर के चारों तरफ सेना लगा दी”

##### इस्राएलियों को अश्शूर में ले जाकर

“वह इस्राएल के लोगो को अश्‍शूर में ले गये”

##### हलह.. गोजाननदी... हाबोर

“यह स्‍थानों के नाम है”

##### मादियों

“यह लोगों के समूह का नाम है”

#### 2 Kings 17:7

##### सामन्‍य जानकारी

पाठक ईस्‍राएल पर यहोवा के न्‍याय को संखेप करने के लिऐ रुका है।

##### इसका यह कारण है,

“यह अश्‍शूरो के द्वारा ईस्‍राऐलीयो के बन्‍दी हो जाने को दर्शाता है”

##### के हाथ से

“के नियंत्रण”

##### अपने राजाओं की चलाई हुई रीतियों पर चलते थे।

“रीतीयो के अनुसार चलते थे”

#### 2 Kings 17:9

##### सामान्‍य जानकारी

यहाँ इस्राएल पर यहोवा के न्‍याय को लगातार संक्षेप में बताया जा रहा है

##### सब ऊँची पहाड़ियों पर, और सब हरे वृक्षों के नीचे

“हर स्था‍न पर ऊँचे पहाड़ों पर और हरे पेड़ो के नीचे”

#### 2 Kings 17:11

##### सामान्‍य जानकारी

यहाँ इस्राएल पर यहोवा के न्‍याय को लगातार संक्षेप में बताया जा रहा है

##### यहोवा को क्रोध दिलाने के योग्य बुरे काम किए,

“बहुत घिणोनें काम किये जो यहोवा को क्रोधित करते है”

##### जिसके विषय यहोवा ने उनसे कहा था, “तुम यह काम न करना।”

जिसके विषय में यहोवा ने चेतावनी दी थी।

#### 2 Kings 17:13

##### सामान्‍य जानकारी

यहाँ इस्राएल पर यहोवा के न्‍याय को लगातार संक्षेप में बताया जा रहा है

##### यहोवा ने कहकर चिताया... अपने दास भविष्यद्वक्ताओं से

“यहोवा ने नबीयों के द्वारा बात की”

##### अपनी बुरी चाल छोड़कर

“जो बुरे काम तुम कर रहे हो बन्‍द करो”

##### अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के हा तुम्हारे पास पहुँचाई है,

“परमेश्वर के लोगों को आज्ञा और विधीयों को स्‍मरण कराने के लिए यहोवा द्वारा नबीयों को भेजा जाता था”

#### 2 Kings 17:14

##### सामान्‍य जानकारी

यहाँ इस्राएल पर यहोवा के न्‍याय को लगातार संक्षेप में बताया जा रहा है

##### वे भी हठीले बन गए।

वह परमेश्वर की विधीयों का पालन करने के लिए और उस पर भरोसा करने के इच्‍छुक नहीं थे

##### उसकी विधियों, उसकी वाचा, तुच्छ जानकर,

वह परमेश्‍वर की विधीयों का पालन करने से मना करते थे।

##### निकम्मी बातों के पीछे हो लिए

“वह अपने आस पास के लोगों के रीती रीवाजों को मानते थे”

##### उनके से काम न करना।

“उनकी नकल मत करो”

#### 2 Kings 17:16

##### सामान्य जानकारी

यहाँ इस्राएल पर यहोवा के न्‍याय को लगातार संक्षेप में बताया जा रहा है

##### मूरतें ढालकर बनाईं,

ढालकर मूर्ते बनाना ,धातू को ढालकर बनाई गयी आक्रिती की वस्‍तुएँ हैं।

##### टोना

“जादू टोना”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था जिससे वह क्रोधित भी होता है, उसके करने को अपनी इच्छा से बिक गए।

अपने आप को उन कामों में लगाया जिन्हे यहोवा ने बुरा कहा था।

##### यहोवा ने उन्हें अपने सामने से दूर कर दिया

“यहोवा ने उन्‍हे अपने मन से निकाल दिया”

#### 2 Kings 17:19

##### सामान्य जानकारी

यहोवा के दण्ड के संक्षेप में यहूदा की मूर्ती पूजा भी शामिल है।

##### उनको दुःख दिया

“यहोवा ने इस्राएल को सजा दी”

##### यहूदा

“यहूदा के लोग”

##### उनको लूटनेवालों के हाथ कर दिया,

“उनको उन लोगों के हाथों में कर दिया जो उनकी धन और संपत्ति को लूटते हैं”

##### अन्त में उन्हें अपने सामने से निकाल दिया।

“उसने उन सब से छुटकारा पा लिया”

#### 2 Kings 17:21

##### सामान्य जानकारी

इस्राएल के उपर यहोवा के न्‍याय के इतिहास को जोड़कर बताना जारी रखा

##### जब उसने इस्राएल को छीन लिया,

“यहोवा ने इस्राएल के लोगों को निकाल दिया”

##### दाऊद के घराने के हाथ से

“दाऊद के घराने की राज्य करने की तैयारी “

##### यहोवा के पीछे चलने से दूर खींचकर उनसे बड़ा पाप कराया।

“इस्राएल के लोगों को बदल कर यहोवा की पालना से पूरा कर दिया”

##### उनसे अलग न हुए।

“वह उन पापों से नहीं मुड़े”

##### यहोवा ने इस्राएल को अपने सामने से दूर कर दिया,

“इस लिए यहोवा ने इस्राएल के लोगों की चिंता और देखभाल करनी छोड़ दी।

#### 2 Kings 17:24

##### सामान्य जानकारी

यहोवा का न्‍याय अश्‍शूर के रहने वाले नये लोगों के विरुध जारी है जो अपने धार्मिक मूर्ती पूजा का अभ्यास करते हैं।

##### कूता, अव्वा, हमात और सपर्वैम

यह अश्‍शूर के राज्‍य में स्‍थानों के नाम है।

##### जब वे वहाँ पहले-पहले रहने लगे,

“जब वह लोग पहले वहाँ रहते थे”

##### जो जातियाँ तूने उनके देशों से निकालकर सामरिया के नगरों में बसा दी हैं,

“लोग जो अन्‍य देशो की और निकाल दिये गये और सामरिया के शहरो में रहने के लिऐ भेजे गये थे”

##### वे उस देश के देवता की रीति नहीं जानतीं,

वे नहीं जानते थे कि उस परमेश्वर की अराधना कैसे करनी है जिसकी अराधना इस्राऐली लोग इस देश में करते थे।

#### 2 Kings 17:27

##### उनमें से एक को वहाँ पहुँचा दो

“सामरिया से आये हुवे याजकों को वापस वहीं ले जायो”

##### वह उनको उस देश के देवता की रीति सिखाए।

“सामरिया के याजकों को वहाँ के रहने वाले लोगों को सिखाने दो”

#### 2 Kings 17:29

##### सुक्कोतबनोत...नेर्गल...अशीमा...निभजतर्त्ताक.. अद्रम्मेलेक...अनम्मेलेक

“यह देवी और देवताओं के नाम हैं”

##### कूत..हमात

यह स्‍थानों के नाम हैं।

##### अव्वियों ...सपर्वैमी

यह लोगों के कबीलों के नाम हैं।

##### अपने बेटों को देवताओं के लिये होम करके आग में चढ़ाने लगे।

वह अपने बच्‍चो को आग में बलिदान करने लगे।

#### 2 Kings 17:32

##### वे

यह “वे“ अन्‍य जाती के लोगो को दर्शाता है जिनको अश्‍शूर के राजा ने सामरिया के शहरों की ओर निकाल दिया था।

#### 2 Kings 17:34

##### वे अपनी पुरानी रीतियों पर चलते हैं,

“वह लगातार अपनी पुरानी आदतों के साथ चल रहे है”

##### वे न तो उस व्यवस्था और आज्ञा के अनुसार चलते हैं,

लोग यहोवा को शांत करने में भरोसा करते थे। वह न तो इच्‍छुक थे और ना ही यह जानते थे कि यहोवा उनके साथ संबंध रखने का इच्‍छुक हैं।

#### 2 Kings 17:36

##### सामान्य जानकारी

यह संक्षेप केवल यहोवा ही की अराधना करने के निवेदन के साथ समाप्त होता है

##### बड़े बल और बढ़ाई हुई भुजा के द्वारा

“बहुत महान शक्ति के साथ”

##### मानना,

उनकी आज्ञा का पालन करें

#### 2 Kings 17:39

##### सामान्य जानकारी

यह संक्षेप केवल यहोवा ही की अराधना करने के निवेदन के साथ समाप्त होता है

##### उन्होंने न माना

“उन्‍होने आज्ञा का पालन नहीं किया”

##### वे जातियाँ यहोवा का भय मानती थीं

यह जातीया सिरफ यहोवा का भेय मानती है उसको शांत करने के लिऐ उसी तरह वह अपने भगवनो को मानते है।

##### आज के दिन तक

“यह उस समय को दर्शाता है जब लेखक जीवित था”

### Translation Questions

#### 2 Kings 17:3

##### होशे ने शल्मनेसेर की अधीनता में रहते हुए क्या किया?

होशे उसका दास बनकर, उसको भेंट देने लगा।

#### 2 Kings 17:4

##### होशे शल्मनेसेर के विरूद्ध राजद्रोह की गोष्ठी कैसे कर रहा था?

होशे शल्मनेसेर के विरूद्ध राजद्रोह की गोष्ठी होशे ने सो नामक मिस्र के राजा के पास दूत भेजे थे।

#### 2 Kings 17:7

##### बन्धुआई का कारण क्या था?

बन्धुआई का कारण यहोवा के विरूद्ध इस्राएल का पाप था।

#### 2 Kings 17:12

##### यहोवा ने इस्राएलियों के लिए किस बात की निषेधाज्ञा दी थी?

यहोवा ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे मूर्ति पूजा न करें।

#### 2 Kings 17:13

##### यहोवा ने इस्राएल और यहूदा के लिए किसको साक्षी ठहराया था?

यहोवा ने सब भविष्यद्वक्ताओं और दर्शियों के माध्यम से इस्राएल और यहूदा को चिताया था।

#### 2 Kings 17:14

##### इस्राएली किसके जैसे हठीले थे?

इस्राएली अपने पुरखाओं के जैसे हठीले थे जिन्होंने अपने परमेश्‍वर यहोवा का विश्वास न किया था।

#### 2 Kings 17:17

##### इस्राएलियों ने अपने आप को कैसे बेच दिया था?

इस्राएलियों ने यहोवा की दृष्टि में बुरे काम करने के लिए अपने आप को बेच दिया था।

#### 2 Kings 17:22

##### यहोवा ने इस्राएल को अपने सामने से क्यों दूर कर दिया था?

इस्राएलियों ने यारोबाम के जैसे पाप किये और उनसे अलग न हुए इसलिए परमेश्वर ने इस्राएल को अपने सामने से दूर कर दिया था।

#### 2 Kings 17:23

##### यहोवा ने इस्राएल को अपने सामने से क्यों दूर कर दिया था?

इस्राएलियों ने यारोबाम के जैसे पाप किये और उनसे अलग न हुए इसलिए परमेश्वर ने इस्राएल को अपने सामने से दूर कर दिया था।

#### 2 Kings 17:25

##### यहोवा ने सामरिया में बसाई गई नई जातियों में सिंह क्यों भेजे?

सामरिया में वास करने वाली नई जातियां यहोवा का भय नहीं मानती थीं इसलिए यहोवा ने उनकी हानि के लिए सिंह भेजे।

#### 2 Kings 17:28

##### बेतेल में नए लोगों को याजकों ने क्या शिक्षा दी?

याजक ने उन्हें सिखाया कि उन्हें यहोवा का भय किस रीति से करना चाहिए।

#### 2 Kings 17:29

##### हर एक जाति के लोगों ने अपने निज देवता को कहां रखा?

सब जातियों ने अपने-अपने देवता बनाकर उन ऊंचे स्थानों के भवनों में रखा जो सामरिया वासियों ने बनाए थे।

#### 2 Kings 17:32

##### अपने-अपने देवताओं के अतिरिक्त उन नई जातियों ने किसका भय माना?

उन जातियों ने यहोवा का भय माना।

#### 2 Kings 17:34

##### इन नई जातियों ने अन्ततः यहोवा का भय नहीं माना, वह कैसे?

नई जातियों ने अन्ततः यहोवा का भय नहीं माना क्योंकि उसने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे पराये देवताओं का भय न माने।

#### 2 Kings 17:35

##### इन नई जातियों ने अन्ततः यहोवा का भय नहीं माना, वह कैसे?

नई जातियों ने अन्ततः यहोवा का भय नहीं माना क्योंकि उसने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे पराये देवताओं का भय न माने।

#### 2 Kings 17:40

##### इस्राएल में जातियों ने कैसे नहीं सुना?

वे उसी रीति से आचरण करते रहे जिस रीति से पहले करते थे।

Chapter 18  
हिजकिय्याह के राज्य का आरम्भ

1एला के पुत्र इस्राएल के राजा होशे के राज्य के तीसरे वर्ष में यहूदा के राजा आहाज का पुत्र हिजकिय्याह राजा हुआ।2जब वह राज्य करने लगा तब पच्चीस वर्ष का था, और उनतीस वर्ष तक यरूशलेम में राज्य करता रहा। उसकी माता का नाम अबी था, जो जकर्याह की बेटी थी।3जैसे उसके मूलपुरुष दाऊद ने किया था जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है वैसा ही उसने भी किया।4उसने ऊँचे स्थान गिरा दिए, लाठों को तोड़ दिया, अशेरा को काट डाला। पीतल का जो साँप मूसा ने बनाया था, उसको उसने इस कारण चूर-चूर कर दिया, कि उन दिनों तक इस्राएली उसके लिये धूप जलाते थे; और उसने उसका नाम नहुशतान रखा।5वह इस्राएल के परमेश्‍वर यहोवा पर भरोसा रखता था, और उसके बाद यहूदा के सब राजाओं में कोई उसके बराबर न हुआ, और न उससे पहले भी ऐसा कोई हुआ था।6और वह यहोवा से लिपटा रहा\* और उसके पीछे चलना न छोड़ा; और जो आज्ञाएँ यहोवा ने मूसा को दी थीं, उनका वह पालन करता रहा।7इसलिए यहोवा उसके संग रहा; और जहाँ कहीं वह जाता था, वहाँ उसका काम सफल होता था। और उसने अश्शूर के राजा से बलवा करके, उसकी अधीनता छोड़ दी।8उसने पलिश्तियों को गाज़ा और उसकी सीमा तक, पहरुओं के गुम्मट और गढ़वाले नगर तक मारा।9राजा हिजकिय्याह के राज्य के चौथे वर्ष में जो एला के पुत्र इस्राएल के राजा होशे के राज्य का सातवाँ वर्ष था, अश्शूर के राजा शल्मनेसेर ने सामरिया पर चढ़ाई करके उसे घेर लिया।10और तीन वर्ष के बीतने पर उन्होंने उसको ले लिया। इस प्रकार हिजकिय्याह के राज्य के छठवें वर्ष में जो इस्राएल के राजा होशे के राज्य का नौवाँ वर्ष था, सामरिया ले लिया गया।11तब अश्शूर का राजा इस्राएलियों को बन्दी बनाकर अश्शूर में ले गया, और हलह में और गोजान की नदी हाबोर के पास और मादियों के नगरों में उसे बसा दिया।12इसका कारण यह था, कि उन्होंने अपने परमेश्‍वर यहोवा की बात न मानी, वरन् उसकी वाचा को तोड़ा, और जितनी आज्ञाएँ यहोवा के दास मूसा ने दी थीं, उनको टाल दिया और न उनको सुना और न उनके अनुसार किया।सन्हेरीब की चढ़ाई और उसकी सेना का विनाश

13हिजकिय्याह राजा के राज्य के चौदहवें वर्ष में अश्शूर के राजा सन्हेरीब ने यहूदा के सब गढ़वाले नगरों पर चढ़ाई करके उनको ले लिया।14तब यहूदा के राजा हिजकिय्याह ने अश्शूर के राजा के पास लाकीश को संदेश भेजा, “मुझसे अपराध हुआ, मेरे पास से लौट जा; और जो भार तू मुझ पर डालेगा उसको मैं उठाऊँगा।” तो अश्शूर के राजा ने यहूदा के राजा हिजकिय्याह के लिये तीन सौ किक्कार चाँदी और तीस किक्कार सोना ठहरा दिया।15तब जितनी चाँदी यहोवा के भवन और राजभवन के भण्डारों में मिली, उस सब को हिजकिय्याह ने उसे दे दिया।16उस समय हिजकिय्याह ने यहोवा के मन्दिर के दरवाज़ो से और उन खम्भों से भी जिन पर यहूदा के राजा हिजकिय्याह ने सोना मढ़ा था, सोने को छीलकर अश्शूर के राजा को दे दिया।17तो भी अश्शूर के राजा ने तर्त्तान, रबसारीस और रबशाके को बड़ी सेना देकर, लाकीश से यरूशलेम के पास हिजकिय्याह राजा के विरुद्ध भेज दिया। अतः वे यरूशलेम को गए और वहाँ पहुँचकर ऊपर के जलकुण्ड की नाली के पास धोबियों के खेत की सड़क पर जाकर खड़े हुए।18जब उन्होंने राजा को पुकारा, तब हिल्किय्याह का पुत्र एलयाकीम जो राजघराने के काम पर था, और शेबना जो मंत्री था और आसाप का पुत्र योआह जो इतिहास का लिखनेवाला था, ये तीनों उनके पास बाहर निकल गए।19रबशाके ने उनसे कहा, “हिजकिय्याह से कहो, कि महाराजाधिराज अर्थात् अश्शूर का राजा यह कहता है, ‘तू किस पर भरोसा करता है?20तू जो कहता है, कि मेरे यहाँ युद्ध के लिये युक्ति और पराक्रम है, वह तो केवल बात ही बात है\*। तू किस पर भरोसा रखता है कि तूने मुझसे बलवा किया है?21सुन, तू तो उस कुचले हुए नरकट अर्थात् मिस्र पर भरोसा रखता है, उस पर यदि कोई टेक लगाए, तो वह उसके हाथ में चुभकर छेदेगा। मिस्र का राजा फ़िरौन अपने सब भरोसा रखनेवालों के लिये ऐसा ही है।22फिर यदि तुम मुझसे कहो, कि हमारा भरोसा अपने परमेश्‍वर यहोवा पर है, तो क्या यह वही नहीं है जिसके ऊँचे स्थानों और वेदियों को हिजकिय्याह ने दूर करके यहूदा और यरूशलेम से कहा, कि तुम इसी वेदी के सामने जो यरूशलेम में है दण्डवत् करना?’23तो अब मेरे स्वामी अश्शूर के राजा के पास कुछ बन्धक रख, तब मैं तुझे दो हजार घोड़े दूँगा, क्या तू उन पर सवार चढ़ा सकेगा कि नहीं?24फिर तू मेरे स्वामी के छोटे से छोटे कर्मचारी का भी कहा न मान कर क्यों रथों और सवारों के लिये मिस्र पर भरोसा रखता है?25क्या मैंने यहोवा के बिना कहे, इस स्थान को उजाड़ने के लिये चढ़ाई की है? यहोवा ने मुझसे कहा है, कि उस देश पर चढ़ाई करके उसे उजाड़ दे।”26तब हिल्किय्याह के पुत्र एलयाकीम और शेबना योआह ने रबशाके से कहा, “अपने दासों से अरामी भाषा में बातें कर, क्योंकि हम उसे समझते हैं; और हम से यहूदी भाषा में शहरपनाह पर बैठे हुए लोगों के सुनते\* बातें न कर।”27रबशाके ने उनसे कहा, “क्या मेरे स्वामी ने मुझे तुम्हारे स्वामी ही के, या तुम्हारे ही पास ये बातें कहने को भेजा है? क्या उसने मुझे उन लोगों के पास नहीं भेजा, जो शहरपनाह पर बैठे हैं, ताकि तुम्हारे संग उनको भी अपना मल खाना और अपना मूत्र पीना पड़े?”28तब रबशाके ने खड़े हो, यहूदी भाषा में ऊँचे शब्द से कहा, “महाराजाधिराज अर्थात् अश्शूर के राजा की बात सुनो।29राजा यह कहता है, ‘हिजकिय्याह तुम को धोखा देने न पाए, क्योंकि वह तुम्हें मेरे हाथ से बचा न सकेगा।30और वह तुम से यह कहकर यहोवा पर भरोसा कराने न पाए, कि यहोवा निश्चय हमको बचाएगा और यह नगर अश्शूर के राजा के वश में न पड़ेगा।31हिजकिय्याह की मत सुनो। अश्शूर का राजा कहता है कि भेंट भेजकर मुझे प्रसन्‍न करो और मेरे पास निकल आओ, और प्रत्येक अपनी-अपनी दाखलता और अंजीर के वृक्ष के फल खाता और अपने-अपने कुण्ड का पानी पीता रहे।32तब मैं आकर तुम को ऐसे देश में ले जाऊँगा, जो तुम्हारे देश के समान अनाज और नये दाखमधु का देश, रोटी और दाख की बारियों का देश, जैतून और मधु का देश है, वहाँ तुम मरोगे नहीं, जीवित रहोगे; तो जब हिजकिय्याह यह कहकर तुम को बहकाए, कि यहोवा हमको बचाएगा, तब उसकी न सुनना।33क्या और जातियों के देवताओं ने अपने-अपने देश को अश्शूर के राजा के हाथ से कभी बचाया है?34हमात और अर्पाद के देवता कहाँ रहे? सपर्वैम, हेना और इव्वा के देवता कहाँ रहे? क्या उन्होंने सामरिया को मेरे हाथ से बचाया है,35देश-देश के सब देवताओं में से ऐसा कौन है, जिस ने अपने देश को मेरे हाथ से बचाया हो? फिर क्या यहोवा यरूशलेम को मेरे हाथ से बचाएगा।’”

36परन्तु सब लोग चुप रहे और उसके उत्तर में एक बात भी न कही, क्योंकि राजा की ऐसी आज्ञा थी, कि उसको उत्तर न देना।37तब हिल्किय्याह का पुत्र एलयाकीम जो राजघराने के काम पर था, और शेबना जो मंत्री था, और आसाप का पुत्र योआह जो इतिहास का लिखनेवाला था, अपने वस्त्र फाड़े हुए, हिजकिय्याह के पास जाकर रबशाके की बातें कह सुनाईं।

#### 2 Kings 18:1

##### सामान्य जानकारी

हिजकिय्याह अपने पिता आहाज के स्‍थान पर यहूदा का राजा बन गया।

##### होशे... एला ....जकर्याह

“यह पुरषों के नाम है”

##### अबी

यह औरत का नाम है।

##### जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है वैसा ही उसने भी किया।

“हिजकिय्याह राजा ने वही किया जो यहोवा दृष्टि में सही था।”

#### 2 Kings 18:4

##### सामान्य जानकारी

हिजकिय्याह राजा के शासन की कहानी जारी है।

##### उसने ऊँचे स्थान गिरा दिए, लाठों को तोड़ दिया, अशेरा को काट डाला।

“हिजकिय्याह ने आराधना के ऊँचे स्‍थान गिरा दिऐ, यादगिरी के पत्थरों को तोड़ कर टुकड़े कर दिये और अशेरा के लकड़ी के खम्‍बो को काट दिया”

##### नहुशतान

“पीतल के सांप की मूर्ती”

#### 2 Kings 18:6

##### सामान्य जानकारी

हिजकिय्याह राजा के शासन की कहानी जारी है।

##### वह यहोवा से लिपटा रहा\*

“हिजकिय्याह राजा यहोवा के साथ वफादार था”

##### जहाँ कहीं वह जाता था, वहाँ उसका काम सफल होता था।

“हिजकिय्याह राजा जो काम करता था वह सफल होता था”

##### गढ़वाले नगर

“एक नगर जिसके चारों तरफ दीवार है”

#### 2 Kings 18:9

##### होशे... एला ....शल्मनेसेर

यह पुरषों के नाम हैं।

#### 2 Kings 18:11

##### हलह...नदी हाबोर.....गोजान

यह स्‍थानों के नाम है।

##### मादियों

यह लोगों के समूह का नाम है।

##### तब अश्शूर का राजा इस्राएलियों को बन्दी बनाकर अश्शूर में ले गया

“इस लिऐ अश्‍शूर के राजा ने अपनी सेना को आज्ञा दी कि इस्राऐलीयों को उनके घरो से दूर कर दो और उसने उनको अश्‍शूर में रहने को दिया“

##### यहोवा की बात

“यहोवा का आज्ञा”

#### 2 Kings 18:13

##### सन्हेरीब

यह पुरूष का नाम है।

##### लाकीश

यह शहर का नाम है।

##### गढ़वाले नगरों

“ऐसे नगर जिसके चारों तरफ सुरक्षा के लिए दीवार होती है”

##### मेरे पास से लौट जा;

“अपनी सेना मेरे देश से ले जायो”

##### जो भार तू मुझ पर डालेगा उसको मैं उठाऊँगा।”

“जो तुम मुझसे चाहते हो मैं दूँगा”

##### किक्कार

“यह किसी मापक का नाम है जो पैसों के लिए उपयोग किया जाता है”

##### भण्डारों

“यह महल के अंदर एक स्‍थान है यहा धन और कीमती सामान रखा जाता है”

#### 2 Kings 18:16

##### तो भी अश्शूर के राजा ने तर्त्तान, रबसारीस और रबशाके को बड़ी सेना देकर, भेज दिया।

सनेवरीब ने अपनि सैना से कुछ आदमीयों का समूह यरूशलम की ओर हिजकिय्याह राजा को मिलने के लिए भेजा, उनके साथ तर्त्तान, रबसारीस अधिकारी भी थे।

##### तर्त्तान....रबसारीस

“सेना के प्रधान....राजसभा के अधिकारी”

##### लाकीश

“यह शहर का नाम है”

##### ऊपर के जलकुण्ड की नाली के पास

एक स्‍थान यहाँ पानी “ऊपर के जलकुण्‍ड में इकट्ठा किया जाता है ये यरूशलम शहर में बहता था।

##### खड़े हुए।

उनके साथ मिलने के लिऐ हिजकिय्याह के राजा का इन्‍तजार कर रहा था।

##### एलयाकीम... हिल्किय्याह....शेबना... योआह....आसाप

“यह पुरषों के नाम हैं।”

#### 2 Kings 18:19

##### सामान्य जानकारी

रबशाके अश्‍शूर के राजा का संदेश राजा हिजकिय्‍याह के पुरषों को बताना जारी रखता है।

##### तू किस पर भरोसा करता है?....तू किस पर भरोसा रखता है कि तूने मुझसे बलवा किया है?

“किसी पर भी भरोसा मत करो। तुम ने मेरा विरोध करने में मूर्खता दिखाई है।

##### तू तो उस कुचले हुए नरकट अर्थात् मिस्र पर भरोसा रखता है,

“कमजोर मिस्र पर भरोसा रखते है”

##### यदि कोई टेक लगाए,.... छेदेगा

“यदी कोई इसका उपयोग सहायता के लिए करता है वह घायल हो जायगा”

#### 2 Kings 18:22

##### सामान्य जानकारी

रबशाके अश्‍शूर के राजा का संदेश राजा हिजकिय्‍याह के पुरषों को बताना जारी रखता है।

##### क्या यह वही नहीं है जिसके ऊँचे स्थानों....यरूशलेम

“तुमहे याद रखने की जरूरत है कि जिसके उच्‍च स्‍थान....यरूशलम!”

#### 2 Kings 18:24

##### सामान्य जानकारी

रबशाके अश्‍शूर के राजा का संदेश राजा हिजकिय्‍याह के पुरषों को बताना जारी रखता है।

##### फिर तू मेरे स्वामी के छोटे से छोटे कर्मचारी का भी कहा न मान कर

“तुम राजा के सिपाहीयो में से एक छोटे से सिपाही को भी हरा नही सकते”

##### क्या मैंने यहोवा के बिना कहे, इस स्थान को उजाड़ने के लिये चढ़ाई की है?

“यहोवा ने खुद हमको यहाँ आने को कहा है और इस देश को नष्‍ट करें”

#### 2 Kings 18:26

##### एलयाकीम ...हिल्किय्याह... शेबना.... योआह

यह पुरषों के नाम है।

##### शहरपनाह पर बैठे हुए लोगों के सुनते\*

“क्‍योंकि शहरपनाह पर खड़े लोग रह सुनेगे और ड़र जाऐंगे“

##### क्या मेरे स्वामी ने मुझे तुम्हारे स्वामी ही के, या तुम्हारे ही पास ये बातें कहने को भेजा है? क्या उसने मुझे उन लोगों के पास नहीं भेजा, जो शहरपनाह पर बैठे हैं, ताकि तुम्हारे संग उनको भी अपना मल खाना और अपना मूत्र पीना पड़े?”

“मेरे स्‍वामी ने मुजे केवल तेरे और तेरे मालिक से नहीं परँतु इस शहर के लोगों को भी बताने के लिए भेजा है जो तुम्हारे साथ उनको भी अपना मल खाना और मूत्र पीना पड़ेगा”

#### 2 Kings 18:28

##### मेरे हाथ से

“मेरी सेना के बल से”

##### यह नगर अश्शूर के राजा के वश में न पड़ेगा।

“यहोवा कभी भी इस शहर को अश्‍शूर की सेना के वश में नहीं करेगा”

##### वश में

“हाथ” नियंत्रण, अधिकार और बल का रूपक है।

#### 2 Kings 18:31

##### मुझे प्रसन्‍न करो और मेरे पास निकल आओ,

“शहर से निकल कर मेरे अधीन हो जाओ”

##### अपनी दाखलता... अपनी अंजीर के वृक्ष .... अपनी कुण्ड

यह भोजन और पानी के स्रोत सुरक्षा और बहुतायत का प्रतीक हैं। यह विचार को प्रकट करने का एक रास्‍ता भी है।

##### अनाज और नये दाखमधु का देश...रोटी और दाख की बारियों का देश...जैतून और मधु का देश है

“यह रोज के जीवन में भरपूरी और अच्‍छी चीजें होने का संकेत है”

#### 2 Kings 18:33

##### सामान्य जानकारी

रबशाके अश्‍शूर के राजा का संदेश राजा हिजकिय्‍याह के पुरषो को बताना जारी रखता है।

##### क्या और जातियों के देवताओं ने.... अश्शूर

“लोगों का कोई भी भगवान उनको छुड़ाएगा…अश्‍शूर।”

##### अर्पाद.... के देवता कहाँ रहे?

“अर्पाद ..., के देवता का मैंने नाश कर दिया है”

##### हमात...अर्पाद....सपर्वैम... हेना....इव्वा...सामरिया

“यह उन स्‍थानो के नाम है जो दर्शाता है कि लोग वहा रहते हैं।”

##### मेरे हाथ से

“मेरे नियंत्रण से बाहर”

##### सब देवताओं में से ऐसा कौन है, जिस ने अपने देश को मेरे हाथ से बचाया हो?

“मेरे बल से उनको बचाने वाला कोई भगवान नही है”

##### मेरे हाथ से

“मुझसे”

##### क्या यहोवा यरूशलेम को मेरे हाथ से बचाएगा।

“यहा कोई रास्‍ता नहीं है कि यहोवा यरूशलम को मेरी शक्ति से बचा सके”

#### 2 Kings 18:36

##### एलयाकीम... शेबना... योआह... आसाप

यह पुरषों के नाम है।

##### जो राजघराने के काम पर था,

“जो राजा के महल का मुख्‍य अधिकारी है”

##### इतिहास का लिखनेवाला

“इतिहास को लिख कर रखने वाला”

##### जो मंत्री था

“रबशाके“ यह इब्रानी अनुवाद है। कई इसे निजी नाम रूप में भी देखते हैं।

### Translation Questions

#### 2 Kings 18:4

##### मूसा ने जो पीतल का सांप बनवाया था उसका इस्राएली क्या कर रहे थे?

वे मूसा द्वारा बनाए गे सांप की प्रतिमा के आगे धूप जलाते थे।

#### 2 Kings 18:9

##### शल्मनेसेर, अश्शूरी राजा ने कितने समय तक सामरिया पर हमला किया?

शल्मनेसेर ने तीन वर्ष तक सामरिया पर हमला किया।

#### 2 Kings 18:10

##### शल्मनेसेर, अश्शूरी राजा ने कितने समय तक सामरिया पर हमला किया?

शल्मनेसेर ने तीन वर्ष तक सामरिया पर हमला किया।

#### 2 Kings 18:11

##### अश्शूरों के राजा इस्राएल को बन्दी बनाकर अश्शूर देश क्यों ले गया था?

अश्शूरों का राजा उन्हें बन्दी बनाकर अपने देश ले गया जो परमेश्वर की बात नहीं सुनने का परिणाम था।

#### 2 Kings 18:12

##### अश्शूरों के राजा इस्राएल को बन्दी बनाकर अश्शूर देश क्यों ले गया था?

अश्शूरों का राजा उन्हें बन्दी बनाकर अपने देश ले गया जो परमेश्वर की बात नहीं सुनने का परिणाम था।

#### 2 Kings 18:15

##### हिजकिय्याह अश्शूर के राजा को देने के लिए चांदी कहां से लाया?

उसने यहोवा के भवन और राज महल के भंडारों से खोजकर चांदी निकाली और उसे दे दी।

#### 2 Kings 18:17

##### तर्त्तान और रबसारीस और मुख्य सेनापति ने राजा हिजकिय्याह को कहां से पुकारा?

उन्होंने राजा हिजकिय्याह को ऊपर के जलकुण्ड की नाली के पास धोबियों के खेत की सड़क पर खड़े होकर राजा को पुकारा।

#### 2 Kings 18:18

##### तर्त्तान और रबसारीस और मुख्य सेनापति ने राजा हिजकिय्याह को कहां से पुकारा?

उन्होंने राजा हिजकिय्याह को ऊपर के जलकुण्ड की नाली के पास धोबियों के खेत की सड़क पर खड़े होकर राजा को पुकारा।

#### 2 Kings 18:21

##### मिस्र का सहारा लेने वाले के साथ क्या होगा?

यदि कोई मिस्र का सहारा ले तो वह उसके हाथ में चुभकर छेदेगा।

#### 2 Kings 18:23

##### अश्शूरों के राजा ने क्या प्रस्ताव रखा?

अश्शूरों के राजा ने उसे दो हजार घोड़े देने का प्रस्ताव रखा यदि हिजकिय्याह उनके लिए सवारों का प्रबंध कर पाए।

#### 2 Kings 18:25

##### अश्शूर के राजा ने यहोवा को क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने अश्शूर के राजा से यहूदा पर हमला करने और इसे नष्ट करने के लिए कहा।

#### 2 Kings 18:26

##### एलयाकीम, शबनाह और योआ ने किस भाषा में सेनापति से बात करने को कहा?

एलयाकीम, शेब्ना और योआह ने रबशाके से कहा, कि वह सेनापति से अरामी भाषा में बातें करे।

#### 2 Kings 18:28

##### मुख्य सेनापति ने किस भाषा में ऊंचे शब्द से कहा?

मुख्य सेनापति ने यहूदियों की भाषा में चिल्लाया।

#### 2 Kings 18:31

##### जो अश्शूर के राजा को प्रसन्न करें उनके साथ वह कैसा व्यवहार करेगा?

वे अपनी-अपनी दाखलता और अंजीर के फल खायेंगे और अपने-अपने कुंड का ही पानी पीएंगे।

#### 2 Kings 18:36

##### राजा हिजकिय्याह ने क्या आज्ञा दी?

राजा ने उन्हें आज्ञा दी थी कि रबशाके को उत्तर न देना।

Chapter 19  
यशायाह के द्वारा छुटकारे की भविष्यद्वाणी

1जब हिजकिय्याह राजा ने यह सुना, तब वह अपने वस्त्र फाड़, टाट ओढ़कर यहोवा के भवन में गया।2और उसने एलयाकीम को जो राजघराने के काम पर था, और शेबना मंत्री को, और याजकों के पुरनियों को, जो सब टाट ओढ़े हुए थे, आमोस के पुत्र यशायाह भविष्यद्वक्ता के पास भेज दिया।3उन्होंने उससे कहा, “हिजकिय्याह यह कहता है, आज का दिन संकट, और भर्त्सना, और निन्दा का दिन है; बच्चों के जन्म का समय तो हुआ पर जच्चा को जन्म देने का बल न रहा।4कदाचित् तेरा परमेश्‍वर यहोवा रबशाके की सब बातें सुने, जिसे उसके स्वामी अश्शूर के राजा ने जीविते परमेश्‍वर की निन्दा करने को भेजा है, और जो बातें तेरे परमेश्‍वर यहोवा ने सुनी हैं उन्हें डाँटे; इसलिए तू इन बचे हुओं\* के लिये जो रह गए हैं प्रार्थना कर।”5जब हिजकिय्याह राजा के कर्मचारी यशायाह के पास आए,6तब यशायाह ने उनसे कहा, “अपने स्वामी से कहो, ‘यहोवा यह कहता है, कि जो वचन तूने सुने हैं, जिनके द्वारा अश्शूर के राजा के जनों ने मेरी निन्दा की है, उनके कारण मत डर।7सुन, मैं उसके मन को प्रेरित करूँगा, कि वह कुछ समाचार सुनकर अपने देश को लौट जाए, और मैं उसको उसी के देश में तलवार से मरवा डालूँगा।’”8तब रबशाके ने लौटकर अश्शूर के राजा को लिब्ना नगर से युद्ध करते पाया, क्योंकि उसने सुना था कि वह लाकीश के पास से उठ गया है।9जब उसने कूश के राजा तिर्हाका के विषय यह सुना, “वह मुझसे लड़ने को निकला है,” तब उसने हिजकिय्याह के पास दूतों को यह कहकर भेजा,10“तुम यहूदा के राजा हिजकिय्याह से यह कहना: ‘तेरा परमेश्‍वर जिसका तू भरोसा करता है, यह कहकर तुझे धोखा न देने पाए, कि यरूशलेम अश्शूर के राजा के वश में न पड़ेगा।11देख, तूने तो सुना है कि अश्शूर के राजाओं ने सब देशों से कैसा व्यवहार किया है और उनका सत्यानाश कर दिया है। फिर क्या तू बचेगा?12गोजान और हारान और रेसेप और में रहनेवाले एदेनी, जिन जातियों को मेरे पुरखाओं ने नाश किया, क्या उनमें से किसी जाति के देवताओं ने उसको बचा लिया?13हमात का राजा, और अर्पाद का राजा, और सपर्वैम नगर का राजा, और हेना और इव्वा के राजा ये सब कहाँ रहे?’ ” इस पत्री को हिजकिय्याह ने दूतों के हाथ से लेकर पढ़ा।14तब यहोवा के भवन में जाकर उसको यहोवा के सामने फैला दिया।15और यहोवा से यह प्रार्थना की, “हे इस्राएल के परमेश्‍वर यहोवा! हे करूबों पर विराजनेवाले! पृथ्वी के सब राज्यों के ऊपर केवल तू ही परमेश्‍वर है। आकाश और पृथ्वी को तू ही ने बनाया है।16हे यहोवा! कान लगाकर सुन, हे यहोवा आँख खोलकर देख, और सन्हेरीब के वचनों को सुन ले, जो उसने जीविते परमेश्‍वर की निन्दा करने को कहला भेजे हैं।17हे यहोवा, सच तो है, कि अश्शूर के राजाओं ने जातियों को और उनके देशों को उजाड़ा है।18और उनके देवताओं को आग में झोंका\* है, क्योंकि वे ईश्वर न थे; वे मनुष्यों के बनाए हुए काठ और पत्थर ही के थे; इस कारण वे उनको नाश कर सके।19इसलिए अब हे हमारे परमेश्‍वर यहोवा तू हमें उसके हाथ से बचा, कि पृथ्वी के राज्य-राज्य के लोग जान लें कि केवल तू ही यहोवा है।”20तब आमोस के पुत्र यशायाह ने हिजकिय्याह के पास यह कहला भेजा, “इस्राएल का परमेश्‍वर यहोवा यह कहता है: जो प्रार्थना तूने अश्शूर के राजा सन्हेरीब के विषय मुझसे की, उसे मैंने सुना है।21उसके विषय में यहोवा ने यह वचन कहा है,“सिय्योन की कुमारी कन्या तुझे तुच्छ जानतीऔर तुझे उपहास में उड़ाती है,यरूशलेम की पुत्री, तुझ पर सिर हिलाती है।22“तूने जो नामधराई और निन्दा की है, वह किसकी की है?और तूने जो बड़ा बोल बोला और घमण्ड किया हैवह किसके विरुद्ध किया है?इस्राएल के पवित्र के विरुद्ध तूने किया है!23अपने दूतों के द्वारा तूने प्रभु की निन्दा करके कहा है,कि बहुत से रथ लेकर मैं पर्वतों की चोटियों पर,वरन् लबानोन के बीच तक चढ़ आया हूँ,और मैं उसके ऊँचे-ऊँचे देवदारुओं औरअच्छे-अच्छे सनोवर को काट डालूँगा;और उसमें जो सबसे ऊँचा टिकने का स्थानहोगा उसमें और उसके वन की फलदाईबारियों में प्रवेश करूँगा।24मैंने तो खुदवाकर परदेश का पानी पिया;और मिस्र की नहरों में पाँव धरते ही उन्हें सूखा डालूँगा।25क्या तूने नहीं सुना, कि प्राचीनकाल से मैंने यही ठहराया?और पिछले दिनों से इसकी तैयारी की थी,उन्हें अब मैंने पूरा भी किया है,कि तू गढ़वाले नगरों को खण्डहर ही खण्डहर कर दे,26इसी कारण उनके रहनेवालों का बल घट गया;वे विस्मित और लज्जित हुए;वे मैदान के छोटे-छोटे पेड़ों और हरी घास और छत पर की घास,और ऐसे अनाज के समान हो गए, जो बढ़ने से पहले सूख जाता है।27“मैं तो तेरा बैठा रहना, और कूच करना,और लौट आना जानता हूँ,और यह भी कि तू मुझ पर अपना क्रोध भड़काता है।28इस कारण कि तू मुझ पर अपना क्रोध भड़काताऔर तेरे अभिमान की बातें मेरे कानों में पड़ी हैं;मैं तेरी नाक में अपनी नकेल डालकरऔर तेरे मुँह में अपना लगाम लगाकर,जिस मार्ग से तू आया है, उसी से तुझे लौटा दूँगा।

29“और तेरे लिये यह चिन्ह होगा, कि इस वर्ष तो तुम उसे खाओगे जो आप से आप उगें, और दूसरे वर्ष उसे जो उत्‍पन्‍न हो वह खाओगे; और तीसरे वर्ष बीज बोने और उसे लवने पाओगे, और दाख की बारियाँ लगाने और उनका फल खाने पाओगे।30और यहूदा के घराने के बचे हुए लोग फिर जड़ पकड़ेंगे, और फलेंगे भी।31क्योंकि यरूशलेम में से बचे हुए और सिय्योन पर्वत के भागे हुए लोग निकलेंगे। यहोवा यह काम अपनी जलन के कारण करेगा।

32“इसलिए यहोवा अश्शूर के राजा के विषय में यह कहता है कि वह इस नगर में प्रवेश करने, वरन् इस पर एक तीर भी मारने न पाएगा, और न वह ढाल लेकर इसके सामने आने, या इसके विरुद्ध दमदमा बनाने पाएगा।33जिस मार्ग से वह आया, उसी से वह लौट भी जाएगा, और इस नगर में प्रवेश न करने पाएगा, यहोवा की यही वाणी है।34और मैं अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त इस नगर की रक्षा करके इसे बचाऊँगा\*।”

35उसी रात में क्या हुआ, कि यहोवा के दूत ने निकलकर अश्शूरियों की छावनी में एक लाख पचासी हजार पुरुषों को मारा, और भोर को जब लोग सवेरे उठे, तब देखा, कि शव ही शव पड़े है।36तब अश्शूर का राजा सन्हेरीब चल दिया, और लौटकर नीनवे में रहने लगा।37वहाँ वह अपने देवता निस्रोक के मन्दिर में दण्डवत् कर रहा था, कि अद्रम्मेलेक और शरेसेर ने उसको तलवार से मारा, और अरारात देश में भाग गए। तब उसका पुत्र एसर्हद्दोन उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 19:1

##### यहोवा के भवन

इसे “यहोवा का घर” भी कहा जा सकता है।

##### एलयाकीम… शेबना… यशायाह… आमोस

यह पुरषों के नाम हैं।

##### एलयाकीम को भेज दिया।

“हिजकिय्‍याह ने एलयाकीम को भेजा”

##### सब टाट ओढ़े हुए थे,

“सब ने टाट पहने हुए थे”

#### 2 Kings 19:3

##### आज का दिन संकट,है;

“यह विनाश का समय है”

##### बच्चों के जन्म का समय तो हुआ पर जच्चा को जन्म देने का बल न रहा।

यहाँ बताया है कि कैसे लोग और उनके हाकिम कमजोर होकर और दुशमनो से लड़ने के काबिल नहीं रहे।

##### सब बातें सुने,

“पूरा संदेश”

##### प्रार्थना कर।

यह दिल से प्रार्थना करने को दर्शाता है “मन से प्रार्थना करो”

#### 2 Kings 19:5

##### मैं उसके मन को प्रेरित करूँगा, कि वह कुछ समाचार सुनकर अपने देश को लौट जाए,

“मैं अश्‍शूर के राजा का व्‍यावहार नियंत्रण करूँगा इस लिऐ जब वो खबर सुनेगा, वह अपने देश को वापस लोट जाऐगा”

##### मैं उसके मन को प्रेरित करूँगा,

”मैं उसकी सोच को बदल दूँगा”

##### उसको उसी के देश में तलवार से मरवा डालूँगा।

“मैं उसे तलवार से मरवा डालूँगा”

#### 2 Kings 19:8

##### रबशाके

“राजा की अधीनता में अश्‍शूर का प्रधान अधिकारी”

##### अश्शूर के राजा को लिब्ना नगर से युद्ध करते पाया,

“अश्‍शूर की सेना को युद्ध करते हुवे पाया”

##### लिब्ना… लाकीश

“यह यहूदा के राज्‍य में शहरो के नाम है”

##### सन्हेरीब ...तिर्हाका

यह पुरूषों के नाम है।

##### “वह मुझसे लड़ने को निकला है,

“उसकी सेना अश्‍शूर के विरुध लड़ने के लिऐ तैयार थी”

##### उसने भेजा,

“सन्‍हेरीब ने भेजा”

##### यह कहकर

“यह संदेश पत्र में लिखा हुआ था”

#### 2 Kings 19:10

##### सामान्य जानकारी

यह संदेश जो अश्‍शूर के राजा सन्‍हेरीब ने राजा हिजकिय्‍याह को भेजा था।

##### तेरा परमेश्‍वर जिसका तू भरोसा करता है, यह कहकर तुझे धोखा न देने पाए

“अपने परमेश्‍वर पर विशवास मत करो जिस पर तुम भरोसा करते हो, जब वह कहता है तो झूठ बोलता है”

##### अश्शूर के राजा के वश में न पड़ेगा।

“अश्‍शुर के राजा का नियंत्रण”

##### तूने तो सुना है

“निशच्‍य ही तुमने सुना है”

##### फिर क्या तू बचेगा?

“तुम्हारा परमेश्‍वर तुम्हे नहीं बचाएगा”

#### 2 Kings 19:12

##### सामान्य जानकारी

अश्‍शूर के राजा सन्‍हेरीब का संदेश राजा हिजकिय्‍याह को जारी है।

##### क्या उनमें से किसी जाति के देवताओं ने उसको बचा लिया?

“जातीयों के भगवान निशच्‍य ही उन्‍हे नहीं बचा सके“

##### मेरे पुरखाओं

“अश्‍शूर देश का पहला राजा”

##### गोजान... हारान...रेसेप...एदेनी... हमात... अर्पाद...सपर्वैम...हेना... इव्वा

यह सब स्‍थानों के नाम है

#### 2 Kings 19:14

##### उसको

“यह अश्‍शूर के राजा सन्‍हेरीब के पत्र जो राजा हिजकिय्‍याह को भेजा था दर्शाता है”

#### 2 Kings 19:16

##### सामान्य जानकारी

राजा हिजकिय्‍याह अश्‍शूर के राजा सन्‍हेरीब से प्राप्त किये पत्र के बाद लगातार यहोवा से प्रार्थना कर रहा है।

##### हे यहोवा! कान लगाकर सुन, हे यहोवा आँख खोलकर देख,

यह दोनो वाक्‍यांश यहोवा से उन चीजो पर ध्यान करने के लिऐ विनती करते है जो सन्‍हेरीब राजा कह रहा है।

##### हे यहोवा! कान लगाकर सुन,

“हे यहोवा! कृप्या सुन कि वह क्या कह रहा है”

##### हे यहोवा आँख खोलकर देख,

“हे यहोवा! कृप्या देख कि क्या हो रहा है”

##### उनके देवताओं को आग में झोंका

“अश्‍शूर के राजायों ने ओर जातियों के भगवानों को जला दिया था”

##### अश्शूर के राजाओं ने जातियों को और उनके देशों को उजाड़ा है।

अश्‍शूरों की जातियों और उनके के देवताओंं का नाश कर दिया।

#### 2 Kings 19:19

##### सामान्य जानकारी

राजा हिजकिय्‍याह अश्‍शूर के राजा सन्‍हेरीब से प्राप्त किये पत्र के बाद लगातार यहोवा से प्रार्थना कर रहा है।

##### तू हमें,

“मैं तुमसे इसकी भीख मांगता हूँ”

##### उसके हाथ से बचा,

“अश्‍शूर के राजा की शक्ति से”

#### 2 Kings 19:20

##### सिय्योन की कुमारी कन्या

“यरूशलम के सुन्‍दर लोग”

##### “सिय्योन की कुमारी कन्या तुझे तुच्छ जानती \q और तुझे उपहास में उड़ाती है, \q यरूशलेम की पुत्री, तुझ पर सिर हिलाती है।

“इन दोनो वाक्‍यांश का एक ही अर्थ है”

##### यरूशलेम की पुत्री

“यरूशलम के शहर के लोग“

##### तुझ पर सिर हिलाती है।

“तेरा मज़ाक उड़ाती है”

##### तूने जो बड़ा बोल बोला और घमण्ड किया है

“बहुत घमंड से देखना”

##### इस्राएल के पवित्र

“यह यहोवा दर्शाता है, जो इस्राएल के लोगों के परमेश्‍वर है

#### 2 Kings 19:23

##### सामान्य जानकारी

यशायाह नबी के द्वारा यहोवा का संदेश राजा हिजकिय्‍याह को राजा सन्‍हेरीब के विषय में जारी है,

##### तूने प्रभु की निन्दा करके

यहाँ “निन्‍दा” काअर्थ खुले तौर पर निन्‍दा करना और त्‍यागना है”

##### मैं पर्वतों की चोटियों पर... मैं काट डालूँगा...में प्रवेश करूँगा।

सन्‍हेरीब का यह घमंड उसकी सेना के द्वारा ही पूरा किया जायेगा।

##### मिस्र की नहरों में पाँव धरते ही उन्हें सूखा डालूँगा।

“मिस्र की तराईयो में से गुजरने के द्वारा हम उनको सुखा देंगे”

#### 2 Kings 19:25

##### सामान्य जानकारी

यशायाह नबी के द्वारा यहोवा का संदेश राजा हिजकिय्‍याह को राजा सन्‍हेरीब के विषय में जारी है,

##### क्या तूने नहीं सुना...प्राचीनकाल

“सच में तुम जानोंगे कि यह कैसे…प्राचीनकाल से”

##### गढ़वाले नगरों

वो शहर जिनके चारों ओर मजबूत दीवारें होती है।

##### मैदान के छोटे-छोटे पेड़ों और हरी घास

“मैदान की घास और पेड़ो के समान निरबल”

##### छत पर की घास, और ऐसे अनाज के समान हो गए, जो बढ़ने से पहले सूख जाता है।

“घास के पूरी तरह बड़ने से पहले”

#### 2 Kings 19:27

##### सामान्य जानकारी

यहोवा की तरफ से याशायाह भविषव्‍कता के द्वारा संदेश दिया जाना जारी है। राजा सन्‍हेरीब के विषय में राजा हिजकिय्‍याह के लिऐ। इसमें समानता का इसतेमाल किया गया है।

##### मुझ पर अपना क्रोध भड़काता है।

“मेरे विषय में तुमहारा क्रोध भड़कता है”

##### तेरे अभिमान की बातें मेरे कानों में पड़ी हैं;

“क्‍योंकि मैंने तुमहारे अभिमान की बातें सुनी है”

##### मैं तेरी नाक में अपनी नकेल डालकर \q और तेरे मुँह में अपना लगाम लगाकर,

“मैं तुम्हे जानवरों के समान चलाऊँगा”

##### जिस मार्ग से तू आया है, उसी से तुझे लौटा दूँगा।

“मैं तुम्हे उसी तरह जैसे तूँ आया था तुम्‍हारे देश वापस भेज दूँगा बिना यरूशलम को जीते।”

#### 2 Kings 19:29

##### सामान्य जानकारी

यहा यशायाह राजा हिजकिय्‍याह से बात कर रहा है।इस के साथ वह लगातार समानता का इसतेमाल कर रहा है।

##### आप से आप उगें,

“बिना बोये हुए उग जाना”

##### यहूदा के घराने के बचे हुए लोग फिर जड़ पकड़ेंगे, और फलेंगे भी।

“यहूदा के लोग जो जिन्‍दा बच गये है वह फिर से अपने सफल जीवन को पायेंगे”

##### यहोवा यह काम अपनी जलन के कारण करेगा।

“यहोवा बलवंत कामों के द्वारा यह करेगा”

#### 2 Kings 19:32

##### सामान्य जानकारी

यह यहोवा की बातों का यहाँ पर समाप्त होना है, यशायाह नबी के द्वारा राजा हिजकिय्‍याह को बताया गया। इस में समानता का इसतेमाल किया गया है।

##### इस पर एक तीर भी मारने न पाएगा,

“कोई यहाँ पर झगड़ा न करने पाए”

##### न वह ढाल लेकर इसके सामने आने, पाएगा।

“वह शहर की दीवारों के विरुध मिट्टी के ढेर ना लगाने पाऐंगे जो उनको हमला करने के योग्‍य बनाता है।”

##### यहोवा की यही वाणी है

यहोवा को वाणी या घोसणा का अर्थ कि जो प्रतिज्ञा उसने की है वह उसे पूरा करेगा।

##### मैं अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त

“इस लिऐ मेरे अपने सम्‍मान के लिए और क्‍योंकि मैंने राजा दाऊद के साथ वादा किया है जिसने मेरी बहुत अच्‍छे से सेवा की है।”

#### 2 Kings 19:35

##### उसी रात में

“यह हुआ था”

##### जब लोग सवेरे उठे

“जब वह जो जिन्‍दा बच गये थे अगली सुबह उठे”

##### निस्रोक... अद्रम्मेलेक... शरेसेर... एसर्हद्दोन

यह पुरषों के नाम है।

### Translation Questions

#### 2 Kings 19:1

##### जब राजा हिजकिय्याह ने यह सुना तो उसने क्या किया?

जब राजा हिजकिय्याह ने यह सुना, तो उसने अपने कपड़े फाड़े, टाट ओढ़ा, और यहोवा के भवन में गया।

#### 2 Kings 19:4

##### हिजकिय्याह ने क्या कहा था कि यहोवा को करना चाहिए?

हिजकिय्याह ने कहा कि यहोवा रबशाके की बातें सुने और डांटे।

#### 2 Kings 19:7

##### अश्शूर के राजा को रोकने के लिए यहोवा क्या करेगा?

यहोवा उसमें एक आत्मा डालेगा, और राजा कुछ समाचार सुनकर अपने देश को लौट जाएगा।

#### 2 Kings 19:10

##### सन्हेरीब के अनुसार परमेश्वर ने हिजकिय्याह को कैसे धोखा दिया?

सन्हेरीब के अनुसार परमेश्वर ने हिजकिय्याह से कहा कि यरूशलेम अश्शूर के राजा के हाथ में नहीं होगा, यह धोखा है।

#### 2 Kings 19:14

##### हिजकिय्याह ने सन्देशवाहक से मिला पत्र कहाँ रखा?

हिजकिय्याह ने सन्देशवाहक से मिला पत्र यहोवा के भवन में फैला दिया।

#### 2 Kings 19:19

##### यहोवा के लिए यहूदा को बचाना क्यों आवश्यक था?

यहोवा के लिए यहूदा को बचाना इसलिए आवश्यक था कि पृथ्वी के सब राज्यों के लोग जान लें कि केवल यहोवा ही परमेश्वर है।

#### 2 Kings 19:22

##### अश्शूर के राजा ने किसके विरुद्ध अपनी आवाज उठाई?

अश्शूर के राजा ने इस्राएल के पवित्र के विरुद्ध अपनी आवाज उठाई!

#### 2 Kings 19:24

##### किसने कहा कि वह मिस्र की नहरों में पांव धरते ही उन्हें सुखा डालेगा?

सन्हेरीब ने कहा कि उसने मिस्र की सभी नदियों को उसके पैरों के तलवों के नीचे सुखा लिया था।

#### 2 Kings 19:25

##### किसने प्राचीनकाल से निर्णय ले लिया था कि गढ़वाले नगर भी खण्डहर कर दिए जाएंगे?

यहोवा ने प्राचीनकाल ही से निर्णय ले लिया था कि गढ़वाले नगर भी खण्डहर हो जाएंगे।

#### 2 Kings 19:28

##### यहोवा सेन्हरीब की नाक में क्या डालेगा?

यहोवा सेन्हरीब की नाक में नकेल डाल देगा।

#### 2 Kings 19:29

##### हिजकिय्याह के लिए चिन्ह क्या होगा?

चिन्ह यह होगा कि वर्तमान वर्ष में वे उसे खाएंगे जो अपने आप उगेगा और दूसरे वर्ष जो उत्पन्न हो उसे खाएंगे।

#### 2 Kings 19:34

##### यहोवा यरुशलेम की रक्षा क्यों करेगा?

यहोवा अपने लिए और उसके दास दाऊद के लिए यरुशलेम की रक्षा करके उसे बचाएगा।

#### 2 Kings 19:35

##### यहोवा ने यरूशलेम की रक्षा कैसे की?

यहोवा ने बाहर निकलकर अश्शूरों की छावनी पर आक्रमण किया और 1,85,000 सैनिकों को मार डाला।

Chapter 20  
हिजकिय्याह का मृत्यु से बचना

1उन दिनों में हिजकिय्याह ऐसा रोगी हुआ कि मरने पर था, और आमोस के पुत्र यशायाह भविष्यद्वक्ता ने उसके पास जाकर कहा, “यहोवा यह कहता है, कि अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे; क्योंकि तू नहीं बचेगा, मर जाएगा।”2तब उसने दीवार की ओर मुँह फेर\*, यहोवा से प्रार्थना करके कहा, “हे यहोवा!3मैं विनती करता हूँ, स्मरण कर\*, कि मैं सच्चाई और खरे मन से अपने को तेरे सम्मुख जानकर चलता आया हूँ; और जो तुझे अच्छा लगता है वही मैं करता आया हूँ।” तब हिजकिय्याह फूट-फूट कर रोया।4तब ऐसा हुआ कि यशायाह आँगन के बीच तक जाने भी न पाया था कि यहोवा का यह वचन उसके पास पहुँचा,5“लौटकर मेरी प्रजा के प्रधान हिजकिय्याह से कह, कि तेरे मूलपुरुष दाऊद का परमेश्‍वर यहोवा यह कहता है, कि मैंने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आँसू देखे हैं; देख, मैं तुझे चंगा करता हूँ; परसों तू यहोवा के भवन में जा सकेगा।6मैं तेरी आयु पन्द्रह वर्ष और बढ़ा दूँगा। अश्शूर के राजा के हाथ से तुझे और इस नगर को बचाऊँगा, और मैं अपने निमित्त और अपने दास दाऊद के निमित्त इस नगर की रक्षा करूँगा।”7तब यशायाह ने कहा, “अंजीरों की एक टिकिया लो।” जब उन्होंने उसे लेकर फोड़े पर बाँधा, तब वह चंगा हो गया।8हिजकिय्याह ने यशायाह से पूछा, “यहोवा जो मुझे चंगा करेगा और मैं परसों यहोवा के भवन को जा सकूँगा, इसका क्या चिन्ह होगा?”9यशायाह ने कहा, “यहोवा जो अपने कहे हुए वचन को पूरा करेगा, इस बात का यहोवा की ओर से तेरे लिये यह चिन्ह होगा, कि धूपघड़ी की छाया दस अंश आगे बढ़ जाएगी, या दस अंश घट जाएगी।”10हिजकिय्याह ने कहा, “छाया का दस अंश आगे बढ़ना तो हलकी बात है, इसलिए ऐसा हो कि छाया दस अंश पीछे लौट जाए।”11तब यशायाह भविष्यद्वक्ता ने यहोवा को पुकारा, और आहाज की धूपघड़ी की छाया, जो दस अंश ढल चुकी थी, यहोवा ने उसको पीछे की ओर लौटा दिया।हिजकिय्याह का गर्व और उसका दण्ड

12उस समय बलदान का पुत्र बरोदक-बलदान जो बाबेल का राजा था, उसने हिजकिय्याह के रोगी होने की चर्चा सुनकर, उसके पास पत्री और भेंट भेजी।13उनके लानेवालों की मानकर हिजकिय्याह ने उनको अपने अनमोल पदार्थों का सब भण्डार, और चाँदी और सोना और सुगन्ध-द्रव्य और उत्तम तेल और अपने हथियारों का पूरा घर और अपने भण्डारों में जो-जो वस्तुएँ थीं, वे सब दिखाईं; हिजकिय्याह के भवन और राज्य भर में कोई ऐसी वस्तु न रही, जो उसने उन्हें न दिखाई हो।14तब यशायाह भविष्यद्वक्ता ने हिजकिय्याह राजा के पास जाकर पूछा, “वे मनुष्य क्या कह गए? और कहाँ से तेरे पास आए थे?” हिजकिय्याह ने कहा, “वे तो दूर देश से अर्थात् बाबेल से आए थे।”15फिर उसने पूछा, “तेरे भवन में उन्होंने क्या-क्या देखा है?” हिजकिय्याह ने कहा, “जो कुछ मेरे भवन में है, वह सब उन्होंने देखा। मेरे भण्डारों में कोई ऐसी वस्तु नहीं, जो मैंने उन्हें न दिखाई हो।”16तब यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा, “यहोवा का वचन सुन ले।17ऐसे दिन आनेवाले हैं, जिनमें जो कुछ तेरे भवन में हैं, और जो कुछ तेरे पुरखाओं का रखा हुआ आज के दिन तक भण्डारों में है वह सब बाबेल को उठ जाएगा; यहोवा यह कहता है, कि कोई वस्तु न बचेगी।18और जो पुत्र तेरे वंश में उत्‍पन्‍न हों, उनमें से भी कुछ को वे बन्दी बनाकर ले जाएँगे; और वे खोजे बनकर बाबेल के राजभवन में रहेंगे।”19तब हिजकिय्याह ने यशायाह से कहा, “यहोवा का वचन जो तूने कहा है, वह भला ही है;” क्योंकि उसने सोचा, “यदि मेरे दिनों में शान्ति और सच्चाई बनी रहेंगी? तो क्या यह भला नहीं है?”20हिजकिय्याह के और सब काम और उसकी सारी वीरता और किस रीति उसने एक जलाशय और नहर खुदवाकर नगर में पानी पहुँचा दिया, यह सब क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?21अन्त में हिजकिय्याह मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसका पुत्र मनश्शे उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 20:1

##### अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे

“अपने राज्‍य और घराने को अंतिम आज्ञा दे”

##### स्मरण कर\*

“याद कर”

##### चलता आया हूँ;

“चलता” यह शब्‍द जीवन के चाल-चलन को दर्शाता है। “तुम्हारी इच्‍छा के अनुसार जिया हूँ”

##### जो तुझे अच्छा लगता है वही मैं करता आया हूँ।

“तुम्हारे न्‍याय के अनुसार”

#### 2 Kings 20:4

##### यहोवा का यह वचन उसके पास पहुँचा,

“यहोवा ने अपने बातें कही”

##### मैंने तेरी प्रार्थना सुनी और तेरे आँसू देखे हैं

“मैने तेरे आँसू देखे है और तम्‍हारी प्रार्थना सुन ली है”

##### परसों

“ अब से तीसरे दिन”

#### 2 Kings 20:6

##### सामान्य जानकारी

यहोवा का संदेश याशायाह नबी के द्वारा राजा हिजकिय्‍याह के लिए जारी रहता है।

##### पन्द्रह वर्ष

“15 साल”

##### अश्शूर के राजा के हाथ से

“अश्‍शूर के राजा के नियंत्रण से”

##### अंजीरों की एक टिकिया

“उबाले हुवे अंजीरो की बनाया गया लेप”

##### जब उन्होंने उसे लेकर फोड़े पर बाँधा,

“हिजकिय्‍याह के दास ने यह किया और हिजकिय्‍याह के फोड़ो पर लेप को लगाया”

#### 2 Kings 20:8

##### कि धूपघड़ी की छाया दस अंश आगे बढ़ जाएगी, या दस अंश घट जाएगी।”

“क्या तुम चाहते हो कि धूपघड़ी पर सूर्य की परछाई को यहोवा दस अंश आगे करे या दस अंश पीछे करे?”

##### दस अंश

“यह खास धूपघड़ी राजा आहाज के लिए बनाई गई थी इस के पदचिह्न दिन की रोशनी को घन्‍टो में संकेत करती थी जैसे-जैसे सूर्य की रोशनी उनके साथ आगे बड़ती थी। इस तरह धूपघड़ी दिन में समय बताती थी”

#### 2 Kings 20:10

##### “छाया का दस अंश आगे बढ़ना तो हलकी बात है,

“यह आसान है कि छाया को दस अंश आगे बड़ाया जाये, क्‍योंकि ऐसा करना आम बात है”

##### आहाज की धूपघड़ी की छाया,

“पदचिह्न राजा आहाज के लिए बनाऐ गये थे”

#### 2 Kings 20:12

##### बलदान... बरोदक-बलदान

“यह बाबेल के राजा और उसके पुत्र के नाम है”

##### सुनकर, उसके पास पत्री और भेंट भेजी।

“बाबेल के राजा से संदेश सुना था”

##### राज्य भर में कोई ऐसी वस्तु न रही...जो उसने उन्हें न दिखाई हो।

“हिजकिय्‍याह ने अपने राज्‍य और अपने घर की हर चीज उसको दिखाई”

#### 2 Kings 20:14

##### वे मनुष्य

यह राजा हिजकिय्‍याह को बरोदक-बलदान की तरफ से संदेश और उपहारों के साथ भेजे गये आदमीयों को दर्शाता है।

##### जो कुछ मेरे भवन में है, वह सब उन्होंने देखा। मेरे भण्डारों में कोई ऐसी वस्तु नहीं, जो मैंने उन्हें न दिखाई हो।”

“हिजकिय्‍याह ने अपनी बात पर ज़ोर देने के लिऐ एक ही विचार को दो तरह दोहराया है।

##### मेरे भण्डारों में कोई ऐसी वस्तु नहीं, जो मैंने उन्हें न दिखाई हो।”

“मैंने उनको अपनी हर एक कीमती चीज दिखाई थी”

#### 2 Kings 20:16

##### तब यशायाह ने हिजकिय्याह से कहा

“इस लिऐ यशायाह ने उससे कहा, क्‍योंकि कि यशायाह जानता था कि हिजकिय्‍याह उन पुरूषों को यह सब वस्तुएँ दिखा कर मुर्खता की थी।

##### “यहोवा का वचन

“यहोवा का संदेश”

##### सुन ले। ऐसे दिन आनेवाले हैं, जिनमें

“मेरी सुनो, किसी दिन ऐसा समय आयेगा”

##### ऐसे दिन

“यह वाक्‍यांश समय की उस अवदि को दर्शाता है जिसकी व्‍याखया नहीं की जा सकती”

#### 2 Kings 20:19

##### क्योंकि उसने सोचा,

“क्‍योकि हिजकिय्‍याह ने सोचा”

##### यदि मेरे दिनों में शान्ति और सच्चाई बनी रहेंगी?

“मैं इस पर निश्चित हो सकता हूँ कि मेरे दिनो में शांति और स्‍थिरता होगी”

##### जलाशय

इकट्ठा किये हुए स्थिर जल का क्षेत्र

##### नहर खुदवाकर

पानी को ले जाने के लिऐ सुरंग”

##### क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

यह यहूदा के राजा की इतिहास की पुस्‍तक में लिखा गया था”

### Translation Questions

#### 2 Kings 20:1

##### यहोवा ने हिजकिय्याह को क्या करने के लिए कहा क्योंकि वह मर जाएगा?

यहोवा ने हिजकिय्याह से कहा कि वह अपने घराने के विषय जो आज्ञा देनी हो वह दे क्योंकि वह मर जाएगा।

#### 2 Kings 20:5

##### यहोवा हिजकिय्याह को रोग मुक्त क्यों करेगा?

यहोवा ने हिजकिय्याह की प्रार्थना सुनी और उसके आँसू देखे इसलिए उसे रोग-मुक्त करने वाला था।

#### 2 Kings 20:7

##### हिजकिय्याह कैसे स्वस्थ हुआ?

उसने अंजीर की एक टिकिया लेकर अपने फोड़े पर बांधी और वह स्वस्थ हो गया।

#### 2 Kings 20:10

##### यहोवा ने छाया कैसे बदल दी?

यहोवा ने छाया को दस कदम पीछे लाया, जहां से वह आहाज की सीढ़ी पर चले गए।

#### 2 Kings 20:11

##### यहोवा ने छाया कैसे बदल दी?

यहोवा ने छाया को दस कदम पीछे लाया, जहां से वह आहाज की सीढ़ी पर चले गए।

#### 2 Kings 20:13

##### हिजकिय्याह ने बाबेल से आए हुए दूतों को क्या दिखाया?

हिजकिय्याह ने उन्हें राजमहल और संपूर्ण राज्य की सब वस्तुएं दिखा दीं।

#### 2 Kings 20:18

##### हिजकिय्याह से उत्पन्न पुत्रों का क्या भविष्य होगा?

बाबेल के लोग उन्हें बन्दी बनाकर ले जाएंगे और वे खोजे बनकर बाबेल के राजभवन में रहेंगे।

#### 2 Kings 20:19

##### हिजकिय्याह के विचार में यहोवा का वचन भला क्यों था?

हिजकिय्याह के विचार में यहोवा का वचन भला था क्योंकि उसके राज्यकाल में शान्ति और स्थिरता बनी रहेगी।

Chapter 21  
मनश्शे का राज्य

1जब मनश्शे राज्य करने लगा, तब वह बारह वर्ष का था, और यरूशलेम में पचपन वर्ष तक राज्य करता रहा; और उसकी माता का नाम हेप्सीबा था।2उसने उन जातियों के घिनौने कामों के अनुसार, जिनको यहोवा ने इस्राएलियों के सामने देश से निकाल दिया था, वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था\*।3उसने उन ऊँचे स्थानों को जिनको उसके पिता हिजकिय्याह ने नष्ट किया था, फिर बनाया, और इस्राएल के राजा अहाब के समान बाल के लिये वेदियाँ और एक अशेरा बनवाई, और आकाश के सारे गणों को दण्डवत् और उनकी उपासना करता रहा।4उसने यहोवा के उस भवन में वेदियाँ बनाईं जिसके विषय यहोवा ने कहा था, “यरूशलेम में मैं अपना नाम रखूँगा।”5वरन् यहोवा के भवन के दोनों आँगनों में भी उसने आकाश के सारे गणों के लिये वेदियाँ बनाई।6फिर उसने अपने बेटे को आग में होम करके चढ़ाया; और शुभ-अशुभ मुहूर्त्तों को मानता, और टोना करता, और ओझों और भूत सिद्धिवालों से व्यवहार करता था; उसने ऐसे बहुत से काम किए जो यहोवा की दृष्टि में बुरे हैं, और जिनसे वह क्रोधित होता है।7अशेरा की जो मूर्ति उसने खुदवाई, उसको उसने उस भवन में स्थापित किया, जिसके विषय यहोवा ने दाऊद और उसके पुत्र सुलैमान से कहा था, “इस भवन में और यरूशलेम में, जिसको मैंने इस्राएल के सब गोत्रों में से चुन लिया है, मैं सदैव अपना नाम रखूँगा।8और यदि वे मेरी सब आज्ञाओं के और मेरे दास मूसा की दी हुई पूरी व्यवस्था के अनुसार करने की चौकसी करें, तो मैं ऐसा न करूँगा कि जो देश मैंने इस्राएल के पुरखाओं को दिया था, उससे वे फिर निकलकर मारे-मारे फिरें।”9परन्तु उन्होंने न माना, वरन् मनश्शे ने उनको यहाँ तक भटका दिया\* कि उन्होंने उन जातियों से भी बढ़कर बुराई की जिनका यहोवा ने इस्राएलियों के सामने से विनाश किया था।

10इसलिए यहोवा ने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा,11“यहूदा के राजा मनश्शे ने जो ये घृणित काम किए, और जितनी बुराइयाँ एमोरियों ने जो उससे पहले थे की थीं, उनसे भी अधिक बुराइयाँ की; और यहूदियों से अपनी बनाई हुई मूरतों की पूजा करवा के उन्हें पाप में फँसाया है।12इस कारण इस्राएल का परमेश्‍वर यहोवा यह कहता है कि सुनो, मैं यरूशलेम और यहूदा पर ऐसी विपत्ति डालना चाहता हूँ कि जो कोई उसका समाचार सुनेगा वह बड़े सन्नाटे में आ जाएगा।13और जो मापने की डोरी मैंने सामरिया पर डाली है और जो साहुल मैंने अहाब के घराने पर लटकाया है वही यरूशलेम पर डालूँगा। और मैं यरूशलेम को ऐसा पोछूँगा जैसे कोई थाली को पोंछता है और उसे पोंछकर उलट देता है।14मैं अपने निज भाग के बचे हुओं को त्याग कर शत्रुओं के हाथ कर दूँगा और वे अपने सब शत्रुओं के लिए लूट और धन बन जाएँगे।15इसका कारण यह है, कि जब से उनके पुरखा मिस्र से निकले तब से आज के दिन तक वे वह काम करके जो मेरी दृष्टि में बुरा है, मुझे क्रोध दिलाते आ रहे हैं।”

16मनश्शे ने न केवल वह काम कराके यहूदियों से पाप कराया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है, वरन् निर्दोषों का खून बहुत बहाया, यहाँ तक कि उसने यरूशलेम को एक सिरे से दूसरे सिरे तक खून से भर दिया।17मनश्शे के और सब काम जो उसने किए, और जो पाप उसने किए, वह सब क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?18अन्त में मनश्शे मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसे उसके भवन की बारी में जो उज्जा की बारी कहलाती थी मिट्टी दी गई; और उसका पुत्र आमोन उसके स्थान पर राजा हुआ।आमोन का राज्य

19जब आमोन राज्य करने लगा, तब वह बाईस वर्ष का था, और यरूशलेम में दो वर्ष तक राज्य करता रहा; और उसकी माता का नाम मशुल्लेमेत था जो योत्बावासी हारूस की बेटी थी।20और उसने अपने पिता मनश्शे के समान वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।21वह पूरी तरह अपने पिता के समान चाल चला, और जिन मूरतों की उपासना उसका पिता करता था, उनकी वह भी उपासना करता, और उन्हें दण्डवत् करता था।22उसने अपने पितरों के परमेश्‍वर यहोवा को त्याग दिया, और यहोवा के मार्ग पर न चला।23आमोन के कर्मचारियों ने विद्रोह की गोष्ठी करके राजा को उसी के भवन में मार डाला।24तब साधारण लोगों ने उन सभी को मार डाला, जिन्होंने राजा आमोन के विरुद्ध-विद्रोह की गोष्ठी की थी, और लोगों ने उसके पुत्र योशिय्याह को उसके स्थान पर राजा बनाया।25आमोन के और काम जो उसने किए, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं।26उसे भी उज्जा की बारी में उसकी निज कब्र में मिट्टी दी गई; और उसका पुत्र योशिय्याह उसके स्थान पर राज्य करने लगा।

#### 2 Kings 21:1

##### हेप्सीबा

राजा मनश्‍शे की माँ

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था

“जिन कामो को यहोवा बुरा समझता है”

##### घिनौने कामों के अनुसार

एक और भी अर्थ हो सकता है “घिनौने कामी के साथ”

##### उसने फिर बनाया

“मनश्‍शे ने दौबारा बनाया”

#### 2 Kings 21:4

##### सामान्य जानकारी

मनश्‍शे राजा के राज्य की कहानी जारी रहती है।

##### “यरूशलेम में मैं अपना नाम रखूँगा।

“मैं यरूशलेम में सदा के लिए अपनी पहचान बनाऊँगा।

##### उसने वेदियाँ बनाईं यहोवा के भवन के दोनों आँगनों में भी उसने आकाश के सारे गणों के लिये वेदियाँ बनाई।

“उसने यहोवा के भवन के दो आंगनो में वेधीयां बनाई ताकि लोग तारों की आराधना कर सके और उनको बलिदान चड़ा सके”

##### फिर उसने अपने बेटे को आग में होम करके चढ़ाया;

“उसने देवताओं को बलिदान चढ़ाने के लिए अपने बेटे को जला कर मार डाला।

##### व्यवहार करता था;

“जानकारी के लिऐ दूसरों से पूछता था”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरे हैं,

“उसने वही काम किये जो यहोवा की नज़रो में बुरा था”

#### 2 Kings 21:7

##### सामान्य जानकारी

मनश्‍शे राजा के शासन कहानी जारी रहती है।

##### जो मूर्ति उसने खुदवाई,

“मनश्‍शे ने अपने दासों को बनाने की आज्ञा दी”

##### मैं सदैव अपना नाम रखूँगा।

“ मैं चाहता हूँ कि लोग मेरी हमेशा के लिए यहाँ आराधना करें”

##### इस्राएल के पुरखाओं को

“यह इस्राएल के लोगों को दर्शाता है”

##### उन्होंने उन जातियों से भी बढ़कर बुराई की जिनका यहोवा ने इस्राएलियों के सामने से विनाश किया था।

“उन लोगो से भी ज्यादा जिन्हे यहोवा ने नाश कर दिया था जब इस्राएल के लोग देश में से आगे बड़ रहे थे”

#### 2 Kings 21:10

##### इस कारण इस्राएल का परमेश्‍वर यहोवा यह कहता है कि सुनो,

“मूर्तो। इस कारन यहोवा, इस्राएल का परमेश्‍वर कहता है, ‘देखो....सनसनाओ।”

##### जो कोई उसका समाचार सुनेगा वह बड़े सन्नाटे में आ जाएगा।

“जो सुनेंगे की यहोवा ने किया है, वे अचम्‍भित हो जाऐंगे”

#### 2 Kings 21:13

##### जो मापने की डोरी मैंने सामरिया पर डाली है और जो साहुल मैंने अहाब के घराने पर लटकाया है

“यरूशलम के न्‍याय के लिए उसी मापक का इसतेमाल किया जाऐगा जिसका इसतेमाल मैने सामरिया और आहाद के घराने के न्‍याय करने के लिये किया था।

##### सामरिया पर

“इस्राएल के लोगों के विरुध”

##### साहुल

“यह ओजार भारी धातू की चीज है और पतली रस्सी का बना होता था ,इसका उपयोग यह देखने के लिए किया जाता था कि दीवार सीधी है या नहीं

##### अहाब के घराने

“आहाज का परिवार”

##### मैं त्याग दूँगा

“मैं अस्‍वीकार करूँगा”

##### शत्रुओं के हाथ कर दूँगा

“उनके दुशमनो को उन्‍हे हराने दो और उनकी जमीन पर कब्जा करने दो “

#### 2 Kings 21:16

##### वरन्

इसका अर्थ “ यह भी” या “अतिरिकत” है।

##### मनश्शे ने निर्दोषों का खून बहुत बहाया,

“मनश्शे ने अपनी सेना को बहुत से निर्दोश लोगों को मारने की आज्ञा दी।

##### उसने यरूशलेम को एक सिरे से दूसरे सिरे तक खून से भर दिया।

“यरूशलम में चारों तरफ बहुत सारी कई लोगो की लाशें पड़ी हुई थी”

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है,

“जिन कामों को यहोवा ने बुरा कहा है”

##### क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखा है?

“तुम उन्‍हे ढूँढ सकते हो... यहुदा” ये लिखे हुए हैं

##### अन्त में मनश्शे मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“अपने पुरखाओ की तरह मर गया”

##### उज्जा की बारी

“बाग जो कभी उज्‍जा नाम के आदमी का था”

##### आमोन

यह पुरष का नाम है।

#### 2 Kings 21:19

##### आमोन ...हारूस

“यह पुरूषों के नाम है”

##### मशुल्लेमेत

यह औरत का नाम है।

##### योत्बावासी

यह शहर का नाम है

##### जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

“जिन चीजों को यहोवा ने बुरा कहा है”

#### 2 Kings 21:21

##### वह पूरी तरह अपने पिता के समान चाल चला

“पूरा उसी तरह जिया जैसा उसके पिता का जीवन था”

##### उसने परमेश्‍वर यहोवा को त्याग दिया,

“वह यहोवा से दूर हो गया”

##### राजा से विद्रोह की गोष्ठी

“उसको चोट पहुँचाने के लिये एक साथ योजना बनाई और काम किया”

#### 2 Kings 21:24

##### साधारण लोगों ने

“यहूदा में कुछ लोगो ने”

##### विरुद्ध-विद्रोह की गोष्ठी की

“उसको चोट पहुँचाने के लिऐ एक साथ योजना बनाई और काम किया”

##### क्या यहूदा के ... नहीं लिखे हैं।

“तुम उन्‍हे ढूँढ सकते हो... यहुदा”

##### उज्जा की बारी

“बाग जो कभी उज्‍जा नाम के आदमी का था”

### Translation Questions

#### 2 Kings 21:3

##### मनश्शे ने किसका पुनः निर्माण किया?

मनश्शे के पिता ने ऊँचे स्थानों की जिन वेदियों को ध्वंस किया था, उन्हें फिर से बनवाया।

#### 2 Kings 21:6

##### मनश्शे किसके साथ व्यवहार करता था?

मनश्शे ओझों और भूत-सिद्धी करने वालों के साथ व्यवहार करता था।

#### 2 Kings 21:7

##### मनश्शे ने यहोवा के भवन में क्या रखा?

मनश्शे ने अशेरा की एक मूर्ति खुदवा कर यहोवा के भवन में रख दी।

#### 2 Kings 21:11

##### मनश्शे ने किस से अधिक दुष्टता के काम किए?

मनश्शे ने उस देश के पूर्णकालिक एमोरियों से भी अधिक दुष्टता के काम किए।

#### 2 Kings 21:14

##### यहूदा के बचे हुए अपने शत्रुओं के शिकार और उनकी लूट क्यों बन जाएंगे?

यहूदा के बचे हुए शत्रुओं का शिकार और लूट हो जाएंगे क्योंकि उन्होंने वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है और इस कारण उन्होंने यहोवा को क्रोध दिलाया।

#### 2 Kings 21:15

##### यहूदा के बचे हुए अपने शत्रुओं के शिकार और उनकी लूट क्यों बन जाएंगे?

यहूदा के बचे हुए शत्रुओं का शिकार और लूट हो जाएंगे क्योंकि उन्होंने वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है और इस कारण उन्होंने यहोवा को क्रोध दिलाया।

#### 2 Kings 21:16

##### मनश्शे ने कितने निर्दोषों का खून बहाया था?

मनश्शे ने निर्दोषों का खून बहुत बहाया, यहाँ तक कि उसने यरूशलेम को एक सिरे से दूसरे सिरे तक खून से भर दिया।

#### 2 Kings 21:23

##### आमोन की मृत्यु कैसे हुई?

आमोन के दास ने विद्रोह की गोष्ठी करके उसे उसी के भवन में मार डाला।

#### 2 Kings 21:26

##### आमोन कहाँ दफनाया गया था?

आमोन को उसी की कब्र में उज्जा की बारी में दफन कर दिया गया।

Chapter 22  
व्यवस्था की पुस्तक का मिलना

1जब योशिय्याह राज्य करने लगा, तब वह आठ वर्ष का था, और यरूशलेम में इकतीस वर्ष तक राज्य करता रहा। और उसकी माता का नाम यदीदा था जो बोस्कतवासी अदायाह की बेटी थी।2उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है और जिस मार्ग पर उसका मूलपुरुष दाऊद चला ठीक उसी पर वह भी चला, और उससे न तो दाहिनी ओर न बाईं ओर मुड़ा।

3अपने राज्य के अठारहवें वर्ष में राजा योशिय्याह ने असल्याह के पुत्र शापान मंत्री को जो मशुल्लाम का पोता था, यहोवा के भवन में यह कहकर भेजा,4“हिल्किय्याह\* महायाजक के पास जाकर कह, कि जो चाँदी यहोवा के भवन में लाई गई है, और द्वारपालों ने प्रजा से इकट्ठी की है,5उसको जोड़कर, उन काम करानेवालों को सौंप दे, जो यहोवा के भवन के काम पर मुखिये हैं; फिर वे उसको यहोवा के भवन में काम करनेवाले कारीगरों को दें, इसलिए कि उसमें जो कुछ टूटा फूटा हो उसकी वे मरम्मत करें।6अर्थात् बढ़इयों, राजमिस्त्रियों और संगतराशों को दें, और भवन की मरम्मत के लिये लकड़ी और गढ़े हुए पत्थर मोल लेने में लगाएँ।”7परन्तु जिनके हाथ में वह चाँदी सौंपी गई, उनसे हिसाब न लिया गया, क्योंकि वे सच्चाई से काम करते थे।

8हिल्किय्याह महायाजक ने शापान मंत्री से कहा, “मुझे यहोवा के भवन में व्यवस्था की पुस्तक मिली है,” तब हिल्किय्याह ने शापान को वह पुस्तक दी, और वह उसे पढ़ने लगा।9तब शापान मंत्री ने राजा के पास लौटकर यह सन्देश दिया, “जो चाँदी भवन में मिली, उसे तेरे कर्मचारियों ने थैलियों में डालकर, उनको सौंप दिया जो यहोवा के भवन में काम करानेवाले हैं।”10फिर शापान मंत्री ने राजा को यह भी बता दिया, “हिल्किय्याह याजक ने उसे एक पुस्तक दी है।” तब शापान उसे राजा को पढ़कर सुनाने लगा।11व्यवस्था की उस पुस्तक की बातें सुनकर राजा ने अपने वस्त्र फाड़े।12फिर उसने हिल्किय्याह याजक, शापान के पुत्र अहीकाम, मीकायाह के पुत्र अकबोर, शापान मंत्री और असायाह नामक अपने एक कर्मचारी को आज्ञा दी,13“यह पुस्तक जो मिली है, उसकी बातों के विषय तुम जाकर मेरी और प्रजा की और सब यहूदियों की ओर से यहोवा से पूछो, क्योंकि यहोवा की बड़ी ही जलजलाहट हम पर इस कारण भड़की है, कि हमारे पुरखाओं ने इस पुस्तक की बातें न मानी कि जो कुछ हमारे लिये लिखा है, उसके अनुसार करते।”14हिल्किय्याह याजक और अहीकाम, अकबोर, शापान और असायाह ने हुल्दा नबिया के पास जाकर उससे बातें की, वह उस शल्लूम की पत्‍नी थी जो तिकवा का पुत्र और हर्हस का पोता और वस्त्रों का रखवाला था, (और वह स्त्री यरूशलेम के नये मोहल्ले में रहती थी)।15उसने उनसे कहा, “इस्राएल का परमेश्‍वर यहोवा यह कहता है, कि जिस पुरुष ने तुम को मेरे पास भेजा, उससे यह कहो,16‘यहोवा यह कहता है, कि सुन, जिस पुस्तक को यहूदा के राजा ने पढ़ा है, उसकी सब बातों के अनुसार मैं इस स्थान और इसके निवासियों पर विपत्ति डालने पर हूँ।17उन लोगों ने मुझे त्याग कर पराये देवताओं के लिये धूप जलाया\* और अपनी बनाई हुई सब वस्तुओं के द्वारा मुझे क्रोध दिलाया है, इस कारण मेरी जलजलाहट इस स्थान पर भड़केगी और फिर शान्त न होगी।18परन्तु यहूदा का राजा जिस ने तुम्हें यहोवा से पूछने को भेजा है उससे तुम यह कहो, कि इस्राएल का परमेश्‍वर यहोवा कहता है,19इसलिए कि तू वे बातें सुनकर दीन हुआ, और मेरी वे बातें सुनकर कि इस स्थान और इसके निवासियों को देखकर लोग चकित होंगे, और श्राप दिया करेंगे, तूने यहोवा के सामने अपना सिर झुकाया, और अपने वस्त्र फाड़कर मेरे सामने रोया है, इस कारण मैंने तेरी सुनी है, यहोवा की यही वाणी है।20इसलिए देख, मैं ऐसा करूँगा, कि तू अपने पुरखाओं के संग मिल जाएगा, और तू शान्ति से अपनी कब्र को पहुँचाया जाएगा, और जो विपत्ति मैं इस स्थान पर डालूँगा, उसमें से तुझे अपनी आँखों से कुछ भी देखना न पड़ेगा।’ ” तब उन्होंने लौटकर राजा को यही सन्देश दिया।

#### 2 Kings 22:1

##### इकतीस वर्ष

“31 साल”

##### यदीदा

“यह औरत का नाम है”

##### अदायाह

यह पुरुष का नाम है।

##### बोस्कतवासी

“यह यहूदा में एक कसबे का नाम है”

##### उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है

“उसने वही किया जो यहोवा की नज़रो में सही था”

##### जिस मार्ग पर उसका मूलपुरुष दाऊद चला ठीक उसी पर वह भी चला,

“वह अपने मुलपुरुष दाऊद के जीवन के अनुसार जिया“

##### उससे न तो दाहिनी ओर न बाईं ओर मुड़ा।

“उसने कुछ भी ऐसा काम नहीं किया जिससे यहोवा नाराज हो जाये”

#### 2 Kings 22:3

##### अपने राज्य के

यदि आप की भाषा में कहानी के नये हिस्‍से की सुरूआत को संकेत करने के लिऐ कोई रास्‍ता है, यहा इसतेमाल करते हुवे समझो।

##### अठारहवें वर्ष में

“18वें साल”

##### असल्याह... शापान...मशुल्लाम... हिल्किय्याह\*

“यह पुरुषो के नाम है”

##### यहोवा के भवन ...भवन में

यहा “यहोवा के भवन” और “मंदिर” का एक ही अर्थ है।

##### हिल्किय्याह\* महायाजक के पास जाकर

“हिल्‍किय्‍याह के पास जाओ”

##### जो चाँदी यहोवा के भवन में लाई गई है, और द्वारपालों ने प्रजा से इकट्ठी की है,

“मंदिर के द्वारपालो जो कि यहोवा के मंदिर में लोगो द्वारा लाऐ गये धन्‍न को ईकट्ठा करते थे”

##### यहोवा के भवन में काम करनेवाले कारीगरों को दें,

“हिल्‍किय्‍याह को कहा कारीगरो की मजदूरी दे”

#### 2 Kings 22:6

##### सामान्य जानकारी

महायाजक हिल्‍किय्‍याह के लिए राजा जोसिययाह का संदेश जारी रहता है।

##### दें...जिनके हाथ में सौंपी गई...क्योंकि वे सच्चाई से काम करते थे।

यहा पर “वह” उन काम करने वालों को दर्शाता है जो यहोवा के भवन की देखरेख करता है।

##### बढ़इयों, राजमिस्त्रियों और संगतराशों को

“यह उनही की तरह है जो यहोवा के भवन में काम करते है”

##### बढ़इयों

“वह कारीगर जो लकड़ी के साथ काम करते है”

##### राजमिस्त्रियों

“कारीगर जो पत्थरों के साथ बनाते है”

##### जिनके हाथ में वह चाँदी सौंपी गई, उनसे हिसाब न लिया गया,

“मुख्‍या कारीगर जिनके पास पैसे इसतेमाल करने की कोई सूची नही जो मंदिर के पहरूओ ने दिया था।”

##### क्योंकि वे सच्चाई से काम करते थे।

“क्‍योंकि वह पैसे का इसतेमाल इमानदारी से करते थे”

#### 2 Kings 22:8

##### हिल्किय्याह

यह पुरुष का नाम है।

##### व्यवस्था की पुस्तक

“सबसे अधिक संभावना है कि यह व्यवस्था किसी पुस्तक के बजाय सूचीपत्र पर लिखे हुए थे।

##### उनको सौंप दिया जो यहोवा के भवन में काम करानेवाले हैं।

“यह कारीगरों को दिया गया”

#### 2 Kings 22:11

##### फिर

यदि आप की भाषा में कहानी के नये हिस्‍से की शुरूआत को संकेत करने के लिऐ कोई रास्‍ता है, यहा इसतेमाल करते हुए समझो।

##### व्यवस्था की उस पुस्तक की बातें सुनकर

“व्यावस्‍था की बाते सुनकर जो पत्रीयो में लिखा हुआ था”

##### राजा ने अपने वस्त्र फाड़े।

“यह वाक्‍यांश उदासी और निराशा को दर्शाता है”

##### शापान... अहीकाम... मीकायाह...अकबोर... शापान

“यह पुरूषों के नाम है”

##### यहोवा से पूछो,

“मनुष्‍य यहोवा से बाते कर सकता है यहोवा के नबीयो के द्वारा उसकी इच्छा को जान सकता है”

##### पूछो

“सलाह के लिए किसी के पास जाना”

##### यह पुस्तक जो मिली है, उसकी बातों

“इस पुस्‍तक की व्‍यावस्‍था जो हिल्‍कियाह को मिली थी”

##### यहोवा की बड़ी ही जलजलाहट हम पर इस कारण भड़की है,

“इस लिए यहोवा हमारे साथ बहुत क्रोधित है”

##### जो कुछ हमारे लिये लिखा है,

“जो कुछ मूसा ने व्‍यावस्‍था में है हमें वही करना चाहीए”

#### 2 Kings 22:14

##### हुल्दा

यह औरत का नाम है।

##### शल्लूम...तिकवा...हर्हस

“यह पुरुषों के नाम है”

##### वस्त्रों का रखवाला

“वह व्‍याकित जो राजा के वस्‍त्रो की देखभाल करता है”

##### (और वह स्त्री यरूशलेम के नये मोहल्ले में रहती थी)।

“वह यरूशलम में शहर के नये हिस्‍से में रहती थी”

##### जिस पुरुष ने तुम को मेरे पास भेजा,

“यहाँ पर यह “पुरुष” जोसिययाह राजा को दर्शता है।

##### मैं इस स्थान और इसके निवासियों पर विपत्ति डालने पर हूँ।

“मैं इस स्‍थान पर और इस स्‍थान में रहने वाले लोगों पर भयानक विपत्ति डालूँगा”

##### इस स्थान पर

“यरूशलम या यहूदा पर”

#### 2 Kings 22:17

##### सामान्य जानकारी

यहोवा ने यह संदेश राजा जोशियाह को हुल्दा नबी दासी के द्वारा भेजा।

##### मेरी जलजलाहट इस स्थान पर भड़केगी और फिर शान्त न होगी।

“मेरा क्रोध इस स्‍थान के विरुध एक आग के समान है जिसको बुझाया नहीं जा सकता”

##### इस स्थान

“यह लोग”

##### इसलिए कि तू वे बातें सुनकर

“उस संदेश के विषय में जो तुमने सुना था”

##### इसलिए कि तू दीन हुआ,

“इस लिऐ की तुमने अपनी गलती को मान लिया”

##### लोग चकित होंगे, और श्राप दिया करेंगे

“कि, मैं उनको श्रापित करूँगा और देश को उजाड़ बना दूँगा”

##### अपने वस्त्र फाड़कर

“यह वाक्‍यांश उदासी और निराशा को दर्शाता है”

##### यहोवा की यही वाणी है।

”यह वही है जो मैं कहता हूँ”

#### 2 Kings 22:20

##### सामान्य जानकारी

यह नबी हुल्दा के द्वारा राजा जोसिययाह को का अंतिम संदेश है।

##### तू अपने पुरखाओं के संग मिल जाएगा, और तू शान्ति से अपनी कब्र को पहुँचाया जाएगा,

“सूनो, मैं तुमहे शांति से मरने दूँगा”

##### तुझे अपनी आँखों से कुछ भी देखना न पड़ेगा।’

“तुम दुख को अनुभव नहीं करोगे”

##### जो विपत्ति मैं इस स्थान पर डालूँगा

“मैं इस स्‍थान में भयानक विपत्तियो को लाऊँगा”

### Translation Questions

#### 2 Kings 22:2

##### योशिय्याह का आचरण कैसा था?

जिस मार्ग पर योशिय्याह का मूलपुरुष दाऊद चला ठीक उसी पर वह भी चला, और उससे न तो दाहिनी ओर न बाईं ओर मुड़ा।

#### 2 Kings 22:3

##### योशिय्याह क्या चाहता था कि हिल्किय्याह उन यहोवा के भवन में काम करनेवालों को दे?

योशिय्याह चाहता था कि हिल्किय्याह उन यहोवा के भवन में काम करनेवालों को वो धन दे, जो यहोवा के भवन में लाई गई थी।

#### 2 Kings 22:4

##### योशिय्याह हिल्किय्याह को यहोवा के भवन में काम करनेवालों को क्या देना चाहता था?

योशिय्याह चाहता था कि हिल्किय्याह उन यहोवा के भवन में काम करनेवालों को वो धन दे, जो यहोवा के भवन में लाई गई थी।

#### 2 Kings 22:5

##### योशिय्याह हिल्किय्याह को यहोवा के भवन में काम करनेवालों को क्या देना चाहता था?

योशिय्याह चाहता था कि हिल्किय्याह उन यहोवा के भवन में काम करनेवालों को वो धन दे, जो यहोवा के भवन में लाई गई थी।

#### 2 Kings 22:7

##### काम करनेवालों को दिए गए पैसे के लिए कोई लेखांकन क्यों नहीं था?

काम करनेवालों को दिए गए पैसे के लिए कोई लेखांकन आवश्यक नहीं थी, क्योंकि उन्होंने इसे ईमानदारी से संभाला था।

#### 2 Kings 22:8

##### हिल्किय्याह को यहोवा के भवन में क्या मिला?

हिल्किय्याह को यहोवा के भवन में व्यवस्था की पुस्तक मिली।

#### 2 Kings 22:11

##### जब राजा ने व्यवस्था की पुस्तक की बातें सुनी, तो उसने क्या किया?

जब राजा ने व्यवस्था की पुस्तक की बातें सुनकर उसने अपने वस्त्र फाड़े।

#### 2 Kings 22:14

##### हुल्दा कहाँ रहती थी?

हुल्दाह यरूशलेम के नये मोहल्ले में रहती थी।

#### 2 Kings 22:19

##### यहोवा ने यहूदा के राजा को क्यों सुना?

यहोवा ने यहूदा के राजा की बात सुनी क्योंकि उसने हृदय से पश्‍चात्ताप किया, और क्योंकि उसने यहोवा के सम्‍मुख, स्‍वयं को विनम्र बनाया, और क्योंकि उसने अपने वस्‍त्र फाड़े, और यहोवा के सम्‍मुख रोया।

#### 2 Kings 22:20

##### यहूदा के राजा की आंखें क्या नहीं देखेंगी?

उसकी आंखें किसी भी विपत्ति को नहीं देख पाएंगी कि जो यहोवा उस जगह और उसके निवासियों पर लाएगा।

Chapter 23  
योशिय्याह का मूर्तिपूजा बन्द कराना

1राजा ने यहूदा और यरूशलेम के सब पुरनियों को अपने पास बुलाकर इकट्ठा किया।2तब राजा, यहूदा के सब लोगों और यरूशलेम के सब निवासियों और याजकों और नबियों वरन् छोटे बड़े सारी प्रजा के लोगों को संग लेकर यहोवा के भवन में गया। उसने जो वाचा की पुस्तक यहोवा के भवन में मिली थी, उसकी सब बातें उनको पढ़कर सुनाईं।3तब राजा ने खम्भे के पास खड़ा होकर यहोवा से इस आशा की वाचा बाँधी\*, कि मैं यहोवा के पीछे-पीछे चलूँगा, और अपने सारे मन और सारे प्राण से उसकी आज्ञाएँ, चितौनियाँ और विधियों का नित पालन किया करूँगा, और इस वाचा की बातों को जो इस पुस्तक में लिखी हैं पूरी करूँगा; और सब प्रजा वाचा में सम्‍भागी हुई।4तब राजा ने हिल्किय्याह महायाजक और उसके नीचे के याजकों और द्वारपालों को आज्ञा दी कि जितने पात्र बाल और अशेरा और आकाश के सब गणों के लिये बने हैं, उन सभी को यहोवा के मन्दिर में से निकाल ले आओ। तब उसने उनको यरूशलेम के बाहर किद्रोन के मैदानों में फूँककर उनकी राख बेतेल को पहुँचा दी।5जिन पुजारियों को यहूदा के राजाओं ने यहूदा के नगरों के ऊँचे स्थानों में और यरूशलेम के आस-पास के स्थानों में धूप जलाने के लिये ठहराया था, उनको और जो बाल और सूर्य-चन्द्रमा, राशिचक्र और आकाश के सारे गणों को धूप जलाते थे, उनको भी राजा ने हटा दिया।6वह अशेरा को यहोवा के भवन में से निकालकर यरूशलेम के बाहर किद्रोन नाले में ले गया और वहीं उसको फूँक दिया, और पीसकर बुकनी कर दिया। तब वह बुकनी साधारण लोगों की कब्रों पर फेंक दी।7फिर पुरुषगामियों के घर जो यहोवा के भवन में थे, जहाँ स्त्रियाँ अशेरा के लिये पर्दे बुना करती थीं\*, उनको उसने ढा दिया।8उसने यहूदा के सब नगरों से याजकों को बुलवाकर गेबा से बेर्शेबा तक के उन ऊँचे स्थानों को, जहाँ उन याजकों ने धूप जलाया था, अशुद्ध कर दिया; और फाटकों के ऊँचे स्थान अर्थात् जो स्थान नगर के यहोशू नामक हाकिम के फाटक पर थे, और नगर के फाटक के भीतर जानेवाले के बाईं ओर थे, उनको उसने ढा दिया।9तो भी ऊँचे स्थानों के याजक यरूशलेम में यहोवा की वेदी के पास न आए, वे अख़मीरी रोटी अपने भाइयों के साथ खाते थे।10फिर उसने तोपेत जो हिन्नोमवंशियों की तराई में था, अशुद्ध कर दिया, ताकि कोई अपने बेटे या बेटी को मोलेक के लिये आग में होम करके न चढ़ाए।11जो घोड़े यहूदा के राजाओं ने सूर्य को अर्पण करके, यहोवा के भवन के द्वार पर नतन्मेलेक नामक खोजे की बाहर की कोठरी में रखे थे, उनको उसने दूर किया, और सूर्य के रथों को आग में फूँक दिया।12आहाज की अटारी की छत पर जो वेदियाँ यहूदा के राजाओं की बनाई हुई थीं, और जो वेदियाँ मनश्शे ने यहोवा के भवन के दोनों आँगनों में बनाई थीं, उनको राजा ने ढाकर पीस डाला और उनकी बुकनी किद्रोन नाले में फेंक दी।13जो ऊँचे स्थान इस्राएल के राजा सुलैमान ने यरूशलेम के पूर्व की ओर और विकारी नामक पहाड़ी के दक्षिण ओर, अश्तोरेत नामक सीदोनियों की घिनौनी देवी, और कमोश नामक मोआबियों के घिनौने देवता, और मिल्कोम नामक अम्मोनियों के घिनौने देवता के लिये बनवाए थे, उनको राजा ने अशुद्ध कर दिया।14उसने लाठों को तोड़ दिया और अशेरों को काट डाला, और उनके स्थान मनुष्यों की हड्डियों से भर दिए।15फिर बेतेल में जो वेदी थी, और जो ऊँचा स्थान नबात के पुत्र यारोबाम ने बनाया था, जिस ने इस्राएल से पाप कराया था, उस वेदी और उस ऊँचे स्थान को उसने ढा दिया, और ऊँचे स्थान को फूँककर बुकनी कर दिया और अशेरा को फूँक दिया।16तब योशिय्याह ने मुड़कर वहाँ के पहाड़ की कब्रों को देखा, और लोगों को भेजकर उन कब्रों से हड्डियां निकलवा दीं और वेदी पर जलवाकर उसको अशुद्ध किया। यह यहोवा के उस वचन के अनुसार हुआ, जो परमेश्‍वर के उस भक्त ने पुकारकर कहा था जिस ने इन्हीं बातों की चर्चा की थी।17तब उसने पूछा, “जो खम्भा मुझे दिखाई पड़ता है, वह क्या है?” तब नगर के लोगों ने उससे कहा, “वह परमेश्‍वर के उस भक्त जन की कब्र है, जिस ने यहूदा से आकर इसी काम की चर्चा पुकारकर की थी, जो तूने बेतेल की वेदी से किया है।”18तब उसने कहा, “उसको छोड़ दो; उसकी हड्डियों को कोई न हटाए।” तब उन्होंने उसकी हड्डियां उस नबी की हड्डियों के संग जो सामरिया से आया था, रहने दीं।19फिर ऊँचे स्थान के जितने भवन सामरिया के नगरों में थे, जिनको इस्राएल के राजाओं ने बनाकर यहोवा को क्रोध दिलाया था, उन सभी को योशिय्याह ने गिरा दिया; और जैसा-जैसा उसने बेतेल में किया था, वैसा-वैसा उनसे भी किया।20उन ऊँचे स्थानों के जितने याजक वहाँ थे उन सभी को उसने उन्हीं वेदियों पर बलि किया और उन पर मनुष्यों की हड्डियां जलाकर यरूशलेम को लौट गया।योशिय्याह का उत्तर चरित्र

21राजा ने सारी प्रजा के लोगों को आज्ञा दी, “इस वाचा की पुस्तक में जो कुछ लिखा है, उसके अनुसार अपने परमेश्‍वर यहोवा के लिये फसह का पर्व मानो।”22निश्चय ऐसा फसह न तो न्यायियों के दिनों में माना गया था जो इस्राएल का न्याय करते थे, और न इस्राएल या यहूदा के राजाओं के दिनों में माना गया था।23राजा योशिय्याह के राज्य के अठारहवें वर्ष में यहोवा के लिये यरूशलेम में यह फसह माना गया।24फिर ओझे, भूतसिद्धिवाले, गृहदेवता, मूरतें और जितनी घिनौनी वस्तुएँ यहूदा देश और यरूशलेम में जहाँ कहीं दिखाई पड़ीं, उन सभी को योशिय्याह ने इस मनसा से नाश किया, \*कि व्यवस्था की जो बातें उस पुस्तक में लिखी थीं जो हिल्किय्याह याजक को यहोवा के भवन में मिली थी, उनको वह पूरी करे।25उसके तुल्य न तो उससे पहले कोई ऐसा राजा हुआ और न उसके बाद ऐसा कोई राजा उठा, जो मूसा की पूरी व्यवस्था के अनुसार अपने पूर्ण मन और पूर्ण प्राण और पूर्ण शक्ति से यहोवा की ओर फिरा हो।

26तो भी यहोवा का भड़का हुआ बड़ा कोप शान्त न हुआ, जो इस कारण से यहूदा पर भड़का था, कि मनश्शे ने यहोवा को क्रोध पर क्रोध दिलाया था।27यहोवा ने कहा था, “जैसे मैंने इस्राएल को अपने सामने से दूर किया, वैसे ही यहूदा को भी दूर करूँगा; और इस यरूशलेम नगर, जिसे मैंने चुना और इस भवन जिसके विषय मैंने कहा, कि यह मेरे नाम का निवास होगा, के विरुद्ध मैं हाथ उठाऊँगा।”

28योशिय्याह के और सब काम जो उसने किए, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?29उसके दिनों में फ़िरौन-नको नामक मिस्र का राजा अश्शूर के राजा की सहायता करने फरात महानद तक गया तो योशिय्याह राजा भी उसका सामना करने को गया, और फ़िरौन-नको ने उसको देखते ही मगिद्दो में मार डाला।30तब उसके कर्मचारियों ने उसका शव एक रथ पर रख मगिद्दो से ले जाकर यरूशलेम को पहुँचाया और उसकी निज कब्र में रख दिया। तब साधारण लोगों ने योशिय्याह के पुत्र यहोआहाज को लेकर उसका अभिषेक कर के, उसके पिता के स्थान पर राजा नियुक्त किया।यहोआहाज का राज्य

31जब यहोआहाज राज्य करने लगा, तब वह तेईस वर्ष का था, और तीन महीने तक यरूशलेम में राज्य करता रहा; उसकी माता का नाम हमूतल था, जो लिब्नावासी यिर्मयाह की बेटी थी।32उसने ठीक अपने पुरखाओं के समान वही किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।33उसको फ़िरौन-नको ने हमात देश के रिबला नगर में बन्दी बना लिया, ताकि वह यरूशलेम में राज्य न करने पाए, फिर उसने देश पर सौ किक्कार चाँदी और किक्कार भर सोना जुर्माना किया।34तब फ़िरौन-नको ने योशिय्याह के पुत्र एलयाकीम को उसके पिता योशिय्याह के स्थान पर राजा नियुक्त किया, और उसका नाम बदलकर यहोयाकीम रखा; परन्तु यहोआहाज को वह ले गया। और यहोआहाज मिस्र में जाकर वहीं मर गया।35यहोयाकीम ने फ़िरौन को वह चाँदी और सोना तो दिया परन्तु देश पर इसलिए कर लगाया कि फ़िरौन की आज्ञा के अनुसार उसे दे सके, अर्थात् देश के सब लोगों से जितना जिस पर लगान लगा, उतनी चाँदी और सोना उससे फ़िरौन-नको को देने के लिये ले लिया।यहोयाकीम का राज्य

36जब यहोयाकीम राज्य करने लगा, तब वह पच्चीस वर्ष का था, और ग्यारह वर्ष तक यरूशलेम में राज्य करता रहा; उसकी माता का नाम जबीदा था जो रूमावासी पदायाह की बेटी थी।37उसने ठीक अपने पुरखाओं के समान वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

#### 2 Kings 23:1

##### यहूदा के सब लोगों और यरूशलेम के सब निवासियों

“बहुत सारे और लोग”

##### छोटे बड़े सारी प्रजा के लोगों को

“सबसे छोटे से लेकर और सबसे महत्वपूर्ण

##### उसकी सब बातें उनको पढ़कर सुनाईं।

“तब राजा ने ऊँची आवाज में सुनवाया ताकि वह सुन सकें”

##### जो वाचा की पुस्तक यहोवा के भवन में मिली थी,

“जो उन्‍होने पाया“

#### 2 Kings 23:3

##### यहोवा के पीछे-पीछे चलूँगा,

“यहोवा की आज्ञाकारिता करते हुए जियो”

##### उसकी आज्ञाएँ, चितौनियाँ और विधियों का

इस सब शब्‍दों का एकसमान ही अर्थ है यह सब मिलकर यहोवा की आज्ञाओं पर ज़ोर देते हैं

##### अपने सारे मन और सारे प्राण से

“अपनी सारे बल से”

##### जो इस पुस्तक में लिखी हैं

“जो कुछ उन्‍होने इस पुस्‍तक में लिखा है”

##### इस वाचा की बातों को पूरी करूँगा

“वाचा की बातों की आज्ञाकरिता करो”

#### 2 Kings 23:4

##### उसके नीचे के याजकों

“दूसरे याजक जो उसकी सेवा करते थे”

##### द्वारपालों

“जो आदमी भवन के गेट पर पहरा देते थे”

##### बाल और... सब गणों के लिये

“ताकि लोग उनकी आराधना में इस्‍तेमाल कर सके”

##### उसने फूँककर...पहुँचा दी...राजा ने हटा दिया।

यहा पर “उसने” शब्‍द योशिय्‍याह को दर्शाता है, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### किद्रोन के मैदानों....बेतेल

स्‍थानो के नाम है।

##### जो बाल और सूर्य-चन्द्रमा, राशिचक्र और आकाश के सारे गणों को

जिस तरह बाल, सुर्य, और चाँद, राशिचक्र और सारे तारों की अराधना करते है”

#### 2 Kings 23:6

##### सामान्य जानकरी

यह लगातार बता रहा है की राजा जोशिय्‍याह ने यहोवा के संदेश का क्‍या प्रतिक्रिया की।

##### निकालकर...फूँक दिया...पीसकर...फेंक दी...ढा दिया।

यहा पर “उसने” शब्‍द योशिय्‍याह को दर्शाता है, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### पर्दे बुना करती थीं

“कपड़े बनाना”

#### 2 Kings 23:8

##### उसने बुलवाकर... अशुद्ध कर दिया...उसने ढा दिया।

हो सकता है कि यह सब करवाने के लिए योशिय्‍याह की मदद की हो, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### गेबा... बेर्शेबा

स्‍थानो के नाम हैं।

##### यहोशू (नगर के हाकिम )

“शहर के हाकिम का नाम यहोशू है”

##### जानेवाले के बाईं

यहा पर “बाई” उनके साथी याजकों को दर्शाता है जो यहोवा के भवन में सेवा करते थे”

#### 2 Kings 23:10

##### तोपेत...हिन्नोमवंशियों

यह स्‍थानो के नाम है।

##### अपने बेटे या बेटी को मोलेक के लिये आग में होम करके चढ़ाए।

“अपने बेटे और बेटी को आग में जला कर उनको मोलेक को बलिदान कर दिया”

##### उसने दूर किया,

हो सकता है कि यह सब करवाने के लिऐ योशिय्‍याह की मदद की हौ, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### घोड़े

“असली घोड़े” या घोड़ों की मूर्तीयाँ

##### सूर्य को अर्पण करके रखे थे

“सूर्य की पूजा करने में इस्‍तेमाल करते थे”

##### नतन्मेलेक

“यह पुरुष का नाम है”

#### 2 Kings 23:12

##### उनको राजा ने ढाकर पीस डाला ...ढाकर...फेंक दी...अशुद्ध कर दिया...तोड़ दिया... काट डाला...भर दिए।

हो सकता है कि यह सब करवाने के लिऐ योशिय्‍याह की मदद की हौ, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### किद्रोन नाले

यह स्‍थान का नाम है।

##### उनके स्थान मनुष्यों की हड्डियों से भर दिए।

”भूमी मनुष्‍यों की हड्डियो से ढपी हुई थी लोग अब इसका इस्‍तेमाल पवित्र कामों के लिए नही कर सकते थे”

#### 2 Kings 23:15

##### उसने ढा दिया।…फूँक दिया… अशुद्ध किया…जलवाकर

हो सकता है कि यह सब करवाने के लिऐ योशिय्‍याह की मदद की हौ, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### जिस ने इन्हीं बातों की चर्चा की थी।

“यह कहा गया था की ऐसा होगा”

#### 2 Kings 23:17

##### जो खम्भा

“मनुष्‍य के सम्‍मान के लिऐ बनाई गई मूर्ती या निशानी। एक तरह का समारक”

##### तब उन्होंने उसकी हड्डियां उस नबी की हड्डियों के संग जो सामरिया से आया था, रहने दीं।

“इस लिए उन्‍होने उसकी हड्डीयों को हाथ नहीं लगाया”

#### 2 Kings 23:19

##### योशिय्याह ने गिरा दिया...उसने किया था...बलि किया... जलाकर

हो सकता है कि यह सब करवाने के लिऐ योशिय्‍याह की मदद की हौ, “याजक उसकी अधीनता में है”

##### जैसा-जैसा उसने बेतेल में किया था

“जो उसने किया था”

##### उन पर मनुष्यों की हड्डियां जलाकर

“उसने उनके ऊपर मनुष्‍यो की हड्डीयां जला दी ताकि कोई उनका दोबारा इसतेमाल ना करे”

#### 2 Kings 23:21

##### फसह का पर्व मानो।

“तुम फसह का पर्व जरूर मनाना”

##### निश्चय ऐसा फसह न तो न्यायियों के दिनों में माना गया था

“उन दिनो में इस्राएल के वंशज फसह के पर्व को इतनी महानता से नहीं मनाते थे”

##### इस्राएल का न्याय करते

“इस्राएल” इस्राएल के वंशजो को दर्शाता है”

##### इस्राएल या यहूदा के राजाओं के दिनों में

“उस समय जब इस्राएल के लोगों का अपना राजा था और यहूदा के लोगों का अपना राजा था”

##### यहोवा के लिये यह फसह माना गया।

“यहूदा के लोगों ने यहोवा के फसह के पर्व को मनाया था“

#### 2 Kings 23:24

##### नाश किया...भूतसिद्धिवाले,

“उनको मजबूर करना... भूतसिद्धिवालों को जाना पड़ा”

##### भूतसिद्धिवाले,

“वह जो मुर्दो से बात करते है...वह जो आत्माओं से बात करते हैं”

##### मूरतें

“वह चीजे जिनमें लोग गलत विशवास करते है कि उनमें कोई खास शकती है”

##### जो यहोवा की ओर फिरा हो।

“जिसने पूरी तरह अपने-आप को यहोवा को दे दिया है”

##### न उसके बाद ऐसा कोई राजा उठा,

“उसके बाद कोई ऐसा राजा नही हुआ जो राजा जोशिय्‍याह के जैसा हो”

#### 2 Kings 23:26

##### तो भी

यह शब्‍द बताते है कि योशिय्‍याह ने जो कुछ किया सही किया लेकिन फिर भी यहोवा का क्रोध यहूदा पर से शांत नही हुआ।

##### यहोवा का भड़का हुआ बड़ा कोप शान्त न हुआ, जो इस कारण से भड़का था,

“यहोवा का कोप रुका नहीं क्‍योकि वह क्रोधित था।”

##### यहोवा को क्रोध पर क्रोध दिलाया था।

“उसको गुस्‍सा दिलाया गया”

##### सामने से दूर करूँगा

“यहाँ मैं हूँ उसे वहाँ से दूर दूँगा”

##### यह मेरे नाम का निवास होगा,

“लोग वहाँ मेरी अराधना करेंगे“

#### 2 Kings 23:28

##### क्या यहूदा के... राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

“तुम उन्‍हे पा सकते हो…यहूदा”

##### उसके दिनों में फ़िरौन-नको नामक मिस्र का राजा

मिस्र के राजा योशय्‍याह के राज काल के समय,फाराह-नको

##### नको... मगिद्दो

नको एक पुरूष का नाम है और मगिद्दो शहर का नाम है।

#### 2 Kings 23:31

##### वह तेईस वर्ष का था

“23 साल की आयू”

##### हमूतल

यह औरत का नाम है।

##### लिब्ना...रिबला... हमात

यह स्‍थानों के नाम है।

##### यहोआहाज ने ठीक अपने पुरखाओं के समान वही किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

“उसने वही किया जो यहोवा की नज़रो में बुरा था”

##### उसको बन्दी बना लिया

“उनको कैदखाने में डाल दिया था”

##### जुर्माना किया।

“यहूदा के लोगों को लगान देने के लिए मजबूर किया”

##### सौ किक्कार...किक्कार

“3300 किलोग्राम...33 किलोग्राम”

#### 2 Kings 23:34

##### यहोयाकीम ने देश पर कर लगाया

“यहोयाकीम ने लोगो से लगान इकट्ठा किया जिनकी अपनी भूमि है”

##### देश के सब लोगों

“सब लोग जो यहूदा में रहते थे”

#### 2 Kings 23:36

##### जबीदा

यह औरत का नाम है।

##### पदायाह

यह पुरुष का नाम है।

##### रूमावासी

यह स्‍थान का नाम है।

##### यहोयाकीम ने ठीक अपने पुरखाओं के समान वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

“उसने वही किया जो यहोवा की निगाहों में बुरा था।

### Translation Questions

#### 2 Kings 23:2

##### वाचा की पुस्तक को राजा ने किसके सामने पढ़वाई?

उसने यहूदा और यरूशलेम के सब नागरिकों के सामने- याजकों, भविष्यद्वक्ताओं और छोटे से बड़े सब लोगों- के सामने वाचा की पुस्तक पढ़वाई।

#### 2 Kings 23:3

##### सभी लोग क्या करने के लिए सहमत थे?

सभी लोग वाचा से खड़े होने पर सहमत हुए।

#### 2 Kings 23:4

##### राजा ने यरूशलेम के बाहर किद्रोन के खेतों में क्या जलाया?

राज्य ने बाल और अशेरा के और आकाश के तारे गणों के लिए बनाए गए थे उन सबको यहोवा के मन्दिर से निकाल कर किद्रोन के खेतों में जलाकर राख कर दिए।

#### 2 Kings 23:7

##### राजा ने कौन से कक्ष खाली करवाए?

राजा ने यहोवा के भवन में जो पुरुषगामियों के घर थे उनको उसने ढा दिया।

#### 2 Kings 23:9

##### जिन वेदियों पर धूप जलाई जाती थी उनके याजकों को अख़मीरी रोटी खाने के लिए कौन सा स्थान दिया गया?

उन याजकों को अख़मीरी रोटी यरूशलेम में खाने के लिए स्थान दिया गया।

#### 2 Kings 23:11

##### यहूदा के राजा ने सूर्य को जो घोड़े अर्पित किए थे वह कहाँ थे?

सूर्य को अर्पित घोड़े यहोवा के मन्दिर के प्रवेश द्वार पर नतन्मेलेक नामक खोजे की बाहरी कोठरी में रखे थे।

#### 2 Kings 23:13

##### भ्रष्टाचार का ऊँचा स्थान किसने बनवाया था?

इस्राएल के राजा सुलैमान ने भ्रष्टाचार का ऊँचा स्थान बनवाया था।

#### 2 Kings 23:16

##### योशिय्याह ने बेतेल की वेदी पर हड्डियाँ क्यों जलवाईं?

वेदी को अशुद्ध करने के लिए राजा ने उस पर हड्डियाँ जलवाई थीं।

#### 2 Kings 23:17

##### योशिय्याह ने किसकी हड्डियों को नहीं छूने दिया?

योशिय्याह ने यहूदा से आने वाला परमेश्वर के भक्त और सामरिया से आने वाले नबी की हड्डियों को नहीं छूने दिया।

#### 2 Kings 23:18

##### योशिय्याह ने किसकी हड्डियों को नहीं छूने दिया?

योशिय्याह ने यहूदा से आने वाला परमेश्वर के भक्त और सामरिया से आने वाले नबी की हड्डियों को नहीं छूने दिया।

#### 2 Kings 23:22

##### इस तरह के फसह का जश्न कब तक नहीं रखा गया था?

ऐसा फसह न तो न्यायियों के दिनों में माना गया था जो इस्राएल का न्याय करते थे, और न इस्राएल या यहूदा के राजाओं के दिनों में माना गया था।

#### 2 Kings 23:25

##### योशिय्याह का मन यहोवा की ओर कैसा था?

योशिय्याह अपने पूरे तन-मन और शक्ति से यहोवा की ओर था।

#### 2 Kings 23:26

##### यहोवा ने क्या नहीं बदला?

यहोवा अपने महान क्रोध की भयंकरता से नहीं निकला।

#### 2 Kings 23:29

##### फरात नदी पर अश्शूर के राजा से युद्ध करने कौन गया?

मिस्र का राजा नको अश्शूरों से युद्ध करने फरात नदी पर गया था।

#### 2 Kings 23:33

##### फिरौन नको ने हमात के रिबला नगर में यहोआहाज को बन्दी क्यों बनाया?

फिरौन नको ने उसे इसलिए बन्दी बनाया कि वह यरूशलेम में राज न करे।

#### 2 Kings 23:35

##### यहोयाकीम फिरौन को कर देने के लिए पैसा कहां से लाता था?

यहोयाकीम ने फिरौन का भुगतान करने के लिए प्रजा पर कर लगाया ताकि फिरौन को दे।

Chapter 24  
यहूदा पर शत्रुओं का आक्रमण

1उसके दिनों में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर\* ने चढ़ाई की और यहोयाकीम तीन वर्ष तक उसके अधीन रहा; तब उसने फिरकर उससे विद्रोह किया।2तब यहोवा ने उसके विरुद्ध और यहूदा को नाश करने के लिये कसदियों, अरामियों, मोआबियों और अम्मोनियों के दल भेजे, यह यहोवा के उस वचन के अनुसार हुआ, जो उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा था।3निःसन्देह यह यहूदा पर यहोवा की आज्ञा से हुआ, ताकि वह उनको अपने सामने से दूर करे। यह मनश्शे के सब पापों के कारण हुआ।4और निर्दोष के उस खून के कारण जो उसने किया था; क्योंकि उसने यरूशलेम को निर्दोषों के खून से भर दिया था, जिसको यहोवा ने क्षमा करना न चाहा।5यहोयाकीम के और सब काम जो उसने किए, वह क्या यहूदा के राजाओं के इतिहास की पुस्तक में नहीं लिखे हैं?6अन्त में यहोयाकीम मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला और उसका पुत्र यहोयाकीन\* उसके स्थान पर राजा हुआ।7और मिस्र का राजा अपने देश से बाहर फिर कभी न आया, क्योंकि बाबेल के राजा ने मिस्र के नाले से लेकर फरात महानद तक जितना देश मिस्र के राजा का था, सब को अपने वश में कर लिया था।यहोयाकीन का राज्य

8जब यहोयाकीन राज्य करने लगा, तब वह अठारह वर्ष का था, और तीन महीने तक यरूशलेम में राज्य करता रहा; और उसकी माता का नाम नहुश्ता था, जो यरूशलेम के एलनातान की बेटी थी।9उसने ठीक अपने पिता के समान वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।10उसके दिनों में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के कर्मचारियों ने यरूशलेम पर चढ़ाई करके नगर को घेर लिया।11जब बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के कर्मचारी नगर को घेरे हुए थे, तब वह आप वहाँ आ गया।12तब यहूदा का राजा यहोयाकीन अपनी माता और कर्मचारियों, हाकिमों और खोजों को संग लेकर बाबेल के राजा के पास गया, और बाबेल के राजा ने अपने राज्य के आठवें वर्ष में उनको पकड़ लिया।13तब उसने यहोवा के भवन में और राजभवन में रखा हुआ पूरा धन वहाँ से निकाल लिया और सोने के जो पात्र इस्राएल के राजा सुलैमान ने बनाकर यहोवा के मन्दिर में रखे थे, उन सभी को उसने टुकड़े-टुकड़े कर डाला, जैसा कि यहोवा ने कहा था।14फिर वह पूरे यरूशलेम को अर्थात् सब हाकिमों और सब धनवानों को जो मिलकर दस हजार थे, और सब कारीगरों और लोहारों को बन्दी बनाकर ले गया, यहाँ तक कि साधारण लोगों में से कंगालों को छोड़ और कोई न रह गया।15वह यहोयाकीन को बाबेल में ले गया और उसकी माता और स्त्रियों और खोजों को और देश के बड़े लोगों को वह बन्दी बनाकर यरूशलेम से बाबेल को ले गया।16और सब धनवान जो सात हजार थे, और कारीगर और लोहार जो मिलकर एक हजार थे, और वे सब वीर और युद्ध के योग्य थे, उन्हें बाबेल का राजा बन्दी बनाकर बाबेल को ले गया।17बाबेल के राजा ने उसके स्थान पर उसके चाचा मत्तन्याह को राजा नियुक्त किया और उसका नाम बदलकर सिदकिय्याह रखा।सिदकिय्याह का राज्य

18जब सिदकिय्याह राज्य करने लगा, तब वह इक्कीस वर्ष का था, और यरूशलेम में ग्यारह वर्ष तक राज्य करता रहा; उसकी माता का नाम हमूतल था, जो लिब्नावासी यिर्मयाह की बेटी थी।19उसने ठीक यहोयाकीम की लीक पर चलकर वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है\*।20क्योंकि यहोवा के कोप के कारण यरूशलेम और यहूदा की ऐसी दशा हुई, कि अन्त में उसने उनको अपने सामने से दूर किया।

#### 2 Kings 24:1

##### यहोयाकीम के दिनों में

“यहोयाकीम के यहूदा पर राज्‍य काल के समय के दौरान

##### चढ़ाई की

“यहूदा पर चढ़ाई करके यहूदा को हरा दिया था”

##### यह यहोवा के उस वचन के अनुसार हुआ, जो उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा था।

“यह ठीक वही है जो यहोवा ने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को कहा था कि ऐसा होगा”

#### 2 Kings 24:3

##### निःसन्देह यह यहोवा की आज्ञा से हुआ,

“निःसन्देह यह यहोवा के क्रोध के कारन हुआ है”

##### यहोवा की आज्ञा से

“जैसे यहोवा ने आज्ञा दी थी।”

##### उनको अपने सामने से दूर करे।

“उनका नाश कर दो”

##### निर्दोष के उस खून के कारण जो उसने किया था;

“निर्दोश लोग जिनको उसने मारा था”

##### उसने यरूशलेम को निर्दोषों के खून से भर दिया था,

“इस्राएल में उसने बहुत से निर्दोश लोगों को मारा था”

#### 2 Kings 24:5

##### क्या यहूदा के... पुस्तक में नहीं लिखे हैं?

“तुम उनको खोज सकते हो..... यहूदा”

##### मर कर अपने पुरखाओं के संग जा मिला

“मर गया और अपने पुरखाओ के साथ दफनाया गया”

#### 2 Kings 24:7

##### मिस्र का राजा अपने देश से बाहर फिर कभी न आया,

मिस्र का राजा दूसरे समूह के लोगों पर हमला करने के लिये अपने देश से बहर नहीं आया”

#### 2 Kings 24:8

##### नहुश्ता...एलनातान

यह औरतों के नाम है।

##### उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है।

“उसने वही किया जो यहोवा की नज़रो में बुरा था”

##### उसने ठीक अपने पिता के समान वह किया,

“उसने ठीक वही पाप किया जो उसने पिता ने किया था”

#### 2 Kings 24:10

##### तब यहूदा का राजा यहोयाकीन अपनी माता और कर्मचारियों, हाकिमों और खोजों को संग लेकर बाबेल के राजा के पास गया,

“यहोयाकीन यहूदा का राजा, उसकी माता, उसके दास, उसकी रानीया, और उसके अधिकारी सब यहाँ बाबेल का राजा था वहाँ गये, उसके अधीन होने के लिए“

##### बाबेल के राजा ने अपने राज्य के आठवें वर्ष में उनको पकड़ लिया।

“बाबेल के राजा ने अपने सात साल राजा होने के बाद, उसने यहोयाकीम को पकड़ लिया”

#### 2 Kings 24:13

##### इस्राएल के राजा सुलैमान ने बनाकर

सुलैमान ने यह दूसरे लोगों की सहायता से किया

##### वह पूरे यरूशलेम को बन्दी बनाकर ले गया,

”नबुकदेनशर यरूशलम से सारे महत्‍वपूर्ण लोगो को बन्‍दी बनाकर ले गया”

##### सब कारीगरों और लोहारों को

वह आदमी जो यह जानते थे कि धातू से बनी हुई चीजों कैसे को बनाया जाता है और उनकी मरम्मत कैसे की जाती है।

##### साधारण लोगों में से कंगालों को छोड़ और कोई न रह गया।

“सिर्फ सबसे गरीब लोग ही उस देश में रह गये थे”

#### 2 Kings 24:15

##### सात हजार...एक हजार

“7000....1000”

##### मत्तन्याह

“यह पुरुष का नाम है”

#### 2 Kings 24:18

##### इक्कीस... ग्यारह

“21…11”

##### हमूतल

यह औरत का नाम है।

##### यिर्मयाह

यह पुरुष का नाम है।

##### लिब्ना

यह स्‍थान का नाम है।

##### उसने वही किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है

“उसने वह काम किये जो यहोवा ने कहा था कि बुरा है”

### Translation Questions

#### 2 Kings 24:2

##### यहोवा ने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा क्या सन्देश दिया था?

यहोवा ने अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा सन्देश दिया था कि कसदियों, अरामियों, मोआबियों और अम्मोनियों के दल यहूदा को नष्ट करने के लिए आयेंगे।

#### 2 Kings 24:4

##### यहोवा किस अपराध को क्षमा नहीं करना चाहता था?

यहोवा मनश्शे द्वारा निर्दोषों की हत्या का अपराध क्षमा करने को तैयार नहीं था।

#### 2 Kings 24:7

##### मिस्र के राजा ने अपनी भूमि से और अधिक हमला क्यों नहीं किया?

मिस्र के राजा ने अपनी भूमि से और अधिक हमला नहीं किया, क्योंकि बाबेल के राजा ने मिस्र के राजा द्वारा नियंत्रित सभी भूमि पर विजय प्राप्त की थी।

#### 2 Kings 24:12

##### नबूकदनेस्सर ने यहोयाकीन को कब पकड़ा?

नबूकदनेस्सर ने अपने राज्य के आठवें वर्ष में यहोयाकीन को बन्दी बनाया था।

#### 2 Kings 24:14

##### भूमि में कौन छोड़ा गया था?

वहां कंगालों को छोड़ कोई नहीं रह गया था।

#### 2 Kings 24:17

##### बाबेल के राजा ने मत्तन्याह का नाम बदल कर क्या रख दिया था?

मत्तन्याह के राजा ने मत्तन्याह का नाम बदलकर सिदकिय्याह रख दिया था।

Chapter 25  
यहूदा का पतन और गुलामी

1सिदकिय्याह ने बाबेल के राजा से बलवा किया। उसके राज्य के नौवें वर्ष के दसवें महीने के दसवें दिन को बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने अपनी पूरी सेना लेकर यरूशलेम पर चढ़ाई की, और उसको घेर लिया और उसके चारों ओर पटकोटा बनाए।2इस प्रकार नगर सिदकिय्याह राजा के राज्य के ग्यारहवें वर्ष तक घिरा हुआ रहा।3चौथे महीने के नौवें दिन से नगर में अकाल यहाँ तक बढ़ गई, कि देश के लोगों के लिये कुछ खाने को न रहा।4तब नगर की शहरपनाह में दरार की गई, और दोनों दीवारों के बीच जो फाटक राजा की बारी के निकट था उस मार्ग से सब योद्धा रात ही रात निकल भागे यद्यपि कसदी नगर को घेरे हुए थे, राजा ने अराबा का मार्ग लिया।5तब कसदियों की सेना ने राजा का पीछा किया, और उसको यरीहो के पास के मैदान में जा पकड़ा, और उसकी पूरी सेना उसके पास से तितर-बितर हो गई।6तब वे राजा को पकड़कर रिबला में बाबेल के राजा के पास ले गए, और उसे दण्ड की आज्ञा दी गई।7उन्होंने सिदकिय्याह के पुत्रों को उसके सामने घात किया और सिदकिय्याह की आँखें फोड़ डाली और उसे पीतल की बेड़ियों से जकड़कर बाबेल को ले गए।यरूशलेम का विनाश

8बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के उन्नीसवें वर्ष के पाँचवें महीने के सातवें दिन को अंगरक्षकों का प्रधान नबूजरदान जो बाबेल के राजा का एक कर्मचारी था, यरूशलेम में आया।9उसने यहोवा के भवन और राजभवन और यरूशलेम के सब घरों को अर्थात् हर एक बड़े घर को आग लगाकर फूँक दिया।10यरूशलेम के चारों ओर की शहरपनाह को कसदियों की पूरी सेना ने जो अंगरक्षकों के प्रधान के संग थी ढा दिया।11जो लोग नगर में रह गए थे, और जो लोग बाबेल के राजा के पास भाग गए थे, और साधारण लोग जो रह गए थे, इन सभी को अंगरक्षकों का प्रधान नबूजरदान बन्दी बनाकर ले गया।12परन्तु अंगरक्षकों के प्रधान ने देश के कंगालों में से कितनों को दाख की बारियों की सेवा और काश्तकारी करने को छोड़ दिया।13यहोवा के भवन में जो पीतल के खम्भे थे और कुर्सियाँ और पीतल का हौद जो यहोवा के भवन में था, इनको कसदी तोड़कर उनका पीतल बाबेल को ले गए।14हाँडियों, फावड़ियों, चिमटों, धूपदानों और पीतल के सब पात्रों को भी जिनसे सेवा टहल होती थी, वे ले गए।15करछे और कटोरियाँ जो सोने की थीं, और जो कुछ चाँदी का था, वह सब सोना, चाँदी, अंगरक्षकों का प्रधान ले गया।16दोनों खम्भे, एक हौद और कुर्सियाँ जिसको सुलैमान ने यहोवा के भवन के लिये बनाया था, इन सब वस्तुओं का पीतल तौल से बाहर था।17एक-एक खम्भे की ऊँचाई अठारह-अठारह हाथ की थी और एक-एक खम्भे के ऊपर तीन-तीन हाथ ऊँची पीतल की एक-एक कँगनी थी, और एक-एक कँगनी पर चारों ओर जो जाली और अनार बने थे, वे सब पीतल के थे।18अंगरक्षकों के प्रधान ने सरायाह महायाजक और उसके नीचे के याजक सपन्याह और तीनों द्वारपालों को पकड़ लिया।19नगर में से उसने एक हाकिम को पकड़ा जो योद्धाओं के ऊपर था, और जो पुरुष राजा के सम्मुख रहा करते थे, उनमें से पाँच जन जो नगर में मिले, और सेनापति का मुंशी जो लोगों को सेना में भरती किया करता था; और लोगों में से साठ पुरुष जो नगर में मिले।20इनको अंगरक्षकों का प्रधान नबूजरदान पकड़कर रिबला के राजा के पास ले गया।21तब बाबेल के राजा ने उन्हें हमात देश के रिबला में ऐसा मारा कि वे मर गए। अतः यहूदी बन्दी बनके अपने देश से निकाल दिए गए।गदल्याह की हत्या

22जो लोग यहूदा देश में रह गए, जिनको बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने छोड़ दिया, उन पर उसने अहीकाम के पुत्र गदल्याह को जो शापान का पोता था अधिकारी ठहराया।23जब दलों के सब प्रधानों ने\* अर्थात् नतन्याह के पुत्र इश्माएल कारेह के पुत्र योहानान, नतोपाई, तन्हूमेत के पुत्र सरायाह और किसी माकाई के पुत्र याजन्याह ने और उनके जनों ने यह सुना, कि बाबेल के राजा ने गदल्याह को अधिकारी ठहराया है, तब वे अपने-अपने जनों समेत मिस्पा में गदल्याह के पास आए।24गदल्याह ने उनसे और उनके जनों ने शपथ खाकर कहा, “कसदियों के सिपाहियों से न डरो, देश में रहते हुए बाबेल के राजा के अधीन रहो, तब तुम्हारा भला होगा।” 25परन्तु सातवें महीने में नतन्याह का पुत्र इश्माएल, जो एलीशामा का पोता और राजवंश का था, उसने दस जन संग ले गदल्याह के पास जाकर उसे ऐसा मारा कि वह मर गया, और जो यहूदी और कसदी उसके संग मिस्पा में रहते थे, उनको भी मार डाला।26तब क्या छोटे क्या बड़े सारी प्रजा के लोग और दलों के प्रधान कसदियों के डर के मारे उठकर मिस्र में जाकर रहने लगे।यहोयाकीन का बढ़ाया जाना

27फिर यहूदा के राजा यहोयाकीन की बँधुआई के तैंतीसवें वर्ष में अर्थात् जिस वर्ष बाबेल का राजा एवील्मरोदक राजगद्दी पर विराजमान हुआ, उसी के बारहवें महीने के सताईसवें दिन को उसने यहूदा के राजा यहोयाकीन को बन्दीगृह से निकालकर बड़ा पद दिया।28उससे मधुर-मधुर वचन कहकर जो राजा उसके संग बाबेल में बन्धुए थे उनके सिंहासनों से उसके सिंहासन को अधिक ऊँचा किया,29यहोयाकीन ने बन्दीगृह के वस्त्र बदल दिए और उसने जीवन भर नित्य राजा के सम्मुख भोजन किया।30और प्रतिदिन के खर्च के लिये राजा के यहाँ से नित्य का खर्च ठहराया गया जो उसके जीवन भर लगातार उसे मिलता रहा।

#### 2 Kings 25:1

##### नौवें वर्ष के

नौवें साल में

##### दसवें महीने के दसवें दिन को

यह इब्रानी कैलंड़र का दसवां महीना है, पछमी कैलंड़र के अनुसार यह दसंबर के अंत के करीब दसवां दिन है। यह ठण्‍डी के मोसम के दोरान को है जब उधर बारिश और बरफ पड़ रही हो।

##### अपनी पूरी सेना लेकर यरूशलेम पर चढ़ाई की,

“अपनी सारी सैना के साथ इस्राएल के लोगो के विरुध युद्ध करने आया”

##### चौथे महीने के नौवें दिन से

यह इब्रानी कैलंड़र का चौथा महीना है, पछमी कैलंड़र के अनुसार यह जून के अंत के करीब नौवां दिन है। यह सूखे के मौसम के दौरान को है जब उधर थोड़ी सी बारिश हो या बारिस ना हो।

##### देश के लोगों के

“यरुशलम के रहने वाले लोग”

#### 2 Kings 25:4

##### तब नगर की शहरपनाह में दरार की गई,

“तब बाबेल की सेना ने शहर की दीवारों को तोड़ दिया”

##### सब योद्धा

“सभी योद्धा वीर”

##### जो फाटक निकट था

गेट का इस्‍तेमाल करने के द्वारा”

##### कसदी

यह लोगों के विशेष समूह को दर्शाता है।

##### राजा ने अराबा का मार्ग लिया।

“सिदकिय्याह राजा भी भाग गया और वह चला गया”

##### उसकी पूरी सेना उसके पास से तितर-बितर हो गई।

“उसकी सारी सेना भाग गयी”

#### 2 Kings 25:6

##### रिबला

यह स्‍थान का नाम है।

##### उसे दण्ड की आज्ञा दी गई।

“उन्‍होने फैसला किया कि उसे कैसे सजा दी जायेगी”

##### उन्होंने सिदकिय्याह के पुत्रों को उसके सामने घात किया

“उन्होंने सिदकिय्याह को उसके बच्‍चों को मारते हुए देखने के लिऐ मजबूर किया”

#### 2 Kings 25:8

##### पाँचवें महीने के सातवें दिन को

यह कैलंड़र का पांचवा महीना है। पच्‍छमी कैलंड़र के अनुसार जुलाई के अंत के करीब सातवाँ दिन है।

##### उन्नीसवें वर्ष

“यह गिनती का 19 क्रमवाचक है”

##### नबूजरदान

यह पुरुष का नाम है।

##### यरूशलेम के चारों ओर की शहरपनाह,सब

“यरूशलम की चारों ओर की दीवारों के साथ ऐसा हुआ

##### जो संग थी

“जो आज्ञा का पालन कर रहे थे”

#### 2 Kings 25:11

##### जो लोग में रह गए थे...नगर

“बचे हुवे लोगों का यह हाल हुआ... शहर;

##### जो लोग नगर में रह गए थे,

“वह लोग जो शहर में रह गये थे।”

##### राजा के पास भाग गए थे,

“शहर को छोड़ कर राजा के पास भाग गये थे”

#### 2 Kings 25:13

##### जो पीतल के खम्भे थे... यहोवा, कसदी

“पीतल के खम्‍भो का यह हाल हुआ था… यहोवा: कसदी”

##### कुर्सियाँ

“पहीयों वाली पीतल की कुर्सियाँ”

##### पीतल का हौद

“बड़े पीतल के हौद”

##### तोड़कर

“उनको टुकड़ो में तोड़ दिया”

##### फावड़ियों

फावड़ा वेदी को साफ करने के लिऐ एक औजार है, आम तौर पर मिट्टी के बड़े ढेर को हटाने के लिऐ इस्‍तेमाल किया जाता है।

##### सब पात्रों को भी जिनसे सेवा टहल होती थी,

“जिनको याजक मंदिर की सेवा में इस्‍तेमाल किया करते थे”

##### करछे

“कडछी जिससे वेदी की राख को हटाने के लिऐ इस्ते‍माल किया जाता है”

#### 2 Kings 25:16

##### एक हौद

”बड़े पीतल के हौद”

##### कुर्सियाँ

“पहीयों वाली पीतल की कुर्सियाँ”

##### अठारह-अठारह हाथ...तीन-तीन हाथ

ऐक हाथ 46 सैंटीमीटर का होता है। “लगभग 1.4 मीटर का”

##### पीतल की एक-एक कँगनी थी,

“पीतल की ऐक आक्रिती”

##### जाली

“यह रचना तारो को पार करके बनाई गयी है जो जाली की तरह लगती है”

##### वे सब पीतल के थे।

“सारा पीतल से बना हुआ था”

#### 2 Kings 25:18

##### अंगरक्षकों के प्रधान ने

“प्रधान” सिपाहीयों के अगुवे को दर्शाता है”

##### सरायाह

यह पुरुष का नाम है।

##### उसके नीचे के याजक

यह शब्‍द जफेनिय्‍याह को द्रशाते है। “याजक जो पवित्र स्‍थान में काम करते थे”

##### द्वारपालों

“जो आदमी भवन के गेट पर पहरा देते थे”

##### पकड़ लिया।

“पकड़ लिया और भागने नहीं दिया”

##### जो योद्धाओं के ऊपर था,

“एक हिजड़ा जो योद्धाओ के ऊपर प्रधान था” हिजड़ा वो व्यक्ति था जिसे गुप्त आँग को नष्ट कर दिया हो।

##### सेनापति का मुंशी जो लोगों को सेना में भरती किया करता था

“सेनापति ने पुरुषो को सैनिक बनने के लिए मजबूर किया”

#### 2 Kings 25:20

##### नबूजरदान

यह पुरुष का नाम है।

##### रिबला

यह स्‍थान का नाम है।

##### ऐसा मारा कि वे मर गए।

“यह नम्रता से कहने का तरीका है “उनको मार दिया”

##### यहूदी बन्दी बनके अपने देश से निकाल दिए गए।

“इस लिऐ यहूदीयो को उनके देश से निकाल दिया गया”

##### यहूदी निकाल दिए गए।

“यहूदा के लोगों को उनके देश से बाहर निकाल दिया गया”

#### 2 Kings 25:22

##### गदल्याह...हीकाम...शापान...इश्माएल...नतन्याह, योहानान...कारेह...सरायाह...तन्हूमेत... याजन्याह

यह पुरुषों के नाम हैं।

##### नतोपाई

यह नतोपाई नाम के आदमी के वंशजो को दर्शाता है।

##### माकाई

“माका कहलाने वाले स्‍थान से”

#### 2 Kings 25:25

##### सातवें महीने

यह ईबरानी कैलंड़र का सातवाँ महीना है, यह पच्‍छमी कैलंड़र के अनुसार अकतूबर के पहले हिस्‍से और सतंम्‍बर के आखरी हिस्‍से के दोरान होता है”

##### एलीशामा

यह पुरुष का नाम है।

##### सारी प्रजा के लोग

“बहुत सारे लोग”

##### क्या छोटे क्या बड़े

“छोटे और बड़े सभी आवश्‍यक लोग”

#### 2 Kings 25:27

##### जिस वर्ष बाबेल का राजा एवील्मरोदक राजगद्दी पर विराजमान हुआ,

सातवाँ साल

##### उसी के बारहवें महीने के सताईसवें दिन को

यह ईबरानी कैलंड़र का बाहरवाँ महीना है, यह पच्‍छमी कैलंड़र के अनुसार अप्रेल के महीने के सुरुआत के करीब सताईसवाँ दिन है।

##### एवील्मरोदक

“यह ऐसा पुरुष का नाम है जो, उसका वर्नण नहीं करता।”

#### 2 Kings 25:28

##### उनके सिंहासनों से उसके सिंहासन को अधिक ऊँचा किया,

“दूसरे राजायो से अधिक सम्‍मान”

##### यहोयाकीन ने बन्दीगृह के वस्त्र बदल दिए

पाठक को समझना चाहिए कि उसके जेल कपड़े हटाने उसे एक स्वतंत्र आदमी बनाने के लिए एक उपलक्षण है.

##### राजा के सम्मुख भोजन किया

“राजा के साथ उसके अधिकारी“

##### नित्य का खर्च ठहराया गया जो उसके जीवन भर लगातार उसे मिलता रहा।

“राजा ने यह निश्‍चय किया कि उसका रोज का खाना ठहराया जाऐ“

##### जीवन भर लगातार उसे मिलता रहा।

“भोजन खरीदने को पैसा”

### Translation Questions

#### 2 Kings 25:3

##### देश के लोगों के लिए भोजन क्यों नहीं था?

भयंकर अकाल के कारण देश के लोगों के लिए भोजन नहीं था।

#### 2 Kings 25:4

##### सब योद्धा कहां से निकल कर भागे थे?

शहरपनाह में दरार करके जो फाटक राजा की बारी के निकट था उस मार्ग से सब योद्धा रात ही रात निकल भागे।

#### 2 Kings 25:7

##### सिदकिय्याह के पुत्रों का संहार हो जाने के बाद सिदकिय्याह का क्या हुआ?

सिदकिय्याह के पुत्रों का संहार करने के बाद कसदियों ने सिदकिय्याह को अंधा कर दिया और उसे बाबेल ले गए।

#### 2 Kings 25:10

##### यरूशलेम की शहरपनाह को किसने ढा दिया था?

कसदियों के अंगरक्षकों के प्रधान के साथ जो सेना थी उसने यरूशलेम की शहरपनाह को ढा दिया।

#### 2 Kings 25:12

##### अंगरक्षकों के प्रधान ने यरूशलेम में कंगालों को छोड़ दिया?

दाख की बारी और खेतों की देखभाल के लिए उसने कंगालों को छोड़ दिया था।

#### 2 Kings 25:16

##### उन दोनों खंभों का पीतल कितना था?

उन दोनों खंभों का पीतल तौल से बाहर था।

#### 2 Kings 25:21

##### अंगरक्षकों के प्रधान ने जो बन्दी बनाए थे उनका बाबेल के राजा ने क्या किया?

बाबेल के राजा ने उन सबको मरवा दिया।

#### 2 Kings 25:22

##### यहूदा में जो लोग रह गए थे उन पर नबूकदनेस्सर ने किसको अधिकारी ठहराया?

नबूकदनेस्सर ने गदल्याह को उन पर अधिकारी ठहराया।

#### 2 Kings 25:26

##### दलों के प्रधान और सब लोग मिस्र क्यों भाग गए?

दलों के प्रधान और सब लोग कसदियों के डर के मारे वे मिस्र भाग गए।

#### 2 Kings 25:27

##### यहोयाकीन को बन्दीगृह से कब मुक्त किया गया?

एवील्मरोदक के राज्य के बारवें महीने के सत्ताइसवें दिन यहोयाकीन को बन्दीगृह से निकाला गया था।

#### 2 Kings 25:29

##### यहोयाकीन ने क्या खाना खाया?

यहोयाकीन ने जीवन भर नित्य राजा के सम्मुख भोजन किया। प्रतिदिन के खर्च के लिये राजा के यहाँ से नित्य का खर्च ठहराया गया था जो उसके जीवन भर लगातार उसे मिलता रहा।

#### 2 Kings 25:30

##### यहोयाकीन ने क्या खाना खाया?

यहोयाकीन ने जीवन भर नित्य राजा के सम्मुख भोजन किया। प्रतिदिन के खर्च के लिये राजा के यहाँ से नित्य का खर्च ठहराया गया था जो उसके जीवन भर लगातार उसे मिलता रहा। ﻿

## Translation Words

### अंग, अंगों

#### परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

* नये नियम में विश्वासियों को “मसीह की देह” का अंग कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का गठन है।
* इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
* यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों का सदस्य कहा जाता है।

(यह भी देखें: [देह](../kt/body.md), [फरीसी](../kt/pharisee.md), [महासभा](../other/council.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 06:14-15
* 1 कुरिन्थियों 12:14-17
* गिनती 16:1-3
* रोमियो 12:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

### अंजीर, अंजीरों

#### परिभाषा:

“अंजीर” एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

* अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3-5 से.मी. होती है।
* आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
* अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
* बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण थे।
* फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
* यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* हबक्कूक 03:17
* याकूब 03:11-12
* लूका 13:6-7
* मरकुस 11:13-14
* मत्ती 07:15-17
* मत्ती 21:18-19

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

### अकाल

#### परिभाषा:

“अकाल” शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

* फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
* भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
* बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
* आमोस 8:11 में “अकाल” शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में “अकाल” शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ “महान घटी” या “गंभीर अभाव” हो।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 21:11-12
* प्रे.का. 07:11-13
* उत्पत्ति 12:10-13
* उत्पत्ति 45:4-6
* यिर्मयाह 11:21-23
* लूका 04:25-27
* मत्ती 24:6-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

### अच्छा, सही, भलाई, प्रसन्न, उत्तम, सबसे अच्छा

#### परिभाषा:

“अच्छा” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। अनेक भाषाओं में इन भिन्न-भिन्न अर्थों का अनुवाद करने के लिए भिन्न-भिन्न शब्द होंगे।

* सामान्यतः कोई बात अच्छी है यदि वह परमेश्वर के गुण, उद्देश्य और इच्छा के अनुरूप है।
* एक “अच्छी” वस्तु ग्रहणयोग्य, उत्कृष्ट, सहायक, योग्य, लाभकारी या नैतिक औचित्य में होगी।
* भूमि अच्छी है तो वह उपजाऊ एवं उत्पादक होगी।
* “अच्छी” फसल अर्थात विपुल उत्पाद
* एक व्यक्ति अपने काम में "अच्छा" हो सकता है कि वे क्या करते हैं यदि वे अपने काम या पेशे में निपुण हैं, जैसा कि अभिव्यक्ति "एक अच्छा किसान" है।
* बाइबल में “अच्छा” प्रायः बुरे के विपरीत है।
* “भलाई” प्रायः विचारों और कार्य में नैतिकता के आधार पर भला एवं धर्मी होना है।
* परमेश्वर की अच्छाई का अर्थ है मनुष्यों को अच्छी और लाभ की वस्तुएं देना। इसका संदर्भ परमेश्वर की नैतिक सिद्धता से भी है

#### अनुवाद के सुझाव:

* लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए जब भी यह सामान्य शब्द उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
* प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दया” या "महाप्रथापी" या “धर्मी” या “नैतिक औचित्य” या “लाभकारी”
* “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि” या “अच्छी फसल” का अनुवाद “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
* “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद , “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” हो सकता है।
* “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
* प्रकरण के अनुसार “भलाई के अनुवाद”, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता” के रूप हो सकते हैं।

(यह भी देखें: [बुराई](../kt/evil.md), [पवित्र](../kt/holy.md), [लाभ](../other/profit.md), [धर्मी](../kt/righteous.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* गलातियों 05:22-24
* उत्पत्ति 01:11-13
* उत्पत्ति 02:9-10
* उत्पत्ति 02:15-17
* याकूब 03:13-14
* रोमियो 02:3-4

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **01:04** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह **अच्छी** है।।
* **01:11** परमेश्वर ने **अच्छे** और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
* **01:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना **अच्छा** नहीं है।”
* \_\_ \02:04\_\_ "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और **अच्छा** और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
* **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने **भलाई** के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
* **14:15** यहोशू एक **अच्छा** अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
* **18:13** कुछ राजा **अच्छे** मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
* **28:01** “हे **उत्तम** गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे **‘उत्तम’** क्यों कहता है? जो **उत्तम** है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H117, H145, H155, H202, H239, H410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G14, G15, G18, G19, G515, G744, G865, G979, G1380, G2095, G2097, G2106, G2107, G2108, G2109, G2114, G2115, G2133, G2140, G2162, G2163, G2174, G2293, G2565, G2567, G2570, G2573, G2887, G2986, G3140, G3617, G3776, G4147, G4632, G4674, G4851, G5223, G5224, G5358, G5542, G5543, G5544

### अजर्याह

#### तथ्य:

पुराने नियम में अजर्याह नामक अनेक पुरुष हुए है।

* एक अजर्याह अपने बेबीलोन के नाम से प्रसिद्ध है अबेदनगो। वह यहूदा के उन अनेक इस्राएलियों में था जिन्हें नबूकदनेस्सर की सेना बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गई थी। अजर्याह और उसके साथी हनन्याह एवं मीशाएल ने बेबीलोन के राजा की उपासना करने से इन्कार किया। अतः उन्हें धधकते भट्ठे में डाल दिया गया था। परन्तु परमेश्वर ने उन्हें बचा लिया था उनकी कुछ भी हानि नहीं हुई थी।
* यहूदा का राजा उज्जियाह भी "अजर्याह" कहलाता था।
* एक और अजर्याह पुराने नियम में याजक था।
* यिर्मयाह के समय अजर्याह नामक एक पुरुष ने इस्राएललियों को स्वदेश त्यागने का परामर्श देकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करवाया था।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [दानिय्येल](../names/daniel.md), [हनन्याह](../names/hananiah.md), [मीशाएल](../names/mishael.md), [यिर्मयाह](../names/jeremiah.md), [उज्जिय्याह](../names/uzziah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 02:36-38
* 1 राजा 04:1-4
* 2 इतिहास 15:1-2
* दानिय्येल 01:6-7
* यिर्मयाह 43:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5838

### अतल्याह

#### तथ्य:

अतल्याह यहूदा के राजा यहोराम की दुष्ट पत्नी थी। वह इस्राएल के दुष्ट राजा ओम्री की पोती थी।

* यहोराम के मरणोपरान्त अतल्याह का पुत्र अहजय्याह राजा बना।
* अपने पुत्र अहजय्याह के मृत्यु के बाद अतल्याह ने राजा के परिवार के सब सदस्यों को घात करने की योजना बनाई थी।
* परन्तु अतल्याह के सबसे छोटे पोते, योआश को उसकी चाची ने छिपाकर मरने से बचा लिया था। अतल्याह ने छह साल तक इस देश पर राज्य करने के बाद, उसे मार दिया गया और योआश राजा बन गया।

(यह भी देखें: [अहज्याह](../names/ahaziah.md), [यहोराम](../names/jehoram.md), [योआश](../names/joash.md), [ओम्री](../names/omri.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 22:1-3
* 2 इतिहास 24:6-7
* 2 राजा 11:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6721

### अधिकारी, अधिकारियों

#### परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव एवं नियंत्रण की शक्ति को दर्शता है।

* राजाओं और शासकीय अधिकारियों का शासन करने वालों लोगो पर उनका अधिकार होता है।
* शब्द " अधिकारियों " लोगों, सरकारों या संगठनों का उल्लेख कर सकता है, जिनके पास दूसरों पर अधिकार है।
* शब्द " अधिकारियों" उन आत्माओं को भी संदर्भित कर सकता हैं, जो उन लोगों पर अधिकार रखते हैं जिन्होंने स्वयं को परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं किया है।
* स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
* सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

#### अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

* कभी-कभी "अधिकार " का अर्थ "शक्ति" के अर्थ के साथ किया जाता है।
* जब "अधिकारियों " का प्रयोग लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो लोगों पर शासन करते हैं, तो इसे "हाकिमों" या "शासकों" या "शक्तियों" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।
* “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
* अभिव्यक्ति, "अधिकार के अधीन" का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के लिए जिम्मेदार" या "अन्य आज्ञाओं का पालन करना"।

(यह भी देखें: [नागरिक](../other/citizen.md), [आदेश](../kt/command.md), [आज्ञा पालन](../other/obey.md), [शक्ति](../kt/power.md), [शासक](../other/ruler.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* कुलुस्सियों 02:10-12
* एस्तेर 09:29
* उत्पत्ति 41: 35-36
* योना 03: 6-7
* लूका 12:4-5
* लूका 20:1-2
* मार्क 01:21-22
* मत्ती. 08:8-10
* मत्ती. 28:18-19
* तीतुस 03:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8633, G831, G1413, G1849, G1850, G2003, G2715, G5247

### अधीन, अधीनता, अधीन था, अधीन थे

#### तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का "अधीन" होता है, यदि दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। “अधीन रहो” वाक्य एक "आज्ञा" है जिसका अर्थ है, “आज्ञा मानों” या “किसी के अधिकार के अधीन रहो”

* “के अधीन करना” का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
* “किसी को किसी बात के अधीन करना” अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
* कभी-कभी “अधीन” शब्द का तात्पर्य “कारण” या किसी बात का ध्यान केन्द्र होना भी होता है जैसे “निन्दा का कारण होगे”
* “के अधीन” का अर्थ भी वही है जैसे “के अधीन रहो” या “आज्ञाकारी”

(यह भी देखें: [अधीन](../other/submit.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 02:14-16
* 1 राजा 04:6
* 1 पतरस 02:18-20
* 1इब्रानियों 02:5-6
* नीतिवचन 12:23-24

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G350, G1379, G1396, G1777, G3663, G5292, G5293

### अनमोल

#### तथ्य:

“अनमोल” उन मनुष्यों या वस्तुओं का संदर्भ देता है जिन्हें बहुत अधिक मूल्यवान माना जाता है।

* “अनमोल पत्थर” या “अनमोल मूंगे” उन पट्टानों या लगानों के संदर्भ में काम में लिए जाते है जो रंगीन होते हैं या ऐसे अन्य गुणवान होते हैं जो उन्हें सुंदर या उपयोगी बनाते हैं।
* अनमोल पत्थरों में हैं, हीरे, माणिक और पन्ना।
* सोना और चांदी “अनमोल धातु” हैं।
* यहोवा कहता है कि उसकी प्रजा “अनमोल है”। (यशा. 43:4)
* पतरस कहता है, “नम्रता और मन की दीनता परमेश्वर की दृष्टि में इसका मूल्य बड़ा है”। (1पत. 3:4)
* इसका अनुवाद हो सकता है, “मूल्यवान” या “अतिप्रिय” या “संजोने योग्य” या “अति माननीय”।

(यह भी देखें: [सोना](../other/gold.md), [चांदी](../other/silver.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 पतरस 01:1-2
* प्रे.का. 20:22-24
* दानिय्येल 11:38-39
* विलापगीत 01:7
* लूका 07:2-5
* भजन संहिता 036:7-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H68, H1431, H2532, H2580, H2667, H2896, H3357, H3365, H3366, H3368, H4022, H4030, H4261, H4262, H4901, H5238, H5730, H8443, G927, G1784, G2472, G4185, G4186, G5092, G5093

### अनार, अनारों

#### तथ्य:

अनार एक फल है जिसका आवरण मोटा होता है जिसमें लाल रंग का खाने के दाने होते हैं।

बाहरी छिलका लाल रंग का होता है और बीजों का गुदा चमकदार और लाल होता है।

* अनार गर्म और सूखी जलवायु के देशों में बहुतायत से उगते हैं, जैसे मिस्र और इस्राएल।
* परमेश्वर ने इस्राएल से प्रतिज्ञा की थी कि कनान पानी और उपजाऊ भूमि थी जिसके कारण वहां भोजन सामग्री और अनार बहुतायत से हैं।
* सुलैमान निर्मित मन्दिर की सजावट में तांबे के अनार बने हुए थे।

(यह भी देखें: [तांबा](../other/bronze.md), [कनान](../names/canaan.md), [मिस्र](../names/egypt.md), [सुलैमान](../names/solomon.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 25:16-17
* व्यवस्थाविवरण 08:7-8
* यिर्मयाह 52:22-23
* गिनती 13:23-24

[मिस्र](../names/egypt.md)

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7416

### अनुग्रह, पक्ष, पक्षपात

#### परिभाषा:

“अनुग्रह” अर्थात चुनना। जब कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति का पक्ष लेता है, वह उस व्यक्ति को सकारात्मक रूप में देखता है और उस व्यक्ति को अन्यों के अपेक्षा ज्यादा लाभ देता है।

​यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात उन्होंने उसके चरित्र और आचरण का अनुमोदन किया।

किसी का “अनुग्रह पात्र होना” का अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन करना।

राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है।

"पक्ष" संकेत या क्रिया है जो किसी अन्य व्यक्ति के लिए लाभदायक हो।

“विशेष अनुग्रह” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा पक्षपात करना। इसका अर्थ है जो प्रवृत्ति एक व्यक्ति या वस्तु पर अधिक प्राथमिकता देती है क्योंकि वह व्यक्ति या चीज़ अधिक पसंदीदा है। आम तौर पर, पक्षपात को अनुचित माना जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद “आशिष” या “लाभ” हो सकता है।
* “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” का अनुवाद “परमेश्वर के अनुग्रह का वर्ष” हो सकता है।
* शब्द "पक्षपात" का अनुवाद "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार" के रूप में किया जा सकता है। \* यह शब्द "पसंदीदा" शब्द से संबंधित है, जिसका अर्थ है "जो पसंद किया गया है या सर्वश्रेष्ठ प्यार करता है।"

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 02:25-26
* 2 इतिहास 19:6-7
* 2 कुरिन्थियों 01:11
* प्रे.का. 24:26-27
* उत्पत्ति 41:14-16
* उत्पत्ति 47:25-26
* उत्पत्ति 50:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5869, H5922, H6213, H6437, H6440, H6491, H7521, H7522, H7965, G1184, G3685, G4380, G5485, G5486

### अनुग्रह, अनुग्रहकारी

#### परिभाषा:

“अनुग्रह” का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। “अनुग्रहकारी” इस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

* पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
* अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
* अभिव्यक्ति "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि भगवान से सहायता और दया प्राप्त करना है। इसके अर्थ में किसी से परमेश्वर का प्रसन्न होना और उसकी सहायता करने का भाव निहित होता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “ईश्वरीय दया” या “परमेश्वर की कृपा” या “पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा” या “दयालु कृपा”।
* “अनुग्रहकारी” का अनुवाद हो सकता है, “कृपापूर्ण” या “दयालु” या “दयालु” या “दयापूर्ण कृपा”।
* “परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की” या “परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की” या "परमेश्वर ने उस पर दया दिखाई" या “परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 04:32-33
* प्रे.का. 06:8-9
* प्रे.का. 14:3-4
* कुलुस्सियों 04:5-6
* कुलुस्सियों 04:18
* उत्पत्ति 43:28-29
* याकूब 04:6-7
* यूहन्ना 01:16-18
* फिलिप्पियों 04: 21-23
* प्रकाशितवाक्य 22:20-21

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G2143, G5485, G5543

### अन्न, किनकों, खेतों

#### परिभाषा:

“अन्न” अर्थात गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

* बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
* बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
* कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में “कार्न” शब्द अर्थात दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदंर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में “कार्न” का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: [सिर](../other/head.md), [गेहूं](../other/wheat.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 42:1-4
* उत्पत्ति 42:26-28
* उत्पत्ति 43:1-2
* लूका 06:1-2
* मरकुस 02:23-24
* मत्ती 13:7-9
* रूत 01:22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

### अन्नबलि, अन्नबलियों

#### परिभाषा:

अन्नबलि परमेश्वर को चढ़ाई जानेवाली गेहूं या जौ के आटे की भेंट थी जो होमबलि के बाद चढ़ाई जाती थी।

* अन्नबलि के लिए काम में लिया गया अन्न बारीक पिसा हुआ होना था। कभी-कभी उसे पका कर भी भेंट चढ़ाई जाती थी और कभी कच्चा भी चढ़ाया जाता था।
* अन्न के आटे में तेल और नमक मिलाया जाता था परन्तु खमीर और शहद वर्जित था।
* अन्नबलि का एक अंश जला दिया जाता था शेष याजक खाता था।

(यह भी देखें: [होमबलि](../other/burntoffering.md), [दोषबलि](../other/guiltoffering.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [पाप बलि](../other/sinoffering.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 23:27-29
* निर्गमन 29:41-42
* न्यायियों 13:19-20
* लैव्यव्यवस्था 02:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4503, H8641

### अन्नबलि

#### परिभाषा:

“अन्नबलि” परमेश्वर के लिए अन्न या आटे की रोटी के रूप में बलि थी।

* “अन्न” का अर्थ है अन्न का आटा।
* आटे को पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती थी। कभी-कभी रोटी पर तेल लगाया जाता था।
* यह बलि प्रायः होमबलि के साथ चढ़ाई जाती थी।

(यह भी देखें: [होमबलि](../other/burntoffering.md), [अन्न](../other/grain.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यहेजकेल 44:30-31
* योएल 02:14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4503, H8641

### अपराध, अपराधों, विश्वासघात किया

#### परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

* यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
* अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
* एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
* इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
* कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
* देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: [अवज्ञा](../other/disobey.md), [अधर्म के काम](../kt/iniquity.md), [पाप](../kt/sin.md), [उल्लंघन करना](../kt/transgression.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 25:27-28
* 2 इतिहास 26:16-18
* कुलुस्सियों 02:13-15
* इफिसियों 02:1-3
* यहेजकेल 15:7-8
* रोमियो 05:16-17
* रोमियो 05:20-21

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

### अब्राहम, अब्राम

#### तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

* “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
* “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
* परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि वह अनेकों का पिता होगा, उसके वंशज एक महान जाति होंगे।
* अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। परमेश्वर ने अब्राहम को कसदियों के देश से लेकर कनान जाने में अगुआई की।
* कनान में अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [कसदी](../names/chaldeans.md), [सारा](../names/sarah.md), [इसहाक](../names/isaac.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* गलातियों 03:6-9
* उत्पत्ति 11:29-30
* उत्पत्ति 21:1-4
* उत्पत्ति 22:1-3
* याकूब 02:21-24
* मत्ती 01:1-3

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **04:06\_\_जब \_\_अब्राम** कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, “अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा”
* **05:04** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है –“मूलपिता।”
* **05:05** लगभग एक साल बाद में, जब **अब्राहम** सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
* **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने **अब्राहम** से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,”अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।
* **06:01** जब **अब्राहम** वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र इसहाक व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, **अब्राहम** ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र इसहाक के लिये एक पत्नी ले आएगा।
* **06:04** एक लंबे समय के बाद **अब्राहम** की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
* **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H87, H85, G11

### अमस्याह

#### तथ्य:

अमस्याह यहूदा का राजा बना, क्योंकि उसके पिता राजा योआश की हत्या कर दी गई थी।

* अमस्याह ने यहूदा पर 29 वर्ष राज किया था 796-767 ई.पू.।
* वह एक अच्छा राजा था परन्तु उसने ऊंचे स्थानों पर से मूर्तियों को नष्ट नहीं किया था।
* अमस्याह ने अपने पिता के सब हत्यारों को मार डाला था।
* उसने विद्रोही एदोमियों को हराकर यहूदा के अधीन कर दिया था।
* उसने इस्राएल के राजा यहोआश से युद्ध किया परन्तु हार गया था। यरूशलेम की शहरपनाह का एक भाग नष्ट किया गया और मन्दिर के सोने चांदी के पात्र लूट लिए गए।
* कुछ वर्षों बाद अमस्याह यहोवा से मुह मोड़ लिया और यरूशलेम के कुछ लोगों ने उसकी हत्या कर दी।

(यह भी देखें: [योआश](../names/joash.md), [एदोम](../names/edom.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:10-12
* 1 इतिहास 04:34-38
* 2 इतिहास 25:9-10
* 2 राजा 14:8-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H558

### अम्मोन, अम्मोनी, अम्मोनियों

#### तथ्य:

“अम्मोनवासी” या “अम्मोनी” कनान का एक समुदाय है। वे बेनम्मी के वंशज थे जो लूत द्वारा उसकी छोटी पुत्री का पुत्र था।

* अम्मोनी शब्द एक स्त्री अम्मोनी के संदर्भ में है। इसका अनुवाद किया जा सकता है “अम्मोनी स्त्री”
* अम्मोनी यरदन नदी के पूर्व में रहते थे और वे इस्राएल के बैरी थे।
* ये वही लोग हैं जिन्होंने बिलाम नामक नबी को खरीद लिया था कि इस्राएल को श्राप दे, परन्तु परमेश्वर ने ऐसा नहीं होने दिया था।

(यह भी देखें: [श्राप](../kt/curse.md), [यरदन नदी](../names/jordanriver.md), [लूत](../names/lot.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 19:1-3
* यहेजकेल 25:1-2
* उत्पत्ति 19:36-38
* यहोशू 02:14
* न्यायियों 11:26-28
* सपन्याह 02:8-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5983, H5984, H5985

### अराबा

#### तथ्य:

पुराने नियम का शब्द “अराबा” विशाल रेगिस्तान तथा यरदन नदी के मैदानी क्षेत्र के संदर्भ में है और मृत सागर के उत्तरी सिरे तक जाता है।

* इस्राएली मिस्र से कनान की यात्रा में इस क्षेत्र से होकर आए थे।
* “अराबा सागर” का अनुवाद हो सकता है, “अराबा रेगिस्तान में उपस्थित सागर”। इस सागर को प्रायः “नमक सागर” या “मृत सागर” कहते हैं।
* “अराबा” शब्द किसी भी रेगिस्तान के संदर्भ में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: [रेगिस्तान](../other/desert.md), [नड़ सागर](../names/redsea.md), [यरदन नदी](../names/jordanriver.md), [कनान](../names/canaan.md), [नमक सागर](../names/saltsea.md), [मिस्र](../names/egypt.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 23:24-25
* 2 राजा 25:4-5
* 2 शमूएल 02:28-29
* यिर्मयाह 02:4-6
* अय्यूब 24:5-7
* जकर्याह 14:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1026, H6160

### अराम, अरामी, अरामियों, अरामी भाषा

#### परिभाषा:

पुराने नियम में अराम नामक दो पुरूष हुए हैं। यह कनान के उत्तर-पूर्व में एक क्षेत्र का नाम था जहां आज का सीरिया है।

* अराम के निवासी "अरामी" कहलाते थे और उनकी भाषा "अरामी" थी। यीशु और उसके युग के यहूदी अरामी भाषा बोलते थे।
* शेम के एक पुत्र का नाम अराम था। \* दूसरा पुरुष जिसका नाम अराम था वह रिबका का रिश्ते का भाई था। संभव है कि अराम देश का नाम इन दो में से एक के नाम पर पड़ा।
* बाद में अराम देश का नाम यूनानी में "सीरिया" हुआ।
* “पदन अराम” का अर्थ है, “अराम का मैदान” और यह स्थान अराम का उत्तरी भाग था।
* अब्राहम के कुछ परिजन अराम नगर में रहते थे जो "पदन अराम" का एक नगर था।

पुराने नियम में कभी-कभी “अराम” और “पदन अराम” एक ही स्थान के सूचक हैं।

* “अराम नहेरेम” का अर्थ है “दो नदियों का अराम” यह क्षेत्र मिसोपोतामिया के उत्तरी भाग में और "पदन अराम" के पूर्व में था।

(यह भी देखें: [मिसोपोतामिया](../names/mesopotamia.md), [पदन अराम](../names/paddanaram.md), [रिबका](../names/rebekah.md), [शेम](../names/shem.md), [सूरिया](../names/syria.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 01:17-19
* 2 शमूएल 08:5-6
* आमोस 01:5
* यहेजकेल 27:16-18
* उत्पत्ति 31:19-21
* होशे 12:11-12
* भजन 060:1

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H758, H763, G689

### अरारात

#### तथ्य:

बाइबल में “अरारात” नाम एक भूभाग, एक राज्य और एक पर्वतीय श्रृंखला को दिया गया है।

* “अरारात प्रदेश” संभवतः आज के तुर्किस्तान के उत्तरी पूर्वी भाग में था।
* अरारात नाम इस कारण प्रसिद्ध है कि नूह का जहाज जल प्रलय के उतर जाने के बाद उन पर्वतों पर टिक गया था।
* आज जिस पर्वत का नाम “अरारात पर्वत” है उसे सामान्यतः बाइबल में व्यक्त अरारात पर्वत का स्थान मानते हैं।

(यह भी देखें: [जहाज़](../kt/ark.md), [नूह](../names/noah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 19:35-37
* उत्पत्ति 08:4-5
* यशायाह 37:38
* यिर्मयाह 51:27-28

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H780

### अर्घ

#### परिभाषा:

अर्घ परमेश्वर के लिए बलिदान या जिसमें वेदी पर दाखमधु उण्डेला जाता था। यह होमबलि और अन्नबलि के साथ चढ़ाया जाता था।

* पौलुस अपने जीवन को अर्घ की भांति उण्डेला जा रहा कहता है। इसका अर्थ था कि वह परमेश्वर की सेवा में पूर्णतः समर्पित था कि मनुष्यों में सुसमाचार सुनाए चाहे वह कष्ट उठाए वरन मार डाला जाए।
* क्रूस पर यीशु की मृत्यु अर्घ था क्योंकि हमारे पापों के कारण उसका लहू बहाया गया था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इसका अनुवाद हो सकता है “दाखमधु उण्डेलना”
* पौलुस कहता है कि वह अर्घ के समान उण्डेला जा रहा है तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं मनुष्यों में परमेश्वर का शुभ सन्देश सुनाने के लिए पूर्णतः समर्पित हूं जैसे दाखमधु को वेदी पर अर्घ करके चढ़ाया जाता है”।

(यह भी देखें: [होमबलि](../other/burntoffering.md), [अन्नबलि](../other/grainoffering.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* निर्गमन 25:28-30
* यहेजकेल 45:16-17
* उत्पत्ति 35:14-15
* यिर्मयाह 07:16-18
* गिनती 05:15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5257, H5261, H5262

### अशुद्ध

#### परिभाषा:

बाइबल में “अशुद्ध” शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन बातों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोगों के स्पर्श, भोजन तथा बलि के लिए अछूत ठहराया है।

* परमेश्वर ने इस्राएलियों को स्पष्ट निर्देशन दिए कि उनके लिए कौन-कौन से पशु शुद्ध हैं और कौन-कौन से अशुद्ध हैं। अशुद्ध पशु को खाने के लिए और बलि के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं थी।
* कुछ त्वचा रोगों के कारण लोगों को "अशुद्ध" कहा जाता है जब तक कि वे चंगा नहीं होते।
* यदि इस्राएली किसी अशुद्ध वस्तु का स्पर्श करते थे तो उन्हें भी एक निश्चित समय तक अशुद्ध माना जाता था।
* अशुद्ध वस्तुओं को न तो स्पर्श करके और न ही खा करके इस्राएली परमेश्वर की सेवा के लिए पृथक ठहरते थे।
* यह शारीरिक एवं सांसारिक अशुद्धता नैतिक अशुद्धता का प्रतीक थी।
* प्रतीकात्मक रूप में अशुद्ध आत्मा का संदर्भ दुष्टात्मा से था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “अशुद्ध” का अनुवाद “अछूत” या “परमेश्वर के योग्य नहीं” या “शारीरिक अशुद्धता” या “अपवित्र” हो सकता है।
* शैतानी अशुद्ध आत्मा के संदर्भ में “अशुद्ध” का अनुवाद “दुष्ट” या “अपवित्र” किया जा सकता है।
* इस शब्द का अनुवाद आत्मिक अशुद्धता का भाव व्यक्त करे। इसका संदर्भ उस हर एक वस्तु से हो जिसे परमेश्वर ने स्पर्श करने, खाने और बलि चढ़ाने के लिए वर्जित किया है।

(यह भी देखें: [शुद्ध](../kt/clean.md), [अशुद्ध](../other/defile.md), [दुष्टात्मा](../kt/demon.md), [पवित्र](../kt/holy.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [अपवित्र](../kt/unholy.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 04:7-8
* प्रे.का. 08:6-8
* प्रे.का. 10:27-29
* कुलुस्सियों 03:5-8
* उत्पत्ति 07:1-3
* मत्ती 23:27-28

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2930, H2931, H2932, H5079, H6172, H6945, H7137, G167, G169, G2839, G2840, G3394

### अशुद्ध, अशुद्ध, अशुद्ध कर डाला, अपवित्र करने, अपवित्र किए, अशुद्ध हुई, अशुद्ध हो गया, अशुद्ध हो गए

#### परिभाषा:

“अशुद्ध करना” और “अशुद्ध होना” का संदर्भ दूषित या मैला से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या सांसारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

* परमेश्वर इस्राएलियों को “अशुद्ध” और “अपवित्र” कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
* शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
* परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
* कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
* नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “अशुद्ध” का अनुवाद “अशुद्ध होना” या “अधर्मी होना” या “सांसारिक रूप से अस्वीकार्य होना”
* “अशुद्ध होना” का अनुवाद “अस्वच्छ होना” या “नैतिक रूप से अस्वीकार्य होना” या “धार्मिक रूप से अस्वीकार्य होना”।

(यह भी देखें: [अशुद्ध](../kt/unclean.md), [शुद्ध](../kt/clean.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 23:8-9
* निर्गमन 20:24-26
* उत्पत्ति 34:27-29
* उत्पत्ति 49:3-4
* यशायाह 43:27-28
* लैव्यव्यवस्था 11:43-45
* मरकुस 07:14-16
* मत्ती 15:10-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, H2933, H2936, H5953, G733, G2839, G2840, G3392, G3435, G4696, G5351

### अशुद्ध, बिगड़कर, नाश होती है, बिगड़ गए, भ्रष्ट, सड़ाहट, बिगड़ गए

#### परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

* “बिगड़कर” शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में “झुकना” या “तोड़ा जाना” है।
* जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
* किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “बिगाड़ना” अर्थात “बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना” या “अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना”।
* बिगड़ा मनुष्य वह है, “जो अनैतिक हो गया है” या “जो बुराई करता है”
* इस शब्द का अनुवाद “बुरा” या “अनैतिक” या “दुष्ट” भी किया जा सकता है।
* “बिगड़ना” शब्द का अनुवाद “बुरा व्यवहार” या “बुराई” या “अनैतिकता” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [दुष्ट](../kt/evil.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यहेजकेल 20:42-44
* गलातियों 06:6-8
* उत्पत्ति 06:12
* मत्ती 12:33-35
* भजन संहिता 014:1

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

### अशेर

#### तथ्य:

अशेर याकूब का आठवां पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक थे, गोत्र का नाम भी “अशेर” था।

* अशेर की माता का नाम जिल्पा था, वह लिआः की दासी थी।
* उसके नाम का अर्थ है, “आनन्दित” या “आशिषित”
* अशेर को दिए गए भूभाग का नाम भी अशेर था यह भूमि इस्राएल द्वारा कनान प्रवेश के समय उन्हें दी गई थी।

(यह भी देखें: [इस्राएल](../kt/israel.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 02:1-2
* 1 राजा 04:15-17
* यहेजकेल 48:1-3
* उत्पत्ति 30:12-13
* लूका 02:36-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H836

### अशेरा, अशेरा के लिए मूरत, अशेरा नामक मूर्तियों, अश्तोरेत

#### परिभाषा:

अशेरा कनानियों की देवी का नाम था, पुराने नियम में। "अश्तोरेत" अशेरा का ही दूसरा नाम हो सकता है या यह अन्य देवी थी जो वैसी ही थी।

* “अशेरा की मूर्तियां” अर्थात लकड़ी की मूर्तियां या पेड़ों को काटकर वैसा रूप देना कि उसका प्रतिनिधित्व करें।
* अशेरा की मूर्तियां प्रायः झूठे देवता बाल के वेदी के निकट होती थी क्योंकि उसे अशेरा का पति माना जाता था। कुछ समुदाय बाल की सूर्य देवता और अशेरा या अश्तोरेत को चांद देवी मानकर पूजा करते थे।
* परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि अशेरा की सब मूर्तियां ध्वंस कर दें।
* इस्राएल के कुछ अगुओं ने जैसे गिदोन, राजा आसा, राजा योशिय्याह ने परमेश्वर की आज्ञा मानकर इन मूर्तियों को नष्ट किया था।
* परन्तु कुछ इस्राएली राजा जैसे सुलैमान, मनश्शे आहाब ने उनको नष्ट नहीं किया वरन इस्राएल को उनकी पूजा के लिए प्रेरणा दी।

(यह भी देखें: [मूरत](../other/idol.md), [बाल](../names/baal.md), [गिदोन](../names/gideon.md), [स्वरूप](../other/image.md), [सुलैमान](../names/solomon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 18:4-5
* 2 राजा 21:1-3
* यशायाह 27:9
* न्यायियों 03:7-8
* मीका 05:12-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H842, H6252, H6253

### अश्शूर, अश्शूरी, अश्शूरियों, अश्शूर राज्य

#### तथ्य:

अश्शूर देश एक इस्राएल के कनान वास के समय एक शक्तिशाली राज्य था। अश्शूर राज्य विभिन्न देशों का एक समूह था जिस पर अश्शूर राजा राज करता था।

* अश्शूर देश उस स्थान में था जो आज उत्तरी इराक है।
* इतिहास में अश्शूरों ने इस्राएल से अनेक युद्ध किए थे।
* 722 ई.पू. में अश्शूरों की सेना ने इस्राएल राज्य को पूर्णतः जीत लिया था और इस्राएलियों को बन्दी बनाकर अश्शूर देश ले गए थे।
* जो इस्राएली स्वदेश में रह गए थे उन्होंने अश्शूरों द्वारा सामरिया से इस्राएल में लाकर बसाए हुए परदेशियों के साथ विवाह कर लिया था। ऐसे अन्तर्जातीय विवाह से उत्पन्न सन्तान को आगे चलकर सामरी कहा गया था।

(यह भी देखें: [सामरिया](../names/samaria.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 10:11-14
* उत्पत्ति 25:17-18
* यशायाह 07:16-17
* यिर्मयाह 50:17-18
* मीका 07:11-13

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **20:02** तब परमेश्वर ने दोनों राज्यों को दण्डित किया और उनके शत्रुओं को यह अनुमति दी कि वह उन राज्यों को नष्ट कर दे। **अश्शूर का राज्य** एक शक्तिशाली, क्रूर राज्य था, जिसने इस्राएल के राज्य को नष्ट कर दिया। **अश्शूरियों** ने इस्राएल के बहुत से लोगों को मार गिराया, उनकी मूल्यवान वस्तुओं को छीन लिया और देश का बहुत सा हिस्सा जला दिया।
* **20:03** **अश्शूरियों** ने सभी नेताओं को एकत्र किया, धनवान मनुष्य और योग्य मनुष्य को और वह उन्हें अपने साथ **अश्शूर** ले आए।
* **20:04** तब **अश्शूरियों** ने अन्यजातियों को उस भूमि पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राएली राज्य था।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H804, H1121

### अहज्याह

#### तथ्य:

अहज्याह नाम के दो राजा हुए थे: एक इस्राएल का राजा था और दूसरा यहूदा का राजा था।

* यहूदा का राजा अहज्याह राजा यारोबाम का पुत्र था। उसने एक वर्ष(841 ई.पू.) ही राज किया और फिर येहू ने उसकी हत्या की। अहज्याह के पुत्र योआश ने छोटी आयु में ही राज काज सम्भाला था।
* इस्राएल का अहज्याह अहाब राजा का पुत्र था। उसका राज्यकाल दो वर्ष था (850-49 ई.पू.)। वह अपने राजमहल की खिड़की में से गिर जाने के कारण घायल होकर मर गया था और उसके स्थान में उसका भाई योराम राजगद्दी पर बैठा।

(यह भी देखें: [येहू](../names/jehu.md), [अहाब](../names/ahab.md), [यारोबाम](../names/jeroboam.md), [योआश](../names/joash.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 22:39-40
* 2 इतिहास 22:1-3
* 2 इतिहास 25:23-24
* 2 राजा 11:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H274

### अहिय्याह

#### तथ्य:

पुराने नियम में अनेक पुरूषों के नाम अहिय्याह थे। निम्नलिखित इनमें से कुछ पुरूष हैं।

* शाऊल के राज्यकाल में एक याजक का नाम अहिय्याह था।
* सुलैमान राजा के समय अहिय्याह एक लिपिक था।
* अहिय्याह शीलो का एक भविष्यद्वक्ता भी था जिसने इस्राएल राज्य के विभाजन की भविष्यद्वाणी की थी।
* इस्राएल के राजा बाशा के पिता का नाम भी अहिय्याह था।

(यह भी देखें: [बाशा](../names/baasha.md), [शीलो](../names/shiloh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 15:27-28
* 1 राजा 21:21-22
* 1 शमूएल 14:18-19
* 2 इतिहास 10:15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H281

### अख़मीरी रोटी

#### परिभाषा:

“अखमीरी रोटी” खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

* जब परमेश्वर ने इस्त्राएलियेां को मिस्र की दासता से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतिज्ञा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
* कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः अखमीरी रोटी मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, अर्थात परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, “बिना खमीर की रोटी” या “बिना फूली रोटी."
* सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा “खमीर” के अनुवाद से सुसंगत हो।
* कुछ प्रकरणों में “अखमीरी रोटी” का संदर्भ “अखमीरी रोटी के पर्व” से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: [रोटी](../other/bread.md), [मिस्र](../names/egypt.md), [उत्सव](../other/feast.md), [फसह](../kt/passover.md), [सेवक](../other/servant.md), [पाप](../kt/sin.md), [खमीर](../other/yeast.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 05:6-8
* 2 इतिहास 30:13-15
* प्रे.का. 12:3-4
* निर्गमन 23:14-15
* एज्रा 06:21-22
* उत्पत्ति 19:1-3
* न्यायियों 06:21
* लैव्यव्यवस्था 08:1-3
* लूका 22:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4682, G106

### आँगन, आँगनों, आँगन, आँगनों

#### परिभाषा:

“आँगन” और “न्यायालय” अर्थात दीवारों से घिरा खुला स्थान। अंग्रेजी का शब्द “कोर्ट” न्यायालय को भी कहते हैं

* मिलापवाला तम्बू मोटे कपड़े के परदों द्वारा घिरे हुए आँगन के भीतर था।
* मन्दिर के तीन भीतरी आँगन थे एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए और एक यहूदी स्त्रियों के लिए।
* ये आँगन बाहरी आँगन से छोटी पत्थरों की दीवार से विभाजित थे। बाहरी आँगन में गैर यहूदी प्रार्थना कर सकते थे।
* घरों के आँगन घर के बीच में खुले स्थान होते थे।
* “राजा का आँगन” का संदर्भ राजा के महल या उसके राजमहल के उस स्थान से हो सकता है जहां राजा निर्णय देने के लिए बैठता है।
* “यहोवा के आँगनों” यह उक्ति यहोवा के निवास स्थान या मनुष्यों के लिए यहोवा की आराधना के स्थान के संदर्भ में प्रतीकात्मक उपयोग है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “आँगन” का अनुवाद “संलग्न जगह ” या “दीवारों से घिरा स्थान”, या “मन्दिर का मैदान” या “मन्दिर परिसर”
* कभी-कभी “मन्दिर” शब्द का अनुवाद “मंदिर के आँगनों” या “मन्दिर परिसर” से है ताकि स्पष्ट हो कि संदर्भ प्रांगण से है न कि मन्दिर से।
* “यहोवा के आँगनों” का अनुवाद “यहोवा का निवास स्थान” या “यहोवा का आराधना स्थल” हो सकता है।
* “राजा का आँगन” का शब्द यहोवा के आंगन के लिए भी काम में लिया जा सकता है।

(यह भी देखें: [अन्य-जाति](../kt/gentile.md), [न्याय](../other/judgeposition.md), [राजा](../other/king.md), [मिलापवाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 20:4-5
* निर्गमन 27:9-10
* यिर्मयाह 19:14-15
* लूका 22:54-55
* मत्ती 26:69-70
* गिनती 03:24-26
* भजन संहिता 065:4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1004, H1508, G2681, H2691, H5835, H6503, H7339, G833, G933, G4259

### आई

#### तथ्य:

पुराने नियम में एक कनानी नगर था, जो बेतेल के निकट दक्षिण में था और यरीहो से उत्तर पश्चिम में 8 कि.मी. दूर था।

* यरीहो को जीत लेने के बाद यहोशू ने इस्राएलियों को लेकर आई नगर पर आक्रमण किया। परन्तु इस्राएली आसानी से पराजित हुए क्योंकि परमेश्वर उनसे प्रसन्न नहीं था।
* आकान नामक एक इस्राएली पुरूष ने यरीहो की लूट में से कुछ सामान चुराकर रख लिया था, परमेश्वर ने आज्ञा दी कि वह और उसका परिवार घात किया जाए। तब परमेश्वर ने आई नगर को पराजित करने में इस्राएल की सहायता की थी।

(यह भी देखें: [बेतेल](../names/bethel.md), [यरीहो](../names/jericho.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* एज्रा 02:27-30
* उत्पत्ति 12:8-9
* उत्पत्ति 13:3-4
* यहोशू 07:2-3
* यहोशू 08:10-12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5857

### आग, आग, लुकटियों, करछों, चिमनियों, भट्ठा, अंगीठियाँ

#### परिभाषा:

आग, किसी वस्तु के जलने पर उत्पन्न ऊष्मा, प्रकाश और लौ।

* लकड़ी आग में जलकर राख हो जाती है।
* शब्द“आग” को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है, जिसका संदर्भ प्रायः दण्ड और शोधन से है।
* अविश्वासियों का अन्तिम दण्ड नरक की आग में डाला जाता है।
* आग सोने और अन्य धातुओं का शोधन करती है। बाइबल में इस शोधन प्रक्रिया को परमेश्वर द्वारा विपरीत परिस्थितियों से मनुष्य के शोधन को दर्शाने के लिए काम में लिया गया है।
* “आग से बपतिस्मा देना” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है “शुद्ध करने के लिए कष्ट उठाने के लिए बाध्य करना।”

(यह भी देखें: [शुद्ध](../kt/purify.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 16:18-20
* 2 राजा 01:9-10
* 2 थिस्सलुनीकियों 01:6-8
* प्रे.का. 07:29-30
* यूहन्ना 15:5-7
* लूका 03:15-16
* मत्ती 03:10-12
* नहेम्याह 01:3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H215, H217, H398, H784, H800, H801, H1197, H1200, H1513, H2734, H3341, H3857, H4071, H4168, H5135, H6315, H8316, G439, G440, G1067, G2741, G4442, G4443, G4447, G4448, G4451, G5394, G5457

### आज्ञा, आज्ञाएँ, आज्ञा दी

#### परिभाषा:

“आज्ञा देना” अर्थात किसी को कुछ करने की आज्ञा देना। “आज्ञा” मनुष्य को दिया गया आदेश है।

* यद्यपि इन शब्दों के मूल रूप से एक ही अर्थ है, “आज्ञा” अक्सर परमेश्वर की कुछ निश्चित आज्ञाओं को संदर्भित करता है जो अधिक औपचारिक और स्थायी हैं, जैसे “दस आज्ञाएं”।
* आज्ञा सकारात्मक हो सकता है (“अपने माता-पिता का आदर कर”) या नकारात्मक (“चोरी मत कर”)।
* “आदेश हाथ में लेना” अर्थात “नियंत्रण संभालना” या किसी काम या मनुष्य का दायित्व संभालना”।

#### अनुवाद सुझाव:

### ??

* “व्यवस्था” शब्द का अनुवाद भिन्न अर्थ में किया जाना सबसे अच्छा है। “आदेश” और “विधियों” की परिभाषा से भी इसकी तुलना करें।
* कुछ अनुवादक अपनी भाषा में एक ही शब्द द्वारा आज्ञा और ईश्वरीय आज्ञा का अनुवाद करना पसंद कर सकते हैं।
* अन्य अनुवादक ईश्वरीय आज्ञा के लिए एक विशेष शब्द का उपयोग करना पसंद कर सकते हैं, जो कि स्थायी, औपचारिक आज्ञाएँ जो परमेश्वर ने बनायीं है।

(देखें [आदेश](../other/decree.md), [विधि](../other/statute.md), [व्यवस्था](../other/law.md), [दस आज्ञा](../other/tencommandments.md)एँ)

#### बाइबल संदर्भ:

* लूका 01:5-7
* मत्ती 01:24-25
* मत्ती 22:37-38
* मत्ती 28:20
* गिनती 01:17-19
* रोमियो 07:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H559, H560, H565, H1696, H1697, H1881, H2706, H2708, H2710, H2941, H2942, H2951, H3027, H3982, H3983, H4406, H4662, H4687, H4929, H4931, H4941, H5057, H5713, H5749, H6213, H6310, H6346, H6490, H6673, H6680, H7101, H7218, H7227, H7262, H7761, H7970, H8269, G1263, G1291, G1296, G1297, G1299, G1690, G1778, G1781, G1785, G2003, G2004, G2008, G2036, G2753, G3056, G3726, G3852, G3853, G4367, G4483, G4487, G5506

### आज्ञा, आज्ञाओं, आदेश दी

#### परिभाषा:

आज्ञा एक नियम या घोषणा है। "आज्ञा" शब्द का अर्थ आदेश देना है जिसका पालन करना चाहिए। आदेश को स्वयं "आज्ञा" भी कहा जा सकता है।

* एक "आज्ञा" एक "व्यवस्था " के समान है, लेकिन आम तौर पर लिखित के बजाय कुछ बोलने के लिए संदर्भित करने के लिए अधिक बार उपयोग किया जाता है।
* शब्द "आज्ञाओं" का अनुवाद "नियमों" या "आदेशों" या "औपचारिक रूप से आवश्यकता है" या "सार्वजनिक रूप से एक कानून बनाने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
* परमेश्वर के नियमों को भी आदेश, व्यवस्था और आज्ञाएं कहते हैं।
* मानवीय शासक द्वारा आज्ञा का एक उदाहरण है, कैसर ऑगुस्तुस की आज्ञा थी की रोमी साम्राज्य में हर एक मनुष्य अपने जन्म स्थान जाकर जनगणना में नाम लिखवाए।

(यह भी देखें: [आदेश](../kt/command.md), [घोषित करना](../other/declare.md), [व्यवस्था](../other/law.md), [प्रचार करना](../other/proclaim.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 15:13-15
* 1 राजा 08:57-58
* प्रे.का. 17:5-7
* दानिय्येल 02:12-13
* एस्तेर 01:21-22
* लूका 02:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H559, H633, H1697, H5715, H1504, H1510, H1881, H1882, H1696, H2706, H2708, H2710, H2711, H2782, H2852, H2940, H2941, H2942, H3791, H3982, H4055, H4406, H4687, H4941, H5407, H5713, H6599, H6680, H7010, H8421, G1378

### आत्मा, हवा, सांस

#### परिभाषा:

“आत्मा” मनुष्य का वह अलौकिक भाग जो दिखाई नहीं देता है। मरने का समय आत्मा शरीर को छोड़ देती है। “आत्मा” शब्द स्वभाव या मानसिक अवस्था को भी दर्शाता है। बाइबिल के समय में, किसी व्यक्ति की आत्मा की अवधारणा का किसी व्यक्ति की सांस की अवधारणा से गहरा संबंध था। शब्द "हवा" का भी उल्लेख कर सकता है, अर्थात, प्राकृतिक दुनिया में हवा की गति।

* शब्द "आत्मा" एक ऐसी आत्मा का उल्लेख कर सकता है जिसके पास एक भौतिक शरीर नहीं है, जैसे कि दुष्टात्मा।
* “आत्मिक” शब्द का सामान्य अर्थ है, अलौकिक संसार का कोई भी व्यक्तित्व।
* “आत्मा” शब्द का अर्थ “का सा चरित्र” जैसे “बुद्धि की आत्मा” या “एलिय्याह की आत्मा में”।स्वभाव और भावना के परिप्रेक्ष्य में “आत्मा” का संदर्भ होगा, “भय की आत्मा” या “ईर्ष्या की आत्मा”
* यीशु ने कहा कि परमेश्वर एक आत्मा है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “आत्मा” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “अभौतिक प्राणी” या “आन्तरिक भाग” या “आन्तरिक अस्तित्व”।
* कुछ संदर्भों में “आत्मा” का अनुवाद “दुष्टात्मा” या “दुष्ट आत्मिक प्राणी” से हो सकता है।
* कभी-कभी “आत्मा” शब्द मनुष्य की भावना को व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है जैसे “मेरी आत्मा भीतर ही भीतर व्याकुल थी”। इसका अनुवाद “मेरी आत्मा दुःखित थी” या “मुझे गहरा दुख” हो सकता है।
* “की आत्मा” का अनुवाद “का चरित्र” या “का प्रभाव” या “का दृष्टिकोण” या “विचार के द्वारा चित्रित” हो सकता है।
* संदर्भ के आधार पर, "आध्यात्मिक" का अनुवाद "गैर-भौतिक" या "पवित्र आत्मा से" या "भगवान" या "गैर-भौतिक दुनिया का हिस्सा" के रूप में किया जा सकता है।
* लाक्षणिक अभिव्यक्ति "आध्यात्मिक दूध" का अनुवाद "परमेश्वर की बुनियादी शिक्षा" या "परमेश्वर की शिक्षाओं के रूप में भी किया जा सकता है जो आत्मा को पोषण करते हैं (जैसे दूध करता है)।"
* वाक्यांश "आध्यात्मिक परिपक्वता" का अनुवाद "ईश्वरीय व्यवहार के रूप में किया जा सकता है जो पवित्र आत्मा को आज्ञाकारी दिखाता है।"
* शब्द "आध्यात्मिक उपहार" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "विशेष क्षमता पवित्र आत्मा देता है ।

(यह भी देखें: [स्वर्गदूत](../kt/angel.md), [दुष्टात्मा](../kt/demon.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [प्राण](../kt/soul.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 05:3-5
* 1 यूहन्ना 04:1-3
* 1 थिस्सलुनीकियों 05:23-24
* प्रे.का. 05:9-11
* कुलुस्सियों 01: 9-10
* इफिसियों 04:23-24
* उत्पत्ति 07:21-22
* यशायाह 04: 3-4
* मार्क 01:21-26
* मत्ती. 26:39-41
* फिलिप्पियों 01:25-27

#### बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

* **13:03** तीसरे दिन तक, वह अपने आप को **आत्मिक** रूप से तैयार करे ,जब परमेश्वर सीनै पर्वत पर आया तो बादल गरजने और बिजली चमकने लगी और पर्वत पर काली घटा छा गई फिर नरसिंगे का बड़ा भारी शब्द हुआ |
* **40:07** तब यीशु ने रोते हुए कहा, “पूरा हुआ! हे पिता, मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ |” तब यीशु का सिर झुक गया, और उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया |
* **45:05** जब स्तिफनुस मरने पर था, वह प्रार्थना करने लगा कि, “हे प्रभु यीशु मेरी आत्मा को ग्रहण कर |”
* **48:07** सभी लोगों का समूह यीशु के कारण आशीषित हुआ, क्योंकि हर कोई जिसने यीशु पर विश्वास किया अपने पापों से छुटकारा पाया, और अब्राहम का एक **आत्मिक** वंशज बना |

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H178, H1172, H5397, H7307, H7308, G4151, G4152, G4153, G5326, G5427

### आदर, आदर करना

#### परिभाषा:

“आदर” और “आदर करना” का अर्थ है किसी का सम्मान करना, प्रतिष्ठित करना या श्रद्धा अर्पित करना

* आदर उस मनुष्य का किया जा सकता है जो पद में बड़ा हो, महत्वपूर्ण हो जैसे राजा या परमेश्वर।
* परमेश्वर ने मसीहियों को दूसरों का आदर करने का निर्देश दिया है।
* सन्तान से अपेक्षा की गई है कि अपने माता-पिता का आदर करें जिसमें उसके सम्मान एवं आज्ञापालन की अपेक्षा भी की गई है।
* “आदर” और महिमा शब्दों के साथ-साथ काम में लिया गया है, विशेष करके यीशु के संदर्भ में। एक ही बात को कहने के ये दो तरीके हैं।
* परमेश्वर का आदर करने का अर्थ है उसे धन्यवाद कहना और उसकी स्तुति करना तथा उसकी आज्ञा मानकर सम्मान प्रगट करना तथा ऐसा जीवन जीना जिससे प्रकट हो कि वह कैसा महान है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “आदर” के अन्य अनुवाद रूप हैं, “किसी को विशेष सम्मान दिखाना” या “प्रतिष्ठा दर्शाना” या “उच्च सम्मान देना”
* “आदर करना” का अनुवाद हो सकता है, “विशेष सम्मान करना” या “प्रशंसा करना” या “उच्च प्रतिष्ठा दर्शाना” या “महान महत्व प्रकट करना”

(यह भी देखें: [अपमान](../other/dishonor.md), [महिमा](../kt/glory.md), [महिमा करना](../kt/glorify.md), [स्तुति करना](../other/praise.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 02:8
* प्रे.का. 19:15-17
* यूहन्ना 04:43-45
* यूहन्ना 12:25-26
* मरकुस 06:4-6
* मत्ती 15:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1420, H1921, H1922, H1923, H1926, H1927, H1935, H2082, H2142, H3366, H3367, H3368, H3372, H3373, H3374, H3444, H3513, H3519, H3655, H3678, H5081, H5375, H5457, H6213, H6286, H6437, H6942, H6944, H6965, H7236, H7613, H7812, H8597, H8416, G820, G1391, G1392, G1784, G2151, G2570, G3170, G4411, G4586, G5091, G5092, G5093, G5399

### आनन्द, प्रसन्‍न, सुखी

#### परिभाषा:

“प्रसन्न होना” अर्थात बहुत आनन्दित होना या अति हर्षित होना।

* “में आनन्द लेना” अर्थात “में सुखी होना” या “के बारे में खुश होना”। यदि कोई मनुष्य किसी बात से "आनंदित" होता है तो इसका अर्थ है कि वह उस बात में अत्यधिक आनंद लेता है।\* जब कोई बात अत्यधिक सहमति के योग्य हो या मनभावन हो तो उसे “प्रसन्नता” कहते हैं।
* किसी मनुष्य की प्रसन्नता किसी बात में है तो इसका अर्थ है कि वह उससे अति आनन्दित है।
* “वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता है” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा की व्यवस्था मुझे असीम आनन्द प्रदान करती है”, या “मैं परमेश्वर के नियमों का पालन करने से प्रसन्न होता हूँ” या “यहोवा की आज्ञाओं का पालन करके मुझे आनन्द प्राप्त होता है।”
* “प्रसन्न नहीं होता है” और “आनन्द नहीं पाता है” इनका अनुवाद हो सकता है, “कदापि प्रसन्न नहीं” या “उससे प्रसन्न नहीं।”
* “प्रसन्न रहता है” अर्थात “उसे करने में आनन्द प्राप्त होता है” या “वह बहुत खुश होता है”।
* शब्द "प्रसन्न" उन चीजों को संदर्भित करता है जिनका मनुष्य आनन्द उठाता है। इसका अनुवाद “सुख” या “चीज़ें जो जो सुख देती हैं” के रूप में किया जा सकता है।
* “तेरी इच्छापूर्ति मेरा आनन्द है”, इसका अनुवाद हो सकता है, “मुझे तेरी इच्छा के अनुसार चलने में प्रसन्नता होती है”, “तेरी आज्ञा मानकर मुझे बहुत सुख प्राप्त होता है”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* नीतिवचन 08:30
* भजन संहिता 001:02
* भजन संहिता 119:69-70
* श्रेष्ठगीत 01:03

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H1523, H2530, H2531, H2532, H2654, H2655, H2656, H2836, H4574, H5276, H5727, H5730, H6026, H6027, H7306, H7381, H7521, H7522, H8057, H8173, H8191, H8588, H8597

### आनन्द, आनन्दित, आनन्द करे, प्रसन्न

#### परिभाषा:

### आनन्द

आनंद परमेश्वर से प्राप्त प्रसन्नता की अनुभूति या गहरा सन्तोष। सम्बन्धित शब्द “आनंदित” एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो अत्यधिक प्रसन्न और गहरे आनंद से पूर्ण है।

* मनुष्य आनंदित तब होता है जब उसे यह अनुभूति होती है कि जिसका वह अनुभव कर रहा है वह बहुत अच्छी है।
* परमेश्वर मनुष्य को सच्चा आनंद प्रदान करता है।
* आनंद मनभावन परिस्थितियों में प्राप्त नहीं होता है। परमेश्वर मनुष्य के जीवन में घोर कठिनाइयों में भी आनंद प्रदान कर सकता है।
* कभी-कभी स्थानों को भी आनंद के कहते हैं जैसे घर और नगर। इसका अर्थ है कि वहां रहने वाले लोग आनंदित हैं।

### आनंदित होना

शब्द "आनन्द" का अर्थ खुशी और खुशी से भरा होना है।

* यह शब्द अक्सर परमेश्वर द्वारा की गई अच्छी चीजों के बारे में बहुत खुश होने का उल्लेख करता है।
* इसका अनुवाद "बहुत खुश होना" या "बहुत प्रसन्न होना" या "आनन्द से भरा होना" हो सकता है।
* जब मरियम ने कहा "मेरा प्राण मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर को आनन्दित करता है," उसका मतलब था "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मुझे बहुत आनन्दित किया है" या "मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर ने मेरे लिए जो किया है उसके कारण मुझे बहुत आनन्द हो रहा है।"

\*

#### अनुवाद के सुझाव:

* “आनंद” शब्द का अनुवाद “हर्ष” या “प्रसन्नता” या “महान प्रसन्नता” भी हो सकता है।
* “आनंदित रहो” का अनुवाद हो सकता है, “आनंद करना” या “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “परमेश्वर की भलाई में अत्यधिक प्रसन्न होना” जैसी अभिव्यक्ति।
* एक आनंदित मनुष्य को “अत्यधिक प्रसन्न” या “हर्षित” या “बहुत खुश” कह सकते हैं।
* “जय जयकार करो” का अनुवाद हो सकता है, “इस प्रकार चिल्लाओ कि अत्यधिक आनंद प्रकट हो।”
* “आनंदित नगर” या “आनंदित घर” का अनुवाद हो सकता है “वह नगर जिसमें आनंदित लोग रहते हैं” या “आनंदित लोगों से भरा घर” या “जिस नगर के लोग प्रफुल्लित हैं।”

(यह भी देखें: [आनन्द करना](../other/rejoice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 01:6-7
* 3 यूहन्ना 01:1-4
* गलातियों 05:22-24
* यशायाह 56:6-7
* याकूब 01:1-3
* यिर्मयाह 15:15-16
* मत्ती 02:9-10
* नहेम्याह 08:9-10
* फिलेमोन 01:4-7
* भजन संहिता 048:1-3
* रोमियो 15:30-32

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **33:07** “वैसे ही जो पथरीली भूमि पर बोए जाते है, ये वह है जो वचन को सुनकर तुरन्त **आनन्द** से ग्रहण कर लेते है।”
* **34:04** “स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए धन के समान है, जिसे किसी व्यक्ति ने छिपाया। एक दुसरे व्यक्ति को वो धन मिला और उसने भी उसे वापस छिपा दिया। वह बहुत **आनन्द** से भर गया और जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को मोल ले लिया।”
* **41:07** वे स्त्रियाँ भय और बड़े **आनन्द** से भर गई। वे चेलो को यह आनन्द का समाचार देने के लिये दौड़ गई।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1523, H1524, H1525, H1750, H2304, H2305, H2898, H4885, H5937, H5947, H5970, H7440, H7442, H7444, H7445, H7797, H8055, H8056, H8057, H8342, H8643, G20, G21, G2167, G2744, G3685, G4640, G5463, G5479

### आनन्द, आनन्द मनाना, आनन्दित हुआ, आनन्द करें

#### परिभाषा:

शब्द "आनन्द" का मतलब है खुशी और हर्ष से भरा होना।

* इस शब्द का संदर्भ अक्सर परमेश्वर के उपकारों के कारण अत्यधिक प्रसन्न होना है।
* इसका अनुवाद, “अत्यधिक प्रसन्न होना” या “हर्ष से भर जाना” या “खुशी की सीमा न होना” के रूप में हो सकता है।
* मरियम ने कहा, "मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित है," उसका मतलब था "परमेश्वर मेरे उद्धारकर्ता ने मुझे बहुत खुश कर दिया है" या “मैं अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर के कार्य से अत्यधिक आनन्दित हूं”।

(यह भी देखें: [आनन्द](../other/joy.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 05:15-18
* प्रे.का. 16:32-34
* यूहन्ना 03:29-30
* लूका 15:6-7
* लूका 19:37-38
* मत्ती 02:9-10
* फिलिप्पियों 04:10-13
* रोमियो 05:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1523, H1524, H2302, H2654, H4885, H5937, H5938, H5947, H5965, H5970, H6342, H6670, H7442, H7797, H7832, H8055, H8056, H8057, G21, G2165, G2620, G2744, G2745, G4796, G4913, G5463

### आमोस

#### तथ्य:

आमोस भविष्यद्वक्ता यशायाह के पिता का नाम था।

* एकमात्र स्थान जहां उसके नाम का उल्लेख किया गया है वह यशायाह की पहचान के लिए है कि वह “अमोस का पुत्र” था।
* यह नाम भविष्यद्वक्ता आमोस से भिन्न है जिसका स्पष्टीकरण अनिवार्य है।

(यह भी देखें: [आमोस](../names/amos.md), [यशायाह](../names/isaiah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 19:1-2
* यशायाह 37:1-2
* यशायाह 37:21-23

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H531

### आमोस

#### तथ्य:

आमोस परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जो यहूदा के राजा उज्जिय्याह के राज्य काल में था।

* भविष्यद्वाणी के लिए परमेश्वर द्वारा बुलाए जाने से पहले आमोस यहूदा में एक चरवाहा और अंजीर की खेती करनेवाला था।
* आमोस ने समृद्ध उत्तरी राज्य के लिए भविष्यद्वाणी की थी जो मनुष्यों के साथ उनके अनुचित व्यवहार के विरूद्ध थी।

(यह भी देखें: [अंजीर](../other/fig.md), [यहूदा](../names/judah.md), [इस्त्राएल राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [चरवाहा](../other/shepherd.md), [उज्जिय्याह](../names/uzziah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* आमोस 01:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5986

### आयु, युगों, वृद्ध

#### परिभाषा:

“आयु” अर्थात मनुष्य का जीवनकाल। इसका उपयोग सामान्य तौर पर समय की अवधि के संदर्भ में भी होता है।

* विस्तारित अवधि को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले दूसरे शब्दों में "काल" और "ऋतु" शामिल हैं।
* यीशु ने वर्तमान समय को जब पृथ्वी पर पाप, बुराई और अवज्ञा बहुत अधिक हो जाएगी, “यह युग” कहा था।
* एक भावी युग भी होगा जब नए आकाश और नई पृथ्वी पर धार्मिकता का राज होगा।

#### अनुवाद सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “युग” शब्द का अनुवाद, “काल” या “इतने वर्ष की आयु” या “समय सीमा” या “समय” हो सकता है।
* “बहुत अधिक आयु” इस उक्ति का अनुवाद, “कई वर्ष का होकर” या “जब वह बहुत वृद्ध हो गया” या “जब वह बहुत समय जी चुका” हो सकता है।
* “यह वर्तमान बुरा युग” अर्थात “वर्तमान में इस समय के दौरान जब लोग बहुत बुरे हैं”।

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 29:28
* 1 कुरिन्थियों 02:7
* इब्रानियों 06:05
* अय्यूब 05:26-27

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: G165, G1074

### आशा, आशाएं

#### परिभाषा:

आशा यह है कि कुछ होने के लिए दृढ इच्छा है। भविष्य में होने वाली घटना के बारे में आशा या अनिश्चितता या तो निश्चित हो सकती है

* बाइबल में, शब्द "आशा" का "भरोसा"; का अर्थ भी है, जैसा कि "मेरी उम्मीद प्रभु में है।" यह उन लोगों को प्राप्त करने की एक निश्चित उम्मीद को दर्शाता है जो परमेश्वर ने अपने लोगों से वादा किया है
* कभी-कभी यूएलबी शब्द को मूल भाषा में "आत्मविश्वास"; के रूप में तब्दील कर देता है। यह ज्यादातर नए नियम में परिस्थितियों में होता है, जहां लोग जो अपने उद्धारकर्ता के रूप में यीशु पर विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर ने वादा किया है उसे प्राप्त करने का आश्वासन (या आत्मविश्वास या आशा) है।
* “कोई आशा नहीं” अर्थात किसी अच्छी बात का विश्वास नहीं। इसका मतलब है कि यह वास्तव में बहुत निश्चित है कि ऐसा नहीं होगा।

#### अनुवाद के सुझाव:

* अधिकांश संदर्भों में आशा करना का अनुवाद हो सकता है, “इच्छा करना” या “मनोकामना” या “अपेक्षा करना।”
* अभिव्यक्ति "आशा करने के लिए कुछ नहीं" का अनुवाद "भरोसा करने के लिए कुछ नहीं" या "कुछ भी अच्छा नहीं की उम्मीद" के रूप में किया जा सकता है
* “कोई आशा नहीं” का अनुवाद हो सकता है, “किसी भी अच्छी बात की अपेक्षा नहीं होना” या “सुरक्षा नहीं होना” या “निश्चित रूप से जान लेना कि कुछ भी अच्छा नहीं होगा।”
* अभिव्यक्ति "पर आपकी उम्मीदों को स्थापित किया है"का अनुवाद "आपके आत्मविश्वास में डाल दिया है" या "पर भरोसा किया गया है" के रूप में भी किया जा सकता है।
* वाक्यांश "मुझे आपके शब्द में आशा मिलती है" अनुवाद "मुझे पूरा भरोसा है कि आपका वचन सत्य है" या "आपका शब्द मुझे आपके अंदर भरोसा करने में मदद करता है" या "जब मैं आपके वचन का पालन करता हूँ, तो मुझे आशीर्वाद मिल जाएगा" के रूप में किया जा सकता है।
* "आशा" उक्ति का अनुवाद, "परमेश्वर में भरोसा" या "निश्चित जानना के परमेश्वर ने जो वादा किया है। वह करेगा" या "सुनिश्चित करना के परमेश्वर विश्वासयोग्य है" के रूप में हो सकता है।

(यह भी देखें: [आशीष](../kt/bless.md), [भरोसा](../other/confidence.md), [अच्छा](../kt/good.md), [आज्ञा पालन](../other/obey.md), [भरोसा](../kt/trust.md), [परमेश्वर का वचन](../kt/wordofgod.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 29:14-15
* 1 थिस्सलुनीकियों 02:17-20
* प्रे.का. 24:14-16
* प्रे.का. 26:6-8
* प्रे.का. 27:19-20
* कुलुस्सियों 01:4-6
* अय्यूब 11:20

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H982, H983, H986, H2620, H2976, H3175, H3176, H3689, H4009, H4268, H4723, H7663, H7664, H8431, H8615, G91, G560, G1679, G1680, G2070

### आसा

#### तथ्य:

राजा आसा ने यहूदा पर चालीस वर्ष राज किया था 913-873 ई.पू.।

* आसा एक अच्छा राजा था जिसने देवताओं की मूर्तियों को नष्ट किया और इस्राएलियों को यहोवा की उपासना के लिए प्रेरित किया।
* यहोवा ने आसा को अन्यजातियों के साथ युद्ध में विजय प्रदान की थी।
* बाद में अपने शासनकाल में आसा ने यहोवा पर भरोसा करना बंद कर दिया और रोगग्रस्त होकर अन्ततः मर गया।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 09:14-16
* 1 राजा 15:7-8
* 2 इतिहास 14:1-4
* यिर्मयाह 41:8-9
* मत्ती 01:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H609

### आसाप

#### तथ्य:

आसाप एक लेवीय याजक था साथ ही वह एक प्रतिभाशाली संगीतज्ञ था, उसने राजा दाऊद के भजनों को संगीत से संवारा था। उसने स्वयं भी भजन लिखे थे।

* राजा दाऊद ने आसाप को और दो संगीतज्ञों के साथ मन्दिर की आराधना के लिए भजन तैयार करने का उत्तरदायित्व सौंपा था। इनमें से कुछ भजन भविष्यद्वाणियां थी।
* आसाप ने अपने पुत्रों को भी प्रशिक्षण दिया था कि इस दायित्व को निभाएं, मन्दिर में संगीत वाद्य बजाना तथा भविष्यद्वाणी करना।
* उनके संगीत वाद्य थे, सारंगी, बीणा, नरसींगा और झांझ।
* भजन 50, 73-83 आसाप के भजन माने जाते हैं। संभव है कि इनमें से कुछ भजन उसके परिवार के सदस्यों ने लिखे थे।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [वीणा](../other/harp.md), [वीणा](../other/lute.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [भजन](../kt/psalm.md), [तुरही](../other/trumpet.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:39-43
* 2 इतिहास 35:15
* नहेम्याह 02:7-8
* भजन 050:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H623

### इतिहास

#### परिभाषा:

“इतिहास” अर्थात समय के किसी युग की लिखित घटनाओं का अभिलेख।

* पुराने नियम की दो पुस्तकें, “पहला इतिहास” और “दूसरा इतिहास” कहलाती हैं।
* “इतिहास” की इन पुस्तकों में इस्राएल के इतिहास का एक भाग व्यक्त करती हैं जिनका आरंभ आदम से लेकर प्रत्येक पीढ़ी के लोगों की सूची से है।
* “पहला इतिहास” इस पुस्तक में राजा शाऊल के जीवन का अन्त और राजा दाऊद के राज्य का अभिलेखा है।
* “दूसरा इतिहास” राजा सुलैमान और अन्य राजाओं के राज्यकाल का वर्णन है, मन्दिर निर्माण तथा उत्तरी राज्य इस्राएल और दक्षिणी राज्य यहूदा का विभाजन भी।
* दूसरा इतिहास की पुस्तक के अन्त में बेबीलोन की बन्धुआई के आरंभ होने की चर्चा की गई है।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [दाऊद](../names/david.md), [बन्धुआई](../other/exile.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [सुलैमान](../names/solomon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 27:23-24
* 2 इतिहास 33:18-20
* एस्तेर 10:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1697

### इश्माएल, इश्माएली, इश्माएलियों

#### तथ्य:

इश्माएल अब्राहम और मिस्री दासी हाजिरा का पुत्र था। पुराने नियम में इश्माएल नामक अनेक पुरुष भी हुए हैं।

* इश्माएल का अर्थ है, “परमेश्वर सुनता है”
* परमेश्वर ने अब्राहम के पुत्र इश्माएल को आशिष देने की प्रतिज्ञा की थी, परन्तु वह वाचा का पुत्र नहीं था।
* रेगिस्तान में परमेश्वर ने हाजिरा और इश्माएल की रक्षा की थी।
* पारान के रेगिस्तान में रहते हुए इश्माएल ने एक मिस्री से विवाह किया।
* नतन्याह का पुत्र इश्माएल यहूदा का सेना नायक था जिसने एक जत्था बनाकर बेबीलोन के राजा के नियुक्त अधिकारी नबूकदनेस्सर की हत्या की थी।
* पुराने नियम में इश्माएल नाम के चार और पुरुष हुए हैं।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [बाबेल](../names/babylon.md), [वाचा](../kt/covenant.md), [रेगिस्तान](../other/desert.md), [मिस्र](../names/egypt.md), [हाजिरा](../names/hagar.md), [इसहाक](../names/isaac.md), [नबूकदनेस्सर](../names/nebuchadnezzar.md), [पारान](../names/paran.md), [सारा](../names/sarah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 01:28-31
* 2 इतिहास 23:1-3
* उत्पत्ति 16:11-12
* उत्पत्ति 25:9-11
* उत्पत्ति 25:13-16
* उत्पत्ति 37:25-26

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **05:02** तो अब्राम ने हाजिरा से विवाह किया। हाजिरा को अब्राम के द्वारा एक पुत्र हुआ, अब्राम ने उसका नाम **इश्माएल** रखा।
* **05:04** “मैं **इश्माएल** को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी वाचा इसहाक के साथ होगी।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3458, H3459

### इसहाक

#### तथ्य:

इसहाक अब्राहम और सारा का एकलौता पुत्र था। यद्यपि वे वृद्ध थे, परमेश्वर ने उन्हें पुत्र देने की प्रतिज्ञा की थी।

* “इसहाक” का अर्थ है, “वह हँसता है” परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि सारा एक पुत्र को जन्म देगी तब अब्राहम हंस पड़ा था क्योंकि वे दोनों बहुत वृद्ध थे। कुछ समय बाद यह समाचार सुनकर सारा भी हँस दी थी।
* परन्तु परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की और अब्राहम एवं सारा को वृद्धावस्था में पुत्र प्राप्ति हुई।
* परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि उसने अब्राहम के साथ जो वाचा बांधी है वह इसहाक और उसके वंशजों के साथ भी बंधी रहेगी।
* जब इसहाक किशोरावस्था में पहुंचा तब परमेश्वर ने अब्राहम के विश्वास को परखने के लिए उससे कहा कि वह उसके लिए इसहाक को बलि कर दे।
* इसहाक के पुत्र याकूब के बारह पुत्र थे जो आगे चलकर इस्राएल के बारह गोत्र हुए।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [वंशज](../other/descendant.md), [सदाकालीन](../kt/forever.md), [पूर्ति](../kt/fulfill.md), [याकूब](../names/jacob.md), [सारा](../names/sarah.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* गलातियों 04:28-29
* उत्पत्ति 25:9-11
* उत्पत्ति 25:19-20
* उत्पत्ति 26:1
* उत्पत्ति 26:6-8
* उत्पत्ति 28:1-2
* उत्पत्ति 31:17-18
* मत्ती 08:11-13
* मत्ती 22:31-33

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **05:04** “तेरी पत्नी सारै के तुझ से एक पुत्र होंगा। और वह वायदे का पुत्र होंगा। और तू उसका नाम इसहाक रखना।”
* **05:06** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने अब्राहम से यह कहकर उसकी परीक्षा ली, “अपने एकलौते पुत्र इसहाक को होमबलि करके चढ़ा।”
* **05:09** अत: अब्राहम ने जाके उस मेढ़े को लिया और अपने पुत्र इसहाक के स्थान पर उसको होमबलि करके चढ़ाया |
* **06:01** जब अब्राहम वृद्ध हो गया था, तो उसका पुत्र **इसहाक** व्यस्कता की ओर बढ़ता जा रहा था, अब्राहम ने अपने एक दास से कहा, कि तू मेरे देश में मेरे ही कुटुम्बियों के पास जाकर मेरे पुत्र **इसहाक** के लिये एक पत्नी ले आएगा।
* **06:05** **इसहाक** ने परमेश्वर से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई।
* **07:10** **इसहाक** की मृत्यु हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी। परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से **इसहाक** और इसहाक से याकूब को दी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3327, H3446, G2464

### इस्राएल, इस्राएली

#### तथ्य:

“इस्राएल” परमेश्वर द्वारा याकूब को दिया गया नाम था। इसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है”

* याकूब के वंशज “इस्राएल की प्रजा”, “इस्राएल जाति” या “इस्राएली” कहलाए।
* परमेश्वर ने इस्राएल की प्रजा से वाचा बांधी थी। वे उसके चुने हुए लोग थे।
* इस्राएल जाति बारह गोत्रों की थी।
* राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल दो राज्य विभाजित हो गया था। दक्षिणी राज्य जो “यहूदा” कहलाया और उत्तरी राज्य “इस्राएल”।
* इस्राएल का अनुवाद “इस्राएली प्रजा” या “इस्राएल जाति” किया जाता है, जो प्रकरण पर निर्भर करता है।

(यह भी देखें: [याकूब](../names/jacob.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [राष्ट्र](../other/nation.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 10:1-3
* 1 राजा 08:1-2
* प्रे.का. 02:34-36
* प्रे.का. 07:22-25
* प्रे.का. 13:23-25
* यूहन्ना 01:49-51
* लूका 24:21
* मरकुस 12:28-31
* मत्ती 02:4-6
* मत्ती 27:9-10
* फिलिप्पियों 03:4-5

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **08:15** बारह पुत्रों की सन्तान से **इस्राएल** के बारह गोत्र बन गए।
* **09:03** मिस्रियो ने **इस्राएलियों** से कठोरता के साथ सेवा करवाई, और यहाँ तक कि कई इमारते व पूरे नगर का निर्माण करवाया।
* **09:05** एक इस्राएली महिला ने पुत्र को जन्म दिया।
* **10:01** उन्होंने कहा, “इस्राएल का परमेश्वर यों कहता है, ‘मेरी प्रजा के लोगों को जाने दे !’”
* **14:12** परन्तु इन सब के बावजूद भी, **इस्राएली** परमेश्वर व मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाते रहें।
* **15:09** परमेश्वर उस दिन **इस्राएल** के लिए लड़े। परमेश्वर ने एमोरियों को उलझन में डाल दिया, और ओले भेजकर बहुत से एमोरियों को घात किया।
* **15:12** युद्ध के बाद, परमेश्वर ने **इस्राएलियों** को वह सारा देश दिया, जिसे उसने उनको पूर्वजों से शपथ खाकर देने को कहा था; और वे उसके अधिकारी होकर उसमे बस गए। तब परमेश्वर ने **इस्राएलियों** को सारी सीमा के साथ शांति प्रदान की |
* **16:16** तो परमेश्वर ने **इस्राएलियों** को फिर से दंडित किया, क्योंकि उन्होंने मूर्ति की उपासना की थी।
* **43:06** “हे **इस्राएलियो** ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर की सामर्थ्य से कई आश्चर्य के कामों और चिन्हों को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3478, H3479, H3481, H3482, G935, G2474, G2475

### इस्राएल, इस्राएली, इस्राएलियों, याकूब

#### तथ्य:

याकूब इसहाक और रिबका के जुड़वा लड़कों में छोटा था।

* याकूब का अर्थ है, “वह एड़ी पकड़ता है” जिसका अर्थ है, “वह छल करता है।” जन्म के समय याकूब अपने जुड़वा भाई एसाव की एड़ी पकड़े हुए था।
* वर्षों बाद परमेश्वर ने याकूब का नाम बदलकर इस्राएल रखा जिसका अर्थ है, “वह परमेश्वर के साथ संघर्ष करता है।”
* याकूब चतुर और धोखा देने वाला था। उसने अपने बड़े भाई एसाव से उसकी पहलौठे की आशिषें और अधिकार प्राप्त करने की युक्ति खोज ली थी।
* एसाव इस पर बहुत क्रोधित हुआ और उसकी हत्या करने की योजना बनाई, अतः याकूब अपने घर से भाग गया। वर्षों बाद याकूब अपनी पत्नियों एवं सन्तान के साथ कनान लौटा, एसाव भी वहीं रहता था। दोनों के कुटुम्ब शान्ति-पूर्वक रहने लगे।
* याकूब के बारह पुत्र थे। उनके वंशज इस्राएल के बारह गोत्र हुए।
* मत्ती रचित सुसमाचार में जो वंशावली दी गई है उसमें एक और याकूब का उल्लेख किया गया है, वह यूसुफ का पिता था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [छल करना](../other/deceive.md), [एसाव](../names/esau.md), [इसहाक](../names/isaac.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [रिबका](../names/rebekah.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:11-13
* प्रे.का. 07:44-46
* उत्पत्ति 25:24-26
* उत्पत्ति 29:1-3
* उत्पत्ति 32:1-2
* यूहन्ना 04:4-5
* मत्ती 08:11-13
* मत्ती 22:31-33

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **07:01\_\_फिर वे लड़के बढ़ने लगे, रिबका \_\_याकूब** से प्रीति रखती थी, लेकिन इसहाक एसाव से प्रीति रखता था। **याकूब** सीधा मनुष्य था और तम्बुओ में रहा करता था, परन्तु एसाव तो वनवासी होकर चतुर शिकार खेलनेवाला हो गया।
* **07:07** जब **याकूब** वहा था ,उसी दौरान याकूब ने चार स्त्रियों से विवाह किया और उसके बारह पुत्र और एक पुत्री उत्पन्न हुई। परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान बनाया।
* **07:08** बीस वर्ष तक अपने भवन से, जो कनान में है, दूर रहने के बाद **याकूब** अपने परिवार, सेवकों, और अपने सारे जानवरों समेत वापस आ गया।
* **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो वाचा उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से **याकूब** को दी।
* **08:01\_\_कई साल बाद, जब \_\_याकूब** वृद्ध हो गया, तो उसने अपने प्रिय पुत्र यूसुफ को भेजा कि वह जाकर अपने भाइयो को देखे जो भेड़ बकरियों के झुंड की देखभाल कर रहे थे।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3290, G2384

### ईजेबेल

#### तथ्य:

ईजेबेल, इस्राएल के राजा आहाब की दुष्ट रानी थी।

* ईजेबेल ने आहाब और इस्राएल की प्रजा को मूर्ति-पूजा के लिए प्रेरित किया था।
* उसने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं में से अनेकों की हत्या करवाई थी।
* उसने एक निर्दोष पुरुष नाबोत की हत्या करवायी थी कि आहाब उसकी दाख की बारी को लूट पाए।
* अन्ततः वह अपने कुकर्मों के परिणाम स्वरूप मारी गई। एलिय्याह ने उसकी मृत्यु की भविष्यद्वाणी की थी और ठीक वैसे ही उसकी हत्या की गई थी।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [एलिय्याह](../names/elijah.md), [मूरत](../other/idol.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 16:31-33
* 1 राजा 19:1-3
* 2 राजा 09:7-8
* 2 राजा 09:30-32
* प्रकाशितवाक्य 02:20-21

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H348, G2403

### उजाड़

#### परिभाषा:

“उजाड़” अर्थात अनुपजाऊ या निष्फल।

* बंजर भूमि में पेड़ पौधे नहीं उगते हैं।
* स्त्री जो सन्तान उत्पन्न नहीं कर पाती है उसे बांझ कहते हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* भूमि के संदर्भ में कहा जा सकता है, “अनुपजाऊ” या “निष्फल” या “पेड़-पौधों से रहित”
* स्त्री के संबन्ध में कहा जा सकता है, “निःसन्तान” या “संतान उत्पत्ति में अक्षम”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 02:5
* गलातियों 04:26-27
* उत्पत्ति 11:29-30
* अय्यूब 03:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4420, H6115, H6135, H6723, H7909, H7921, G692, G4723

### उज्जियाह, अजर्याह

#### तथ्य:

उज्जिय्याह 16 वर्ष की आयु में यहूदा का राजा बना था और यरूशलेम में 52 वर्ष राज किया जो एक असाधारण दीर्घकालीन राजा था। उज्जिय्याह को अजर्याह नाम से भी जाना जाता था।

* उज्जिय्याह राजा अपनी सेना व्यवस्था और दक्षता के लिए जाना जाता था। अपने नगर की सुरक्षा के लिए गुम्मट बनवाए थे, उसने युद्ध के हथियारों को विशेष रूप से बनाया था जिनसे वह तीर चला सकता था और बड़े-बड़े पत्थर फेंक सकता था।
* वह जब तक परमेश्वर की सेवा में रहा समृद्ध होता गया। तथापि अपने राज्यकाल के अन्त समय में उसे घमण्ड हो गया था और मन्दिर में धूप जलाकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया क्योंकि धूप जलाना केवल याजकों का काम था।
* इस पाप के कारण उज्जिय्याह को कोढ़ हो गया था और अन्त तक सबसे अलग रहना पड़ा।

(यह भी देखें: [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [राजा](../other/king.md), [कोढ़](../other/leprosy.md), [राज करना](../other/reign.md), [गुम्मट](../other/watchtower.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 14:20-22
* आमोस 01:1-2
* होशे 01:1-2
* यशायाह 06:1-2
* मत्ती 01:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5814, H5818, H5838, H5839

### उठा लिया, जा लिया, दौड़ गया

#### परिभाषा:

“उठा लिया गया” प्रायः परमेश्वर द्वारा किसी को अकस्मात ही चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लेने के संदर्भ में होता है।

* “जा लिया” किसी के निकट शीघ्रता से पहुंचना इसी अर्थ का दूसरा शब्द है, “पड़ेगा”
* प्रेरित पौलुस तीसरे स्वर्ग में “उठा लिए जाने” की चर्चा करता है। इसका अनुवाद “ऊपर ले लेना” भी हो सकता है
* पौलुस कहता है कि जब मसीह पुनः आएगा तब विश्वासी उससे आकाश में भेंट करने के लिए “उठा लिए जाएंगे”।
* यह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा” इसका अनुवाद हो सकता है “मैं अपने पापों का परिणाम भोग रहा हूं” या “मेरे पापों के कारण मैं दुःख उठा रहा हूं” या “मेरे पाप मुझे कष्ट देते हैं”।

(देखें: [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md), [घेरना](../other/overtake.md), [दु:ख उठाना](../other/suffer.md), [समस्या](../other/trouble.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 कुरिन्थियों 12:1-2
* प्रे.का. 08:39-40

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1692, G726

### उत्‍पन्‍न, सर्जन करना, सृष्टि, सृजनहार

#### परिभाषा:

“उत्‍पन्‍न” अर्थात रचना करना या किसी को अस्तित्व में लाना। जो कुछ सृजा गया उसे सृष्टि कहते हैं। परमेश्वर को “सृजनहार” कहते हैं क्योंकि उसने सम्पूर्ण जगत को अस्तित्ववान किया।

* जब परमेश्वर के लिए कहा जाता है कि उसने सम्पूर्ण जगत की रचना की तो इसका अर्थ है कि उसने शून्य से उसे उत्पन्न किया।
* जब मनुष्य कोई रचना करता है तो इसका अर्थ है कि वह विद्यमान तत्वों से कुछ बनाता है।
* कभी-कभी “रचना” प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाता है जैसे “शान्ति की रचना करना” या “मनुष्य में शुद्ध मन रचना”
* “सृष्टि” शब्द का अर्थ है, आरंभ में जब परमेश्वर ने सब कुछ बनाया। यह शब्द परमेश्वर द्वारा सृजित सब के लिए काम में लिया जा सकता है। कभी-कभी “सृष्टि” शब्द विशेष करके पृथ्वी पर मनुष्यों के लिए काम में लिया जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* कुछ भाषाओं में स्पष्ट व्यक्त किया जा सकता है कि परमेश्वर ने “शून्य से” सम्पूर्ण जगत की रचना की, सुनिश्चित करें कि इसका अर्थ स्पष्ट हो।
* “जगत की सृष्टि के समय से” अर्थात “उस समय से जब परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत की रचना की थी”।
* समान वाक्यांश, “सृष्टि के आरंभ में ” का अनुवाद किया जा सकता है, “जब परमेश्वर ने संसार को समय की शुरुआत में बनाया” या “जब संसार को पहली बार बनाया गया।”
* “सारी सृष्टि के लोगों को” सुसमाचार प्रचार करो अर्थात “संपूर्ण पृथ्वी पर मनुष्यों को” सुसमाचार सुनाओ।
* “संपूर्ण सृष्टि आनन्द करे” अर्थात “परमेश्वर द्वारा सृजित सब कुछ आनन्द करे”।
* प्रकरण के अनुसार “सृष्टि करना” का अनुवाद “बनाना” या “अस्तित्व में लाना” या “शून्य से उत्पन्न करना” हो सकता है।
* “सृष्टिकता” का अनुवाद “जिसने सब कुछ बनाया” या “परमेश्वर जिसने संपूर्ण सम्पूर्ण जगत की उत्पत्ति की”।
* “तेरा सृजनहार” का अनुवाद “परमेश्वर जिसने तुझे बनाया” हो सकता है।

(यह भी देखें: [परमेश्वर](../kt/god.md), [शुभ सन्देश](../kt/goodnews.md), [संसार](../kt/world.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 11:9-10
* 1 पतरस 04:17-19
* कुलुस्सियों 01: 15-17
* गलातियों 06:14-16
* उत्पत्ति 01:1-2
* उत्पत्ति 14:19-20

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3335, H4639, H6213, H6385, H7069, G2041, G2602, G2675, G2936, G2937, G2939, G4160, G5480

### उपज, फसल, लवनी, कटनी, लवनेवाला

#### परिभाषा:

“उपज” शब्द का अर्थ है पेड़-पौधों से पके फल या सब्जियाँ एकत्र करना। “काटना" शब्द का अर्थ फसलों की कटाई करना है।

* कटनी का समय फसल पकने का समय होता है।
* इस्राएल कटनी का पर्व मनाता था कि भोजन की फसल काटें। परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए पहला फल चढाएं।
* प्रतीकात्मक रूप में “उपज” का संदर्भ यीशु में विश्वास करने वाले लोगों से या मनुष्य की आत्मिक उन्नति के वर्णन से हो सकता है।
* आत्मिक फसल की कटनी का विचार फलों के रूपक से सुसंगत हो सकता है, ईश्वर भक्ति के चारित्रिक गुण।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में फसल काटने के शब्द द्वारा किया जाए।
* कटनी का अनुवाद हो सकता है, “फल एकत्र करने का समय” या “फसल उठाने का समय” या “फल तोड़ने का समय”।
* “लवनी करना” का अनुवाद हो सकता है, “एकत्र करना”, “तोड़ना” या “संग्रह करना”

(यह भी देखें: [पहली उपज](../other/firstfruit.md), [पर्व](../other/festival.md), [सुसमाचार](../other/festival.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 09:9-11
* 2 शमूएल 21:7-9
* गलातियों 06:9-10
* यशायाह 17:10-11
* याकूब 05:7-8
* लैव्यव्यवस्था 19:9-10
* मत्ती 09:37-38
* रूत 01:22
* मत्ती, 06:25-26
* मत्ती, 13:30
* मत्ती, 13:36-39
* मत्ती, 25:24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2758, H4395, H4672 H7105, H7114, H7938, G270, G2325, G2326, G2327

### ऊँचा, ऊँचा किया, बढ़ाता, आनन्द

#### परिभाषा:

ऊँचा करना किसी की बहुत अधिक प्रशंसा करना और सम्मान देना। इसका अर्थ किसी को ऊँचे स्थान पर रखना भी है।

* बाइबल में ऊँचा करने का अर्थ परमेश्वर को प्रतिष्ठित करना है।
* जब मनुष्य अपनी बड़ाई करता है तब वह घमण्ड करता है और अपने बारे में अभिमानी है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “ऊँचा करने” के अनुवाद रूप हो सकता है “बहुत अधिक प्रशंसा” या “अत्यधिक सम्मान देना” या “गुणगान करना” या “किसी के बारे में ऊंचे विचार प्रकट करना”।
* कुछ संदर्भों में इसका अनुवाद ऐसे शब्दों या उक्तियों द्वारा हो सकता है जिन का अर्थ, “ऊंचे स्थान पर रखना” या “अधिक सम्मान देना” या “गर्व से कहना”
* “अपनी बड़ाई मत करो” का अनुवाद “अपने को बड़ा मत समझ” या “अपने मुँह मियां मिट्ठू मत बन”।
* “जो अपने आपको बड़ा समझते हैं” इसका अनुवाद, “जो अपने पर घमण्ड करते हैं” या “जो अभिमानी हैं”

(यह भी देखें: [स्तुति](../other/praise.md), [उपासना](../kt/worship.md), [महिमा करना](../kt/glorify.md), [घमण्ड करना](../kt/boast.md), [घमण्डी](../other/proud.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 पतरस 05:5-7
* 2 शमूएल 22:47-49
* प्रे.का. 05:29-32
* फिलिप्पुस 02:9-11
* भजन संहिता 018:46-47

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1361, H4984, H5375, H5549, H5927, H7311, H7426, H7682, G1869, G5229, G5251, G5311, G5312

### ऊँचे स्थान, ऊँचे स्थानों

#### परिभाषा:

“ऊंचे स्थान” का संदर्भ वेदियों और पवित्र स्थानों से है जहाँ मूर्ति पूजा की जाती थी। वे ऊँचे स्थानों पर बनाई जाती थी जैसे पहाड़ो पर या पर्वत की चोटियों पर।

* इस्राएल के अनेक राजाओं ने परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया उन्होंने ऊंचे स्थानों में देवी-देवताओं के लिए वेदियां बनवाई थी। जिसके कारण प्रजा मूर्ति-पूजा में मगन हो गई थी।
* जब इस्राएल या यहूदा राज्य में परमेश्वर का भय माननेवाला कोई राजा राज्य करने आया तब उसने ऊंचे स्थानों या इन वेदियों को नष्ट किया कि मूर्ति-पूजा को रोके।
* तथापि इन अच्छे राजाओं में से कुछ निश्चित रहे और उन्होंने इन वेदियों को ध्वंस नहीं किया जिसके परिणामस्वरूप संपूर्ण इस्राएल देश मूर्ति-पूजा करता रहा”

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* इस उक्ति के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मूर्ति-पूजा के ऊंचे स्थान” या “पर्वतीय शिखर पर मूर्तियों के पवित्र स्थान” या “मूर्तियों की वेदी के टीले”।
* सुनिश्चित करें कि इन शब्दों से मूर्तियों की वेदियों का स्पष्ट बोध हो न कि उन वेदियों के ऊँचे स्थान मात्र का जहाँ वे थी।

(यह भी देखें: [वेदी](../kt/altar.md), [मूरत](../other/idol.md), [आराधना](../kt/worship.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 09:12-13
* 2 राजा 16:3-4
* आमोस 04:12-13
* व्यवस्थाविवरण 33:29
* यहेजकेल 06:1-3
* हबक्कूक 03:18-19

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1116, H1181, H1354, H2073, H4791, H7311, H7413

### ऊँचे स्थान पर, आकाश में

#### परिभाषा:

“ ऊँचे स्थान पर” या “आकाश में” का अर्थ है “स्वर्ग में”

* “आकाश में” का अर्थ “सर्वाधिक आदर” भी हो सकता है।
* इसका उपयोग शब्दशः भी होता है जैसे “सबसे ऊंचे वृक्ष में”।
* “ऊंचे पर” का संदर्भ आकाश में ऊंचाई पर भी हो सकता है जैसे पक्षी का घोंसला जो ऊंचाई पर है। इस संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “आकाश में ऊँचा” या “ऊँचे वृक्ष की चोटी पर”।
* “ऊंचा” शब्द उठा हुआ स्थान या मनुष्य या वस्तु का महत्व दर्शाता है।
* “ऊपर से” का अनुवाद “स्वर्ग से” से हो सकता है।

(यह भी देखें: [स्वर्ग](../kt/heaven.md), [आदर](../kt/honor.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* विलापगीत 01:13-14
* भजन संहिता 069:28-29

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1361, H4605, H4791, H7682, G1722, G5308, G5310, G5311

### ऊँट, ऊँटों

#### परिभाषा:

ऊँट एक बड़ा चौपाया पशु होता है जिसकी पीठ पर एक या दो उभार होते हैं।

* बाइबल के समय में, ऊँट इस्राएल और आस-पास के क्षेत्रों में पाए जाने वाले सबसे बड़े जानवर थे।
* ऊँट लोग और बोझ भी ले जाने के लिए मुख्य रूप से इस्तेमाल किया जाता था।
* कुछ लोगों के समूहों में ऊँटों को भोजन के लिए इस्तेमाल करते थे लेकिन इस्राएलियों को नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा कि ऊँट अशुद्ध थे और खाए नहीं जाते थे।
* ऊँट मूल्यवान थे क्योंकि वे तेजी से रेत में जा सकते थे और कई हफ्तों तक भोजन और पानी के बिना रह सकते थे।

(यह भी देखें: [बोझ](../other/burden.md), [अशुद्ध](../kt/unclean.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 05:20-22
* 2 इतिहास 09:1-2
* निर्गमन 09:1-4
* मरकुस 10:23-25
* मत्ती 03:4-6
* मत्ती 19:23-24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H327, H1581, G2574

### ऊर

#### तथ्य:

ऊर फरात नदी के पास, प्राचीन कसदी प्रदेश का एक महत्वपूर्ण नगर था, जो मेसोपोटामिया का एक भाग था। यह स्थान आज के इराक में स्थित था।

* अब्राहम ऊर नगर का रहने वाला था, वहीं से परमेश्वर ने उसे बुला लिया था कि उसे कनान ले जाएं।
* लूत का पिता, अब्राहम का भाई हारान ऊर में ही मर गया था। लूत का अब्राहम के साथ ऊर छोड़ने का शायद यह भी एक कारण था।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [कनान](../names/canaan.md), [कसदी](../names/chaldeans.md), [फरात नदी](../names/euphrates.md), [हारान](../names/haran.md), [लूत](../names/lot.md), [मेसोपोटामिया](../names/mesopotamia.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 11:27-28
* उत्पत्ति 11:31-32

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H218

### ऊरिय्याह

#### तथ्य:

ऊरिय्याह एक धर्मी जन था और दाऊद के उत्तम सैनिकों में से एक था। उसे अक्सर “हित्ती ऊरिय्याह” से संदर्भित किया जाता था।

* ऊरिय्याह की पत्नी बहुत सुन्दर थी, उसका नाम बतशेबा था।
* दाऊद ने उसके साथ व्यभिचार किया और वह दाऊद से गर्भवती हो गई थी।
* दाऊद ने अपना पाप छिपाने के लिए ऊरिय्याह को युद्ध में आगे भेजकर मरवा दिया। फिर दाऊद ने बतशेबा से विवाह किया।
* ऊरिय्याह नाम का एक और आदमी एक था जो राजा आहाज के समय याजक था।

(यह भी देखें: [आहाज](../names/ahaz.md), [बतशेबा](../names/bathsheba.md), [दाऊद](../names/david.md), [हित्ती](../names/hittite.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 15:4-6
* 2 शमूएल 11:2-3
* 2 शमूएल 11:26-27
* नहेम्याह 03:3-5

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:12** बतशेबा का पति, जिसका नाम **ऊरिय्याह** था, वह दाऊद का एक वीर सैनिक था | दाऊद ने **ऊरिय्याह** को युद्ध से वापस बुला लिया और उससे कहा अपनी पत्नी के पास जा | परन्तु **ऊरिय्याह** अपने घर वापस न गया क्योंकि बाकी सैनिक युद्ध लड़ रहे थे | तब दाऊद ने **ऊरिय्याह** को वापस युद्ध में भेज दिया और योआब से कहा ‘सब से घोर युद्ध के सामने ऊरिय्याह को रखना, तब उसे छोड़कर लौट आओ, कि वह घायल होकर मर जाए |
* **17:13** **ऊरिय्याह** के मरने के बाद, दाऊद ने बतशेबा से विवाह कर लिया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H223, G3774

### एक्रोन, एक्रोनी

#### तथ्य:

एक्रोन पलिश्तियों का एक प्रमुख नगर था, भूमध्य सागर से नौ मील भीतर भूमि पर।

* एक्रोन में झूठे देवता बालजबूल का मन्दिर था।
* युद्ध में इस्राएलियों से वाचा का सन्दूक छीन लेने के बाद पलिश्ती इसे अश्दोद में ले गए तदोपरान्त वे उसे गत और एक्रोन में ले गए क्योंकि जिस नगर में भी वे वाचा का सन्दूक ले गए वहां परमेश्वर ने उन्हें रोगग्रस्त किया और मार डाला था। अन्त में पलिश्तियों ने वाचा का सन्दूक इस्राएल भेज दिया।
* जब अहज्याह छत पर से गिर कर घायल हो गया था तो उसने एक्रोन के बालजबूल देवता से पूछा था कि वह जीवित बचेगा या नहीं। उसके इस पाप के कारण परमेश्वर ने उससे कह दिया था कि वह मर जाएगा।

(यह भी देखें: [अहज्याह](../names/ahaziah.md), [वाचा का सन्दूक](../kt/arkofthecovenant.md), [अश्दोद](../names/ashdod.md), [शैतान](../names/beelzebul.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [गत](../names/gath.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 05:10
* यहोशू 13:2-3
* न्यायियों 01:18-19
* जकर्याह 09:5-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6138, H6139

### एदोम, एदोमी, एदोमियों, इदूमिया

#### तथ्य:

एदोम एसाव का दूसरा नाम था। जिस स्थान में वह बस गया उस स्थान का नाम “एदोम” पड़ गया जो आगे चल कर “इदूमिया” हो गया। “एदोमियों” उसके वंशज थे।

* एदोम क्षेत्र समय के साथ-साथ स्थान बदलता रहा। वह इस्राएल के दक्षिण में था और अन्ततः यहूदा के दक्षिण तक फैल गया।
* नये नियम के युग में एदोम यहूदा राज्य का दक्षिणी अर्धभाग हो गया था। यूनानियों ने उसे “इदूमिया” कहा।
* एदोम शब्द का अर्थ है “लाल” जो इस तथ्य के संदर्भ में है कि जब एसाव का जन्म हुआ था तब उसके शरीर पर लाल बाल थे। या इसका संदर्भ लाल रंग की उस दाल से भी हो सकता है जिसके बदले में एसाव ने अपने पहिलौठे होने का अधिकार बेच दिया था।
* पुराने नियम में एदोम देश को सदैव ही इस्राएल का शत्रु कहा गया है।
* ओबद्याह की संपूर्ण पुस्तक में एदोम के विनाश की भविष्यद्वाणी की गई है। पुराने नियम में भविष्यद्वक्ताओं ने एदोम के विरूद्ध भविष्यद्वाणियां की थी।

(यह भी देखें: [बैरी](../other/adversary.md), [पहिलौठे का अधिकार](../kt/birthright.md), [एसाव](../names/esau.md), [ओबद्याह](../names/obadiah.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 25:29-30
* उत्पत्ति 32:3-5
* उत्पत्ति 36:1-3
* यशायाह 11:14-15
* यहोशू 11:16-17
* ओबद्याह 01:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H123, H130, H8165, G2401

### एप्रैम, एप्रैमी, एप्रैमियों

#### तथ्य:

एप्रैम यूसुफ का दूसरा पुत्र था। उसके वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक हुए।

* एप्रैम का गोत्र इस्राएल के उत्तरी भाग में स्थित दस गोत्रों में से एक था।
* बाइबल में कभी-कभी एप्रैम शब्द संपूर्ण उत्तरी राज्य इस्राएल के लिए काम में लिया जाता था।
* एप्रैम वास्तव में एक पर्वतीय प्रदेश था, जो “एप्रैम का पहाड़ी प्रदेश” या “एप्रैम के पहाड़ों” के संदर्भ पर आधारित हैं।

(यह भी देखें: [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:66-69
* 2 इतिहास 13:4-5
* यहेजकेल 37:15-17
* उत्पत्ति 41:50-52
* उत्पत्ति 48:1-2
* यूहन्ना 11:54-55

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H669, H673, G2187

### एलयाकीम

#### तथ्य:

एल्याकीम नामक दो पुरूष पुराने नियम में हुए थे।

* एलयाकीम नामक एक पुरुष हिजकिय्याह राजा का भण्डारी था।
* दूसरा एलयाकीम राजा योशिय्याह का पुत्र था। उसे मिस्र के फिरौन नको ने यहूदा का राजा बनाया था।
* नको ने उसका नाम बदल कर यहोयाकीम रखा था।

(यह भी देखें: [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md), [यहोयाकीम](../names/jehoiakim.md), [होशिय्याह](../names/josiah.md), [फिरौन](../names/pharaoh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 18:16-18
* 2 राजा 18:26-27
* 2 राजा 18:36-37
* 2 राजा 12:18-19

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H471, G1662

### एलिय्याह

#### तथ्य:

एलिय्याह यहोवा का सबसे अधिक महत्वपूर्ण भविष्यद्वक्ता था। एलिय्याह ने इस्राएल और यहूदा के अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्यद्वाणी की थी, इनमें अहाब राजा भी था।

* परमेश्वर ने एलिय्याह के माध्यम से अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें एक मृतक बालक को जीवित करना भी था।
* एलिय्याह ने राजा अहाब को बाल की मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था।
* उसने बाल के पुजारियों को चुनौती दी थी कि परख कर देखें कि यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
* समय पूरा हो जाने पर परमेश्वर ने एलिय्याह को चमत्कारी रूप से स्वर्ग में उठा लिया था।
* सैंकड़ों वर्ष पश्चात एलिय्याह मूसा के साथ यीशु से पर्वत पर भेंट करने आया था और उन्होनें यरूशलेम में यीशु के आनेवाले कष्टों एवं मृत्यु के बारे में वार्तालाप किया था।

(यह भी देखें: [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 17:1
* 2 राजा 01:3-4
* याकूब 05:16-18
* यूहन्ना 01:19-21
* यूहन्ना 01:24-25
* मरकुस 09:4-6

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **19:02** **एलिय्याह** भविष्यद्वक्ता था, जब अहाब इस्राएली राज्य का राजा था।
* **19:02** **एलिय्याह** ने अहाब से कहा, “इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।”
* **19:03** परमेश्वर ने **एलिय्याह** से कहा कि वह जंगल में जाकर छिप जाए, क्योंकि अहाब उसे मारने की ताक में है। और सबेरे और साँझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे।
* **19:04** परन्तु तब उन्होंने एलिय्याह का ख्याल रखा, और परमेश्वर ने उनके घड़े का मैदा समाप्त न होने दिया, और न उनके **कुप्पी** का तेल घटने दिया।
* **19:05\_\_साढ़े तीन वर्ष के बाद, परमेश्वर का यह वचन \_\_एलिय्याह** के पास पहुँचा, “जाकर अपने आप को अहाब को दिखा, और मैं भूमि पर मेंह बरसा दूँगा।
* **19:07\_\_और \_\_एलिय्याह** ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, क्योंकि तुम तो बहुत हो; तब अपने देवता से प्रार्थना करना, परन्तु आग न लगाना।”
* **19:12** तब एलिय्याह ने कहा, “बाल के भविष्यवक्ताओं को पकड़ लो, उनमें से एक भी छूटने ने न पाए;
* **36:03** तब मूसा और **एलिय्याह** नबी दिखाई दिए। इससे पहले यह दोनों पुरुष कई सो साल पहले पृथ्वी पर जीवित थे। वे यीशु से उसकी मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे, जो यरूशलेम में होने वाली थी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H452, G2243

### एलीशा

#### तथ्य:

एलीशा इस्राएल में अनेक राजाओं के राज्यकाल में भविष्य़द्वाणी की सेवा करता था। अहाब, अहज्याह, यहोराम, येहू, यहोआहाज तथा यहोआश

* परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता एलिय्याह को आदेश दिया था कि वह एलीशा का भविष्यद्वक्ता होने के लिए अभिषेक करे।
* जब एलिय्याह को अग्नि रथ में स्वर्ग में उठा लिया जाने के बाद एलीशा इस्राएल के राजाओं के लिए परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता बना।
* एलीशा ने अनेक आश्चर्यकर्म किए जिनमें सीरिया के सेनानायक को कोढ़ से चंगा करना तथा एक शूनेमी स्त्री के पुत्र को मृतकों में से जिलाना भी था।

(यह भी देखें: [एलिय्याह](../names/elijah.md), [नामान](../names/naaman.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 19:15-16
* 2 राजा 03:15-17
* 2 राजा 05:8-10
* लूका 04:25-27

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H477

### ओम्री

#### तथ्य:

ओम्री एक सेना प्रधान था जो इस्राएल का छठवां राजा हुआ था।

* राजा ओम्री ने तिर्सा नगर में 12 वर्ष राज किया था।
* इस्राएल के सब राजाओं के सदृश्य ओम्री भी एक दुष्ट राजा था, उसने इस्राएल की प्रजा को और भी अधिक मूर्तिपूजा में गिराया था।
* ओम्री राजा आहाब का पिता था।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [यारोबाम](../names/jeroboam.md), [तिर्सा](../names/tirzah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 22:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6018

### कठिन, कड़ा, सबसे कठिन, कठोर, कठोर कर लेता है, हठीला, कठोर रहेगा, कठोरता

#### परिभाषा:

“कठिन” शब्द के अर्थ प्रकरण के अनुसार अनेक हैं। यह शब्द प्रायः किसी कठिन अनवरत या हठीली बात का वर्णन करता है।

“कठोर हृदय” “हठीला” उन लोगों के संदर्भ में है जो हठ करके पश्चाताप नहीं करते। यह अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानने का हठ करते हैं।

प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “हृदयों की कठोरता” और “उनके हृदयों की कठोरता” का संदर्भ भी हठीली अवज्ञा से है।

किसी का हृदय “कठोर” है तो इसका अर्थ है कि ऐसा मनुष्य आज्ञा मानने से इन्कार करता है और मन फिराव नहीं करने का हठ करता है।

जब इसे क्रिया विशेषण स्वरूप काम में लिया जाता है जैसे “कठोर परिश्रम” या “कठोर प्रयास” तो इसका अर्थ है किसी काम को दृढ़ता के साथ यत्न से करना, किसी काम को अति उत्तम रूप से करने का प्रयत्न करना।

#### अनुवाद के सुझाव

* “कठोर” शब्द का अनुवाद “कठिन” या “हठीला” या “चुनौतीपूर्ण” किया जा सकता है जो प्रकरण के अनुसार हो।
* “कठोरता” शब्द या “हृदय की कठोरता” या “कठोर हृदय” का अनुवाद “हठीलापन” या “निरन्तर विद्रोह” या “विद्रोही स्वभाव” या “हठीली अवज्ञा” या “हठ करके मन फिराव न करना” किया जा सकता है।
* “कठोर हो गया” का अनुवाद “मन फिराने का हठ” या “आज्ञा मानने से इन्कार” किया जा सकता है।
* “अपने हृदयों को कठोर मत करो” का अनुवाद “मन फिराव से इन्कार मत करो” या “हठ करके अवज्ञा मत करो”।
* “हठीले” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “हठीली अवज्ञा” या “निरन्तर अवज्ञा करना” या “मन फिराव का इन्कार” या “सदैव विद्रोह करना”
* “कठोर परिश्रम करना” या “कठोर प्रयास करना” इसे में “कठोर” का अनुवाद “यत्न के साथ” या “लगन के साथ” किया जा सकता है।
* “दौड़ा चला जाता हूँ” का अनुवाद “बलपूर्वक आगे बढ़ता हूँ” या “दृढ़तापूर्वक अग्रसर होता हूँ”।
* “मनुष्यों को कठोर परिश्रम करके दुःख देना” (अत्याचार करना) इसका अनुवाद “मनुष्य से ऐसा कठोर परिश्रम कराना कि वे पीड़ित हों” या “मनुष्यों को अत्याधिक कठिन कार्य द्वारा दुःख देना”।
* स्त्री के प्रसव भी कठोर परिश्रम है।

(यह भी देखें: [अवज्ञा](../other/disobey.md), [दुष्ट](../kt/evil.md), [हृदय](../kt/heart.md), [प्रसव पीड़ा](../other/laborpains.md), [हठी](../other/stiffnecked.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 कुरिन्थियों 11:22-23
* व्यवस्थाविवरण 15:7-8
* निर्गमन 14:4-5
* इब्रानियों 04:6-7
* यूहन्ना 12:39-40
* मत्ती 19:7-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H280, H386, H553, H1692, H2388, H2389, H2420, H2864, H3021, H3332, H3513, H3515, H3966, H4165, H4522, H5450, H5539, H5564, H5646, H5647, H5797, H5810, H5980, H5999, H6089, H6277, H6381, H6635, H7185, H7186, H7188, H7280, H8068, H8307, H8631, G917, G1419, G1421, G1422, G1423, G1425, G2205, G2532, G2553, G2872, G2873, G3425, G3433, G4053, G4183, G4456, G4457, G4641, G4642, G4643, G4645, G4912, G4927

### कब्र, मिट्टी देनेवाले, कब्रें, कब्र, कब्रों, कब्रिस्तान

#### परिभाषा:

“कब्र” वह स्थान है जहां मृतक के शव को रखा जाता है। \* इसी संदर्भ में “कब्रिस्तान” भी है।

यहूदी कभी-कभी गुफाओं में मृतकों को रखते थे। कभी-कभी वे पहाड़ों में गुफा खोदते थे।

नये नियम के समय ऐसी कब्रों को बन्द करने के लिए उन पर बड़ा पत्थर लुढ़का देना एक आम अभ्यास था।

यदि कब्र का अर्थ शव को दफन करने के लिए जमीन के नीचे गड्डा हो तो इसका अनुवाद करने के और तरीके “गुफा” या “पहाड़ में छेद करना” हो सकता है।

प्रतीकात्मक रूप में और अक्सर “कब्र” शब्द मृतक के सदृश्य अवस्था को या मृतकों की आत्माओं के स्थान के लिए काम में आता है।

(यह भी देखें: [दफन करना](../other/bury.md), [मृत्यु](../other/death.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 02:29-31
* उत्पत्ति 23:5-6
* उत्पत्ति 50:4-6
* यूहन्ना 19:40-42
* लूका 23:52-53
* मरकुस 05:1-2
* मत्ती 27:51-53
* रोमियो 03:13-14

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **32:04** वह **कब्रों** में रहा करता था। वह रात दिन चिल्लाता रहता था |
* **37:06** यीशु ने उनसे पूछा “तुमने लाज़र को कहाँ रखा है?” उन्होंने उससे कहा, "**कब्र** में, आओ और देख लो |” तब यीशु रोया |
* **37:07** वो **कब्र** एक गुफा थी जिसके द्वार पर एक बड़ा पत्थर लगा हुआ था |
* **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो यहूदी याजक जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा | उन्होंने उसके शव को उज्ज्वल चादर में लपेटा, और चट्टान में खुदवाई गई **कब्र** में रख दिया | तब उन्होंने द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़काकर उसे बन्द कर दिया |
* **41:04** उसने कब्र के पत्थर को जो **कब्र** के द्वार पर लगा था हटा दिया और उस पर बैठ गया, **कब्र** की रखवाली करने वाले पहरुए काँप उठे और मृतक समान हो गए |
* **41:05** जब महिलाएँ **कब्र** पर पहुँची, स्वर्गदूत ने स्त्रियों से कहा, “मत डरो | यीशु यहाँ नहीं है, परन्तु अपने वचन के अनुसार जी उठा है |" आओ, यह स्थान देखो |” तब सस्त्रियों ने **कब्र** में और जहा यीशु का शरीर रखा गया था देखा | उसका शरीर वहा नहीं था |

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1164, H1430, H6900, H6913, H7585, H7845, G86, G2750, G3418, G3419, G5028

### कमर

#### परिभाषा:

“कमर” शरीर का वह भाग है जो पसलियों और नितम्बों के मध्य का भाग है जिसे निचले पेट के रूप में भी जाना जाता है।

* “कमर कसना” अर्थात् परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाओ। यह मुहावरा उस अभ्यास से आता है जब वे अपने बागे के निचले भाग को उठाकर कमर में बांध लेते थे कि चलना फिरना आसान हो जाए।
* “कमर” शब्द बाइबल में प्रायः बलि पशु के पिछले भाग के लिए काम में लिया जाता था।
* बाइबल में “कमर” का प्रतीकात्मक रूप में शिष्टोक्ति रूप में मनुष्य के गुप्तांगों के लिए काम में लिया गया शब्द है।
* “से उत्पन्न होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “तेरी सन्तान होगी” या “तेरे अंश से उत्पन्न होगा” या “परमेश्वर तुम से उत्पन्न करेगा।”
* शरीर के संदर्भ में इसका अनुवाद हो सकता है, “उदर” या “पेट” या “कमर” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [नगर बसाना](../other/gird.md), [सन्तान](../other/offspring.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 पतरस 01:13-14
* 2 इतिहास 06:7-9
* व्यवस्थाविवरण 33:11
* उत्पत्ति 37:34-36
* अय्यूब 15:27-28

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2504, H2783, H3409, H3689, H4975, G3751

### कर, अनुदान, भुगतान

#### परिभाषा:

“कर”, एक राजा द्वारा दूसरे राजा को दी जानेवाली भेंट जिसका उद्देश्य होता था, सुरक्षा एवं दोनों देशों के अच्छे संबन्ध।

* कर एक भुगतान भी हो सकती है जिसे किसी शासक या सरकार को लोगों से आवश्यकता होती है,जैसे कि टोल या कर।
* बाइबल के युग में कोई राजा या शासक किसी और राज्य में से होकर यात्रा करता था तो उस राज्य के राजा को कर देता था कि उस क्षेत्र में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।
* कर में पैसों के अतिरिक्त अन्य पदार्थ जैसे भोजन वस्तुएं, मसाले, उत्तम वस्त्र, और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं भी होती थी।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “कर” का अनुवाद किया जा सकता है, “सरकारी भेंट” या “विशेष भुगतान” या “अनिवार्य भुगतान”।

(यह भी देखें: [सोना](../other/gold.md), [राजा](../other/king.md), [शासक](../other/ruler.md), [कर](../other/tax.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 18:1-2
* 2 इतिहास 09:22-24
* 2 राजा 17:03
* लूका 23:02

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H1093, H4061, H4503, H4530, H4853, H6066, H7862, G5411

### कर, करों, कर लगाया, कर लगाना, करदाताओं

#### परिभाषा:

“कर” और “करों” अर्थात सत्तावासी सरकार को पैसा या सामान देना।

* कर का मान निर्धारण किसी वस्तु के मूल्य या मनुष्य की सम्पदा के मूल्य पर किया जाता है।
* जब कर नहीं चुकाया तब सरकार वैधानिक प्रक्रिया द्वारा किसी व्यक्ति या व्यपारिक इकाई के विरुद्ध कार्यवाही कर सकती है कि देय राशि की वसूली की जाए।
* यूसुफ और मरियम, यात्रा करके बैतलहम को गए ताकि जनगणना में गिने जाए,जो कर देने हेतु रोमी साम्राज्य में रहनेवाले हर व्यक्ति के लिए आयोजित किया गया था।
* संदर्भ के आधार पर "कर" शब्द का अनुवाद "आवश्यक भुगतान" या "सरकारी धन" या "मंदिर धन" के रूप में भी किया जा सकता है।
* "करों का भुगतान" करने का अनुवाद "सरकार को पैसा" या "सरकार के लिए धन प्राप्त" या "आवश्यक भुगतान करना" के रूप में भी किया जा सकता है। "करों को एकत्र करने" का अनुवाद "सरकार के लिए धन प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है"
* “चुंगी लेने वाला” सरकारी कर्मचारी है जो मनुष्यों से अनिवार्य धन-राशि एकत्र करता है।

(यह भी देखें: [बैतलहम](../names/bethlehem.md), [नाम लिखाना](../other/census.md), [नागरिकों](../other/citizen.md), [रोम](../names/rome.md), [चुंगी लेनेवाला](../other/taxcollector.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* लूका 20:21-22
* मरकुस 02:13-14
* मत्ती 09:7-9
* गिनती 31:28-29
* रोमियो 13:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2670, H4060, H4371, H4522, H4864, H6186, G583, G5411

### करना, सौंपना, किया है, प्रतिज्ञा

#### परिभाषा:

“समर्पण करना” और “समर्पण” का संदर्भ निर्णय लेने से या कुछ करने की प्रतिज्ञा करने से है.

* कोई व्यक्ति किसी काम को करने की प्रतिज्ञा करता है, उसके लिए कहा जाता है कि वह उस काम को करने के प्रति समर्पित है.
* किसी व्यक्ति को “काम सौंपना” अर्थात उसे कार्य-भार का उत्तरदायी ठहराना. उदाहरणार्थ 2 कुरि. में पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने मेल-मिलाप की सेवा हमें सौंप दी (या “दे दी है”) है।
* इसी से संबन्धित शब्द है “करना” और “किया है” जो अनुचित कार्य के लिए उपयोग किए गए हैं, जैसे “पाप करना” या “व्यभिचार करना” या “हत्या करना.”
* “उसे वह सेवा सौंप दी” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, “उसे काम सौंपा” या “उस पर एक काम के लिए विश्वास किया” या “उसे एक काम दिया” या "उसे काम का उत्तरदायित्व संभला दिया."
* “सौंपना” का अनुवाद हो सकता है, “कार्य जो दिया गया” या “प्रतिज्ञा जो की गई."

(यह भी देखें: [व्यभिचार](../kt/adultery.md), [विश्वायोग्य](../kt/faithful.md), [प्रतिज्ञा](../kt/promise.md), [पाप](../kt/sin.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 28:07
* 1 पतरस 02:21-23
* यिर्मयाह 02:12-13
* मत्ती 13:41
* भजन 058:02

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H539, H817, H1361, H1497, H1500, H1540, H1556, H2181, H2388, H2398, H2399, H2403, H4560, H4603, H5003, H5753, H5766, H5771, H6213, H6466, H7683, H7760, H7847, G264, G2038, G2716, G3429, G3431, G3860, G3872, G3908, G4102, G4160, G4203

### करूब, करूबों, करूबों

#### परिभाषा:

“करूब” और इसके बहुवचन रूप "करूबों" इसका सन्दर्भ परमेश्वर द्वारा सृजित विशेष प्राणी से है। बाइबल के वर्णन के अनुसार करूबों के पंख होते हैं और आग निकलती है।

* करूबों परमेश्वर की महिमा एवं सामर्थ्य को दर्शाते हैं और पवित्र वस्तुओं की रक्षा का प्रतीक होते हैं।
* आदम और हव्वा के पाप के बाद परमेश्वर ने अदन की वाटिका के पूर्व में करूबों को आग की तलवार के साथ नियुक्त कर दिया था कि जीवन के वृक्ष के निकट कोई न जा पाए।
* परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे करूबों को इस प्रकार बनाएं कि वे एक दूसरे के आमने सामने हों और उनके पंख एक दूसरे को छूते हुए वाचा के सन्दूक के प्रायश्चित के ढकने के ऊपर आच्छादित हों।
* परमेश्वर ने उनसे यह भी कहा था कि मिलापवाले तम्बू के परदों पर कढ़ाई करके करूब बनाएं।
* कुछ गद्यांशों में इन प्राणियों के चार मुंह बनाए गए है, मनुष्य, शेर, बैल और उकाब के मुंह।
* करूबों को स्वर्गदूत भी समझा जाता है परन्तु बाइबल में ऐसा स्पष्ट नहीं कहा गया है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “करूबों” शब्द का अनुवाद “पंखवाले प्राणी” या “पंखोंवाले रक्षक” या “पंखों वाली रक्षक आत्माएं” या “पवित्र, पंखों वाले रक्षक”।
* “करूब” का अनुवाद करूबों के एकवचन के रूप में अनुवाद करना चाहिए उदाहरणार्थ “पंख वाला प्राणी” या “पंखवाली रक्षक आत्मा”।
* स्पष्ट करें कि इन शब्दों का अनुवाद “स्वर्गदूतों” से भिन्न हो।
* यह भी ध्यान रखें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में इन शब्दों का अनुवाद क्या किया गया है।

(यह भी देखें: [स्वर्गदूत](../kt/angel.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 13:5-6
* 1 राजा 06:23-26
* निर्गमन 25:15-18
* यहेजकेल 09:3-4
* उत्पत्ति 03:22-24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3742, G5502

### कर्मेल, कर्मेल पहाड़

#### तथ्य:

“कर्मेल पहाड़” भूमध्यसागर के तट पर स्थित पर्वतीय श्रृंखला-शारोन के मैदान के निकट उत्तर में। उसकी सबसे ऊंची चोटी 546 मीटर ऊंची है।

* कर्मेल नामक एक नगर भी था जो नमक सागर के दक्षिण में यहूदा राज्य में था।
* नाबाल एक धनवान किसान था, उसकी पत्नी का नाम अबीगैल था। वे कर्मेल नगर के निकट रहते थे। दाऊद और उसके साथी नाबाल के चरवाहों की रक्षा करते थे।
* कर्मेल पहाड़ पर एलिय्याह ने बाल पुजारियों के साथ स्पर्धा करके सिद्ध किया था कि केवल यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है।
* यह स्पष्ट करने के लिए कि कर्मेल एक ही पहाड़ नहीं था, “कर्मेल पहाड़” का अनुवाद “कर्मेल पर्वतीय श्रृंखला के एक पहाड़ पर” या “कर्मेल पर्वतीय श्रृंखला”।

(यह भी देखें: [बाल](../names/baal.md), [एलिय्याह](../names/elijah.md), [यहूदा](../names/judah.md), [खारा ताल](../names/saltsea.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 18:18-19
* 1 शमूएल 15:12-13
* यिर्मयाह 46:18-19
* मीका 07:14-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3760, H3761, H3762

### कसदी, कसदी, कसदियों

#### तथ्य:

कसदी मेसोपोटामिया या बेबीलोन के दक्षिण का भू भाग था। इस क्षेत्र के निवासी कसदियों कहलाते थे।

* ऊर नगर जहां अब्राहम रहता था, वह कसदियों का ही देश था। इसे प्रायः “कसदियों के ऊर” कहा जाता है।
* नबूकदनेस्सर अनेक कसदियों में से एक था जो बेबीलोन पर राजा हुए थे।
* अनेक वर्षों बाद लगभग 600 ई.पू. में कसदी देश "बेबीलोन" कहलाया।
* दानिय्येल की पुस्तक में “कसदी” शब्द एक विशेष मानवीय श्रेणी का संदर्भ देता है जो ऊंची शिक्षा प्राप्त मनुष्य थे और सितारों का अध्ययन करते थे।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [बाबेल](../names/babylon.md), [शिनार](../names/shinar.md), [ऊर](../names/ur.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:4-5
* यहेजकेल 01:1-3
* उत्पत्ति 11:27-28
* उत्पत्ति 11:31-32
* उत्पत्ति 15:6-8
* यशायाह 13:19-20

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3679, H3778, H3779, G5466

### काम, कर्म, कार्य, कृत्य

#### परिभाषा:

बाइबल में “काम”, “कर्म”, “कृत्य” परमेश्वर या मनुष्यों के द्वारा किए गये कार्यों के संदर्भ में उपयोग किए गए शब्द हैं।

* "कार्य" शब्द का सन्दर्भ परिश्रम या कोई कार्य जो अन्य लोगो के लिए किया गया हो।
* परमेश्वर के “काम” और “उसके हाथों के काम” उन सब बातों के संदर्भ में हैं जो परमेश्वर ने किए और करता है, जिससे जगत की सृष्टि, पापियों का उद्धार, पूरी सृष्टि की आवश्यकता प्रदान करना तथा संपूर्ण ब्रह्माण्ड को यथा स्थान स्थिर रखना। “कर्म एवं कृत्य” परमेश्वर के चमत्कारों के संदर्भ में प्रयोग करने के लिए भी किया गया है। जैसे की “सामर्थी कृत्य” या “आश्चर्यकर्म”।
* मनुष्य के कर्म अच्छे और बुरे हो सकते हैं।
* पवित्र आत्मा विश्वासियों को भले काम करने का सामर्थ्य प्रदान करती है जिन्हें “अच्छा फल” कहते हैं।
* मनुष्य भले कामों से नहीं यीशु में विश्वास के द्वारा उद्धार पाता है।
* मनुष्य का “कार्य” उसके जीविकोपार्जन या परमेश्वर की सेवा के लिए किए गए काम हो सकते है। बाइबल में परमेश्वर के लिए कहा गया है कि वह “काम करता” है।

#### अनुवाद के सुझाव

* “काम” और “कर्म” को “क्रिया” या “किए गए कार्य” में भी अनुवाद कर सकते हैं।
* परमेश्वर के “कार्यों” या “कामों” और "उसके हाथों के काम" का अनुवाद, “चमत्कार” या सामर्थी कार्य” या “उसके आश्चर्यकर्म” हो सकता है।
* “परमेश्वर के कार्य” अभिव्यक्ति का अनुवाद “जो काम परमेश्वर कर रहा है” या "जो आश्चर्यकर्म परमेश्वर करता है" या “परमेश्वर जो अद्भुत काम करता है” या “सब कुछ जो परमेश्वर ने किया है” के रूप में हो सकता है।
* “कार्यों” का एक वचन “कार्य” है जैसे “हर एक अच्छा कार्य” या “हर एक अच्छा काम”
* “कार्य” का व्यापक अर्थ “सेवा” या “मसीही सेवा भी होता है”। उदाहरणार्थ, प्रभु में तेरी सेवा” का अनुवाद हो सकता है “तू प्रभु के लिए जो काम करता है”
* “अपने कामों को जांचों” अभिव्यक्ति का अनुवाद “सुनिश्चित करो कि तुम जो कर रहे हो वह परमेश्वर की इच्छा है” या “सुनिश्चित करो कि तुम जो करते हो उससे परमेश्वर प्रसन्न है”।
* “पवित्र आत्मा के काम” इसका अनुवाद “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य” या “पवित्र आत्मा की सेवा का कार्य” या “पवित्र आत्मा जो काम करता है”

(यह भी देखें: [फल](../other/fruit.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 यूहन्ना 03:11-12
* प्रे.का. 02:8-11
* दानिय्येल 04:36-37
* निर्गमन 34:10-11
* गलातियों 02:15-16
* याकूब 02:14-17
* मत्ती 16:27-28
* मीका 02:6-8
* रोमियो 03:27-28
* तीतुस 03:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4566, H4567, H4611, H4659, H5949, G2041

### किद्रोन नाले

#### तथ्य:

किद्रोन नाले यरूशलेम के ठीक बाहर एक गहरी घाटी है, पूर्वी दीवार और जैतून पर्वत के मध्य।

* यह घाटी लगभग 1,000 मीटर गहरी और 32 किलोमीटर लम्बी है।
* जब राजा दाऊद अपने पुत्र, अबशालेम से बचकर भागता फिर रहा था तब वह किद्रोन घाटी से होकर जैतून पर्वत पर चढ़ा था।
* यहूदा के राजा आसा और योशिय्याह ने आज्ञा दी थी कि सब ऊंचे स्थान और झूठे देवताओं की वेदियां जला दी जाएं और ध्वंस कर दी जाएं तब उनकी राख किद्रोन घाटी में डाल दी गई थी।
* राजा हिजकिय्याह के राज्यकाल में याजक मन्दिर से निकाली गई किसी भी वस्तु को किद्रोन घाटी में फेंक देते थे।
* दुष्ट रानी अतल्याह इसी घाटी में घात की गई थी क्योंकि उसने बहुत दुष्टता के काम किए थे।

(यह भी देखें: [अबशालोम](../names/absalom.md), [आसा](../names/asa.md), [अतल्याह](../names/athaliah.md), [दाऊद](../names/david.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md), [ऊंचे स्थान](../other/highplaces.md), [योशिय्याह](../names/josiah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [जैतून पर्वत](../names/mountofolives.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यूहन्ना 18:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5674, H6939, G2748, G5493

### कीर्ति, कीर्तिमान

#### परिभाषा:

“कीर्ति” शब्द का अर्थ अच्छी तरह से ज्ञात होने के साथ जुड़ी महानता को दर्शाता है और प्रशंसनीय प्रतिष्ठा प्राप्त करना है। कुछ या कोई "कीर्तिमान" है अगर वह कीर्ति है

* कीर्तिमान मनुष्य जनमान्य एवं प्रतिष्ठित होता है
* “कीर्ति” शब्द विशेष करके दीर्घकालीन ख्याति का संदर्भ देता है।
* एक शहर जिसे "कीर्तिमान" कहा जाता है वह अक्सर उसके धन और समृद्धि के लिए जाना जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “कीर्ति” का अनुवाद “ख्याति” या “सम्मानित प्रतिष्ठा” या “मनुष्यों में चिर-परिचित महानता” भी हो सकता है।
* “कीर्तिमान” शब्द का अनुवाद “चिरपरिचित एवं सर्वोच्य प्रतिष्ठा” या “उत्कृष्ट प्रतिष्ठा” भी हो सकता है।
* “यहोवा का नाम इस्राएल में कीर्तिमान हो” इस उक्ति का अनुवाद “यहोवा का नाम इस्राएल द्वारा जाना जाए और आदर के योग्य ठहरे” हो सकता है।
* वाक्यांश "कीर्ति के पुरुषों" का अनुवाद "पुरुष जो आपने साहस के लिए जाने जाते है" या "प्रसिद्ध योद्धा" या "अत्यधिक सम्मानित पुरुष" के रूप में किया जा सकता है।
* “तेरी कीर्ति पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहेगी” का अनुवाद “युगानुयुग तक हर एक पीढ़ी तेरी महानता को जानेगी” या “तेरी महानता प्रत्येक पीढ़ी में देखी एवं सुनी जायेगी”।

(यह भी देखें: [आदर](../kt/honor.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* उत्पत्ति 06:4
* भजन संहिता 135:12-14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1984, H7121, H8034

### कुल, कुलों

#### परिभाषा:

“कुल” एक ही पूर्वज के वंशजों का विस्तृत परिवार होता है।

* पुराने नियम में इस्राएलियों को उनके कुल या पारिवारिक समुदाय के अनुसार गिना जाता था।
* कुल का नाम सर्वाधिक चिर-परिचित पूर्वज के नाम पर होता था।
* कभी-कभी मनुष्य को उसके कुल के नाम से भी पुकारा जाता था। इसका एक उदाहरण है मूसा का ससुर यित्रो कभी-कभी रूएल नाम से भी बुलाया जाता है जो उसके गोत्र का नाम था।

कुल शब्द का अनुवाद “पारिवारिक समूह” या “विस्तृत परिवार” या “परिजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [परिवार](../other/family.md), [यित्रो](../names/jethro.md), [गोत्र](../other/tribe.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:33-35
* उत्पत्ति 10:2-5
* उत्पत्ति 36:15-16
* उत्पत्ति 36:29-30
* उत्पत्ति 36:40-43
* यहोशू 15:20
* गिनती 03:38-39

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1, H441, H1004, H4940

### कूश, कूशी

#### तथ्य:

कूश अफ्रीका का एक देश है जो मिस्र के ठीक दक्षिण में है जिसके पश्चिम में नील नदी और पूर्व में लाल सागर है। कूश का निवासी “कूशी” कहलाता है।

* प्राचीन कूश मिस्र के दक्षिण में था और उसकी सीमाओं में आज के अनेक अफ्रीकी देशों को जैसे सूडान, वर्तमान कूश, सोमालिया, केन्या, यूगांडा, केन्द्रिय अफ्रीका गणराज्य तथा चाड हैं।
* बाइबल में कूश को “कूश” देश या “नूबिया” भी कहा गया है।
* इथोपिया (कूश) और मिस्र देशों का उल्लेख बाइबल में प्रायः एक साथ किया गया है, संभवतः इसलिए कि वे पड़ोसी देश थे और उनके पूर्वज संभवतः एक ही थे।
* परमेश्वर ने प्रचारक फिलिप्पुस को रेगिस्तान में भेजा कि वह इथोपिया के खोजे को यीशु का शुभ सन्देश सुनाए।

(यह भी देखें: [कूश](../names/cush.md), [मिस्र](../names/egypt.md), [खोजा](../kt/eunuch.md), [फिलिप्पुस](../names/philip.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 08:27
* प्रे.का. 08:30
* प्रे.का. 08:32-33
* प्रे.का. 08:36-38
* यशायाह 18:1-2
* नहूम 03:8-09
* सपन्याह 03:9-11

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: G128

### कूश

#### तथ्य:

कूश नहू के पुत्र, हाम का बड़ा पुत्र था। वह निम्रोद का पूर्वज था। उसके दो भाइयों के नाम मिस्र और कनान थे।

* पुराने नियम के युग में इस्राएल के दक्षिण में एक विशाल क्षेत्र का नाम कूश था। संभव है कि उस स्थान का नाम हाम के पुत्र कुश के नाम पर पड़ा था।
* कूश का प्राचीन क्षेत्र अलग-अलग समयों में आज के सूडान, मिस्र, इथोपिया और संभवतः सऊदी अरब का देश थे।
* एक और पुरुष का नाम कूश हुआ है जिसका उल्लेख भजनों में किया गया है। वह एक बिन्यामीनी था।

(यह भी देखें: [अरब](../names/arabia.md), [कनान](../names/canaan.md), [मिस्र](../names/egypt.md), [इथोपिया](../names/ethiopia.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 01:8-10
* यहेजकेल 29:8-10
* उत्पत्ति 02:13-14
* उत्पत्ति 10:6-7
* यिर्मयाह 13:22-24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3568, H3569, H3570

### के समान, एक मन, सदृश करना, समानता, समता, वैसे ही, इसी प्रकार, बराबर, से अलग

#### परिभाषा:

“के समान” या “समानता” का अर्थ है कोई वस्तु किसी दूसरी वस्तु के स्वरूप हो।

* “के समान” जब उसे "उपमा" स्वरूप भी काम में लिया जाता है जिसमें गुणों को उजागर करते हुए किसी की तुलना किसी और से की जाती है। उदाहरणार्थ, “उसके वस्त्र सूर्य की नाई चमकने लगे” और “उसकी वाणी गर्जन की सी थी”
* “के स्वरूप होना” या “के सदृश्य सुनाई देना” या “समानता में होना” का अर्थ है जिससे तुलना की जा रही है उसके लक्षण उसमें होना।
* मनुष्य परमेश्वर के “स्वरूप” में सृजा गया था अर्थात उसकी “प्रतिरूप” में। इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर के गुणों की "समानता" या "स्वरूप में" है जैसे सोचने की क्षमता, अनुभूति तथा विचारों का आदान-प्रदान करना।
* किसी वस्तु या मनुष्य की “समानान्तर में होना” अर्थात उस वस्तु या मनुष्य के गुण होना।

#### अनुवाद के सुझाव

* कुछ संदर्भों में यह उक्ति “की समानता” का अनुवाद “जैसा दिखता है” या “जैसा प्रतीत होता है”।
* “उसकी मृत्यु की समानता में” इस उक्ति का अनुवाद “उसकी मृत्यु के अनुभव को बांटना” या “जैसे कि उसके साथ मृत्यु का अनुभव करना”।
* “पापी देह की समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “पापी मनुष्य के सदृश्य होना” या “मनुष्य होना”। सुनिश्चित करें कि इस उक्ति का अनुवाद यह न दर्शाए कि यीशु पापी था।
* “उसकी समानता में” का अनुवाद हो सकता है, “उसके स्वरूप होना” या “उसके जैसे अनेक गुण होना”।
* “नाशवान मनुष्य या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों और रेंगनेवाले जन्तुओं की समानता में” का अनुवाद हो सकता है “नाशवान मनुष्यों या पशुओं जैसे पक्षियों चौपायों तथा छोटे-छोटे रेंगनेवाले जन्तुओं के रूप में बनाई गई मूर्तियां”

(यह भी देखें: [पशु](../other/beast.md), [मांस](../kt/flesh.md), [परमेश्‍वर का प्रतिरूप](../kt/imageofgod.md), [छवि](../other/image.md), [नाश होना](../kt/perish.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यहेजकेल 01:05
* मरकुस 08:24
* मत्ती 17:02
* मत्ती 18:03
* भजन संहिता 073:05
* प्रकाशितवाक्य 01:12-13

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H1823, H8403, H8544, G1503, G1504, G2509, G2531, G2596, G3664, G3665, G3666, G3667, G3668, G3669, G3697, G4833, G5108, G5613, G5615, G5616, G5618, G5619

### केदेश

#### तथ्य:

केदेश एक कनानी नगर था जिसे कनान प्रवेश के समय इस्राएलियों ने जीत लिया था।

* ये शहर इस्राएल के उत्तरी क्षेत्र में स्थापित था, उस भू भाग में जो नप्ताली के गोत्र को दिया गया था।
* केदेश शहर उन चुनिन्दा जगहों में से एक था जहां लेवीय याजक रहे थे, क्योंकि उनके पास उनकी अपनी कोई भूमि नहीं थी।
* इस जगह को "शरण का शहर" के रूप में अलग रखा गया था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [हेब्रोन](../names/hebron.md), [लेवी](../names/levite.md), [नप्ताली](../names/naphtali.md), [याजक](../kt/priest.md), [शरण](../other/refuge.md), [शेकेम](../names/shechem.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:71-73
* यहोशू 19:35-37
* न्यायियों 04:10

#### शब्द तथ्य:

### कोढ़ी, कोढ़ियों, कोढ़, कोढ़

#### परिभाषा:

“कोढ़” का उल्लेख बाइबल में आया है कि वह अनेक त्वचा रोगों का संदर्भ देता है। “कोढ़ी” वह मनुष्य है जो कोढ़ से ग्रस्त है, “कोढ़” मनुष्य या मनुष्य की देह के उस अंग का संदर्भ देता है जहाँ कोढ़ का लक्षण प्रकट होता है।

* एक प्रकार के कोढ़ में त्वचा का रंग उड़ जाता है और वहां सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिर्याम और नामान को था।
* आज के युग में कोढ़ के कारण हाथ, पांव और देह के अन्य अंग क्षतिग्रस्त होकर विकृत हो जाते हैं।
* परमेश्वर ने इस्राएलियों को जो आदेश दिए थे उनके अनुसार यदि किसी मनुष्य को कोढ़ हो जाता था तो उसे “अशुद्ध” माना जाता था और उसे अन्य मनुष्यों से अलग रहना होता था कि उन्हें संक्रमण न हो।
* कोढ़ी को “अशुद्ध” चिल्लाना पड़ता था कि मनुष्यों को उससे दूर रहने की चेतावनी मिले।
* यीशु ने अनेक कोढ़ियों को और त्वचा रोगियों को चंगा किया था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* बाइबल में “कोढ़” का अनुवाद “त्वचा रोग” या “भयानक त्वचा रोग” किया जा सकता है।
* “कोढ़” का अनुवाद “कोढ़ग्रस्त” या “त्वचा रोग ग्रस्त” या “त्वचा के घावों से भरा” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [मरियम](../names/miriam.md), [नामान](../names/naaman.md), [अशुद्ध](../kt/unclean.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* लूका 05:12-13
* लूका 17:11-13
* मरकुस 01:40-42
* मरकुस 14:3-5
* मत्ती 08:1-3
* मत्ती 10:8-10
* मत्ती 11:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6879, H6883, G3014, G3015

### क्रोध, रोष

#### परिभाषा:

प्रकोप एक प्रबल क्रोधावस्था है जो कभी-कभी दीर्घकालीन होता है। यह विशेष करके परमेश्वर से विद्रोह करने वालों के पाप के लिए परमेश्वर के धर्मनिष्ठ न्याय और दण्ड के संदर्भ में आता है।

* बाइबल में “प्रकोप” शब्द प्रायः परमेश्वर के विरूद्ध पाप करनेवालों के विरूद्ध परमेश्वर के क्रोध का संदर्भ देता है।
* “परमेश्वर का क्रोध” उसके न्याय और पाप के दण्ड का संदर्भ देता है।
* परमेश्वर का प्रकोप पाप से न फिराने वाला के लिए धार्मिकता का दण्ड है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* अनुवाद के अनुसार, इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं “भयानक क्रोध” या “धर्मनिष्ठ न्याय” या “क्रोध”
* परमेश्वर के प्रकोप के बारे में चर्चा करते समय सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद पाप के कारण उत्पन्न क्रोधावेश का दौरा के अर्थ में न हो। परमेश्वर का क्रोध न्याय सम्मत एवं पवित्र होता है।

(यह भी देखें: [न्याय](../kt/judge.md), [पाप](../kt/sin.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
* 1 तीमुथियुस 02:8-10
* लूका 03:7
* लूका 21:23-24
* मत्ती 03:7-9
* प्रकाशितवाक्य 14:9-10
* रोमियो 01:18-19
* रोमियो 05:8-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H639, H2197, H2528, H2534, H2740, H3707, H3708, H5678, H7107, H7109, H7110, H7265, H7267, G2372, G3709, G3949, G3950

### क्रोध, क्रोधित हुआ, क्रोधित

#### परिभाषा:

“क्रोधित होना” या “क्रोध में आना” अर्थात किसी बात के बारे में किसी पर अत्यधिक अप्रसन्न होना, खीजना या नाराज़ होना।

* जब लोग क्रोधित हो जाते हैं, तो वे अक्सर पापी और स्वार्थी होते हैं, परन्तु कभी-कभी वे अन्याय या अत्याचार के विरूद्ध न्यायोचित क्रोध भी करते हैं।
* परमेश्वर का क्रोध (जो प्रकोप भी कहलाता है) पाप के विरूद्ध उसकी घोर अप्रसन्नता को व्यक्त करता है।
* “क्रोध दिलाना” अर्थात “क्रोधित होने का कारण होना”।

(यह भी देखें: [प्रकोप](../kt/wrath.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* इफिसियों 04:25-27
* निर्गमन 32:9-11
* यशायाह 57:16-17
* यूहन्ना 06:52-53
* मरकुस10:13-14
* मत्ती 26:6-9
* भजन संहिता 018:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H599, H639, H1149, H2152, H2194, H2195, H2198, H2534, H2734, H2787, H3179, H3707, H3708, H3824, H4751, H4843, H5674, H5678, H6225, H7107, H7110, H7266, H7307, G23, G1758, G2371, G2372, G3164, G3709, G3710, G3711, G3947, G3949, G5520

### क्रोध, क्रोधित, भड़का, क्रोध भड़काता +

#### तथ्य:

“क्रोध” अर्थात नियंत्रण से परे प्रकोप करना। यह शब्द किसी कुपित मनुष्य का सन्दर्भ देता है जो किसी प्रकार नियंत्रण से परे है।

* क्रिया रूप में इस शब्द, "क्रोध" का उपयोग प्रबल भावना का अभिप्राय रखता है जैसे "प्रचंड" वायु या "उफनती" हुई समुद्र की लहरें।
* क्रोध से भर जाना" का अर्थ होता है, भयानक क्रोध की भावना से अभिभूत हो जाना।

(यह भी देखें: [क्रोध](../other/angry.md), [संयम](../other/selfcontrol.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 04:25
* दानिय्येल 03:13
* लूका 04:28
* गिनती 25:11
* नीतिवचन 19:03

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H398, H1348, H1984, H1993, H2121, H2195, H2196, H2197, H2534, H2734, H2740, H3491, H3820, H5590, H5678, H7264, H7265, H7266, H7267, H7283, H7857, G1693, G2830, G3710, G5433

### क्षमा कर, क्षमा करता, क्षमा किया, क्षमा

#### परिभाषा:

किसी को क्षमा करने का अर्थ है कि उसके प्रति बैरभाव नहीं रखना जिसने कोई हानिकारक काम किया है। “क्षमा” किसी को क्षमा करने का कार्य है

* किसी को क्षमा करने का अर्थ है, उसके अनुचित कार्य के लिए दण्ड न देना।
* इस शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग का अर्थ है “निरस्त करना” जैसा इस अभिव्यक्ति में है, “अपराध क्षमा करना”
* मनुष्य जब पापों को स्वीकार करता है तब परमेश्वर क्रूस पर यीशु के बलिदान की मृत्यु पर आधारित उन्हें क्षमा कर देता है।
* यीशु ने अपने शिष्यों को शिक्षा दी कि जैसे उसने उन्हें क्षमा किया है वैसे ही वे भी दूसरों को क्षमा करें।

शब्द "क्षमादान" का अर्थ है क्षमा करना और किसी को उसके पाप की सज़ा न देना।

* इस शब्द का एक ही अर्थ है "माफ़ करना" लेकिन इसमें किसी को दोषी न मानने के लिए औपचारिक निर्णय का अर्थ भी शामिल हो सकता है।
* कानून की अदालत में, एक न्यायाधीश अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को क्षमा कर सकता है।
* भले ही हम पाप के दोषी हैं, लेकिन यीशु मसीह ने हमें क्रूस पर उनकी मृत्यु के आधार पर नरक में दंडित किए जाने से क्षमा किया।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “क्षमा करना” के अनुवाद हो सकते हैं, “माफी” या “निरस्त करना” या “मुक्त करना” या “विरूद्ध कुछ न रखना”।
* शब्द "क्षमा" का अनुवाद किसी शब्द या वाक्यांश द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ है "नाराजगी न रखने का अभ्यास" या "किसी को निर्दोष घोषित करना" या "क्षमा करने का कार्य"।
* यदि भाषा के पास क्षमा करने के औपचारिक निर्णय के लिए एक शब्द है, तो उस शब्द का उपयोग "क्षमा" करने के लिए किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [दोष](../kt/guilt.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 02:12-14
* प्रे.का. 08:20-23
* कुलुस्सियों 03:12-14
* इफिसियों 04:31-32
* उत्पत्ति 50:15-17
* यशायाह 55:6-7
* यहोशू 24:19-20
* लूका 05:20-21
* गिनती 14:17-19
* भजन संहिता 025:17-19

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **07:10** परन्तु एसाव याकूब को पहले ही **माफ़ कर** चुका था, और वह एक दूसरे को देखकर बहुत ही प्रसन्न हुए।
* **13:15** मूसा पर्वत पर फिर चढ़ गया और उसने प्रार्थना की कि परमेश्वर उन लोगों के पाप को **क्षमा कर** दे। परमेश्वर ने मूसा की प्रार्थना सुनी और उन्हें **क्षमा किया**।
* **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे **क्षमा किया**।
* **21:05** परन्तु जो वाचा मैं उन दिनों के बाद उनसे बाँधूँगा वह यह है : मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊँगा, और उसे उनके ह्रदय पर लिखूँगा, और मैं उनका परमेश्वर ठहरूँगा, और वह मेरी प्रजा ठहरेंगे, लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म **क्षमा करेगा**।
* **29:01** एक दिन पतरस ने पास आकर यीशु से पूछा , “हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं उसे कितनी बार **क्षमा** करूँ?”
* **29:08\_\_तू ने जो मुझ से विनती की, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ \_\_क्षमा कर दिया**।
* **38:05** फिर उसने दाखरस का कटोरा लिया और कहा, “इसे पीओं। यह वाचा का मेरा लहू है, जो बहुतों के पापों की **क्षमा** के लिये बहाया जाता है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3722, H5375, H5545, H5546, H5547, G859, G863, G5483

### क्षमा कर, क्षमा

#### परिभाषा:

“क्षमा कर” अर्थात क्षमा करके पाप के दण्ड से मुक्त कर देना।

* इस शब्द का अर्थ “क्षमा करना” ही है परन्तु इसमें एक वैधानिक निर्णय है कि अपराधी को दण्ड न दिया जाए।
* न्यायलय में न्यायाधीन अपराध का दोषी सिद्ध किए गए मनुष्यों को दण्ड मुक्त कर सकता है।
* यद्यपि हम पाप के दोषी हैं, यीशु ने हमें नरक के दण्ड से मुक्त कर दिया है जो उसके द्वारा क्रूस पर अपनी जान की बलि देने के कारण है।

#### अनुवाद के सुझाव

* यदि लक्षित भाषा में क्षमा का वैधानिक निर्णय लेने का शब्द है तो इस शब्द का उपयोग करें।
* इसका अनुवाद "क्षमा" या "क्षमा करना" हो सकता है।

(यह भी देखें: [क्षमा](../kt/forgive.md), [दोष](../kt/guilt.md), [न्याय](../kt/judge.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 05:17-19
* व्यवस्थाविवरण 29:20-21
* यशायाह 40:1-2
* भजन संहिता 025:10-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3722, H5375, H5545, H5547, H7521

### खोजे, खोजों

#### परिभाषा:

“खोजे” शब्द उस पुरुष के संदर्भ में है जिसका बधियाकरण किया गया हो। उत्तरकाल में यह शब्द सब सरकारी अधिकारियों के लिए काम में आने लगा चाहे वे सर्वांग थे।

* यीशु ने कहा कि कुछ नपुसंक स्वाभाविक रूप से जन्म लेते हैं संभवतः क्षतिग्रस्त अंग के कारण या यौन-शक्ति न होने के कारण। कुछ नपुंसकों के समान अविवाहित जीवन जीते हैं।
* प्राचीन युग में नपुंसक व्यक्ति राजा के सेवक होते थे जिन्हें स्त्रियों की रक्षा के लिए रखा जाता था।
* कुछ नपुंसक मनुष्य महत्वपूर्ण राजकीय अधिकारी होते थे जैसे कूश देश के खोजे जिससे फिलिप्पुस ने रेगिस्तान में भेंट की थी।

(यह भी देखें: [फिलिप्पुस](../names/philip.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 08:26-28
* प्रे.का. 08:36-38
* प्रे.का. 08:39-40
* यशायाह 39:7-8
* यिर्मयाह 34:17-19
* मत्ती 19:10-12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5631, G2134, G2135

### गड्ढे, कुएँ, कुआँ, कुओं

#### परिभाषा:

“कुआँ” और “गड्ढे” बाइबल के युग में पानी के दो स्रोत थे।

* गड्ढे भूमि में खोदकर बनाया जाता था कि भूगर्भ का पानी वहाँ एकत्र हो जाए।
* हौद भी भूमि में खोदकर बनाया जाता था परन्तु वह वर्षा का पानी एकत्र करने के लिए था।
* हौद अधिकतर चट्टानों को काटकर बनाए जाते थे और लेप लगाकर जलरोधक बनाए जाते थे कि उनमें पानी सुरक्षित रहे। “टूटा हुआ हौद” में लेप फट जाता था और उसमें एकत्र पानी बह जाता था।
* हौद अक्सर लोगों के घरों के आंगन में स्थित है जहाँ बारिश का पानी छत से निकलकर इकट्ठा होता है।
* कुएँ ऐसी जगह स्थित होती है जहाँ से अनेक परिवारों या पुरे समुदाय द्वारा उपयोग किया जा सके।
* पानी मनुष्यों और पशुओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है इसलिए कुएँ के उपयोग का अधिकार कलह और झगड़ों का कारण होता था।
* कुआँ और हौद दोनों ही को बड़े पत्थर से ढांक दिया जाता था कि उसमें कुछ न गिरे। कुएँ से पानी खींचने के लिए बाल्टी में रस्सी बांधकर पानी निकाला जाता था।
* कभी-कभी सूखा हौद किसी को बन्दी बनाने के लिए काम में आता था जैसा यूसुफ और यिर्मयाह के साथ किया गया था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* कुएँ का अनुवाद करने के लिए “गहरा जल कूप” “पानी के स्रोत का गहरा गड्ढा” या “पानी निकालने का गहरा गड्ढा” काम में ले सकते हैं।
* “हौद” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पत्थर का जलाशय” या “पानी के लिए गहरा संकीर्ण छिद्र” या “पानी एकत्र करने का भूमिगत जलाशय”
* ये शब्द अर्थ में समान है। इन दोनों में जो अन्तर है वह है कि कुएँ में पानी भूगर्भ से निकलता है और हौद में पानी वर्षा का होता है।

(यह भी देखें: [यिर्मयाह](../names/jeremiah.md), [बन्दीगृह](../other/prison.md), [कलह](../other/strife.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 11:15-17
* 2 शमूएल 17:17-18
* उत्पत्ति 16:13-14
* लूका 14:4-6
* गिनती 20:17

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H875, H883, H953, H1360, H3653, H4599, H4726, H4841, G4077, G5421

### गत, गतवासी, गती

#### तथ्य:

गत पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। उसकी भौगोलिक स्थिति एक्रोन के उत्तर में और अश्दोद एवं अश्कलोन के पूर्व में थी।

* पलिश्ती योद्धा गोलियत गत नगर का निवासी था।
* शमूएल के युग में पलिश्तियों ने इस्राएल से वाचा का सन्दूक ले लिया था और उसे अश्दोद में अपने मन्दिर में रख दिया था। उसके बाद वे उसे गत नगर ले गए और बाद में एक्रोन। परन्तु परमेश्वर ने वहां के निवासियों को रोगग्रस्त किया तो उन्होंने वाचा का सन्दूक पुनः इस्राएल भेज दिया था।
* राजा शाऊल से बचकर भागते समय दाऊद गत चला गया था और कुछ समय वहां रहा, उसके साथ उसकी दो पत्नियां और उसके स्वामीभक्त छः सौ पुरुष थे।

(यह भी देखें: [अश्दोद](../names/ashdod.md), [अश्कलोन](../names/ashkelon.md), [एक्रोन](../names/ekron.md), [गाज़ा](../names/gaza.md), [गोलियत](../names/goliath.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 02:39-40
* 1 शमूएल 05:8-9
* 2 इतिहास 26:6-8
* यहोशू 11:21-22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1661, H1663

### गर्भ

#### परिभाषा:

“गर्भ” अर्थात स्त्री के शरीर में भ्रूण विकास का अंग।

* यह एक पुराना शब्द है जिसका उपयोग शिष्टता एवं सीधी भाषा के लिए किया गया है।
* “गर्भ” का आधुनिक शब्द है “गर्भाशय”।
* कुछ भाषाओं में गर्भ या गर्भाशय के स्थान में “पेट” शब्द काम में लिया जाता है।
* लक्षित भाषा में प्रचलित एवं स्वाभाविक तथा स्वीकार्य शब्द का उपयोग करे।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 25:23
* उत्पत्ति 25:24-26
* उत्पत्ति 38:27-28
* उत्पत्ति 49:25
* लूका 02:21
* लूका 11:27-28
* लूका 23:29-31
* मत्ती 19:10-12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H990, H4578, H7356, H7358, G1064, G2836, G3388

### गलील, गलीली, गलीलियों

#### तथ्य:

गलील इस्राएल का परम उत्तरी भाग था, सामरिया के ठीक उत्तर में। गलीली मनुष्य गलील का रहनेवाला था।

* नये नियम के युग में गलील, सामरिया और यहूदा इस्राएल के तीन प्रमुख क्षेत्र थे।
* गलील के पूर्व में एक विशाल झील, गलील सागर थी।
* यीशु गलील के नासरत नगर में पला बड़ा हुआ था और वहीं रहता था

यीशु के अधिकांश आश्चर्यकर्म और सेवा गलील क्षेत्र में ही हुई थी।

(यह भी देखें: [नासरत](../names/nazareth.md), [सामरिया](../names/samaria.md), [गलील सागर](../names/seaofgalilee.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 09:31-32
* प्रे.का. 13:30-31
* यूहन्ना 02:1-2
* यूहन्ना 04:1-3
* लूका 13:1-3
* मरकुस 03:7-8
* मत्ती 02:22-23
* मत्ती 03:13-15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **21:10** यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह **गलील** में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
* **26:01** शैतान की परीक्षा पर जय पाने के बाद, यीशु जहाँ वह रहते थे गलील के क्षेत्र के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति में लौट आए।
* **39:06** अंत में लोगों ने जो वहाँ खड़े थे, पतरस के पास आकर उससे कहा, “हम जानते है कि तू भी यीशु के साथ था क्योंकि तुम दोनों **गलील** से हो।”
* **41:06** तब स्वर्गदूत ने उन स्त्रियों से कहा , “जाओ और शीघ्र जाकर उसके चेलों से कहो कि यीशु मृतकों में से जी उठा है और वह तुमसे पहले **गलील** को जाता है।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1551, G1056, G1057

### गाद

#### तथ्य:

लेवी याकूब या इस्राएल के बारह पुत्रों में से एक था। याकूब को इस्राएल का नाम भी दिया गया था।

* गाद का परिवार इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक बना था।
* बाइबल में एक और पुरुष जिसका नाम गाद था वह एक भविष्यद्वक्ता था जिसने इस्राएलियों की जनगणना के लिए दाऊद को फटकारा था।
* “बालगाद” और “मिगदल गाद” मूल भाषा में दो शब्द है और कभी-कभी उन्हें “बाल गाद” और मिगदल गाद” लिखा भी गया है।

(यह भी देखें: [जनगणना](../other/census.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 05:18-19
* निर्गमन 01:1-5
* उत्पत्ति 30:9-11
* यहोशू 01:12-13
* यहोशू 21:36-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1410, H1425, G1045

### गाय, बैल, बछड़ा, पशुओं, बछिया, बैल

#### परिभाषा:

"गाय," "बैल," कोलोर," और “पशुओं” आदि सब शब्दों का संदर्भ एक बड़े चार टांग वाले पशुओं से है जो घास खाते हैं और मांस एवं दूध के लिए पाले जाते हैं.

* ऐसे पशु की मादा को गाय कहते हैं और नर को बैल और उसके बच्चे को बछड़ा कहते हैं.
* बाइबल में, मवेशी "शुद्ध"पशुओं में गिने जाते थे इनको मनुष्य खा सकता था और बलिओं के लिए काम में ले सकता था. वे मुख्य रूप से मांस और दूध के लिए थे।
* "कलोर" वह गाय होती थी जिसने बच्चा न दिया हो.
* “बैल” एक चौपाया पशु है जिसे खेती के काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है. इस शब्द का बहुवचन है “बैलों.” बैलों नर हैं जिनका बधियाकरण किया गया है.
* संपूर्ण बाइबल में बैलों को जूए में जुता हुआ दर्शाया गया है कि बैलगाड़ी खींचे या हल चलाएं.
* जूए में जुते हुए बैल बाइबल में एक ऐसी सामान्य बात थी कि “जूए में जुतना” कठोर परिश्रम या श्रम की उपमा हो गया.
* सांड भी नर चौपाया है परन्तु उसका बधियाकरण नहीं किया जाता है और न ही काम कराने का उसको प्रशिक्षण दिया जाता था.

(यह भी देखें: [जूआ](../other/yoke.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 15:9-11
* निर्गमन 24:5-6
* गिनती 19:1-2
* व्यवस्थाविवरण 21:3-4
* 1 शमूएल 01:24-25
* 1 शमूएल 15:03
* 1 शमूएल 16:2-3
* 1 राजा 01:09
* 2 इतिहास 11:15
* 2 इतिहास 15:10-11
* मत्ती 22:4
* लूका 13:15
* लूका 14:05
* इब्रानियों 09:13

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H47, H441, H504, H929, H1165, H1241, H1241, H1241, H4399, H4735, H4806, H5695, H5697, H5697, H6499, H6499, H6510, H6510, H6629, H7214, H7716, H7794, H7794, H7921, H8377, H8377, H8450, H8450, G1016, G1151, G2353, G2934, G3447, G3448, G4165, G5022, G5022

### गाज़ा

#### तथ्य:

बाइबल के युग में गाज़ा एक समृद्ध पलिश्ती नगर था, भूमध्य-सागर के तट पर, अश्दोद से लगभग 38 किलोमीटर दक्षिण में। यह नगर पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था।

* भौगोलिक स्थिति के कारण गाज़ा एक मुख्य बन्दरगाह था, जहां अनेक जातियों एवं देशों के मध्य व्यापार किया जाता था।
* आज भी गाज़ा नगर गाज़ा पट्टी का एक महत्त्वपूर्ण बन्दरगाह है वह भूमध्यसागर के तट पर और उत्तर तथा पूर्व में इस्राएल की सीमा तथा दक्षिण में मिस्र से घिरा हुआ है।
* पलिश्ती शिमशोन को बन्दी बनाने के बाद गाज़ा ले गए थे।
* प्रचारक फिलिप्पुस गाज़ा जाने वाले रेगिस्तानी मार्ग पर चल रहा था जब उसकी भेंट कूश के खोजे से हुई थी।

(यह भी देखें: [अश्दोद](../names/ashdod.md), [फिलिप्पुस](../names/philip.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md), [कूश](../names/ethiopia.md), [गत](../names/gath.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 04:24-25
* प्रे.का. 08:26-28
* उत्पत्ति 10:19-20
* यहोशू 10:40-41
* न्यायियों 06:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5804, H5841, G1048

### गिलगाल

#### तथ्य:

गिलगाल यरीहो के उत्तर में एक नगर था जहां इस्राएलियों ने यरदन नदी पार करने के बाद सबसे पहली छावनी डाली थी, कनान में।

* गिलगाल में यहोशू ने यरदन नदी के सूखे तल से, जहां से उन्होंने चलकर नदी पार की थी, बारह पत्थर लेकर खड़े किए थे।
* गिलगाल नगर से एलिय्याह और एलीशा ने प्रस्थान किया था, जब यरदन नदी पार करने के बाद एलिय्याह को उठा लिया गया था।
* पुराने नियम में “गिलगाल” नाम के अनेक अन्य स्थान भी थे।
* “गिलगाल” शब्द का अर्थ है, “पत्थरों का गोला” संभवतः यह नाम उस स्थान के संदर्भ में है जहां गोल वेदी बनाई गई थी।
* पुराने नियम में यह नाम लगभग सदैव ही “गिलगाल” कहलाया है। इससे यह संकेत मिलता है कि यह एक निश्चित स्थान का नाम नहीं था वरन् एक स्थान का वर्णन था।

(यह भी देखें: [एलिय्याह](../names/elijah.md), , [एलीशा](../names/elisha.md), [यरीहो](../names/jericho.md), [यरदन नदी](../names/jordanriver.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 07:15-17
* 2 राजा 02:1-2
* होशे 04:15-16
* न्यायियों 02:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1537

### गिलाद, गिलादी, गिलादियों

#### परिभाषा:

गिलाद यरदन नदी के पूर्व में एक पर्वतीय प्रदेश है जहां इस्राएली गोत्र गाद, रूबेन, मनश्शे वास करने लगे थे।

इस क्षेत्र को “गिलाद का पहाड़ी प्रदेश” या “गिलाद पर्वत” भी कहा गया है।

“गिलाद” पुराने नियम में अनेक पुरुषों का नाम भी था। उनमें से एक मनश्शे का पोता भी था। एक और पुरुष जिसका नाम गिलाद था, वह यिप्तह का पिता था।

(यह भी देखें: [गाद](../names/gad.md), [यिप्तह](../names/jephthah.md), [मनश्शे](../names/manasseh.md), [रूबेन](../names/reuben.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 02:21-22
* 1 शमूएल 11:1-2
* आमोस 01:3-4
* व्यवस्थाविवरण 02:36-37
* उत्पत्ति 31:19-21
* उत्पत्ति 37:25-26

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1568, H1569

### गुम्मट, पहरे की मिनारों, गुम्मट

#### परिभाषा:

“गुम्मट” एक ऊँची रचना जहाँ से सुरक्षाकर्मी किसी आने वाले संकट पर दृष्टि रख सकते थे। ये गुम्मट पत्थरों के बने होते थे।

* जमींदार भी कभी-कभी गुम्मट बनाते थे कि वहाँ से अपनी फसल की चौकीदारी करें और चोरी होने से उसे बचाएं।
* गुम्मटों में कमरे भी होते थे कि चौकीदार या उसका परिवार वहाँ रहे जिससे कि दिन रात फसल की चौकसी की जा सके।
* नगर के गुम्मट शहरपनाह से ऊँचे बनाए जाते थे कि पहरूए किसी शत्रु की सेना को आते हुए देख पाएं।
* गुम्मट शत्रु से रक्षा का प्रतीक था।

(यह भी देखें: [बैरी](../other/adversary.md), [पहरा देना](../other/watch.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 27:25-27
* यहेजकेल 26:3-4
* मरकुस 12:1-3
* मत्ती 21:33-34
* भजन संहिता 062:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H803, H969, H971, H975, H1785, H2918, H4024, H4026, H4029, H4692, H4707, H4869, H6076, H6438, H6836, H6844, G4444

### गोत्र, गोत्रों, गोत्रों, भाइयों

#### परिभाषा:

गोत्र मनुष्यों का वह समूह है जो एक ही पूर्वज से उत्पन्न हुआ है।

* गोत्र का अर्थ है एक ही भाषा और संस्कृति को साझा करते है।
* पुराने नियम में, परमेश्वर ने इस्राएल को 12 गोत्रों में विभाजित किया था। प्रत्येक गोत्र याकूब के एक पुत्र और उसके वंशजों का था।
* गोत्र एक जाति से छोटा परन्तु कुल से बड़ा था।

(यह भी देखें: [कुल](../other/clan.md), [जाति](../other/nation.md), [लोग के समूह](../other/peoplegroup.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 10:17-19
* 2 राजा 17:16-18
* उत्पत्ति 25:13-16
* उत्पत्ति 49:16-18
* लूका 02:36-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H523, H4294, H7625, H7626, G1429, G5443

### घड़ी, घंटे

#### परिभाषा:

किसी बात को होने के समय या अन्तराल के संबन्ध में “घड़ी” शब्द के अनेक प्रतीकात्मक उपयोग हैं।

* कभी-कभी “घड़ी” का संदर्भ किसी कार्य को करने का नियमित निश्चित समय होता है जैसे “प्रार्थना का समय।”
* जब अभिलेख में लिखा होता है, “वह घड़ी आ पहुंची है” जब यीशु दुःख उठाएगा और मारा जाएगा तो इसका अर्थ है, इस बात के होने के लिए परमेश्वर द्वारा बहुत पहले ही निश्चित किया गया समय।
* “घड़ी” शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है, “उस पल” या “उसी समय।”
* जब "घंटे" की बात की जाए तो इसका अर्थ है, शीघ्र ही सूर्यास्त होने वाला है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रतीकात्मक उपयोग में, शब्द “घड़ी” का अनुवाद “समय” या “पल” या “नियुक्त समय”
* “उस घड़ी में” या “उसी समय” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल” या "तुरंत" या "ठीक उसी समय।"
* अभिव्यक्ति "समय बहुत देर हो चुकी थी" का अनुवाद "यह दिन में देर हो गई" या "यह जल्द ही अंधेरा हो जाएगा" या "यह देर दोपहर था" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [घड़ी](../other/biblicaltimehour.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 15:29-30
* प्रे.का. 10:30-33
* मरकुस 14:35-36

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8160, G5610

### घमण्ड

#### परिभाषा:

“घमण्ड” (गर्व) का अर्थ है स्वाभिमान एवं दंभी। इसका संदर्भ ऐसे मनुष्य से है जो अपने आपको बहुत बड़ा समझता है।

* यह शब्द ऐसे मनुष्य के घमण्ड को दर्शाता है जो परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने से नहीं रूकता है।
* अभिमानी मनुष्य अपने बारे में बड़ी-बड़ी बातें करता है
* घमण्डी मनुष्य बुद्धिमान नहीं मूर्ख है।
* इस शब्द का अनुवाद “घमण्डी”, या “दंभी” या “स्वार्थी” किया जा सकता है।
* “घमण्डी आंखें” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “घमण्ड से भरी दृष्टि” या “दूसरों को अपने आप से हीन समझना” या “दूसरों को नीचा समझने वाला घमण्डी मनुष्य”।

(यह भी देखें: [बड़ाई](../kt/boast.md), [घमण्ड](../other/proud.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 तीमुथियुस 03:1-4
* यशायाह 02:17-19
* नीतिवचन 16:17-18
* नीतिवचन 21:23-24
* भजन संहिता 131:1

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1361, H1363, H1364, H3093, H4791, H7312, G5244

### घर, घरों, छत के ऊपर, छतों, भण्डार, भण्डारों, घर का कारबार करनेवाले

#### परिभाषा:

शब्द "घर" एक छोटा सा भवन, आश्रय या तम्बू को संदर्भित करता है, आमतौर पर वह स्थान जहां एक परिवार सोता है। “घर” शब्द का उपयोग बाइबल में प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।" आदि जैसी विभिन्न अवधारणाओं का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

* कभी-कभी इसका अभिप्राय “कुटुम्ब” से है अर्थात एक ही घर में रहने वाले सब सदस्य।
* “घर” प्रायः किसी के वंशजों के संदर्भ में आता है। उदाहरणार्थ, “दाऊद का घराना” अर्थात राजा दाऊद के सब वंशज।
* “परमेश्वर का भवन” और “यहोवा का भवन” अर्थात मिलापवाला तम्बू या मन्दिर। इस अभिव्यक्ति का सामान्यतः अभिप्राय यह होता है कि परमेश्वर की उपस्थिति का स्थान या उसके निवास का स्थान।
* इब्रानियों अध्याय 3 में “परमेश्वर के घर” एक रूपक स्वरूप काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लोगों के संदर्भ में है या अधिक सामान्य परिप्रेक्ष्य में, परमेश्वर से संबन्धित सब वस्तुओं के संदर्भ में है।
* “इस्राएल का घराना” सामान्यतः संपूर्ण इस्राएली जाति के संदर्भ में काम में लिया गया है या विशेष रूप में उत्तरी राज्य के इस्राएल के गोत्रों के लिए है।

#### अनुवाद के सुझाव

* प्रकरण के अनुसार, “घर” शब्द का अनुवाद , “परिवार” या “लोग” या “कुटुम्ब” या “वंशज” या “मन्दिर” या “निवास स्थान”हो सकता है।
* “दाऊद का घराना”, इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “दाऊद का कुल” या “दाऊद का परिवार” या “दाऊद के वंशज”। संबन्धित अभिव्यक्तियों का अनुवाद भी इसी आधार पर किया जा सकता है।
* “इस्राएल का घराना” इस उक्ति के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “इस्राएल की प्रजा” या “इस्राएल के वंशज” या “इस्राएली”
* “यहोवा का भवन” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा का मन्दिर” या “यहोवा की आराधना का स्थल” या “जहां यहोवा अपने लोगों के साथ मिलते है” या “यहोवा का निवास स्थान”। “परमेश्वर का भवन” इसका अनुवाद भी ऐसा ही किया जाए।

(यह भी देखें: [दाऊद](../names/david.md), [वंशज](../other/descendant.md), [परमेश्वर का भवन](../kt/houseofgod.md), [घराना](../other/household.md), [इस्राएल राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [मिलापवाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [मन्दिर](../kt/temple.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:41-42
* प्रे.का. 07:47-50
* उत्पत्ति 39:3-4
* उत्पत्ति 41:39-41
* लूका 08:38-39
* मत्ती. 10:5-7
* मत्ती 15:24-26

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1004, H1005, G3609, G3613, G3614, G3624

### घेर, घेर लेना, घेर लिया, घेर करनेवाला, घेर लेना, मोर्चा बांधना

#### परिभाषा:

“घेराव” शत्रु की सेना द्वारा नगर को घेर कर भोजन-पानी का आना रोक देना। किसी शहर को "घेर" करने या इसे "घेराबंदी के नीचे" रखने के लिए इसका अर्थ है घेराबंदी के माध्यम से हमला करना।

* जब बाबेल ने इस्राएल पर हमला किया, तो उन्होंने शहर के अंदर लोगों को कमजोर करने के लिए यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की रणनीति का इस्तेमाल किया।
* घेराव के समय धूल मिट्टी के ढेले बनाए जाते थे कि शत्रु की सेना शहरपनाह को पार करके नगर पर आक्रमण कर पाए।
* एक शहर को "घेर" करने के लिए इसे "घेराबंदी" के रूप में व्यक्त किया जा सकता है या उस पर "घेराबंदी" करने के लिए कहा जा सकता है।
* “घेराव कर दिया” का अर्थ “घेराव” ही है। इन दोनों अभिव्यक्तियों द्वारा किसी नगर का शत्रुओं द्वारा घेराव दर्शाता है।

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 20:1
* 1 राजा 20:1-3
* 1 शमूएल 11:1-2
* यिर्मयाह 33:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4692, H4693, H5341, H5437, H5564, H6693, H6696, H6887

### चंगा, चंगा किया, चंगा करना, चंगा हो गया, चंगा करने, चंगा करनेवाला, सेहत, बीमार

#### परिभाषा:

“चंगा करना” और "इलाज" दोनों का अर्थ है एक बीमार, अर्थात रोगी, अन्धा या विकलांग को स्वस्थ्य प्रदान करना।

* चंगाई पाने वाली या “रोग-मुक्त मनुष्य” “पुष्ट किया गया” या “स्वस्थ किया गया” होना है।
* चंगाई प्राकृतिक भी होती है क्योंकि परमेश्वर ने हमारे शरीर को अनेक प्रकार की चोटों और रोगों से स्वस्थ हो जाने की क्षमता प्रदान की है। ऐसी चंगाई में समय लगता है।
* तथापि जैसे अंधा होना, लकवा तथा कोढ़ अपने आप स्वस्थ नहीं होते हैं। जब मनुष्यों को ऐसे रोगों या विकलांगता से चंगाई मिलती है तो वह एक आश्चर्यकर्म होता है।
* उदाहरणार्थ यीशु ने अनेक अंधों, लंगड़ो और रोगियों का तत्काल चंगा किया था और वे उसी पल स्वस्थ हो गए थे।
* प्रेरितों ने भी रोगियों को चमत्कारी चंगाई दी थी जैसे पतरस ने एक लंगड़े को तुरंत चलने योग्य बनाया था।

(यह भी देखें: [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 05:14-16
* प्रे.का. 08:6-8
* लूका 05:12-13
* लूका 06:17-19
* लूका 08:43-44
* मत्ती. 04:23-25
* मत्ती 09:35-36
* मत्ती 13:15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **19:14** जिनमे से एक चमत्कार नामान नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था। उसने एलीशा के बारे में सुना था तो वह एलीशा के पास गया कि वह उसे **चंगा क**।
* **21:10** उसने यह भी भविष्यवाणी की थी , कि मसीह बीमारों को **चंगा** करेगा, तब अन्धे की आँखें खोली जाएगी, बहिरों के कान भी खोले जाएँगे, लंगड़े चलने लगेंगे, गूँगे बोल उठेंगे।
* **26:06** यीशु ने कहना जारी रखा,“और एलीशा भविष्यद्वक्ता के समय इस्राएल में बहुत से कोढ़ी थे, और ऐसे भी थे जिन्हें त्वचा रोग था। लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी **ठीक** नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, नामान के त्वचा रोग को **चंगा** किया।”
* **26:08** वह यीशु के पास बहुत से लोगों को लाए जो अनेक बीमारियों से पीड़ित थे, उनमें विकलांग थे, और वे लोग थे, जो बोल नहीं सकते, देख नहीं सकते, चल नहीं सकते, सुन नहीं सकते थे और इन सभी को यीशु ने **चंगा किया**।
* **32:14** उसने यीशु की चर्चा सुनी थी कि वह बिमारो को चंगा करता है और उसने सोचा कि यदि मैं यीशु के वस्त्रो को ही छू लूँगी तो **चंगी हो जाऊँगी** , ”
* **44:03** तुरन्त, परमेश्वर ने उस लँगड़े व्यक्ति को **चंगा** किया, तब उसने चलना और चारों ओर कूदना शुरू किया और परमेश्वर की स्तुति करने लगा।
* **44:08** तब पतरस ने उन्हें उत्तर दिया, “यीशु मसीह की सामर्थ्य से यह व्यक्ति तुम्हारे सामने भला **चंगा** खड़ा है।
* **49:02** यीशु बहुत से आश्चर्यकर्म किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है। वह पानी पर चला, तूफान को शांत किया, बहुत से बीमारों को **चंगा** किया, ुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों के लिए काफी हो।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H724, H1369, H1455, H2280, H2421, H2896, H3444, H3545, H4832, H4974, H7495, H7499, H7500, H7725, H7965, H8549, H8585, H8644, H622, G1295, G1743, G2322, G2323, G2386, G2390, G2392, G2511, G3647, G4982, G4991, G5198, G5199

### चकित, विस्मय, अचम्भा किया, अचम्भा, अचम्भा करके, अचम्भे में आ जाना, आश्चर्यकर्मों, चमत्कार, चमत्कारों

#### परिभाषा:

यह सब शब्द अति विस्मय का संदर्भ देते हैं, क्योंकि एक अति असामान्य बात हुई है।

* इनमें से कुछ शब्द यूनानी कहावत के अनुवाद हैं जैसे, “आश्चर्यचकित होना” या “अपने आपे से बाहर होना”। \* इन उक्तियों से व्यक्त होता है कि मनुष्य कैसे विस्मित एवं आघातग्रस्त हुआ है। अन्य भाषाओं में भी इन उक्तियों को व्यक्त करने के शब्द होंगे।
* सामान्यतः आश्चर्य और विस्मय उत्पन्न करने वाली घटना चमत्कार होती है, ऐसा काम केवल परमेश्वर ही कर सकता है।
* इन शब्दों के अर्थ में उलझन की भावना भी हो सकती है क्योंकि जो हुआ वह न उम्मीद था।
* इन शब्दों का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं, “अत्यधिक चकित” या “अत्यधिक विस्मित”
* इसके समानार्थक शब्द हैं, “अद्भुत (विस्मयकारी, आश्चर्यजनक) “विस्मय” “चकित करना”
* सामान्यतः ये शब्द सकारात्मक हैं और दर्शाती हैं कि मनुष्य किसी घटना विशेष से प्रसन्न हैं।

(यह भी देखें: [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md), [चिन्ह](../kt/sign.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 08:9-11
* प्रे.का. 09:20-22
* गलातियों 01:6-7
* मरकुस 02:10-12
* मत्ती 07:28-29
* मत्ती 15:29-31
* मत्ती 19:25-27

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H926, H2865, H3820, H4159, H4923, H5953, H6313, H6381, H6382, H6383, H6395, H7583, H8047, H8074, H8078, H8429, H8539, H8540, H8541, H8653, G639, G1568, G1569, G1605, G1611, G1839, G2284, G2285, G2296, G2297, G2298, G3167, G4023, G4423, G4592, G5059

### चला, चलता

#### परिभाषा:

प्रतिकात्मक रूप में “चलने" का उपयोग "आचरण" का बोध करवाता है।

* "हनोक परमेश्वर के साथ चलता था" अर्थात् वह परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबन्ध में था।
* “पवित्र-आत्मा के साथ चलना” अर्थात पवित्र आत्मा की अगुआई में चलना कि परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाले और उसे सम्मान पहुंचाने वाले काम करें।
* परमेश्वर की आज्ञाओं में या परमेश्वर के मार्गों में चलना अर्थात उसकी आज्ञाओं के पालन का जीवन जीना अर्थात उसकी “आज्ञाओं को मानना” या “उसकी इच्छा पूरी करना।”
* परमेश्वर कहता है कि वह “अपने लोगों के मध्य वास करेगा” या उनके साथ “घनिष्ठ व्यवहार” करेगा।
* “विपरीत चाल चलना” का अर्थ ऐसा जीवन आचरण रखना जो किसी के विरूद्ध हो।
* “पीछे चलना” अर्थात किसी का पीछा करना। इसका अर्थ अनुकरण करना भी होता है।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* “जब तक “चलना” का सही अर्थ समझ में आए तब तक इसे ज्यों का त्यों रखना ही उचित है।
* “चलना” के प्रतीकात्मक उपयोगों का अनुवाद हो सकता है “जीवन जीना” या “व्यवहार करना” या “कार्य करना।”
* “आत्मा के अनुसार चलना” का अनुवाद हो सकता है, “पवित्र-आत्मा की आज्ञाकारिता में जीना।” या “पवित्र-आत्मा को प्रसन्न करनेवाला जीवन जीना” या “पवित्र आत्मा की अगुआई में परमेश्वर को ग्रहणयोग्य काम करना”।
* “परमेश्वर की आज्ञाओं पर चलना” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुपालन में जीना” या “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानना”।
* “परमेश्वर के साथ चलता था” इसका अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की आज्ञाओं को मानकर और उसका सम्मान करके परमेश्वर के साथ घनिष्ठता का जीवन जीना”।

(यह भी देखें: [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [आदर](../kt/honor.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 01:5-7
* 1 राजा 02:1-4
* कुलुस्सियों 02:6-7
* गलातियों 05:25-26
* उत्पत्ति 17:1-2
* यशायाह 02:5-6
* यिर्मयाह 13:8-11
* मीका 04:2-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1869, H1980, H1981, H3212, H4108, G1704, G4043, G4198, G4748

### चाँदी

#### परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

* पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
* सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
* बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
* यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
* यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: [मिलापवाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 18:9-11
* 1 शमूएल 02:36
* 2 राजा 25:13-15
* प्रे.का. 03:06
* मत्ती. 26:15

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

### चिन्ह, प्रमाण, स्मरण कराने वाली बात

#### परिभाषा:

चिन्ह वह वस्तु, घटना या कार्य है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

* "स्मरण कराने वाली बात" ऐसे संकेत हैं जो "याद दिलाने उन्हें याद करने में मदद करते है, जो कुछ वादा किया गया था:
* परमेश्वर ने मेघधनुष स्थापित किया जो इस प्रतिज्ञा को स्मरण कराता है कि परमेश्वर विश्वव्यापी जलप्रलय द्वारा ऐसे मानवजाति को फिर नष्ट नहीं करेगा।
* परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे उसकी वाचा के चिन्ह स्वरूप अपने पुत्रों का खतना करें।
* चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते हैः
* स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा वे बैतलहम में नवजात मसीह को पहचान पाएंगे।
* यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि जिसे उन्होंने पकड़ना है वह यीशु यही है।
* चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
* भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
* यीशु ने जो चमत्कार किए, वे साबित करते है कि वह वास्तव में मसीहा था ।

#### (अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “चिन्ह” का अनुवाद “संकेत” या “प्रतीक” या “पहचान” या “प्रमाण” या “प्रमाण” या “इंगित करना” भी हो सकता है।
* “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना” भी हो सकता है।
* कुछ भाषाओं में “चिन्ह” जो किसी बात को सिद्ध करता है और आश्चर्यकर्म के लिए चिन्ह का दूसरा शब्द होता है।

(यह भी देखें: [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md), [प्रेरित](../kt/apostle.md), [मसीह](../kt/christ.md), [वाचा](../kt/covenant.md), [खतना करना](../kt/circumcise.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 02:18-19
* निर्गमन 04:8-9
* निर्गमन 31:12-15
* उत्पत्ति 01: 14-15
* उत्पत्ति 09: 11-13
* यूह. 02:17-19
* लूका 02:10-12
* मार्क. 18:11-13
* भजन-संहिता 089:5-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G364, G880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

### चौकस, ताकता, देखा, देख रहा था, द्वारपाल, पहरुओं, जागते रहना

#### परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

* अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
* “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

* “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
* इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
* "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
* इब्रानियों 13:17
* यिर्मयाह 31:4-6
* मरकुस 08:15
* मरकुस 13:33-34
* मत्ती 25:10-13

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

### छाया, छाया, आच्छादन, आच्छादन

#### परिभाषा:

“छाया” का अर्थ है प्रकाश को रोकने वाली वस्तु का प्रतिबिम्ब हैं। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं।

* “मृत्यु की छाया” अर्थात् मृत्यु निकट है, जिस प्रकार कि छाया प्रकट करती है कि कोई वस्तु निकट है।
* बाइबल में अनेक बार मनुष्य के जीवन की तुलना छाया से की गई है जो अधिक समय की नहीं होती है और उसका तत्त्व नहीं होता है।
* कभी-कभी “छाया” शब्द को “अन्धकार” के लिए भी काम में लिया जाता है।
* परमेश्वर के पंखों या हाथों की छाया में रखने की चर्चा बाइबल में की गई है। यह सुरक्षित रहने और खतरे से छिप जाने का एक प्रतीकात्मक रूप है। “छाया” के अनुवाद रूप हो सकते हैं “छाया” या “सुरक्षा” या “निरापदता”।
* उचित तो यह होगा कि “छाया” शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा के उसी शब्द से किया जाए जिसे छाया के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: [अन्धकार](../other/darkness.md), [ज्योति](../other/light.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 2 राजा 20:8-9
* उत्पत्ति 19: 6-8
* यशायाह 30:1-2
* यिर्मयाह 06:4-5
* भजन-संहिता 017:8-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2927, H6738, H6751, H6752, H6754, H6757, H6767, G644, G1982, G2683, G4639

### जंगल, छोड़कर , सुनसान, छोड़ देना, जंगल, जंगलों

#### परिभाषा:

रेगिस्तान या जंगल, सूखी बंजर भूमि का स्थान होता है जहां बहुत ही कम पेड़ पौधे उगते हैं।

* रेगिस्तान की जलवायु सूखी होती है इसलिए वहां बहुत कम हरियाली और वन पशु होते हैं।
* कठोर परिस्थितियों के कारण रेगिस्तान में बहुत ही कम लोग रहते हैं, अतः उसे निर्जन प्रदेश कहा जाता है।
* “जंगल” दूरस्थ स्थान को दर्शाता है, निर्जन एवं उजड़ा हुआ स्थान।
* इस शब्द का अनुवाद “निर्जन स्थान” या “दूरस्थ स्थान” या “सुनसान प्रदेश” किया जा सकता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 13:16-18
* प्रे.का. 21:37-38
* निर्गमन 04:27-28
* उत्पत्ति 37:21-22
* यूहन्ना 03:14-15
* लूका 01:80
* लूका 09:12-14
* मरकुस 01:1-3
* मत्ती 04:1-4
* मत्ती 11:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H776, H2723, H3293, H3452, H4057, H6160, H6723, H6728, H6921, H8047, H8414, G2047, G2048

### जलन, ईर्ष्या

#### परिभाषा:

“जलन” और ईर्ष्या” का संदर्भ संबन्ध की शुद्धता को सुरक्षित रखने की प्रबल इच्छा से है। इन शब्दों में किसी वस्तु या मनुष्य के लिए अपनापन बनाए रखने की प्रबल इच्छा भी है।

* इन शब्दों द्वारा मनुष्य के क्रोध को भी व्यक्त किया जाता है जो विवाह में विश्वासघाती रहा है।
* बाइबल में इन शब्दों द्वारा प्रजा को शुद्ध रहने और पाप से कलंकित न होने की परमेश्वर की प्रबल इच्छा को भी दर्शाया गया है।
* परमेश्वर अपने नाम के सम्मान एवं श्रद्धा के लिए भी ईर्ष्यालु है।
* किसी की सफलता और ख्याति पर क्रोध को भी ईर्ष्या कहते हैं। \* यह “डाह” के सामानान्त है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “जलन” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “सुरक्षा की प्रबल इच्छा” या “अपनेपन की इच्छा”
* “ईर्ष्या” का अनुवाद “सुरक्षा की प्रबल भावना” या “अपनेपन की भावना”
* परमेश्वर के लिए जब इस शब्द का अनुवाद करें तो ऐसा प्रकट न हो कि परमेश्वर किसी से जलन रखता है।
* मनुष्यों के प्रति मनुष्यों की क्रोधपूर्ण भावनाओं के संदर्भ में जब कोई सफल होता है तब “जलना” या “जलन” शब्दों का उपयोग किया जा सकता है। परन्तु ये शब्द परमेश्वर के लिए काम में न लें।

(यह भी देखें: [ईर्ष्या](../other/envy.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 कुरिन्थियों 12:20-21
* व्यवस्थाविवरण 05:9-10
* निर्गमन 20:4-6
* यहेजकेल 36:4-6
* यहोशू 24:19-20
* नहूम 01:2-3
* रोमियो 13:13-14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7065, H7067, H7068, H7072, G2205, G3863

### जाति, लोगों, लोग, प्रजा

#### परिभाषा:

“लोगों” या “जाति” अर्थात एक ही भाषा और संस्कृति के लोग। “लोग” शब्द प्रायः किसी स्थान में या किसी विशेष घटना पर मनुष्यों का एकत्र होना।

* जब परमेश्वर अपने लिए “एकजाति” को चुन लेता है तो उसका अर्थ है कि उसके लिए और उसकी सेवा के लिए विशेष मनुष्यों को चुन लेना।
* बाइबल के युग में किसी जनसमुदाय के सदस्यों के पूर्वज एक ही थे और किसी निश्चित स्थान में या भूभाग में वास करते थे।
* प्रकरण पर निर्भर करके “तेरे लोग” का अर्थ हो सकता है, “तेरी जाति” या “तेरा परिवार” या “तेरे परिजन”। शब्द “लोगों” पृथ्वी के सब लोगो के संदर्भ में है। कभी-कभी इसका संदर्भ विशेष करके गैर इस्राएलियों या उन लोगों से होता है जो यहोवा की सेवा नहीं करते। कुछ अंग्रजी बाइबल संस्करणों में “नेशन्स(जातियों)” का अभिप्राय यही है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “जाति” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बड़ा कुटुम्ब” या “कुल” या “नृजाति”।
* “मेरी प्रजा” का अनुवाद हो सकता है, “मेरे परिजन” या “मेरे इस्राएली भाई” या “मेरा परिवार” या “मेरी जाति के लोग” परन्तु यह प्रकरण पर निर्भर करेगा।
* “अन्य जातियों में तितर-बितर” का अनुवाद हो सकता है, “तुम्हें विभिन्न जातियों में रहने पर विवश कर दूंगा” या “तुम्हें अलग-अलग करके संसार के विभिन्न क्षेत्रों में भेज दूंगा”।
* “जाति-जाति” या “अन्यजातियां” का अनुवाद हो सकता है, “संसार के सब लोग” या “सब जनजातियां” परन्तु प्रकरण पर निर्भर करके।
* “एक जाति” का अनुवाद हो सकता है “एक समुदाय के लोग” या “वंशज” या “परिवार” यह निर्भर करेगा कि वह किसी स्थान या व्यक्ति के नाम के पीछे है।
* “पृथ्वी के सब लोगों” का अनुवाद हो सकता है, “पृथ्वी पर रहने वाला हर एक मनुष्य” या “संसार का हर एक मनुष्य” या “सब लोग”।
* “एक ऐसी जाति” इसका अनुवाद हो सकता है, “एक जन समुदाय” या “एक विशेष जाति” या “मनुष्यों का एक समुदाय” या “जन परिवार”

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [जाति](../other/nation.md), [गोत्र](../other/tribe.md), [संसार](../kt/world.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 08:51-53
* 1 शमूएल 08:6-7
* व्यवस्थाविवरण 28:9-10
* उत्पत्ति 49:16-18
* रूत 01:16-18

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **14:02** परमेश्वर ने जो वाचा अब्राहम, इसहाक और याकूब से बाँधी थी, कि वह वाचा की भूमि उनके वंशज को देंगा, परन्तु अब वहाँ बहुत से **लोगों के समूह** रहते हैं |
* **21:02** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे **कुल** तेरे द्वारा आशीष पाएँगे | यह आशीष तब पूरी होगी जब मसीह भविष्य में आयेगा | यह अनुग्रह आने वाला मसीह है जो एक दिन हर **समूह के लोगों** के लिए उद्धार का मार्ग प्रदान करेगा |
* **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब **जातियों** में जायेंगे, तुम इन सब बातों के गवाह हो।”
* **42:10** इसलिये तुम जाओ, सब **जातियों के लोगों** को चेला बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ। "
* **48:11** क्योंकि इस नई वाचा के जरिये किसी भी **जाती** का कोई भी व्यक्ति परमेश्वर के चुने हुए लोगों में यीशु पर विश्वास करने के द्वारा शामिल हो सकता है।
* **50:03** उसने कहा, “जाओ और सारे **जनसमूह के लोगों** को चेला बनाओ!” और, "खेत कटनी के लिए पके खड़े हैं!"

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H249, H523, H524, H776, H1121, H1471, H3816, H5712, H5971, H5972, H6153, G246, G1074, G1085, G1218, G1484, G2560, G2992, G3793

### जाति, जातियों

#### परिभाषा:

जाति एक विशाल जनसमूह है जो किसी प्रकार की सरकार के शासनाधीन रहती है। किसी जाति के लोगों के पूर्वज उनके अपने ही होते हैं और उन सब की सजातीयता एक ही होती है।

* किसी “जाति” की अपनी ही सुव्यक्त संस्कृति एवं भौगोलिक सीमाएं होती हैं।
* बाइबल में “जाति” कोई देश (जैसे मिस्र, इथोपिया) हो सकता है परन्तु सामान्य परिप्रेक्ष्य में जन समुदायों के संदर्भ में होता है, विशेष करके बहुवचन में हो तब। अतः प्रकरण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है|
* बाइबल में जिन जातियों का उल्लेख किया गया है वे अनेक हैं जिनमें इस्राएली, पलिश्ती, अश्शूरी, बेबीलोनी, कनानी, रोमी और यूनानी आदि हैं।
* कभी-कभी “जाति” शब्द प्रतीकात्मक रूप में काम में आया है जो किसी विशेष समुदाय के पूर्वजों के संबन्ध में है, जैसे रिबका से परमेश्वर ने कहा था कि उसके जन्म लेने वाले पुत्र दो “जातियां” हैं जो आपस में लड़ते रहेंगे। इसका अनुवाद हो सकता है, “दो जातियों के संस्थापक” या “दो जन समुदायों के पूर्वज”।
* जिस शब्द का अनुवाद “जाति” किया गया है उस शब्द का उपयोग कभी-कभी अन्यजातियों के लिए भी किया जाता है या उन समुदायों के लिए जो यहोवा की उपासना नहीं करते। प्रकरण से इसका अर्थ बहूदा स्पष्ट हो जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “जाति” शब्द का अनुवाद “जन समुदाय” या “नृजाति” या “देश” किया जा सकता है।
* यदि किसी भाषा में “जाति” के लिए इन सब शब्दों से भिन्न कोई शब्द है तो बाइबल में जहां भी यह शब्द आता है वहां उस शब्द का उपयोग किया जा सकता है, जब तक कि वह प्रत्येक संदर्भ में स्वाभाविक एवं सही है।
* बहुवचन शब्द “जातियों” का अनुवाद “जन समुदाय” किया जा सकता है।
* कुछ प्रकरणों में इस शब्द का अनुवाद “अन्य-जाति” या “गैर यहूदी” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [अश्शूर](../names/assyria.md), [बाबेल](../names/babylon.md), [कनान](../names/canaan.md), [अन्य-जाति](../kt/gentile.md), [यूनानी](../names/greek.md), [जन समुदाय](../other/peoplegroup.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md), [रोम](../names/rome.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 14:15-17
* 2 इतिहास 15:06
* 2 राजा 17:11-12
* प्रे.का. 02:05
* प्रे.का. 13:19
* प्रे.का. 17:26
* प्रे.का. 26:04
* दानिय्येल 03:04
* उत्पत्ति 10:2-5
* उत्पत्ति 27:29
* उत्पत्ति 35:11
* उत्पत्ति 49:10
* लूका 07:05
* मरकुस 13:7-8
* मत्ती 21:43
* रोमियो 04:16-17

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H523, H524, H776, H1471, H3816, H4940, H5971, G246, G1074, G1085, G148

### जानना, जानता है, जानता था, जानना, ज्ञान, ज्ञात, प्रकट करना, ज्ञात करता है, ज्ञात करता है, अज्ञात, पहले से जानना, पूर्वज्ञान

#### परिभाषा:

“जानना” और "ज्ञान" का अर्थ सामान्यतः किसी बात को या किसी व्यक्ति को समझने के लिए होता है।इसका अर्थ किसी तथ्य का जानकार होना या किसी व्यक्ति से परिचित होना भी हो सकता है। "ज्ञात करना" एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है जानकारी देना।

* “ज्ञान” शब्द का संदर्भ में है जो मनुष्य जानकारी रखते हैं। इसका अभिप्राय लौकिक और अलौकिक संसार दोनों की जानकारी हो सकता है।
* परमेश्वर के “बारे में जानना” अर्थात उसके बारे में तथ्यों को अन्तर्ग्रहण करना उसने हम पर जो प्रकट किया है।
* परमेश्वर को “जानना” अर्थात उसके साथ घनिष्ठ संबन्ध बनाना। यह मनुष्यों को जानने के लिए भी काम में लिया जाता है।
* परमेश्वर की इच्छा जानना अर्थात उसकी आज्ञा के प्रति सचेत रहना या मनुष्य से जो चाहता है उसे समझना।
* “व्यवस्था को जानना” अर्थात परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति सचेत रहना या परमेश्वर ने मूसा को व्यवस्था में जो निर्देश दिए उन्हें समझना।
* कभी-कभी “ज्ञान” “बुद्धि” के पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है जिसमें परमेश्वर को प्रसन्न करनेवाला जीवन शामिल है।
* “परमेश्वर का ज्ञान” को कभी-कभी “यहोवा का भय” का पर्यायवाची शब्द स्वरूप काम में लिया जाता है।

#### अनुवाद सुझाव

* प्रकरण पर आधारित “जानना” के अनुवाद हो सकते हैं, “समझना” या “परिचित होना” या “सचेत होना” या “जानकार होना” या “के संबन्ध” में होना।
* दो चीजों के बीच अंतर को समझने के संदर्भ में, इस शब्द का आमतौर पर "भेद" के रूप में अनुवाद किया जाता है। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो इस शब्द का अक्सर प्रस्तावना के बाद "बीच में" होता है।
* "जानना" शब्द के लिए कुछ भाषाओं के पास दो शब्द अलग-अलग हैं, एक तथ्य जानने के लिए और दूसरा एक व्यक्ति को जानने के लिए और उसके साथ संबंध होने के लिए।
* “प्रकट करना” का अनुवाद “मनुष्यों को जानने योग्य बनाना” या “अनावृत करना” या “बारे में बताना” या “वर्णन करना” हो सकता है।
* “किसी के बारे में बताना” का अनुवाद “सचेत होना” या “परिचित होना हो सकता है।”
* “जानना कैसे” अर्थात कुछ करने की प्रक्रिया या विधि समझना। इसका अनुवाद हो सकता है, “सक्षम होना” था या “करने में निपुण होना”।
* “ज्ञान” शब्द का अनुवाद “जो ज्ञात है” या “बुद्धि” या “समझ” प्रकरण के अनुसार हो सकता है।

(यह भी देखें: [व्यवस्था](../kt/lawofmoses.md), [प्रकट](../kt/reveal.md), [समझना](../other/understand.md), [बुद्धिमान](../kt/wise.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 02:12-13
* 1 शमूएल 17:46
* 2 कुरिन्थियों 02:15
* 2 पतरस 01:3-4
* व्यव. 04:39-40
* उत्पत्ति 19:05
* लूका 01:77

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H1843, H1844, H1847, H1875, H3045, H3046, H4093, H4486, H5046, H5234, H5475, H5869, G50, G56, G1097, G1107, G1108, G1492, G1921, G1922, G1987, G2467, G2589, G4267, G4894

### जीवन, जीना, रहते थे, जीवन,जीवते, जीवित

#### परिभाषा:

इन सब शब्दों का अर्थ है जीवित रहना, मरना नहीं इनका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में आत्मिकता में जीवित रहने के लिए भी किया जाता है। निम्नलिखित से व्यक्त किया जाता है कि, “शारीरिक जीवन” और “आत्मिक जीवन” का क्या अभिप्राय है

#### 1. शारीरिक जीवन

* शारीरिक जीवन शरीर में आत्मा की उपस्थिति है। परमेश्वर ने आदम के शरीर में जीवन की सांस दी, और वह एक जीवित प्राणी बन गया।
* एक "जीवन" को "एक जीवन बचाया गया" के संदर्भ में भी उपयोग किया जा सकता है।
* कभी-कभी शब्द "जीवन" में रहने के अनुभव को संदर्भित करता है, "उसका जीवन सुखदायक था।"
* यह किसी व्यक्ति की उम्र का भी उल्लेख कर सकता है, जैसा कि अभिव्यक्ति में "उसके जीवन का अंत" होता है।
* "जीवित रहना" शब्द का सन्दर्भ शारीरिक रूप से जीवित होने का उल्लेख कर सकते हैं, जैसा कि "मेरी मां अभी भी जीवित है।" यह निवास का उल्लेख कर सकता है, "वे शहर में रह रहे थे।"
* बाइबल में, "जीवन" की अवधारणा अक्सर "मृत्यु" की अवधारणा के विपरीत है।

#### 2. आत्मिक जीवन

* एक व्यक्ति का आत्मिक जीवन है, जब वह परमेश्वर के साथ यीशु पर विश्वास करता है, तो उस व्यक्ति को पवित्र आत्मा के साथ जीवन में परिवर्तित होता है।
* इस जीवन को "अनंत जीवन" कहा जाता है, यह संकेत करने के लिए कि इसका अंत नहीं है।
* आत्मिक जीवन के विपरीत आत्मिक मृत्यु है, जिसका अर्थ है कि परमेश्वर से पृथक होने और अनन्त दण्ड का सामना करना।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “जीवन” का अनुवाद “अस्तित्व” या “व्यक्ति” या “प्राण” या “होना” या “अनुभव” हो सकता है।
* “रहना” शब्द का अनुवाद “वास करना” या “निवास करना” या “अस्तित्ववान रहना” किया जा सकता है।
* “जीवन का अन्त” का अनुवाद “जीवन का सांस रूक जाए” हो सकता है।
* “जान बचा दी” का अनुवाद “जीने दिया” या “हत्या नहीं की” किया जा सकता है।
* “जान खतरे में डाली” का अनुवाद हो सकता है, “जान जोखिम में डाली” या “ऐसा काम किया जो जान लेवा हो सकता था”।
* बाइबल पाठ में आत्मिक रूप से जीवित होने के बारे में बात की जाती है, संदर्भ के आधार पर "जीवन" का अनुवाद "आध्यात्मिक जीवन" या "अनन्त जीवन" के रूप में किया जा सकता है।
* "आत्मिक जीवन" की अवधारणा का भी अनुवाद किया जा सकता है क्योंकि "परमेश्वर हमें अपनी आत्माओं में जीवित कर रहा है" या "परमेश्वर की आत्मा से नया जीवन" या "अंतरात्मा में जीवित किया जाना।"
* संदर्भ के आधार पर, अभिव्यक्ति "जीवन देना" का अनुवाद "जीवित रहने के लिए" या "अनन्त जीवन दे" या "सदा के लिए जीना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [मृत्यु](../other/death.md), [अनन्त](../kt/eternity.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 2 पतरस 01:3-4
* प्रे.का. 10:42-43
* उत्पत्ति 02:7-8
* उत्पत्ति 07:21-22
* इब्रानियों 10:19-22
* यिर्मयाह 44: 1-3
* यूहन्ना 01: 4-5
* न्या. 02:18-19
* लूका 12:22-23
* मत्ती. 07:13-14

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **01:10** फिर परमेश्वर ने मिट्टी लिया, और उससे एक आदमी बनाया, और उसमें **जीवन** का साँस फूँक दिया।
* **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में **रह रहे** थे।
* **08:13** जब यूसुफ के भाई अपने पिता याकूब के पास पहुँचे और उससे कहा, यूसुफ अब तक **जीवित** है, यह सुन वह बहुत प्रसन्न हुआ।
* **17:09** हालांकि, अपने **जीवन** के अंतिम समय में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
* **27:01** एक दिन, यहूदी धर्म में निपुण एक व्यवस्थापक यीशु के पास उसकी परीक्षा लेने के लिए आया, और कहने लगा, “हे गुरु अनन्त **जीवन** का वारिस होने के लिए मैं क्या करूं?”
* **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और **जीवन** हूँ।"
* **44:05** “तुम वही हो जिसने रोमी साम्राज्य से कहा कि यीशु को मार दिया जाएँ। तुम ने **जीवन** के कर्ता को मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिलाया।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1934, H2416, H2417, H2421, H2425, H5315, G198, G222, G227, G806, G590

### जैतून

#### परिभाषा:

जैतून एक छोटा अण्डाकार फल होता है, यह अधिकतर भूमध्यसागर के परिवेश में उगाया जाता था।

* जैतून के वृक्ष सदाबहार बड़ी झाड़ी होते है, उनके फूल छोटे और सफेद होते हैं। वे गर्म जलवायु में सबसे अच्छे उगते हैं और उन्हें पानी भी बहुत कम चाहिए होता है।
* जैतून का फल हरा होता है और पकने पर काला पड़ जाता है। जैतून भोजन के लिए और उनसे निकाले जाने वाले तेल के लिए उपयोग होता था।
* जैतून का तेल पकाने के, दीप जलाने और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए काम आता था।
* बाइबल में जैतून के वृक्ष एवं डालियां मनुष्यों के लिए प्रतीकात्मक रूप में काम में लिए जाते थे।

(यह भी देखें: [दीया](../other/lamp.md), [समुद्र](../names/mediterranean.md), [जैतून पर्वत](../names/mountofolives.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 27:28-29
* व्यवस्थाविवरण 06:10-12
* निर्गमन 23:10-11
* उत्पत्ति 08:10-12
* याकूब 03:11-12
* लूका 16:5-7
* भजन संहिता 052:8-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2132, H3323, H8081, G65, G1636, G1637, G2565

### जौ

#### परिभाषा:

"जौ" एक प्रकार का अन्न होता है जिससे वे रोटी बनाते थे।

* जौ का पौधा लम्बा होता है जिसके ऊपरी सिरे पर अन्न की बाली होती है।
* जौ ग्रीष्म ऋतु में फलती है अतः इसकी कटनी बसन्त ऋतु या ग्रीष्म ऋतु में होती है।
* जौ को भूसे से अलग करने के लिए जौ को दांवा जाता हैं।
* जौ को पीसकर आटा बनाते हैं तब पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती है।
* यदि जौ लक्षित भाषा में जानी नहीं जाती है तो इसका अनुवाद “जौ कहलाने वाला अन्न” या “जौ के दाने” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [अन्न](../other/grain.md) , [दांवना](../other/thresh.md), [गेहूं](../other/wheat.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 11:12-14
* अय्यूब 31:38-40
* न्यायियों 07:13-14
* गिनती 05:15
* प्रकाशितवाक्य 06:5-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8184, G2915, G2916

### टाट

#### परिभाषा:

टाट बकरी के या ऊंट के बालों से बना एक चुभनेवाला कठोर वस्त्र होता था।

* जो व्यक्ति इससे बने हुए कपड़े पहने ते थे वह असहज होगा। उसे विलाप, दुःख और दीनता-पूर्वक पश्चाताप प्रकट करने के लिए टाट पहना जाता था।
* "टाट और राख" एक सामान्य उक्ति थी जो विलाप और पश्चाताप के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति थी।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद इसे प्रकार से भी किया जा सकता है जैसे "पशुओं के बालों से बना मोटा वस्त्र" या "बकरी के बालों से बना वस्त्र" या "मोटा चुभने वाला वस्त्र।"
* इस प्रकार से भी इस शब्द का अनुवाद हो सकता है "रूखा, लापरवाह शोक कपड़ों।"
* "टाट ओढ़कर राख में बैठना" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है जैसे "खुरचने वाला वस्त्र पहनकर राख में बैठने के द्वारा दुःख एवं दीनता प्रकट करना।"

(यह भी देखें: [राख](../other/ash.md), [ऊंट](../other/camel.md), [बकरी](../other/goat.md), [विनम्र](../kt/humble.md), [शोक](../other/mourn.md), [पश्चाताप](../kt/repent.md), [चिन्ह](../kt/sign.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 शमूएल 03:31-32
* उत्पत्ति 37:34-36
* योएल 01:8-10
* योना 03:4-5
* लूका 10:13-15
* मत्ती 11:20-22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8242, G4526

### ठहराया, नियुक्त, दशा, पहले से ठहराया

#### परिभाषा:

मनुष्यों के साथ भविष्य में जो होगा उसे “ठहराया जाना” (नियति) कहते हैं। यदि किसी को भविष्य के लिए “ठहराया” गया है तो इसका अर्थ है कि वह मनुष्य भविष्य में क्या करेगा, परमेश्वर की ओर से निर्धारित किया गया है।

* परमेश्वर किसी देश को क्रोध के लिए “ठहराता” है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि उस देश को पापों का दण्ड मिलेगा।
* यहूदा विनाश के लिए “ठहराया” गया था अर्थात परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसके विद्रोह के कारण वह नाश होगा।
* प्रत्येक मनुष्य की अनन्तकालीन नियति है कि वह स्वर्ग जाए या नरक जाए।
* परन्तु जब सभोपदेशक का लेखक कहता है कि सबकी नियति एक ही है तो उसका अभिप्राय है कि सब मरेंगे।

#### अनुवाद के सुझाव:

“क्रोध के लिए ठहराएगा” का अनुवाद “तुम्हारा दण्ड निश्चित है” या “निर्णय लिया जा चुका है कि तुम मेरे क्रोध के भागी होगे”।

* प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति में “तलवार से नाश होने के लिए ठहराए गए हो” इसका अनुवाद परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि वे शत्रुओं द्वारा नाश किए जाएंगे जो उन्हें तलवार से घात करेंगे” या “परमेश्वर ने ठान लिया है कि उनके शत्रु उन्हें तलवार से घात करें”।
* “तुम ठहराए गए हो” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जाए जैसे “परमेश्वर ने निश्चय कर लिया है कि तुम...”
* प्रकरण के अनुसार “भविष्य” का अनुवाद हो सकता है, “निश्चयक अन्त” या “अन्त में जो होगा” या “परमेश्वर ने जो निश्चित किया है वह होगा”

(यह भी देखें: [बन्दी](../other/captive.md), [अनन्त](../kt/eternity.md), [स्वर्ग](../kt/heaven.md), [नरक](../kt/hell.md), [यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)](../names/johnthebaptist.md), [मन फिराव करना](../kt/repent.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
* सभोपदेशक 02:13-14
* इब्रानियों 09:27-28
* फिलिप्पियों 03:17-19
* भजन संहिता 009:17-18

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2506, H4150, H4487, H4745, H6256, H4507, G5056, G5087

### डर, भय, भयभीत, डरना

#### परिभाषा:

"भय" शब्द का अर्थ उस अप्रिय भावना से है जिसे व्यक्ति अपनी सुरक्षा या कल्याण के लिए संभावित खतरे का अनुभव करते हुए महसूस करता है। बाइबल में, हालांकि, "भय" शब्द का अर्थ किसी अन्य व्यक्ति के प्रति पूजा, सम्मान, विस्मय, या आज्ञाकारिता का दृष्टिकोण भी हो सकता है, आमतौर पर कोई शक्तिशाली जैसे परमेश्वर या कोई राजा। शब्द "डर" अत्यधिक या गहन भय को संदर्भित करता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “भय मानना” का अनुवाद हो सकता है, “डरना” या “गहरा सम्मान करना” या “आदर करना” या “श्रद्धा से पूर्ण होना”
* “डरना” का अनुवाद “भयभीत” या “डरा हुआ” या “भयातुर” भी हो सकता है।
* “सब पर परमेश्वर का भय छा गया” इस वाक्य का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “अकस्मात ही सबमें परमेश्वर के प्रति गहरा सम्मान और श्रद्धा उत्पन्न हो गई” या “सब अकस्मात ही विस्मित होकर परमेश्वर के प्रति गहरे सम्मान से अभिभूत हो गए” या “उसी समय वे सब परमेश्वर से बहुत डर गए”।

(यह भी देखें: [अचम्भा](../other/amazed.md), [यहोवा](https://create.translationcore.com/kt/yahweh.md), [प्रभु](../kt/lordgod.md), [चमत्कार](https://create.translationcore.com/other/awe.md), [सामर्थ्य](https://create.translationcore.com/kt/power.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 04:17-18
* प्रे.का. 02:43-45
* प्रे.का. 19:15-17
* उत्पत्ति 50:18-21
* यशायाह 11:3-5
* अय्यूब 06:14-17
* योना 01:8-10
* लूका 12:4-5
* मत्ती 10:28-31
* नीतिवचन 10:24-25

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H367, H926, H1204, H1481, H1672, H1674, H1763, H2119, H2296, H2727, H2729, H2730, H2731, H2844, H2849, H2865, H3016, H3025, H3068, H3372, H3373, H3374, H4032, H4034, H4035, H4116, H4172, H6206, H6342, H6343, H6345, H6427, H7264, H7267, H7297, H7374, H7461, H7493, H8175, G870, G1167, G1168, G1169, G1630, G1719, G2124, G2125, G2962, G5398, G5399, G5400, G5401

### डर, डराएँगे, दहशत, भयंकर, डराएँ, घबरा गए, भयानक

#### परिभाषा:

“डर” शब्द अत्यंत भय को व्यक्त करता है। किसी को “डराना” अर्थात उसे भयभीत करना।

“डर” किसी वस्तु या मनुष्य द्वारा उत्पन्न भय भी होता है। डर का एक उदाहरण हमलावर दुश्मन सेना या महामारी या बीमारी है जो व्यापक है, कई लोगों की हत्या कर सकता है।

इन भयावहों को "भयानक" के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “भय-कारण” या “आतंक-उत्पादक।”

परमेश्वर का न्याय एक दिन मन न फिराने वाले मनुष्यों में जो उसके अनुग्रह को अस्वीकार करते हैं, भय उत्पन्न करेगा।

“यहोवा का भय” का अनुवाद “यहोवा की भयावह उपस्थिति” या “यहोवा का भयानक न्याय” या “जब यहोवा अत्यंत भय उत्पन्न करता है।” हो सकता है।

'आतंक' का अनुवाद करने के तरीके में "अत्यधिक भय" या "गहरा भय" शामिल हो सकता है।

(यह भी देखें: [बैरी](../other/adversary.md), [भय](../kt/fear.md), [न्याय](../kt/judge.md), [महामारी](../other/plague.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* व्यवस्थाविवरण 02:24-25
* निर्गमन 14:10-12
* लूका 21:7-9
* मरकुस 06:48-50
* मत्ती 28:5-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H367, H926, H928, H1091, H1161, H1204, H1763, H2111, H2189, H2283, H2731, H2847, H2851, H2865, H3372, H3707, H4032, H4048, H4172, H4288, H4637, H6184, H6206, H6343, H6973, H8541, G1629, G1630, G2258, G4422, G4426, G5401

### ढाल, ढाल, ढाल

#### परिभाषा:

ढाल, सैनिक द्वारा हाथ में पकड़ने का अस्त्र जिससे वह शत्रु के वार से बचता है। “किसी की ढाल होना” अर्थात उसे हानि से बचाना।

* ढाल, आकार में गोल या अण्डाकार होती थी और चमड़े, लकड़ी या धातु की बनी होती थी और तलवार का वार और तीर आदि को रोकने के लिए अत्यधिक कठोर होती थी।
* इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लेते हुए, बाइबल परमेश्वर को उसके लोगों की सुरक्षात्मक कवच कहा गया है। (देखें: उपमा)
* पौलुस “विश्वास की ढाल” उक्ति का उपयोग करता है, यह एक रूपक है जिसका अर्थ है, यीशु में विश्वास करना और परमेश्वर की आज्ञा मानकर उस विश्वास का जीवन जीना, विश्वासियों को शैतान के वार से बचाता था।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/faith.md), [आज्ञापालन](../other/obey.md), [शैतान](../kt/satan.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 राजा 14:25-26
* 2 इतिहास 23:8-9
* 2 शमूएल 22:36-37
* व्यवस्थाविवरण 33:29
* भजन-संहिता 018:35-36

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2653, H3591, H4043, H5437, H5526, H6793, H7982, G2375

### ढूँढ़े, ढूँढ़ते हैं, खोजना, मांगा

#### परिभाषा:

"खोजना" अर्थात किसी वस्तु या मनुष्य की तलाश करना। इस क्रिया शब्द का भूतकाल है "खोजा।"" इस शब्द का लाक्षणिक प्रयोग भी किया गया है जिसका अर्थ है, किसी काम को करने का या किसी वस्तु को मांगने का "प्रयास करना" या "परिश्रम करना।"

* “खोज करना” या “प्रतीक्षा करना” अर्थात् किसी विशेष काम को करने के अवसर का अर्थ हो सकता है, किसी काम को करने के लिए "समय निकालने का प्रयास” करना।
* “यहोवा की खोज करना” अर्थात् “यहोवा को जानने और उसकी आज्ञा मानने के प्मेंरशिक्षण में समय और ऊर्जा लगाना।"
* “सुरक्षा खोजना” अर्थात् “किसी मनुष्य या स्थान को ढूंढने का प्रयास करना कि संकट से बचाए जाएं।"
* “न्याय खोजना” अर्थात् “मनुष्य के साथ न्याय और निष्पक्षता के व्यवहार को देखने का प्रयास करना।"
* “सत्य की खोज करना” अर्थात् “सत्य क्या है जानने का प्रयास करना।"
* “अनुग्रह की खोज करना” अर्थात् “कृपा पात्र बनने का अविलम्ब निवेदन करना” या “ऐसे काम करना कि किसी से सहायता मिले।"

(यह भी देखें: [न्यायी](../kt/justice.md), [सच](../kt/true.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 10:14
* प्रे.का. 17:26-27
* इब्रानियों 11:06
* लूका 11:09
* भजन संहिता 027:08

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H579, H1156, H1239, H1243, H1245, H1556, H1875, H2470, H2603, H2658, H2664, H2713, H3289, H7125, H7592, H7836, H8446, G327, G1567, G1934, G2052, G2212

### तलवार, तलवारें, तलवार रखनेवाले

#### परिभाषा:

एक तलवार सपाट ब्लेड, धातु का एक हथियार होता है जो काटने या घोंपने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एक बहुत तेज काटने वाले किनारे के साथ एक लम्बा धार ब्लेड और एक कुंदा होता है ।

प्राचीन युग में तलवार के ब्लेड की लंबाई लगभग 60 से 91 सेंटीमीटर थी। कुछ तलवारों में दोनों ओर धार लगी होती है जिन्हें दोधारी तलवार कहते हैं।

* यीशु के शिष्यों ने स्वयं की रक्षा के लिए तलवारें रखते थे । पतरस अपनी तलवार चलाकर महायाजक के सेवक का कान काट दिया था

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला और प्रेरित याकूब दोनों का सिर तलवार से काटा गया था।

#### अनुवाद के सुझाव

एक तलवार परमेश्वर के शब्द के लिए एक रूपक के रूप में प्रयोग किया जाता है । बाइबिल में परमेश्वर की शिक्षाओं ने लोगों के अंदरूनी विचारों को उजागर किया और उन्हें अपने पापों के दोषी ठहराया। इसी प्रकार एक तलवार गहराई से कटती है, पीड़ा उत्पन्न करता है।

* इस आलंकारिक उपयोग का अनुवाद करनेका एक तरीका हो सकता है, “परमेश्वर का वचन तलवार जैसा है जो गहरा वार करके पाप को प्रकट करता है”।
* इस पद का एक अन्य आलंकारिक उपयोग भजन संहिता में हुआ है, जहां किसी व्यक्ति की जीभ या भाषण की तुलना तलवार से होती है, जो लोगों को घायल कर सकती है। इसका अनुवाद किया जा सकता है "जीभ एक तलवार की तरह है जो किसी को बुरी तरह से घायल कर सकती है।"
* अगर आपकी संस्कृति में तलवारें नहीं जानी जाती हैं, तो इस शब्द का अनुवाद एक लंबे मोहरे हथियार के नाम से किया जा सकता है जिसका इस्तेमाल काटने या भोंकने के लिए किया जाता है।

तलवार का अनुवाद “धारवाला हथियार” या “लम्बी छुरी” भी किया जा सकता है। कुछ अनुवादों में तलवार का चित्र देना भी उचित हो सकता है।

(यह भी देखें: [याकूब (यीशु का भाई)](../names/jamesbrotherofjesus.md), [युहन्ना (बपतिस्मा देनेबाला)](../names/johnthebaptist.md), [जीभ](../other/tongue.md), [परमेश्वर का बचन](../kt/wordofgod.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 12:1-2
* उत्पत्ति 27:39-40
* उत्पत्ति 34:24-26
* लूका 02:33-35
* लूका 21:23-24
* मत्ती 10:34-36
* मत्ती. 26:55-56
* प्रकाशितवाक्य 01:14-16

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H19, H1300, H2719, H4380, H6609, H7524, H7973, G3162, G4501

### तिर्सा

#### तथ्य:

तिर्सा एक महत्त्वपूर्ण कनानी नगर था जिसे इस्राएल ने जीत लिया था। यह गिलाद की बेटी का नाम भी था, जो मनश्शे के वंशज थे।

* तिर्सा नगर मनश्शे के गोत्र के भू-भाग में था। माना जाता है कि यह नगर शकेम के उत्तर में लगभग 10 मील दूर था।
* साल बाद, इस्राएल के चार राजाओं के शासनकाल के दौरान, तिर्सा , इस्राएल के उत्तरी राज्य का एक अस्थायी राजधानी बन गया।
* तिर्सा मनश्शे की पोतियों में से एक का नाम था। उनके पिता की मृत्यु के बाद से जमीन का एक हिस्सा देने के लिए कहा और क्योंकि उनके पिता का कोई बेटा नहीं था जैसा सामान्य रिवाज था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [अधिकारी होना](../kt/inherit.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [मनश्शे](../names/manasseh.md), [शेकेम](../names/shechem.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* गिनती 27:1
* गिनती 36:10-12
* श्रेष्ठगीत 06:4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8656

### तुरही, तुरहियां, तुरही फूँकनेवालों

#### परिभाषा:

“तुरही” संगीत के लिए या लोगों को घोषणा या सभा के लिए एकत्र करने के लिए वाद्ययन्त्र था।

* तुरही सामान्यतः धातु, शंख या पशु के सींग से बनाई जाती थी।
* तुरही युद्ध के लिए या इस्राएल की सार्वजनिक सभा के लिए फूंकी जाती थी।
* प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के दृश्य का वर्णन किया गया है जब स्वर्गदूत तुरही फूंकेंगे जो पृथ्वी का परमेश्वर के प्रकोप को उण्डेले जाने का संकेत होगा।

(यह भी देखें: [स्वर्गदूत](../kt/angel.md), [सभा](../other/assembly.md), [पृथ्वी](../other/earth.md), [सींग](../other/horn.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [प्रकोप](../kt/wrath.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 13:7-8
* 2 राजा 09:11-13
* निर्गमन 19:12-13
* इब्रानियों 12:18-21
* मत्ती 06:1-2
* मत्ती 24:30-31

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2689, H2690, H3104, H7782, H8619, H8643, G4536, G4537, G4538

### तेल

#### परिभाषा:

तेल एक मोटा तरल पदार्थ है जो पौधों से निकाला जाता है। बाइबल के युग में जैतून का तेल अधिकतर काम में लिया जाता था।

* जैतून का तेल पकाने, अभिषेक करने, बलि चढ़ाने, दीपक जलाने और औषधियों के निर्माण में काम में लिया जाता था।
* प्राचीन युग में जैतून के तेल बहुमूल्य था और तेल का संग्रह धन का मापक माना जाता था।
* सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद पकाने के तेल का अभिप्राय प्रकट करे न कि, गाड़ियों में डालने वाले तेल का। कुछ भाषाओं इन अलग-अलग तेलों के लिए अलग अलग शब्द है।

(यह भी देखें: [जैतून](../other/olive.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 शमूएल 01:21-22
* निर्गमन 29:1-2
* लैव्यव्यवस्था 05:11
* लैव्यव्यवस्था 08:1-3
* मरकुस 06:12-13
* मत्ती 25:7-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1880, H2091, H3323, H4887, H6671, H7246, H8081, G1637, G3464

### त्याग, त्यागना, छोड़ना

#### Definition:

"त्याग" शब्द का अर्थ किसी को त्यागना या छोड़ देना है। किसी को "त्याग दिया गया" किसी के द्वारा छोड़ दिया गया है या छोड़ दिया गया है।

* जब लोग परमेश्वर को त्याग देते हैं, तो वे उसकी अवज्ञा करके उसके साथ विश्वासघात कर रहे होते हैं।
* जब परमेश्वर “लोगों” का त्याग करता है, तो उसने उनकी मदद करना बंद कर दिया है और उन्हें दुख का अनुभव करने की अनुमति दी है ताकि वे उनके पास वापस आ सकें।
* इस शब्द का अर्थ यह भी हो सकता है कि किसी का त्याग करना, जैसे कि छोड़ना, या परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन न करना।
* "त्याग दिया" शब्द का उपयोग भूत काल में किया जा सकता है, जैसे कि "वह आपको छोड़ दिया है" या किसी ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में जो "भूल गया हो।"

#### Translation Suggestions:

* इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में संदर्भ के आधार पर "परित्याग" या "उपेक्षा" या "छोड़ देना" या "पीछे हटना" या "पीछे छोड़ना" शामिल हो सकता है।
* "त्याग" करने के लिए परमेश्वर की आज्ञाओं का अनुवाद "परमेश्वर की आज्ञाओं की अवज्ञा" के रूप में किया जा सकता है। इसका अनुवाद “परित्याग” या “हार मानने” या “उसकी आज्ञा मानने से रोकने” के रूप में भी किया जा सकता है
* वाक्यांश "छोड़ दिया जाए" का अनुवाद "त्यागा हुआ" या "निर्जन किया जा सकता है।"
* इस शब्द का अनुवाद करने के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अधिक स्पष्ट है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि पाठ किसी वस्तु या व्यक्ति का त्याग करता है या नहीं।

#### Bible References:

* 1 Kings 06:11-13
* Daniel 11:29-30
* Genesis 24:27
* Joshua 24:16-18
* Matthew 27:45-47
* Proverbs 27:9-10
* Psalms 071:18

#### Word Data:

* Strong’s: H488, H2308, H5203, H5428, H5800, H5805, H7503, G646, G657, G863, G1459, G2641,

### दण्ड

#### परिभाषा:

“दण्ड ” शब्द का संदर्भ दण्ड के न्याय से है जिसमें योजना या बचने की संभावना कदापि नहीं होती है।

* इस्राएलियों को बेबीलोन में बन्दी बनाकर ले जाया गया था, तब भविष्यद्वक्ता ने कहा था, “हम पर विनाश आ पड़ा है”।
* प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “आपदा” या “दण्ड” या “आशारहित विनाश”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यहेजकेल 07:5-7
* यहेजकेल 30:8-9
* यशायाह 06:4-5
* भजन संहिता 092:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1820, H3117, H6256, H6843, H8045

### दण्डवत्, झुक गया, दण्डवत् किया, झुकने, दण्डवत् करना, दण्डवत् करे, दण्डवत् किया, दण्डवत् करते रहे

#### परिभाषा:

“दण्डवत्” करने का अर्थ है किसी को सम्मान या श्रद्धा अर्पित करने के लिए दीनता पूर्वक झुकना। “दण्डवत् करना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या घुटनों पर गिरना जिसमें मुख और हाथ भूमि की ओर हों।

* अन्य अभिव्यक्तियों में “घुटने भूमि पर टिकाना” और “सिर झुकाना” (सिर को दीनता पूर्वक सम्मान में आगे की ओर झुकना या दुःख में ऐसा करना)
* “दण्डवत् करना” निराशा और शोक का चिन्ह भी होता है। जिसने “घुटने टेके” वह दीनता की हीन दशा में होता है।
* मनुष्य प्रायः ऊंचे पद या ऊंचे स्तर के मनुष्य के समक्ष घुटने टेकता है जैसे राजाओं और शासकों को।
* परमेश्वर के समक्ष घुटने टेकना उसकी आराधना की अभिव्यक्ति है।
* बाइबल में लोग यीशु के समक्ष घुटने टेकते थे जब उन्हें उसके आश्चर्यकर्मों एवं शिक्षा से यह बोध होता था कि वह परमेश्वर की ओर से भेजा गया है।
* बाइबल में लिखा है कि जब यीशु पुनः आएगा तब हर एक मनुष्य उसकी आराधना में घुटने टेकेगा

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार इस उक्ति का अनुवाद एक ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ है “आगे को झुकना” या “सिर झुकाना” या “घुटने टेकना”।
* “घुटने टेकने” का अनुवाद “घुटनों पर गिरना” या “दण्डवत् करना” हो सकता है।
* कुछ भाषाओं में इसके अनुवाद की एक से अधिक विधियां हो सकती हैं जो प्रकरण पर निर्भर करती हैं।

(यह भी देखें: [दीन](../kt/humble.md), [आराधना](../kt/worship.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 05:17-19
* निर्गमन 20:4-6
* उत्पत्ति 24:26-27
* उत्पत्ति 44:14-15
* यशायाह 44:19
* लूका 24:4-5
* मत्ती 02:11-12
* प्रकाशितवाक्य 03:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H86, H3721, H3766, H5186, H5753, H5791, H6915, H7743, H7812, H7817, G1120, G2578, G2827, G4781, G4794

### दण्डवत् करना, दण्डवत् किया

#### परिभाषा:

“दण्डवत्” का अर्थ है मुंह के बल भूमि पर सीधा गिरना।

* किसी को “दण्डवत् करना” या “मुंह के बल भूमि पर गिरना” का अर्थ है बहुत अधिक झुकना या किसी के समक्ष झुकना।
* दण्डवत करने की यह मुद्रा प्रायः विस्मय, आश्चर्य और भय की प्रतिक्रिया है, किसी अलौकिक घटना के कारण। इसमें जिसको दण्डवत् किया जा रहा है उसके प्रति सम्मान और आदर का प्रदर्शन भी है।
* दण्डवत् करना परमेश्वर की आराधना विधि भी थी। मनुष्य यीशु के चमत्कार या गुरू रूप में उसके आदर हेतु धन्यवाद के साथ ऐसी प्रतिक्रिया दिखाते थे।
* प्रकरण के अनुसार “दण्डवत् ” का अनुवाद हो सकता है, “भूमि पर चेहरा करके झुकना” या “उसके सामने मुंह के बल गिरकर आराधना करना” या “विस्मय के कारण भूमि पर मुंह के बल गिरना” या “आराधना करना”।
* “हम दण्डवत् नहीं करेंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “आराधना नहीं करेंगे” या “आराधना में मुंह के बल नहीं गिरेंगे” या “हम आराधना में नहीं झुकेंगे”।
* “को दण्डवत् करना” का अनुवाद हो सकता है, “आराधना करना” या “सामने झुकना”

(यह भी देखें: [आह](../other/awe.md), [दण्डवत् करना](../other/bow.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 17:36-38
* उत्पत्ति 43:28-29
* प्रकाशितवाक्य 19:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5307, H5457, H6440, H6915, H7812, G4098

### दमिश्क

#### तथ्य:

दमिश्क सीरिया की राजधानी है। यह नगर आज भी वहीं है जहां वह बाइबल युग में था।

* दमिश्क प्राचीनतम, निरन्तर आवासीय नगर है।
* अब्राहम के युग में दमिश्क अराम राज्य की राजधानी था। अराम राज्य आज के सीरिया में था।
* संपूर्ण पुराने नियम में दमिश्क के निवासियों और इस्राएली प्रजा के मध्य पारस्परिक क्रिया के अनेक संदर्भ हैं।
* बाइबल में अनेक भविष्यद्वाणियां दमिश्क के विनाश की हैं। ये भविष्यद्वाणियां संभवतः उस समय पूरी हो गई थी जब पुराने नियम के युग में अश्शूरों ने उस नगर को ध्वंस किया था, या भविष्य में इस नगर का पूर्ण विनाश होगा।
* नये नियम में फरीसी शाऊल (पौलुस) मसीही विश्वासियों को बन्दी बनाने के लिए जब दमिश्क नगर जा रहा था तब मसीह यीशु उस पर प्रकट और उसे अपना विश्वासी बनाया।

(यह भी देखें: [अराम](../names/aram.md), [अश्शूर](../names/assyria.md), [विश्वास](../kt/believer.md), [सीरिया](../names/syria.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 24:23-24
* प्रे.का. 09:1-2
* प्रे.का. 09:3-4
* प्रे.का. 26:12-14
* गलातियों 01:15-17
* उत्पत्ति 14:15-16

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1833, H1834, G1154

### दया, दयालु

#### परिभाषा:

“दया” और “दयालु” शब्दों का अर्थ है आवश्यकताग्रस्त मनुष्यों की सहायता करना विशेष करके जब वे दीन-दरिद्र हों।

* “दया” का अर्थ यह भी है कि मनुष्यों को उनकी गलती का दण्ड न देना।
* कोई सामर्थी मनुष्य जैसे राजा को “दयालु” कहा जाता है जब वह अपनी प्रजा को हानि पहुंचाने की अपेक्षा उनके साथ दया का व्यवहार करता है।
* दयालु होने का अर्थ यह भी है कि किसी को हमारे साथ बुराई करने के लिए क्षमा कर देना।
* जब हम घोर आवश्यकता में फंसे मनुष्यों की सहायता करते हैं तब हम दया दर्शाते है।
* परमेश्वर हम पर दयालु है और चाहता है कि हम दूसरों के साथ भी दया का व्यवहार करें।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “दया” का अनुवाद “करूणा” या “अनुकंपा” या “सहानुभूति” भी किया जा सकता है।
* “दयालु” का अनुवाद “दया दिखाना” या “किसी पर कृपालु होना” या “क्षमाशील” होना।
* “दया दिखाना” या “दया करना” का अनुवाद “कृपालु व्यवहार करना” या “अनुकंपा दर्शाना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: [तरस](../kt/compassion.md), [क्षमा](../kt/forgive.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 पतरस 01:3-5
* 1 तीमुथियुस 01:12-14
* दानिय्येल 09:17-19
* निर्गमन 34: 5-7
* उत्पत्ति 19: 16-17
* इब्रानियों 10:28-29
* याकूब 02:12-13
* लूका 06:35-36
* मत्ती 09:27-28
* फिलिप्पियों 02:25-27
* भजन संहिता 041:4-6
* रोमियो 12:1-2

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर **दया** करना आरंभ करें।
* **19:17** एक बार यिर्मयाह भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और यिर्मयाह कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर **दया** की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
* **20:12** फारस का साम्राज्य बहुत ही सशक्त था परन्तु पराजित लोगों के प्रति **दयावान** था।
* **27:11** तब यीशु ने व्यवस्थापक से पूछा, “ तुम्हें क्या लगता है इन तीनों में से उसका पड़ोसी कौन ठहरा?” उसने उत्तर दिया, “ वही जिसने उस पर **दया** की।”
* **32:11** परन्तु यीशु ने उससे कहा, "नही, मैं चाहता हूँ कि तुम घर लौट जाओ और जाकर अपने मित्रों और परिवार के लोगों को वह सब बता जो परमेश्वर ने तुझ पर **दया** करके तेरे लिए कैसे बड़े बड़े काम किए हैं |
* **34:09** पर चुंगी लेने वाला फरीसी दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आँखें उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट-पीटकर कहा, ‘हे परमेश्वर मुझ पर **दया** कर क्योंकि मैं पापी हूँ।’”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2551, H2603, H2604, H2616, H2617, H2623, H3722, H3727, H4627, H4819, H5503, H5504, H5505, H5506, H6014, H7349, H7355, H7356, H7359, G1653, G1655, G1656, G2433, G2436, G3628, G3629, G3741, G4698

### दाऊद

#### तथ्य:

दाऊद इस्राएल का दूसरा राजा था, वह परमेश्वर से प्रेम रखता था और उसकी सेवा करता था। भजन-संहिता का मुख्य लेखक वही था।

* दाऊद अपने परिवार की भेड़ें चराते समय किशोर ही था कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल का दूसरा राजा होने के लिए चुन लिया था।
* दाऊद एक महान योद्धा था और उसने शत्रुओं के विरूद्ध अनेक युद्धों में इस्राएल का नेतृत्व किया था। पलिश्ती गोलियत जैसे दानव का वध करने के लिए वह प्रसिद्ध है।
* राजा शाऊल ने दाऊद की हत्या करने का प्रयास किया परन्तु परमेश्वर ने उसे सुरक्षित रखा और शाऊल के मृत्यु के बाद उसे राजा बनाया।
* दाऊद ने प्रायश्चित किया तो परमेश्वर ने उसका भयानक पाप क्षमा कर दिया था।
* मसीह यीशु को “दाऊद की सन्तान” कहा गया है क्योंकि वह दाऊद का वंशज था।

(यह भी देखें: [गोलियत](../names/goliath.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md), [शाऊल (पुराना नियम)](../names/saul.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 17:12-13
* 1 शमूएल 20:32-34
* 2 शमूएल 05:1-2
* 2 तीमुथियुस 02:8-10
* प्रे.का. 02:25-26
* प्रे.का. 13:21-22
* लूका 01:30-33
* मरकुस 02:25-26

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:02** शाऊल के स्थान पर परमेश्वर ने एक जवान इस्राएली को चुना जिसका नाम **दाऊद** था। बैतलहम नगर में **दाऊद** एक चरवाहा था। ... दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
* **17:03** **दाऊद** एक बहुत ही महान सैनिक और अगुआ था। जब **दाऊद** एक जवान युवक था, वह गोलियत नामक दानव के विरुद्ध भी लड़ा।
* **17:04** शाऊल यह देख कि लोग **दाऊद** को प्रेम करते है उससे ईर्ष्या रखने लगा। शाऊल ने दाऊद को मारने का कई बार प्रयास किया, इस कारण **दाऊद** शाऊल से छिप रहा था।
* **17:05** परमेश्वर ने **दाऊद** को आशीर्वाद दिया और उसे सफल बनाया। **दाऊद** ने बहुत से युद्ध लड़े और परमेश्वर ने उसकी सहायता की इस्राएल के शत्रुओं को पराजित करने में।
* **17:06** **दाऊद** चाहता था कि वह एक मंदिर का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
* **17:09** **दाऊद** ने कई वर्षों तक न्याय व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया। हालांकि, अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में उसने परमेश्वर के विरुद्ध भयानक अपराध किया।
* **17:13** **दाऊद** ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है। **दाऊद** को अपने किए हुए अपराधों पर पश्चाताप हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया। अपने बाकी बचे हुए जीवन में, **दाऊद** ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किया, यहाँ तक कि कठिन समय में भी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1732, G1138

### दाऊद के घराने

#### तथ्य:

“दाऊद के घराने” का अर्थ है राजा दाऊद के वंशज या उसका परिवार।

* इसका अनुवाद “दाऊद के वंशज” या “दाऊद का परिवार” या “राजा दाऊद का कुल” हो सकता है
* क्योंकि यीशु दाऊद का वंशज था वह “दाऊद के घराने” का था।
* कभी-कभी “दाऊद का घराना” या “दाऊद का वंश” दाऊद के जीवित वंशजों के संदर्भ में भी है।
* अन्यथा यह उक्ति सामान्यतः उसके सब वंशजों के संदर्भ मे है, जो मर गए उनके भी।

(यह भी देखें: [दाऊद](../names/david.md), [वंशज](../other/descendant.md), [घराना](../other/house.md), [यीशु](../kt/jesus.md), [राजा](../other/king.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 11:4-6
* 2 शमूएल 03:6-7
* लूका 01:69-71
* भजन संहिता 122:4-5
* जकर्याह 12:7-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1004, H1732, G1138, G3624

### दाऊद के नगर

#### तथ्य:

"दाऊद के नगर" यरूशलेम और बैतलहम दोनों शहरों का दूसरा नाम है।

* यरूशलेम वह नगर है जिसमें दाऊद इस्राएल पर राज करते समय रहता था।
* बैतलहम वह नगर था जहां दाऊद का जन्म हुआ था।

(यह भी देखें: [दाऊद](../names/david.md), [बैतलहम](../names/bethlehem.md), [यरूशलेम](../names/jerusalem.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 08:1-2
* 2 शमूएल 05:6-7
* यशायाह 22:8-9
* लूका 02:4-5
* नहेम्याह 03:14-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1732, H5892, G1138, G4172

### दाखमधु, दाखमधु

#### परिभाषा:

“दाखमधु” मदिरा के संदर्भ में काम में लिया गया शब्द है जिसमैं में शराब है। मदिरा अन्न या फलों से बनाई जाती है जिसका किण्वन किया जाता है।

* "मजबूत पेय" के प्रकार में दाखरस, ताड़ वाइन, बीयर और सेब साइडर शामिल हैं। बाइबिल में, दाखरस सबसे अधिक बार उल्लेख किया जाने वाला दाखमधु था।
* याजक या नाजीर मनुष्य को किसी भी प्रकार का खमीर किया गया पेय वर्जित था।
* इस शब्द को "किण्वित पेय" या "शराबी पेय" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [अंगूर](../other/grape.md), [नाजीर](../kt/nazirite.md), [मन्नत](../kt/vow.md) , [दाखरस](../other/wine.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* यशायाह 05:11-12
* लैव्यव्यवस्था 10:8-11
* लूका 01:14-15
* गिनती 06:1-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5435, H7941, G4608

### दाखरस, कुण्ड, कुण्डों, दाखरस, मशक, मशकों, नई दाखरस

#### परिभाषा:

बाइबल में, "दाखरस" शब्द एक प्रकार का किण्वत पीने का जो एक फल के रस से बनता है जिसे अंगूर कहते हैं। दाखमधु मशकों में रखा जाता था। मशक पशु की खाल से बनी थैली होती थी।

* “नया दाखरस” अर्थात् अंगूर का ताजा रस जिसका किण्वन नहीं किया गया है। कभी-कभी दाखमधु किण्वत रहित दाखरस को भी कहते थे।
* दाखरस निकालने के लिए अंगूरों को कुण्ड में कुचला जाता है ताकि उनका रस निकले। रस का किण्वन किया जाता था कि उसका मद्यसार बने।
* बाइबल के युग में दाखमधु भोजन के साथ एक सामान्य पेय पदार्थ था। उसमें मद्य की मात्रा उतनी नहीं होती थी जितनी आज की दाखरस में होती है।
* भोजन के समय परोसी गई मदिरा में प्रायः पानी मिलाया गया होता था।
* पुरानी मशक कड़क होकर भंगुरावस्था में आ जाती थी जिसकी दरारों में से दाखरस बह जाता था। नई मशकें कोमल एवं लचीली होती थी अर्थात वे फटती नहीं थी और दाखरस को सुरक्षित रखने के लिए उचित थी।
* यदि आपकी संस्कृति में दाखरस नहीं जानी जाती है तो इसका अनुवाद “किण्वन किया हुआ अंगूर का रस” कह सकते हैं या “अंगूर के फलों से किण्वन किया हुआ रस” या “किण्वन किया हुआ फलों का रस”
* “मशक” का अनुवाद “मदिरा की थैली” या “पशु की खाल मदिरा का थैला” या “पशु की खाल मदिरा का पात्र”।

(यह भी देखें: [अंगूर](../other/grape.md), [दाखलता](../other/vine.md), [दाख की बारी](../other/vineyard.md), [दाखरस के कुण्ड](../other/winepress.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 तीमुथियुस 05:23
* उत्पत्ति 09:21
* उत्पत्ति 49:12
* यूहन्ना 02:3-5
* यूहन्ना 02:10
* मत्ती 09:17
* मत्ती 11:18

नष्ट करना

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H2561, H2562, H3196, H4469, H4997, H5435, H6025, H6071, H8492, G1098, G3631, G3820, G3943

### दाखरस के कुण्ड

#### परिभाषा:

बाइबल में दाखरस के कुण्ड वह स्थान था जहाँ दाख का रस निकाला जाता था कि दाखरस तैयार किया जाए।

* इस्राएल दाख के ये कुण्ड भूमि में बनाए गए बड़े और चौड़े गड्ढे होते थे। दाख के गुच्छे इन गड्ढों में डालकर पांवों से रौंदे जाते थे कि रस बह निकले।
* आमतौर पर एक दाखरस के कुंड का दो स्तर होता है, शीर्ष स्तर पर अंगूरों को कुचल दिया जाता है, जिससे कि रस निचले स्तर पर चला जाएगा जहां यह एकत्र किया जा सकता है।

यह शब्द प्रतीकात्मक रूप बाइबल में दुष्ट लोगों पर का परमेश्वर के प्रकोप के उण्डेले जाने का संदर्भ भी देता हे।

(यह भी देखें: [अंगूर](../other/grape.md), [प्रकोप](../kt/wrath.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यशायाह 63:1-2
* मरकुस 12:1-3
* मत्ती 21:33-34
* प्रकाशितवाक्य 14:19-20

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1660, H3342, H6333, G3025, G5276

### दाखलता, दाखलताओं

#### परिभाषा:

शब्द "बेल" एक पौधे को संदर्भित करता है जो जमीन के साथ पिछड़े हुए या पेड़ों और अन्य संरचनाओं पर चढ़ने से बढ़ता है। बाइबल में “दाखलता” शब्द केवल फल लानेवाली लता के लिए काम में लिया गया है और अधिकतर दाखलता के लिए काम में लिया गया है।

* बाइबल में "दाखलता" अधिकतर “अंगूर की बेल” के संदर्भ में काम में लिया गया है।
* अंगूर की शाखाएं मुख्य तने से जुड़ी होती हैं जो उन्हें पानी और अन्य पोषक तत्व देती हैं ताकि वे बढ़ सकें।
* यीशु ने स्वयं को “दाखलता” और विश्वासियों को “डालियाँ” कहा है। यहाँ “दाखलता” का अनुवाद हो सकता है “दाखलता की डाली” या “शाखा”।

(यह भी देखें: [अंगूर](../other/grape.md), [दाख की बारी](../other/vineyard.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 40:9-11
* उत्पत्ति 49:11-12
* यूहन्ना 15:1-2
* लूका 22:17-18
* मरकुस 12:1-3
* मत्ती 21:35-37

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5139, H1612, H8321, G288, G290, G1009, G1092

### दान, भेंटों

#### परिभाषा:

“दान” अर्थात किसी को दी गई या चढ़ाई गई वस्तु। दान देने में बदले में किसी बात के लिए जाने की या किसी वस्तु के दिए जाने की आशा नहीं की जाती है।

* पैसा, भोजन, वस्त्र आदि गरीबों को दिए जाते हैं तो उन्हें “दान” कहते हैं।
* बाइबल में परमेश्वर को चढ़ाई गई वस्तु या बलि को “भेंट” कहते हैं।
* उद्धार का दान परमेश्वर यीशु में विश्वास के द्वारा हमें देता है।
* नये नियम में शब्द “वरदान” जो परमेश्वर द्वारा दी गई विशेष आत्मिक क्षमताएं हैं जो परमेश्वर विश्वासियों को अन्य लोगों की सेवा के निमित्त देता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “भेंट” को सामान्य शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति से किया जाए जिसका अर्थ हो, “दी गई कोई वस्तु।”
* मनुष्य की योग्यता या वरदान के संदर्भ में जो परमेश्वर देता है, “पवित्र-आत्मा का वरदान” इसका अनुवाद हो सकता है, “आत्मिक क्षमता” या “पवित्र-आत्मा से प्राप्त विशेष क्षमता” या “परमेश्वर प्रदत्त विशेष आत्मिक प्रवीणता।”

(यह भी देखें: [आत्मा](../kt/spirit.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 12:1-3
* 2 शमूएल 11:6-8
* प्रे.का. 08:20-23
* प्रे.का. 10:3-6
* प्रे.का. 11:17-18
* प्रे.का. 24:17-19
* याकूब 01:17-18
* यूहन्ना 04:9-10
* मत्ती 05:23-24
* मत्ती 08:4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H814, H4503, H4864, H4976, H4978, H4979, H4991, H5078, H5083, H5379, H7810, H8641, G334, G1390, G1394, G1431, G1434, G1435, G3311, G5486

### दान

#### तथ्य:

दान याकूब का पांचवां पुत्र था और इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक था। कनान के उत्तरी भाग में जहां यह गोत्र बस गया था उस स्थान का नाम भी दान पड़ गया था।

* अब्राहम के युग में यरूशलेम के पश्चिम में एक नगर का नाम भी दान था।
* वर्षों बाद जब इस्राएली प्रतिज्ञा के देश में आए तब यरूशलेम के उत्तर में 60 मील दूर एक नगर का नाम दान था।
* “दानियों” शब्द दान के वंशजों के संदर्भ में है जो इसी कुल के सदस्य थे।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [यरूशलेम](../names/jerusalem.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 12:34-35
* 1 राजा 04:24-25
* निर्गमन 01:1-5
* उत्पत्ति 14:13-14
* उत्पत्ति 30:5-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1835, H1839, H2051

### दान

#### परिभाषा:

“दान” अर्थात गरीबों की सहायता के लिए पैसा, भोजन तथा अन्य वस्तुएं देना।

* दान करना अधिकतर धार्मिकता हेतु धर्म की अनिवार्यताओं में होता था।
* यीशु ने कहा कि दान देना मनुष्यों को दिखाने के लिए नहीं होना है।
* इस शब्द का अनुवाद “पैसा” या “गरीबों को देना” या “गरीबों की सहायता” हो सकता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 03:1-3
* मत्ती 06:1-2
* मत्ती 06:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: G1654

### दिन, दिनों

#### परिभाषा:

“दिन” वास्तव में 24 घन्टे का समय होता है जिसका आरंभ सूर्यास्त से होता था। इसका उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया जाता था। जो आकाश में प्रकाश और अंधेरे की बारीक अवधि के लिए लगने वाले समय को संदर्भित करता है। हालाँकि, बाइबल में एक ही शब्द का उपयोग अक्सर छोटी अवधि (जैसे सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच का समय) या एक लंबी अवधि के लिए किया जाता है, जो अक्सर निर्दिष्ट नहीं होती है।

"दिन" का उपयोग कभी-कभी "रात" के विपरीत किया जाता है। इन मामलों में, शब्द उस समय की अवधि को संदर्भित करता है जब आकाश प्रकाशित होता है।

यह शब्द किसी विशिष्ट बिंदु को भी संदर्भित कर सकता है, जैसे कि "आज।"

कभी-कभी “दिन” शब्द का उपयोग रूपक-स्वरूप एक लम्बे समय के लिए भी किया जाता था जैसे “यहोवा का दिन” या “अन्तिम दिनों” कुछ भाषाओं में इन रूपकों के अनुवादों में भिन्न-भिन्न शब्दों का उपयोग करती हैं या “दिन” का अनुवाद रूपक स्वरूप नहीं करती हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

इस शब्द का "दिन" या "दिन के समय" के रूप में अनुवाद करना सबसे अच्छा है, अपनी भाषा में उस शब्द का उपयोग करना जो प्रकाश होने पर दिन के हिस्से को संदर्भित करता है।

“दिन” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “समय”, “ऋतु” या “अवसर” का “घटना” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: [दण्ड के दिन](../kt/judgmentday.md), [अन्तिम दिन](../kt/lastday.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 20:4-6
* दानिय्येल 10:4-6
* एज्रा 06:13-15
* एज्रा 06:19-20
* मत्ती 09:14-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3117, H3118, H6242, G2250

### दीन, विनम्र, नम्र बनाया, नम्रता

#### परिभाषा:

“दीन” शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया जाता है जो अपने आपको अन्यों से बड़ा नहीं समझता है। वह न तो घमण्डी है न अभिमानी है। दीनता दीन होने का गुण है।

* परमेश्वर के समक्ष दीन होने का अर्थ है परमेश्वर की महानता, बुद्धि और सिद्धता के समक्ष स्वयं की दुर्बलता एवं असिद्धता को समझना।
* मनुष्य यदि दीन बने तो वह स्वयं को कम महत्व के स्थान में रखता है।
* नम्रता का अर्थ है अपने से अधिक दूसरों की आवश्यकता की सुधि लेना।
* नम्रता का अर्थ यह भी है कि अपने वरदानों तथा योग्यताओं के उपयोग के समय किसी की सेवा में मर्यादा का पालन करना।
* “दीन बनो” का अनुवाद, “निराभिमान होना” हो सकता है।
* “परमेश्वर के सम्मुख दीन बनो” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर की महानता को ग्रहण करके अपनी इच्छा परमेश्वर के आधीन कर दो”।

(यह भी देखें: [घमंड](../other/proud.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* याकूब 01:19-21
* याकूब 03:13-14
* याकूब 04:8-10
* लूका 14:10-11
* लूका 18:13-14
* मत्ती 18:4-6
* मत्ती 23:11-12

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:02** दाऊद एक बहुत ही \_\_ नम्र\_\_ व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करता था।
* **34:10** “जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह(परमेश्वर)**छोटा** किया जाएगा, और जो अपने आप को **छोटा** बनाएगा, वह बड़ा किया जाएगा।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1792, H3665, H6031, H6035, H6038, H6041, H6800, H6819, H7511, H7807, H7812, H8213, H8214, H8215, H8217, H8467, G858, G4236, G4239, G4240, G5011, G5012, G5013, G5391

### दीन, छोटा होगा, दीनता

#### परिभाषा:

दीन और नम्रता का संदर्भ गरीब या दीन दशा से है। दीन होने का अर्थ “विनम्र” होने से भी है।

* यीशु मानव रूप धारण करने और मनुष्यों की सेवा करने तक दीन (शून्य) बना था।
* उसका जन्म दीन अवस्था में हुआ था क्योंकि वह राजमहल की अपेक्षा गौशाला में हुआ था।
* दीन स्वभाव अभिमान का विलोम है।
* “दीनता” के अनुवाद रूप है “विनम्र” या “दीन दशा” या “महत्वहीन”।
* “दीन दशा” का अनुवाद “दीनता” या “बहुत कम महत्व” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: [दीन](../kt/humble.md), [घमण्डी](../other/proud.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 20:17-21
* यहेजकेल 17:13-14
* लूका 01:48-49
* रोमियो 12:14-16

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6041, H6819, H8217, G5011, G5012, G5014

### दीपक, दीपकों

#### परिभाषा:

“दीपक” शब्द प्रकाश उत्पन्न करने का माध्यम होता है। बाइबल में जिन दीपकों की चर्चा की गई है वे तेल से जलते थे,

वह एक छोटी कटोरी होती थी जिसमें तेल डालकर जलाया जाता था कि प्रकाश उत्पन्न हो।

* साधारण दीया मिट्टी का बनता था जिसमें जैतून का तेल भरा जाता था, उसमें एक बत्ती रखकर जलाई जाती थी।
* कुछ दीए अण्डाकार होते थे जिनकी एक भुजा दबी होती थी जहां बत्ती रखी जाती थी।
* एक तेल की दीपक को लेकर चला जा सकता है या तो एक ऊँचे स्थान पर रखा जा सकता है ताकि इसकी रोशनी एक कमरे या घर को प्रकाशित कर सके।
* धर्म-शास्त्र में दीपक प्रतीकात्मक रूप में जीवन और ज्योति का प्रतीक है।

(यह भी देखें: [दीवट](../other/lampstand.md), [जीवन](../kt/life.md), [ज्योति](../other/light.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 11:34-36
* निर्गमन 25:3-7
* लूका 08:16-18
* मत्ती 05:15-16
* मत्ती 06:22-24
* मत्ती 25:1-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3940, H3974, H4501, H5215, H5216, G2985, G3088

### दीवट, दीवटों

#### परिभाषा:

बाइबल में “दीवट” शब्द उस रचना का संदर्भ होता है जिस पर दीपक रखा जाता था कि कमरे में प्रकाश व्याप्त हो।

* एक साधारण दीवट मिट्टी, लकड़ी या धातु का बना होता था (धातु जैसे तांबा, चांदी या सोना)
* यरूशलेम के मन्दिर में एक विशेष दीवट (दीपदान) था जिसमें सात दीपकों के लिए सात शाखाएं थी और वह सोने का था।

#### अनुवाद के सुझाव

* इस शब्द का अनुवाद “दीपक चौकी में” या “दीपक रखने की रचना” या “दीपदान” किया जा सकता है।
* मन्दिर के दीपदान का अनुवाद “सप्तदीपक पीठिका” या “सात दीपकों की सोने की चौकी” किया जा सकता है।
* अनुवाद के साथ दीवट का चित्र और बाइबल के संदर्भ में साप्तभुज दीपदान के चित्र देना की सहायक होगा।

(यह भी देखें: [तांबा](../other/bronze.md), [सोना](../other/gold.md), [दीया](../other/lamp.md), [दीप](../other/light.md), [चांदी](../other/silver.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* दानिय्येल 05:5-6
* निर्गमन 37:17-19
* मरकुस 04:21-23
* मत्ती 05:15-16
* प्रकाशितवाक्य 01:12-13
* प्रकाशितवाक्य 01:19-20

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4501, G3087

### दुःख, क्लेश, परेशान होना, सताना, सतानेवाले, उपद्रवी

#### परिभाषा:

“दुःख” जीवन की कठिनाइयों एवं निराशाओं का अनुभव। \* “क्लेश” अर्थात् किसी को “परेशान” करना या “कष्ट” देना।“परेशान होना” का अर्थ है किसी बात से घबराना एवं हताश होना।

* घबराना, शरीर, भावनाओं या आत्मिक दुःख के कारण हो सकता है।
* बाइबल में परमेश्वर विश्वासियों के विकास एवं परिपक्वता के लिए परखने के ऐसे समय उत्पन्न करता है।
* पुराने नियम में “दुःख” अनैतिक और परमेश्वर का त्याग करनेवाले देशों का दण्ड माना गया है।

#### अनुवाद के सुझाव

* “घबराना” या “क्लेश” का अनुवाद “संकट” या “दुःखदायी घटनाएं”या “उत्पीड़न” या “मुश्किल अनुभव” या “विपत्ति” भी किया जा सकता है।
* “घबराना” का एसे शब्द या उक्ति से अनुवाद किया जा सकता है, जिसका अर्थ हो “कष्टों में होना” या “भयानक कष्ट का अनुभव करना” या “गहरी चिन्ता” या “तनाव” या “विपत्ति” या “भय” या “परेशानी”।
* “उसे परेशान मत करो” का अनुवाद हो सकता है, “उसे रहने दो” या “उसकी आलोचना मत करो”
* “विपत्ति के दिन” या “विपत्ति के समय” का अनुवाद हो सकता है, “जब तुम कष्टों का अनुभव करो” या “जब तुम्हारे सामने कठिनाइयां आएं” या “जब परमेश्वर विपत्तियां लाए”।
* “कष्ट लाना” या “कष्ट का कारण” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टकारी बातें करना” या “कठिनाई उत्पन्न करना” या “कठिनाइयों का अनुभव कराना”

(यह भी देखें: [क्लेश देना](../other/afflict.md), [सताना](../other/persecute.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 18:18-19
* 2 इतिहास 25:18-19
* लूका 24:38-40
* मत्ती 24:6-8
* मत्ती 26:36-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H205, H598, H926, H927, H928, H1204, H1205, H1607, H1644, H1804, H1993, H2000, H2113, H2189, H2560, H2960, H4103, H5590, H5753, H5916, H5999, H6031, H6040, H6470, H6696, H6862, H6869, H6887, H7264, H7267, H7451, H7481, H7489, H7515, H7561, H8513, G387, G1298, G1613, G1776, G2346, G2347, G2350, G2360, G2553, G2873, G3636, G3926, G3930, G3986, G4423, G4660, G5015, G5016, G5182

### दूत, दूतों

#### तथ्य:

“दूत” अर्थात किसी तक सन्देश पहुंचानेवाला।

* प्राचीन युग में सन्देशवाहक युद्ध क्षेत्र से नगर में मनुष्यों को सन्देश देने भेजा जाता था कि युद्ध का समाचार सुनाए।
* स्वर्गदूत एक विशेष सन्देशवाहक होता था जिसे परमेश्वर मनुष्यों को सन्देश देने भेजता था। कुछ अनुवादों में “स्वर्गदूत” का अनुवाद “दूत” किया गया है।
* यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला भी एक दूत था जो यीशु के पहले आया कि मसीह के आगमन का समाचार दे और उसे ग्रहण करने के लिए मनुष्यों को तैयार करे।
* प्रेरित उसके दूत थे कि परमेश्वर के राज्य का शुभ सन्देश मनुष्यों को सुनाए।

(यह भी देखें: [स्वर्गदूत](../kt/angel.md), [प्रेरित](../kt/apostle.md), [यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)](../names/johnthebaptist.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 19:1-3
* 1 शमूएल 06:21
* 2 राजा 01:1-2
* लूका 07:27-28
* मत्ती 11:9-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1319, H4397, H4398, H5046, H5894, H6735, H6737, H7323, H7971, G32, G652

### दूत, प्रतिनिधि, राजदूत

#### परिभाषा:

राजदूत वह व्यक्ति है जिसे अधिकार के साथ चुना गया कि विदेशों के साथ संबन्ध रखे। इसका प्रतीकात्मक उपयोग भी किया गया है जिसका अधिक सामान्य अनुवाद “प्रतिनिधि” होता है।

* दूत या प्रतिनिधि अपने भेजने वाले या अपनी सरकार का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है।
* सामान्यतः दूत उस व्यक्ति के संदर्भ में है जिसे उस व्यक्ति की ओर से कहने या करने का अधिकार प्राप्त होता है जिसने उसे भेजा है।
* प्रेरित पौलुस ने शिक्षा दी कि विश्वासी मसीह के "राजदूत" या "प्रतिनिधित्व" करते हैं क्योंकि वे इस संसार में मसीह का सन्देश सुनाते हैं।
* प्रकरण के अनुसार इस शब्द का अनुवाद “अधिकारिक रूप से प्रतिनिधि” या “नियुक्त सन्देशवाहक” या “चुना हुआ प्रतिनिधि” या “परमेश्वर का नियुक्त प्रतिनिधि” हो सकता है।
* “दूतों का प्रतिनिधित्व” का अनुवाद “कुछ अधिकृत सन्देशवाहक” या “नियुक्त प्रतिनिधियों का समूह” या “सबकी ओर से बोलने वाला अधिकृत दल”

(यह भी देखें: [दूत](../other/messenger.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* इफिसियों 06:19-20
* लूका 14:31-33
* लूका 19:13-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3887, H4135, H4136, H4397, H6735, H6737, G4243

### देवता, झूठे देवता, देवियाँ, मूर्ति, मूर्तिपूजक, मूर्ति पूजा

#### परिभाषा:

झूठा ईश्वर वह है जिसकी उपासना मनुष्य एकमात्र सच्चे परमेश्वर के स्थान में करते हैं। “देवी” अर्थात झूठी देवी-देवता का स्त्री रूप।

* झूठे देवी-देवता अस्तित्ववान नहीं हैं। यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है।
* मनुष्य अपने झूठे देवी देवताओं को प्रकट करने के लिए मूर्तियां बनाता है।
* बाइबल में परमेश्वर के लोग बार-बार उसकी अवज्ञा करके इन झूठे देवी-देवताओं की पूजा करने लगे थे।
* दुष्टात्माएं मनुष्यों को धोखा देती हैं कि वे विश्वास करें कि जिन झूठे ईश्वरों और मूर्तियों की वे पूजा करते हैं उनमें शक्ति है।
* बाल, दगोन, मोलेक, ये तीन उन अनेक झूठे ईश्वरों में थे जिनकी पूजा बाइबल युग में की जाती थी।
* अशेरा और अरतिमिस (डायना) दो देवियां थी जिनकी पूजा प्राचीन काल में की जाती थी।

एक मूर्ति एक वस्तु है जिसे लोग बनाते हैं ताकि वे इसकी पूजा कर सकें। कुछ को "मूर्तिपूजक" के रूप में वर्णित किया जाता है यदि इसमें एक सच्चे परमेश्वर के अलावा किसी अन्य को सम्मान देना शामिल है।

* लोग उन झूठे देवताओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए मूर्तियाँ बनाते हैं जिनकी वे पूजा करते हैं।
* ये झूठे देवता नहीं होते हैं; यहोवा के अलावा कोई परमेश्वर नहीं है।
* कभी-कभी दुष्टात्मा एक मूर्ति के माध्यम से काम करते हैं जिससे यह प्रतीत होता है कि उसमें शक्ति है, भले ही वह ऐसा न करता हो।
* मूर्तियों को अक्सर सोने, चांदी, कांस्य या महंगी लकड़ी जैसी मूल्यवान सामग्रियों से बनाया जाता है।
* एक "मूर्तिपूजक राज्य" का अर्थ है, "उन लोगों का राज्य जो मूर्तियों की पूजा करते हैं" या "उन लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की पूजा करते हैं।"
* शब्द "मूर्तिमान आकृति" एक "नक्काशीदार छवि" या "मूर्ति" का दूसरा शब्द है।

​

#### अनुवाद के सुझाव:

* लक्षित भाषा या आसपास की भाषा में “ईश्वर” या “झूठे ईश्वर” के लिए कोई शब्द होगा।
* “मूर्ति” शब्द झूठे ईश्वरो के संदर्भ में काम में लिया जा सकता है।
* झूठे ईश्वर के लिए ईश्वर शब्द और एकमात्र सच्चे परमेश्वर के लिए परमेश्वर शब्द का उपयोग किया जाता है। अन्य भाषाओं में भी ऐसा हो सकता है
* एक विकल्प यह भी है कि झूठे ईश्वरों के लिए एक पूर्णतः भिन्न शब्द का उपयोग किया जाता है।
* कुछ भाषाओं में झूठे ईश्वर के लिंग भेद हेतु एक अतिरिक्त का उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: [परमेश्वर](../kt/god.md), [अशेरा](../names/asherim.md), [बाल](../names/baal.md), [मोलेक](../names/molech.md), [मूर्ति](../other/idol.md), [दुष्ट आत्मा](../kt/demon.md), [छवि](../other/image.md),[राज्य](../other/image.md), [पूजा](../other/image.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:43
* प्रे.का. 19:26-27
* गलतियों 4: 8- 9
* उत्पत्ति 35: 1-3
* यशायाह 44:20
* भजन-संहिता 081:8-10

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के \_\_ देवताओ\_\_ से कई अधिक शक्तिशाली है।
* **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। ”तू मुझे छोड़ दूसरों को **ईश्वर** करके न मानना।
* **14:02** उन्होंने(कनानियो) झूठे \_\_ देवताओं\_\_ की उपासना की, और बहुत से दुष्ट कार्य किए।
* इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा परमश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के **देवता** की उपासना करना आरम्भ किया।
* **18:13** परन्तु बहुत से यहूदा के राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे। कुछ राजा झूठे **देवताओं** के लिए अपने बच्चों का भी बलिदान चढ़ाने लगे।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5236, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8267, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2299, G2712

### देह, शरीरों

#### परिभाषा:

“देह” का सन्दर्भ मनुष्य या पशु का शरीर से है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किसी वस्तु या जनसमूह के लिए भी किया गया है।

* “देह” शब्द मृतक मनुष्य या मृतक पशु के संदर्भ में भी काम में आता है। कभी ऐसी देह के “मृतक देह” या “लोथ” कहा गया है।
* अन्तिम फसह के भोजन के समय यीशु ने रोटी तोड़कर अपने शिष्यों से कहा था, “यह मेरी देह है” तो वह अपने शरीर के बारे में कह रहा था जो उनके पापों के लिए तोड़ (मार डाला) जाएगा।
* बाइबल में विश्वासियों के समूह को “मसीह की देह” कहा गया है।
* जैसे शरीर के अनेक अंग होते हैं वैसे ही “मसीह की देह” के अनेक सदस्य हैं।
* मसीह की देह में प्रत्येक विश्वासी का अपना एक दायित्व है कि संपूर्ण समूह की सहायता करे कि वह एक साथ परमेश्वर की सेवा करे और उसका महिमान्वन करे।
* यीशु को उसके विश्वासी “देह” का “सिर” भी कहा गया है। जैसे मनुष्य का सिर अपने शरीर को निर्देश देता है कि उसे क्या करना है वैसे ही यीशु विश्वासियों को निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है कि उसकी “देह” के अंग होने के कारण उन्हें क्या करना है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द के सर्वोत्तम अनुवाद हेतु लक्षित भाषा में शरीर के लिए सामान्यतः काम में लिए जाने वाले शब्द का उपयोग किया जाए। सुनिश्चित करें कि जिस शब्द का उपयोग किया गया है वह अस्वीकार्य तो नहीं।
* कुछ भाषाओं में विश्वासियों के समुदाय का सामूहिक संदर्भ देते समय “मसीह की आत्मिक देह” कहना अधिक स्वाभाविक एवं उचित होगा।
* जब यीशु कहता है, “यह मेरी देह” है तो इसे वास्तविक टिप्पणी के साथ ज्यों का त्यों रखना अधिक उचित है।
* कुछ भाषाओं में मृतक देह के लिए एक अलग शब्द प्रयोग में लिया जाता है जैसे मनुष्य के लिए “शव” और पशु के लिए “लोथ।” सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद संदर्भ में अर्थपूर्ण हो और स्वीकार्य भी हो।

(यह भी देखें: [सिर](../other/head.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 10:11-12
* 1 कुरिन्थियों 05:3-5
* इफिसियों 04:4-6
* न्यायियों 14:7-9
* गिनती 06:6-8
* भजन संहिता 031:8-9
* रोमियो 12:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H990, H1320, H1460, H1465, H1472, H1480, H1655, H3409, H4191, H5038, H5085, H5315, H6106, H6297, H7607, G4430, G4954, G4983, G5559

### दोष, दोषी ठहरा

#### परिभाषा:

“दोष” का अर्थ है पाप करने तथा अपराध करने का सत्य।

* “दोषी होना” अर्थात अनैतिक रूप में अनुचित काम करना अर्थात परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करना।
* “दोषी” का विलोम शब्द है “निर्दोष”

#### अनुवाद के सुझाव:

* कुछ भाषाओं में “दोष” का अनुवाद “पाप का बोझ” या “पाप का गिनना” किया गया है।
* “दोषी होने” की अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दोषी होना” या “नैतिकता के आधार पर गलत काम करना” या “पाप करना”

(यह भी देखें: [निर्दोष](../kt/innocent.md), [अधर्म के काम](../kt/iniquity.md), [दण्ड देना](../other/punish.md), [पाप](../kt/sin.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* निर्गमन 28:36-38
* यशायाह 06:6-7
* याकूब 02:10-11
* यूहन्ना 19:4-6
* योना 01:14-16

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **39:02** वे कई झूठे गवाह लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे। हालांकि, उनके बयान एक दूसरे से नहीं मिल रहे थे, इसलिये यहूदी नेता यीशु को **दोषी** साबित नहीं कर सके।
* **39:11** यीशु से बात करने के बाद पिलातुस भीड़ में आया, और कहा, “मैं तो इस व्यक्ति में कोई **दोष** नहीं पाता।” परन्तु यहूदी गुरुओं ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।” पिलातुस ने कहा कि, “मैं इसमें कोई **दोष** नहीं पाता।” वह और जोर से चिल्लाने लगे। पिलातुस ने तीसरी बार कहा कि “मैं इसमें कोई **दोष** नहीं पाता।”
* **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया। उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम **अपराधी** है पर ,यह तो बेगुनाह है।”
* **49:10** अपने ही पापों के कारण, तुम **अपराधी** हो और मृत्यु के योग्य हो।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H816, H817, H818, H5352, H5355, G338, G1777, G3784, G5267

### दोष, अपराधों, कुकर्मी, कुटिल जन

#### परिभाषा:

“दोष” प्रायः पाप का संदर्भ देता है जिसमें देश का नियम तोड़ना भी होता है। “कुकर्मी” अर्थात अपराध करनेवाला।

* अपराध अनेक प्रकार के होते हैं जैसे मनुष्य की हत्या करना या चोरी करना।
* अपराधी को पकड़ कर बन्दी बनाया जाता है और कारावास में रखा जाता है।
* बाइबल के युग में कुछ अपराधी भगोड़े होते थे। वे जगह-जगह भागते फिरते थे कि उनके अपराध का बदला लेनेवालों से बचे”।

(यह भी देखें: [चोर](../other/thief.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 तीमुथियुस 02:8-10
* होशे 06:8-9
* अय्यूब 31:26-28
* लूका 23:32
* मत्ती 27:23-24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2154, H2400, H4639, H5771, H7563, H7564, G156, G1462, G2556, G2557, G4467

### दोष, दोष, निर्दोष

#### तथ्य:

“दोष” अर्थात पशु या मनुष्य में शारीरिक दोष। इसका संदर्भ मनुष्यों में आत्मिक असिद्धता एवं दोष से भी है।

* कुछ बलियों में परमेश्वर की आज्ञा थी कि बलि पशु निर्दोष एवं निष्कलंक हो।
* यह मसीह यीशु का निष्पाप एक निर्दोष बलि होने का चित्रण है।
* मसीह के विश्वासी यीशु के लहू द्वारा पापों से शुद्ध किए गए हैं और निष्कलंक माने गए हैं।
* इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दोष” या “असिद्धता” या “पाप” प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believer.md), [शुद्ध](../kt/clean.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [पाप](../kt/sin.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 पतरस 01:18-19
* 2 पतरस 02:12-14
* व्यवस्थाविवरण 15:19-21
* गिनती 06:13-15
* श्रेष्ठगीत 04:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3971, H8400, H8549, G3470

### दोष, दोष लगाना, दोष लगा रहे है, आरोप लगाने वाला, आरोप

#### परिभाषा:

“दोष लगाना” या “आरोप” अर्थात् किसी अनुचित कार्य का दोष किसी पर लगाना। किसी पर दोष लगाने वाले को “आरोप लगाने वाला” कहते हैं।

* झूठा दोष अर्थात किसी पर लगाया गया दोष सच नहीं है जैसे यहूदी अगुओें ने यीशु पर अनुचित काम करने का झूठा दोष लगाया था।
* नये नियम की पुस्तक, प्रकाशितवाक्य में शैतान को “आरोप लगाने वाला” कहा गया है।

#### बाइबल संदर्भ:

* प्रेरि. 19:40
* होशे 04:4
* यिर्मयाह 02:9-11
* लूका 06:6-8
* रोमियो 08:33

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H3198, H6818, G1458, G2147, G2596, G2724

### दोषबलि, दोषबलियों

#### परिभाषा:

दोषबलि,एक ऐसी बली या भेंट थी जो परमेश्वर ने इस्राएल के लिए निर्धारित किया था जब अनजाने में वे परमेश्वर के अपमान या किसी की सम्पदा की हानि जैसा अनर्थ कर बैठें।

* इस बलि में पशु चढ़ाया जाता था और सोने या चांदी की मुद्रा में भुगतान किया जाता था।
* इसके अतिरिक्त दोषी मनुष्य की क्षतिपूर्ति करनी होती थी।

(यह भी देखें: [होमबलि](../other/burntoffering.md), [अन्नबलि](../other/grainoffering.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [पाप बलि](../other/sinoffering.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 06:3-4
* 2 राजा 12:15-16
* लैव्यव्यवस्था 05:5-6
* गिनती 06:12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H817

### धनुष और तीर, धनुष और तीर

#### परिभाषा:

यह एक धनुषाकार हथियार से तीर चलानेवाला शस्त्र है। बाइबल के युग में इसका उपयोग बैरी की सेना से लड़ने में किया जाता था और खाने के लिए पशुओं को मारने में भी किया जाता था।

* धनुष लकड़ी, हड्डी, धातु या अन्य कठोर वस्तु से जैसे हिरण मृगश्रृड्ग से बनाया जाता था। वह रस्सी या लता के द्वारा बान्ध कर धनुषाकार बनाया जाता था।
* तीर एक पतली डंडी होता है जिसका एक सिरा नुकीला होता था। प्राचीन युग में तीर विभिन्न वस्तुओं से बनाये जाते थे जैसे लकड़ी, हड्डी, पत्थर या धातु से।धनुष और तीर सामान्यतः शिकारियों तथा योद्धाओं द्वारा काम में लिए जाते थे।
* बाइबल में तीर का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में शत्रु के आक्रमण या परमेश्वर के दण्ड के लिए भी किया गया है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 21:14-16
* हबक्कूक 03:9-10
* अय्यूब 29:20-22
* विलापगीत 02:3-4
* भजन संहिता 058:6-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2671, H7198, G5115

### धूप

#### परिभाषा:

"धूप" का सन्दर्भ उस सुगन्धित मिश्रण से है जिसे जलाने पर मनमोहक सुगंध उठती है।

* परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे उसके लिए भेट स्वरूप धूप जलाया करे।
* यह विशेष धूप परमेश्वर के निर्देश अनुसार पाँच विशिष्ट सुगन्धित द्रव्यों को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता था। यह धूप पवित्र होता था इस कारण इसे अन्य किसी भी उद्देश्य के निमित्त काम में लेना वर्जित था।
* "धूप की वेदी" यह वेदी केवल धूप जलाने के लिए थी।
* दिन में चार बार, जब मन्दिर में प्रार्थना की जाती थी तब धूप जलाना अनिवार्य था। जब-जब होमबली चढाई जाती थी तब-तब धूप भी जलाई जाती थी।
* धूप जलाने का अभिप्राय था, परमेश्वर के लोगों की प्रार्थना और उपासना उसके धुए के द्वारा परमेश्वर तक जाती है।
* "धूप" का अनुवाद हो सकता है: "सुगन्धित द्रव्य" या "सुगन्धित पौधें"

(यह भी देखें: [धूप जलाने की वेदी](../other/altarofincense.md), [होमबलि](../other/burntoffering.md), [लोबान](../other/frankincense.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 03:1-3
* 2 इतिहास 13:10-11
* 2 राजा 14:4-5
* निर्गमन 25:3-7
* लूका 01:8-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2553, H3828, H4196, H4289, H5208, H6988, H6999, H7002, H7004, H7381, G2368, G2369, G2370, G2379, G3031

### धोखा, धोखा देनेवाले, धोखा दिया, छलता, छली, धोखेबाज, धोखेबाजों, छलपूर्ण, धूर्तता से, छल में, छलता, छली

#### परिभाषा:

“धोखा” अर्थात असत्य पर विश्वास दिलाना। किसी को धोखा देने का काम “छल” कहलाता है।

* एक और शब्द, “धोखेबाजी” भी किसी को कुछ ऐसा विश्वास करने का कार्य करता है जो सत्य नहीं है।
* किसी को झूठी बात में विश्वास दिलानेवाले को धोखा करने वाला कहते हैं। उदाहरणार्थ शैतान को धोखा देनेवाला कहा गया है। उसकी दुष्टात्माएं भी धोखा देने वाली हैं।
* व्यक्ति, कार्य या सन्देश जो असत्य है, उसे "धोखा देनेवाला" कहते हैं।
* “छल” और “धोखा” का अर्थ एक ही है परन्तु उनके उपयोग में कुछ अन्तर है।
* व्याख्यात्मक शब्द “छली” और “धोखा देनेवाला” के अर्थ एक ही हैं और एक ही प्रकरण में काम में लिए जाते हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “धोखा” के अनुवाद के अन्य रूप “झूठ बोलना” या “झूठा विश्वास दिलाना” या “किसी को असत्य पर विचार करवाना”।
* “धोखा देना” का अनुवाद “झूठ पर विचार करने हेतु प्रेरित करना” या “झूठ कहना” या “चाल चलना” या “मूर्ख बनाना” या “पथभ्रष्ट करना” हो सकता है।
* “धोखा देने वाला” का अनुवाद “झूठा” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “छलनेवाला”हो सकता है।
* प्रकरण पर निर्भर करके, “छल” या “धोखा” ऐसे शब्दों में अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ “मिथ्यात्व” या “झूठ” या “प्रवंचना” या “छल-कपट” हो।
* “छली” या “धोखा देने वाला” का अनुवाद हो सकता है, “असत्यवादी” या “पथभ्रष्ट करने वाला” या “झूठ बोलने वाला” कि एक ऐसे मनुष्य का वर्णन किया जाए जो कहने और करने में मनुष्य को असत्य में विश्वास दिलाए।

(यह भी देखें: [सच्ची](../kt/true.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 01:8
* 1 तीमुथियुस 02:14
* 2 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
* उत्पत्ति 03:12-13
* उत्पत्ति 31:26-28
* लेवीय 19:11-12
* मत्ती. 27:64
* मीका 06:11-12

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H898, H2048, H3577, H3584, H3868, H4123, H4820, H4860, H5230, H5377, H5558, H6121, H6231, H6601, H7411, H7423, H7683, H7686, H7952, H8267, H8496, H8582, H8591, H8649, G538, G539, G1386, G1387, G1388, G1818, G3884, G4105, G4106, G4108, G5422, G5423

### नप्ताली

#### तथ्य:

नप्ताली याकूब का छठवां पुत्र था। उसके वंशज नप्ताली के गोत्र कहलाए जो इस्राएल के 12 गोत्रों में से एक था।

* कभी-कभी नाम नप्ताली उनके निवास स्थान के लिए भी काम में लिया गया है।
* नप्ताली का भूभाग इस्राएल के उत्तर में था, दान और आशेर के साथ। इसकी पूर्वी सीमा किन्नेरेत सागर के पश्चिमी किनारे पर थी।
* इस गोत्र की चर्चा पुराने नियम और नये नियम दोनों में की गई है।

(यह भी देखें: [आशेर](../names/asher.md), [दान](../names/dan.md), [याकूब](../names/jacob.md), [गलील सागर](../names/seaofgalilee.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 04:15-17
* व्यवस्थाविवरण 27:13-14
* यहेजकेल 48:1-3
* उत्पत्ति 30:7-8
* न्यायियों 01:33
* मत्ती 04:12-13

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5321, G3508

### नबूकदनेस्सर

#### तथ्य:

नबूकदनेस्सर बेबीलोन साम्राज्य का राजा था जिसकी शक्तिशाली सेना ने अनेक जातियों और देशों को जीता था।

* नबूकदनेस्सर की अगुआई में बेबीलोन की सेना ने यहूदा राज्य को जीत कर अधिकांश यहूदियों को बन्दी बनाया और बेबीलोन ले गए। बंदियों को 70 साल की अवधि के लिए वहां रहने के लिए मजबूर किया गया था जिसे "बेबीलोन का निर्वासन" कहा जाता था।

इन बन्धुआ लोगों में एक था दानिय्येल, जिसने नबूकदनेस्सर के स्वप्नों का अर्थ बताया था।

* इस्राएली बन्धुआ लोगों में तीन पुरुष और भी थे, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह, जिनको नबूकदनेस्सर ने आग में डलवाया था क्योंकि उन्होंने उसकी सोने की विशाल मूरत को दण्डवत् करने से इन्कार कर दिया था।
* राजा नबूकदनेस्सर अभिमानी था और देवताओं की पूजा करता था। यहूदा को जीतने पर उसने यरूशलेम के मन्दिर में से सोने चांदी के पात्र लूट लिए थे।
* नबूकदनेस्सर घमण्डी था और झूठे देवताओं की पूजा से विमुख नहीं होता था इसलिए परमेश्वर ने उसे सात वर्ष तक निराश्रय रख कर पशु के समान जीवन दिया था। सात वर्ष बाद जब वह नम्र बना और एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा की स्तुति की तब परमेश्वर ने उसको पुनः स्थापित किया।

(यह भी देखें: [अभिमानी](../other/arrogant.md), [अजर्याह](../names/azariah.md), [बाबेल](../names/babylon.md), [हनन्याह](../names/hananiah.md), [मीशाएल](../names/mishael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:15
* 2 राजा 25:1-3
* दानिय्येल 01:02
* दानिय्येल 04:04
* यहेजकेल 26:08

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **20:06** अश्शूरों द्वारा इस्राएल राज्य को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा **नबूकदनेस्सर** को भेजा, यहूदा पर आक्रमण करे |
* **20:06** बेबीलोन एक शक्तिशाली साम्राज्य था। यहूदा का राजा, **नबूकदनेस्सर** का सेवक बनकर उसे हर वर्ष बहुत सा धन देने के लिए राज़ी हो गया |
* **20:08** विद्रोह करने के लिए यहूदा के राजा को दंडित किया गया और **नबूकदनेस्सर** के सैनिकों ने उसके पुत्र को उसी के सामने मार डाला और उसके बाद उसे नेत्रहीन बना दिया |
* **20:09** **नबूकदनेस्सर** और उसके सैनिक लगभग सभी यहूदियों को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया कि वे वहा खेती करें|

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H5019, H5020

### नरक, आग की झील

#### परिभाषा:

नरक अनन्त पीड़ा और कष्टों का वह अन्तिम स्थान है जहां परमेश्वर उसके द्रोहियों को और यीशु के बलिदान के द्वारा उनके उद्धार की योजना का तिरस्कार करनेवालों को दण्ड देगा। इसे “आग की झील” भी कहा गया है।

* नरक को आग और घोर पीड़ा का स्थान कहा गया है।
* शैतान और उसके साथ की दुष्टात्माएं अनन्त दण्ड के लिए नरक में डाली जाएंगी।
* जो लोग उनके पापों के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास नहीं करते और उद्धार के लिए उसमें विश्वास नहीं करते उन्हें भी सदा के लिए दण्ड हेतु नरक में डाला जाएगा।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* इन शब्दों का अनुवाद अलग-अलग शब्दों द्वारा किया जाए क्योंकि वे अलग-अलग प्रकरणों में आते हैं।
* कुछ भाषाओं में “आग की झील” का झील शब्द काम में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उस भाषा में झील का अर्थ पानी की झील है।
* “नरक” शब्द का अनुवाद “पीड़ा का स्थान” या “अन्धकार और पीड़ा का अन्तिम स्थान” किया जा सकता है।
* “आग की झील” का अनुवाद “आग का समुद्र” या “विशाल अग्नि” या “आग का क्षेत्र” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [स्वर्ग](../kt/heaven.md), [मृत्यु](../other/death.md), [अधोलोक](../kt/hades.md), [अथाह कुण्ड](../other/abyss.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* याकूब 03:5-6
* लूका 12:4-5
* मरकुस 09:42-44
* मत्ती 05:21-22
* मत्ती 05:29-30
* मत्ती 10:28-31
* मत्ती 23:32-33
* मत्ती 25:41-43
* प्रकाशितवाक्य 20:13-15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **50:14** वह (परमेश्वर) उन्हें **नरक** में फेंक देगा, जहाँ वे वेदना में सदा रोएँगे और दाँत पीसेंगे। वह आग जो कभी नही बुझती उन्हें हमेशा जलाती रहेगी और कीड़े उन्हें हमेशा खाते रहेंगे।
* **50:15** वह शैतान को **नरक** में डाल देगा जहाँ वह उन लोगों के साथ हमेशा जलता रहेगा, जिन्होंने परमेश्वर की आज्ञा मानने की बजाय उसकी बात मानने का चुनाव किया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7585, G86, G439, G440, G1067, G3041, G4442, G4443, G4447, G4448, G5020, G5394, G5457

### नरकट, कांसे

#### तथ्य:

“नरकट” पानी में उगनेवाली एक लम्बी डंडी की घास होती है। जो प्रायः नदी या झरने के तट पर पाई जाती है।

* नील नदी के तट पर उगनेवाले नरकट जिनमें शिशु मूसा को छिपाया गया था, उन्हें “कांसे” भी कहा गया है। वह नदी के पानी में घने उगते थे। इनके डंडे लम्बे और खोखले होते थे।
* प्राचीन मिस्त्र में इस घास से कागज, टोकरियां और छोटी नावें बनाई जाती थी।
* नरकट के डंडे नरम होने के कारण हवा में झुक जाते थे।

(यह भी देखें: [मिस्र](../names/egypt.md), [मूसा](../names/moses.md), [नील नदी](../names/nileriver.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 14:14-16
* लूका 07:24-26
* मत्ती 11:7-8
* मत्ती 12:19-21
* भजन संहिता 068:30-31

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H98, H100, H260, H5488, H6169, H7070, G2063, G2563

### नातान

#### तथ्य:

नातान परमेश्वर का एक विश्वासयोग्य भविष्यद्वक्ता था, और दाऊद के राज्यकाल में सेवा कर रहा था।

* उरिय्याह के विरुद्ध दाऊद के पाप का पर्दाफाश करने के लिए परमेश्वर ने नातान को भेजा था।
* नातान ने दाऊद को झिड़का था, यद्यपि दाऊद राजा था।
* नातान के आगमन के बाद दाऊद ने अपने पाप का प्रायश्चित किया।

(यह भी देखें: [दाऊद](../names/david.md), [विश्वासयोग्य](../kt/faithful.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [अरिय्याह](../names/uriah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 17:1-2
* 2 इतिहास 09:29-31
* 2 शमूएल 12:1-3
* भजन संहिता 051:1-2

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:07\_\_परन्तु परमेश्वर ने \_\_नातान** भविष्यद्वक्ता के द्वारा दाऊद को संदेश भेजा, “क्योंकि तू एक योद्धा है, तू मेरे लिए वह भवन नहीं बनाएगा |
* **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने **नातान** भविष्यद्वक्ता द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5416, G3481

### नाम

#### परिभाषा:

"नाम" शब्द उस शब्द को संदर्भित करता है जिसके द्वारा किसी विशिष्ट व्यक्ति या चीज को बुलाया जाता है। हालाँकि, बाइबल में "नाम" शब्द का उपयोग कई अलग-अलग तरीकों से किया जाता है।

* कुछ संदर्भों में “नाम” मनुष्य की प्रतिष्ठा का संदर्भ देता है जैसा कि "हम अपने लिए एक नाम बनाते हैं।"
* “नाम” शब्द किसी स्मृति का संदर्भ भी देता है। उदाहरणार्थ “मूर्तियों का नाम मिटा दो”, अर्थात मूर्तियों को ऐसे नष्ट कर दो कि उनकी स्मृति ही न रहे या उनकी पूजा न की जाए।
* “परमेश्वर के नाम में” बोलना अर्थात उसके सामर्थ्य और अधिकार में या उसके प्रतिनिधि होकर बोलना।
* किसी का “नाम” संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देता है जैसे “आकाश के नीचे कोई और नाम नहीं जिससे हम उद्धार पाते हैं।”

#### अनुवाद के सुझाव:

* “इसका अच्छा नाम” इस वाक्य का अनुवाद हो सकता है, “उसकी अच्छी प्रतिष्ठा।”
* “के नाम में” कुछ करना, इसका अनुवाद हो सकता है, के अधिकार में” या “की अनुमति से” या “प्रतिनिधित्व में” काम करना।
* “ऐसा करना कि मनुष्य हमारे बारे में जाने” या “मनुष्यों को सोचने पर विवश करना कि हम महत्वपूर्ण हैं।”
* यह अभिव्यक्ति हैः "उसका नाम पुकारना" का अनुवाद हो सकता है "उसे नाम देना" या "उसे पुकारना"।
* "जो लोग आपके नाम से प्रेम रखते हैं" का अनुवाद "जो आपसे प्यार करते है" के रूप में किया जा सकता है।
* "मूर्तियों के नामों को काट" का अनुवाद "मूर्तियों से छुटकारा पाना ताकि वे याद भी न आये" या "लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करना बंद करने का कारण" या "सभी मूर्तियों को पूरी तरह से नष्ट कर दें ताकि लोग अब उनके बारे में न सोचे" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [बुलाहट](../kt/call.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 02:12-14
* 2 तीमुथियुस 02:19-21
* प्रे.का. 04:5-7
* प्रे.का. 04:11-12
* प्रे.का. 09:26-27
* उत्पत्ति 12:1-3
* उत्पत्ति 35:9-10
* मत्ती 18:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5344, H7121, H7761, H8034, H8036, G2564, G3686, G3687, G5122

### नामधराई, लज्जा, शर्म, शर्मपूर्ण, शर्मपूर्णता से, शर्महीनता, शर्महीनता से,लज्जित, लज्जित नहीं

#### परिभाषा:

“लज्जा” शब्द नीचा दिखलाना या अपमानित होने की दर्दनाक भावना को संदर्भित करता है जो एक व्यक्ति को लगता है जब वे कुछ ऐसा करते हैं जो दूसरों को अपमानपूर्ण या अनुचित मानते हैं।

* कुछ ऐसा काम जो “लज्जाजनक बात” अर्थात “अनुचित” या “अपमानजनक” हो।
* “लज्जित” शब्द का अर्थ है किसी लज्जाजनक या अनुचित कार्य को करने पर मनुष्य के मन में उत्पन्न भावना है।
* शब्द "अपमानित" का अर्थ है किसी को शर्मिंदा या अपमानित महसूस कराना, आमतौर पर सार्वजनिक रूप से। किसी को शर्मसार करने के कार्य को "अपमान" कहा जाता है।
* “लज्जित करना” अर्थात किसी को हरा देना या उसके पापों को प्रकट करना कि उसे अपने पर लज्जा आए।
* किसी की "निंदा करना" का अर्थ है कि उस व्यक्ति के चरित्र या व्यवहार की आलोचना या अस्वीकृति है।
* वाक्यांश "शर्मिंदा किया" का अर्थ है लोगों को हराना या उनके कार्यों को उजागर करना ताकि वे खुद को शर्मिंदा महसूस करें। भविष्यद्वक्ता यशायाह यह कहता है कि जो मूर्तियां बनाते हैं और मूर्तिपूजा करते हैं वे लज्जित किए जाएंगे।
* "लज्जाजनक" शब्द का इस्तेमाल किसी पापी कृत्य या उसे करने वाले व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया जा सकता है। जब कोई व्यक्ति कुछ पाप करता है, तो यह उसके अपमान या अपमान की स्थिति में हो सकता है।
* कभी-कभी अच्छा काम करने वाले व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जिससे उसे अपमान या लज्जा का कारण बनता है। उदाहरण के लिए, जब यीशु को एक क्रूस पर मार दिया गया था, तो यह मरने का एक अपमानजनक तरीका था। यीशु ने इस अपमान के लायक कुछ भी गलत नहीं किया था।
* जब परमेश्वर किसी को नम्र करता है, तो इसका मतलब है कि वह एक घमंडी व्यक्ति को असफलता का अनुभव करा रहा है, जिससे वह उसके घमंड को दूर करने में मदद कर सके। यह किसी को अपमानित करने से अलग है, जो अक्सर उस व्यक्ति को चोट पहुंचाने के लिए किया जाता है।
* यह कहना कि यह व्यक्ति "तिरस्कार के ऊपर" या "तिरस्कार से परे" या "तिरस्कार के बिना" है, जिसका अर्थ है कि यह व्यक्ति परमेश्वर का सम्मान अपने व्यवहार से करता है और उसकी आलोचना में बहुत कम या कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* "अपमान" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जा" या "अनादर" शामिल हो सकता है।
* "अपमानजनक" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जाजनक" या "अनादर करना" शामिल हो सकता है।
* "अपमानित" करने के लिए भी "लज्जा" या "शर्म महसूस करने का कारण" या "शर्मिंदा" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है।
* संदर्भ के आधार पर, "निरादर" का अनुवाद करने के तरीके में "लज्जा" या "अपमानजनक" या "अपमान" शामिल हो सकता है।
* "निन्दा करना" शब्द का अनुवाद "दोषारोपण" या "लज्जा" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
* संदर्भ के आधार पर "निन्दा करना" का अनुवाद "डाँटना" या "आरोप लगाना" या "आलोचना करना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [अनादर](../other/dishonor.md), [दोष लगाना](../other/accuse.md), [डांटना](../other/rebuke.md), [झूठे ईश्वर](../kt/falsegod.md), [दीन](../kt/humble.md), [यशायाह](../names/isaiah.md), [आराधना](../kt/worship.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 पतरस 03:15-17
* 2 राजा. 02:17
* 2 शमूएल 13:13
* लूका 20:11
* मरकुस 08:38
* मरकुस 12:4-5
* 1 तीमुथियुस 03:07
* उत्पत्ति 34:07
* इब्रानियों 11:26
* विलापगीत 02:1-2
* भजन संहिता 022:06
* व्यवस्थाविवरण 21:14
* एज्रा 09:05
* नीतिवचन 25:7-8
* भजन संहिता 006:8-10
* भजन संहिता 123:03
* 1 तीमुथियुस 05:7-8
* 1 तीमुथियुस 06:13-14
* यिर्मयाह 15:15-16
* अय्यूब 16:9-10
* नीतिवचन 18:03

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स : H937, H954, H955, H1317, H1322, H1421, H1442, H1984, H2490, H2616, H2617, H2659, H2778, H2781, H2865, H3001, H3637, H3639, H3640, H3971, H5007, H5034, H5039, H6030, H6031, H6172, H6256, H7022, H7034, H7036, H7043, H7511, H7817, H8103, H8213, H8216, H8217, H8589, G149, G152, G153, G410, G422, G423, G808, G818, G819, G821, G1788, G1791, G1870, G2617, G3059, G3679, G3680, G3681, G3856, G5014, G5195, G5196, G5484

### नामान

#### तथ्य:

पुराने नियम में नामान अरामी सेना का प्रधान था।

* नामान को एक असाध्य त्वचा रोग कोढ़ थी जो ठीक नहीं हो सकती थी।
* नामान के घर में एक यहूदी दासी थी जिसने उसे सुझाव दिया कि वह रोग-मुक्ति के लिए भविष्यद्वक्ता एलीशा के पास जाए।
* एलीशा ने नामान के पास सन्देश भेज दिया कि वह सात बार यरदन नदी में डुबकी लगाए। नामान ने आज्ञा का पालन किया तो परमेश्वर ने उसे संपूर्ण चंगाई दे दी।
* इसका परिणाम यह हुआ कि नामान एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा में विश्वास करने लगा।
* नामान नाम के दो और पुरुष भी हुए है जो याकूब के पुत्र बिन्यामीन के वंशज थे।

(यह भी देखें: [अराम](../names/aram.md), [यरदन नदी](../names/jordanriver.md), [कोढ़](../other/leprosy.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 08:6-7
* 2 राजा 05:1-2
* लूका 04:25-27

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **19:14** जिनमे से एक चमत्कार **नामान** नामक व्यक्ति के जीवन में हुआ, वह शत्रुओं का सेनापति था और कोढ़ी था |
* **19:15** पहले तो **नामान** क्रोधित हुआ, और वह ऐसा नहीं करना चाहता था, क्योंकि उसे यह मूर्खता पूर्ण कार्य लग रहा था | परन्तु शीघ्र ही उसने अपना विचार बदल लिया और यरदन को जाकर उसमे सात बार डुबकी मारी |
* **26:06** लेकिन एलीशा ने उनमें से किसी को भी ठीक नहीं किया, उसने केवल इस्राएल के दुश्मनों के एक सेनापति, **नामान** के त्वचा रोग को चंगा किया।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5283, G3497

### नाश करना, विनाश, नाश करनेवाला, सत्यानाश करना

#### परिभाषा:

"नष्ट करना," इस उक्ति का अर्थ है, किसी वास्तु को पूर्णतः ध्वंस कर देना कि उसका अस्तित्व ही मिट जाए। “नाश करनेवाला” अर्थात “विनाश ढाने वाला मनुष्य”।

* पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्यों का नाश करनेवालों के लिए काम में लिया गया है, जैसे आक्रमण करने वाली सेना।
* जब परमेश्वर ने मिस्र के एक पहिलौठों को मार डालने के लिए स्वर्गदूत भेजा था तब उस स्वर्गदूत को “पहिलौठे का नाश करनेवाला कहा गया है” इसका अनुवाद हो सकता है, “वह स्वर्गदूत जिसने पहिलौठे पुत्रों का नाश किया”।
* प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अन्त समय के संबन्ध में शैतान या किसी दुष्टात्मा को “नाश करनेवाला” कहा गया है। वही “नाश करने वाला” है क्योंकि उसका उद्देश्य परमेश्वर द्वारा सृजित सब वस्तुओं का नाश करना है।

(यह भी देखें: [स्वर्गदूत](../kt/angel.md), [मिस्र](../names/egypt.md), [पहिलौठा](../other/firstborn.md), [फसह](../kt/passover.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* निर्गमन 12:23
* इब्रानियों 11:28
* यिर्मयाह 06:26
* न्यायियों16:24

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H6, H7, h622, H398, H1104, H1197, H1820, H1826, H1942,H2000, H2015, H2026, H2040, H2254, H2255, H2717, H2718, H2763, H2764, H3238, H3341, H3381, H3423, H3582, H3615, H3617, H3772, H3807,H4191, H4229, H4591, H4658, H4889, H5218, H5221, H5307, H5362, H5420,H5422, H5428, H5595, H5642, H6365, H6789, H6979, H7665, H7667, H7703, H7722, H7760, H7843, H7921, H8045, H8074, H8077, H8316, H8552, G355, G396, G622, G853, G1311, G1842, G2049, G2506, G2507, G2647, G2673, G2704, G3089, G3645, G4199, G5351, G5356

### नाश किया, नाश करे, काटकर

#### परिभाषा:

“काटा जाए” एक मुहावरा है जिसका अर्थ है, मूल समुदाय से अलग किया जाना, देश निकाला देना, या संबन्ध विच्छेद कर देना। इसका संदर्भ पाप के दण्ड के परमेश्वर के कार्य द्वारा घात किया जाना।

* पुराने नियम में परमेश्वर की आज्ञाएं नहीं मानने का परिणाम होता था काटा जाना या परमेश्वर की प्रजा या उसकी उपस्थिति से अलग कर दिया जाना।
* परमेश्वर ने यह भी कहा था कि वह अन्य जातियों को “नाश किया” या नष्ट कर देगा क्योंकि वे उसकी उपासना नहीं करते थे न ही उसकी आज्ञा का पालन करते थे वरन् वे इस्राएल के शत्रु थे।
* “नाश किया” परमेश्वर द्वारा नदी के प्रवाह को रोकने के संदर्भ में भी काम में लिया गया है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “काट दिया जाए” का अनुवाद हो सकता है, “देश से निकाल दिया जाए”, या “दूर भेज दिया जाए” या “विच्छेदित कर दिया जाए” या “मार डाला जाए” या “नष्ट कर दिया जाए”।
* प्रकरण के अनुसार “काट देना” का अनुवाद किया जा सकता है, “नष्ट करना” या “दूर कर देना” या “विच्छेदित करना” या “नाश करना”।
* प्रवाहित जल काट देने का अनुवाद हो सकता है, “रोक देना” या “जल प्रवाह रोक देना” या “जल विभाजित कर देना”।
* चाकू द्वारा किसी वस्तु को काटने का अर्थ इस शब्द के प्रतीकात्मक अनुवादों से सर्वथा भिन्न होना है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 17:12-14
* न्यायियों 21:6-7
* नीतिवचन 23:17-18

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: G609, G851, G1581, G2407, G5257, H1214, H1219, H1438, H1468, H1494, H1504, H1629, H1820, H1824, H1826, H2498, H2686, H3582, H3772, H5243, H5352, H6202, H6789, H6990, H7082, H7088, H7096, H7112, H7113

### निन्दा, निन्दा करना, निन्दक

#### परिभाषा:

बाइबल में “निन्दा” शब्द का अर्थ है परमेश्वर या मनुष्य के प्रति घोर अपमान व्यक्त करना। किसी की “निन्दा” शब्द का अर्थ है किसी के विरूद्ध ऐसी बातें कहना कि सुननेवाला उसके बारे में गलत या बुरा सोचें।

* परमेश्वर की निन्दा करने का अर्थ अधिकतर यह होता था कि परमेश्वर के बारे में असत्य बातें कह कर उसका अपमान करना या परमेश्वर के सम्मान को हानि पहुंचाना या ऐसा अनैतिक व्यवहार करना जिससे परमेश्वर की प्रतिष्ठा गिरे।
* मनुष्य स्वयं को परमेश्वर कहे या अपने आप को भी परमेश्वर के तुल्य एक परमेश्वर कहे तो वह निन्दा है।
* कुछ अंग्रेजी बाइबल संस्करणों में जब मनुष्य के विरूद्ध कुछ कहा जाता है तो वे “मानहानि” (स्लेण्डर) शब्द का उपयोग करते हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “निन्दा” का अनुवाद किया जा सकता है, “किसी के विरूद्ध बुरी बातें कहना” या “परमेश्वर का अपमान करना” या “मानहानि करना”
* “निन्दा” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “किसी के विरूद्ध झूठी बातें कहना” या “मानहानि करना” या “झूठी अफवाह उड़ाना”।

(यह भी देखें: [निरादर](../other/dishonor.md), [झूठा दोष लगाना](../other/slander.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 तीमुथियुस 01:12-14
* प्रे.का. 06:10-11
* प्रे.का. 26:9-11
* याकूब 02:5-7
* यूहन्ना 10:32-33
* लूका 12:8-10
* मरकुस 14:63-65
* मत्ती 12:31-32
* मत्ती 26:65-66
* भजन संहिता 074:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1288, H1442, H2778, H5006, H5007, H5344, G987, G988, G989

### निन्दा, ठट्ठा करता, उपहास करके, उपहास, ठट्ठा करनेवाला, ठट्टा करनेवालों, हँसी उड़ाने, कलंक लगाते, उपहास करने लगे, घृणा करते, ठट्ठे में उड़ाया

#### परिभाषा:

“निन्दा”, “निन्दा करना”, “उपहास करना” अर्थात किसी को निर्दयता से ठट्ठे में उड़ाना ।

* ठट्ठा करने में किसी के शब्दों एवं अंग-विन्यास की नकल करना कि उसे लज्जित करें या घृणा व्यक्त करें।
* रोमी सैनिकों ने यीशु का ठट्ठा किया था जब उसे राजा का वस्त्र पहना कर उसके साथ उपहास किया था।
* युवकों द्वारा एलीशा का भी ठट्ठा किया या उपहास उड़ाया था, उसके गंजे सिर की हंसी करके।
* किसी विचार को विश्वास के योग्य या महत्त्वपूर्ण न मानना भी “ठट्ठा करना” था।
* एक "ठट्ठा करनेवाला" वह है जो मजाक उड़ाता है और लगातार उपहास करता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 पतरस 03:3-4
* प्रे.का. 02:34-36
* गलातियों 06:6-8
* उत्पत्ति 39:13-15
* लूका 22:63-65
* मरकुस 10:32-34
* मत्ती 09:23-24
* मत्ती 20:17-19
* मत्ती 27:27-29

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **21:12** यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको **ठट्ठों में उड़ाएँगे**, और उसे मारेंगे।
* **39:05** यहूदी नेताओं ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है |” तब उन्होंने यीशु की आँखें ढक दी, उसके मुँह पर थूका और उसे मारा, और उसका **मजाक उड़ाया** |
* **39:12** रोमन सैनिकों ने यीशु को कोड़े मारे, और शाही बागा पहनाकर काँटों का मुकुट उसके सिर पर रखा | तब उन्होंने यह कहकर यीशु का **मज़ाक उड़ाया** “यहूदियों का राजा” देखो |
* **40:04** यीशु को दो डाकुओ के बीच क्रूस पर चढ़ाया गया | उनमें से एक जब यीशु का **ठट्ठा उड़ा रहा था** तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता?
* **40:05** यहूदी और अन्य लोग जो भीड़ में थे वह यीशु का **मज़ाक उड़ा रहे थे** यह कहकर कि, “अगर तू परमेश्वर का पुत्र है तो क्रूस पर से उतर जा, और अपने आप को बचा | तब हम तुझ पर विश्वास करेंगे |”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1422, H2048, H2049, H2778, H2781, H3213, H3887, H3931, H3932, H3933, H3934, H3944, H3945, H4167, H4485, H4912, H5058, H5607, H5953, H6026, H6711, H7046, H7048, H7814, H7832, H8103, H8148, H8437, H8595, G1592, G1701, G1702, G1703, G2301, G2606, G3456, G5512

### निन्दा, अपमान, निन्दा, निन्दा, नामधराई

#### परिभाषा:

किसी की निन्दा करने का अर्थ है आलोचना करना चरित्र या आचरण को स्वीकार नहीं करना। निन्दा करना मनुष्य के लिए नकारात्मक टिप्पणी करना है।

* मनुष्य “निन्दा के योग्य नहीं” या “निन्दा के परे” या “अनिन्दनीय” है तो इसका अर्थ है कि मनुष्य परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है और उसकी आलोचना नहीं की जा सकती है।
* शब्द "निन्दा" का अनुवाद "अभियोग" या "शर्म" या "अपमान" के रूप में भी किया जा सकता है।
* संदर्भ के आधार पर "निन्दा करने के लिए" का अनुवाद "ठट्ठा करने के लिए" या "अभियोग करने के लिए" या "आलोचना करने के लिए" के रूप में भी किया जा सकता है

(यह भी देखें: [दोष लगाना](../other/accuse.md), [झिड़कना](../other/rebuke.md), [लज्जा](../other/shame.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 तीमुथियुस 05:7-8
* 1 तीमुथियुस 06:13-14
* यिर्मयाह 15:15-16
* अय्यूब 16:9-10
* नीतिवचन 18:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1421, H1442, H2617, H2659, H2778, H2781, H3637, H3639, H7036, G410, G423, G819, G3059, G3679, G3680, G3681, G5195, G5196, G5484

### नियुक्त, ठहराना, सामान्य, नियुक्ति

#### परिभाषा:

नियुक्त करने का अर्थ है किसी विशेष कार्य या भूमिका हेतु किसी मनुष्य की औपचारिक नियुक्ति का कार्य। इसका संदर्भ औपचारिक रूप से नियम या आदेश भी हो सकता है।

* "नियुक्त" का संदर्भ अक्सर याजक, सेवक या रब्बी नियुक्त करने की औपचारिक प्रक्रिया से भी है।
* उदाहरणार्थ, परमेश्वर ने हारून और उसके वंशजों को याजक होने के लिए ठहराया है।
* इसका अर्थ धार्मिक पर्व या वाचा के निर्धारण से भी हो सकता है।
* संदर्भ के अनुसार, “अभिषेक करना” का अनुवाद हो सकता है ”कार्य-भार सौंपना” या “निुयक्त करना” या “आज्ञा देना” या “नियम बनाना ” या “स्थापना करना”।

(यह भी देखें: [आज्ञा](../kt/command.md), [वाचा](../kt/covenant.md), [आदेश](../other/decree.md), [नियम](../other/law.md), [व्यवस्था](../kt/lawofmoses.md), [याजक](../kt/priest.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 राजा 12:31-32
* 2 शमूएल 17:13-14
* निर्गमन 28:40-41
* गिनती 03:3-4
* भजन संहिता 111:7-9

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H3245, H4390, H6186, H6213, H6680, H7760, H8239, G1299, G2525, G4270, G4282

### निर्दोष

#### परिभाषा:

“निर्दोष” शब्द का अर्थ है, अपराध या अनुचित कार्य का दोषी न होना। इसका संदर्भ सामान्यतः उन मनुष्यों से है जो बुरे कामों में नहीं हैं।

* किसी मनुष्य पर अनुचित कार्य का दोष लगाया गया और उसने वह काम नहीं किया तो वह निर्दोष है।
* कभी-कभी “निर्दोष” शब्द का उपयोग उन मनुष्यों के लिए किया जाता है जो किसी बुरे काम को नहीं करने के उपरान्त भी दण्डित किए जाते हैं, जैसे शत्रु की सेना “निर्दोषों” पर आक्रमण करती है।
* बाइबिल में, “लहू” “हत्या” को दर्शाता है, “निर्दोष का लहू” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य जिन्होंने कुछ भी अनुचित कार्य नहीं किया कि उन्हें मार डाला गया”

#### अनुवाद के सुझाव:

* अधिकांश प्रकरणों में “निर्दोष” शब्द का अनुवाद हो सकता है: "निरपराध" या "उत्तरदायी नहीं" या "दोषी नहीं"
* जब सामान्यतः निर्दोष मनुष्यों के संदर्भ में हो तो इसका अनुवाद होगा, “जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया” या “जो बुराई में सहभागी नहीं हैं”।
* “निर्दोष का लहू बहाना” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोषों की हत्या” उन लोगों की हत्या करना जिन्होंने कुछ भी अनुचित नहीं किया”

(यह भी देखें: [दोष](../kt/guilt.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 04:3-4
* 1 शमूएल 19:4-5
* प्रे.का. 20:25-27
* निर्गमन 23:6-9
* यिर्मयाह 22:17-19
* अय्यूब 09:21-24
* रोमियो 16:17-18

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **08:06** दो साल बाद भी, **निर्दोष** होने के बावजूद यूसुफ बंदीगृह में था।
* **40:04** उनमें से एक जब यीशु का ठट्ठा उड़ा रहा था तो ,दूसरे ने कहा कि, “क्या तू परमेश्वर से नहीं डरता? हम अपराधी है पर ,यह तो **बेगुनाह** है।”
* **40:08** तब सूबेदार जो यीशु का पहरा दे रहे थे, वो सब कुछ जो हुआ था उसे देखकर कहा कि, “यह मनुष्य **धर्मी** था। सचमुच यह परमेश्वर का पुत्र था।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2136, H2600, H2643, H5352, H5355, H5356, G121

### निर्दोष

#### परिभाषा:

“निर्दोष शब्द” का शाब्दिक अर्थ है, “बिना किसी दोष के”। यह उस मनुष्य के संदर्भ में काम में लिया जाता है जो पूर्ण मन से परमेश्वर की आज्ञाएं मानता है परन्तु इसका अर्थ यह नहीं कि वह निष्पाप है।

अब्राहम और नूह परमेश्वर की दृष्टि में निर्दोष थे।

जिस मनुष्य को "निर्दोष" माना जाता है, वह परमेश्वर को आदर देनेवाला आचरण रखता है।

एक बाइबल पद के अनुसार निर्दोष मनुष्य “परमेश्वर का भय मानता है और बुराई से दूर रहता है”।

अनुवाद के सुझाव:

#### ??

* इसका अनुवाद इस प्रकार भी हो सकता है “उसका चरित्र दोषरहित है” या पूर्वतः परमेश्वर का आज्ञाकारी है” या “पाप से दूर रहना” या “बुराई से दूर रहता है”

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 02:10
* 1 थिस्सलुनीकियों 03:11-13
* 2 पतरस 03:14
* कुलुस्सियों 01: 2, 2
* उत्पत्ति 17: 1-2
* फिलिप्पियों02:, 15
* फिलिप्पियों03:6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5352, H5355, H8535, G273, G274, G298, G299, G338, G410, G423

### निर्दोष, निर्दोष ठहराना, छूट जाता

#### परिभाषा:

"निर्दोष ठहराना" अर्थात् किसी को नियम विरोधी का अनैतिकता के दोष से मुक्त करना।

* बाइबल में यह शब्द कभी-कभी पापियों को क्षमा करने के लिए काम में लिया जाता है।
* प्रकरण प्रायः दुष्टों और परमेश्वर विरोधियों को अनुचित रूप से दोषमुक्त करने के बारे में है।
* इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्दोष घोषित करना” या “दोषी ना होने का निर्णय देना”

(यह भी देखें: [क्षमा](../kt/forgive.md), [दोष](../kt/guilt.md), [पाप](../kt/sin.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* व्यवस्थाविवरण 25:1-2
* निर्गमन 21:28-30
* निर्गमन 23:6-9
* यशायाह 05:22-23
* अय्यूब 10:12-14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3444, H5352, H5355, H6403, H6663

### नीनवे, नीनवे के लोग

#### तथ्य:

नीनवे अश्शूरों की राजधानी थी। “नीनवेवासी” वह है जो नीनवे में रहते थे।

* परमेश्वर ने योना को भेजा था कि नीनवे के लोगों को दुष्टता से फिरने की चेतावनी दे। उन्होंने मन फिराया और परमेश्वर ने उन्हें नष्ट नहीं किया।
* बाद में अश्शूरों ने परमेश्वर की सेवा करना छोड़ दिया। उन्होंने इस्राएल राज्य को जीतकर प्रजा को बन्दी बना लिया था।

(यह भी देखें: [अश्शूर](../names/assyria.md), [योना](../names/jonah.md), [मन फिराना](../kt/repent.md), [बदलना](../other/turn.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 10:11-14
* योना 01:1-3
* योना 03:1-3
* लूका 11:32
* मत्ती 12:41

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5210, G3535, G3536

### पत्थर, पत्थर, पत्थर

#### परिभाषा:

पत्थर एक छोटी चट्टान का टुकड़ा होता है। "पत्थर" करने के लिए किसी ने उसे मारने के इरादे से उस व्यक्ति पर पत्थर और बड़ी चट्टानें फेंकना है एक "पत्थरवाह" एक घटना है जिसमें किसी को पत्थरवाह किया गया था।

* प्राचीन समय में, पत्थरों को लोगों द्वारा किए गए अपराधों की सजा के रूप में लोगों को निष्पादित करने का एक सामान्य तरीका था।
* परमेश्वर ने इस्राएल के अगुवों को आज्ञा दी थी कि वे लोगों को कुछ पापों के लिए मार डालें, जैसे व्यभिचार।
* नए नियम में, यीशु ने व्यभिचार में एक महिला को माफ कर दिया और लोगों को उसे मारने से रोक दिया
* स्तिफनुस, जो यीशु के बारे में गवाही देने के लिए बाइबल में पहली व्यक्ति जिसको हत्या कर दी गई थी, उसे पत्थरवाह करके मार डाला गया था
* लुस्त्रा शहर में, प्रेरित पौलुस को पत्थरवाह किया गया था, लेकिन वह अपने घावों से मरा नहीं।

(यह भी देखें: [परस्त्रीगमन](../kt/adultery.md), [करना](../other/commit.md), [अपराध](../other/criminal.md), [मृत्यु](../other/death.md), [लुस्त्रा](../names/lystra.md), [गवाही](../kt/testimony.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:57-58
* प्रे.का. 07:59-60
* प्रे.का. 14:5-7
* प्रे.का. 14:19-20
* यूह. 08:4-6
* लूका 13:34-35
* लूका 20:5-6
* मत्ती. 23:37-39

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H68, H69, H810, H1382, H1496, H1530, H2106, H2672, H2687, H2789, H4676, H4678, H5553, H5601, H5619, H6344, H6443, H6697, H6864, H6872, H7275, H7671, H8068, G2642, G2991, G3034, G3035, G3036, G3037, G4074, G4348, G5586

### पत्री, पत्र, चिट्ठियाँ

#### परिभाषा:

पत्र किसी को या किसी समुदाय को भेजा गया लिखित सन्देश है जो लेखक से बहुत दूर है। यह एक विशेष पत्र होता है जो अधिक विधिवत शैली में लिखा होता है जिसका उद्देश्य विशेष करके शिक्षा देना होता है।

* नये नियम के युग में पशु की त्वचा से बने चर्मपत्र थे या वृक्षों की खाल से बने कागजों पर लिखे जाते थे।
* नये नियम के पत्र जिन्हें पौलुस, यूसुफ, याकूब और यहूदा और पतरस ने लिखे वे निर्देशन थे जो संपूर्ण रोमी राज्य के विभिन्न स्थानों में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने का उपदेश देने तथा शिक्षा देने के उद्देश्य से लिखे गए थे।
* इस शब्द का अनुवाद “लिखित सन्देश” या “लिखे हुए शब्द” या “लेख” हो सकता है।

(यह भी देखें: [प्रोत्साहित करना](../kt/exhort.md), [उपदेश देना](../kt/exhort.md), [समझाना](../other/teach.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 05:25-28
* 2 थिस्सलुनीकियों 02:13-15
* प्रे.का. 09:1-2
* प्रे.का. 28:21-22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H104, H107, H3791, H4385, H5406, H5407, H5612, H6600, G1121, G1989, G1992

### परमेश्‍वर

#### तथ्य:

बाइबल में “परमेश्‍वर” का संदर्भ शाश्वत जीव से है जिसने ब्रह्माण्ड को शून्य से बनाया है। परमेश्‍वर का अस्तित्व पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा में है। परमेश्‍वर का नाम यहोवा है।

* परमेश्‍वर सदा से है, जब कुछ भी नहीं था तब परमेश्‍वर था और वह अनन्त काल तक रहेगा।
* वही एकमात्र सच्चा परमेश्वर है और उसका अधिकार संपूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
* परमेश्‍वर धार्मिकता में सिद्ध, असीम बुद्धिमान, पवित्र, निष्पाप, न्यायी, दयालु और प्रेमी है।
* वह वाचा रखनेवाला परमेश्‍वर है जो अपनी प्रतिज्ञाएं सदैव पूरी करता है।
* मनुष्य को परमेश्‍वर की उपासना हेतु बनाया गया था और उसे सदैव उसी की उपासना करना चाहिए।
* परमेश्‍वर ने अपना नाम “यहोवा” बताया है जिसका अर्थ है, “वह है” या “मैं हूँ” या “जो हमेशा से है।”
* बाइबल में झूठे ईश्वरों का भी उल्लेख है जो निर्जीव मूर्तियां है, उनकी उपासना मनुष्य करता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “परमेश्वर” शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “दिव्य शक्ति” या “सृजनहार” या “अलौकिक प्राणी”।
* “परमेश्वर” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “अलौकिक सृजनहार” या “अनन्त परम प्रधान प्रभु” या “शाश्वत अलौकिक प्राणी”
* ध्यान दें कि स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में परमेश्वर के लिए क्या शब्द काम में लिया जाता है। हो सकता है कि लक्षित भाषा में परमेश्वर के लिए एक शब्द है। यदि है तो सुनिश्चित करें कि उस शब्द में एकमात्र सच्चे परमेश्वर के गुण प्रकट है, जैसा ऊपर व्यक्त किया गया है।
* अनेक भाषाओं में परमेश्‍वर शब्द का प्रथम अक्षर बड़ा कर दिया जाता है कि वह झूठे ईश्वरों से भिन्न करा जा सके।
* इस अन्तर को प्रकट करने के लिए परमेश्‍वर और ईश्वर शब्दों को दो भिन्न अक्षरों द्वारा व्यक्त किया जाए।
* “मैं उनका परमेश्‍वर होऊंगा और वे मेरे लोग होंगे” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “मैं परमेश्‍वर इन लोगों पर राज करूंगा और वे मेरी उपासना करेंगे।”

(यह भी देखें: [बनाने](../other/creation.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [पिता परमेश्वर](../kt/godthefather.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [मूर्ति](../other/idol.md), [परमेश्वर का पुत्र](../kt/sonofgod.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूह. 01:5-7
* 1 शमूएल 10:7-8
* 1 तीमुथियुस 04:9-10
* कुलुस्सियों 01: 15-17
* व्य. 29:14-16
* एज्रा 03:1-2
* उत्पत्ति 01: 1-2
* होशे 04:11-12
* यशा. 36:6-7
* याकूब 02:18-20
* यिर्मयाह 05:4-6
* यूह. 01:1-3
* यहोशू 03:9-11
* विलापना 03:40-43
* मीका 04:4-5
* फिलिप्पुस 02:5-8
* नीतिवचन 24:11-12
* भजन-संहिता 047:8-9

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **01:01** **परमेश्वर** ने छह दिनों में ब्रह्मांड और सब कुछ बनाया।
* **01:15** **परमेश्वर** ने अपनी छवि में आदमी और औरत को बनाया।
* **05:03** "मैं **परमेश्वर** सर्वशक्तिमान हूँ। मैं तुम्हारे साथ वाचा बान्धूंगा।
* **09:14** **परमेश्वर** ने कहा, "मैं जो हूं, सो हूं। उनसे कहना, 'जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।' यह भी उनको बताओ, "मैं तुम्हारे पूर्वजों अब्राहम, इसहाक और याकूब का **परमेश्वर**, यहोवा हूं।" सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।'" है
* **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा **परमेश्वर** यह दिखाना चाहता था ,कि वह फ़िरौन व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।
* **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो सच्चा **परमेश्वर** है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
* **22:07** और तू हे बालक, **परमप्रधान परमेश्वर** का भविष्यद्वक्ता कहलाएगा क्योंकि तू प्रभु का मार्ग तैयार करने के लिए उसके आगे आगे चलेगा।
* **24:09** ” केवल एक ही **परमेश्वर** है। परन्तु जब यूहन्ना ने यीशु को बपतिस्मा दिया, उसने पिता **परमेश्वर** को कहते सुना, पुत्र परमेश्वर को देखा, और पवित्र आत्मा को भी देखा।
* **25:07** "कि ‘तू प्रभु अपने **परमेश्वर** को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
* **28:01** "जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह **परमेश्वर** है।"
* **49:09** लेकिन **परमेश्वर** ने जगत के हर मनुष्य से इतना अधिक प्रेम किया कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे उसे उसके पापों का दण्ड नहीं मिलेगा, परन्तु हमेशा **परमेश्वर** के साथ रहेगा।
* **50:16** लेकिन एक दिन **परमेश्वर** एक नया आकाश और एक नई पृथ्वी की रचना करेगा जो सिद्ध होगी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H136, H305, H410, H426, H430, H433, H2486, H2623, H3068, H3069, H3863, H4136, H6697, G112, G516, G932, G935, G1096, G1140, G2098, G2124, G2128, G2150, G2152, G2153, G2299, G2304, G2305, G2312, G2313, G2314, G2315, G2316, G2317, G2318, G2319, G2320, G3361, G3785, G4151, G5207, G5377, G5463, G5537, G5538

### पर्व, पर्व

#### परिभाषा:

सामान्य अर्थ में पर्व किसी जन समुदाय द्वारा उत्सव मनाना होता है।

* पुराने नियम में “पर्व” का मूल अर्थ था “नियुक्त समय”
* इस्राएल के पर्व परमेश्वर द्वारा नियुक्त समय एवं ऋतुएं थे जिसके पालन की आज्ञा परमेश्वर ने उन्हें दी थी।
* कुछ अंग्रेजी अनुवादों में "पर्व" के स्थान में भोज शब्द का उपयोग किया गया है क्योंकि पर्वों में विशाल भोज का आयोजन किया जाता था।
* इस्राएल के अनेक मुख्य पर्व थे जिन्हें वे प्रति वर्ष मनाया करते थे:
* फसह
* अखमीरी रोटी का पर्व
* पहली उपज
* सप्ताहों का पर्व (पिन्तेकुस्त)
* तुरहियों का पर्व
* प्रायश्चित का दिन
* झोपड़ियों का पर्व
* इन पर्वों का उद्देश्य था परमेश्वर को धन्यवाद व्यक्त करना और उसकी प्रजा के उद्धार, सुरक्षा और प्रावधानों के निमित्त उसके आश्चर्यकर्मों को स्मरण करना।

(यह भी देखें: [उत्सव](../other/feast.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 23:30-31
* 2 इतिहास 08:12-13
* निर्गमन 05:1-2
* यूहन्ना 04:43-45
* लूका 22:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1974, H2166, H2282, H2287, H6213, H4150, G1456, G1858, G1859

### पर्व, पर्वों, भोज

#### परिभाषा:

“पर्व” शब्द का अर्थ अति सामान्य है, जिसका सन्दर्भ ऐसे कार्यक्रम से है जिसमें जनसमूह उत्सव मनाने के उद्देश्य से एक वृहत भोज में सहभागी होता है। बैबले के युग में भोज कई दिन वरन अधिक समय तक चलता था।

पर्व विशेष में भोजन परिस्थिति के अनुकूल विशेष होते थे।

परमेश्वर ने यहूदियों को जिन धार्मिक पर्वों को मनाने की आज्ञा दी थी उनमें अधिकतर सहभागिता भोज होते थे। यही कारण है कि उत्सवों को पर्व कहा गया था।

बाइबल के युग में राजा और अन्य धनवान, प्रतिष्ठित जन अपने परिवार या मित्रों का अतिथि सत्कार करने के लिए अधिकतर भोज का आयोजन करते रहते थे।

ऊडा़ऊ पुत्र की कहानी में पिता ने पुत्र के लौट आने के उपलक्ष में विशेष भोज का आयोजन किया था।

“पर्व मनाना” का अनुवाद हो सकता है, “बहुत अधिक खाना” या “बहुत खाकर उत्सव मनाना” या “विशेष व्यापक भोजन करना।"”

प्रकरण के अनुसार “पर्व” का अनुवाद हो सकता है, “विशाल भोज के साथ उत्सव मनाना” या “नाना विविध व्यंजनों का भोजन करना” या “उत्सव का भोज।”

(यह भी देखें: [पर्व](../other/festival.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 पतरस 02:12-14
* उत्पत्ति 26:30
* उत्पत्ति 29:22
* उत्पत्ति 40:20
* यहूदा 01:12-13
* लूका 02:43
* लूका 14:7-9
* मत्ती 22:01

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H398, H2077, H2282, H3899, H3900, H4150, H4797, H4960, H7646, H8057, H8354, G26, G1062, G1173, G1859, G2165, G4910

### पलिश्तियों

#### तथ्य:

पलिश्ती एक जाति थी जो भूमध्य सागर के तट पर पलिश्तीन देश में वास करती थी। इस नाम का अर्थ है, “समुद्री लोग”

* पलिश्तियों के पांच मुख्य नगर थे: अश्दोद, अश्कलोन, एक्रोन, गत और गाज़ा।
* अश्दोद नगर पलिश्तीन के उत्तर में था और गाज़ा नगर दक्षिण में था।
* पलिश्तियों को इस्राएल के साथ वर्षों युद्ध करने के कारण अच्छे जाना गया था।
* शिमशोन, एक न्यायी पलिश्तियों से युद्ध करने के लिए प्रसिद्ध था, वह परमेश्वर की अलौकिक शक्ति का उपयोग करता था।
* राजा दाऊद ने भी पलिश्तियों के साथ अनेक युद्ध किए थे, उसने अपनी युवावस्था में पलिश्तियों के दानव गोलियत को हराया था।

(यह भी देखें: [अश्दोद](../names/ashdod.md), [अश्कलोन](../names/ashkelon.md), [दाऊद](../names/david.md), [एक्रोन](../names/ekron.md), [गत](../names/gath.md), [गाज़ा](../names/gaza.md), [गोलियत](../names/goliath.md), [खारे ताल](../names/saltsea.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 18:9-11
* 1 शमूएल 13:3-4
* 2 इतिहास 09:25-26
* उत्पत्ति 10:11-14
* भजन संहिता 056:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6429, H6430

### पवित्र, पवित्रता, अपवित्र,

#### परिभाषा:

“पवित्र” और पवित्रता” का संदर्भ परमेश्वर के गुण से है जो पूर्णतः पृथक है और किसी भी पापी और असिद्ध बात से पृथक किया हुआ है।

* केवल परमेश्वर पूर्णतः पवित्र है। वह मनुष्यों और वस्तुओं को पवित्र बनाता है।
* पवित्रजन परमेश्वर का है और वह परमेश्वर की सेवा तथा महिमान्वन के लिए पृथक किया हुआ है।
* जिस वस्तु को परमेश्वर ने पवित्र घोषित कर दिया, वह उसकी महिमा और उपयोग के लिए पृथक कर दी गई है जैसे कि एक वेदी जो उसके बलिदान चढ़ाने के उद्देश्य के लिए है।
* मनुष्य उसकी अनुमति के बिना उसके निकट नहीं आ सकता क्योंकि वे पवित्र और मात्र मनुष्य हैं, पापी और असिद्ध।
* पुराने नियम में, परमेश्वर ने याजकों को पवित्र करके अपनी सेवा के लिए पृथक कर लिया था। उन्हें परमेश्वर के निकट जाने के लिए सांसारिक रूप में पापों से शुद्ध होना होता था।
* परमेश्वर कुछ स्थानों एवं वस्तुओं को भी पवित्रता में पृथक कर लेता है जो उसके होते हैं या जिनमें उसने स्वयं को प्रकट किया है जैसे मन्दिर।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “पवित्र” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “परमेश्वर के लिए पृथक” या “परमेश्वर का” या “पूर्णतः शुद्ध” या “सिद्धता में निष्पाप” या “पाप से पृथक”।
* “पवित्र करना” का अनुवाद प्रायः “शोधन” होता है। इसका अनुवाद “परमेश्वर के महिमा से (किसी को) पृथक करना” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [पवित्र करना](../kt/consecrate.md), [शोधन](../kt/sanctify.md), [पृथक करना](../kt/setapart.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 28:22
* 2 राजा 03:02
* विलापगीत 04:01
* यहेजकेल 20:18-20
* मत्ती 07:6
* मरकुस 08:38
* प्रे.का. 07:33
* प्रे.का. 11:08
* रोमियों 01:02
* 2 कुरिन्थियों 12:3-5
* कुलुसियों 01:22
* 1 थिस्लुनिकियों 03:13
* 1, थिस्लुनिकियों 04:07
* 2 तीमुथियुस 03:15

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **01:16** उस ने सातवें दिन को आशीष दिया और उसे **पवित्र** बनाया क्योंकि इस दिन परमेश्वर ने अपने काम से विश्राम लिया था।
* **09:12** “जिस स्थान पर तू खड़ा है वह **पवित्र** भूमि है।”
* **13:02** ,”इसलिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और **पवित्र** जाति ठहरोगे।”
* **13:05** तू सब्त के दिन को **पवित्र** मानने के लिये स्मरण रखना।
* **22:05**“इसलिये वह **पवित्र** जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।”
* **50:02** जबकि हम यीशु के वापस आने का इंतजार कर रहे हैं, तो परमेश्वर चाहता है कि हम ऐसा जीवन जियें जो **पवित्र** हो तथा उसे आदर देता हो।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H430, H2455, H2623, H4676, H4720, H6918, H6922, H6942, H6944, H6948, G37, G38, G39, G40, G41, G42, G462, G1859, G2150, G2412, G2413, G2839, G3741, G3742

### पवित्र

#### परिभाषा:

“पवित्र” बाइबल में एक पदनाम है जो सदैव परमेश्वर का संदर्भ देता है।

* “पुराने नियम में यह नाम अधिकतर “इस्राएल का पवित्र” उक्ति में प्रकट होता है।
* नये नियम में यीशु को भी “पवित्र जन” कहा गया है।
* “पवित्र जन” बाइबल में कभी-कभी स्वर्गदूत के लिए काम में लिया गया है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* वास्तविक शब्दावली है, “वह पवित्र”("एक" के साथ निहित किया जा रहा है।) कई भाषाएं (जैसे अंग्रेज़ी) इसे अंतर्निहित संज्ञा के साथ अनुवाद करेंगे(जैसे "एक" या "परमेश्वर") ।
* इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर, जो पवित्र है” या “पृथक किए गए लोग” हो सकता है।
* वाक्यांश "इस्राएल का पवित्र जन" का अनुवाद "पवित्र परमेश्वर जिसे इस्राएल की आराधना करता है" या "पवित्र इस्राएल के शासन करने वाले" के रूप में किया जा सकता है।
* इस शब्द का उत्तम अनुवाद उसी शब्द या वाक्यांश का उपयोग करना है जिसे "पवित्र" का अनुवाद करने के लिए उपयोग किया जाता है।

(यह भी देखें: [पवित्र](../kt/holy.md), [परमेश्वर](../kt/god.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 02:20-21
* 2 राजा 19:20-22
* प्रे.का. 02:27-28
* प्रे.का. 03:13-14
* यशायाह 05:15-17
* यशायाह 41:14-15
* लूका 04:33-34

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2623, H376, H6918, G40, G3741

### पवित्र

#### परिभाषा:

"पवित्र" शब्द परमेश्वर की आराधना या अन्य जातियों के झूठे देवता की आराधना का वर्णन करता है।

* पुराने नियम में "पवित्र" शब्द देवी-देवताओं की पूजा में प्रयुक्त पत्थर के स्तंभों और उसमे इस्तेमाल किया गया अन्य वस्तुओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसका अनुवाद "धार्मिक" भी किया जा सकता है।
* "पवित्र भजन" या "पवित्र संगति" उक्तियां परमेश्वर की महिमा के लिए गाया या बजाने हुआ गाना को सूचित करता है। इसका अनुवाद "यहोवा की आराधना में बजाया गया संगीत" या "परमेश्वर की स्तुति के गीत" जैसे हो सकता है।
* "पवित्र कर्तव्य" का संदर्भ "धार्मिक कार्यों" या "अनुष्ठान" को सूचित करता जो परमेश्वर की आराधना में मनुष्यों की अगुआई हेतु याजकों द्वारा किए गाया था। इसका संदर्भ मूर्तिपूजा में अन्यजाति पुजारियों द्वारा पूजन कृत्यों से भी होता है।

(यह भी देखें: [पवित्र](../kt/holy.md), [अभिषेक करना](../kt/consecrate.md), [याजक](../kt/priest.md)))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 कुरिन्थियों 12:3-5
* 2 राजा 03:1-3
* 2 तीमु. 03:14-15
* उत्पत्ति 28:20-22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H430, H4676, H6944, H6948, G2413

### पशु

#### तथ्य:

“पशु” उन पशुओं को कहते हैं जो भोजन एवं अन्य उपयोगी उत्पाद उत्पन्न करते हैं। कुछ पशुओं को काम के लिए पाला जाता है

* पशु में भेड़, मवेशी, बकरियां, घोड़े और गधे आते हैं।
* बाइबल के युग में सम्पदा का एक भाग पशु भी गिना जाता था।
* पशु से ऊन, दूध, पनीर, घरेलू सामग्री तथा कपड़ों का कच्चा सामान उत्पन्न होता था।
* इसका अनुवाद, “पालतू पशु” भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [गाय](../other/cow.md), [गदहे](../other/donkey.md), [बकरा](../other/goat.md), [घोड़ा](../other/horse.md), [बैल](../other/cow.md), [भेड़](../other/sheep.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 03:15-17
* उत्पत्ति 30:29-30
* यहोशू 01:14-15
* नहेम्याह 09:36-37
* गिनती 01:17-19

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H929, H4399, H4735

### पशु, पशुओं, जानवर

#### तथ्य:

बाइबल में “पशु” शब्द “जानवर” को कहने के लिए दूसरा शब्द है।

* जंगली जानवर एक प्रकार का जानवर है जो जंगल या खेतों में स्वतंत्र रूप से रहता है और लोगों द्वारा प्रशिक्षित नहीं किया गया है।
* घरेलु पशु मनुष्यों के साथ रहता है और भोजन के लिए या काम करने के लिए रखा जाता है जैसे कि हल चलाना। अक्सर "पशुधन" शब्द का उपयोग इस तरह के जानवरों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।
* पुराने नियम में दानिय्येल की पुस्तक और नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में दर्शनों की चर्चा की गई है जिनमें बुराई की शक्तियों और परमेश्वर विरोधी अधिकारों को पशु कहा गया है।
* इनमें कुछ पशुओं को विचित्र दर्शाया गया है जैसे अनेक सिर और अनेक सींग। उनके पास सामर्थ्य और अधिकार हैं जो दर्शाते हैं कि वे देश, जाति या राजनीतिक शक्तियों का प्रतीक हैं।
* अनुवाद करने के तरीकों में संदर्भ के आधार पर, “प्राणी” या “सृजित वस्तु”, "जानवर" या “वनपशु” शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [दानिय्येल](../names/daniel.md), [पशु](../other/livestock.md), [जाति](../other/nation.md), [सामर्थ्य](../kt/power.md), [प्रकट](../kt/reveal.md), [शैतान](../names/beelzebul.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 15:32
* 1 शमूएल 17:44
* 2 इतिहास 25:18
* यिर्मयाह 16:1-4
* लैव्यव्यवस्था 07:21
* भजन संहिता 049:12-13

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H338, H929, H1165, H2123, H2416, H2423, H2874, H3753, H4806, H7409, G2226, G2341, G2342, G2934, G4968, G5074

### पहचान, जान सकता, समझदार, विवेक-शक्ति

#### परिभाषा:

“पहचान” (समझने की शक्ति) अर्थात किसी बात को अंतर्ग्रहण करना विशेष करके समझाना कि कोई बात सही है या गलत।

* “समझने की शक्ति” समझकर किसी बात का बुद्धिमानी से निर्णय लेना।
* इसका अर्थ है बुद्धि और उचित निर्णय लेने की क्षमता होना।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “पहचान” का अनुवाद, “समझना” या “अन्तर पहचानना” या “अच्छे और बुरे में भेद करना” या “किसी का उचित निर्णय लेना” या “सही को गलत से अलग करके देखना” हो सकता है।
* “समझने की शक्ति” का अनुवाद “समझना” या “अच्छे और बुरे में अन्तर पहचानने की क्षमता” हो सकता है।

(यह भी देखें: [न्याय](../kt/judge.md), [बुद्धिमान](../kt/wise.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 03:7-9
* उत्पत्ति 41: 33-34
* नीतिवचन 01:4-6
* भजन संहिता 019:11-12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H995, H1781, H2940, H4209, H5234, H8085, G350, G1252, G1253, G1381, G2924

### पहर, घंटे

#### परिभाषा:

“पहर” बाइबल में प्रायः दिन के किस समय कोई घटना घटी। इसका प्रतीकात्मक उपयोग “समय” या “पल” के लिए भी किया जाता है।

* यहूदी दिन को सूर्योदय से गिनते थे। (लगभग सुबह 6 बजे) उदाहरण के तौर पर, “नौवें घन्टे” अर्थात लगभग दो या तीन बजे।
* रात का समय सूर्यास्त के समय (लगभग संध्या 6 बजे) से गिना जाता था। उदाहरणार्थ “रात के तीसरे पहर” अर्थात आज के प्रणाली में "रात में नौ बजे के लगभग"।
* क्योंकि बाइबल में समय का संदर्भ आज की समय पद्धति के अनुकूल नहीं होगा। अतः “लगभग नौ बजे” या “लगभग छः बजे” जैसी अभिव्यक्तियां काम में ली जा सकती हैं।
* कुछ अनुवादों में ऐसी उक्तियां काम में ली गई हैं जैसे “संध्या समय” या “प्रातःकाल के समय” या “दोपहर के समय” कि दिन के समय को स्पष्ट किया जाए।
* “उस घड़ी में” का अनुवाद हो सकता है, “उस समय” या “उस पल”
* यीशु के संदर्भ में “घड़ी आ पहुंची है” का अनुवाद हो सकता है, “उसका समय आ गया है कि” या “उसका निर्धारित समय आ चूका है”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 02:14-15
* यूहन्ना 04:51-52
* लूका 23:44-45
* मत्ती 20:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8160, G5610

### पानी, जल, पानी पिलाया, पानी देना

#### परिभाषा:

“पानी” का मूल अर्थ के अतिरिक्त अर्थ जलाशयों से भी है जैसे समुद्र, सागर, झील या नदी भी है।

* "जल" इस वाक्यांश का सन्दर्भ जलाशयों या अनेक जल स्रोतों से है। इसका सन्दर्भ सामान्यतः जल की बड़ी मात्रा से भी है।
* “पानी” का प्रतीकात्मक उपयोग घोर निराशा, कठिनाइयों और कष्टों के लिए भी किया जाता है। उदाहरणार्थ, परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है कि जब हम “पानी से होकर चलें” तब वह हमारे साथ-साथ होगा।
* “बहुत जल” का अर्थ है परेशानियां बहुत बड़ी हैं।
* मवेशियों और अन्य पशुओं को पानी पिलाने का अर्थ है उनके लिए "पीने के पानी की व्यवस्था करना"। बाइबल के युग में पानी बाल्टी द्वारा कुएँ से निकाल कर होदे में या किसी और पात्र में डाला जाता था कि पशु उसमें से पानी पीएं।
* पुराने नियम में परमेश्वर को उसके लोगों के लिए “जीवन जल” का सोता कहा गया है। इसका अर्थ है कि वह आत्मिक शक्ति और नवजीवन का सोत है
* नये नियम में यीशु ने “जीवन जल” उक्ति का उपयोग किया है जो मनुष्य को बदलने तथा नवजीवन देने के लिए पवित्र आत्मा का कार्य है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “पानी भरना” का अनुवाद होगा, “बाल्टी द्वारा कूएँ से पानी निकालना”
* “उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियां बह निकलेंगी”। इसका अनुवाद हो सकता है, “पवित्र आत्मा का सामर्थ्य और आशिषें उनमें से नदियों के सदृश्य बहने लगेंगी” “आशिषों” के स्थान में “वरदान” या “फल” या “ईश्वरीय गुण” का उपयोग किया जा सकता है।
* कूएँ पर उस सामरी स्त्री से बातें करते समय “जीवन जल” का अनुवाद “जीवनदायक जल” या “पानी जो जीवन देता है” किया जा सकता है। इस संदर्भ में पानी की उपमा को अनुवाद में प्रकट करना है।
* प्रकरण के अनुसार, “पानी” और “बहुत पानी” का अनुवाद “घोर कष्ट” हो सकता है (जो आपको पानी की तरह चारों ओर से घेरे होता है) "या" भारी कठिनाइयों (जैसे पानी की बाढ़) "या "बड़ी मात्रा में पानी "।

(यह भी देखें: [जीवन](../kt/life.md), [आत्मा](../kt/spirit.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [सामर्थ्य](../kt/power.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 08:36-38
* निर्गमन 14:21-22
* यूहन्ना 04:9-10
* यूहन्ना 04:13-14
* यूहन्ना 04:15-16
* मत्ती 14:28-30

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2222, H4325, H4529, H4857, H7301, H7783, H8248, G504, G4215, G4222, G5202, G5204

### पाप, पापो, पाप करना, पापमय, पापी, पाप करते रहना

#### परिभाषा:

“पाप” कार्य, विचार तथा जो शब्द परमेश्वर विरोधी हैं। पाप का अर्थ यह भी होता है कि हम वह काम न करें जो परमेश्वर चाहता है।

* वह हर एक काम जो परमेश्वर की आज्ञा या प्रसन्नता के विरूद्ध है वरन वे बातें भी जिन्हें अन्य जन नहीं जानते, पाप हैं।
* विचार और कार्य जो परमेश्वर की इच्छा का पालन नहीं करते पापी कहलाते हैं।
* क्योंकि आदम ने पाप किया है, सभी इंसान एक "पापी स्वभाव" के साथ पैदा होते हैं, जो एक प्रकृति है जो उन्हें नियंत्रित करता है और उन्हें पाप करने देता है।
* “पापी” अर्थात पाप करनेवाला, अतः सब मनुष्य पापी हैं।
* कभी-कभी “पापी” शब्द फरीसी जैसे धर्मी जनों द्वारा व्यवस्था का पालन नहीं करनेवालों के लिए काम में लिया जाता था, फरीसियों के तुल्य व्यवस्था पालन नहीं करनेवालों के लिए।
* “पापी” शब्द उन मनुष्यों के लिए भी काम में लिया जाता था जो अन्य मनुष्यों से अधिक पापी समझे जाते थे। उदाहरणार्थ, चुंगी लेनेवाले और वैश्याएं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “पाप” का अनुवाद ऐसी उक्ति के द्वारा भी किया जा सकता है जिसका अर्थ हो, “परमेश्वर की आज्ञा न मानना” या “परमेश्वर की इच्छा के विरूद्ध चलना” या “बुरे कार्य एवं विचार” या “गलत काम करना”।
* “पाप करना” का अनुवाद “परमेश्वर की अवज्ञा” या “अनुचित काम करना” भी हो सकता है।
* प्रकरण के अनुसार “पापमय” का अनुवाद “गलत काम करने वाले” या “दुष्ट” या “अनैतिक” या “बुरा” या “परमेश्वर से विद्रोह”
* प्रकरण के अनुसार “पापी” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ हो “वह मनुष्य जो पाप करता है” या “अनुचित काम करनेवाला मनुष्य” या “परमेश्वर की आज्ञा न माननेवाला मनुष्य”
* “पापियों” का अनुवाद ऐसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है जिनका अर्थ हो “अत्यधिक पापी मनुष्य” या “जिन मनुष्यों को अत्यधिक पापी माना जाता है” या “घोर अपराधी मनुष्य”
* “चुंगी लेनेवाले और पापी” का अनुवाद विधियां हैं, “सरकार के लिए पैसा एकत्र करनेवाले और अन्य अत्यधिक पापी मनुष्य” या “घोर पापी मनुष्य”।
* "पाप के दास" या "पाप द्वारा शासित" की अभिव्यक्ति में, "पाप" शब्द का अनुवाद "आज्ञा न मानना" या " बुरी इच्छाओं और कार्यों" के रूप में किया जा सकता है।
* सुनिश्चित करें कि इस अवधि के अनुवाद में पापी व्यवहार और विचार शामिल हो सकते हैं, यहां तक कि वह भी जो उस बारे में नहीं जानते हैं।
* शब्द "पाप" सामान्य होना चाहिए, और "दुष्टता" और "बुराई" के लिए शब्दों से अलग होना चाहिए।

(यह भी देखें: [अवज्ञा](../other/disobey.md), [दुष्ट](../kt/evil.md), [देह](../kt/flesh.md), [चुंगी लेनेवाला](../other/taxcollector.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 09:1-3
* 1 यूहन्ना 01:8-10
* 1 यूहन्ना 02:1-3
* 2 शमूएल 07:12-14
* प्रे.का. 03:19-20
* दानिय्येल 09:24-25
* उत्पत्ति 04:6-7
* इब्रानियों 12:1-3
* यशायाह 53:10-11
* यिर्मयाह 18:21-23
* लैव्यव्यवस्था 04:13-15
* लूका 15:17-19
* मत्ती 12:31-32
* रोमियो 06:22-23
* रोमियो 08:3-5

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **03:15** परमेश्वर ने कहा "मैं वादा करता हूँ कि मैं फिर कभी भूमि पर शाप नहीं दूंगा क्योंकि लोग बुरे काम करते हैं, या बाढ़ पैदा करके दुनिया को नष्ट कर देते हैं, भले ही लोग उस समय से **पापी** होते हैं जब वे बच्चे होते हैं।
* **13:12** परमेश्वर उनके **पाप** के कारण उनके साथ बहुत क्रोधित था और उन्हें नष्ट करने की योजना बनाई।
* **20:01** इस्राएलियों और यहूदियों के राज्यों ने परमेश्वर के विरुद्ध **पाप** किया था। उन्होंने वाचा को तोड़ा जो परमेश्वर ने उनके साथ सीनै में बनाया था।
* **21:13** भविष्यद्वक्ताओं ने यह भी कहा कि मसीह परिपूर्ण होगा, जिसमे कोई **पाप** नहीं होगा। वह अन्य लोगों के **पाप** के लिए दंड प्राप्त करने के लिए मर जाएगा
* **35:01** एक दिन, यीशु कई चुंगी लेनेवाला और अन्य **पापीयों** को सिखा रहा था जो उन्हें सुनने के लिए इकट्ठा हुए थे।
* **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा लहू है जो **पापों** की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
* **43:11** पतरस ने उनसे कहा, “मन फिराओ, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले तो परमेश्वर तुम्हारे **पापों** को क्षमा करेगा।
* **48:08** हम सभी हमारे **पापों** के लिए मरने योग्य हैं!
* **49:17** यद्यपि आप एक मसीही हैं, फिर भी आप **पाप** करने की परीक्षा में पड़ोगे । परन्तु परमेश्वर विश्वासयोग्य है और यह कहता है कि यदि तुम अपने **पापों** को मान लो, तो वह तुम्हें क्षमा करेगा। वह **पाप** के विरुद्ध युद्ध करने के लिए तुम्हें सामर्थ देगा।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H817, H819, H2398, H2399, H2400, H2401, H2402, H2403, H2408, H2409, H5771, H6588, H7683, H7686, G264, G265, G266, G268, G361, G3781, G3900, G4258

### पापबलि, पापबलि

#### परिभाषा:

“पापबलि ” उन बलियों में से एक थी जिनकी आज्ञा परमेश्वर ने इस्राएलियों को दी थी।

* इस बलि में बैल की बलि चढ़ानी होती थी, वेदी पर उसका लहू और चर्बी जलाए जाते थे और पशु की लोथ को इस्राएल की छावनी के बाहर धरती पर जला दिया जाता था।
* इस पशु को पूर्णतः भस्म करने का अर्थ था कि परमेश्वर अति पवित्र है और पाप अत्यधिक भयानक है।
* बाइबल की शिक्षा में पाप से शुद्ध होने के लिए पाप का मूल्य चुकाने के लिए लहू का बहाना आवश्यक है।
* पशुबलि पाप के लिए स्थाई क्षमा नहीं उपलब्ध करवा सकती थी।
* क्रूस पर यीशु की मृत्यु ने सदा के लिए पाप का दण्ड चुका दिया। वह एक सिद्ध पापबलि था।

(यह भी देखें: [वेदी](../kt/altar.md), [गाय](../other/cow.md), [क्षमा](../kt/forgive.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [पाप](../kt/sin.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 29:20-21
* निर्गमन 29:35-37
* यहेजकेल 44:25-27
* लैव्यव्यवस्था 05:11
* गिनती 07:15-17

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2401, H2402, H2398, H2403

### पीतल

#### परिभाषा:

“पीतल” (कांसा) एक धातु है जिसे तांबा और टिन के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसका रंग हल्की लालिमा लिए भूरा होता है।

* यह धातु पानी से होने वाली हानि से सुरक्षित रहता है और गर्मी का उत्तम चालक होता है।
* प्राचीन युग में पीतल उपकरणों, हथियारों, कलाकृतियों, वेदियों, खाना पकाने के बर्तन, सैनिकों के रक्षा कवच आदि अनेक वस्तुओं के निर्माण में काम आता था।
* मिलाप वाला तम्बू और मन्दिर में अनेक समान तांबे के बने हुए थे।
* देवी-देवताओं की मूर्तियां भी तांबे से बनती थी।
* तांबे से वस्तुएं बनाने के लिए पहले तांबे को पिघलाया जाता था उसके बाद सांचों में डाला जाता था। इस प्रक्रिया को "ढालना" कहते थे।

(यह भी देखें: [हथियार](../other/armor.md), [मिलाप वाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 07:15-17
* 1 शमूएल 17:37-38
* दानिय्येल 02:44-45
* निर्गमन 25:3-7
* प्रकाशितवाक्य 01:14-16

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5153, H5154, H5174, H5178, G5470, G5474, G5475

### पुकार, चिल्लाहट, पुकारकर, रोना, दोहाई, दोहाई,

#### परिभाषा:

“पुकार” या “दोहाई” प्रायः किसी बात को उच्च स्वर में कहना और आवश्यकता व्यक्त करना। कोई “दोहाई” पीड़ा या निराशा या क्रोध में भी पुकार सकता है।

* “दोहाई” का अर्थ चिल्लाना या आवाज देना, अधिकतर सहायता के लिए।
* इसका अनुवाद “ऊंचे स्वर में घोषणा करना” या “शीघ्रता में सहायता मांगना” हो सकता है-प्रकरण के अनुसार।
* “मैं तुझे पुकारता हूं” इस उक्ति का अनुवाद “मैं सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” या “मैं आपातकालीन सहायता के लिए तुझे पुकारता हूं” हो सकता है।

(यह भी देखें: [बुलाहट](../kt/call.md), [विनती करना](../other/plead.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* अय्यूब 27:8-10
* मरकुस 05:5-6
* मरकुस 06:48-50
* भजन 022:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H603, H1058, H2199, H2201, H6030, H6463, H6670, H6682, H6817, H6818, H6873, H6963, H7121, H7123, H7321, H7440, H7442, H7723, H7737, H7768, H7769, H7771, H7773, H7775, H8173, H8663, G310, G349, G863, G994, G995, G1916, G2019, G2799, G2805, G2896, G2905, G2906, G2929, G4377, G5455

### पुत्र, पुत्रों

#### परिभाषा:

एक पुरुष और एक स्त्री की पुरुष संतान उसके पूरे जीवनकाल के लिए उनका "पुत्र" कहलाता है उसे उस आदमी का पुत्र और उस महिला का एक पुत्र भी कहा जाता है एक "दत्तक पुत्र" एक पुरुष है जिसे कानूनी रूप से एक पुत्र के पद में रखा गया है।

* बाइबल में “पुत्र” शब्द प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किसी भी पुरूष वंशज का संदर्भ में प्रयोग किया गया है। जैसे पोता या परपोता।
* “पुत्र” शब्द को विनम्रता में किसी बालक या वक्ता से कम उम्र के पुरूष के लिए प्रयोग किया जा सकता है।
* “नये नियम में परमेश्वर के पुत्र” मसीह के विश्वासियों के संदर्भ में प्रयोग किया गया है।
* परमेश्वर ने इस्राएल को अपना "पहलौठ पुत्र" कहा। यह इस्राएल देश को परमेश्वर द्वारा विशेष लोगों के रूप में चुनने के सन्दर्भ में है। परमेश्वर का मुक्ति और उद्धार का संदेश उनके द्वारा आया, जिसके परिणामस्वरूप अन्य लोग उसके आत्मिक सन्तान बन गए।
* “का पुत्र” का प्रतीकात्मक रूप में अर्थ प्रायः होता है कि “व्यक्ति में किसी के गुण” हैं। इसके उदाहरण है, “ज्योति की सन्तान”, “आज्ञाकारिता की सन्तान”, “शान्ति का पुत्र” “गर्जन के पुत्र”।
* "का पुत्र" इस उक्ति का उपयोग प्राय: यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि संदर्भित व्यक्ति का पिता कौन है। यह शब्दावली वंशावलियों तथा अनेक स्थानों में काम में ली गई है।
* पिता का नाम उजागर करने के लिए” “का पुत्र” अधिकतर एक ही नाम के पुरूषों को एक दूसरे से अलग व्यक्त करने के लिए काम में लिया जाता है। उदाहणार्थ, सादोक का पुत्र अजर्याह” और “नातान का पुत्र अजर्याह-1 राजा 4 और 2 राजा 15 में “अमस्याह का पुत्र अजर्याह। यहां एक ही नाम के तीन पुरूष हैं जो पिता के नाम से ही पहचाने गए हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द के अधिकांश संदर्भों में लक्षित भाषा के उसी शब्द को काम में लिया जाए जो “पुत्र” के लिए काम आता है।
* “परमेश्वर का पुत्र” उक्ति के अनुवाद में “पुत्र” के लिए जिस शब्द का उपयोग सामान्यतः किया जाता है, उसी का उपयोग करें।
* जब “पुत्र” के स्थान में किसी वंशज को दर्शाया जाता है तब “वंशज” शब्द का उपयोग किया जाए जैसे यीशु को दाऊद का वंशज कहा जाता था। या वंशावलियों में भी जहां “पुत्र” शब्द किसी वंशज का बोध कराता है।
* कभी-कभी “पुत्रों” का अनुवाद “सन्तान” किया जा सकता है, जब नर-नारी दोनों की समाहित चर्चा की जा रही हो। उदाहरणार्थ “परमेश्वर का पुत्र” का अनुवाद, “परमेश्वर की सन्तान” किया जा सकता है क्योंकि इसमें स्त्री-पुरूष दोनों की चर्चा की जा रही है।
* प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, “का पुत्र” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिसमें गुण हैं” या “के स्वरूप” या “में गुण हैं” या “के समान व्यवहार है”

(यह भी देखें: [अजर्याह](../names/azariah.md), [वंशज](../other/descendant.md), [पूर्वजों](../other/father.md), [पहलौठा](../other/firstborn.md), [परमेश्वर का पुत्र](../kt/sonofgod.md), [परमेश्वर के पुत्र।](../kt/sonsofgod.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 18:14-17
* 1 राजा 13:1-3
* 1 थिस्सलुनीकियों 05:4-7
* गलातियों 04:6-7
* होशे 11:1-2
* यशायाह 09:6-7
* मत्ती 03:16-17
* मत्ती 05:9-10
* मत्ती 08:11-13
* नहेमायाह 10:28-29

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **04:08** परमेश्वर ने अब्राम से वाचा के साथ फिर से बात की कि उसे एक **पुत्र** होगा और आकाश में तारे के रूप में कई वंश होगे।
* **04:09** परमेश्वर ने कहा, "मैं तुमको तुम्हारे शरीर से एक **पुत्र** दूँगा।"
* **05:05** लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम 100 वर्ष का था और सारा 90 कि, सारा ने अब्राहम के **पुत्र** को जन्म दिया।
* **05:08\_\_जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने \_\_पुत्र** इसहाक को बांध दिया और उसे वेदी पर रख दिया। वह अपने **पुत्र** को मारने ही पर था, जब परमेश्वर ने कहा, "रुको! लड़के को चोट न पहुंचा! अब मुझे पता है कि तुम मुझ से डरते हो क्योंकि तुमने मुझसे अपने **पुत्र** को भी न रख छोड़ा।"
* **09:07\_\_जब उसने बच्चे को देखा, उसने अपने \_\_पुत्र** के रूप में ले लिया।
* **11:06\_\_परमेश्वर ने मिस्र के सब पहलौठे \_\_पुत्रों** को मार डाला।
* \_\_18:01\_\_कई वर्षों के बाद, दाऊद की मृत्यु हो गई, और उसके \_\_पुत्र \_\_ सुलैमान ने शासन शुरू किया।
* **26:04**"क्या यह यूसुफ *पुत्र* है?â€š" उन्होंने कहा।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1060, H1121, H1123, H1248, H3173, H3206, H3211, H4497, H5209, H5220, G3816, G5043, G5207

### पुस्तक, दस्तावेज़ों

#### परिभाषा:

प्राचीन युग में, एक पुस्तक पेपीरस घास या चमड़े की बनी एक छोटी चादर होती थी जिस पर लिखकर उसे लपेट लिया जाता था।

* लिखकर या पढ़ कर उसे पुनः दोनों सिरों पर लगे डंडों पर लपेट दिया जाता था।
* वैध अभिलेखों ओर धर्म-शास्त्रों के लिए पुस्तक काम में लिए जाते थे।
* सन्देशवाहक के हाथ लाए गए उन पुस्तक पर मोम की मुहर लगी होती थी। जब पुस्तक (दस्तावेज़ों) प्राप्त होने पर मोम अभी भी मौजूद था, तो प्राप्तिकर्ता को पता था कि पुस्तक को पढ़ने के लिए कोई भी इसे खोला नहीं था या उस पर लिखने के बाद से इसे सील कर दिया गया था।
* इब्रानी धर्म-शास्त्र के पुस्तक (दस्तावेज़ों) आराधनालयों में पढ़े जाते थे।

(यह भी देखें: [मुहर](../other/seal.md), [आराधनालय](../kt/synagogue.md), [परमेश्वर का वचन](../kt/wordofgod.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* यिर्मयाह 29:1-3
* लूका 04:16-17
* गिनती 21:14-15
* प्रकाशितवाक्य 05:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4039, H4040, H5612, G974, G975

### पूछना, जांच करना, जाँच-पड़ताल, पूछ-ताछ

#### तथ्य:

“पूछना” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। \* “से पूछना” प्रायः परमेश्वर से सम्मति या बुद्धि मांगने के लिए काम में लिया गया है।

* पुराने नियम में अनेक उदाहरण हैं जब मनुष्यों ने परमेश्वर से बातें पूछी हैं।
* यह शब्द राजा या किसी सरकारी अधिकारी द्वारा लिखित अभिलेख के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने के लिए भी काम में लिया जाता था।
* प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “पूछना” या “जानकारी मांगते हैं।”
* “यहोवा से पूछना” इसका अनुवाद हो सकता है, “यहोवा से मार्गदर्शन खोजना” या “यहोवा से पूछना कि क्या किया जाए”।
* "पूछताछ करने के लिए" का अनुवाद "प्रश्न पूछें" या "जानकारी के लिए पूछें" के रूप में किया जा सकता है।
* जब यहोवा कहता है, “मैं उत्तर नहीं दूंगा” तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मैं तुम्हें जानकारी पूछने की अनुमति नहीं दूंगा” या “तुम्हें मुझसे सहायता मांगने की अनुमति नहीं मिलेगी”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* व्यवस्थाविवरण 19:17-19
* यहेजकेल 20:1
* यहेजकेल 20:30-32
* एज्रा 07:14-16
* अय्यूब 10:4-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1240, H1245, H1875, G1830

### पूरा कर, पूरा हुआ

#### परिभाषा:

“पूरा कर” अर्थात किसी अपेक्षित कार्य को पूरा करना।

* जब भविष्यद्वाणी पूरी होती है तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने जिस बात की भविष्यद्वाणी की थी उसे पूरा किया।
* यदि मनुष्य अपनी प्रतिज्ञा या शपथ पूरी करता है तो इसका अर्थ है कि उसने जो कहा था उसे निभाया।
* उत्तरदायित्व को पूरा करने का अर्थ है किसी दिए गए कार्य या अनिवार्य कार्य को पूरा करना।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “संपन्न करना” या “समापन करना” या “होने के लिए कुछ करना” या “आज्ञा मानना” या “प्रदर्शन करना”
* “पूरा किया जा चुका” का अनुवाद हो सकता है, “सच हो गया” या “हो चुका है” या “संपन्न हो चुका है”
* “पूरा करना” जैसे “अपनी सेवा पूरी करो” इसका अनुवाद हो सकता है, “पूर्ण करो” या “निभाओ” या “मनुष्यों की सेवा वैसी करो जैसे परमेश्वर ने तुम्हें करने के लिए बुलाया है”।

(यह भी देखें: [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [मसीह](../kt/christ.md), [सेवक](../kt/minister.md), [बुलाहट](../kt/call.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 02:26-27
* प्रे.का. 03:17-18
* लैव्यव्यवस्था 22:17-19
* लूका 04:20-22
* मत्ती 01:22-23
* मत्ती 05:17-18
* भजन संहिता 116:12-15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **24:04** यूहन्ना न वह **पूरा किया** जो यशायाह भविष्यद्वक्ता की पुस्तक में लिखा था, “देख मैं अपने दूत को तेरे आगे भेजता हूँ, जो तेरे लिए मार्ग सुधारेगा।”
* **40:03** सैनिकों ने यीशु के कपड़ों के लिये जुआ खेला। जब उन्होंने ये किया तो उन्होंने यह भविष्यवाणी को **पूरा किया** कि, “वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहिरावे के लिए जुआ खेलते हैं।”
* **42:07** यीशु ने कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि परमेश्वर के शब्द में मेरे बारे में जो कुछ लिखा हुआ है वह **पूरा होना** चाहिए।"
* \_\_43:05\_\_परन्तु यह वह बात है जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी। परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा।”
* **43:07** “यीशु की मृत्यु हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया, और यह भविष्यद्वाणी की गई थी कि, ‘न तो उसका प्राण अधोलोक में छोड़ा गया और न उसकी देह सड़ने पाई।’
* **44:05** यधपि तुम्हे नहीं पता था कि क्या करते हो, परन्तु परमेश्वर ने तुम्हारे कामो का इस्तेमाल किया भविष्यवाणियों को \_\_पूरा करने \_\_के लिए, कि उसका मसीह दुःख उठाएगा, और मारा जाएँगा।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1214, H5487, G1096, G4138

### पृथ्वी, मिट्टी का, पार्थिव

#### परिभाषा:

“पृथ्वी” अर्थात् वह संसार जिसमें मनुष्य अन्य सब प्राणियों के साथ रहते हैं। बाइबल में, इस शब्द का कभी-कभी "भूमि" के रूप में अनुवाद किया जाता है, जब इसका उपयोग सामान्य तरीके से जमीन या मिट्टी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, या जब किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र, आमतौर पर किसी देश या राष्ट्र का उल्लेख करने के लिए एक विशिष्ट तरीके से उपयोग किया जाता है।

* बाइबल में, "पृथ्वी" शब्द को अक्सर "स्वर्ग" शब्द के साथ जोड़ा जाता है, जो स्वर्ग में परमेश्वर के निवास के विपरीत पृथ्वी पर मानव जाति के निवास का संकेत देता है।
* इस शब्द का आम तौर पर "भूमि" अनुवाद किया जाता है जब उन लोगों से संबंधित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए लोगों के समूह के नाम के साथ जोड़ा जाता है, जैसे कि "कनान की भूमि"।
* शब्द "सांसारिक" कभी-कभी उन चीजों को संदर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है जो भौतिक या उन चीजों के विपरीत दिखाई देते हैं जो गैर-भौतिक और अदृश्य हैं।
* इस शब्द का इस्तेमाल लाक्षणिक रूप से उन लोगों को संदर्भित करने के लिए किया जा सकता है जो पृथ्वी पर रहते हैं या पृथ्वी में क्या है, जैसे कि "पृथ्वी को खुश रहने दें" और "वह पृथ्वी का न्याय करेगा।"

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद स्थानीय भाषा या आस पास की राष्ट्रीय भाषा के काम में आनेवाले शब्द का उक्ति द्वारा किया जा सकता है जो वे पृथ्वी जिस पर हम रहते हैं उस ग्रह के लिए काम में लिया जाता है।
* प्रकरण के अनुसार “पृथ्वी” का अनुवाद “संसार” या “भूमि” या “धूल” या “मिट्टी” किया जा सकता है।
* प्रतीकात्मक उपयोग में पृथ्वी का अनुवाद “पृथ्वी के लोग” या “पृथ्वी पर रहनेवाले लोग” या “पृथ्वी की सब वस्तुएं” किया जा सकता है।
* “सांसारिक” का अनुवाद “भौतिक” या “पृथ्वी की वस्तुएं” या “प्रत्यक्ष” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [आत्मा](../kt/spirit.md), [संसार](../kt/world.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 01:38-40
* 2 इतिहास 02:11-12
* दानिय्येल 04:35
* लूका 12:51-53
* मत्ती 06:8-10
* मत्ती 11:25-27
* जकर्याह 06:5-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H127, H772, H776, H778, H2789, H3007, H3335, H6083, H7494, G1093, G1919, G2709, G2886, G3625, G4578, G5517

### प्रकार, भांति-भांति, करुणा, उपकार

#### परिभाषा:

“प्रकार” और “भांति-भांति” एक ही गुणों की वस्तुओं के समूह या वर्गीकरण का संदर्भ देते हैं।

* बाइबल में ये शब्द विशेष करके परमेश्वर द्वारा सृजित विभिन्न पौधों और पशुओं के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
* प्रत्येक “प्रकार” में भी अनेक प्रजातियां हैं। जैसे घोड़े, ज़ेबरा और गधे आदि सब एक ही जाति के हैं परन्तु उनकी प्रजातियां भिन्न-भिन्न हैं।
* प्रत्येक “प्रकार” का एक अलग वर्ण में रखनेवाली मुख्य बात यह है कि वे अपने ही “प्रकार” की सन्तान उत्पन्न कर सकते हैं। अलग-अलग प्रजातियां आपस में ऐसा नहीं कर सकती हैं।

#### अनुवाद के सुझाव

* इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं: “वर्ग”, “समूह” “पशु(पौधे)समूह” या "वर्ग।"

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 01:20-21
* उत्पत्ति 01:24-25
* मरकुस 09:28-29
* मत्ती 13:47-48

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2178, H3978, H4327, G1085, G5449

### प्रतिष्ठित, रईसों, धनी मनुष्य, प्रधान लोग

#### परिभाषा:

“प्रतिष्ठित” अर्थात श्रेष्ठ और उच्च गुण की वस्तु। “रईस” उच्च राजनीतिक या सामाजिक स्तर का मनुष्य। एक व्यक्ति "कुलीन जन्म का" व्यक्ति वह है जो जन्म से ही एक कुलीन व्यक्ति है।

* रईस प्रायः किसी राज्य का अधिकारी,होता था और राजा का निकट कर्मचारी होता था।
* “रईस” शब्द का अनुवाद “राजा का अधिकारी” या “सरकारी अधिकारी” किया जा सकता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 23:20-21
* दानिय्येल 04:36
* सभोपदेशक 10:17
* लूका 19:12
* भजन संहिता 016:1-3

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H117, H1419, H2715, H3358, H3513, H5057, H5081, H6440, H6579, H7336, H7261, H8282, H8269, G937, G2104,

### प्रधान, प्रधानों

#### परिभाषा:

“प्रधान” शब्द किसी जाति के सबसे महत्वपूर्ण अगुवे का बोध कराता है।

* इसके उदाहरण हैं, “प्रधान बजानेवाला”, “प्रधान याजक” और “चुंगी लेने वालों का प्रधान” तथा “प्रधान शासक”।
* इसका उपयोग परिवार के मुखिया के लिए भी किया जा सकता है जैसा उत्पत्ति अध्याय 36 में कुछ पुरुषों को कुल को “प्रधानों” कहा गया है। इस संदर्भ में "प्रधान" का अनुवाद "अगुआ" या "प्रमुख पिता" हो सकता है।
* संज्ञा रूप में इस शब्द का अनुवाद “प्रमुख” या “शासक” किया जा सकता है जैसे “प्रमुख बजानेवाला” या “सत्ताधारी याजक”।

(यह भी देखें: [प्रधान-याजकों](../other/chiefpriests.md), [याजक](../kt/priest.md), [चुंगी लेनेवाला](../other/taxcollector.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* दानिय्येल 01:11-13
* यहेजकेल 26:15-16
* लूका 19:1-2
* भजन संहिता 004:1

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H47, H441, H5057, H5387, H5632, H6496, H7218, H7225, H7227, H7229, H7262, H8269, H8334, G749, G750, G754, G4410, G4413, G5506

### प्रभु

#### तथ्य:

“प्रभु” शब्द का संदर्भ उस मनुष्य से होता है जिसे मनुष्यों पर अधिकार एवं स्वामीत्व प्राप्त होता है। यह परमेश्वर का भी पदनाम होता है। (ध्यान दें कि जब किसी को संबोधित करने के लिए काम में लिया जाए या वाक्य के आरंभ में बड़े अक्षरों में लिखा जाए तो इसका अर्थ “श्रीमान” या “स्वामी” होता है।)

* पुराने नियम में इस शब्द का उपयोग ऐसी अभिव्यक्तियों में भी किया जाता है जैसे “सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर” या “प्रभु यहोवा” या “हमारा प्रभु यहोवा।”
* नये नियम में प्रेरितों ने इस शब्द को “प्रभु यीशु” और “प्रभु यीशु मसीह” जैसी अभिव्यक्तियों में काम में लिया है कि यीशु को परमेश्वर दर्शाया जाए।
* “प्रभु” शब्द नये नियम में अकेला ही काम में लिया गया है जो परमेश्वर के लिए सीधा काम में लिया गया है, विशेष करके पुराने नियम के उद्धरणों में। \* उदाहरणार्थ, पुराने नियम का संदर्भ है, “धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है” और नये नियम में है, “धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है।”
* यू.एल.बी. और यू.डी.बी. में “प्रभु” का पदनाम केवल यूनानी और इब्रानी शब्दों का अनुवाद है जिनका अर्थ “प्रभु” है। यह परमेश्वर के नाम (यहोवा) का अनुवाद नहीं है जैसा अनेक अनुवादों में किया गया है।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* कुछ भाषाओं में इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” या “शासक” या अन्य कोई शब्द जो स्वामीत्व या परमप्रधान शासक का बोध करवाए, द्वारा किया गया है।
* उचित प्रसंगों में अनेक अनुवाद इस शब्द के प्रथम अक्षर को बड़ा लिखते हैं कि पाठक समझ पाए कि यह परमेश्वर के संदर्भ में है।
* नये नियम में जहां पुराने नियम का उद्धरण दिया गया है, वहां “प्रभु परमेश्वर” का उपयोग किया जा सकता है कि स्पष्ट हो कि यह परमेश्वर का संदर्भ में है।

(यह भी देखें: [परमेश्वर](../kt/god.md), [यीशु](../kt/jesus.md), [प्रभु](../kt/lord.md), [शासक](../other/ruler.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 पतरस 01:3-5
* दानिय्येल 09:9-11
* दानिय्येल 09:17-19
* यहेजकेल 18:29-30
* इब्रानियों 12:14-17
* यहोशू 03:9-11
* यहूदा 01:5-6
* विलापगीत 02:1-2
* लूका 01:30-33
* मलाकी 03:1-3
* मत्ती 07:21-23
* भजन संहिता 086:15-17
* प्रकाशितवाक्य 15:3-4
* रोमियो 06:22-23

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H113, H136, H4756, G1203, G2962

### प्रभु, प्रभुओं, गुरु, स्वामी, स्वामियों, श्रीमान, महोदय

#### परिभाषा:

“प्रभु” शब्द का अर्थ है अन्य लोगों पर स्वामीत्व या अधिकार रखना।

* इस शब्द का अनुवाद कभी-कभी “स्वामी” भी किया जाता है जब यीशु कें संदर्भ में हो या दासों के स्वामी के संदर्भ में हो।
* अंग्रेजी की कुछ बाइबलों में इस शब्द का अनुवाद, “श्रीमान” किया गया है जब कोई किसी ऊंचे पद वाले को विनम्रता-पूर्वक संबोधित कर रहा है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद “स्वामी” शब्द की समानता में किया जा सकता है। जब किसी गुलामों के स्वामी के सन्दर्भ में हो। \* एक सेवक भी अपने नियोजक को “स्वामी” कह सकता है।
* जब यह यीशु को संदर्भित करता है, यदि संदर्भ से पता चलता है कि वक्ता एक धार्मिक शिक्षक के रूप में उसे देखता है, तो इसका अनुवाद एक धार्मिक शिक्षक के लिए सम्मानित रूप से किया जा सकता है, जैसे कि "गुरु।"
* यदि यीशु से बात करनेवाला व्यक्ति यीशु को नहीं जानता है तो “प्रभु” शब्द का अनुवाद “श्रीमान” किया जाए। यह अनुवाद अन्य प्रकरणों में भी किया जाए जहां किसी के लिए विनीत संबोधन की आवश्यकता हो।।
* पिता परमेश्वर और यीशु के लिए अंग्रेजी भाषा में "Lord" बड़े अक्षर "L" का अनुवाद “प्रभु” ही करना है।

(यह भी देखें: [प्रभु](../kt/lordgod.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* उत्पत्ति 39:02
* यहोशु 03:9-11
* भजन., 086:15-17
* यिर्मयाह 27:04
* विलापगीत 02:02
* यहेजकेल 18:29
* दानिएल 09:09
* दानिएल 09:17-19
* मलाकी 03:01
* मत्ती 07:21-23
* लूका 01:30-33
* लूका 16:13
* रोमियों 06:23
* इफिसियों 06:9
* फिलिप्पियों 02:9-11
* कुलुस्सियों, 03:23
* इब्रानियों 12:14
* याकूब 02:01
* 1 पतरस 01:03
* यहूदा 01:05
* प्रका. 15:04

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **25:05** यीशु ने उसे पवित्रशास्त्र से उत्तर दिया, उसने कहा, “परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि तू **प्रभु** अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।’”
* **25:07** तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा ! परमेश्वर के वचन में वह अपने लोगों को आज्ञा देता है कि 'तू **प्रभु** अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’”
* **26:03** यह **प्रभु** के कृपा का वर्ष है।
* **27:02\_\_व्यवस्थापक ने उत्तर दिया, “तू अपने \_\_परमेश्वर** से अपने सारे ह्रदय, आत्मा, शक्ति और ,मन से प्रेम रखना। और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करना।”
* **31:05** फिर पतरस ने यीशु से कहा ‘हे **गुरु**’ यदि तू है, तो मुझे भी अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे”
* **43:09** “उसी यीशु को जिसे तुमने क्रूस पर चढ़ाया, परन्तु परमेश्वर ने उसे **प्रभु** भी ठहराया और मसीह भी।”
* **47: 3\_\_इस दुष्ट आत्मा के द्वारा वह दूसरों का भावी बताती थी, जिससे अपने \_\_स्वामियों** के लिये ज्योतिषी के रूप में बहुत धन कमा लाती थी।
* **47:11** पौलुस ने उत्तर दिया,"यीशु में विश्वास करो, जो **प्रभु** है, तो तू और तेरा परिवार बच जाएगा।"

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H113, H136, H1167, H1376, H4756, H7980, H8323, G203, G634, G962, G1203, G2962

### प्राचीन, प्राचीनों, अगुवों, बूढ़े

#### परिभाषा:

"प्राचीन" या "बूढ़े" शब्द का संदर्भ ऐसे लोगों से है (बाइबल में, आमतौर पर पुरुष) जो वृद्ध हो चुके हैं जो एक समुदाय के भीतर परिपक्व वयस्क और अगुएं बन गए हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीनों के भूरे बाल हो सकते हैं, वयस्क बच्चे हो सकते हैं, या शायद नाते - पोते भी हो सकते हैं।

* “प्राचीन” शब्द का मूल इस तथ्य में है कि ये पुरूष आयु में अधिक होते थे और आयु एवं अनुभव के कारण उनमें अधिक बुद्धि होती थी।
* पुराने नियम में प्राचीन सामाजिक आचरण और मूसा की व्यवस्था से संबन्धित विषयों में इस्त्राएलियों की अगुआई एवं सहायता करते थे।
* नये नियम में यहूदी प्राचीन अपने समुदायों में अगुवों की भूमिका निभाते थे और समुदाय के न्यायाधीश भी थे।
* आरंभिक मसीही कलीसियाओं में मसीही प्राचीन विश्वासियों की स्थानीय मण्डली की आत्मिक क्षेत्र में अगुआई करते थे।उन कलीसियाओं में प्राचीन में नौजवान शामिल थे जो आत्मिक रूप से परिपक्व थे।
* इस शब्द का अनुवाद "वृद्ध पुरुषों" या "आत्मिक रूप से परिपक्व लोगों” के रूप में किया जा सकता है जो कलीसिया का नेतृत्व कर रहे हैं।

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 11:1-3
* 1 तीमुथियुस 03:1-3
* 1 तीमुथियुस 04:14
* प्रेरि. 05:19-21
* प्रेरि. 14:23
* मरकुस 11:28
* मत्ती 21:23-24

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H1419, H2205, H7868, G1087, G3187, G4244, G4245, G4850

### प्राण, स्वयं

#### परिभाषा:

“प्राण” शब्द या तो आम तौर पर किसी व्यक्ति के गैर-भौतिक भाग को संदर्भित कर सकता है या विशेष रूप से दूसरों से अलग व्यक्ति के रूप में खुद के बारे में जागरूकता के लिए विशेष रूप से संदर्भित कर सकता है।

बाइबल में, “प्राण” और “आत्मा” दो भिन्न धारणाएं हैं या वे दो भिन्न शब्द हैं जो एक ही विचार को व्यक्त करते हैं।

मनुष्य जब मरता है तब उसकी आत्मा देह का त्याग कर देती है।

शरीर के विपरीत, "प्राण" को उस व्यक्ति के भाग के रूप में बोला जा सकता है जो "परमेश्वर से संबंधित है।"

“प्राण” शब्द का उपयोग कभी-कभी प्रतीकात्मक रूप में संपूर्ण व्यक्तित्व के लिए किया गया है। उदाहरणार्थ “आत्मा पाप करती है” अर्थात “मनुष्य पाप करता है”, या “मेरी आत्मा थकित है” अर्थात “मैं थका हुआ हूं।”

#### अनुवाद के सुझाव:

* “प्राण” का अनुवाद “आन्तरिक मनुष्यत्व” या “भीतरी मनुष्य”
* कुछ संदर्भों में “मेरा प्राण” का अनुवाद, “मैं” या “मुझे” हो सकता है।
* प्रकरण के अनुसार “प्राण” का अनुवाद सामान्यतः “मनुष्य” या “वह” या “उसे” हो सकता है।
* कुछ भाषाओं में “प्राण” और “आत्मा” के लिए एक ही शब्द होता है।
* इब्रानियों 4:12 में प्रतीकात्मक रूप में “प्राण और आत्मा को… अलग करके” का अर्थ हो सकता है, “आन्तरिक मनुष्यत्व को समझना या आन्तरिक मनुष्यत्व को प्रकट करना।”

(यह भी देखें: [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 2 पतरस 02:7-9
* प्रे.का. 02:27-28
* प्रे.का. 02:40-42
* उत्पत्ति 49: 5-6
* यशायाह 53:10-11
* याकूब 01:19-21
* यिर्मयाह 06:16-19
* योना 02:7-8
* लूका 01:46-47
* मत्ती 22:37-38
* भजन-संहिता 019:7-8
* प्रका 20:4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5082, H5315, H5397, G5590

### प्रार्थना कर, प्रार्थना, प्रार्थनाओं, प्रार्थना की

#### परिभाषा:

“प्रार्थना कर” और “प्रार्थना” का अर्थ है परमेश्वर से बातें करना। यह शब्द मनुष्यों द्वारा किसी झूठे देवता से बातें करने के लिए भी काम में आता है।

* मनुष्य चुप रहकर विचारों में भी परमेश्वर से प्रार्थना करता है या उच्चारित वचनों द्वारा भी प्रार्थना करता है, परमेश्वर से अपनी वाणी में बात करता है। कभी-कभी प्रार्थना लिखित होती है जैसे दाऊद के भजनों में उसकी प्रार्थनायें लिखित हैं।
* प्रार्थना में परमेश्वर से दया, समस्या में सहायता, या निर्णय लेने में बुद्धि का निवेदन भी होता है।
* मनुष्य अधिकतर राशियों की चंगाई या अन्य रूपों में परमेश्वर की सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं।
* मनुष्य प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देता है उसका गुणगान करता है।
* प्रार्थना में परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार करना और क्षमा मांगना होता है।
* परमेश्वर से बातें करने को उसके साथ संपर्क बनाना भी कहते हैं। जब हमारी आत्मा उसकी आत्मा से संपर्क करती है, हमारी भावनाओं को व्यक्त करना और उसकी उपस्थिति का आनंद लेना।
* इस शब्द का अनुवाद “परमेश्वर से बात करना” या “परमेश्वर से संपर्क साधना” हो सकता है। इस शब्द का अनुवाद अनुच्चारित प्रार्थना के शब्द होना है।

(यह भी देखें: [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [क्षमा](../kt/forgive.md), [स्तुति](../other/praise.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 03:8-10
* प्रे.का. 08:24
* प्रे.का. 14:23-26
* कुलुस्सियों 04:2-4
* यूहन्ना 17:9-11
* लूका 11:1
* मत्ती 05:43-45
* मत्ती 14:22-24

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **06:05** इसहाक ने परमेश्वर से **प्रार्थना की**, और परमेश्वर ने उसकी विनती सुनी इस प्रकार रिबका जुड़वाँ पुत्रों के साथ गर्भवती हुई |
* **13:12** मूसा ने परमेश्वर से **प्रार्थना की** और परमेश्वर ने उसकी **प्रार्थना** को ग्रहण किया, और उन्हें नष्ट नहीं किया |
* **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से **प्रार्थना करते** रहे, “हे बाल, हमारी सुन |”
* **21:07** पुरोहित परमेश्वर से लोगों के लिए **प्रार्थना** भी करते थे |
* **38:11** यीशु ने अपने चेलों से कहा कि **प्रार्थना** करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो |
* **43:13** चेले लगातार प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और **प्रार्थना करने** में लौलीन रहे |
* **49:18** परमेश्वर कहता है कि हम **प्रार्थना करें**, उसका वचन पढ़ें, अन्य मसीही लोगों के साथ उसकी आराधना करें, और जो उसने हमारे लिए किया है वह दूसरों को बताएँ।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H559, H577, H1156, H2470, H3863, H3908, H4994, H6279, H5315, H5375, H6293, H6419, H6739, H6963, H7121, H7592, H7878, H7879, H7881, H8034, H8605, G154, G1162, G1189, G1783, G2065, G2171, G2172, G3870, G4335, G4336

### प्रेरित, प्रेरितों, प्रेरिताई

#### परिभाषा:

“प्रेरितों”, यीशु द्वारा भेजे गए पुरूष जो परमेश्वर और उसके राज्य के प्रचारक थे। “प्रेरिताई” अर्थात प्रेरित होने के लिए चुने गए पुरुषों का पद और अधिकार।

* “प्रेरित” शब्द का अर्थ है, “विशेष उद्देश्य निमित भेजा गया मनुष्य”। प्रेरित के पास वही अधिकार होता है जो भेजनेवाले के पास है।
* यीशु के वे बारह घनिष्ठ शिष्य प्रथम प्रेरित थे। दुसरे मनुष्य, जैसे कि पौलुस और याकूब भी प्रेरित हुए थे।
* परमेश्वर के सामर्थ्य से प्रेरित निडर होकर सुसमाचार सुनाने के योग्य हुए थे और वे रोगियों को चंगा करते थे और दुष्टात्माओं को भी निकालते थे।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “प्रेरित” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा भी किया जा सकता है जिसका भावार्थ “भेजा गया मनुष्य” या “भेजा गया” या “मनुष्यों को परमेश्वर का सन्देश सुनाने के लिए बुलाया गया एवं भेजा गया मनुष्य”।
* “प्रेरित” और “शिष्य” शब्दों का अनुवाद भिनार्थक शब्दों में किया जाना आवश्यक है।

इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [चेले](../kt/disciple.md), [याकूब (जब्दी का पुत्र)](../names/jamessonofzebedee.md), [पौलुस](../names/paul.md), [बारह](../kt/thetwelve.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* यहूदा 01:17-19
* लूका 09:12-14

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **26:10** फिर यीशु ने बारह लोगों को चुना, जो कि **प्रेरित** कहलाए। **प्रेरित** यीशु के साथ-साथ चलते थे और वह यीशु से सीखते थे।
* **30:01** यीशु ने प्रचार करने के लिए और कई अलग- अलग नगरों में लोगों को सिखाने के लिए अपने **शिष्यों** को भेजा।
* **38:02** यीशु के **शिष्यों** में से एक यहूदा नाम का एक आदमी था। वह **चेलों** के धन की देखभाल करता था, वह पैसों से प्रेम करता था और अकसर उसमें से चुराता था।
* **43:13** चेले लगातार **प्रेरितों** से शिक्षा पाने, और संगति रखने, और रोटी तोड़ने, और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।
* **46:08** तब बरनबास ने उसे अपने साथ **प्रेरितों** के पास ले जाकर उनको बताया कि दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: G651, G652, G2491, G5376, G5570

### फरात महानद, महानद

#### तथ्य:

फरात अदन की वाटिका से होकर बहनेवाली चार नदियों में से एक का नाम है। इस नदी का नाम बाइबल में अनेक बार आता है।

* आज की फरात नदी मध्य पूर्व में है जो एशिया की सबसे लम्बी और सबसे अधिक महत्वपूर्ण नदी है।
* टाइगरिस नदी के साथ फरात नदी मेसोपोटामिया क्षेत्र की सीमाएं बान्धती है।
* प्राचीन नगर ऊर जहां से अब्राहम निकला था, फरात नदी के उद्गण के स्थान पर था।यह नदी उस देश की सीमाओं में से एक थी जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने अब्राहम को देने के लिए की थी। (उत्प. 15:18)
* कभी-कभी फरात नदी को केवल महानद कहा गया है।

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 05:7-9
* 2 इतिहास 09:25-26
* निर्गमन 23:30-33
* उत्पत्ति 02:13-14
* यशायाह 07:20-22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5104, H6578, G2166

### फल, फलों, फलवन्त, निष्फल

#### परिभाषा:

“फल” अर्थात वृक्ष का खानेवाला भाग। “फलवन्त” अर्थात बहुत फल उगना। बाइबल में इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया गया है।

* बाइबल में “फल” शब्द प्रायः मनुष्य के कामों और विचारों के लिए काम में लिया गया है। जिस प्रकार कि फल दर्शाता है कि वृक्ष कैसा है उसी प्रकार मनुष्य के शब्द और कार्य दर्शाते है कि उसका चरित्र कैसा है।
* मनुष्य अच्छे या बुरे आत्मिक फल उत्पन्न करता है परन्तु “फलवन्त” का अर्थ सदैव ही सकारात्मक है अर्थात बहुत अच्छे फल लाना।
* “फलवन्त” का प्रतीकात्मक अर्थ है, “समृद्धि” इसका संदर्भ प्रायः अनेक सन्तान एवं वंशज तथा भोजन की बहुतायत तथा धन धान्य से है।
* सामान्यतः “का फल” का अभिप्रायः है किसी से उत्पन्न कोई बात या जो किसी और द्वारा निर्मित है। उदाहरणार्थ, “बुद्धि का फल” का अर्थ है बुद्धिमान होने के परिणाम-स्वरूप भली वस्तुएं पाना।
* “भूमि का फल” मनुष्यों के खाने के लिए भूमि की उपज है। इसमें न केवल फल जैसे कि खजूर और अंगूर ही नहीं, सब्जियाँ, मेवे और अनाज भी युक्त है।
* प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति “आत्मा का फल” आज्ञाकारी मनुष्यों में पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न धार्मिक के गुण।
* “गर्भ का फल” अर्थात स्त्री की सन्तान।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद “फल” के लिए प्रभुता सामान्य शब्द द्वारा ही किया जाए तो अच्छा होगा अर्थात वृक्ष का भोज्य अंश। अनेक भाषाओं में बहुवचन शब्द “फलों” अधिक स्वाभाविक होगा।
* प्रकरण के अनुसार, “फलवन्त” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक आत्मिक फल उत्पन्न करना” या “अनेक सन्तान होना” या “समृद्ध होना”
* “भूमि की उपज” का अनुवाद “भूमि द्वारा उत्पन्न भोजन” या “उस क्षेत्र की फसल”।
* पशुओं और मनुष्यों की सृष्टि करके परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी “फूलो फलो और पृथ्वी को भर दो”। जिसका अर्थ है अनेक सन्तान होना। इसका अनुवाद “अनेक सन्तान होना” या “अनेक सन्तान एवं वंशज होना” या “अनेक सन्तान होना कि अनेक वंशज हों”।
* “गर्भ का फल” अनुवाद हो सकता है, “गर्भ से उत्पन्न” या “स्त्री द्वारा जन्मे सन्तान” या केवल “सन्तान”। एलीशिबा ने मरियम से कहा, “धन्य तेरे गर्भ का फल” तो उसका अर्थ था “जिस पुत्र को तू जन्म देगी वह धन्य है”। लक्षित भाषा में इस उक्ति के लिए भिन्न शब्द हो सकते हैं।
* “दाख का फल” का अनुवाद “दाखलता का फल” या “अंगूर” हो सकता है।
* प्रकरण के अनुसार, “अधिक फलवन्त होना” का अनुवाद हो सकता है, “अधिक फल देगी” या “अधिक सन्तान होगी” या “समृद्ध होगे”।
* प्रेरित पौलुस की अभिव्यक्ति “फलदायक परिश्रम” का अनुवाद हो सकता है, “अच्छे परिणाम लाने वाला काम” या “मसीह में विश्वास करने के लिए काम को लाने वाला प्रयास”।
* “आत्मा का फल” का अनुवाद “पवित्र आत्मा द्वारा उत्पन्न कार्य” या “शब्द एवं कार्य जिनसे प्रकट हो कि पवित्र आत्मा मनुष्य में कार्यरत है” हो सकता है।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [अन्न](../other/grain.md), [अंगूर](../other/grape.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [दाखलता](../other/vine.md), [गर्भ](../other/womb.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* गलातियों 05:23
* उत्पत्ति 01:11
* लूका 08:15
* मत्ती 03:7-9
* मत्ती 07:17

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H4, H1061, H1063, H1069, H2233, H2981, H3581, H3759, H3899, H3978, H4022, H5108, H6509, H6529, H7019, H8393, H8570, G1081, G2590, G2592, G2593, G3703, G5052, G5352

### फसह

#### तथ्य:

“फसह” यहूदियों के एक धार्मिक पर्व का नाम है जिसमें वे स्मरण करते हैं कि परमेश्वर ने उनके पूर्वजों को मिस्र के दासत्व में से कैसे निकाला था।

* इस पर्व का नाम उस तथ्य से आता है कि परमेश्वर इस्राएलियों के घरों से होकर निकला परन्तु उसने उनके पुत्रों का घात नहीं किया जबकि मिस्र के सब पहिलौठे मारे गए थे।
* फसह में एक सिद्ध मेमने का मांस भूनकर खाया जाता था और रोटी ख़मीरी नहीं होती थी। इस भोजन से उन्हें उस भोजन का स्मरण होता है जो उनके पूर्वजों ने मिस्र से पलायन करने से पूर्व रात को खाया था।
* परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे प्रतिवर्ष ऐसा भोजन खाकर स्मरण करें वरन उत्सव मनाएं कि परमेश्वर कैसे उनके परिवारों में से निकलकर गया और उन्हें दासत्व से मुक्ति दिलाई।

#### अनुवाद के सुझाव:

फसह का शब्द के अनुवाद में “होकर निकलने” की संधि के शब्द या अन्य समानार्थक शब्दों का संयोजन द्वारा किया जा सकता है।

* यदि इस पर्व का नाम स्वर्गदूत के द्वारा इस्राएलियों के पुत्रों की हत्या न करते हुए आगे बढना स्पष्ट रूप से दर्शाए तो अति सहायक होगा।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 05:6-8
* 2 इतिहास 30:13-15
* 2 राजा 23:21-23
* व्यवस्थाविवरण 16:1-2
* निर्गमन 12:26-28
* एज्रा 06:21-22
* यूहन्ना 13:1-2
* यहोशू 05:10-11
* लैव्यव्यवस्था 23:4-6
* गिनती 09:1-3

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **12:14** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वह हर साल **फसह** का पर्व मनाया करे, इस बात को स्मरण करते हुए कि परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियो की गुलामी से बचाया व उन्हें मिस्रियो पर विजयी किया |
* **38:01** हर साल, यहूदी **फसह** का पर्व मनाते थे | यह एक उत्सव था, जब वह याद करते थे कि परमेश्वर ने कई सदियों पहले मिस्र की गुलामी से उनके पूर्वजों को बचाया था |
* **38:04\_\_यीशु यरूशलेम में अपने चेलों के साथ \_\_फसह** का दिन मना रहा था |
* **48:09** जब परमेश्वर ने लहू को देखा तो वह उनके घरों के पास से गुजर गया और उसने उनके जेठे पुत्रों का वध नहीं किया | इस घटना को **फसह** कहा जाता है |
* **48:10** यीशु हमारा **फसह** का मेम्ना है | वह सिद्ध और निष्पाप था, और **फसह** के उत्सव के दिन मारा गया था |

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6453, G3957

### फ़िरौन, मिस्र के राजा

#### तथ्य:

प्राचीन युग में मिस्र देश के राजा फ़िरौन कहलाते थे।

* कुल 300 फ़िरौन हुए थे जिन्होंने मिस्र पर 2000 से अधिक वर्ष राज किया था।
* मिस्त्र के ये राजा अति शक्तिशाली एवं धनवान मनुष्य थे।
* बाइबल में भी कुछ फिरौन का नाम आता है।
* अक्सर यह शीर्षक एक शीर्षक के बजाय नाम के रूप में प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में फिरौन शब्द को अंग्रेजी में बड़े “पी” अक्षर से लिखा गया है।

(यह भी देखें: [मिस्त्र](../names/egypt.md), [राजा](../other/king.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:9-10
* प्रे.का. 07:43
* प्रे.का. 07:20-21
* उत्पत्ति 12:14-16
* उत्पत्ति 40:6-8
* उत्पत्ति 41:25-26

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे **फ़िरौन** कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे |
* **08:08** **फ़िरौन** यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे मिस्र का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया |
* **09:02** उस समय जो **फ़िरौन** मिस्र पर राज्य करता था, इस्राएलियों को मिस्रियो का गुलाम बनाया।
* **09:13** इसलिये आ मैं तुझे **फ़िरौन** के पास भेजता हूँ कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र में से निकाल ले आए |
* **10:02** इन भयानक विपत्तियों के द्वारा परमेश्वर यह दिखाना चाहता था ,कि वह **फ़िरौन** व मिस्र के देवताओ से कई अधिक शक्तिशाली है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4428, H4714, H6547, G5328

### फाटक, फाटकों, बेंड़ों, द्वारपाल, चौकीदारों, द्वार के खम्भे, द्वार

#### परिभाषा:

“फाटक” किसी बाढ़े में या दीवार में जो नगर या घर के चारों ओर से उसमें चूल पर लगी एक बाधा होती है। “बेड़ों” फाटक को बन्द करने के लिए लकड़ी या धातु की सांकल।

नगर के फाटकों को खोला जाता था कि मनुष्य, पशु और सामानवाहक नगर में आ सकें और नगर से जा सकें।

नगर को सुरक्षित रखने के लिए शहरपनाह और फाटक बहुत मोटे होते थे। फाटकों को सांकलों से बन्द किया जाता था कि शत्रु की सेना का नगर प्रवेश रोका जाए।

फाटकों के लिए "बेड़ों" एक लकड़ी या धातु की पट्टी को संदर्भित करता है जिसे जगह में ले जाया जा सकता है ताकि फाटक बाहर से नहीं खुल सकें।

बाइबल के समय में, नगर का फाटक नगर का समाचार एवं सामाजिक केन्द्र होता था। वहां व्यापारिक विनिमय एवं न्याय भी किया जाता था क्योंकि शहरपनाह के मोटे होने के कारण वहां धूप से बचने के लिए पर्याप्त ठंडी छांव होती थी। नागरिकों को उसकी छांव में बैठना मनभावन लगता था कि वहां बैठकर न्याय करें या व्यापार करें।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “फाटक” का अनुवाद “द्वार” या “दीवार का प्रवेश स्थान” या “बाधक” या “प्रवेश द्वार” किया जा सकता है।
* “फाटक की सलाखों” का अनुवाद “फाटक की सिटकनी” या “द्वार को बन्द करने की लम्बी लट्ठा” या “द्वार को बन्द करने की धातु की सांकल”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 09:23-25
* प्रे.का. 10:17-18
* व्यवस्थाविवरण 21:18-19
* उत्पत्ति 19:1-3
* उत्पत्ति 24:59-60
* मत्ती. 07:13-14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1817, H5592, H6607, H8179, H8651, G2374, G4439, G4440

### बँधुआई, बन्धुओं, बन्दी करके

#### परिभाषा:

“बन्धुआई” शब्द का अर्थ है कि मनुष्यों को स्वदेश से बाहर कहीं दूर बसाया जाना।

* मनुष्य दण्ड के लिए या राजनीतिक कारणों से अपने देश से बाहर किया जाता है।
* पराजित देश की प्रजा को विजयी देश की सेना अपने देश ले जाती थी कि उनसे अपना काम करवाए।
* “बेबीलोन की बन्धुआई” बाइबल के इतिहास में वह समय था जब यहूदा राज्य की अधिकांश प्रजा को बलपूर्वक स्वदेश से विस्थापित करके बेबीलोन में बसाया गया था। यह अवधी 70 वर्ष तक रही थी।
* “बन्धुआ” शब्द उन लोगों के संबन्ध में है जिन्हें स्वदेश से दूर निर्वासन में रखा जाता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “बन्धुआई में ले जाना” का अनुवाद एक ऐसे शब्द या ऐसी उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ “दूर भेजना” या “बलपूर्वक निकालना” या “देश निकाला देना”हो।
* “बन्धुआई का समय” शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या ऐसी उक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका अर्थ, “निर्वासित समय” या “देश निकाले का समय” या “विवशकारी अनुपस्थिति का समय” या “देश निकाला” हो।
* “बन्धुआ” के अनुवाद रूप हो सकते है, “निर्वासित लोग” या “वे लोग जिन्हें देश से निकाल दिया गया है” या “बेनीलोन में निर्वासित लोग”

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 24:14
* दानिय्येल 02:25-26
* यहेजकेल 01:1-3
* यशायाह 20:04
* यिर्मयाह 29:1-3

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H1123, H1473, H1540, H1541, H1546, H1547, H3212, H3318, H5080, H6808, H7617, H7622, H8689, G3927

### बचे हुए

#### परिभाषा:

शब्द “बचे हुए लोग” वास्तव में बचे हुए लोगों या वस्तुओं के संदर्भ में है। इसका अर्थ बड़ी मात्रा में से छोड़ी गई वस्तु भी है।

* “बचे हुए” प्रायः उन लोगों को व्यक्त करता है जो जान के जोखिम से बच गए या सताव के उपरान्त भी जो मनुष्य परमेश्वर के निष्ठावान रहे।
* यशायाह यहूदियों के एक समूह को बचे हुए लोग कहता है जो शत्रुओं के आक्रमण से बच निकले और प्रतिज्ञा के देश कनान लौटे।
* पौलुस भी “बचे हुए” लोगों की चर्चा करता है जिन्हें परमेश्वर ने चुना कि उसके अनुग्रह के वारिस हों।
* “बचे हुए” से यह भी अर्थ निकलता है कि कुछ अन्य लोग निष्ठावान नहीं थे, या जो बचे नहीं या जो चुने नहीं गए।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “इनमें से बचे हुए लोग” इस उक्ति का अनुवाद, “इन लोगों में से जो बाकी रह गए” या “जो लोग विश्वासी रहे” या “शेष मनुष्य” हो सकता है।
* “बाकी सब लोग” का अनुवाद, “शेष सब लोग” या “बचे हुए लोग” हो सकता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 15:15-18
* आमोस 09:11-12
* यहेजकेल 06:8-10
* उत्पत्ति 45:7-8
* यशायाह 11:10-11
* मीका 04:6-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3498, H3499, H5629, H6413, H7604, H7605, H7611, H8281, H8300, G2640, G3005, G3062

### बच्चे, बालक, वंशज

#### परिभाषा:

बाइबल में “बालक” शब्द प्रायः बच्चे के लिए काम में लिया गया है, शिशु के लिए भी इसका प्रयोग करा गया है। “बच्चे” बहुवचन है और इसके प्रतीकात्मक उपयोग भी हैं।

* बाइबल में शिष्यों को या अनुयायियों को भी कभी-कभी "बच्चे" कहा गया है।
* “बच्चे” शब्द सामान्यतः वंशजों के लिए प्रयोग करा गया है।
* “की बच्चे” का अभिप्राय किसी बात के लक्षण प्रकट करने से भी होता है। इसके कुछ उदाहरण हैः
* ज्योति की सन्तान
* आज्ञा मानने वाली सन्तान
* शैतान की संतान
* यह शब्द आत्मिक पुत्र/पुत्रियों के संदर्भ में भी आता है। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर की सन्तान” अर्थात यीशु में विश्वास करने के कारण परमेश्वर के लोग।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “सन्तान” का अनुवाद “वंशज” किया जा सकता है जब इसका संदर्भ किसी के पोते-परतोतों से हो।
* प्रकरण के अनुसार “की सन्तान” का अनुवाद “का गुण रखने वाले लोग” या “के सदृश्य व्यवहार करनेवाले लोग” भी किया जा सकता है।
* यदि संभव हो तो “परमेश्वर की सन्तान” को ज्यों का त्यों रखा जाएँ क्योंकि बाइबल का एक महत्वपूर्ण विषय है, परमेश्वर हमारा स्वर्गीय पिता है। इसका संभावित वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर के लोग” या “परमेश्वर की आत्मिक सन्तान”।
* यीशु अपने शिष्यों को “सन्तान” कहता है तो इसका अनुवाद “प्रियमित्रों” या “मेरे प्रिय शिष्यों” हो सकता है।
* पौलुस और यूहन्ना यीशु के विश्वासियों को “बालकों” कहते हैं तो इसका अनुवाद “प्रिय सहविश्वासियों” हो सकता है।
* “प्रतिज्ञा की सन्तान” का अनुवाद हो सकता है “परमेश्वर की प्रतिज्ञा प्राप्त किए हुए लोग”।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), वंश, [वादा](../kt/promise.md), [पुत्र](../kt/son.md), [आत्मा](../kt/spirit.md), [विश्वास](../kt/believer.md), [प्रिय](../kt/beloved.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूह. 02:28
* 3 यूहन्ना 01:04
* गलातियों 04:19
* उत्पत्ति 45:11
* यहोशू 08: 34-35
* नहेम्याह 05:5
* प्रे.का. 17:29
* निर्गमन 13:11-13
* उत्पत्ति, 24:07
* यशायाह 41:8-9
* अय्यूब 05:25
* लूका 03:7
* मत्ती 12:34

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1069, H1121, H1123, H1129, H1323, H1397, H1580, H2029, H2030, H2056, H2138, H2145, H2233, H2945, H3173, H3205, H3206, H3208, H3211, H3243, H3490, H4392, H5271, H5288, H5290, H5759, H5764, H5768, H5953, H6185, H7908, H7909, H7921, G730, G815, G1025, G1064, G1471, G3439, G3515, G3516, G3808, G3812, G3813, G3816, G5040, G5041, G5042, G5043, G5044, G5206, G5207, G5388

### बना रहेगा, धीरज धरेगा, सहते, स्थिर रहता, धीरज

#### परिभाषा:

“बना रहेगा” अर्थात् “लम्बा समय बिताना या किसी कठिनाई को धीरज धरकर सहन करना.”

* इसका अर्थ यह भी है कि परीक्षा के समय हिम्मत न हारना वरन दृढ़ रहना.
* “धीरज” शब्द का अर्थ “सहनशीलता” या “परीक्षा में सहनशील बने रहना” या “सताव में सहनशीलता दिखाना.”
* विश्वासियों को प्रोत्साहित किया गया है कि “अन्त तक धीरज धरे रहें” अर्थात् उन्हें कहा गया है कि यीशु का आज्ञापालन करें चाहे इसके कारण उन्हें दुख भी उठाना पड़े.
* “क्लेश सहने” का अर्थ, “दुख उठाना” भी हो सकता है.

#### अनुवाद के सुझाव:

* “धीरज से सहते रहना” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “डटा रहना” या “विश्वास करते रहना” या “परमेश्वर जो चाहता है वह करते रहना” या “दृढ़ खड़े रहना."
* कुछ संदर्भों में “धीरज से सहने” का अनुवाद हो सकता है, “अनुभव करना” या “भोगना.”
* दीर्घकालीन अभिप्राय में “सहन” का अनुवाद हो सकता है, “लम्बे समय रहना” या “होते रहना.” “सहन नहीं करे” का अनुवाद हो सकता है “सदैव नहीं रहेगा” या “अस्तित्व में नहीं रहेगा.”
* “धीरज” के अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दृढ़ता” या “विश्वास करते रहना” या “विश्वासयोग्य बने रहना.”

(यह भी देखें: [धीरज](../other/perseverance.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 तीमुथियुस 02:11-13
* याकूब 01:03
* याकूब 01:12
* लूका 21:19
* मत्ती 13:21
* प्रकाशितवाक्य 01:09
* रोमियो 05:3-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H386, H3201, H3557, H5331, H5375, H5975, G430, G907, G1526, G2005, G2076, G2594, G3306, G4722, G5278, G5281, G5297, G5342

### बन्दीगृह, बन्दी, बन्दी, बन्दीगृह, कैद में, कैद में, बन्दी बनाना, बन्दी बनना, बन्दी बनना

#### परिभाषा:

“बन्दीगृह” वह स्थान है जहाँ अपराधियों को उनके अपराध का दण्ड देने के लिए रखा जाता है। “बन्दी” वह व्यक्ति जो बन्दीगृह में रखा गया है।

* अभियुक्त को अभियोग के समय तक बन्दीगृह में रखा जाता है।
* “बन्दी बनाया” अर्थात् “बन्दीगृह में रखा” या “दासत्व में रखा”।
* अनेक भविष्यद्वक्ता और परमेश्वर के सेवक निरपराध बन्दीगृह में डाले गए थे।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “बन्दीगृह” का दूसरा शब्द “कारावास” है।
* इस शब्द का अनुवाद “कालकोठरी” भी किया जा सकता है, जब कारावास किसी भवन या राजमहल के तहखाने में हो।
* “बन्दी” का संदर्भ उन लोगों से भी हो सकता है जिन्हें उनके शत्रु बन्दी बनाकर उनकी इच्छा के विरूद्ध किसी स्थान में रखते हैं। इसका अनुवाद “दास” भी किया जा सकता है।
* “बन्दी बनाने” के अनुवाद हो सकते हैं, “बन्दी बनाकर रखना” या “दासता में रखना” या “कैद कर लेना”

(यह भी देखें: [बन्दी](../other/captive.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 25:4-5
* इफिसियों 04:1-3
* लूका 12:57-59
* लूका 22:33-34
* मरकुस 06:16-17
* मत्ती 05:25-26
* मत्ती 14:3-5
* मत्ती 25:34-36

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H612, H613, H615, H616, H631, H1004, H1540, H3608, H3628, H3947, H4115, H4307, H4455, H4525, H4929, H5470, H6115, H6495, H7617, H7622, H7628, G1198, G1199, G1200, G1201, G1202, G1210, G2252, G3612, G4788, G4869, G5083, G5084, G5438, G5439

### बल, बलवन्त करना, दृढ़ किया, मजबूत, हियाव बाँधा

#### तथ्यों:

“बल” अर्थात शारीरिक, मानसिक या आत्मिक शक्ति। “बलवन्त करना” (स्थिर होना, दढ़ होना) अर्थात किसी को अधिक शक्तिशाली बनाना।

* “बल” का अर्थ यह भी है कि किसी प्रकार के विरोधी बल का सामना करना।
* परीक्षा में नहीं गिरनेवाले में “इच्छा शक्ति” होती है।
* भजनकार यहोवा को अपना “बल” कहता है अर्थात् परमेश्वर उसे बलवन्त होने में सहायता करता है।
* दीवार या भवन जैसी रचना को दृढ़ किया जाए तो इसका अर्थ है कि उसका पुनरूद्धार किया जा रहा है उसमें पत्थर और ईंटों को जोड़कर उसे अधिक दृढ़ किया जा रहा है कि वह आक्रमण का सामना कर पाए।

#### अनुवाद के सुझाव

* “बलवन्त करना” का सामान्यतः अनुवाद हो सकता है, “दृढ़ करना” या “अधिक शक्तिशाली बनाना”।
* आत्मिक अर्थ में “अपने भाइयों को स्थिर कर” का अनुवाद होगा, “अपने भाइयों को प्रोत्साहित कर” या “अपने भाइयों को धीरज धरने में सहायता प्रदान कर”।
* निम्नलिखित उदाहरण इन शब्दों का अर्थ दिखाते हैं, और इसलिए उनका अनुवाद कैसे किया जा सकता है, जब उन्हें लंबे समय तक भाव में शामिल किया जाता है।
* “बल का कटिबन्ध” अर्थात् “पूर्ण शक्ति देना जैसे कटिबन्ध कमर को थामे रहता है”।
* “शान्ति और विश्वास तेरा बल होगा” अर्थात् “शान्ति का आचरण और परमेश्वर में विश्वास तुझे आत्मिक शक्ति प्रदान करेगा”।
* "अपनी शक्ति का नवीनीकरण" का अर्थ "फिर से मजबूत हो जाएंगे”।
* "मेरी ताकत और मेरी बुद्धि से मैंने काम किया" इसका मतलब है "मैंने यह सब किया है क्योंकि मैं बहुत ताकतवर और बुद्धिमान हूं।"
* "दीवार को मजबूत करें" का अर्थ है "दीवार को सुदृढ़ करना" या "दीवार को फिर से बनाना"।
* “मैं तुझे स्थिर करूंगा” अर्थात् “मैं तुझे शक्तिशाली बनाऊंगा”।
* “उद्धार और बल यहोवा से है, अर्थात् “केवल यहोवा हमारा उद्धार करता है और हमें बल देता है”।
* “बल की चट्टान” अर्थात् “वह विश्वासयोग्य जो तुझे बल प्रदान करता है”
* “उसकी दहिनी भुजा के उद्धार के बल से” अर्थात् “वह तुझे संकटों से बलपूर्वक उबारता है जैसे कोई तुझे बलवन्त भुजा से पकड़े रहे”।
* “निर्बल” अर्थात् “दुर्बल” या “अधिक शक्तिशाली नहीं”।
* “अपनी पूरी शक्ति से” अर्थात् “अपने सर्वोत्तम प्रयास से” या “दृढ़ता से पूर्णतः”

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/faithful.md), [दृढ़ रहना](../other/perseverance.md), [दाहिना हाथ](../kt/righthand.md), [उद्धार](../kt/salvation.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 2 राजा 18:1-21
* 2 पतरस 02:10-11
* लूका 10:2-28
* भजन संहिता 021:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H193, H202, H353, H360, H386, H410, H553, H556, H905, H1082, H1369, H1396, H1679, H2220, H2388, H2391, H2392, H2393, H2428, H2633, H3027, H3028, H3559, H3581, H3811, H3955, H4206, H4581, H5326, H5331, H5332, H5582, H5797, H5807, H5810, H5934, H5975, H6106, H6109, H6697, H6965, H7292, H7293, H7296, H7307, H8003, H8443, H8510, H8632, H8633, G461, G772, G950, G1411, G1412, G1743, G1765, G1840, G1849, G1991, G2479, G2480, G2901, G2904, G3619, G3756, G4599, G4732, G4733, G4741

### बलवा , बलवा, बलवा किया, विद्रोह, विद्रोही, बलवाई, विद्रोह शीलता

#### परिभाषा:

“बलवा” शब्द का अर्थ है किसी के अधिकार के अधीन होने से इन्कार करना। “बलवा करने वाला” आज्ञा नहीं मानता है और बुरा काम करता है। ऐसा मनुष्य “बलवाई” कहलाता है

* मनुष्य बलवा करता है जब वह ऐसा काम करता है जिसके लिए अधिकारियों ने मना किया है।
* मनुष्य अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट कार्य न करे तो वह बलवा करता है।
* कभी-कभी मनुष्य अपने सरकार या शासकों से भी बलवा (विद्रोह) करते हैं।
* प्रकरण के अनुसार “बलवा करना” का अनुवाद “आज्ञा न मानना” या “विद्रोह करना” भी हो सकता है।
* “बलवाई” का अनुवाद “लगातार अवज्ञाकारी” या “आज्ञापालन से इन्कार” भी किया जा सकता है।
* “बलवा” का अर्थ है, “आज्ञा मानने से इन्कार” या “अवज्ञा” या “नियम विरोधी”
* “बलवा” का संदर्भ एक संगठित जनसमूह से भी हो सकता है जो नियम को तोड़कर अगुओं और जनता पर सार्वजनिक आक्रमण कर देते हैं। ये लोग अन्य मनुष्यों को भी साथ देने के लिए भड़काते हैं।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [शासक](../other/governor.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 राजा 12:18-19
* 1 शमूएल 12:14
* 1 तीमुथियुस 01:9-11
* 2 इतिहास 10:17-19
* प्रेरि. 21:37-38
* लूका 23:18-19

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **14:14** इस्राएलियों के चालीस वर्ष तक जंगल में भटकने के बाद, वह सभी जो परमेश्वर के **विरुद्ध** बोलते थे मर गए।
* **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के **विरुद्ध** बलवा किया।
* **18:09** यारोबाम ने परमेश्वर का **विद्रोह** किया और लोगों को पाप में धकेल दिया।
* **18:13** यहूदा के बहुत से लोग परमेश्वर के **विरुद्ध** हो गए और अन्य देवताओं की उपासना करने लगे।
* **20:07** परन्तु कुछ वर्षों के बाद, यहूदा के राजा ने बेबीलोन के **विरुद्ध** विद्रोह किया।
* **45:03** फिर स्तिफनुस ने कहा, “हे हठीले और परमेश्वर से बलवा करने वालों, तुम सदा पवित्र आत्मा का **विरोध** करते हो, जैसा तुम्हारे पूर्वजों ने सदैव परमेश्वर का विरोध किया और उसके भविष्यवक्ताओं को मार डाला।

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H4775, H4776, H4777, H4779, H4780, H4784, H4805, H5327, H5627, H5637, H6586, H6588, H7846, G3893, G4955

### बहन, बहनों

#### परिभाषा:

बहन वह स्त्री होती है जो किसी की माता याकिसी के पिता के द्वारा अनुवांशिक संबन्ध रखती है. उसे कहा जाता है कि किसी की बहन है या उस व्यक्ति की बहन है।

* नये नियम में "बहन" शब्द का आलंकारिक उपयोग उस स्त्री के लिए किया जाता है जो यीशु में सहविश्वासी है।
* कभी-कभी,"भाइयों और बहनों" शब्द मसीह के सब विश्वासी स्त्री-पुरुष के लिए उपयोग किया गया है।
* पुराने नियम की पुस्तक श्रेष्ठगीत में "बहन" शब्द प्रेमी या जीवन साथी के लिए उपयोग किया गया है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* अतः उचित होगा कि लक्षित भाषा में इस शब्द का अनुवाद करते समय अनुवांशिक या प्राकृतिक बहन के लिए काम में आने वाले शब्द का ज्यों का त्यों ही उपयोग करें, जब तक कि इसका अभिप्राय गलत न हो।
* इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मसीह में बहन” या “आत्मिक बहन” या “मसीह की विश्वासी स्त्री” या “सहविश्वासी महिला”।
* संभव हो तो पारिवारिक शब्द काम में लेना सबसे अच्छा है।
* यदि लक्षित भाषा में विश्वासी शब्द का स्त्रीलिंग रूप हो तो इसे काम में लेना संभावित अनुवाद हो सकता है।
* प्रेमी या पत्नी के संदर्भ में “प्रिय” या “प्रियतम” का स्त्रीलिंग शब्द काम में ले।

(यह भी देखें: [भाई](../kt/brother.md), [मसीह में](../kt/inchrist.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 02:16-17
* व्यवस्थाविवरण 27:22
* फिलेमोन 01:02
* रोमियो16:01

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H269, H1323, G27, G79

### बाँधे, बांधा हुआ

#### परिभाषा:

“बाँधे” अर्थात किसी वस्तु पर कुछ बान्धना। इसका अर्थ प्रायः बागा की कमर पर पट्टा बान्धना होता है कि वह अपने स्थान पर रहे।

* “कमर कसना” अर्थात वस्त्र का नीचे का भाग उठाकर कमर में बांधना कि मनुष्य आसानी से काम कर पाए।
* इस मुहावरे का अर्थ है "काम करने के लिए तैयार होना" या कठिन काम करने की तैयारी करना।
* “कमर कसना” के अनुवाद में लक्षित भाषा के समानार्थक उक्ति काम में ली जा सकती है। या इसका सरल अनुवाद भी किया जा सकता है, “कार्य करने के लिए तैयार होना” या “तैयार हो जाना।”
* “लिपटा हुआ” अर्थात “चारों ओर लपेटा हुआ” या “घिरा हुआ” या “बन्धा हुआ”

(यह भी देखें: [कमर](../other/loins.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 पतरस 01:13-14
* अय्यूब 38:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H247, H640, H2290, H2296, H8151, G328, G1241, G2224, G4024

### बाबेल

#### तथ्य:

बाबेल मेसोपोटामिया क्षेत्र के दक्षिण में शिनार प्रदेश का एक मुख्य नगर था। शिनार आगे चलकर बेबीलोन कहलाया था।

* बाबेल नगर हाम के परपोते, निम्रोद-शिनार का शासक-द्वारा स्थापित किया गया था।
* शिनारवासी घमण्ड से भरकर स्वर्ग तक ऊंचे मन्दिर का निर्माण करना चाहते थे। इस मीनार का नाम आगे चलकर “बेबीलोन का गुम्मट” पड़ा था।
* इस मीनार का निर्माण करने वालों ने पृथ्वी पर फैल जाने की परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया था, इसलिए परमेश्वर ने उनकी भाषाओं को अलग-अलग कर दिया जिससे कि वे एक दूसरे की बात समझ नहीं पाए। इस कारण वे विवश होकर एक दूसरे से अलग हो गए और पृथ्वी के विभिन्न स्थानों में जाकर बस गए।
* “बाबेल” शब्द का अर्थ है “उलझन” परमेश्वर ने उनकी भाषा में उलझन उत्पन्न कर दी थी इसलिए उस स्थान का यह नाम पड़ गया था।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [हाम](../names/ham.md), [मिसोपोतामिया](../names/mesopotamia.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 10:8-10
* उत्पत्ति 11:8-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H894

### बाल

#### तथ्य:

“बाल” का अर्थ है, “प्रभु” या “स्वामी”, और पहले के झूठे देवता का नाम था जिनकी उपासना कनानी करते थे।

* बाल शब्द से व्युत्पन्न अन्य देवता भी थे गैर पिओरबाल। कभी-कभी इन सब देवताओं को एक साथ “बाल” कहा गया है।
* कुछ देवताओं के नाम में "बाल" शब्द जुड़ा हुआ था।
* बाल की पूजा में कुप्रथाएं भी शामिल है जैसे बच्चों की बलि चढ़ाना और वैश्यावृत्ति का अभ्यास।
* उनके इतिहास में विभिन्न युगों में इस्राएली भी बाल की पूजा करते थे और अन्य जातियों के उदाहरण पर चलते थे।
* राजा आहाब के राज्य काल में परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता एलिय्याह ने सिद्ध करके दिखाया था कि बाल नहीं यहोवा ही सच्चा परमेश्वर है। परिणामस्वरूप बाल के पुजारियों को नष्ट कर दिया गया था और इस्राएली यहोवा की उपासना करने लगे थे।

(यह भी देखें: [आहाब](../names/ahab.md), [अशेरा](../names/asherim.md), [एलिय्याह](../names/elijah.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [व्यभिचारिणी](../other/prostitute.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 16:31-33
* 1 शमूएल 07:3-4
* यिर्मयाह 02:7-8
* न्यायियों 02:11-13
* गिनती 22:41

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **19:02** अहाब एक दुष्ट व्यक्ति था जो लोगों को झूठे, \_\_बाल\_\_नामक देवता की उपासना करने के लिए प्रोत्साहित करता था।
* **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के नबी साढ़े चार सौ मनुष्य कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए | एलिय्याह ने लोगों से कहा, “कब तक तुम दो विचारो में लटके रहोगे ? यदि यहोवा परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’ यदि बाल परमेश्वर हो , ‘तो उसके पीछे हो लो।’”
* **19:07** एलिय्याह ने बाल के भविष्यवक्ताओं से कहा, “पहले तुम एक बछड़ा चुन के तैयार कर लो, परन्तु आग न लगाना।”
* **19:08** तब बाल के भविष्यवक्ता यह कहकर बाल से प्रार्थना करते रहे, “हे बाल हमारी सुन, हे बाल हमारी सुन।”
* \_\_19:12\_\_तब उन्होंने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे ले जाकर मार डाला।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1120, G896

### बाशा

#### तथ्य:

बाशा इस्राएल का दुष्ट राजा था जिसने इस्राएल की प्रजा को मूर्ति-पूजा की प्रेरणा दी थी।

* बाशा इस्राएल का तीसरा राजा था और उसने 24 वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में राजा आसा का राज था।
* वह सेनापति था और राजा नादाब की हत्या करके वह सिंहासन पर बैठ गया था।
* बाशा के राज्यकाल में इस्राएल और यहूदा के बीच में अनेक युद्ध हुए थे, विशेष करके यहूदा के राजा आसा के साथ।
* बाशा के अनेक पापों के कारण परमेश्वर ने उसकी हत्या करके उसे सिंहासन से हटाया था।

(यह भी देखें: [आसा](../names/asa.md), [मूरत](../other/idol.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 15:16-17
* 2 राजा 09:9-10
* यिर्मयाह 41:8-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1201

### बाशान

#### तथ्य:

बशान गलील सागर के पूर्व का क्षेत्र था। वह क्षेत्र आज के सीरिया और गोलन ऊंचाईयों के क्षेत्र का एक भाग था।

* पुराने नियम का एक शरण नगर, “गोलन” बाशान क्षेत्र में था।
* बाशान एक अत्यधिक उपजाऊ प्रदेश था जो बांज वृक्षों और चारा गाहों के लिए प्रसिद्ध था।
* उत्पत्ति 14 में लिखा है कि बाशान अनेक राजाओं और उनके देशों में युद्ध का स्थान था।
* मिस्र से पलायन करने के बाद जब जंगल में था तब उन्होंने बाशान के एक भाग पर राज किया था।
* वर्षों बाद राजा सुलैमान उस क्षेत्र से आपूर्ति प्राप्त करता था।

(यह भी देखें: [मिस्र](../names/egypt.md), [बांज](../other/oak.md), [गलील सागर](../names/seaofgalilee.md), [सूरिया](../names/syria.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 04:11-14
* आमोस 04:1-2
* यिर्मयाह 20-21
* यहोशू 09:9-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1316

### बीज, वीर्य

#### परिभाषा:

बीज पौधे का वह भाग है जिसे भूमि में डालने पर उसी जाति का पौधा अंकुरित होता है।तथापि बाइबल में "बीज" शब्द का उपयोग लाक्षणिक रूप में भी किया गया है जिसके अनेक भिन्न-भिन्न अर्थ हैं।

* "बीज" शब्द प्रतीकात्मक और शिष्टोक्ति रूप में स्त्री-पुरुष की सन्तानोत्पत्ति की सूक्ष्म कोशिकाओं के लिए भी काम में लिया गया है। इनको वीर्य कहा जाता है।
* इसी संदर्भ में "बीज" शब्द मनुष्य की सन्तान या वंशजों के लिए भी काम में लिया जाता है।
* इस शब्द का अर्थ प्रायः बहुवचन में होता है जो एक से अधिक बीज के दानों या एक से अधिक वंशजों के संदर्भ में होता है।
* बीज बोनेवाले के दृष्टान्त में यीशु उसके बीजों की तुलना परमेश्वर के वचनसे करता है, जब यह मनुष्यों के मन में अंकुरित होता है तब उत्तम आत्मिक फल लाता है।
* प्रेरित पौलुस भी "बीज" शब्द का उपयोग परमेश्वर के वचन के संदर्भ में करता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* जब संदर्भ वास्तव में बीज का ही हो, तो अनुवाद में "बीज" शब्द का ही उपयोग किया जाए, जो लक्षित भाषा में उपयोग किया जाता है,अर्तात किसान द्वारा अपने खेत में बोया जाने वाला बीज।
* जब परमेश्वर के वचन का लाक्षणिक संदर्भ हो तब बीज शब्द को ज्यों का त्यों ही काम में लेना होगा.
* प्रतीकात्मक उपयोग में जब सन्दर्भ एक ही वंश के पारिवारिक सदसयों से हो तब "बीज" की अपेक्षा "वंशज" या "वंशजों" शब्दों का उपयोग अधिक स्पष्ट होगा। कुछ भाषाओं में ऐसा शब्द भी हो सकता है जिसका अर्थ "सन्तान और नाती-पोते" हो।
* स्त्री या पुरुष का "बीज" के लिए देखें कि लक्षित भाषा में इसे किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है जिससे पाठकों को बुरा न लगे या लज्जा का अनुभव न हो।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [सन्तान](../other/offspring.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 18:32
* उत्पत्ति 01:11
* यिर्मयाह 02:21
* मत्ती 13:08

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H2232, H2233, H3610, H6507, G4615, G4687, G4690, G4701, G4703

### बुरा, गलत करना, बुरा किया, गलत तरीके से, बुरा करनेवाले, दुर्व्यवहार, सताया हुआ, चोट पहुँचाना, कष्टदायक

#### परिभाषा:

“बुरा” करने का अर्थ है किसी के साथ अन्याय करना या अनिष्ठ व्यवहार करना।

* शब्द "दुर्व्यवहार"; का अर्थ है किसी व्यक्ति के साथ बुरा या कठोर व्यवहार करना, उस व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक कष्ट पहुंचाना।
* शब्द "चोट"; अधिक सामान्य है और इसका मतलब है "किसी को किसी तरह नुकसान पहुंचाना।" इसमें अक्सर "शारीरिक चोट" का अर्थ होता है।
* संदर्भ के आधार पर, इन शब्दों का अनुवाद "गलत करना" या "अन्याय का व्यवहार"; या "हानि पहुँचाना" या "हानिकारक व्यवहार करना" या "चोट पहुँचाना," आदि रूप में किया जा सकता है।

#### बाइबल संदर्भ:

* प्रे.का. 07:26
* निर्गमन 22:21
* उत्पत्ति 16:05
* लूका 06:28
* मत्ती. 20:13-14
* भजन संहिता 071:13

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H205, H816, H2248, H2250, H2255, H2257, H2398, H2554, H2555, H3238, H3637, H4834, H5062, H5142, H5230, H5627, H5753, H5766, H5791, H5792, H5916, H6031, H6087, H6127, H6231, H6485, H6565, H6586, H7451, H7489, H7563, H7665, H7667, H7686, H8133, H8267, H8295, G91, G92, G93, G95, G264, G824, G983, G984, G1536, G1626, G1651, G1727, G1908, G2556, G2558, G2559, G2607, G3076, G3077, G3762, G4122, G5195, G5196

### बुराई, दुष्ट, दुष्टता

#### परिभाषा:

“बुरा और दुष्ट” दोनों का संदर्भ उन बातों से है जो परमेश्वर के गुण एवं इच्छा के विरूद्ध है।

* “बुरा” शब्द मनुष्य के चरित्र का वर्णन करता है, “दुष्ट” शब्द मनुष्य के व्यवहार का वर्णन करता है। तथापि अर्थ में दोनों शब्द समान हैं।
* “दुष्टता” का अभिप्राय मनुष्य द्वारा किए गए बुरे काम को दर्शाते हैं।
* बुराई के परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं कि लोग कैसे हत्या करते हैं, चोरी करते हैं, बदनाम करते हैं और क्रूर और निर्दयी होते हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “बुराई” और दुष्टता का अनुवाद “बुरा” या “पापी” या “अनैतिक” हो सकता है।
* इसके अनुवाद के अन्य रूप हैं, “अच्छी नहीं” या “धर्मी नहीं” या “नैतिक नहीं”
* सुनिश्चित करें कि इनके अनुवाद के शब्द और उक्तियां लक्षित भाषा में व्यावहारिक संदर्भ सहित हों।

(यह भी देखें: [अवज्ञा](../other/disobey.md), [पाप](../kt/sin.md), [अच्छा](../kt/good.md), [धर्मी](../kt/righteous.md), [दुष्टात्मा](../kt/demon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 24:10-11
* 1 तीमुथियुस 06:9-10
* 3 यूहन्ना 01:9-10
* उत्पत्ति 02:15-17
* उत्पत्ति 06:5-6
* अय्यूब 01:1-3
* अय्यूब 08:19-20
* न्यायियों 09:55-57
* लूका 06:22-23
* मत्ती. 07:11-12
* नीतिवचन 03:7-8
* भजन-संहिता 022:16-17

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **02:04** "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और अच्छा और **बुरे** को समझोगे जैसा वह समझता है।"
* **03:01** एक लंबे समय के बाद, बहुत से लोग दुनिया में रह रहे थे। वे बहुत **दुष्ट** और हिंसक थे।
* **03:02** लेकिन नूह ने परमेश्वर से अनुग्रह पाया। वह **दुष्ट** लोगों के बीच रहने वाला एक धर्मी व्यक्ति था।
* **04:02** परमेश्वर ने देखा कि अगर वे सभी एक साथ मिलकर **बुराई** करते हैं, तो वे और भी अधिक पाप करेंगे।
* **08:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने **बुराई** करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने भलाई के लिए **बुराई** का इस्तेमाल किया!"
* **14:02** वे (कनानी) ने झूठे देवताओं की पूजा की और कई \_\_ बुरे\_\_ काम किए।
* **17:01** लेकिन फिर वह (शाऊल) एक **दुष्ट** व्यक्ति बन गया, जिसने परमेश्वर का आज्ञा पालन नहीं किया, इसलिए परमेश्वर ने एक अलग व्यक्ति को चुना जो एक दिन उसके स्थान पर राजा बनेगा।
* **18:11** इस्राएलियों के नए राज्य में, सभी राजा **बुरे** थे
* **29:08** राजा इतना क्रोधित था कि उसने **दुष्ट** दास को जेल में फेंक दिया जब तक कि वह उसके सारे कर्ज का भुगतान न कर दे।
* **45:02** उन्होंने कहा, "हमने सुना है वह(स्तिफनुस) मूसा और परमेश्वर के बारे में \_\_ बुरी\_\_ बातें कहता है!"
* **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, **बुराई**, दर्द या मौत नहीं होगी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H205, H605, H1100, H1681, H1942, H2154, H2162, H2254, H2617, H3399, H3415, H4209, H4849, H5753, H5766, H5767, H5999, H6001, H6090, H7451, H7455, H7489, H7561, H7562, H7563, H7564, G92, G113, G459, G932, G987, G988, G1426, G2549, G2551, G2554, G2555, G2556, G2557, G2559, G2560, G2635, G2636, G4151, G4189, G4190, G4191, G5337

### बेतशेमेश

#### तथ्य:

बेतशेमेश एक कनानी नगर का नाम था, जो यरूशलेम के लगभग 30 कि.मी. पश्चिम में था।

* इस्राएलियों ने यहोशू के समय बेतशेमेश पर अधिकार कर लिया था।
* बेतशेमेश नगर लेवी याजकों के निवास हेतु अलग कर दिया गया था।
* जब पलिश्ती वाचा के सन्दूक को लौटाकर यरूशलेम जा रहे थे तब बेतशेमेश पहला नगर था, जहां वे रूके थे।

(यह भी देखें: [वाचा का सन्दूक](../kt/arkofthecovenant.md), [कनान](../names/canaan.md), [यरूशलेम](../names/jerusalem.md), [यहोशू](../names/joshua.md), [लेवी](../names/levite.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 04:7-10
* 1 शमूएल 06:7-9
* यहोशू 05:2-3
* न्यायियों 01:33

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1053

### बेतेल

#### तथ्य:

“बेतेल” कनान देश में यरूशलेम के उत्तर में एक नगर था। इसका पूर्व का नाम "लूज" था।

* परमेश्वर से पहली बार प्रतिज्ञा प्राप्त करने पर अब्राम (अब्राहम) ने बेतेल के निकट एक वेदी बनाई थी। उस समय इसका नाम बेतेल नहीं था परन्तु इस शब्द को जनमान्य होने के कारण काम में लिया गया है।
* एसाव से डर कर भागते समय याकूब इस नगर के बाहर ही आकाश के नीचे सोया था। उस समय उसने स्वप्न में उसे स्वर्गदूत एक सीढ़ी पर स्वर्ग पर चढ़ते और वहां से उतरते दिखाई दिए थे।
* इस नगर का नाम बेतेल नहीं था जब तक कि याकूब ने इसे "बेतेल" नाम नहीं दिया। इस शब्द को उजागर करने के लिए कुछ अनुवादों में इस स्थान का नाम “लूज(बाद में बेतेल कहलाया)” किया गया है जब तक कि याकूब ने वहां पहुंचकर उस स्थान को बेतेल नाम नहीं दिया।
* बेतेल का नाम पुराने नियम में बहुत बार आया है और वहां अनेक महत्त्वपूर्ण घटनाएं भी घटी थी।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [वेदी](../kt/altar.md), [याकूब](../names/jacob.md), [यरूशलेम](../names/jerusalem.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 12:8-9
* उत्पत्ति 35: 1-3
* होशे 10:14-15
* न्यायियों 01:22-24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1008

### बेर्शेबा

#### तथ्य:

पुराने नियम के युग में बेर्शेबा नगर यरूशलेम से लगभग 45 मील दक्षिण पश्चिम में रेगिस्तान में बसा था जिसे अब नेगेव (दक्षिण देश) कहते हैं।

* बेर्शेबा के आसपास के रेगिस्तान में हाजिरा और इश्माएल भटक रहे थे जब अब्राहम ने उन्हें अपने तम्बुओं से दूर भेज दिया था।
* इस नगर के नाम का अर्थ है “शपथ का कूआं” इस स्थान को यह नाम तब दिया गया था जब अब्राहम ने अबीमेलेक से शपथ खाई थी कि वह उसके लोगों को उसके कूओं में से एक पर अनाधिकृत कब्जा करने के लिए घात नहीं करेगा।

(यह भी देखें: [अबीमेलेक](../names/abimelech.md), [अब्राहम](../names/abraham.md) , [हाजिरा](../names/hagar.md), [इश्माएल](../names/ishmael.md), [यरूशलेम](../names/jerusalem.md), [शपथ](../other/oath.md))

===== बाइबल सन्दर्भ: =====

* 1 शमूएल 03:19-21
* 2 शमूएल 17:11-12
* उत्पत्ति 21:14-16
* उत्पत्ति 21:31-32
* उत्पत्ति 46:1-4
* नहेम्याह 11:28-30

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H884

### भटक, भटक जाते हैं, भटक गए, भटका देना, भटका दिया, भटकना, भ्रम में पड़े, गलत दिशा की ओर

#### परिभाषा:

“भटका दिया” और “भटकना” का अर्थ है परमेश्वर की इच्छा न मानना। मनुष्य जो “भटक गए” उन्होंने अन्य मनुष्यों या परिस्थितियों से प्रभावित होकर परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी।

* “भटकना” शब्द समतल पथ या सुरक्षा के स्थान को छोड़कर गलत और खतरनाक मार्ग में जाने का भाव व्यक्त करता है।
* चरवाहे की चारागाह से दूर जानेवाली भेड़ को “भटकी हुई” कहते हैं। परमेश्वर पापियों की तुलना उन भेड़ों से करता है जो उसका त्याग करके “भटक गई” हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “भटकने” का अनुवाद, “परमेश्वर से दूर हो जाना” या “परमेश्वर की इच्छा से अलग गलत मार्ग पर चलना” या “परमेश्वर की आज्ञा मानना छोड़ देना” या “ऐसे तरीके से जियो जो परमेश्वर से दूर चला जाए।” हो सकता है।
* “किसी को भरमाना” का अनुवाद, “किसी को परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित करना” या “किसी को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए प्रभावित करना” या “किसी को गलत मार्ग पर अपने पीछे चलाना”हो सकता है।

(यह भी देखें: [अवज्ञा](../other/disobey.md), [चरवाहे](../other/shepherd.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूह. 03:7
* 2 तीमु. 03:13
* निर्गमन 23:4-5
* यहेजकेल 48:10-12
* मत्ती. 18:13
* मत्ती. 24:05
* भजन-संहिता 058:03
* भजन-संहिता 119:110

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H5080, H7683, H7686, H8582, G4105

### भण्डार, भण्डार

#### परिभाषा:

"भण्डार" अन्न और अन्य वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए बनाये गए विशेष गृह।

* बाइबल में “भण्डार” प्रायः अतिरिक्त अन्न तथा भोजन सामग्री को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता था, जब अकाल के कारण भोजन की कमी हो जाए।
* यह शब्द प्रतीकात्मक रूप में उन सब अच्छी वस्तुओं के लिए भी काम में लिया जाता है जो परमेश्वर अपने लोगों को देना चाहता है।
* मंदिर के भण्डार में मूल्यवान चीजें थीं जो यहोवा को समर्पित थीं, जैसे सोने और चांदी। मंदिर में मरम्मत और रखरखाव करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली इनमें से कुछ चीजों को भी वहां रखा गया था।
* “भण्डार” शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं “अन्न भण्डार का गोदाम” या “भोजन संरक्षण का स्थान” या “मूल्यवान वस्तुओं को सुरक्षित रखने का कक्ष”।

(यह भी देखें: [अभिषेक करना](../kt/consecrate.md), [समर्पण करना](../other/dedicate.md), [अकाल](../other/famine.md), [सोना](../other/gold.md), [अन्न](../other/grain.md), [चांदी](../other/silver.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 16:2-3
* लूका 03:17
* मत्ती 03:10-12
* भजन-संहिता 033:7-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H214, H618, H624, H4035, H4200, H4543, G596

### भय, भययोग्य

#### परिभाषा:

“भय” शब्द किसी महान, सामर्थी एवं भव्य बात को देखकर विस्मय और अगाध सम्मान की भावना के संदर्भ में है।

* “भय” शब्द किसी मनुष्य या वस्तु द्वारा भय उत्पन्न करने के संदर्भ में है।

भविष्यद्वक्ता यहेजकेल ने परमेश्वर की महिमा का दर्शन देखा जो “भययोग्य” या “विस्मयकारी भय” का था।

* परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति भय की प्रतिक्रिया के शब्द हैं, डरना, दण्डवत् करना या घुटने टेकना, मुंह छिपाना और कांपना।

(यह भी देखें: [भय](../kt/fear.md), [महिमा](../kt/glory.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 17:19-21
* उत्पत्ति 28:16-17
* इब्रानियों 12:27-29
* भजन 022:22-23
* भजन 147:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H366, H1481, H3372, H6206, H7227, G2124

### भय, चकित, बुरे, बुरी तरह से, भयातुर, भयानक

#### परिभाषा:

“भय” का संदर्भ आंतक और भय की अनुभूति से है। जिस मनुष्य को भय से कंपकंपी हो रही हो उसे भयातुर कहते हैं।

“भय” मात्र डर से अधिक प्रबल होती है।

* जो मनुष्य ऐसा डर जाए कि काटो तो खून नहीं वह आघात या जड़वत हो जाता है।

(यह भी देखें: [भय](../kt/fear.md), [डर](../other/terror.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* व्यवस्थाविवरण 28:36-37
* यहेजकेल 23:33-34
* यिर्मयाह 02:12-13
* अय्यूब 21:4-6
* भजन संहिता 055:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H367, H1091, H1763, H2152, H2189, H4032, H4923, H5892, H6343, H6427, H7588, H8047, H8074, H8175, H8178, H8186

### भरोसा, भरोसा करना, आत्मविश्वास से

#### परिभाषा:

“भरोसा” (हियाव) निश्चय होना कि कोई बात सच है या उसका होना निश्चित है।

* बाइबल में, "आशा" शब्द का अर्थ अक्सर कुछ के लिए इंतजार करना है जो निश्चित रूप से होने वाला है। यूएलबी अक्सर इसका अनुवाद "भरोसा" या "भविष्य के लिए भरोसा" या "भविष्य के भरोसे" के रूप में करते हैं, खासकर जब इसका मतलब है कि परमेश्वर ने यीशु में विश्वासियों के लिए किए हुए वादों पर भरोसा करना है।
* अक्सर शब्द "भरोसा" विशेष रूप से निश्चित रूप से यह स्पष्ट करता है कि यीशु के विश्वासियों में यह है कि वे किसी दिन स्वर्ग में हमेशा के लिए परमेश्वर के साथ होंगे।
* “परमेश्वर पर भरोसा” इस उक्ति का अर्थ है कि परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा की है उसे प्राप्त करने और उसका अनुभव करने की आशा।
* “भरोसा करना” का अर्थ है परमेश्वर की वादों में विश्वास करना और निश्चय के साथ काम करना कि परमेश्वर ने जो कह दिया है, उसे वह पूरा करेगा। इस शब्द का अर्थ निडर या साहसी व्यवहार है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “भरोसा” शब्द का अनुवाद “निश्चय” या “पूर्ण विश्वास” भी हो सकता है।
* वाक्यांश "भरोसा करना"; का अनुवाद "पूरी तरह से विश्वास" या "पूरी तरह से सुनिश्चित" या "निश्चित रूप से पता" के रूप में किया जा सकता है।
* शब्द "आत्मविश्वास" का अनुवाद "साहसपूर्वक" या "निश्चित रूप से" के रूप में किया जा सकता है।
* संदर्भ के आधार पर, "भरोसा" का अनुवाद करने के तरीके में "पूर्ण आश्वासन" या "निश्चित उम्मीद" या "निश्चितता" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believe.md), [विश्वासी](../kt/believer.md), [साहस](../other/bold.md), [विश्वासयोग्य](../kt/faithful.md), [आशा](../kt/hope.md), [भरोस](../kt/trust.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H982, H983, H986, H3689, H3690, H4009, G2292, G3954, G3982, G4006, G5287

### भविष्यद्वक्ता, भविष्यवाणी, भविष्यद्वाणी, द्रष्टा, भविष्यद्वक्तिन

#### परिभाषा:

भविष्यद्वक्ता परमेश्वर का सन्देश मनुष्यों तक पहुंचाता है। भविष्यद्वाणी करनेवाली स्त्री को भविष्यद्वक्तिन कहते हैं।

* भविष्यद्वक्ता मनुष्यों को पापों से विमुख होने और परमेश्वर की आज्ञा मानने के लिए चिताते थे।
* भविष्यद्वाणी भविष्यद्वक्ताओं का सन्देश था। भविष्यद्वाणी करना अर्थात परमेश्वर का सन्देश सुनाना।
* भविष्यद्वाणी प्रायः भावी घटनाओं का वर्णन था।
* पुराने नियम की अनेक भविष्यद्वाणियां पूरी हो चुकी हैं।
* बाइबल में भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भविष्यद्वक्ता कहा गया है।
* उदाहरणार्थ, “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” इब्रानी पवित्रशास्त्र के संदर्भ में कहा जाता था जिसे पुराना नियम कहा जाता था।
* भविष्यद्वक्ता के लिए प्रयुक्त पुराना शब्द है, “भविष्यदृष्टा”।
* कभी-कभी यह शब्द भूत सिद्धी करनेवालों या झूठे भविष्यद्वक्ताओं के लिए भी काम में लिया जाता था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद किया जा सकता है, “परमेश्वर का वक्ता” “परमेश्वर की ओर से कहने वाला मनुष्य” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाला मनुष्य”।
* एक "भविष्यद्वक्ता" का अनुवाद "वह मनुष्य जो दर्शन देखता है" या "वह मनुष्य जो परमेश्वर से भविष्य देखता है।"
* “भविष्यद्वक्तिन” शब्द का अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर की वक्ता” या “परमेश्वर की ओर से कहनेवाली स्त्री” या “परमेश्वर का सन्देश सुनाने वाली स्त्री”।
* “भविष्यद्वाणी” के लिए अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर का सन्देश” या “भविष्यद्वाणी का सन्देश”
* प्रकरण पर आधारित “भविष्यद्वाणी” शब्द का अनुवाद होगा, “परमेश्वर का वचन सुनाना” या “भावी घटनाओं के बारे में परमेश्वर का सन्देश पहुंचाना”।
* इस प्रतिकात्मक अभिव्यक्ति “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” का अनुवाद हो सकता है “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें” या “परमेश्वर के प्रदत्त विधान और उसके भविष्यद्वक्ताओं के सन्देश के बारे में सब लिखित बातें” [उपलक्षण](rc://*/ta/man/translate/figs-synecdoche))
* जब एक झूठे देवता के नबी (या द्रष्टा) का जिक्र करते हैं, तो इसका अर्थ "झूठे भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "झूठे देवता के भविष्यद्वक्ता (द्रष्टा)" या "बाल के नबी" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ।

(यह भी देखें: [बाल](../names/baal.md), [दैववाणी](../other/divination.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [झूठे भविष्यद्वक्ता](../other/falseprophet.md), [पूरा करने](../kt/fulfill.md), [व्यवस्था](../kt/lawofmoses.md), [दर्शन](../other/vision.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 02:14-16
* प्रे.का. 03:24-26
* यूहन्ना 01:43-45
* मलाकी 04:4-6
* मत्ती 01:22-23
* मत्ती 02:17-18
* मत्ती 05:17-18
* भजन संहिता 051:1-2

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक **भविष्यद्वक्ता** है।
* **17:13** दाऊद ने जो कुछ भी किया उसे लेकर परमेश्वर का क्रोध उस पर भड़का, परमेश्वर ने नातान **भविष्यद्वक्ता** द्वारा दाऊद को कहलवा भेजा कि उसके पाप कितने बुरे है |
* **19:01** इस्राएलियों के इतिहास भर में, परमेश्वर ने बहुत से **भविष्यद्वक्ता** भेजे | **भविष्यद्वक्ता** ने परमेश्वर के संदेशों को सुना और फिर लोगों को परमेश्वर का संदेश बताया |
* **19:06** इस्राएली राज्य के सभी लोगों सहित और बाल के साढ़े चार सौ **भविष्यद्वक्ता** कर्मेल पर्वत पर इकट्ठा हुए |
* **19:17** अधिकतर समय, लोगों ने परमेश्वर के नियमों का पालन नही किया. वे अक्सर **भविष्यद्वक्ता** के साथ दुर्व्यवहार करते थे और कभी-कभी उन्हें मार भी डालते थे
* **21:09** **भविष्यद्वक्ता** यशायाह ने भविष्यवाणी की कि मसीहा एक कुंवारी से पैदा होगा।
* **43:05** "यह वह बात है जो योएल **भविष्यद्वक्ता** के द्वारा कही गई थी जिसमे परमेश्वर कहता है कि, “अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा |”
* **43:07** "लेकिन यह उस **भविष्यवाणी** को पूरा करता है जो कहता है, 'आप कब्र में अपने पवित्र जन को सड़ने नहीं देगा।'"
* **48:12** मूसा एक बहुत बड़ा **भविष्यद्वक्ता** था जिसने परमेश्वर के वचन की घोषणा की थी | लेकिन यीशु सबसे महान **भविष्यद्वक्ता** है। वहीं परमेश्वर का वचन है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2372, H2374, H4853, H5012, H5013, H5016, H5017, H5029, H5030, H5031, H5197, G2495, G4394, G4395, G4396, G4397, G4398, G5578

### भाई

#### परिभाषा:

“भाई” शब्द प्रायः उस पुरुष के संदर्भ में होता है जिसकी माता/पिता किसी और की भी माता/पिता हो।

* पुराने नियम में, "भाइयों" शब्द का उपयोग रिश्तेदारों या सहयोगियों के सामान्य संदर्भ के रूप में भी किया जाता है, जैसे कि एक ही जनजाति, कबीले, व्यवसाय या लोगों के समूह। जब इस तरह से उपयोग किया जाता है, तो यह शब्द पुरुषों और महिलाओं दोनों को संदर्भित कर सकता है।
* नये नियम में प्रेरित सामान्यतः विश्वासियों को भाई कहते थे, स्त्री-पुरुष दोनों को क्योंकि मसीह में सब विश्वासी एक ही आत्मिक परिवार के सदस्य माने जाते थे जिनका स्वर्गिक पिता परमेश्वर है।
* कभी-कभी प्रेरितों ने विश्वासी स्त्रियों के लिए भी बहन शब्द का उपयोग किया या कि पुरुष और स्त्री दोनों को संबोधित किया जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, याकूब जोर देकर सभी विश्वासियों के बारे में बात कर रहा है, जब वह "एक भाई या बहन को भोजन या कपड़ों की ज़रूरत है" कहता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* उचित तो होगा कि इसका अनुवाद लक्षित भाषा के उस शब्द से किया जाए जो सगे भाई शब्द से किया जाए जब तक कि इसका अर्थ गलत न समझा जाए।
* पुराने नियम में विशेष करके “भाइयों” शब्द सामान्यतः एक ही परिवार या एक ही कुल या एक ही जाति के सदस्यों के लिए काम में लिया गया है इसका संभावित अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “सगोत्र” या “इस्राएली भाई।”
* मसीह में सह-विश्वासी के लिए इसका अनुवाद हो सकता है “मसीही भाई” या “आत्मिक भाई”।
* यदि स्त्री पुरुष दोनों की चर्चा की जा रही है और भाई शब्द का अर्थ गलत समझा जा सकता है तो संबन्धों के सामान्य शब्द का उपयोग किया जाए जिसमें स्त्री पुरुष दोनों हों।
* इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीके स्त्री-पुरुष विश्वासियों के लिए काम में आनेवाला अनुवादित शब्द हो सकता है, “सहविश्वासी” या “मसीही भाई-बहन”।
* यह निर्धारित करने के लिए संदर्भ की जाँच करें कि क्या केवल पुरुषों को संदर्भित किया जा रहा है, या दोनों पुरुषों और स्त्रियों को शामिल किया गया है या नहीं।

(यह भी देखें: [प्रेरित](../kt/apostle.md), [पिता परमेश्वर](../kt/godthefather.md), [बहन](../other/sister.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:26-28
* उत्पत्ति 29:9-10
* लैव्यव्यवस्था 19:17-18
* नहेम्याह 03:1-2
* फिलिप्पियों 04: 21-23
* प्रकाशितवाक्य 01:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H251, H252, H264, H1730, H2992, H2993, H2994, H7453, G80, G81, G2385, G2455, G2500, G4613, G5360, G5569

### भावी कहने, भावी कहनेवालों, भूत सिद्धिवालों, ज्योतिषी

#### परिभाषा:

“भावी कहने” तथा “भूत सिद्धिवालों” एक अभ्यास था जिसमें लोग अलौकिक संसार में आत्माओं से जानकारी लेते थे। ऐसा काम करने वाले को “भावी कहने वाला” या “भूत सिद्धी करनेवाला” कहते थे।

* पुराने नियम के समय, परमेश्वर की आज्ञा थी कि इस्राएली भावी कहना या भूत सिद्धि का अभ्यास न करे।
* ऊरिम और तुमिम द्वारा परमेश्वर ने अपनी इच्छा जानने की उन्हें अनुमति दी थी। ये दो पत्थर थे जिन्हें परमेश्वर ने प्रधान पुरोहित के लिए दिए थे कि वह इस उद्देश्य के निमित्त उन्हें काम में ले। परन्तु दुष्टात्माओं के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने की अनुमति उसने उन्हें नहीं दी थी।
* अन्यजाति दर्शी आत्मिक संसार से जानकारियां प्राप्त करने के लिए विभिन्न विधियां काम में लेते थे जैसे पशुओं की आंतड़ियों का परीक्षण करके या हड्डियों को भूमि पर डालकर उनका आकार देखना।
* नए नियम में, यीशु और प्रेरितों ने भी भविष्यवाणी, भूत-सिद्धी, जादू टोना और जादू को खारिज किया है। इन सभी प्रथाओं में बुरी आत्माओं की शक्ति का उपयोग करना शामिल है और ईश्वर द्वारा निंदा की जाती है।

(यह भी देखें: [प्रेरित](../kt/apostle.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [जादू-टोना](../other/magic.md), [भूत-सिद्धी](../other/sorcery.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 06:1-2
* प्रे.का. 16:16-18
* यहेजकेल 12:24-25
* उत्पत्ति 44:3-5
* यिर्मयाह 27:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1870, H4738, H5172, H6049, H7080, H7081, G4436

### भोज

#### परिभाषा

“भोज” एक बड़ा औपचारिक भोजन है जिसमें अनेक व्यंजन होते थे।

* प्राचीन युग में राजा राजनीतिक अगुओं तथा महत्वपूर्ण लोगों के लिए प्रायः भोज का आयोजन करते थे।
* इसका अनुवाद हो सकता है, “व्यापक भोज” या “महत्वपूर्ण भोज” या “बहु-व्यंजन भोज”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* दानिय्येल 05:10
* यशायाह 05:11-12
* यिर्मयाह 16:08
* लूका 05:29-32
* श्रेष्ठगीत 02:3-4

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H4960, H4961, H8354, G1173, G1403

### मत्ती, लेवी

#### तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफईस का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

* यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
* मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
* बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(यह भी देखें: [प्रेरित](../kt/apostle.md), [लेवी](../names/levite.md), [चुंगी लेनेवाला](../other/taxcollector.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* लूका 05:27-28
* लूका 06:14-16
* मरकुस 02:13-14
* मरकुस 03:17-19
* मत्ती 09:7-9
* मत्ती 10:2-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: G3017, G3156

### मधु, मधु का छत्ता

#### परिभाषा:

“मधु” खानेवाला एक चिपचिपा मीठा पदार्थ होता है जो मधु मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम का बनाया मधु संग्रह का एक साधन है, जिसमें मधु मक्खियाँ मधु एकत्र करती हैं।

* मधु का रंग कुछ पीला या कुछ भूरा होता है।
* मधु पेड़ के खोखले स्थान में या जहाँ भी मधुमक्खी छत्ता बनाए वहाँ मिलेगा। लोग मधुमक्खियों को पालकर मधु खाते हैं या बेचते हैं परन्तु बाइबल में जिस मधु की चर्चा की गई है वह वन मधु है।
* बाइबल में तीन मनुष्यों को मधु खाते हुए दर्शाया गया है, योनातान, शिमशोन और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।
* इस शब्द का प्रतिकात्मक उपयोग किसी मधु या आनन्ददायक बात के लिए भी किया गया है। उदारहणार्थ, परमेश्वर का वचन और आज्ञाएं "मधु से भी अधिक मीठी" कहीं गई हैं।
* कभी-कभी मनुष्य के शब्दों को भी मधु तुल्य मीठा कहा जाता है परन्तु जिसका परिणाम मनुष्यों से छल और हानि होता है।

(यह भी देखें: [यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला)](../names/johnthebaptist.md), [योनातान](../names/jonathan.md), [पलिश्ती](../names/philistines.md), [शिमशोन](../names/samson.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 14:1-3
* व्यवस्थाविवरण 06:3
* निर्गमन 13:3-5
* यहोशू 05:6-7
* नीतिवचन 05:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G2781, G3192, G3193

### मन, मनों, मन में लेना, सुधि लेना, सुधि दिला, याद दिलाता है, स्मरण किए गए, स्मरण, स्मरण दिलाने वाला, स्मरण दिलाना, एक मन

#### परिभाषा:

“मन” मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

* मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णतः है।
* “मसीह का मन रखना” अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
* “मन परिवर्तन” अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग होना।

#### अनुवाद के सुझाव

* “मन” का अनुवाद हो सकता है, “विचार” या “तर्क करना” या “सोचना” या “समझना।”
* “मन में रखना” का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या “ध्यान देना” या “निश्चय जान लेना।”
* “हृदय, प्राण और मन” का अनुवाद हो सकता है, “आप क्या महसूस करते हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप किस बारे में में सोचते हैं। "
* “मन में लाना” का अनुवाद हो सकता है, “स्मरण करना” या “सोचना”।
* “मन परिवर्तन करके गया” इसका अनुवाद हो सकता है, “निर्णय बदल कर गया” या “अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया” या “विचार बदल कर गया।”
* अभिव्यक्ति "दुचित्ता " का अनुवाद "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विवादित विचारों के साथ" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believe.md), [मन](../kt/heart.md), [जीव](../kt/soul.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* लूका 10:27
* मरकुस 06:51-52
* मत्ती 21:29
* मत्ती 22:37
* याकूब 04:08

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

### मनश्शे

#### तथ्य:

मनश्शे नामक पाँच पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

यूसुफ के पहिलौठे का नाम मनश्शे था।

मनश्शे और एप्रैम दोनों को यूसुफ के पिता याकूब ने गोद लिया था। जिसके कारण उनके वंशजों को इस्राएल के बारह गोत्रों में गिने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मनश्शे के वंशज इस्राएल का एक गोत्र हुए।

मनश्शे का गोत्र “मनश्शे का आधा गोत्र” कहलाता था क्योंकि कनान देश में इस गोत्र के एक भाग ने ही निवास किया था, यरदन नदी के पश्चिम में। इस गोत्र का शेष भाग यरदन नदी के पूर्व में बस गया।

यहूदा के एक राजा का नाम भी मनश्शे था।

मनश्शे एक दुष्ट राजा था जिसने अपने बच्चों को झूठे देवताओं के समक्ष होम बलि चढ़ाया था।

परमेश्वर ने राजा मनश्शे को शत्रु की सेना द्वारा बन्दी बनाये जाने का दण्ड दिया। मनश्शे मन फिराकर परमेश्वर के निकट आया और सब मूर्ति-पूजा की सब वेदियों को नष्ट कर दिया।

एज्रा के समय में भी मनश्शे नामक दो पुरुष थे। उन्हें अपनी-अपनी अन्यजाति पत्नियों को तलाक देना पड़ा था क्योंकि उन्होंने मूर्ति-पूजा पर दबाव डाला था।

मनश्शे नामक एक और पुरुष था वह दान वंशियों में कुछ का दादा था, वे झूठे देवताओं के पुजारी थे ।

(यह भी देखें: [वेदी](../kt/altar.md), [दान](../names/dan.md), [एप्रैम](../names/ephraim.md), [एज्रा](../names/ezra.md), [मूरत](../other/idol.md), [याकूब](../names/jacob.md), [यहूदा](../names/judah.md), [मूर्तिपूजक](../other/pagan.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 15:8-9
* व्यवस्थाविवरण 03:12-13
* उत्पत्ति 41:50-52
* उत्पत्ति 48:1-2
* न्यायियों 01:27-28

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4519, H4520, G3128

### मन्दिर, भवन, परमेश्वर का भवन

#### तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

* मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
* मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
* परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
* राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
* नये नियम में कहा गया है, “पवित्र-आत्मा का मन्दिर” तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मन्दिर के आंगनों में” या “मन्दिर के प्रांगण में”।
* जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, “मन्दिर में” या “मन्दिर के भवन में” कि स्पष्ट समझ में आए।
* “मन्दिर” अनुवाद के रूप “परमेश्वर का पवित्र घर” या “पवित्र आराधना स्थल” किया जा सकता है।
* बाइबल में मन्दिर का संदर्भ “यहोवा का भवन” या “परमेश्वर का घर” से है।

(यह भी देखें: [बलि](../other/sacrifice.md), [सुलैमान](../names/solomon.md), [बाबेल](../names/babylon.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [मिलापवाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [आंगन](../other/courtyard.md), [सिय्योन](../kt/zion.md), [घराना](../other/house.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 03:1-3
* प्रे.का. 03:7-8
* यहेजकेल 45:18-20
* लूका 19:45-46
* नहेमायाह 10:28-29
* भजन संहिता 079:1-3

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक **मंदिर** का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
* **18:02\_\_यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक \_\_भवन** बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर **भवन** में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
* **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व **मंदिर** की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
* **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने **मंदिर** और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
* **25:04** तब शैतान यीशु को **मंदिर** के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, “ यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: ‘वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
* **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और **मंदिर** का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

### मर जाए, मर गया, मरे हुओं, प्राणनाशक, मृत्यु,

#### परिभाषा:

यह शब्द शारीरिक और आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए काम में लिया गया है। शारीरिक रूप में जब देह का जीना समाप्त हो जाता है आत्मिक रूप में जब पापी मनुष्य पाप के कारण पवित्र परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।

#### 1. शारीरिक मृत्यु

* “मरने” का अर्थ जीवन समाप्त होना। मृत्यु शारीरिक जीवन का अंत है।
* “मार डाला जाए” अभिव्यक्ति से किसी को मारने या हत्या करने का उल्लेख करता है, खासकर जब कोई राजा या अन्य शासक किसी को मारने के लिए आदेश देता है।

#### 2. आत्मिक मृत्यु

* आत्मिक मृत्यु में जब मनुष्य पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाते हैं।
* आदम की आत्मिक मृत्यु तब हुई जब उसने परमेश्वर की अवज्ञा की। उसका परमेश्वर से सम्बन्ध टूट गया था। वह लज्जित हो गया और परमेश्वर से छिपने की कोशिश की।
* आदम की पूरी वंशज पापी है, और आत्मिक रूप से मृत है। यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने हमे आत्मिक रूप से पुन:जीवित किया।

#### अनुवाद के सुझाव:

इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द या अभिव्यक्ति द्वारा ही किया जाए।

कुछ भाषाओं में “मरने” को “जीवित नहीं रहना” व्यक्त किया जाता है। “मृतक” शब्द का अनुवाद “निर्जीव” या “जीवनरहित” या “जीवत न रहना” किया जा सकता है।

अनेक भाषाओं में मृत्यु को प्रतीकात्मक शब्दों द्वारा व्यक्त किया जाता है जैसे “गुजर गया”। तथापि बाइबल में मृत्यु के लिए प्रचलित शब्द का सीधा उपयोग ही उचित है।

बाइबल में दैहिक मृत्यु एवं जीवन की तुलना प्रायः आत्मिक जीवन एवं मृत्यु से की गई है। अनुवाद में दैहिक मृत्यु एवं आत्मिक मृत्यु दोनों के लिए एक ही शब्द काम में लेना महत्वपूर्ण है।

कुछ भाषाओं में “आत्मिक मृत्यु” कहना अधिक स्पष्ट होता है जब प्रकरण में उस अर्थ की आवश्यकता हो। कुछ अनुवादकों के लिए “दैहिक मृत्यु” शब्द का उपयोग सर्वोचित होता है जब इसकी तुलना आत्मिक मृत्यु से होती है।

“मृतक” शब्द एक विशेषता है जो मृतकों के संदर्भ में काम में लिया जाता है। कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद “मृतक मनुष्यों” या “जो मनुष्य मर गए हैं” किया गया है। (देखें: [नाममात्र विशेषण](rc://*/ta/man/translate/figs-nominaladj)

“मार डाला जाए” का अनुवाद "मरने" या "हत्या" या "प्राण दण्ड देना" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believe.md), [विश्वास](../kt/faith.md), [जीवन](../kt/life.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 15:20-21
* 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
* प्रे.का. 10:42-43
* प्रे.का. 14:19-20
* कुलुस्सियों 02:13-15
* कुलुस्सियों 02:20-23
* उत्पत्ति 02:15-17
* उत्पत्ति 34:27-29
* मत्ती 16:27-28
* रोमियो 05:10-11
* रोमियो 05:12-13
* रोमियो 06:10-11

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **01:11** परमेश्वर ने आदम से कहा कि वह अच्छे और बुरे के ज्ञान के पेड़ के फल को छोड़ वाटिका के किसी भी पेड़ से खा सकता है। अगर वह इस पेड़ के फल को खाए, तो वह **मर जाएगा**।
* **02:11** “फिर तुम **मर जाओगे**, और तुम्हारा शरीर वापस मिट्टी में मिल जाएगा।”
* **07:10** इसहाक की **मृत्यु** हो गयी और उसके पुत्र एसाव और याकूब ने उसको मिट्टी दी।
* **35:05** यीशु ने उत्तर दिया, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूँ।" जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि **मर भी जाए** तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेंगा।”
* **40:08** अपनी \_\_ मृत्यु\_\_ के जरिये यीशु ने लोगों के लिये परमेश्वर के पास आने का रास्ता खोल दिया।
* **43:07** “यीशु की **मृत्यु** हुई परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलाया,
* **48:02** क्योंकि आदम और हव्वा ने पाप किया, इसलिये पृथ्वी पर लोग बीमारी से पीड़ित हुए व **मृत्यु** हुई।
* **50:17** वह (यीशु) हर आंसू को मिटा देगा उसके बाद कोई पीड़ा, दुःख, रोने, बुराई, दर्द या **मौत** नहीं होगी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H6, H1478, H1826, H1934, H2491, H4191, H4192, H4193, H4194, H4463, H5038, H5315, H6297, H6757, H7496, H7523, H8045, H8546, H8552, G336, G337, G520, G599, G615, G622, G1634, G1935, G2079, G2253, G2286, G2287, G2288, G2289, G2348, G2837, G2966, G3498, G3499, G3500, G4430, G4880, G4881, G5053, G5054

### महायाजक

#### परिभाषा:

“महायाजक” वह याजक था जो सब इस्राएली भाषाओं का अगुआ नियुक्त किया जाता था जिसका कार्यकाल एक वर्ष था।

* महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
* इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
* जब यीशु को बन्दी बनाया गया था तब कैफा अधिकृत महायाजक था। कभी-कभी कैफा के ससुर हन्ना का भी उल्लेख किया गया है, वह पूर्व महायाजक था और संभवतः प्रजा पर उसका सामर्थ्य और अधिकार अब भी था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
* सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद “प्रधान पुरोहित” से भिन्न किया जाए।

(यह भी देखें: [हन्ना](../names/annas.md), [कैफा](../names/caiaphas.md), [प्रधान याजक](../other/chiefpriests.md), [याजक](../kt/priest.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 05:26-28
* प्रे.का. 07:1-3
* प्रे.का. 09:1-2
* निर्गमन 30:10
* इब्रानियों 06:19-20
* लैव्यव्यवस्था 16:32-33
* लूका 03:1-2
* मरकुस 02:25-26
* मत्ती 26:3-5
* मत्ती 26:51-54

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **13:08** केवल **उच्च परोहित** को ही उन कमरों में जाने की अनुमति थी क्योंकि परमेश्वर उसमे वास करता था।
* **21:07** मसीह एक सिद्ध \_\_ उच्च पुरोहित\_\_ होगा जो परमेश्वर के लिए स्वयं का बलिदान देगा।
* **38:03** यहूदी गुरुओं ने **प्रधान याजक** के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए |
* **39:01** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको\_\_ महा याजक\_\_ के पास ले गए, कि \_\_ वह(महा याजक)\_\_ यीशु से प्रश्न करें।
* **39:03** अंत में, **महा याजक** ने यीशु की ओर देखकर उससे कहा कि, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
* **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर **महायाजक** के पास गए।
* **45:02** तब स्तिफनुस को पकड़कर महासभा में ले गए और उसे **महायाजक** और अन्य यहूदी नेताओं के सामने खड़ा किया गया जहाँ कई ओर झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के बारे में झूठ बोला।
* **46:01** **महायाजक** ने शाउल को यह अनुमति दी की वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
* **48:06** यीशु सबसे **महान पुरोहित** है। दूसरे याजकों से भिन्न, उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सभी मनुष्य के पाप को हटा सकती है। यीशु सबसे उत्तम **महान पुरोहित** है क्योंकि उसने सभी मनुष्यों के सभी पापों का दण्ड, जो उन्होंने अपने जीवन काल में कभी भी किया हो, अपने ऊपर ले लिया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

### महासभा, सभाओं

#### परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह था जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

* किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।
* “यहूदी महासभा” यरूशलेम, को “सेनहड्रिन” कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
* अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
* प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
* प्रकरण के अनुसार “सभा” का अनुवाद हो सकता है, “विधान सभा” या “राजनीतिक सभा”
* “सभा में होना” अर्थात किसी बात का निर्णय लेने के लिए सभा में उपस्थित होना।
* ध्यान दें कि यह शब्द “सम्मति” से भिन्न है जिसका अर्थ है, “बुद्धिमानी का परामर्श देना”

(यह भी देखें: [सभा](../other/assembly.md), [सम्मति](../other/counselor.md), [फरीसी](../kt/pharisee.md), [नियम](../kt/lawofmoses.md), [याजक](../kt/priest.md), [सदूकी](../kt/sadducee.md), [शास्त्री](../kt/scribe.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:57-58
* प्रे.का. 24:20-21
* यूहन्ना 03:1-2
* लूका 22:66-68
* मरकुस 13:9-10
* मत्ती 05:21-22
* मत्ती 26:59-61

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4186, H5475, H7277, G1010, G4824, G4892

### महीने, महीनों, महीने के

#### परिभाषा:

“महीना” शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य का कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

* चांद के कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
* “नया चांद” या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
* बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
* आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य के परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 20:32-34
* प्रे.का. 18:9-11
* इब्रानियों 11:23-26
* गिनती 10:10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

### माँस

#### परिभाषा:

बाइबल में “माँस” मनुष्य या पशु के कोमल उत्तकों का संदर्भ देता है।

* बाइबल “माँस” शब्द का प्रतीकात्मक उपयोग भी करती है जिसके द्वारा सब मनुष्यों या सब पशुओं का उल्लेख करती है।
* नये नियम में “माँस” शब्द मनुष्यों के पापी स्वभाव के लिए काम में लिया गया है। इसका उपयोग प्रायः आत्मिक स्वभाव के विपरीत किया जाता है।
* “अपना माँस और लहू” किसी के साथ लहू के संबन्ध का संदर्भ देता है जैसे माता-पिता, भाई-बहन, सन्तान, नाती-पोते।
* इसका संदर्भ पूर्वजों या वंशजो से भी है।
* “एक देह” अर्थात विवाहित संबन्ध से भी है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* पशु की देह के संदर्भ में शरीर का अनुवाद हो सकता है, “देह” या “त्वचा” या “माँस”
* जब सब प्राणियों के संदर्भ में काम में लिया जाए तो इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “जीवित प्राणी” या “सब जीवित वस्तुएं”।
* जब मनुष्यों के लिए सामान्य उपयोग किया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्य” या “मानव जाति” या “सब जीवित लोग”
* “माँस और लहू” का अनुवाद हो सकता है “परिजन” या “परिवार” या “संबन्धी” या “पारिवारिक कुल”। कुछ संदर्भों में यह शब्द "पूर्वजों" या “वंशज” हो सकता है।
* कुछ भाषाओं में अभिव्यक्ति हो सकती है जो "माँस और लहू" के समान है।
* अभिव्यक्ति "एक माँस बन गया" का अनुवाद "यौन एकजुट" या "एक शरीर के रूप में हो" या "शरीर और आत्मा में एक व्यक्ति के समान हो" के रूप में किया जा सकता है। इस अभिव्यक्ति का अनुवाद, यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए कि यह परियोजना भाषा और संस्कृति में स्वीकार्य है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 02:15-17
* 2 यूहन्ना 01:7-8
* इफिसियों 06:12-13
* गलातियों 01:15-17
* उत्पत्ति 02:24-25
* यूहन्ना 01:14-15
* मत्ती 16:17-18
* रोमियो 08:6-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H829, H1320, H1321, H2878, H3894, H4207, H7607, H7683, G2907, G4559, G4560, G4561

### माका

#### तथ्य:

माका अब्राहम के भाई नाहोर के पुत्रों में से एक था। पुराने नियम में इस नाम के और भी पुरुष हुए हैं।

* माका या बेतमाका नगर इस्राएल के दूर उत्तर में नप्ताली गोत्र के क्षेत्र में था।
* यह एक महत्वपूर्ण नगर था और शत्रु बार-बार उस पर आक्रमण करते थे।
* माका अनेक स्त्रियाँ का नाम था, जिनमें दाऊद के पुत्र अबशालोम की माँ भी थी।
* राजा आसा ने अपनी माता माका को रानी होने से हटा दिया था क्योंकि उसने अशेरा की मूर्ति-पूजा आरंभ कर दी थी।

(यह भी देखें: [आसा](../names/asa.md), [अशेरा](../names/asherim.md), [नहोर](../names/nahor.md), [नप्ताली](../names/naphtali.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4601

### मादियों, मादे

#### तथ्य:

मादी साम्राज्य एक प्राचीन साम्राज्य था जो अश्शूर देश और बेबीलोन के पूर्व में तथा एलाम और फारस के उत्तर में था। मादी राज्य के लोग “मादियों” कहलाते थे।

* मादी साम्राज्य में आज के तुर्किस्तान, सीरिया, ईराक और अफगानिस्तान के कुछ भाग थे।
* मादी लोग फारसियों के निकट संबंध में थे और दोनों की संयुक्त सेना ने बेबीलोन को जीता था।
* बेबीलोन पर मादी घराने के राजा दारा ने आक्रमण किया था जब दानिय्येल भविष्यद्वक्ता बेबीलोन में था।

(यह भी देखें: [अश्शूर](../names/assyria.md), [बाबेल](../names/babylon.md), [कुस्रू](../names/cyrus.md), [दानिय्येल](../names/daniel.md), [दारा](../names/darius.md), [एलाम](../names/elam.md), [फारस](../names/persia.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 17:06
* प्रे.का. 02:09
* दानिय्येल 05:28
* एस्तेर 01:3-4
* एज्रा 06:1-2

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H4074, H4075, H4076, H4077, G3370

### मानना, मान लेता है, मानकर, मान लेता, मान लिया

#### तथ्य:

“पहचानना” (मानना) अर्थात किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

* परमेश्वर का मानना (पहचानना) में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
* परमेश्वर को माननेवाले उसके आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं, जिससे उसके नाम का महिमा होती है।
* किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

#### अनुवाद के सुझाव:

* किसी बात की सत्यता के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
* किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
* इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद "परमेश्वर पर विश्वास और उसकी आज्ञापालन करना" या "घोषित करे कि परमेश्वर कौन है" या "अन्य लोगों को बताएं कि परमेश्वर कितना महान है" या "अंगीकार करे की परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: [आज्ञापालन](../other/obey.md), [महिमा](../kt/glory.md), [उद्धार](../kt/salvation.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* दानिय्येल 11:38-39
* यिर्मयाह 09:4-6
* अय्यूब 34:26-28
* लैव्यव्यवस्था 22:31-33
* भजन 029:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G1492, G1921, G3670

### मिला, नींव डाली, प्रतिष्ठापक, नींव, नीवें

#### परिभाषा:

क्रिया शब्द “मिला” का अर्थ निर्माण, बनाना या उसके लिए आधार रखना। वाक्यांश “पर स्थापित”का अर्थ है समर्थित या उसके आधार पर। “नींव” वह आधार है जिस पर निर्माण किया जाता है।

* घर या भवन की नींव दृढ़ होनी चाहिए, वह संपूर्ण रचना को संभालने के लिए निर्भर करने योग्य होनी चाहिए।
* “नींव” का संदर्भ किसी बात को आरंभ से भी हो सकता है या वह समय जब किसी वस्तु का निर्माण किया गया था।
* प्रतीकात्मक अर्थ में मसीह के विश्वासियों की तुलना एक ऐसे भवन से की गई है जिसकी नींव प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की शिक्षा पर पड़ी है जिस भवन के कोने का पत्थर मसीह स्वयं है।
* “नींव का पत्थर” नींव में रखा गया पत्थर होता है। इन पत्थरों को जांच कर देखा जाता था कि वे संपूर्ण रचना को संभालने के लिए दृढ़ हैं या नहीं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “जगत की उत्पत्ति से पूर्ण” का अनुवाद किया जा सकता है, “ब्रह्माण्ड की रचना से पूर्व”, या “ब्रह्माण्ड के अस्तित्व को समय से पूर्व” या “संपूर्ण सृष्टि की रचना से पूर्व”।
* “नींव... दृढ़़ करके रखी” का अनुवाद हो सकता है, “सुरक्षित बनाया” या “दृढ़ता से आधारित”।
* प्रकरण के अनुसार “नींव” का अनुवाद “दृढ़ आधार” या “ठोस आधार” या “आरंभ” या “सृष्टि”।

(यह भी देखें: [कोने का पत्थर](../kt/cornerstone.md), [उत्‍पन्‍न](../other/creation.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 06:37-38
* 2 इतिहास 03:1-3
* यहेजकेल 13:13-14
* लूका 14:28-30
* मत्ती 13:34-35
* मत्ती 25:34-36

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H134, H787, H803, H808, H2713, H3245, H3247, H3248, H4143, H4144, H4146, H4328, H4349, H4527, H6884, H8356, G2310, G2311, G2602

### मिस्पा

#### तथ्य:

मिस्पा पुराने नियम में अनेक नगरों के नाम थे। इसका अर्थ है, “निगरानी का स्थान” या “चौकसी का गुम्मट”।

* जब दाऊद शाऊल से बच कर भाग रहा था तब उसने अपने माता-पिता को मोआब के राजा के क्षेत्र में मिस्पा में रखा था।
* मिस्पा नामक एक नगर यहूदा और इस्राएल राज्यों की सीमा पर था। वह एक प्रमुख सेना केन्द्र था।

(यह भी देखें: [दाऊद](../names/david.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [इस्राएल राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [मोआब](../names/moab.md), [शाऊल (पुराना नियम)](../names/saul.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 15:20-22
* 1 शमूएल 07:5-6
* 1 शमूएल 07:10-11
* यिर्मयाह 40:5-6
* न्यायियों 10:17-18

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4708, H4709

### मिस्र, मिस्री, मिस्रियों

#### तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

* प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
* प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को “मिस्र” और “पत्रोस” कहा गया है।
* जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
* इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहते थे।
* यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(यह भी देखें: [हेरोदेश महान](../names/herodthegreat.md), [यूसुफ (नया नियम)](../names/josephnt.md), [नील नदी](../names/nileriver.md), [पित्र](../other/patriarchs.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 04:7-9
* प्रे.का. 07:9-10
* निर्गमन 03:7-8
* उत्पत्ति 41:27-29
* उत्पत्ति 41:55-57
* मत्ती 02:13-15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **08:04** और व्यापारी यूसुफ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
* **08:08** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे शक्तिशाली आदमी नियुक्त किया।
* **08:11** याकूब ने अपने बेटों को **मिस्र** से अन्न लाने के लिये भेजा।
* **08:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ **मिस्र** देश गया और वह सब वहा रहने लगे।
* **09:01** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके सभी कुटुम्बी ने **मिस्र** में ही वास किया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4713, H4714, G124, G125

### मीका

#### तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

* मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
* मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
* मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
* उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
* न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(यह भी देखें: [अश्शूर](../names/assyria.md), [दान](../names/dan.md), [एप्रैम](../names/ephraim.md), [मूरत](../other/idol.md), [यशायाह](../names/isaiah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [न्याय](../other/judgeposition.md), [लेवी](../names/levite.md), [याजक](../kt/priest.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [सामरिया](../names/samaria.md), [चाँदी](../other/silver.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यिर्मयाह 26:18-19
* मीका 01:1
* मीका 06:1-2

{{tag>publish ktlink}

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4316, H4318

### मुँह, मुँह के सामने, सामने, चेहरे, मुँह के बल गिरे

#### परिभाषा:

“मुँह ” अर्थात मनुष्य का चेहरा। इस शब्द के अनेक प्रतीकात्मक अर्थ होते हैं।

* बाइबल में, "चेहरे" शब्द का प्रयोग अक्सर किसी व्यक्ति की उपस्थिति, किसी वस्तु के सामने या किसी चीज़ की सतह पर होने के लिए लाक्षणिक रूप से किया जाता है।
* “तेरा मुँह” अर्थात “तू” इसी प्रकार “मेरा मुँह” का अर्थ प्रायः “मैं” या “मुझे” होता है।
* किसी का “सामना करना” अर्थात उस व्यक्ति या वस्तु का सीधा सामना करना।
* “आमने-सामने देखना” अर्थात “सीधा एक दूसरे को देखना”
* “आमने-सामने” अर्थात दो मनुष्य निकटता में एक दूसरे के समक्ष हैं।
* “यीशु ने यरूशलेम जाने का निश्चय किया” अर्थात उसने जाने का दृढ़ निश्चय किया था।
* “मुँह फेर लेना” अर्थात किसी स्थान या मनुष्य को सहयोग ना देने या उसका त्याग करने का निश्चय कर लेना।
* “भूमि पर से” अर्थात पृथ्वी पर से, सामान्यतः संपूर्ण पृथ्वी पर से। उदाहरणार्थ “संपूर्ण भूमि पर अकाल पड़ गया” व्यापक अकाल जिससे पृथ्वी पर अनेक प्राणी मर रहे थे।
* यह प्रतीकात्मक उक्ति, “अपने लोगों से अपना मुँह न छिपा” अर्थात “अपने लोगों को त्याग न दे” या “अपने लोगों को अकेला न छोड़ दे” या “अपने लोगों की सुधि लेने से इन्कार न कर।”

#### अनुवाद के सुझाव:

* इसी उक्ति को ज्यों का त्यों रखा जाए या लक्षित भाषा में इसकी पर्यायवाची उक्ति काम में ली जाए।
* शब्द "सामना करने के लिए" का अनुवाद किया जा सकता है "की ओर मुड़ना" या "सीधे देखने के लिए" या "चेहरे को देखने के लिए।"
* अभिव्यक्ति "आमने-सामने" का अनुवाद "बहुत करीब से" या "ठीक सामने में" या "की उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
* संदर्भ के आधार पर, "उसके चेहरे के सामने" का अनुवाद "उसके आगे" या "उसके सामने" या "उसके पहले" या "उसकी उपस्थिति में" के रूप में किया जा सकता है।
* "उसके चेहरे की तरफ मुड़ें" अभिव्यक्ति का अनुवाद “की ओर बढ़ने” या “दृढ़ता से करने के लिए अपना मन बनाया।”
* अभिव्यक्ति “उसके चेहरे से छिपाए” का अनुवाद “से मुड़ जाना” या “मदद करना या रक्षा करना रोकें” या “अस्वीकार” के रूप में किया जा सकता है।
* 'मुँह फेरना' किसी शहर या लोगों के खिलाफ के रूप में अनुवाद किया जा सकता है, "क्रोध और निंदा के साथ देखो" या "स्वीकार करने से मना करना " या "अस्वीकार करने का निर्णय लेना" या "निंदा करना और अस्वीकार करना" या "निर्णय देना"।
* अभिव्यक्ति “उनके मुँह पे बोले” का अनुवाद “उनको सीधे बोलना” या “उनकी उपस्थिति में उन्हें यह कहो” या “उन्हें व्यक्ति में कहें” के रूप में किया जा सकता है।
* अभिव्यक्ति “भूमि के मुँह पर” का अनुवाद “पुरे देश पर” या “पूरी धरती पर” या “पूरी पृथ्वी पर रह रहे है” के रूप में किया जा सकता है।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* व्यवस्थाविवरण 05:4-6
* उत्पत्ति 33:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H600, H639, H5869, H6440, H8389, G3799, G4383, G4750

### मुकुट, मुकुट पहनाना, मुकुट रखा

#### परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। “मुकुट पहनाना” का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है “सम्मानित करना।”

* मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
* मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
* इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
* प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
* प्रतीकात्मक रूप में “मुकुट पहनाने” का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
* पौलुस विश्वासियों को अपना “आनन्द और मुकुट” कहता है। इस अभिव्यक्ति में “मुकुट” का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
* प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद “पुरस्कार” या “सम्मान” या “प्रतिफल” किया जा सकता है।
* “मुकुट पहनाने” को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद “सम्मान देना” या “विभूषित करना” हो सकता है।
* किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, “उसके सिर पर मुकुट रखा गया”।
* “महिमा और आदर का मुकुट” का अनुवाद “उसे महिमा और सम्मान दिया गया” या “उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया” या “वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था”।

(यह भी देखें: [महिमा](../kt/glory.md), [राजा](../other/king.md), [जैतून](../other/olive.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यूहन्ना 19:03
* विलापगीत 05:16
* मत्ती 27:29
* फिलिप्पियों 04:01
* भजन संहिता 021:03
* प्रकाशितवाक्य 03:11

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

### मुड़, मुड़ता, लौटना, पीछे मुड़ता है, वापस मुड़ता है, वापस मुड़ना, वापस मुड़ा, भटक जाते, मुड़ जाना, वापस मुड़ा,मोड़, मुड़ कर दूर जा रहा है, लौटता है, वापस लौटाया, वापस लौट रहा है, वापस लौट जाता है

#### परिभाषा:

“मुड़” का अर्थ है शारीरिक रूप से दिशा बदलने या किसी बात के कारण किसी की दिशा बदलना।

* “मुड़” का अर्थ “पीछे मुड़ना” कि पीछे देखें या दूसरी दिशा में उन्मुख हों।
* “वापस मुड़ना” या “चाल से फिरना” का अर्थ है “लौट जाना” या “दूर हो जाना” या “दूर करने का कारण होना”
* “किसी बात से फिर जाने” का अर्थ है कुछ करने का “त्याग” या किसी का परित्याग करना।
* “की ओर मुड़ें” अर्थात किसी को सीधा देखना।
* “मुड़कर चल देना” या “मुंह मोड़कर चल देना” अर्थात “चले जाना”
* " वापस मुड़ना" का अर्थ है "कुछ फिर से शुरू करना।"
* “किसी बात से फिर जाने” अर्थात “किसी कार्य का त्याग करना”

#### अनुवाद के सुझाव

* सन्दर्भ के अनुसार “मुड़” का अनुवाद “दिशा परिवर्तन” या “जाना” या “चलना” हो सकता है।
* कुछ संदर्भों में “मुड़” का अनुवाद “कारण” (कोई) कुछ करने के लिए। "(किसी) से दूर मुड़ना" का अनुवाद "कारण (कोई) जाने के लिए" या "कारण (किसी) को रोकने के लिए किया जा सकता है।"
* " परमेश्वर से दूर हो जाना" वाक्यांश का अनुवाद " परमेश्वर की आराधना करना बंद करना" के रूप में किया जा सकता है।
* "परमेश्वर की ओर मुड़ना" वाक्यांश का अनुवाद "फिर से परमेश्वर की आराधना करना शुरू करना" किया जा सकता है।
* जब दुश्मन "पीछे मुड़ें," इसका मतलब है कि वे "पीछे हटना" "दुश्मन को पीछे मुड़ना" का मतलब है "दुश्मन के पीछे हटने का कारण।"
* लाक्षणिक रूप से प्रयुक्त, जब इस्राएल झूठे देवताओं के पास "लौट आए", तब वे "उनकी उपासना करने लगे" जब वे मूर्तियों से "मुड़ गए", उन्होंने "उनकी पूजा करना बंद कर दिया"
* जब परमेश्वर अपने विद्रोही लोगों से "दूर हो गया", तब उसने "उनकी रक्षा करना बंद कर दिया" या "उनकी मदद करना बंद कर दिया"
* वाक्यांश "अपने बच्चों के लिए पिता के दिलों को मोड़ना" का अनुवाद "पिता अपने बच्चों की देखभाल फिर से करे" किया जा सकता है।
* अभिव्यक्ति "मेरी महिमा को शर्मिंदगी में बदलना" का अनुवाद "मेरी महिमा को शर्मिंदा बनाने का कारण" या "मुझे अपमानित करना है कि मैं शर्मिंदा हो जाऊ" या "मुझे शर्मिंदा करना (बुरा काम करके) ताकि लोग मुझे सम्मान न दें ।" के रूप में किया जा सकता है।
* "मैं तुम्हारे नगरों को बर्बाद कर दूंगा" का अनुवाद किया जा सकता है, "मैं तुम्हारे नगरों को नष्ट कर दूंगा" या "मैं शत्रुओं को तुम्हारे शहरों को नष्ट करने का कारण बनाऊंगा।"
* वाक्यांश "में बदलना" का अनुवाद "बन जाना हैं" के रूप में किया जा सकता है। जब मूसा की छड़ी एक साँप "में बदल गई", तो यह एक सांप "बन गया"। इसका अनुवाद भी "में बदल गया" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [झूठे ईश्वर](../kt/falsegod.md), [कुष्ठ रोग](../other/leprosy.md), [आराधना](../kt/worship.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 राजा 11:2
* प्रे.का. 07:42
* प्रे.का. 11:21
* यिर्मयाह 36:1-3
* लूका 01:17
* मलाकी 04:06
* प्रकाशितवाक्य 11:06

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H541, H2015, H2017, H2186, H2559, H3943, H4672, H4740, H4878, H5186, H5253, H5414, H5437, H5472, H5493, H5528, H5627, H5753, H6437, H7227, H7725, H7734, H7750, H7760, H7847, H8159, H8447, G344, G387, G402, G654, G665, G868, G1294, G1578, G1612, G1624, G1994, G3179, G3313, G3329, G3344, G3346, G4762, G5157, G5290

### मूरत, मूरतों, मूर्ति खोदकर, खोदी हुई मूरतें, धातु की मूरतें ढालकर, मूर्ति, मूरतों, खुदी हुई मूरत, खुदी हुई मूर्तियों, धातु की खुदी हुई मूरत, ढली हुई मूर्तियाँ

#### परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत का अर्थ था, तराशी हुई मूर्तियां।

* “मूर्ति खोदकर” या “खुदी हुई मूरत” लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
* “धातु की खुदी हुई मूरत” धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
* ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
* किसी मूर्ति के लिए “मूरत” शब्द का अर्थ है लकड़ी या धातु की मूर्ति।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* मूर्ति के संदर्भ में “मूरत” का अनुवाद “प्रतिमा” या “खुदी हुई मूरत” या “खुदी धार्मिक वस्तु” किया जा सकता है।
* कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे “खुदी हुई मूरत” या “ढली हुई मूर्ति” चाहे कहीं-कहीं केवल “मूरत” या “लाठ” शब्द हो जो मूल भाषा के हैं।
* सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप से भिन्न हो।

(यह भी देखें: [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [परमेश्वर](../kt/god.md), [मूरत](../other/idol.md), [परमेश्वर का प्रतिरूप](../kt/imageofgod.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 14:9-10
* प्रे.का. 07:43
* यशायाह 21:8-9
* मत्ती 22:20-22
* रोमियो 01:22-23

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G1504, G5179, G5481

### मूर्ति, मूरतें, मूर्तिपूजक, मूर्तिपूजकों, मूर्ति-पूजक, मूर्ति पूजा

#### परिभाषा:

मूर्ति मनुष्यों द्वारा हाथ से बनायी गई एक प्रतिभा होती है जिसकी वे पूजा करते हैं। एक सच्चे परमेश्वर के स्थान में किसी और को सम्मान देना मूर्ति-पूजा कहलाती है।

* मनुष्य देवी-देवताओं की पूजा के लिए मूर्तियां बनाता है।
* देवी-देवताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यहोवा के अलावा और कोई देवता नहीं।
* कभी-कभी दुष्टात्माएं मूर्तियों के माध्यम से काम करके ऐसा प्रकट करती हैं कि उनमें शक्ति है जबकि है नहीं।
* मूर्तियां सोने, चांदी, तांबे या मूल्यवान लकड़ी से बनाई जाती हैं।
* “मूर्ति-पूजकों का राज्य” अर्थात् “मूर्तिपूजा करने वालों का राज्य” या "लोगों का राज्य जो सांसारिक वस्तुओं की आराधना करते है।”
* “मूरत” शब्द भी “खुदी हुई छवि”,“मूर्ति” के लिए ही काम में लिया गया है।

(यह भी देखें: [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [छवि](../other/image.md), [राज्य](../other/kingdom.md), [आराधना](../kt/worship.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
* प्रे.का. 07:41-42
* प्रे.का. 15:19-21
* कुलुस्सियों 03:5-8
* निर्गमन 32:1-2
* गलातियों 05:19-21
* भजन 031:5-7
* रोमियो 02:21-22

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **13:05**“तू अपने लिये कोई **मूर्ति** खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।”
* **13:12** हारून ने सोने से एक बछड़े के आकार की **मूर्ति** बना दी। लोग उस मूर्ति की उपासना करने लगे और उसके लिये बलिदान चढ़ाने लगे!
* **14:03** “तुम उनके **देवताओं** को पूरी तरह से नष्ट कर देना। यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन न करो, और मेरे बदले उनके **देवताओं** की उपासना करों तो तुम दण्ड के पात्र बनोगे।”
* **18:12** इस्राएली राज्य के सभी राजा और बहुत से लोग **मूर्तियों** की उपासना करते थे। उनकी मूर्ति पुजाओ में कई बार अनैतिकता और कभी- कभी बच्चों का बलिदान भी शामिल होता था।
* **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य **देवताओं** की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए न्याय और उन पर दया करना आरंभ करें।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H205, H367, H410, H426, H430, H457, H1322, H1544, H1892, H2553, H3649, H4656, H4906, H5566, H6089, H6090, H6091, H6456, H6459, H6673, H6736, H6754, H7723, H8163, H8251, H8441, H8655, G1493, G1494, G1495, G1496, G1497, G2712

### मूसा

#### तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी।

* शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों में मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिर्याम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
* परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
* मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
* अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(यह भी देखें: [मिर्याम](../names/miriam.md), [प्रतिज्ञा का देश](../kt/promisedland.md), [दस आज्ञाओं](../other/tencommandments.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:20-21
* प्रे.का. 07:29-30
* निर्गमन 02:9-10
* निर्गमन 09:1-4
* मत्ती 17:3-4
* रोमियो 05:14-15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **09:12** एक दिन, **मूसा** जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
* **12:05** **मूसा** ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
* **12:07** परमेश्वर ने **मूसा** से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
* **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि **मूसा** परमेश्वर का एक नबी है।
* **13:07\_\_परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ \_\_मूसा** को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दी |

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4872, H4873, G3475

### मेलबलि, मेलबलियों

#### तथ्य:

पुराने नियम में “मेलबलि” एक ऐसा बलिदान था जो अनेक कारणों से चढ़ाया जाता था जैसे परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए या मन्नत पूरी करने के लिए।

* इस बलि में पशुबलि किया जाता था, नर पशु या मादा पशु। यह बलि होमबलि से भिन्न था जिसमें नर पशु की बलि दी जाती थी।
* बलि का एक भाग परमेश्वर को चढ़ाने के बाद, बलि चढ़ाने वाला शेष मांस पुरोहितों तथा अन्य इस्राएलियों के साथ बाँटता था।
* इस बलि से जुड़ा भोजन होता था जिसमें अखमीरी रोटी खाई जाती थी।
* इसे कभी-कभी “मेलबलि” भी कहा जाता है।

(यह भी देखें: [होमबलि](../other/burntoffering.md), [पूर्ति](../kt/fulfill.md), [अन्नबलि](../other/grainoffering.md), [दोषबलि](../other/guiltoffering.md), [मेलबलि](../other/peaceoffering.md), [याजक](../kt/priest.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [अखमीरी रोटी](../kt/unleavenedbread.md), [शपथ](../kt/vow.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 21:25-27
* 2 इतिहास 29:35-36
* निर्गमन 24:5-6
* लैव्यव्यवस्था 11:9-10
* गिनती 06:13-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8002

### मेलबलि, मेलबलियों

#### तथ्य:

“मेलबलि” परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार इस्राएल में जो बलियां चढ़ती थी उनमें से एक यह भी थी। \* इसे कभी-कभी “धन्यवाद की बलि” या “सहभागिता की बलि” भी कहा गया है।

* इनमें एक निर्दोष पशु को बलि किया जाता था और उस पशु का लहू वेदी पर छिड़का जाता था, उसकी चर्बी तथा पशु को अलग जलाया जाता था।
* इस बलि के साथ अखमीरी रोटी तथा खमीरी रोटी दोनों की भेंट चढ़ाई जाती थी जिन्हें होमबलि के ऊपर जलाया जाता था।
* याजक और उपासक दोनों को यह मांस खाने की अनुमति थी।
* इस बलि में परमेश्वर की अपने लोगों के साथ सहभागिता प्रकट होती थी।

(यह भी देखें: [होमबलि](../other/burntoffering.md), [सहभागिता](../kt/fellowship.md), [मेलबलि](../other/fellowshipoffering.md), [अन्नबलि](../other/grainoffering.md), [याजक](../kt/priest.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md), [अखमीरी रोटी](../kt/unleavenedbread.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 13:8-10
* यहेजकेल 45:16-17
* यहोशू 08:30-32
* लैव्यव्यवस्था 09:3-5
* नीतिवचन 07:13-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8002

### मोआब, मोआबी

#### तथ्य:

"मोआब" शब्द एक ऐसे समूह को संदर्भित करता है जो खारे सागर के पूर्व में रहता था। उत्पत्ति की पुस्तक इस व्यक्ति समूह को "मोआब" नामक एक व्यक्ति के वंशज के रूप में वर्णित करती है, जो लूत की बड़ी पुत्री का पुत्र था।

रूथ की पुस्तक में, एलीमेलेक और उसका परिवार बेतलेहेम के आसपास के अकाल के कारण मोआब में रहने के लिए गया।

बैतलहमवासी रूत को मोआबिन कहते थे क्योंकि वह मोआब देश की थी। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “मोआबी स्त्री” या “मोआब देश की स्त्री”

(यह भी देखें: [बैतलहम](../names/bethlehem.md), [यहूदिया](../names/judea.md), [लूत](../names/lot.md), [रूत](../names/ruth.md), [खारे ताल](../names/saltsea.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 19:36-38
* उत्पत्ति 36:34-36
* रूत 01:1-2
* रूत 01:22

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4124, H4125

### मोलेक, Moloch

#### तथ्य:

मोलेक कनानियों का झूठे देवता था जिसकी वे उपासना करते थे। उसे मोलेक भी लिखा गया है।

* मोलेक के उपासक अपने बच्चों को उसकी मूर्ति के समक्ष होम करते थे।
* कुछ इस्राएली भी सच्चे परमेश्वर यहोवा को त्याग कर मोलेक की पूजा करने लगे थे। उन्होंने मोलेक उपासकों की बुरी आदतों का पालन किया, जिसमें उनके बच्चों का त्याग भी शामिल था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [बुराई](../kt/evil.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [परमेश्वर](../kt/god.md), [मूरत](../other/idol.md), [बलि](../other/sacrifice.md), [सत्य](../kt/true.md), [आराधना](../kt/worship.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 11:7-8
* 2 राजा 23:10-11
* प्रे.का. 07:43
* यिर्मयाह 32:33-35
* लैव्यव्यवस्था 18:21

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4428, H4432, G3434

### यरीहो

#### तथ्य:

यरीहो कनान देश में एक शक्तिशाली शहर था। वह यरदन के पश्चिम में और मृत सागर के उत्तर में था।

* अन्य सब कनानियों के सदृश्य यरीहोवासी भी मूर्तिपूजक थे।
* यरीहो कनान देश में पहला नगर था, जिसे परमेश्वर ने इस्राएलियों को जीतने के लिए कहा था।
* जब यहोशू ने यरीहो के विरूद्ध इस्राएलियों की अगुआई की तब यरीहो को पराजित करने में परमेश्वर ने चमत्कारी कार्य किया था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [यरदन नदी](../names/jordanriver.md), [यहोशू](../names/joshua.md), [आश्चर्यकर्म](../kt/miracle.md), [खारे ताल](../names/saltsea.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:77-79
* यहोशू 02:1-3
* यहोशू 07:2-3
* लूका 18:35-37
* मरकुस 10:46-48
* मत्ती 20:29-31
* गिनती 22:1

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **15:01** होशू ने दो भेदियों को कनानियो के शहर **यरीहो** में भेजा।
* **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने यहोशू को बताया कि किस प्रकार से **यरीहो** के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।
* **15:05** यरीहो की शहरपनाह नींव से गिर पड़ी! तब इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, जो कुछ उस शहर में था सब कुछ नष्ट कर दिया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3405, G2410

### यरूशलेम

#### तथ्य:

यरूशलेम वास्तव में एक प्राचीन कनानी नगर था जो बाद में इस्राएल का एक प्रमुख नगर बन गया था। यह नगर खारे ताल के पश्चिम में 34 किलोमीटर दूर और बैतलहम के ठीक उत्तर में स्थित है। यह नगर आज भी इस्राएल की राजधानी है।

* “यरूशलेम” नाम सबसे पहले यहोशू की पुस्तक में आया है। इस नगर के अन्य नाम जो पुराने नियम में हैं वे हैं, “शालेम”, “यबूसियों का नगर” और “सिय्योन” यरूशलेम और शालेम दोनों शब्दों का मूल अर्थ है, “शान्ति”।
* यरूशलेम मूल रूप से यबूसी गढ़ था जिसका नाम “सिय्योन” था, राजा दाऊद ने इस नगर को जीत कर अपनी राजधानी बना लिया था।
* राजा दाऊद के पुत्र, सुलैमान ने सबसे पहला मन्दिर यरूशलेम में मोरियाह पर्वत पर बनाया था। मोरियाह पर्वत वह स्थान था जहां अब्राहम ने अपने पुत्र, इसहाक की बलि चढ़ाई थी। बेबीलोन की सेना द्वारा मन्दिर के विनाश के उपरान्त उसका पुनः निर्माण किया गया था।
* मन्दिर यरूशलेम में था इसलिए यहूदियों के मुख्य पर्व वहीं मनाए जाते थे।
* लोग कहते थे कि वे "ऊपर" यरूशलेम को जा रहे हैं क्योंकि यह नगर पहाड़ पर बसा हुआ था।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [मसीह](../kt/christ.md), [दाऊद](../names/david.md), [यबूसी](../names/jebusites.md), [यीशु](../kt/jesus.md), [सुलैमान](../names/solomon.md), [मन्दिर](../kt/temple.md), [सिय्योन](../kt/zion.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* गलातियों 04:26-27
* यूहन्ना 02:13
* लूका 04:9-11
* लूका 13:05
* मरकुस 03:7-8
* मरकुस 03:20-22
* मत्ती 03:06
* मत्ती. 04:23-25
* मत्ती 20:17

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:05** दाऊद ने **यरूशलेम** पर विजय प्राप्त की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
* **18:02** **यरुशेलम** में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया।
* **20:07** उन्होंने(बेबीलोनियों ने) **यरूशलेम** को जीत लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व मंदिर की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उठा कर ले गए।
* **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन में रहने के बाद, यहूदियों का एक छोटा समूह यहूदा में **यरूशलेम** वापस लौट आया।
* **38:01** यीशु मसीह ने सार्वजनिक उपदेशों के आरम्भ के लगभग तीन साल बाद अपने चेलों से कहा कि वह **यरूशलेम** में उनके साथ फसह का त्यौहार मनाना चाहता था, और वहीं वह मार डाला जाएगा।
* **38:02** यीशु और चेलों के \_\_ यरूशलेम\_\_ में पहुँचने के बाद यहूदा यहूदी गुरुओ के पास गया और पैसों के बदले यीशु के साथ विश्वासघात करने का प्रस्ताव रखा।
* **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए। वे **यरूशलेम** से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे।”
* **42:11** यीशु के मरे हुओ में से जी उठने के चालीस दिनों के बाद, उसने अपने चेलों से कहा कि तुम यरूशलेम में ही रहना जब तक कि मेरा पिता पवित्र आत्मा का सामर्थ्य तुम्हे न दे।”

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H3389, H3390, G2414, G2415, G2419

### यशायाह

#### तथ्य:

यशायाह परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था जिसने यहूदा में चार राजाओं के राज्यकाल में सेवा की थी। उज्जियाह, योताम, आहाज और हिज्जकियाह

* जब अश्शूर हिजकिय्याह के युग में नगर पर आक्रमण कर रहे थे तब वह यरूशलेम में वास कर रहा था।
* पुराने नियम की पुस्तक यशायाह बाइबल की बड़ी प्रमुख पुस्तक में से एक है।
* यशायाह ने अनेक भविष्यद्वाणियां लिपिबद्ध की है जिनकी पूर्ति उसके जीवनकाल ही में हो गई थी।
* यशायाह मसीह की भविष्यद्वाणी के लिए विशेष करके जाना जाता है, जिसकी पूर्ति 700 वर्ष बाद यीशु के समय में हुई थी।
* यीशु और उसके शिष्यों ने यशायाह की भविष्यद्वाणियों द्वारा मनुष्यों को मसीह के बारे में शिक्षा दी थी।

(यह भी देखें: [आहाज](../names/ahaz.md), [अश्शूर](../names/assyria.md), [मसीह](../kt/christ.md), [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md) , [योताम](../names/jotham.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [उज्जिय्याह](../names/uzziah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 20:1-3
* प्रे.का. 28:25-26
* यशायाह 01:1
* लूका 03:4
* मरकुस 01:1-3
* मरकुस 07:6-7
* मत्ती 03:1-3
* मत्ती 04:14-16

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **21:09** **यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने भविष्यवाणी की थी , कि एक कुँवारी से मसीह का जन्म होगा।
* **21:10** **यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने कहा कि मसीह गलील में रहेगा, वह खेदित मन के लोगों को शान्ति देगा और बंदियों के लिए स्वतंत्रता का और कैदियों को छुटकारा देगा।
* **21:11** **यशायाह** भविष्यद्वक्ता ने यह भी भविष्यवाणी की कि मसीह से लोग बिना कारण के बैर करेंगे और उसे अस्वीकार करेंगे।
* **21:12** **यशायाह** ने भविष्यवाणी की थी, कि लोग मसीह के ऊपर थूकेंगे, उसको ठट्ठों में उड़ाएँगे, और उसे मारेंगे।
* **26:02** उसे(यीशु)**यशायाह** नबी की पुस्तक दी गयी कि वह उसमे से पढ़े। यीशु ने पुस्तक खोल दी और लोगों को इसके बारे में पढ़कर सुनाया।
* **45:08** जब फिलिप्पुस रथ के पास पहुँचा, उसने कुश देश के अधिकारी को **यशायाह** भविष्यद्वक्ता की पुस्तक से पढ़ते हुए सुना।
* **45:10** फिर फिलिप्पुस ने उसे समझाया कि **यशायाह** यह यीशु मसीह के बारे में बता रहा है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3470, G2268

### यहूदा

#### तथ्य:

यहूदा याकूब के बड़े बेटों में से एक था। उनकी मां लिआ थी। उनके वंशजों को "यहूदा का गोत्र" कहा जाता था। जब भूमि के एक क्षेत्र के नाम के रूप में उपयोग किया जाता है, तो "यहूदा" शब्द यहूदा के जनजाति को दी गई भूमि को संदर्भित करता है, जिसमें पहाड़ी क्षेत्र यरूशलेम के दक्षिण में स्थित है।

* यहूदा ने ही अपने भाइयों को राय दी थी कि यूसुफ को गड्ढे में मरने के लिए छोड़ने की अपेक्षा उसे बेच दिया जाए।
* राजा दाऊद और उसके बाद के सब राजा यहूदा के वंशज थे। यीशु भी यहूदा का वंशज था।
* सुलैमान के बाद जब इस्राएल राज्य का विभाजन हो गया था तब यहूदा राज्य इस्राएल का दक्षिणी क्षेत्र हुआ।
* नये नियम में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक यीशु को “यहूदा का सिंह” कहा गया है।
* “यहूदी” और “यहूदिया” शब्द “यहूदा” से ही व्युत्पन्न शब्द हैं।

(यह भी देखें: [याकूब](../names/jacob.md), [यहूदी](../kt/jew.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [यहूदिया](../names/judea.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 02:1-2
* 1 राजा 01:9-10
* उत्पत्ति 29:35
* उत्पत्ति 38:1-2
* लूका 03:33-35
* रूत 01:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3063

### यहूदा, यहूदा का राज्य

#### तथ्य:

यहूदा का गोत्र इस्राएल के बारह गोत्रों में सबसे बड़ा था। यहूदा राज्य यहूदा और बिन्यामीन गोत्रों से था।

* राजा सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल राज्य दो भागों में विभाजित हो गया था: इस्राएल और यहूदा राज्य। यहूदा राज्य, दक्षिणी राज्य था जो खारे ताल के पश्चिम में था।
* यहूदा राज्य की राजधानी यरूशलेम थी।
* यहूदा के आठ राजा यहोवा की आज्ञाओं पर चले और प्रजा को उसकी आराधना की प्रेरणा दी। यहूदा के अन्य राजा दुष्ट थे और उन्होंने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए प्रेरित किया।
* अश्शूरों द्वारा इस्राएल को पराजित करने के 120 वर्ष से अधिक समय बाद यहूदा राज्य बेबीलोन द्वारा पराजित किया गया। बेबीलोन की सेना ने नगर को और मन्दिर को नष्ट कर दिया और अधिकांश यहूदावासियों को बन्दी बनाकर ले गए।

(यह भी देखें: [यहूदा](../names/judah.md), [खारे ताल](../names/saltsea.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 30:26-28
* 2 शमूएल 12:7-8
* होशे 05:14-15
* यिर्मयाह 07:33-34
* न्यायियों 01:16-17

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **18:07** केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र **यहूदा का राज्य** बन गए।
* **18:10** **यहूदा और इस्राएली राज्य** शत्रु बन गए और अक्सर एक दूसरे के विरुद्ध लड़े।
* **18:13** **यहूदा के राजा** दाऊद के वंशज के थे। कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने उचित रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की। परन्तु बहुत से **यहूदा के** राजा दुष्ट, विकृत और मूर्तियों की उपासना करने वाले थे।
* **20:01** इस्राएल के राज्य और **यहूदा के राज्य** दोनों ने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया।
* **20:05** **यहूदा राज्य** के लोगों ने देखा कि परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने और उस पर विश्वास न रखने के कारण इस्राएलियों को उसने कैसे दण्डित किया। फिर भी उन्होंने कनानियों के देवताओं सहित मूर्तियों की उपासना करनी न छोड़ी।
* **20:06** अश्शूरियों द्वारा इस्राएली शासन को नष्ट करने के लगभग सौ वर्षों बाद, परमेश्वर ने बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर को भेजा, **यहूदी शासन** को नष्ट करने के लिए।
* **20:09** नबूकदनेस्सर और उसके सैनिक लगभग सभी **यहूदियों** को बंदी बनाकर बेबीलोन ले गए, वहाँ पर केवल कंगालों को छोड़ दिया गया ताकि वह वहा खेती कर सके

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4438, H3063

### यहूदियों, यहूदी

#### तथ्य:

“यहूदी अगुवे” या “यहूदियों के हाकिम” अर्थात धर्म के अगुवे जैसे पुरोहित और परमेश्वर के वचन के शिक्षक। उन्हें धर्म की अपेक्षा अन्य विषयों के संबन्ध में भी निर्णय देने का अधिकार था।

* यहूदियों के अगुवे थे प्रधान पुरोहित, प्रमुख पुरोहित और विधि शिक्षक (परमेश्वर प्रदत्त विधान के शिक्षक)
* यहूदी अगुवों के प्रमुख पंथों में थे फरीसी और सदूकी।
* यरूशलेम की महासभा में विधान संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए सत्तर यहूदी अगुवे एकत्र हुए थे।
* अनेक यहूदी अगुवे घमण्डी थे और अपने आप को धर्मपरायण समझते थे। \* वे यीशु से ईर्ष्या करते थे और उसे हानि पहुंचाना चाहते थे। वे परमेश्वर को जानने का दावा तो करते थे, परन्तु उसकी आज्ञाओं को नहीं मानते थे।
* “यहूदी” शब्द अधिकतर यहूदी अगुवों के लिए काम में लिया जाता था। विशेष करके जब वे यीशु पर कुपित होकर उसे जाल में फंसाना चाहते थे या उसे हानि पहुंचाना चाहते थे।
* इन शब्दों का अनुवाद किया जा सकता है, “यहूदी शासक” या “यहूदियों के प्रशासनिक अधिकारी” या “यहूदी धर्मगुरू”

(यह भी देखें: [यहूदी](../kt/jew.md), [प्रधान-याजकों](../other/chiefpriests.md), [महासभा](../other/council.md), [महायाजक](../kt/highpriest.md), [फरीसी](../kt/pharisee.md), [याजक](../kt/priest.md), [सदूकी](../kt/sadducee.md), [शास्त्री](../kt/scribe.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* निर्गमन 16:22-23
* यूहन्ना 02:17-19
* यूहन्ना 05:10-11
* यूहन्ना 05:16-18
* लूका 19:47-48

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **24:03** **उन्होंने** अपने-अपने पापों को मानकर, बपतिस्मा लिया, बहुत से धर्मी याजक यूहन्ना से बपतिस्मा लेने को आए, परन्तु उन्होंने अपने पापों का अंगीकार न किया |
* **37:11** परन्तु **यहूदियों के धार्मिक गुरु** यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
* **38:02** वह(यहूदा) जानता था कि \_\_ यहूदी गुरुओं\_\_ ने यीशु को मसीहा के रूप में अस्वीकार कर दिया था और वे उसे मरवा डालने की योजना बना रहे थे।
* **38:03** **यहूदी गुरुओं** ने प्रधान याजक के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये उसे तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
* **39:05** **यहूदी नेताओं** ने महा याजक को उत्तर दिया, “यह मरने के योग्य है।”
* **39:09** अगली सुबह **यहूदी नेताओ** ने यीशु को ले जाकर पिलातुस को सौंप दिया जो एक रोमन राज्यपाल था।
* **39:11** परन्तु **यहूदी गुरुओं** ने चिल्लाकर कहा कि, “इसे क्रूस में चढ़ा दो।”
* **40:09** तब यूसुफ और नीकुदेमुस, दो **यहूदी याजक** जिन्हें विश्वास था कि यीशु ही मसीह है, पिलातुस के पास जाकर यीशु का शव माँगा।
* **44:07** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि \_\_यहूदी याजक \_\_पतरस और यूहन्ना को लेकर महायाजक के पास गए।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: G2453

### यहूदी, यहूदियों का, यहूदियों

#### तथ्य:

यहूदी वे लोग है जो अब्राहम के पोते याकूब के वंशज थे। “यहूदी” शब्द “यहूदा” से आया था।

लोग इस्राएलियों को यहूदी तब कहने लगे जब वे बेबीलोन से यहूदा देश लौट आएँ थे।

* मसीह यीशु यहूदी था। परन्तु यहूदी धर्म के अगुओं ने यीशु का इन्कार किया और उसको मार डालने की मांग की।
* “यहूदी शब्द प्रायः यहूदियों के अगुओं के संदर्भ में लिया जाता था, सब यहूदियों के लिए नहीं। इन संदर्भों में कुछ अनुवादों में “के अगुवे” जोड़ा जाता है कि अर्थ स्पष्ट व्यक्त हो।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [याकूब](../names/jacob.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [बाबेल](../names/babylon.md), [यहूदी अगुवे](../other/jewishleaders.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* प्रे.का. 02:5-7
* प्रे.का. 10:27-29
* प्रे.का. 14:5-7
* कुलुस्सियों 03:9-11
* यूहन्ना 02:13-14
* मत्ती 28:14-15

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **20:11** इस्राएलियों को अब **यहूदी** कहा जाता था और उनमें से अधिकतर लोगों ने अपना पूरा जीवन बेबीलोन में व्यतीत किया था।
* **20:12** अत: सत्तर वर्ष तक निर्वासन के बाद, **यहूदियों** का एक छोटा समूह यरूशलेम को वापस लौट आया।
* **37:10** अनेक **यहूदी** उसका यह काम देखकर, उस पर विश्वास किया।
* **37:11** परन्तु **यहूदियों** के धार्मिक गुरु यीशु से ईर्षा रखते थे, इसलिये उन्होंने आपस में मिलकर योजना बनाना चाहा कि कैसे वह यीशु और लाजर को मरवा सके।
* **40:02** पिलातुस ने आज्ञा दी कि यीशु के सिर के ऊपर क्रूस पर यह लिख कर लगा दिया जाए कि, “यह **यहूदियों** का राजा है।”
* **46:06\_\_तुरन्त ही, शाऊल दमिश्क के \_\_यहूदियों** से प्रचार करने लगा कि, "यीशु परमेश्वर का पुत्र है!"

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3054, H3061, H3062, H3064, H3066, G2450, G2451, G2452, G2453, G2454

### यहोयाकीन

#### तथ्य:

यहोयाकीन यहूदा का राजा था।

* यहोयाकीन 18 वर्ष की आयु में राजा बन गया था। वह केवल तीन महीने ही राज कर पाया था कि बेबीलोन की सेना ने उसे बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गई।
* इस छोटे से राज्यकाल ही में यहोयाकीन ने अपने दादा मनश्शे और पिता यहोयाकीम के सदृश्य बुरे काम किए।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [यहोयाकीम](../names/jehoiakim.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [मनश्शे](../names/manasseh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 36:8
* 2 राजा 24:15-17
* एस्तेर 02:5-6
* यहेजकेल 01:1-3
* यिर्मयाह 22:24-26
* यिर्मयाह 37:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3078, H3112, H3204, H3659

### यहोयाकीम

#### तथ्य:

यहोयाकीम यहूदा का एक दुष्ट राजा था, जिसके राज्यकाल का आरम्भ 608 ई.पू. हुआ था, वह राजा योशिय्याह का पुत्र था। उसका नाम वास्तव में एल्याकीम था।

* मिस्र के फ़िरौन नीको ने एल्याकीम का नाम बदलकर यहोकीम रखा और उसे यहूदा का राजा बनाया था।
* फ़िरौन नीको ने यहोयाकीम को बहुत अधिक कर देने पर विवश किया।
* जब आगे चलकर राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा पर आक्रमण किया तब बन्दियों में जो बेबीलोन ले जाए गए थे यहोयाकीम भी था।
* यहोयाकीम एक दुष्ट राजा था जिसने यहूदावासियों को यहोवा से दूर किया था। भविष्यद्वक्ता उसके विरूद्ध भविष्यद्वाणी करता था।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [एलयाकीम](../names/eliakim.md), [यिर्मयाह](../names/jeremiah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [नबूकदनेस्सर](../names/nebuchadnezzar.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:15-16
* 2 राजा 23:34-35
* 2 राजा 24:1-2
* दानिय्येल 01:1-2
* यिर्मयाह 01:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3079

### यहोयादा

#### तथ्य:

यहोयादा एक याजक था जिसने राजा अहज्याह के पुत्र, योआश को छिपाकर उसकी रक्षा की थी, जब तक कि वह राजा घोषित किए जाने की आयु का नहीं हो गया।

* यहोयादा ने बालक योआश के सुरक्षा हेतु सैंकड़ों अंगरक्षक नियुक्त किए थे क्योंकि प्रजा ने मन्दिर में उसे राजा घोषित कर दिया था।
* यहोयादा ने बाल की सब वेदियों को नष्ट करने में प्रजा की अगुआई की थी।
* याजक यहोयादा ने अपने शेष संपूर्ण जीवन राजा योआश को परमेश्वर की आज्ञा मानने अैर प्रजा पर बुद्धिमानी से राज करने में परामर्श देता रहा था।
* यहोयादा नामक एक और पुरुष बनायाह का पिता था।

(यह भी देखें: [अहज्याह](../names/ahaziah.md), [बाल](../names/baal.md), [बनायाह](../names/benaiah.md), [योआश](../names/joash.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 11:4-6
* 2 राजा 12:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3077, H3111

### यहोराम, योराम

#### तथ्य:

“यहोराम” पुराने नियम में दो राजा हुए हैं। दोनों राजाओं को भी "योराम" के नाम से जाना जाता था।

* एक राजा यहोराम ने यहूदा पर आठ वर्ष राज किया था। वह राजा यहोशापात का पुत्र था। यह राजा है जो योराम भी कहलाता था।
* दूसरा राजा यहोराम इस्त्राएल का राजा था जिसने 12 वर्ष राज किया था। वह आहाब का पुत्र था।
* यहूदा के राजा यहोराम ने उस समय राज्य किया जब भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह, दानिय्येल, ओबद्याह और यहेजकेल यहूदा के राज्य में भविष्यद्वाणी कर रहे थे।
* राजा यहोराम ने भी कुछ समय तक राज्य किया था जब उसके पिता राजा यहोशापात यहूदा पर राज्य कर रहे थे।
* कुछ अनुवादों में इस्राएल के राजा के नाम पर "यहोराम" का नाम लगातार इस्तेमाल करना और यहूदा के राजा के लिए "योराम" नाम का चयन हो सकता है।
* हर किसी को स्पष्ट रूप से पहचानने का दूसरा तरीका उसके पिता का नाम शामिल करना होगा।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [यहोशापात](../names/jehoshaphat.md), [योराम](../names/joram.md) , [यहूदा](../names/judah.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [ओबद्याह](../names/obadiah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 22:48-50
* 2 इतिहास 21:1-3
* 2 राजा 11:1-3
* 2 राजा 12:17-18

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3088, H3141, G2496

### यहोवा

#### तथ्य:

“यहोवा” परमेश्वर का नाम है, उसने उस जलती हुई झाड़ी पर मूसा को यह नाम बताया था

* “यहोवा” नाम उस शब्द से आता है जिसका अर्थ है “होना” या “अस्तित्व में है।”
* “यहोवा” के संभावित अर्थ हो सकते हैं, “वह है” या “मैं हूँ” या “वह जो होता है”।
* इन नाम का अर्थ है परमेश्वर सदा से जीवित है और रहेगा। इसका अर्थ सदा उपस्थित भी है।
* निम्नलिखित परंपरा, कई बाइबल संस्करण शब्द "प्रभु" को दर्शाने के लिए "यहोवा" उपयोग किया है। यह परंपरा इस तथ्य से हुई है कि ऐतिहासिक रूप से, यहूदी लोग डरते हैं कि यहोवा का नाम का उच्चारण गलत ढंग से न हो इसलिए जहाँ भी पाठ में यहोवा आया वहां वे प्रभु कहने लगे। आधुनिक बाइबल "प्रभु"(लार्ड) को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में लिखा जाता है कि परमेश्वर के नाम का सम्मान हो।
* यू.एल.बी. और यू.डी.बी. परमेश्वर के नाम को “यहोवा” ही लिखते हैं जैसा इब्रानी भाषा के पुराने नियम में है।
* नये नियम में “यहोवा” नाम का उपयोग नहीं किया गया है; केवल “प्रभु” के लिए यूनानी शब्द का प्रयोग किया जाता है, यहाँ तक कि पुराने नियम के उद्धरण में भी।
* पुराने नियम में जब परमेश्वर स्वयं के बारे में कहता है तब वह सर्वनाम के स्थान में अपना नाम लेता है।
* सर्वनाम “मैं” और “मुझ” के द्वारा यू.एल.बी. पाठकों के लिए स्पष्ट करती है कि कहनेवाला परमेश्वर ही है।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* “यहोवा” शब्द के स्थान में “मैं हूँ” या “जीवित प्रभु” या “अस्तित्ववान” या “वह जो जीवित है” काम में लिया जा सकता है।
* यह शब्द इस प्रकार लिखा जाए जो “यहोवा” शब्द की वर्तनी के सदृश्य दिखाई दे।
* कुछ कलीसिया के संप्रदायों में "यहोवा" शब्द का प्रयोग करना पसंद नहीं करते हैं और बदले में पारंपरिक प्रतिपादन "प्रभु"(लार्ड को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में) का प्रयोग करते हैं। एक महत्वपूर्ण विचार यह है कि यह भ्रामक हो सकता है जब बड़े पैमाने पर पढ़ा जा सकता है क्योंकि यह शीर्षक "प्रभु" के समान होगा। कुछ भाषाओँ में प्रत्यय या व्याकरणिक निशान जोड़े जा सकते है जो अंतर करता है “प्रभु” (लार्ड को अंग्रेजी में बड़े अक्षरों में)को नाम के तौर पर (यहोवा) और “प्रभु” को शीर्षक के तौर पर।
* यदि संभव हो तो उचित यही होगा कि जहां-जहां यहोवा का नाम आता है उसे ज्यों का त्यों ही रखें परन्तु कुछ अनुवादों में केवल सर्वनाम का ही उपयोग किया गया है कि पाठ को अधिक स्पष्ट एवं सहज बनाया जाए।
* कुछ इस तरह से उद्धरण लिखें, "यहोवा यूं कहता है।"

(यह भी देखें: [परमेश्वर](../kt/god.md), [प्रभु](../kt/lord.md), [प्रभु](../kt/lordgod.md), [मूसा](../names/moses.md), [प्रकट करना](../kt/reveal.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 21:19-20
* 1 शमूएल 16:6-7
* दानिय्येल 09:3-4
* यहेजकेल 17:24
* उत्पत्ति 02:4-6
* उत्पत्ति 04:3-5
* उत्पत्ति 28:12-13
* होशे 11:12
* यशायाह 10:3-4
* यशायाह 38:7-8
* अय्यूब 12:9-10
* यहोशू 01:8-9
* विलापगीत 01:4-5
* लैव्यव्यवस्था 25:35-38
* मलाकी 03:4-5
* मीका 02:3-5
* मीका 06: 3-5
* गिनती 08:9-11
* भजन 124:1-3
* रूत 01:19-21
* जकर्याह 14:5

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **09:14** परमेश्वर ने मूसा से कहा मैं जो हूँ सो हूँ। उनसे कहना “जिसका नाम मैं हूँ है उसी ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।” “सदा तक मेरा नाम यही रहेगा।”
* **13:04** परमेश्वर ने उन्हें वाचा दी और कहा, "मैं तेरा परमेश्वर **यहोवा** हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
* **13:05** “तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, तू उनकी उपासना न करना क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर **यहोवा** जलन रखने वाला परमेश्वर हूँ।"
* **16:01** इस्राएलियों ने **यहोवा** जो सच्चा परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
* **19:10** फिर एलिय्याह ने प्रार्थना की, “हे अब्राहम, इसहाक और इस्राएल के परमेश्‍वर \_\_ यहोवा!\_\_ आज यह प्रगट कर कि इस्राएल में तू ही परमेश्‍वर है, और मैं तेरा दास हूँ,

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3050, H3068, H3069

### यहोशापात

#### तथ्य:

यहोशापात पुराने नियम में कम से कम दो पुरुषों का नाम था।

* इस नाम का प्रसिद्ध पुरूष यहूदा राज्य का चौथा राजा था।
* उसने इस्राएल, यहूदा राज्यों के मध्य शान्ति स्थापित की थी और देवी-देवताओं की वेदियां नष्ट कर दी थी।
* दूसरा यहोशापात दाऊद और सुलैमान का “लिपिक” था। उसका मुख्य धर्म था राजाओं के लिए हस्ताक्षर करने हेतु अभिलेख तैयार करे और राज्य में घटी प्रमुख घटनाओं का वर्णन लिख ले।

(यह भी देखें: [वेदी](../kt/altar.md), [दाऊद](../names/david.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [यहूदा](../names/judah.md), [याजक](../kt/priest.md), [सुलैमान](../names/solomon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:10-12
* 1 राजा 04:15-17
* 2 इतिहास 17:1-2
* 2 राजा 01:17-18
* 2 शमूएल 08:15-18
* मत्ती 01:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3092, H3146, G2498

### यहोशू

#### तथ्य:

बाइबल में यहोशू नाम के अनेक इस्राएली पुरुष हुए हैं। सबसे अधिक प्रसिद्ध नून का पुत्र यहोशू है, वह मूसा का सहायक था और परमेश्वर की प्रजा का एक महत्वपूर्ण अगुआ हुआ था।

* यहोशू उन बारह भेदियों में से एक था जिन्हें मूसा ने प्रतिज्ञा के देश की जानकारी लेने के लिए भेजा था।
* कालेब के साथ यहोशू ने इस्राएलियों से आग्रह किया कि वे परमेश्वर की आज्ञा मानकर प्रतिज्ञा के देश में प्रवेश करके उसे कनानियों से जीत लें।
* वर्षों बाद जब मूसा का स्वर्गवास हो गया तब परमेश्वर ने यहोशू को नियुक्त किया कि वह इस्राएलियों को प्रतिज्ञा के देश में लेकर जाए।
* कनानियों के विरूद्ध प्रथम एवं सर्वाधिक प्रसिद्ध युद्ध में यहोशू ने यरीहो को जीतने में इस्राएलियों की अगुआई की थी।
* पुराने नियम में यहोशू की पुस्तक में वर्णन किया गया है कि यहोशू ने प्रतिज्ञा के देश पर अधिकार और इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को रहने के लिए भूमि सौंपा था।
* योसादाक का पुत्र यहोशू महायाजक की चर्चा हाग्गै तथा जकर्याह की पुस्तकों में की गई है, उसने यरूशलेम की शहरपनाह के पुनरूद्धार में सहायता की थी।
* यहोशू नाम के अन्य अनेक पुरुष हुए हैं जिनका उल्लेख वंशावलियों और बाइबल में अन्य स्थानों में किया गया है।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [हाग्गै](../names/haggai.md), [यरीहो](../names/jericho.md), [मूसा](../names/moses.md), [प्रतिज्ञा का देश](../kt/promisedland.md), [जकर्याह (पुराना नियम)](../names/zechariahot.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 07:25-27
* व्यवस्थाविवरण 03:21-22
* निर्गमन 17:8-10
* यहोशू 01:1-3
* गिनती 27:18-19

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* \_\_14:04\_\_जब इस्राएली कनान की सीमा पर पहुँचे, तब मूसा ने बारह पुरषों को चुना इस्राएल के हर गोत्र में से उसने उन पुरुषों को आदेश दिया कि जाओ और भूमि का पता लगाओ कि वह कैसी दिखती है।
* **14:06** तुरन्त ही कालेब और **यहोशू**, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह सही है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे !
* **14:08** उनमे से कालेब और **यहोशू** को छोड़ जितने बीस वर्ष के या उससे अधिक आयु के जितने गिने गए थे ,और मुझ पर बुड़बुड़ाते थे, कोई भी उस देश में न जाने पाएगा, जिसके विषय मैं ने शपथ खाई है ,कि तुम को उसमें बसाऊँगा।
* **14:14** मूसा बहुत वृद्ध हो गया था, उसकी सहायता करने के लिए परमेश्वर ने **यहोशू** को चुना जिससे वे लोगों का मार्गदर्शन कर सके।
* **14:15** **यहोशू** एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
* **15:03** जब सब इस्राएलियों ने यरदन नदी को पार कर लिया, तब परमेश्वर ने **यहोशू** को बताया कि किस प्रकार से यरीहो के शक्तिशाली शहर पर आक्रमण करना है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3091, G2424

### याजक, याजकों, याजक पद

#### परिभाषा:

बाइबल में याजक परमेश्वर की प्रजा की ओर से परमेश्वर के लिए चढ़ते चढ़ावे के लिए चुना गया मनुष्य। “याजक पद” उसके पद भार या उसकी सेवावृत्ति का नाम है।

* पुराने नियम में परमेश्वर ने हारून और उसके वंश को इस्राएल के लिए याजक होने हेतु चुना था।
* “याजक पद” एक अधिकार एवं उत्तरदायित्व था जो लेवियों के गोत्र में पिता से पुत्र को प्राप्त होता था।
* इस्राएल के याजकों का उत्तरदायित्व था कि वे मनुष्यों द्वारा लाए गए बलिदान परमेश्वर को चढ़ाए, इसके साथ मन्दिर के अन्य कार्य भी उनका उत्तरदायित्व थे।
* याजक नियमित प्रार्थनाएं भी परमेश्वर को चढ़ाते थे तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करते थे।
* याजक मनुष्यों को विधिवत आशीर्वाद भी देते थे और उन्हें परमेश्वर की व्यवस्था के बारे में सिखाते थे।
* यीशु के युग में याजकों के अलग-अलग स्तर थे जिनमें प्रधान याजक और महायाजक भी थे।
* यीशु हमारा “बड़ा महायाजक” है जो परमेश्वर की उपस्थिति में हमारे लिए विनती करता है। उसने स्वयं को पाप की अन्तिम बलि करके चढ़ा दिया। इसका अर्थ है कि याजकों द्वारा चढ़ाए गए बलिदानों की अब आवश्यकता नहीं है।
* नये नियम में यीशु का प्रत्येक विश्वासी “याजक” कहा गया है, वह स्वयं के लिए और मनुष्यों के लिए विनती करने के लिए सीधा परमेश्वर के पास आ सकता है।
* प्राचीन युग में अन्यजातियों के भी पुजारी थे जो झूठे देवता को बलि चढाते थे, जैसे बाल देवता को।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “याजक” का अनुवाद “बलि चढ़ानेवाला व्यक्ति” या “परमेश्वर का मध्यस्थ” या “बलि चढ़ानेवाला मध्यस्थ” या “परमेश्वर द्वारा उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त मनुष्य”।
* “याजक” का अनुवाद “मध्यस्थ” के अनुवाद से भिन्न होना है।
* कुछ अनुवादों में सदैव कहा जाता है, “इस्राएली याजक” या “यहूदी याजक” या “यहोवा का याजक” या “बाल पुजारी” कि सुनिश्चित किया जाए कि वे आज के पुजारियों के समान नहीं थे।
* “याजक” शब्द का अनुवाद करने के लिए प्रयुक्त शब्द “प्रधान याजक” और “महायाजक” और “लेवीय” और “भविष्यद्वक्ता” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: [हारून](../names/aaron.md), [प्रधान याजक](../other/chiefpriests.md), [महायाजक](../kt/highpriest.md), [मध्यस्थ](../other/mediator.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 06:40-42
* उत्पत्ति 14:17-18
* उत्पत्ति 47:20-22
* यूहन्ना 01:19-21
* लूका 10:31-32
* मरकुस 01:43-44
* मरकुस 02:25-26
* मत्ती 08:4
* मत्ती 12:3-4
* मीका 03:9-11
* नहेमायाह 10:28-29
* नहेमायाह 10:34-36
* प्रकाशितवाक्य 01:4-6

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **04:07** "मलिकिसिदक, \_\_परमप्रधान परमेश्वर के \_\_ याजक "
* **13:09** जो कोई भी परमेश्वर के नियमों का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा | एक **याजक** पशु को मारकर उसे वेदी पर जलाएगा | उस पशु का लहू जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, परमेश्वर की दृष्टी में पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा | परमेश्वर ने मूसा के भाई हारून और हारून के वंश को **याजक** पद के लिये चुना |
* **19:07** तब बाल के **याजकों** ने उस बछड़े को जो उन्हें दिया गया था, लेकर बलिदान के लिए तैयार किया, परन्तु उमसे आग न लगाई
* **21:07** याजक वो है जो लोगों के स्थान पर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाता है, जिससे कि परमेश्वर उनके पापों के कारण उन्हें दण्डित न करें | **याजक** परमेश्वर से लोगों के लिए प्रार्थना भी करते थे |

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3547, H3548, H3549, H3550, G748, G749, G2405, G2406, G2407, G2409, G2420

### यारोबाम

#### तथ्य:

नबात का पुत्र यारोबाम उत्तरी राज्य इस्राएल का प्रथम राजा हुआ था, लगभग 900-910 ई.पू. \* यारोबाम नामक इस्राएल का एक और राजा हुआ था, वह राजा यहोआश का पुत्र था जिसने 120 वर्ष बाद इस्राएल पर राज्य किया था।

यहोवा ने नबात के पुत्र यारोबाम को भविष्यद्वाणी में कहा था कि वह सुलैमान के बाद राजा होगा और उसका राज्य दस गोत्रों पर होगा।

सुलैमान के मरणोपरान्त इस्राएल के दस गोत्रों ने सुलैमान के पुत्र रहबाम से विद्रोह करके यारोबाम को अपना राजा घोषित कर दिया। अब रहबाम केवल दक्षिण के दो गोत्रों, यहूदा और बिन्यामीन क्षेत्रों का ही राजा रह गया था।

यारोबाम एक दुष्ट राजा हुआ जिसने प्रजा को यहोवा से विमुख करके उनकी पूजा करने के लिए मूर्तियों को स्थापित किया। इस्राएल के उत्तरकालीन सब राजाओं ने यारोबाम का अनुकरण किया और उसी के तुल्य दुष्ट हुए।

120 वर्ष बाद एक और यारोबाम वहां राजा हुआ। यह यारोबाम राजा यहोआश का पुत्र था और इस्राएल के अन्य सब राजाओं के तुल्य दुष्ट था।

इस सब विधर्मों के उपरान्त भी परमेश्वर ने इस्राएल पर दया की और इस राजा यारोबाम को अपने राज्य की सीमा विकसित करने एवं सीमा निर्धारित करने में सहायता की।

(यह भी देखें: [मूरत](../other/idol.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [सुलैमान](../names/solomon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 05:16-17
* 1 राजा 12:1-2
* 2 इतिहास 09:29-31
* 2 राजा 03:1-3
* आमोस 01:1-2

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए **यारोबाम** नामक एक राजा को नियुक्त किया।
* **18:09** **यारोबाम** ने परमेश्वर का विद्रोह किया और लोगों को पाप में धकेल दिया। उसने परमेश्वर की उपासना करने के स्थान पर लोगों के लिए दो बछड़े यहूदा के राज्य भवन में उपासना करने के लिए बनवाए।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3379

### यिर्मयाह

#### तथ्य:

यिर्मयाह यहूदा राज्य में परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता था। पुराने नियम में यिर्मयाह नाम की पुस्तक में उसकी भविष्यद्वाणियां हैं।

* अन्य भविष्यद्वक्ताओं के सदृश्य यिर्मयाह ने भी इस्राएलियों को चेतावनी दी थी कि परमेश्वर उनके पापों का दण्ड देगा।
* यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी के अनुवार बेबीलोन, यरूशलेम को बन्दी बनाएगा, इस कारण अनेक यहूदावासी उससे क्रोधित थे। परिणामस्वरूप उन्होंने उसे एक सूखे कूएं में डाल दिया कि वह मर जाए। परन्तु यहूदा के राजा ने अपने सेवकों को आज्ञा देकर उसे कूएं में से निकलवाया।

(यह भी देखें: [बाबेल](../names/babylon.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [बलवा](../other/rebel.md), [दुख उठाना](../other/suffer.md), [कुंआ](../other/well.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 35:25
* यिर्मयाह 01:1-3
* यिर्मयाह 11:1-2
* मत्ती 02:17-18
* मत्ती 16:13-16
* मत्ती 27:9-10

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **19:17** एक बार **यिर्मयाह** भविष्यवक्ता को सूखे कुएँ में डाल दिया और उसे वहाँ मरने के लिए छोड़ दिया। कुएँ में पानी नहीं केवल दलदल थी, और **यिर्मयाह** कीचड़ में धंस गया, परन्तु तब राजा ने उस पर दया की और उसने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि मरने से पहले उसे कुएँ में से निकाल लाए।
* **21:05** **यिर्मयाह** भविष्यद्वक्ता के द्वारा, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक नई वाचा बनाएगा परन्तु वह उस वाचा के समान न होंगी जो परमेश्वर ने इस्राएलियों के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3414, G2408

### येहू

#### तथ्य:

येहू नामक दो पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

* हानानी का पुत्र येहू एक भविष्यद्वक्ता था जिस समय इस्राएल में राजा आहाब था और यहूदा में राजा यहोशापात था।
* यहोशापात का पुत्र (या वंशज) येहू इस्राएली सेना का प्रधान था जिसे एलीशा के आदेशानुसार राजा बनाया गया था।
* राजा येहू ने दो बुरे राजाओं को मार डाला, इस्राएल के राजा योराम और यहूदा के राजा अहज्याह।
* येहू ने भूतपूर्व राजा आहाब के सब परिजनों की भी हत्या कर दी थी। और दुष्ट स्त्री ईजेबेल की भी हत्या करवा दी थी।
* येहू ने सामरिया बाल के सब प्रजा स्थल नष्ट करवा दिए थे तथा बाल के सब पुजारियों को मरवा दिया था।
* राजा येहू ने एकमात्र सच्चे परमेश्वर, यहोवा की उपासना की और इस्राएल पर 28 वर्ष राज किया।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [अहज्याह](../names/ahaziah.md), [बाल](../names/baal.md), [एलीशा](../names/elisha.md), [यहोशापात](../names/jehoshaphat.md), [येहू](../names/jehu.md), [ईजेबेल](../names/jezebel.md), [योराम](../names/joram.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [सामरिया](../names/samaria.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 04:34-38
* 1 राजा 16:1-2
* 2 इतिहास 19:1-3
* 2 राजा 10:8-9
* होशे 01:3-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3058

### योआश

#### तथ्य:

योआश नामक अनेक पुरुष बाइबल में हुए हैं।

* एक योआश इस्राएल के रक्षक गिदोन का पिता था।
* एक और योआश याकूब के सबसे छोटे पुत्र बिन्यामीन का वंशज था।
* सर्वाधिक प्रसिद्ध योआश यहूदा का राजा था जिसने सात वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला था। वह अहज्याह का पुत्र था, यहूदा का राजा जिसकी हत्या कर दी गई थी।
* योआश जब बालक ही था तब उसकी बुआ ने उसे छिपा कर बचा लिया था, जब तक कि वह मुकुट धारण करने योग्य न हो।
* योआश एक अच्छा राजा था और आरंभ में परमेश्वर का आज्ञाकारी था। परन्तु उसने मूर्ति-पूजा के ऊंचे स्थान नष्ट नहीं किए थे जिसके परिणाम-स्वरूप इस्राएलियों ने पुनः मूर्ति-पूजा आरंभ कर दी थी।
* योआश जब यहूदा पर राज कर रहा था तब कुछ वर्ष इस्राएल पर यहोआश का राज्य था। ये दोनों अलग-अलग राजाओं के नाम है।

(यह भी देखें: [अहज्याह](../names/ahaziah.md), [वेदी](../kt/altar.md), [बिन्यामीन](../names/benjamin.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [गिदोन](../names/gideon.md), [ऊंचे स्थान](../other/highplaces.md), [मूरत](../other/idol.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:10-12
* 2 इतिहास 18:25-27
* 2 राजा 11:1-3
* आमोस 01:1-2
* न्यायियों 06:11-12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3101, H3135

### योग्य, मूल्यवान, अयोग्य, निकम्मा

#### परिभाषा:

“योग्य” शब्द किसी ऐसे व्यक्ति या वस्तु का वर्णन करता है जो सम्मान या आदर के योग्य है। “मूल्य” अर्थात कीमती या महत्वपूर्ण होना “निकम्मा” अर्थात किसी काम का नहीं

* “योग्य” अर्थात काम का या महत्वपूर्ण होने से संबंधित है
* “अयोग्य” अर्थात विशेष काम के योग्य नहीं होना
* योग्य प्रतीत न होना अर्थात किसी की तुलना में कम महत्व का होना या सम्मान एवं दया के व्यवहार के योग्य न होना।
* “अयोग्य” और “निकम्मा” संबन्धित शब्द हैं परन्तु इनके अर्थ अलग-अलग हैं। अयोग्य अर्थात सम्मान या मान के योग्य नहीं । “निकम्मा” होने का अर्थ है किसी उद्देश्य या मूल्य का न होना।

#### अनुवाद के सुझाव

* “योग्य” शब्द का अनुवाद “योग्यता” या “महत्वपूर्ण” या “उपयोगी” हो सकता है।
* “मूल्य” शब्द का अनुवाद “प्रतिष्ठा” या “महत्व” हो सकता है
* “का मूल्य” का अनुवाद “कीमती होना” या महत्वपूर्ण होना हो सकता है।
* “उसका मूल्य…. से अधिक है” का अनुवाद "की तुलना में अधिक मूल्यवान है।" हो सकता है।
* संदर्भ के आधार पर, “अयोग्य” का अनुवाद “महत्वहीन” या “अनादर” या “अनुपयुक्त” हो सकता है।
* “निकम्मा” का अनुवाद “किसी काम का नहीं” या “किसी उद्देश्य का नहीं” या “महत्वहीन” हो सकता है।

(यह भी देखें: [आदर](../kt/honor.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 2 शमूएल 22:3-4
* 2 थिस्सलुनीकियों 01:11-12
* प्रे.का. 13:23-25
* प्रे.का. 25:25-27
* प्रे.का. 26:30-32
* कुलुस्सियों 01: 9-10
* यिर्मयाह 08: 18-19
* मरकुस 01:7-8
* मत्ती 03:10-12
* फिलिप्पियों 01:25-27

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H117, H639, H1929, H3644, H4242, H4373, H4392, H4592, H4941, H6994, H7939, G514, G515, G516, G2425, G2661, G2735

### योताम

#### परिभाषा:

पुराने नियम में योताम नाम के तीन पुरुष हुए हैं।

* एक योताम गिदोन का सबसे छोटा पुत्र था। योताम ने अपने बड़े भाई अबीमेलेक को पराजित करने में सहायता की जिसने अपने अन्य सभी भाइयों को मार डाला था।
* यहूदा के राजा का नाम भी योताम था, उसने अपने पिता उज्जिय्याह(अजर्याह) के मरणोपरान्त सोलह वर्ष राज किया था।
* अपने पिता के समान योताम भी परमेश्वर का आज्ञाकारी था और एक अच्छा राजा हुआ था।
* तथापि उसने मूर्तियों के स्थानों को नष्ट नहीं किया था जिसका परिणाम यह हुआ कि बाद में यहूदावासी फिर मूर्ति-पूजा करने लगे थे।
* यीशु की वंशावली में भी एक योतान है, मत्ती रचित सुसमाचार में।

(यह भी देखें: [अबीमेलेक](../names/abimelech.md), [आहाज](../names/ahaz.md), [गिदोन](../names/gideon.md), [उज्जियाह](../names/uzziah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 26:21
* 2 राजा 15:4-5
* यशायाह 01:1
* न्यायियों 09:5-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3147

### योना

#### परिभाषा:

योना पुराने नियम का एक इब्रानी भविष्यद्वक्ता था।

* योना की पुस्तक में योना की कहानी है कि उसे परमेश्वर ने नीनवे के लोगों में सन्देश सुनाने भेजा था।
* योना नीनवे जाने की अपेक्षा किसी और तर्शीश देश को जानेवाले जहाज में चढ़ गया था।
* परमेश्वर ने उस जहाज को एक भयानक आंधी से घेर लिया था।
* उसने लोगों को जहाज से नौकायन करने वाले से कहा कि वह परमेश्वर से दूर भाग रहा था, और उन्होंने सुझाव दिया कि वे उसे समुद्र में फेंक दें। जब उन्होंने ऐसा किया तब तूफान थम गया।
* योना को समुद्र में एक बहुत बड़ी मछली ने निगल लिया, वह उस मछली के पेट में तीन दिन तीन रात रहा।
* मछली ने जब योना को उगल दिया तब उसने जाकर नीनवे में परमेश्वर का सन्देश सुनाया, परिणामस्वरूप नीनवे वासियों ने पापों का पश्चाताप किया।
* योना नीनवे को नष्ट न करने के लिए परमेश्वर पर क्रोधित हो गया, और परमेश्वर ने योना को करुणा का सबक सिखाने के लिए एक पौधे और कीड़े का इस्तेमाल किया।

(यह भी देखें: [आज्ञा न मानना](../other/disobey.md), [नीनवे](../names/nineveh.md), [फिरना](../other/turn.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* योना 01:1-3
* लूका 11:29-30
* मत्ती 12:38-40
* मत्ती 16:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3124, G2495

### योराम

#### तथ्य:

योराम, जो अहाब का पुत्र, इस्राएल का राजा था। वह यहोराम के नाम से भी जाना जाता है।

* राजा योराम उसी समय इस्राएल पर राज कर रहा था जब यहूदा में भी यहोराम नामक राजा राज्य कर रहा था।
* योराम एक दुष्ट राजा था जिसने स्वयं तो मूर्तिपूजा की और इस्राएल का पाप करने के कारण बना।
* इस्राएल के राजा योराम ने एलिय्याह और ओबद्याह के भविष्यवक्ताओं के समय में राज्य किया।
* योराम नाम का एक और व्यक्ति था जो हमात के राजा तू का पुत्र और राजा दाऊद के राज्यकाल में।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [दाऊद](../names/david.md), [एलिय्याह](../names/elijah.md), [हाम](../names/hamath.md), [यहोराम](../names/jehoram.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [ओबद्याह](../names/obadiah.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:10-12
* 2 इतिहास 22:4-5
* 2 राजा 01:17-18
* 2 राजा 08:16-17

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3088, H3141, G2496

### योशिय्याह

#### तथ्य:

योशिय्याह एक ईश्वर भक्त राजा था जिसने 31 वर्ष यहूदा पर राज किया था। उसने यहूदावासियों को मन फिराकर यहोवा की आराधना करने के लिए अगुवाई किया था।

* उसके पिता आमोन की हत्या के बाद योशिय्याह, उसके पुत्र ने आठ वर्ष की आयु में राजा का दायित्व संभाला।
* अपने राज्यकाल के अठारहवें वर्ष राजा योशिय्याह ने महायाजक हिलकिय्याह को आदेश दिया कि यहोवा के मन्दिर का पुनरुद्धार किया जाए। मन्दिर के पुनरुद्धार कार्य के समय व्यवस्था की पुस्तक मिली थी।
* जब व्यवस्था की पुस्तक योशिय्याह को पढ़कर सुनाई गई तब उसे बोध हुआ कि उसकी प्रजा परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नहीं कर रही थी, इससे उसे बहुत दुःख हुआ। उसने आज्ञा दी कि मूर्ति-पूजा के सब स्थल नष्ट कर दिए जाएं और उनके पुजारियों को मार डाला जाए।
* उसने प्रजा को आज्ञा दी कि फसह के पर्व का उत्सव मनाना आरंभ किया जाए।

(यह भी देखें: [मूरत](../other/idol.md), [यहूदा](../names/judah.md), [व्यवस्था](../other/law.md), [फसह](../kt/passover.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:13-14
* 2 इतिहास 33:24-25
* 2 इतिहास 34:1-3
* यिर्मयाह 01:1-3
* मत्ती 01:9-11

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2977, G2502

### रखवाला, रखवाले

#### परिभाषा:

“रखवाला” शब्द का वास्तविक अर्थ है चरवाहा। इसका उपयोग विश्वासी समुदाय के आत्मिक अगुवे के लिए भी किया जाता है।

* अंग्रेजी बाइबल में यह शब्द एक ही बार इफिसियों की पत्री में आया है। यह शब्द वही है जिसको “चरवाहा” कहा गया है।
* कुछ भाषाओं में “रखवाले” के लिए “चरवाहा” शब्द काम में लिया गया है।
* यह वही है जो यीशु के लिए काम में लिया गया था, “अच्छा चरवाहा”

#### अनुवाद के सुझाव:

* सबसे अच्छा तो यही होगा कि इस शब्द का अनुवाद, “चरवाहा” किया जाए।
* इस शब्द के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, “आत्मिक चरवाहा” या “चरानेवाला मसीही अगुआ”।

(यह भी देखें: [चरवाहा](../other/shepherd.md), [भेड़](../other/sheep.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* इफिसियों 04:11-13

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7462, G4166

### रथ, रथों, रथियों

#### परिभाषा:

प्राचीन युग में रथ घोड़ों द्वारा खींचे जाने वाली दो पहियों की गाड़ियां होती थी।

* सवार रथ में बैठते थे या खड़े होते थे और उन्हें साधारण सवारी के लिए या युद्ध के लिए काम में लेते थे।

युद्ध में जिस सेना के पास रथ थे वह सामने वाली सेना जिसके पास रथ नहीं थे, उससे अधिक गति एवं परिवहन क्षमता रखती थी। प्राचीन युग में मिस्र और रोमी रथों के उपयोग के लिए जाने जाते थे

(यह भी देखें: [मिस्र](../names/egypt.md), [रोम](../names/rome.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 09:22
* 2 इतिहास 18:28-30
* प्रे.का. 08:29-31
* प्रे.का. 08:36-38
* दानिय्येल 11:40-41
* निर्गमन 14:23-25
* उत्पत्ति 41:42-43

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **12:10** इसलिए वे समुद्र के रास्ते में इस्राएलियों के पीछे चल रहे थे, लेकिन परमेश्वर ने उन्हें घबरा दिया, और उनके **रथों** के पहियों को निकाल डाला जिससे उनका चलाना कठिन हो गया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H668, H2021, H4817, H4818, H5699, H7393, H7395, H7396, H7398, G716, G4480

### राख, धूल

#### तथ्य:

“राख” शब्द उस काले पावडर के संबन्ध में काम में लिया जाता है जो लकड़ी के जलने के बाद रह जाता है।

प्राचीन युग में राख में बैठना दुःख और विलाप का संकेत देता था। विलाप के समय टाट का बना कड़ा चुभनेवाला वस्त्र पहन कर राख में बैठना या सिर में राख डालना होता था।

सिर में राख डालना अपमान और लज्जा का भी प्रतीक था।

“राख का ढेर” अर्थात बहुत राख का ढेर पड़ा है।

बाइबल में कभी-कभी राख के लिए "धूल" शब्द का उपयोग भी किया गया है। इसका संदर्भ सूखी भूमि की मिट्टी से भी है।

“राख” शब्द का अनुवाद करते समय लक्षित भाषा में ऐसा शब्द काम में लें जो जली लकड़ी के जल जाने के बाद काले चूर्ण को व्यक्त करता है।

(यह भी देखें: [आग](../other/fire.md), [टाट](../other/sackcloth.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 20:9-10
* यिर्मयाह 06:25-26
* भजन संहिता 102:9-10
* भजन संहिता 113:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H80, H665, H1854, H6083, H6368, H7834, G2868, G4700, G5077, G5522

### राजकुमार, राजकुमारी, राजकुमारी, राजकुमारियां

#### परिभाषा:

“राजकुमार” राजा का पुत्र होता है। “राजकुमारी” राजा की पुत्री होती है।

* “राजकुमार” शब्द को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो अगुवे, शासक या अन्य अधिकार संपन्न मनुष्य के लिए होता है।
* अब्राहम की धन सम्पदा और प्रतिष्ठा के कारण हित्ती लोग उसे “राजकुमार” कहते थे।
* दानिय्येल की पुस्तक में “राजकुमार” शब्द “फारस का राजकुमार” या “यूनान का राजकुमार” के संदर्भ में काम में लिया गया है। जिसका संभावित अभिप्राय उन सामर्थी दुष्टात्माओं से है जो उस क्षेत्रों पर अधिकार रखती थी।
* दानिय्येल की पुस्तक में प्रधान स्वर्गदूत मीकाएल को भी “राजकुमार” कहा गया है।
* बाइबल में यदाकदा शैतान को “इस संसार का हाकिम” कहा गया है।
* यीशु को “शान्ति का राजकुमार “ और “जीवन के कर्ता” कहा गया है।
* प्रे.का. 2:36 में यीशु को “प्रभु और मसीह” कहा गया है तथा प्रे.का. 5:31 में इसे “प्रभु और उद्धारकर्ता” कहा गया है जिससे “प्रभु” और “राजकुमार” के समानान्तर अर्थ प्रकट होते हैं।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* “राजकुमार” के अनुवाद रूप हो सकते है, “राजा का पुत्र” या “शासक” या “अगुआ” या “मुखिया” या “कप्तान”।
* स्वर्गदूतों के संदर्भ में इसका अनुवाद “शासक आत्मा” या “अगुआई करनेवाला स्वर्गदूत” हो सकता है।
* शैतान और दुष्टात्माओं के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद “दुष्टात्माओं का शासक” या “सामर्थी आत्मा अगुओं” या “प्रशासक आत्मा” आदि जो प्रकरण पर निर्भर हों।

(यह भी देखें: [स्वर्गदूत](../kt/angel.md), [अधिकार](../kt/authority.md), [मसीह](../kt/christ.md), [दुष्टात्मा](../kt/demon.md), [प्रभु](../kt/lord.md), [सामर्थ्य](../kt/power.md), [शासक](../other/ruler.md), [शैतान](../kt/satan.md), [उद्धारकर्ता](../kt/savior.md) , [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 05:29-32
* उत्पत्ति 12:14-16
* उत्पत्ति 49:26
* लूका 01:52-53

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1, H117, H324, H2831, H3548, H4502, H5057, H5081, H5139, H5257, H5387, H5633, H5993, H6579, H7101, H7261, H7333, H7336, H7786, H7991, H8269, H8282, H8323, G747, G758, G1413, G2232, G3175

### राजा, राज्य, राजसी

#### परिभाषा:

बाइबल में, "राजा" शब्द से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जो लोगों के किसी विशेष समूह अर्थात नगर, राज्य या देश (या दोनों) का सर्वोच्च शासक है।

बाइबिल के समय में, आमतौर पर एक राजा को पिछले राजा (ओं) के पारिवारिक संबंध के आधार पर शासन करने के लिए चुना जाता था। राजा के मरणोपरांत उसका जेठा पुत्र ही राजा बनता था।

बाइबल में परमेश्वर को राजा कहा गया है क्योंकि वह अपने लोगों पर राज करता है।“परमेश्वर का राज्य” अर्थात अपने लोगों पर परमेश्वर का राज।

नये नियम में यीशु को “यहूदियों का राजा”, “इस्राएल का राजा” और “राजाओं का राजा” कहा गया है।

इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “सर्वोच्च प्रधान” या “परम अगुआ” या “सत्ताधारी शासक”

“राजाओं का राजा” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “सब राजाओं पर राज करने वाला राजा” या “सर्वोच्च शासक जिसे सब शासकों पर अधिकार है”।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [हेरोदेस अन्तिपास](../names/herodantipas.md), [राज्य](../other/kingdom.md), [परमेश्वर का राज्य](../kt/kingdomofgod.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 तीमुथियुस 06:15-16
* 2 राजा 05:17-19
* 2 शमूएल 05:3-5
* प्रे.का. 07:9-10
* प्रे.का. 13:21-22
* यूहन्ना 01:49-51
* लूका 01:5-7
* लूका 22:24-25
* मत्ती 05:33-35
* मत्ती 14:8-9

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **08:06** एक रात को मिस्र के राजा ने, जिसे फ़िरौन कहते है उसने रात में दो स्वप्न देखे जो उसे निरंतर परेशान कर रहे थे।
* **16:01** इस्राएलियों का उस समय कोई **राजा** न था, इसलिये हर कोई वही करता था जो उन्हें ठीक लगता था।
* **16:18** अत: लोगों ने परमेश्वर से कहा कि उन्हें भी सभी राष्ट्रों के समान एक **राजा** चाहिए।
* **17:05** अंततः शाऊल युद्ध में मारा गया, और दाऊद इस्राएल का **राजा** बन गया। वह एक अच्छा **राजा** था, और लोग उससे प्रेम करते थे।
* **21:06** परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ ने यह भी कहा कि, मसीह एक भविष्यद्वक्ता भी होगा, एक पुरोहित भी और एक **राजा** भी होगा।
* **48:14** दाऊद इस्राएल का **राजा** था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का **राजा** है!

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H4427, H4428, H4430, G935, G936

### राज्य, राज्यों

#### परिभाषा:

राज्य अर्थात राजा द्वारा शासित एक प्रजा। इसका संदर्भ एक देश या राजनीतिक क्षेत्र से भी हो सकता है जिस पर एक राजा या शासक का नियंत्रण एवं अधिकार होता है।

* राज्य का भौगोलिक क्षेत्र कुछ भी हो सकता है। राजा किसी एक जाती या देश या मात्र एक नगर का शासक हो सकता है।
* “राज्य” शब्द का सन्दर्भ आत्मिक प्रशासन या अधिकार से भी हो सकता है जैसे “परमेश्वर का राज्य।"
* परमेश्वर समस्त सृष्टि का राजा है परन्तु "परमेश्वर का राज्य" विशेष करके उन लोगों पर उसके राज एवं अधिकार के सन्दर्भ में है जिन्होंने यीशु में विश्वास करके उसके अधिकाराधीन हो जाने का समर्पपण किया है।
* बाइबल में शैतान के “राज्य” की भी चर्चा की गई है जिसमें वह पृथ्वी की बहुत सी बातों पर अस्थाई राज कर रहा है। उसका राज्य दुष्टता का है जिसे “अन्धकार” कहा गया है

#### अनुवाद के सुझाव:

* राजा के भौगोलिक क्षेत्र के संदर्भ में “राज्य” का अनुवाद "देश (एक राजा द्वारा शासित)" या "राजा का क्षेत्र" या "एक राजा द्वारा शासित क्षेत्र" किया जा सकता है।
* आत्मिक अभिप्राय में, "राज्य" का अनुवाद "प्रशासन" या "शासन" या "नियंत्रण" या "संचालन" के रूप में किया जा सकता है।
* "याजकों के राज्य" का अनुवाद हो सकता है, "आध्यात्मिक पुरोहित जो परमेश्वर द्वारा शासित हैं।"
* "ज्योति का राज्य," इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर का शासन जो ज्योति की तरह अद्भुत है है" या "जब परमेश्वर, जो ज्योति है, लोगों पर शासन करता है" या "परमेश्वर के राज्य की ज्योति और अच्छाई।" “ज्योति” शब्द को संजोए रखना उचित है क्योंकि यह बाइबल में एक बहुत महत्वपूर्ण शब्द है।
* ध्यान दें कि "राज्य" शब्द साम्राज्य से अलग हो, जिसमें एक सम्राट कई देशों पर शासन करता है।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [राजा](../other/king.md), [परमेश्वर का राज्य](../kt/kingdomofgod.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [यहूदा](../names/judah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [याजक](../kt/priest.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 02:12
* 2 तीमुथियुस 04:17-18
* कुलुस्सियों 01:13-14
* यूहन्ना 18:36
* मरकुस 03:24
* मत्ती 04:7-9
* मत्ती 13:19
* मत्ती 16:28
* प्रकाशितवाक्य 01:09

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“इसलिए लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का **राज्य** और पवित्र जाति ठहरोगे।”
* **18:04** तब परमेश्वर ने सुलैमान पर क्रोध किया, और उसकी अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि सुलैमान की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के \_\_ राज्य\_\_ को दो भागों में विभाजित कर देंगा।
* **18:07** दस इस्राएली गोत्र रहूबियाम के विरुद्ध हो गए। केवल दो गोत्र उसके प्रति निष्ठावान रहे। यह दो गोत्र यहूदा का **राज्य** बन गए।
* **18:08** अन्य दस इस्राएली गोत्र जो रहूबियाम के विरुद्ध में थे, उन्होंने अपने लिए यारोबाम नामक एक राजा को नियुक्त किया। उसने देश के उत्तरी भाग में अपने **राज्य** की स्थापना की और उसे इस्राएल का **राज्य** कहा गया।
* **21:08** राजा वह होता है जो **राज्य** पर शासन करता है और लोगों का न्याय करता है।

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H4410, H4437, H4438, H4467, H4468, H4474, H4475, G932

### रानी, रानियाँ

#### परिभाषा:

रानी अर्थात् राजा की पत्नी या किसी देश की शासक।

* राजा क्षयर्ष से विवाह करके एस्तेर फारस साम्राज्य की रानी बन गई थी।
* रानी ईज़ेबेल दुष्ट राजा अहाब की पत्नी थी।
* शीबा की रानी एक प्रसिद्ध शासक थी जो सुलैमान से भेंट करने आई थी।
* “राज माता” राज करने वाले राजा की माता या दादी को कहते है या दिवंगत राजा की पत्नी को कहते हैं। “राज माता” का बहुत प्रभाव होता है जैसा अतल्याह में देखा गया है जिसने मूर्तिपूजा को बढ़ावा दिया था।

(यह भी देखें: [क्षयर्ष](../names/ahasuerus.md), [अतल्याह](../names/athaliah.md), [एस्तेर](../names/esther.md), [राजा](../other/king.md). [फारस](../names/persia.md), [शासक](../other/ruler.md), [शीबा](../names/sheba.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 10:10
* 1 राजा 11:18-19
* 2 राजा 10:12-14
* प्रे.का. 08:27
* एस्तेर 01:17
* लूका 11:31
* मत्ती 12:42

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रोंग्स: H1404, H1377, H4410, H4427, H4433, H4436, H4438, H4446, H7694, H8282, G938

### रामोत

#### तथ्य:

रामोत यरदन नदी के निकट गिलाद के पहाड़ों में एक महत्वपूर्ण नगर था। उसे रामोत गिलाद भी कहते थे।

* रामोत इस्राएली गोत्र गाद के क्षेत्र में था और वह शरण नगर था।
* इस्राएल के राजा आहाब और यहूदा के राजा यहोशापात ने रामोत में अराम से युद्ध किया था। उस युद्ध में आहाब मारा गया था।
* कुछ समय बाद राजा अहज्याह और राजा योराम ने अराम के राजा से वह नगर पुनः प्राप्त करने का प्रयास किया था।
* रामोत गिलाद नगर ही में येहू को इस्राएल का राजा होने के लिए अभिषेक किया गया था।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [अहज्याह](../names/ahaziah.md), [अराम](../names/aram.md), [गाद](../names/gad.md), [यहोशापात](../names/jehoshaphat.md), [येहू](../names/jehu.md), [योराम](../names/joram.md) , [यरदन नदी](../names/jordanriver.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [शरण](../other/refuge.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 06:71-73
* 1 राजा 22:3-4
* 2 इतिहास 18:1-3
* 2 राजा 08:28-29

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7216, H7418, H7433

### रिम्मोन

#### तथ्य:

रिम्मोन बाइबल में एक पुरुष का और अनेक स्थानों का नाम था। एक झूठे देवता का भी यही नाम था।

* रिम्मोन नगर एक पुरुष बिन्यामीनी था जो जबूलून कीरोत नगर का निवासी था। इस पुरुष ने योनातान के विकलांग पुत्र ईशबोशेत की हत्या की थी।
* रिम्मोन यहूदा के दक्षिणी क्षेत्र में बिन्यामीन के क्षेत्र में एक नगर था।
* रिम्मोन की चट्टान” एक सुरक्षा का स्थान था जहाँ बिन्यामीनी युद्ध में मारे जाने से बचकर छिपे थे।
* यहूदा के जंगल में “रिम्मोन परेज” एक अज्ञात स्थान था।
* सीरिया के सेना नायक नामान ने रिम्मोन देवता का उल्लेख किया है जहाँ सीरिया के राजा उपासना करते थे।

(यह भी देखें: [बिन्यामीन](../names/benjamin.md), [यहूदिया](../names/judea.md), [नामान](../names/naaman.md), [सीरिया](../names/syria.md), [जबूलून](../names/zebulun.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 05:17-19
* 2 शमूएल 04:5-7
* न्यायियों 20:45-46
* न्यायियों 21:13-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7417

### रीछ, रीछनियों

#### परिभाषा:

रीछ भूरा या काले रंग का रोमदार पशु है जिसके दांत और पंजे तीक्ष्ण होते है। बाइबल के युग में रीछ एक सामान्य वन पशु था।

ये पशु जंगलों और पहाड़ों में रहते हैं तथा मछली, कीड़े और पौधे खाते हैं।

* पुराने नियम में रीछ शक्ति का प्रतीक था।
* भेड़ों की रखवाली करते समय दाऊद ने एक रीछ को मार गिराया था।
* कुछ लड़के एलीशा का मज़ाक उड़ा रहे थे तब दो रीछ जंगल से निकल कर आए और उन्हें मार डाला।

(यह भी देखें: [दाऊद](../names/david.md), [एलीशा](../names/elisha.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1677, G715

### रूबेन

#### तथ्य:

रूबेन याकूब का पहिलौठा था। उसकी माता का नाम लिआ था।

* यूसुफ के भाई जब उसकी हत्या करना चाहते थे तब रूबेन ने उसे गड्ढे में डलवा कर उसकी जान बचाई थी।
* रूबेन बाद में यूसुफ को गड्ढे से निकालने आया, परन्तु उसके अन्य भाइयों ने उसे वहां से जानेवाले व्यापारियों के हाथ दास होने के लिए बेच दिया था।
* रूबेन के वंशज इस्राएल के बारह गोत्रों में से एक बने थे।

(यह भी देखें: [याकूब](../names/jacob.md), [यूसुफ (पुराना नियम)](../names/josephot.md), [लिआ:](../names/leah.md), [इस्राएल के बारह गोत्र](../other/12tribesofisrael.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 29:31-32
* उत्पत्ति 35:21-22
* उत्पत्ति 42:21-22
* उत्पत्ति 42:37-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7205, H7206, G4502

### रोटी

#### परिभाषा:

रोटी, आटे में पानी और तेल मिलाकर बनाई जाती है। आटे को बेलकर रोटी का आकार देकर सेंका जाता है।

* जब “रोटी” शब्द अकेला हो तो इसका अर्थ है, रोटी।
* रोटी के आटे को फूलाने के लिए उसमें खमीर मिलाया जाता है। रोटी बिना खमीर के भी बनाई जाती है। \* बाइबल में ऐसी रोटी को “अखमीरी रोटी” कहा गया है, यह रोटी यहूदी फसह के पर्व में खाते थे।
* रोटी बाइबल के युग में मुख्य भोजन होता था, इसे भोजन के स्थान में भी काम में लिया गया है।
* “भेंट की रोटियां” निवास के मण्डप या मन्दिर में परमेश्वर को अर्पित की गई बारह रोटियां थी जिन्हें एक सोने की मेज पर रखा जाता था। ये रोटियां इस्राएल के बारह गोत्रों का प्रतिनिधित्व करती थी और केवल याजक ही उन्हें खा सकता था। इसका अनुवाद हो सकता है, “उनमें परमेश्वर की उपस्थिति के दर्शन वाली रोटियां।” प्रतीकात्मक शब्द, “स्वर्ग की रोटी” विशेष सफेद रंग की अन्न, मन्ना के संदर्भ में है, परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए जंगल में इसका उल्लेख किया था।
* यीशु ने स्वयं को “स्वर्ग से उतरने वाली रोटी” और “जीवन की रोटी” कहा है। यीशु अपने शिष्यों के साथ फसह का भोजन खा रहा था तब उसने अपनी देह को अखमीरी रोटी कहा था जो घायल की जायेगी और अन्त में क्रूस पर मार दी जायेगी। अनेक स्थानों में “रोटी” का अनुवाद “भोजन” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [फसह](../kt/passover.md), [मिलापवाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [मन्दिर](../kt/temple.md), [अखमीरी रोटी](../kt/unleavenedbread.md), [खमीर](../other/yeast.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 02:46-47
* प्रे.का. 27:33-35
* निर्गमन 16:13-15
* लूका 09:12-14
* मरकुस 06:37-38
* मत्ती 04:1-4
* मत्ती 11:18-19

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2557, H3899, H4635, H4682, G106, G740, G4286

### लबानोन

#### तथ्य:

लबानोन एक अति सुंदर पर्वतीय प्रदेश है जो इस्राएल के उत्तर में भूमध्यसागर के तट पर है। बाइबल के युग में यह स्थान सनोवर के देवदारू और सरू के वृक्षों से घिरा हुआ था।

* सुलैमान ने लबानोन में श्रमिक भेजे थे कि परमेश्वर के मन्दिर के निर्माण हेतु पेड़ काट कर लाएं।
* प्राचीन लबानोन में फिनिके वासी रहते थे जो पानी के जहाज बनाने में कुशल कारीगर थे, ये जहाज समुद्र में व्यापार के लिए काम में लिए जाते थे।
* सूर और सैदा नगर लबानोन ही में थे। इन्हीं नगरों में बहुमूल्य बैंजनी रंग सबसे पहले काम में लिया गया था।

(यह भी देखें: [देवदारू](../other/cedar.md), [सरू](../other/cypress.md), [सनोवर](../other/fir.md), [फिनिके](../names/phonecia.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 04:32-34
* 2 इतिहास 02:8-10
* व्यवस्थाविवरण 01:7-8
* भजन संहिता 029:3-5
* जकर्याह 10:8-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3844

### लहू

#### परिभाषा:

“लहू” शब्द का अर्थ है, मनुष्य के शरीर में जब चोट लगती है तब उसमें से निकलने वाली लाल रंग का तरल पदार्थ है। लहू मनुष्यों के शरीर में जीवनदायक पोषक तत्त्वों का प्रवाह करता है। लहू जीवन का प्रतीक है और जब वह बहाया जाता है तो इसका अर्थ है जान जाना या मृत्यु।

जब मनुष्य परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाते थे तब वे पशु का वध करके उसका लहू वेदी पर उण्डेलते थे। यह पशु के जीवन की बलि द्वारा मनुष्यों के पाप का मूल्य चुकाने का प्रतीक था।

“मांस और लहू” एक अभिव्यक्ति है जो मनुष्य को संदर्भित करता है।

“अपना लहू और मांस” मनुष्यों के लहू का संबन्ध दर्शाती है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद लक्षित भाषा में उसी शब्द/उक्ति द्वारा किया जाए जो लहू के लिए काम में लिया जाता है।
* “मांस और लहू” का अनुवाद किया जा सकता है, “मनुष्य” या “मानवजाति”।
* प्रकरण के अनुसार “मेरा मांस और मेरा लहू” का अनुवाद हो सकता है, “मेरा अपना परिवार” या “मेरे अपने परिजन” या “मेरे अपने लोग”।
* यदि लक्षित भाषा में ऐसे अभिप्राय के शब्द हैं तो “मांस और लहू” के अनुवाद में उनका उपयोग किया जाए।

(यह भी देखें: [लहू](../kt/blood.md), [देह](../kt/flesh.md), [जीवन](../kt/life.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 01:5-7
* 1 शमूएल 14:31-32
* प्रे.का. 02:20-21
* प्रे.का. 05:26-28
* कुलुस्सियों 01:18-20
* गलातियों 01:15-17
* उत्पत्ति 04:10-12
* भजन संहिता 016:4
* भजन संहिता 105:28-30

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **08:03\_\_जब उसके भाई घर वापस आए तो उन्होंने यूसुफ के कपड़े लिये, और एक बकरे को मार के उसके \_\_लहू** में उसे डुबा दिया।
* **10:03** परमेश्वर ने नील नदी को **लहू** से भर दिया, तब भी फ़िरौन का मन हठीला रहा और उसने इस्राएलियों को नहीं जाने दिया।
* **11:05** सभी इस्राएलियों के घरों के द्वार पर **लहू** था , परमेश्वर ने उन घरों को छोड़ दिया और वह सब अन्दर सुरक्षित थे। वे मेम्ने के **लहू** के द्वारा बच गए।
* **13:09** उस पशु का **लहू** जिसका बलिदान चढ़ाया गया है, पापी मनुष्य के सभी अपराधों को धो देंगा परमेश्वर की दृष्टी में।
* **38:05** तब यीशु ने एक कटोरा लिया और कहा, "इसे पी लो। यह नये नियम का मेरा **लहू** है जो पापों की क्षमा के लिए उंडेल दिया गया है।
* **48:10** जब कोई यीशु पर विश्वास करता है, यीशु का **लहू** उस व्यक्ति के सब पापों की कीमत चुका देता है, और परमेश्वर का दण्ड उस व्यक्ति के ऊपर से हट जाता है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1818, H5332, G129, G130, G131, G1420

### लूका

#### तथ्य:

लूका नये नियम की दो पुस्तकों का लेखक था, लूका रचित सुसमाचार और प्रेरितों के काम की पुस्तक।

* कुलुस्से की कलीसिया को लिखे पत्र में पौलुस लूका को वैद्य कहता है। पौलुस अपने दो अन्य पत्रों में भी लूका का नाम लेता है।
* ऐसा माना जाता है कि मसीह का अनुयायी बनने से पूर्व लूका एक यूनानी और अन्यजाति मनुष्य था। अपने सुसमाचार वृत्तान्त में लूका अनेक ऐसी बातों का उल्लेख करता है जिसके द्वारा यीशु का प्रेम सबके लिए, यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए प्रकट होता है।
* लूका पौलुस के साथ दो प्रचार यात्राओं में गया था और उसके कार्यों में उसकी सहायता की थी।
* कुछ आरंभिक कलीसियाई लेखों से जानकारी मिलती है कि लूका सीरिया के अन्ताकिया में जन्मा था।

(यह भी देखें: [अन्ताकिया](../names/antioch.md), [पौलुस](../names/paul.md), [सीरिया](../names/syria.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 तीमु. 04:11-13
* कुलुस्सियों 04:12-14
* फिलेमोन 01:23-25

#### शब्द तथ्य:

### लौट आना, लौट आना, लौटकर, लौट रहे

#### परिभाषा:

“लौट आना” अर्थात पुनः लौट जाना या किसी वस्तु को फेर देना।

* “पर लौट आना” अर्थात पुनः वही काम करना। "लौट आना" किसी स्थान या व्यक्ति की ओर का अर्थ है किसी स्थान या व्यक्ति के पास लौट जाना
* इस्राएली मूर्ति-पूजा में लौट आए, अर्थात उन्होंने मूर्ति पूजा का पुनः आरंभ कर दिया था।
* जब वे यहोवा के पास लौट आए, तो उन्होंने पश्चाताप किया और यहोवा की फिर से उपासना की।
* किसी ली गई भूमि या वस्तु लौटाने का अर्थ था जिसकी वह सम्पदा थी उसको पुनः उसे दे देना।

(यह भी देखें: [फिरना](../other/turn.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5437, H7725, H7729, H8421, H8666, G344, G360, G390, G1877, G1880, G1994, G5290

### वंश

#### परिभाषा:

“वंश” शब्द मनुष्य या पशु की सांसारिक सन्तति के लिए काम में लिया जाता है।

* बाइबल में “वंश” का अर्थ “सन्तान” या “सन्तति” होता है।
* कभी-कभी “बीज” शब्द प्रतीकातमक रूप से सन्तान के लिए काम में लिया जाता है।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [बीज](../other/seed.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 17:28-29
* निर्गमन 13:11-13
* उत्पत्ति 24:5-7
* यशायाह 41:8-9
* अय्यूब 05:23-25
* लूका 03:7
* मत्ती 12:33-35

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1121, H2233, H5209, H6363, H6529, H6631, G1081, G1085

### वचन, शब्द

#### परिभाषा:

“वचन” शब्द का अर्थ है किसी के द्वारा कही गई बात।

* उदाहरणार्थ, स्वर्गदूत ने जकर्याह से कहा था, “तूने मेरी बातों की प्रतीति न की” अर्थात “मैंने जो तुझ से कहा उस पर तूने विश्वास नहीं किया।”
* यह शब्द प्रायः मात्र एक शब्द की अपेक्षा संपूर्ण सन्देश के संदर्भ में होता है।
* कभी-कभी “वचन” शब्द सामान्य कथन के संदर्भ में भी होता है जैसे “वचन एवं कार्य में सामर्थी” जिसका अर्थ है “कहने और व्यवहार में सामर्थी”।
* बाइबल में “वचन” शब्द प्रायः परमेश्वर की बात या आज्ञा के संदर्भ में होता है जैसे परमेश्वर का वचन या सत्य का वचन।
* इस शब्द का अति विशेष उपयोग है जब यीशु को “वचन” कहा गया है। इन अंतिम दो अर्थों के लिए, देखें [परमेश्वर का वचन](../kt/wordofgod.md)

#### अनुवाद के सुझाव

* “वचन” या “वचनों” के अनुवाद के विभिन्न रूप, “शिक्षा” या “सन्देश” या “समाचार” या “कथन” या “जो कहा गया।”

(यह भी देखें: [परमेश्वर का वचन](../kt/wordofgod.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 2 तीमु. 04:1-2
* प्रे.का. 08:4-5
* कुलुस्सियों 04:2-4
* याकूब 01:17-18
* यिर्मयाह 27:1-4
* यूह. 01:1-3
* यूह. 01:14-15
* लूका 08:14-15
* मत्ती 02:7-8
* मत्ती 07:26-27

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H561, H562, H565, H1697, H1703, H3983, H4405, H4406, H6310, H6600, G518, G1024, G3050, G3054, G3055, G3056, G4086, G4487, G4935, G5023, G5542

### वर्णन, ठहराया, कहता है, घोषणा

#### परिभाषा:

“वर्णन” और “वाणी” अर्थात “औपचारिक या सार्वजनिक कथन”, प्रायः किसी बात पर बल देने के लिए। “वाणी” में कही जाने वाली बात के महत्व पर ही बल नहीं दिया जाता है परन्तु इसमें घोषणा करने वाले की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

एक "घोषणा" न केवल घोषित की जा रही के महत्व पर जोर देती है, बल्कि यह घोषणा करने वाले पर भी ध्यान देती है।

उदाहरणार्थ, पुराने नियम में परमेश्वर के सन्देश से पूर्व, “यहोवा यों कहता है” या “यहोवा का यह वचन” उक्ति आती है। इस उक्ति से इस बात पर बल दिया जाता है कि इस सन्देश को पहुंचाने वाला यहोवा ही है। यह तथ्य कि सन्देश यहोवा का है दर्शाता है कि सन्देश अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “वर्णन” का अनुवाद हो सकता है, “घोषणा करना” या “सार्वजनिक कथन प्रस्तुत करना” या “बलपूर्वक कहना” या “बल देकर कहना”।
* “वाणी” शब्द का अनुवाद “कथन” या “उद्घोषण” भी हो सकता है।
* “यहोवा यों कहता है” का अनुवाद “यहोवा घोषणा करता है” या “यहोवा का कहना है” हो सकता है।

(यह भी देखें: [प्रचार करना](../other/proclaim.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 16:23-24
* 1 कुरिन्थियों15:31-32
* 1 शमूएल 24:17-18
* आमोस 02:15-16
* यहेजकेल 05:11-12
* मत्ती 07:21-23

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H262, H559, H816, H874, H1696, H3045, H4853, H5002, H5042, H5046, H5608, H6567, H7121, H7561, H7878, H8085, G312, G518, G669, G1229, G1344, G1555, G1718, G1834, G2097, G2511, G2605, G2607, G3140, G3670, G3724, G3822, G3870, G3955, G4296

### वर्ष, वर्षों

#### परिभाषा:

बाइबल में “वर्ष” का वास्तविक अर्थ था 354 दिनों का समय। यह वर्ष चंद्र कैलेण्डर के अनुसार था जब चांद पृथ्वी की एक परिक्रमा कर लेता है।

* आज का वर्ष सौर कैलेण्डर के अनुसार 365 दिन का होता है और बारह महीने होते हैं, यह समय पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा का समय है।
* दोनों ही कैलेण्डरों में वर्ष के बारह महीने हैं। चंद्र कैलेण्डर के वर्ष में तेरहवां महीना जोड़ा जाता है यह उस तथ्य की पूर्ति के लिए है कि चांद्र वर्ष सौर वर्ष से ग्यारह दिन छोटा है। इससे दोनों कैलेण्डरों को समानान्तर रखने में सहायता मिलती है।
* बाइबल में वर्षों को प्रतीकात्मक रूप में भी काम में लिया जाता है जो किसी घटना के लिए समय की सामान्य चर्चा के लिए काम में लिया जाता है। इसके उदाहरण हैं “यहोवा का वर्ष” या “अकाल के वर्ष” या “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष”। ऐसे संदर्भों में “वर्ष” का अनुवाद “समय” या “ऋतु” या “समय का अन्तराल” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [महीने](../other/biblicaltimemonth.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 23:31-33
* प्रे.का. 19:8-10
* दानिय्येल 08:1-2
* निर्गमन 12:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3117, H7620, H7657, H8140, H8141, G1763, G2094

### वाचा, वाचाओं

#### परिभाषा:

बाइबल में, "वाचा" शब्द दो पक्षों के बीच एक औपचारिक, वाचा एक विधिवत बन्धक समझौता है जिसे दोनों पक्षों को निभाना होता है।

* यह समझौता दो मनुष्यों, दो जन समूहों में या परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य हो सकता है।
* मनुष्य जब एक दूसरे के साथ वाचा बांधते हैं तब वे कुछ प्रतिज्ञाएं करते हैं और उनका पूरा करना अनिवार्य होता है।
* मनुष्यों के मध्य वाचा के उदाहरण हैं, विवाह, व्यापारिक समझौते तथा देशों के मध्य संधि।
* संपूर्ण बाइबल में परमेश्वर ने अपने लोगों के साथ अनेक वाचाएं बांधी हैं।
* कुछ वाचाओं में परमेश्वर ने बिना शर्त अपनी भूमिका निभाने की प्रतिज्ञा की है। \* उदाहरणार्थ जब परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ बाचा बांधी थी कि वह पृथ्वी को जल प्रलय से कभी नष्ट नहीं करेगा तो उसमें मनुष्यों की कोई भूमिका नहीं थी।
* अन्य वाचाओं में परमेश्वर ने अपनी भूमिका निभाने की शर्तें रखी थी कि मनुष्य आज्ञाओं को मानें और अपना कर्तव्य निभाएं।

शब्द "नई वाचा" परमेश्वर, अपने पुत्र, यीशु के बलिदान के माध्यम से अपने लोगों के साथ की गई प्रतिबद्धता या समझौते को दर्शाता है।

* परमेश्वर के "नई वाचा" को बाइबल के भाग में समझाया गया जिसे "नया नियम" कहा जाता है।
* यह नई वाचा “पुराने” या “पूर्व” वाचा के विपरीत है जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम के समय में इस्राएलियों के साथ बांधी थी।
* नई वाचा पुराने की तुलना में उत्तम है क्योंकि यह यीशु के बलिदान पर आधारित है, जो पूर्णरूप से लोगों के पापों के लिए प्रायश्चित करता है। पुरानी वाचा के अधीन किए गए बलिदानों ने ऐसा नहीं किया।
* परमेश्वर यीशु पर विश्वास करने वालों के हृदयों पर नई वाचा लिखते हैं। इससे उन्हें परमेश्वर की आज्ञा मानना और पवित्र जीवन जीना शुरू करना पड़ता है।
* नई वाचा पूरी तरह से अंत के समय में पूरी होगी जब परमेश्वर पृथ्वी पर अपना शासन स्थापित करते हैं। सब कुछ एक बार फिर से बहुत अच्छा होगा, जैसा कि परमेश्वर ने पहली बार दुनिया को बनाया था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बन्धक समझौता” या “विधिवत समर्पण” या “अनुबन्ध” या “वचनबद्धता”।
* कुछ भाषाओं में वाचा बांधने की एकपक्षीय या द्विपक्षीय प्रतिज्ञाओं के अनुसार अलग-अलग शब्द होते हैं। यदि वाचा एक पक्षीय है तो इसका अनुवाद “प्रतिज्ञा” या “प्रण” हो सकता है।
* सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद ऐसा न सुनाई दे कि मनुष्यों ने वाचा को प्रस्तावित किया है। परमेश्वर और मनुष्यों के मध्य सब वाचाओं में परमेश्वर ही वाचा का प्रतिपादक है।
* "नई वाचा" शब्द का अनुवाद "नए औपचारिक समझौते" या "नए समझौते" या "नए अनुबंध" के रूप में किया जा सकता है।
* इन अभिव्यक्तियों में "नया" शब्द का अर्थ "ताजा" या "नए प्रकार का" या "दूसरा" है।

(यह भी देखें: [नई वाचा](../kt/newcovenant.md), [प्रतिज्ञा](../kt/promise.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 18:11-12
* 2 शमूएल 23:5
* प्रे.का. 07:6-8
* निर्गमन 34:10-11
* गलातियों 03:17-18
* उत्पत्ति 09:11-13
* उत्पत्ति 17:7-8
* उत्पत्ति 31:43-44
* यहोशू 24:24-26
* लूका 01:72-75
* मरकुस 14:22-25

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **04:09** फिर परमेश्वर ने अब्राम के साथ एक **वाचा** बांधी। **वाचा** दो दलों के बीच एक सहमति होती है।
* **05:04** “मैं इश्माएल को भी एक बड़ी जाति बनाऊंगा, लेकिन मेरी **वाचा** इसहाक साथ होगी।”
* **06:04** एक लंबे समय के बाद अब्राहम की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो **वाचा** बाँधी थी उसके अनुसार, परमेश्वर ने इसहाक को आशीष दी।
* **07:10** परमेश्वर ने अब्राहम की वंशावली के विषय में जो **वाचा** उससे बाँधी थी, वह अब्राहम से इसहाक और इसहाक से याकूब को दी।”
* **13:02** परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह इस्राएलियों से कहे ,“लिये अब यदि तुम निश्चय मेरी मानोगे, और मेरी **वाचा** का पालन करोगे, तो सब लोगों में से तुम ही मेरा निज धन ठहरोगे, समस्त पृथ्वी तो मेरी है, और तुम मेरी दृष्टी में याजकों का राज्य और पवित्र जाति ठहरोगे।”
* **13:04** परमेश्वर ने उन्हें **वाचा** दी और कहा, “मैं तेरा परमेश्वर यहोवा हूँ, जो तुझे दासत्व के घर अथार्त् मिस्र देश से निकाल लाया है। तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।”
* **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह **वाचा** याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे।
* **21:05** भविष्यवक्ता यिर्मयाह के माध्यम से, परमेश्वर ने वादा किया कि वह एक **नई वाचा** का निर्माण करेगा, लेकिन सिनाई में इस्राएल के साथ की गई वाचा की तरह नहीं। **नई वाचा** में, परमेश्वर लोगों के दिलों पर अपना नियम लिखेगा, लोग परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानेंगे, वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर उनके पापों को क्षमा करेगा। मसीहा **नई वाचा** शुरू करेगा।
* **21:14** मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से, परमेश्वर पापियों को बचाने और **नई वाचा** शुरू करने की अपनी योजना को पूरा करेगा।
* **38:05** तब यीशु ने एक प्याला लिया और कहा, “इसे पी लो। यह मेरी **नई वाचा** का लहू है जो पापों की क्षमा के लिए बहाया जाता है। इसे पी कर हर बार मुझे याद करने के लिए करें।”
* **48:11** लेकिन परमेश्वर ने अब एक **नई वाचा** बाँधी है जो सभी के लिए उपलब्ध है। इस **नई वाचा** के कारण, किसी भी समूह का कोई भी व्यक्ति यीशु पर विश्वास करके परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बन सकता है।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1285, H2319, H3772, G802, G1242, G4934

### विधि, विधियां

#### परिभाषा:

विधि विशेष लिखित नियम है जो मनुष्यों के जीवन के लिए मार्ग स्पष्ट करता है।

* शब्द "क़ानून" "अध्यादेश" और "आज्ञा" और "नियम" और "डिक्री" के समान है। इन सभी शर्तों में उन निर्देशों और आवश्यकताएं शामिल हैं जिनमें परमेश्वर अपने लोगों या शासकों को उनके लोगों को देता है।
* राजा दाऊद कहता था कि वह यहोवा की विधियों से प्रसन्न रहता था।
* “विधि” का अनुवाद “विशिष्ट आज्ञाएं” या “विशेष आदेश” रूप मैं किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [आज्ञा](../kt/command.md), [आदेश](../other/decree.md), [कानून](../kt/lawofmoses.md), [अध्यादेश](../other/ordinance.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* 1 राजा 11:11-13
* व्यवस्थाविवरण 06:20-23
* यहेजकेल 33:14-16
* गिनती 19:1-2

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2706, H2708, H6490, H7010

### विधि, विधियों

#### परिभाषा:

विधि सार्वजनिक नियम या विधान होता है जिसमें जनता द्वारा पालन करने का निर्देशन एवं नियम होते हैं। यह शब्द “अभिषेक” का समानार्थक शब्द है।

* कभी-कभी नियम वर्षों के अभ्यास के बाद स्थापित प्रथा भी होता था।
* बाइबल में अध्यादेश या परमेश्वर की आज्ञाएं परमेश्वर द्वारा इस्राएलियों के दिए गए निर्देश थे कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। कभी-कभी परमेश्वर ने उन्हें हमेशा के लिए ऐसा करने का आदेश दिया।
* “आज्ञाओं” को “सार्वजनिक आदेश” या “नियम” या “विधान” अनुवाद किया जा सकता है परन्तु प्रकरण के अनुसार।

(यह भी देखें: [आज्ञा](../kt/command.md), [आदेश](../other/decree.md), [नियम](../kt/lawofmoses.md), [अभिषेक करना](../other/ordain.md), [विधि](../other/statute.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* व्यवस्थाविवरण 04:13-14
* निर्गमन 27:20-21
* लैव्यव्यवस्था 08:31-33
* मलाकी 03:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2706, H2708, H4687, H4931, H4941, G1296, G1345, G1378, G1379, G2937, G3862

### विनती, विनती की, विनती की, कंगाल

#### परिभाषा:

“विनती” अर्थात किसी से किसी बात का साग्रह निवेदन करना। इसका संदर्भ पैसा मांगने से है परन्तु इसका अभिप्राय किसी बात का निवेदन करने से भी है।

* मनुष्य घोर आवश्यकता में विनती या याचना करता है परन्तु प्राप्त करने का निश्चय नहीं होता है।
* “भिखारी” वह मनुष्य है जो सार्वजनिक स्थानों में बैठकर या खड़ा होकर मनुष्यों से पैसा मांगता है।

प्रकरण के अनुवाद इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “विनती करना” या “साग्रह निवेदन करना” या “पैसा मांगना” या “सदैव पैसा मांगना”

(यह भी देखें: [निवेदन](../other/plead.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* लूका 16:19-21
* मरकुस 06:56
* मत्ती 14:34-36
* भजन 045:12-13

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **10:04** परमेश्वर ने सारे मिस्र देश में मेंढकों को भेज दिया। फ़िरौन ने मेंढकों को दूर ले जाने के लिये मूसा से **विनती की**।
* **29:08** तब राजा ने उसे बुलाकर उस से कहा, ‘हे दुष्ट दास, तू ने जो मुझ से **विनती की**, तो मैं ने तेरा वह पूरा कर्ज़ क्षमा कर दिया।’
* **32:07** दुष्टात्मा ने यीशु से बहुत विनती की, “हमें इस देश से बाहर न भेज।” वहाँ पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुण्ड चर रहा था। दुष्टात्मा ने उससे **विनती** करके कहा “ कृपया हमें उन सूअरों में भेज दे कि हम उनके भीतर जाए!”
* **32:10** तो वह आदमी जिसमें पहले दुष्टात्मा थी, “यीशु के साथ जाने विनती करने लगा ।”
* **35:11** उसका पिता बाहर आया और उसे सबके साथ जश्न मनाने के लिये उससे **विनती करने** लगा परन्तु उसने मना कर दिया।”
* **44:01** एक दिन पतरस और यूहन्ना प्रार्थना करने के लिये मन्दिर में जा रहे थे। तब उन्होंने एक लंगड़े भिखारी को देखा जो पैसों के लिए **भीख माँग रहा था**।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H34, H7592, G154, G1871, G4319, G4434, G6075

### विश्वास, भरोसा, विश्वसनीय, भरोसेमंद, विश्वसनीयता

#### परिभाषा:

किसी वस्तु या व्यक्ति पर “भरोसा” करने से तात्पर्य उस वस्तु या व्यक्ति को सच्चा एवं भरोसेमंद मानने से है। उस विश्वास को "भरोसा" भी कहा जाता है। “विश्वासयोग्य” मनुष्य पर भरोसा किया जा सकता है कि वह सही और सत्य को कहे और करे, और इसलिए जिसकी "विश्वसनीयता" की गुणवत्ता है।

* भरोसा, विश्वास से संबन्धित है जब हम किसी पर भरोसा करते हैं तब हम उस पर विश्वास करते हैं कि उसने जिस बात की प्रतिज्ञा की है उसे वह पूरा करेगा।
* किसी पर भरोसा करने का अर्थ है उस पर निर्भर रहना।
* मसीह “पर भरोसा” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर है, कि वह हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए क्रूस पर मरा और हमारे उद्धार के लिए उस पर निर्भर रहना।
* “एक "भरोसेमंद कहावत" कुछ ऐसा करने के लिए संदर्भित करता है जिसे सच माना जा सके।

#### अनुवाद के लिए सुझाव:

* “भरोसा” के अनुवाद में, “विश्वास” या “यकीन” या “पक्की आशा” या “निर्भर रहना” शामिल हो सकते हैं।
* “में भरोसा रखो” का अर्थ “भरोसा रखने” से मिलता जुलता है।
* शब्द "भरोसेमंद" का अनुवाद “विश्वासयोग्य” या “विश्वास के योग्य” या “सदैव भरोसे में है” हो सकता है।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believe.md), [आत्मविश्वास](../other/confidence.md), [विश्वास](../kt/faith.md), [विश्वासयोग्य](../kt/faithful.md), [सत्य](../kt/true.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 09:22-24
* 1 तीमुथियुस 04:9-10
* होशे 10:12-13
* यशा. 31:1-2
* नहेमायाह 13:12-14
* भजन 031:5-7
* तीतुस 03:8

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर **भरोसा किया** और विश्वास करने लगे कि मूसा परमेश्वर का एक नबी है।
* **14:15\_\_यहोशू एक अच्छा अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर \_\_विश्वास** करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
* **17:02\_\_दाऊद एक बहुत ही नम्र व धर्मी पुरुष था, जो परमेश्वर पर \_\_विश्वास** और उसकी आज्ञाओं का पालन करता था।
* **34:06** फिर यीशु ने उन लोगों के बारे में एक कहानी बताई जो अपने स्वयं के अच्छे कर्मों पर **विश्वास** रखते थे और अन्य लोगों के साथ घृणा करते थे।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H539, H982, H1556, H2620, H2622, H3176, H4009, H4268, H7365, G1679, G3872, G3982, G4006, G4100, G4276

### विश्वास, विश्वासी, अविश्वास, अविश्वासी

#### परिभाषा:

“विश्वास” और “विश्वास करना” निकट संबन्ध में हैं परन्तु इसके अर्थ में अन्तर बहुत कम है।

#### 1. विश्वास

* किसी पर विश्वास करना अर्थात स्वीकार करना या भरोसा रखना की यह सच है।
* किसी पे विश्वास करना अर्थात यह मानना की उस व्यक्ति ने जो कहा वह सच है।

#### 2. विश्वास करने

* किसी व्यक्ति पर "विश्वास करने" का अर्थ उस व्यक्ति पर "भरोसा" रखना है। भरोसा करने का अर्थ है कि वह व्यक्ति जो कहता है वह हमेशा सच्चाई से बोलता है, और वह करेगा जो उसने करने का वादा किया है।
* जब कोई व्यक्ति वास्तव में किसी चीज़ में विश्वास करता है, तो वह ऐसे तरीके से कार्य करेगा जो इस विश्वास को दर्शाता है।
* वाक्यांश "किसी में विश्वास करना" का अर्थ के रूप में "में विश्वास है।"
* “मसीह पर विश्वास” करने का अर्थ है विश्वास करना कि वह परमेश्वर का पुत्र है, वह स्वयं परमेश्वर है जो मनुष्य बना और हमारे पापों का दण्ड उठाने के लिए मारा गया। इसका अर्थ भरोसा रखना की वे उद्धारक है और ऐसा जीवन जीना जिससे उसका सम्मान हो।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “विश्वास करना” का अनुवाद “जानना की सत्य है” या “उचित होने का ज्ञान” किया जा सकता है।
* “में विश्वास करना” का अनुवाद “पूर्ण भरोसा” या “विश्वास करना” एवं “आज्ञा मानना” या “पूर्ण निर्भर होकर अनुसरण करना” हो सकता है।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/faith.md), प्रेरित, मसीह, शिष्य, [विश्वास](../kt/believer.md), भरोसा)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति, 15:06
* उत्पत्ति, 45:26
* अय्यूब, 09:16-18
* हबक्कूक, 01:5-7
* मरकुस, 06:4-6
* मरकुस, 01:14-15
* लूका 09:41
* यूहन्ना, 01:12
* प्रे.का., 06:05
* प्रे.का., 09:42
* प्रे.का., 28:23-24
* रोमियों 03:03
* 1 कुरिन्थियों 06:01
* 1 कुरिन्थियों, 09:05
* 2, कुरिन्थियों 06:15
* इब्रानियों 03:12
* 1 यूहन्ना, 03:23

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

**03:04** नूह ने लोगों को बाढ़ के विषय में चेतावनी दी , और कहा कि परमेश्वर की ओर मन फिराओ पर उन्होंने नूह पर **विश्वास** नहीं किया।

**04:08** अब्राम ने परमेश्वर की वाचा पर **विश्वास** किया। परमेश्वर ने घोषित किया कि अब्राम धर्मी है, क्योंकि उसने परमेश्वर की वाचा पर **विश्वास किया** है।

**11:02** परमेश्वर ने कहा कि, वो मनुष्य जो उस पर **विश्वास करेंगा** वह उसके पहिलौठे पुत्र को बचाएगा।

**11:06** **परन्तु मिस्र के लोग परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते थे या उसकी आज्ञा का पालन नहीं करते थे।**

**37:05** यीशु ने उससे कहा, “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ। जो कोई मुझ पर **विश्वास करता** है वह यदि मर भी जाए तौभी जीएगा। और हर कोई जो मुझ पर **विश्वास करता** है वह कभी न मरेंगा। क्या तू इस बात पर **विश्वास करती** है?”

**43:01** **यीशु के स्वर्ग लौटने के बाद, चेले यरूशलेम में ही रहे क्योंकि यीशु ने उन्हें ऐसा करने की आज्ञा दी थी। वहाँ के विश्वासी लगातार प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे हुए।**

***\*43:03 जब सभी विश्वासी एक साथ थे, अचानक वह घर जहाँ वे थे एक तेज आवाज की वायु से भर गया\**** । उन्हें आग के समान जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरी।

**43:13 प्रतिदिन, बहुत से लोग विश्वासी बन गये**।

**46:06** **उस दिन से यरूशलेम में बहुत से लोगों ने यीशु के अनुयायियों को सताना शुरू कर दिया, इसलिए विश्वासी अन्य स्थानों पर भाग गए। लेकिन इसके बावजूद, जहाँ भी वे गए उन्होंने यीशु के बारे में प्रचार किया।**

***\*46:01\**** ***शाऊल वह युवक था, जिसने स्तिफनुस की हत्या करने वाले लोगों के परिधानों पर पहरा दिया था। वह यीशु पर विश्वास नहीं करता था, इसलिए उसने विश्वासियों को सताया।***

**46:09** कुछ लोग **यरूशलेम के** क्लेश के कारण तितर-बितर हो गए थे, और अन्ताकिया में पहुँच कर यीशु के बारे में प्रचार किया**। यह वही जगह है जहाँ पहली बार यीशु के विश्वासी को** **"मसीह" कहा गया था**।

**47:14** **उन्होंने कलीसियाओं में विश्वासियों को प्रोत्साहित करने और सिखाने के लिए कई पत्र भी लिखे।**

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H539, H540, G543, G544, G569, G570, G571, G3982, G4100, G4102, G4103, G4135

### विश्वास

#### परिभाषा:

सामान्यतः “विश्वास” का अर्थ है किसी मनुष्य या वस्तु में आस्था, भरोसा या “विश्वास”।

* “विश्वास होना” अर्थात स्वीकार करना कि किसी ने कुछ कहा या किया तो वह सच है और विश्वासयोग्य है।
* “यीशु में विश्वास” का अर्थ है, यीशु के बारे में परमेश्वर की सब शिक्षाओं को मानना। इसका अर्थ विशेष करके यह है मनुष्य यीशु में और उनके पाप मोचन तथा पाप के दण्ड से मुक्ति के उसके बलिदान में विश्वास करे।
* यीशु में सच्चा विश्वास मनुष्य में आत्मिक फल या अच्छा व्यवहार उत्पन्न करता है क्योंकि उसमें पवित्र आत्मा का अन्तर्वास होता है।
* कभी-कभी “विश्वास” यीशु के बारे में सब शिक्षाओं के संदर्भ में होता है। जैसा इस अभिव्यक्ति, “विश्वास के सत्य” में है।
* "विश्वास को थामे रहना" तथा विश्वास को त्याग देने में विश्वास मसीह में आस्था को दर्शाता है जिसमें मनुष्य यीशु के बारे में सब शिक्षाओं को ग्रहण करता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

कुछ संदर्भों में “विश्वास” का अनुवाद “आस्था-श्रद्धा” या “अधिकार” या “निश्चिय” या “भरोसा” किया जा सकता है।

कुछ भाषाओं में इन शब्दों का अनुवाद “विश्वास करना” के क्रिया रूपों द्वारा किया जा सकता है। [भाववाचक संज्ञा](rc://*/ta/man/translate/figs-abstractnouns))

"विश्वास रखना" का अनुवाद "यीशु पर विश्वास करना" या "यीशु पर विश्वास जारी रखें" द्वारा अनुवादित किया जा सकता है।

ये वाक्य "विश्वास की गहरी सच्चाइयों को पकड़ना" का अनुवाद, "उन्हें यीशु के बारे में सारी सच्ची बातें मानना चाहिए जो उन्हें सिखाया गया हैके रूप में किया जा सकता है ।"

"विश्वास में मेरा सच्चा पुत्र" शब्द का अनुवाद "मेरे पुत्र के समान है क्योंकि मैंने उसे यीशु पर विश्वास करने के लिए सिखाया था" या "मेरा सच्चा आध्यात्मिक पुत्र, जो यीशु पर विश्वास करता है" का अनुवाद किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believe.md), [विश्वासयोग्य](../kt/faithful.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 तीमुथियुस 04:6-8
* प्रे.का. 06:7
* गलतियों 02: 20-21
* याकूब 02:18-20

#### बाइबल कहानियों के उदाहरण:

* **05:06** जब इसहाक जवान था, तो परमेश्वर अब्राहम के **विश्वास** की परीक्षा लेते हुए कहा, की अपने एकमात्र बेटे को लेकर बलिदान के रूप में मार डालो।
* **31:07** फिर उसने (यीशु) पतरस से कहा, "तुम थोड़े **विश्वास** वाले व्यक्ति, तुमने शक क्यों किया?"
* **32:16** यीशु ने उससे कहा, "तुम्हारे **विश्वास** ने तुमको चंगा किया है। शान्ति से जाओ।"
* **38:09** यीशु ने पतरस से कहा, “शैतान तुम सबकी परीक्षा लेना चाहता है, परन्तु मैंने तुम्हारे लिये प्रार्थना की है, पतरस, तेरा **विश्वास** कमज़ोर नहीं होगा।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H529, H530, G1680, G3640, G4102, G6066

### वेदी, वेदियों

#### परिभाषा:

वेदी एक पत्थर निमित ऊंचा स्थान होता था जिस पर इस्राएली परमेश्वर के लिए पशु या अन्न होम करके बलि करते थे।

* बाइबल के युग में मिट्टी या बड़े-बड़े पत्थरों को एक साथ रखकर टीला सा बनाया जाता था।
* कुछ विशेष वेदियां लकड़ी के बक्से जैसी बनाई जाती थी जिन पर सोना, पीतल या कांसा चढ़ाया जाता था।
* इस्राएल के पड़ोस की जातियां भी अपने देवताओं के लिए वेदियां बनाती थी।

(यह भी देखें: [धूप जलाने की वेदी](../other/altarofincense.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [अन्नबलि](../other/grainoffering.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 08:20-22
* उत्पत्ति 22:9-10
* याकूब 02:21-24
* लूका 11:49-51
* मत्ती 05:23-24
* मत्ती 23:18-19

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **03:14** उसने एक **वेदी** बनाई, जिसे बलिदान के लिये इस्तमाल किया जा सके और सभी तरह के जन्तुओ का बलिदान दिया।
* **05:08** जब वे बलिदान की जगह पर पहुंच गए, तो अब्राहम ने अपने पुत्र इसहाक को बांध दिया और उसे **वेदी** पर रख दिया।
* **13:09** एक पुरोहित ने पशु को मारकर उसे **वेदी** पर जला दिया।
* **16:06** उसने(गिदोन) एक नई वेदी बनाई जो परमेश्वर यहोवा के लिए बनाई वह पहिले देवताओं की मूर्ति के वेदी के पास समर्पित किया जाता था और उसमें देवताओं को बलिदान दिया जाता था।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H741, H2025, H4056, H4196, G1041, G2379

### व्यवस्था, मूसा की व्यवस्था, परमेश्वर की व्यवस्था, यहोवा की व्यवस्था

#### परिभाषा:

ये सब शब्द आज्ञाओं और इस्राएल के पालन हेतु परमेश्वर द्वारा मूसा को दिए गए आदेशों का संदर्भ देते हैं। “व्यवस्था” और “परमेश्वर की व्यवस्था” सामान्यतः उन सब बातों के संदर्भ में उपयोग किए गए है जो परमेश्वर चाहता है कि उसकी प्रजा माने।

* प्रकरण के आधार पर “व्यवस्था” का अभिप्राय होगाः
* पत्थर की पट्टियों पर इस्राएल के पालन करने हेतु परमेश्वर द्वारा दस आज्ञाएं।
* मूसा को दिए गए सब नियम
* पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें
* संपूर्ण पुराना नियम (जिसे नये नियम में पवित्रशास्त्र कहा गया है।)
* परमेश्वर के सब आदेश एवं इच्छा
* “व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता” नये नियम में इब्रानी धर्मशास्त्र (या पुराने नियम) के लिए काम में ली गई उक्ति है।

#### अनुवाद के सुझाव

* इस शब्द का अनुवाद बहुवचन में “व्यवस्थाएं” किया जा सकता है क्योंकि वे अनेक हैं।
* “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद हो सकता है, “इस्राएल को देने के लिए परमेश्वर ने मूसा को जो नियम सुनाए”।
* प्रकरण के आधार पर “मूसा की व्यवस्था” का अनुवाद, “मूसा को सुनाए गए परमेश्वर के नियम” या “मूसा द्वारा लिखे गए परमेश्वर के नियम” या "नियम जो कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को देने के लिए मूसा को दिया था" के रूप में हो सकता है।
* “व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” या “परमेश्वर की व्यवस्था” के अनुवाद में, “परमेश्वर से प्राप्त नियम” या “परमेश्वर की आज्ञाएं” या “परमेश्वर ने जो नियम दिए” या “परमेश्वर द्वारा आदेशित सब बातें” या “परमेश्वर के सब आदेश” भी शामिल हो सकते है।
* “यहोवा की व्यवस्था” का अनुवाद , “यहोवा की व्यवस्था” या “परमेश्वर द्वारा पालन हेतु उच्चारित नियम” या “यहोवा की आज्ञानुसार बातें” के रूप में भी हो सकता है।

(यह भी देखें: [निर्देश](../other/instruct.md), [मूसा](../names/moses.md), [दस आज्ञाएं](../other/tencommandments.md), [उचित](../other/lawful.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* प्रे.का. 15:5-6
* दानिय्येल 09:12-14
* निर्गमन 28:42-43
* एज्रा 07:25-26
* गलातियों 02:15-16
* लूका 24:44
* मत्ती 05:17-18
* नहेमायाह 10:28-29
* रोमियो 03:19-20

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **13:07** परमेश्वर ने और भी बहुत सी **व्यवस्थाओं** व नियमों का पालन करने के लिये कहा। यदि वह लोग इन **व्यवस्थाओं** का पालन करेंगे, तो परमेश्वर अपनी वाचा के अनुसार उन्हें आशीष और उनकी रक्षा करेंगा। यदि वे इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो वह दण्ड के पात्र बनेंगे।\
* **13:09** जो कोई भी **परमेश्वर के व्यवस्थाओं** का उल्लंघन करता है, वह मिलापवाले तम्बू के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।\
* **15:13** तब यहोशू ने इस्राएलियों को वह वाचा याद दिलाई जो उन्होंने परमेश्वर के साथ सीनै पर्वत पर बाँधी थी, कि वह उसका पालन करेंगे। इस्राएलियों ने वाचा बाँधी थी कि वे परमेश्वर के प्रति निष्ठावान रहेंगे व उसकी **आज्ञाओ** का पालन करेंगे।
* **16:01\_\_यहोशू के मरने के बाद, इस्राएलियों ने परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया और न ही \_\_परमेश्वर की व्यवस्थाओं** का पालन किया और न ही बचे हुए कनानियो को बाहर निकाला।\
* **21:05** नई वाचा में परमेश्वर अपनी **व्यवस्था** उनके ह्रदय पर लिखेगा, और लोग परमेश्वर को जानेंगे कि वह परमेश्वर के लोग है, और परमेश्वर उनका अधर्म क्षमा करेगा।\
* **27:01** यीशु ने उत्तर दिया, “**परमेश्वर की व्यवस्था** में क्या लिखा है?”\
* **28:01** यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे ‘उत्तम’ क्यों कहता है?” जो उत्तम है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है। लेकिन यदि तू अनन्त जीवन का वारिस बनना चाहता है, तो **परमेश्वर की आज्ञाओं** का पालन करना।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H430, H1881, H1882, H2706, H2710, H3068, H4687, H4872, H4941, H8451, G2316, G3551, G3565

### व्यवस्था, व्यवस्थाएं, व्यवस्था देनेवाला, अपराधी, अपराधियों, मुकदमा, वकील, सिद्धांत, सैद्धांतिक, सिद्धांत

#### परिभाषा:

“व्यवस्था” वैधानिक नियम होते हैं, जो प्रायः लिखे हुए रहते हैं और अधिकारी द्वारा लागू किए जाते हैं। “सिद्धान्त” निर्णय लेने और व्यवहार करने के दिशा-निर्देशक नियम हैं।

* "व्यवस्था" एक "नियम" के समान है, लेकिन "व्यवस्था" शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर बोली जाने वाली किसी चीज़ के संदर्भ में किया जाता है।
* “व्यवस्था” और "सिद्धान्त" दोनों ही मनुष्य के व्यवहार के दिशा-निर्देशक सामान्य नियम या मान्यताएँ होते हैं।
* “व्यवस्था” का अर्थ “मूसा की व्यवस्था” के अर्थ से भिन्न है क्योंकि यह परमेश्वर द्वारा इस्राएल को दी गई आज्ञाएँ एवं निर्देशन थे।
* जब एक सामान्य नियमों को "व्यवस्था" संदर्भित किया गया है “सिद्धान्त” या “सार्वजनिक नियम” के रूप में अनुवाद किया सकता है।

(यह भी देखें: [मूसा की व्यवस्था](../kt/lawofmoses.md), [नियम](../other/law.md), [आज्ञा](../kt/command.md), [घोषित](../other/declare.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* व्यव. 04:02
* एस्तेर 03:8-9
* निर्गमन 12:12-14
* उत्पत्ति 26:05
* यूह. 18:31
* रोमियो 07:1

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H1285, H1881, H1882, H2706, H2708, H2710, H4687, H4941, H6310, H7560, H8451, G1785, G3548, G3551, G4747

### व्याकुल, ललकारने, घबरा गया

#### तथ्य:

व्याकुल का अर्थ है किसी हानि के प्रति सतर्क करना। “घबरा जाना” किसी खतरनाक या डरावनी बात से चिन्तित एवं भयभीत होना।

* राजा यहोशापात मोआबियों द्वारा यहूदा पर आक्रमण करने की योजना के बारे में सुनकर घबरा गया था।
* यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि जब वे अन्तिम दिनों में मुसीबतों की चर्चा सुनें तो घबराएं नहीं।
* “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” अर्थात सतर्क करना। प्राचीन युग में मनुष्य तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना बजाकर चेतावनी देता था।

#### अनुवाद के सुझाव

* “किसी को घबरा देना” अर्थात “किसी को चिन्तित करना” या “किसी को परेशानी में डाल देना”।
* “घबराना” का अनुवाद हो सकता है, “चिन्तित होना” या “डर जाना” या “बहुत परेशान हो जाना”।
* “तुरहियों को साँस बाँधकर फूँकना” का अनुवाद “सार्वजनिक चेतावनी” या “संकट के आने की घोषणा” या “खतरे के बारे में चेतावनी देने के लिए तुरही फूंका”।

(यह भी देखें: [यहोशापात](../names/jehoshaphat.md), [मोआब](../names/moab.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* दानिय्येल 11:44-45
* यिर्मयाह 04:19-20
* गिनती 10:9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7321, H8643

### शपथ, शपथ, शपथ खा, शपथ खाए, शपथ खाकर, शपथ खाके, की शपथ खाता है

#### परिभाषा:

बाइबल में “शपथ” का अर्थ है किसी काम को करने की औपचारिक प्रतिज्ञा। शपथ मानने वाले के लिए आवश्यक है कि वह उस प्रतिज्ञा को पूरा करे। शपथ में विश्वासयोग्य एवं सच्चा होने का समर्पण होता है।

* न्यायलय में गवाह शपथ खाता है कि वह जो भी कहेगा वह सच एवं तथ्य आधारित होगा।
* बाइबल में “शपथ” खाने का अर्थ है अखण्ड प्रतिज्ञा करना।
* “की शपथ खाना” अर्थात किसी स्थान या व्यक्ति के नाम को आधार या शक्ति मानना जिसके नाम पर शपथ खाई गई है।
* कभी-कभी इन दोनों शब्दों को एक साथ काम में लिया जाता है, “शपथ खिलाई”।
* अब्राहम और अबीमेलेक ने शपथ खाई थी जब उन्होंने कुएं को एक साथ उपयोग करने की वाचा बांधी थी।
* अब्राहम ने अपने सेवक को शपथ (विधिवत प्रतिज्ञा) खिलाई थी कि वह अब्राहम के परिजनों में से इसहाक के लिए पत्नी लाएगा।
* परमेश्वर भी शपथ खाता था जिसमें वह अपनी प्रजा से प्रतिज्ञा करता था।
* आज इस शब्द का अर्थ है “अभद्र भाषा का उपयोग करना”। बाइबल में ऐसा अर्थ नहीं है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “शपथ” का अनुवाद “वचन देना” या “अखण्ड प्रतिज्ञा करना”
* “वचन देना” का अनुवाद “विधिवत प्रतिज्ञा करना” या “प्रण करना” या “किसी काम को करने का समर्पण करना”।
* “मेरे नाम की शपथ खाना” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “मेरे नाम से दृढ़ करने के लिए प्रतिज्ञा करना”
* “स्वर्ग और पृथ्वी की शपथ खाना” का अनुवाद “किसी बात की प्रतिज्ञा करके कहना कि आकाश और पृथ्वी उसे दृढ़ करते हैं”।
* सुनिश्चित करें कि “शपथ खाना” का अभिप्राय कोसने से न हो। बाइबल में ऐसा कोई आशय नहीं है।

(यह भी देखें: [अबीमेलेक](../names/abimelech.md), [वाचा](../kt/covenant.md), [शपथ](../kt/vow.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 21:22-24
* उत्पत्ति 24:1-4
* उत्पत्ति 31:51-53
* उत्पत्ति 47:29-31
* लूका 01:72-75
* मरकुस 06:26-29
* मत्ती 05:36-37
* मत्ती 14:6-7
* मत्ती 26:71-72

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H422, H423, H3027, H5375, H7621, H7650, G332, G3660, G3727, G3728

### शब्द, स्वर

#### परिभाषा:

“शब्द” का उपयोग प्रायः बोलने या विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए किया गया है।

परमेश्वर अपने शब्द को कहता है यद्यपि उसका शब्द मनुष्य जैसी नहीं है।

शब्द संपूर्ण मनुष्य का संदर्भ देती है जैसे “जंगल में एक पुकारने वाले का शब्द सुनाई देता है, प्रभु का मार्ग तैयार करो।” इसका अनुवाद हो सकता है, “जंगल में एक मनुष्य की पुकार सुनी जाती है”।

“किसी की वाणी सुनना” अर्थात “किसी को बोलते सुनना”।

कभी कभी "शब्द" का प्रयोग ऐसी वस्तुओं के लिए भी किया गया है जो बोल नहीं सकती, जैसे दाऊद लिखता है कि परमेश्वर की अद्भुत सृष्टि उसके कामों का वर्णन करती है, अर्थात् उनके शब्द उनकी महानता की घोषणा करती है। इसका अनुवाद हो सकता हैः "उनकी गरिमा परमेश्वर की महिमा का वर्णन कर रही है।"

(यह भी देखें: [बुलाहट](../kt/call.md), [प्रचार करना](../other/proclaim.md), [वैभव](../other/splendor.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यूहन्ना 05:36-38
* लूका 01:42-45
* लूका 09:34-36
* मत्ती 03:16-17
* मत्ती 12:19-21

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6963, H7032, H7445, H8193, G2906, G5456, G5586

### शान्ति, शान्ति दी, शान्तिदाता, शान्ति नहीं मिली

#### परिभाषा:

“शान्ति” और “शान्ति देनेवाला” का सन्दर्भ उस व्यक्ति से है जो शारीरिक या भावनात्मक दर्द से पीड़ित की सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।

* शान्ति देने वाले को शान्तिदाता कहते हैं।
* पुराने नियम में “शान्ति देना” परमेश्वर की प्रजा के लिए उसकी दया और उसके प्रेम और कष्टों में उनकी सहायता का वर्णन करने के लिए काम में लिया गया है।
* नये नियम में कहा गया है कि परमेश्वर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपने लोगों को शान्ति प्रदान करेगा। जिन्हें शान्ति मिलती है वे बदले में कष्ट उठानेवालों को शान्ति देंगे।
* “इस्राएल का शान्ति दाता” मसीह के संदर्भ में है जो अपने लोगों का उद्धार करेगा।
* यीशु ने पवित्र आत्मा को सहायक कहा जो यीशु में विश्वास करनेवालों की सहायता करेगा।

#### अनुवाद के सुझाव:

प्रकरण के अनुसार “शान्ति देना” का अनुवाद हो सकता है, “कष्टमोचन” या “या "(किसी को) दु:ख से उबरने में सहायता" या "प्रोत्साहित करते हैं" या "सांत्वना।"

“हमारी शान्ति ” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “हमारी प्रोत्साहन” या "हमारी (किसी के) सांत्वना" या "दुःखी होने के समय हमारी सहायता"।

शब्द "शान्ति देनेवाला" का अनुवाद "कोई व्यक्ति शान्ति देता है" या "कोई व्यक्ति जो दर्द को कम करने में सहायता करता है" या "कोई व्यक्ति जो प्रोत्साहित करता है"।

जब पवित्र आत्मा को "शान्ति देनेवाला" कहा गया तो इसका अनुवाद "प्रोत्साहनकर्ता" या "सहायक" या "जो सहायता और मार्गदर्शन करता है।"

वाक्यांश "इस्राएल की शान्ति" का अनुवाद "मसीहा जो इस्राएल को शान्ति प्रदान करता है" के रूप में किया जा सकता है।

एक अभिव्यक्ति की तरह, "उनके पास कोई शान्ति देनेवाला नहीं" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "कोई भी उन्हें शान्ति नहीं देता" या "उन्हें प्रोत्साहित करने या उनकी मदद करने के लिए कोई नहीं है।"

(यह भी देखें: [प्रोत्साहित करना](../kt/exhort.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 05:8-11
* 2 कुरिन्थियों 01:3-4
* 2 शमूएल 10:1-3
* प्रे.का. 20:11-12

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2505, H5150, H5162, H5165, H5564, H8575, G302, G3870, G3874, G3875, G3888, G3890, G3931

### शान्ति,शान्त, शांतिपूर्ण, शांतिपूर्वक, शंतियोग्य, शांति बनाने वाले

#### परिभाषा:

“शान्ति” शब्द वह परिस्थिति है जब किसी भी प्रकार का झगड़ा या चिन्ता या भय न हो। “शांतिपूर्ण” मनुष्य नीरवता का अनुभव करता है और उसे सुरक्षा का विश्वास होता है।

* पुराने नियम में, "शांति" शब्द का सामान्य अर्थ अक्सर किसी व्यक्ति की समृद्धि, कल्याण या पूर्णता होता है।
* “शान्ति” उस समय को भी दर्शाती है जब जातियां और देश आपस में युद्ध नहीं करते हैं। इन लोगों के “शांतिपूर्ण संबन्ध” कहलाते हैं।
* किसी मनुष्य का समुदाय के साथ “शान्ति स्थापित” का करने का अर्थ है युद्ध रोकने का प्रयास करना।
* “शान्ति बनाने वाला” वह मनुष्य है जो मनुष्यों को परस्पर शान्ति में रहने के लिए काम करता है या प्रभावित करनेवाली बातें करता है।
* मनुष्यों के साथ “शान्ति बनाए रखने” का अर्थ है उन लोगों के खिलाफ नहीं लड़ने की स्थिति में होना।
* परमेश्वर और मनुष्यों में अच्छे एवं उचित संबन्ध तब उत्पन्न होते हैं जब परमेश्वर मनुष्यों के पापों से बचा लेता है। इसे "परमेश्वर के साथ मेल" कहते हैं।
* “अनुग्रह और शान्ति” का अभिवादन प्रेरित अपने पत्रों में विश्वासियों को आशीर्वाद स्वरूप लिखते थे।
* “शान्ति” शब्द का संदर्भ मनुष्यों के साथ या परमेश्वर के साथ उचित संबन्ध में रहने से भी है।

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 थिस्सलुनीकियों 05:1-3
* प्रेरि. 07:26
* कुलुस्सियों 01:18-20
* कुलुस्सियों 03:15
* गलातियों 05:23
* लूका 07:50
* लूका 12:51
* मरकुस 04:39
* मत्ती 05:9
* मत्ती 10:13

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **15:06** परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी ,कि वह कनान में लोगों के किसी भी समूह के साथ समझौता **संधि** स्थापित न करे,
* **15:12\_\_तब परमेश्वर ने इस्राएलियों को सारी सीमा के साथ \_\_शांति** प्रदान की।
* **16:03\_\_तब परमेश्वर ने एक उद्धारकर्ता प्रदान किया, जिन्होंने उन्हें अपने शत्रुओं से बचाया और देश में \_\_शांति** लाई।
* **21:13** वह अन्य लोगों के पापों के कारण मारा जाएगा। उसके दण्डित होने से परमेश्वर और लोगों के बीच में **शान्ति** स्थापित होगी।
* **48:14** दाऊद इस्राएल का राजा था, लेकिन यीशु पूरे ब्रह्मांड का राजा है! वह फिर से आएगा, और अपने राज्य पर न्याय और **शांति** के साथ हमेशा राज्य करेगा।
* **50:17** यीशु अपने राज्य पर **शान्ति** व न्याय के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H5117, H7961, H7962, H7965, H7999, H8001, H8002, H8003, H8252, G269, G1514, G1515, G1516, G1517, G1518, G2272

### शासन, नियम, शासित, शासक, शासकों, हाकिमों, निर्णयों, फैसलों, अतिरंजित

#### परिभाषा:

“शासक” सामान्यतः एक व्यक्ति जो अन्य लोगों पर अधिकार रखता है, जैसे किसी देश, राज्य, या धार्मिक संप्रदाय का अगुआ। एक शासक एक है जो "नियम" और उसका अधिकार उसका "नियम" है।

* पुराने नियम में राजा को भी अधिपति कहा जाता था जैसे इस वाक्य में है, “इस्त्राएल पर अधिपति ठहराया”
* परमेश्वर को सबसे बड़ा राजा कहा गया है जो राजाओं का राजा है।
* नये नियम में आराधनालय के अगुवे को "अधिपति" कहा गया है।
* नये नियम में एक और अधिपति था जिसे हाकिम कहा गया है।
* प्रकरण के अनुसार “अधिपति” शब्द का अनुवाद “अगुआ” या “अधिकार रखनेवाला मनुष्य” किया जा सकता है।
* “शासन करने” के कार्य का अर्थ है, “अगुआई करना” या “किसी पर अधिकार रखना”। इसका अर्थ वही है जैसे “राज करना” जब राजा के संदर्भ में होता है।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [हाकिम](../other/governor.md), [राजा](../other/king.md), [आराधनालय](../kt/synagogue.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 03:17-18
* प्रे.का. 07:35-37
* लूका 12:11-12
* लूका 23:35
* मरकुस 10:42
* मत्ती. 09:32-34
* मत्ती. 20:25
* तीतुस 03:01

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H995, H1166, H1167, H1404, H2708, H2710, H3027, H3548, H3920, H4043, H4410, H4427, H4428, H4438, H4467, H4474, H4475, H4623, H4910, H4941, H5057, H5065, H5387, H5401, H5461, H5715, H6113, H6213, H6485, H6957, H7101, H7218, H7287, H7300, H7336, H7786, H7860, H7980, H7981, H7985, H7989, H7990, H8199, H8269, H8323, H8451, G746, G752, G755, G757, G758, G932, G936, G1018, G1203, G1299, G1778, G1785, G1849, G2232, G2233, G2525, G2583, G2888, G2961, G3545, G3841, G4165, G4173, G4291

### शुद्ध, शुद्ध करेगा, शुद्ध किया, शुद्ध करना, शुद्ध, शुद्ध होने, धुलाई, धुलाई, धोया, धोया

#### परिभाषा:

“शुद्ध” का अर्थ है मैल या दाग न होना। बाइबल में इसका उपयोग प्रायः प्रतीकात्मक रूप में किया जाता है कि उसका अर्थ “शुद्ध” “पवित्र”, या “पापरहित” हो।

* “शुद्धिकरण” किसी वस्तु को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। इसका अनुवाद “धोना” या “शुद्ध करना” हो सकता है।
* पुराने नियम में परमेश्वर ने इस्राएल को बताया था कि उसने कौन-कौन से पशुओं को “शुद्ध” और कौन-कौन से पशुओं को “अशुद्ध” घोषित किया है। केवल शुद्ध पशु ही खाने और बलि चढ़ाने के लिए काम में लिए जा सकते थे। इस संदर्भ में "शुद्ध" शब्द का अर्थ है कि पशु बलि चढ़ाने में परमेश्वर को ग्रहण योग्य है।
* जिस मनुष्य को त्वचा रोग होता था वह अशुद्ध माना जाता था जब तक कि उसका रोग संक्रमण मुक्त न हो जाए। त्वचा को शुद्धिकरण के निर्देशों का पालन करना आवश्यक था उस मनुष्य को पुनः “शुद्ध” घोषित किया जाने के लिए।
* कभी-कभी “शुद्ध” शब्द को प्रतीकात्मक रूप से नैतिक शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता था।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद “स्वच्छ” एवं “शुद्ध” के लिए काम में आने वाले सामान्य शब्दों में किया जा सकता है।
* इसमें अनुवाद करने के अन्य तरीके शामिल हो सकते हैं, "शुद्ध रूप से साफ" या "परमेश्वर को स्वीकार्य"
* "शुद्ध"; का अनुवाद "धुलाई" या "शुद्ध" द्वारा किया जा सकता है।
* सुनिश्चित करें कि "शुद्ध" और "शुद्ध" के लिए इस्तेमाल किए गए शब्दों को भी एक लाक्षणिक अर्थ में समझा जा सकता है।

(यह भी देखें: अ[पवित्र](../kt/holy.md), दुष्टात्मा, [अशुद्ध](../kt/unclean.md), [बलिदान](../other/sacrifice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति, 07:02
* उत्पत्ति, 07:08
* व्य., 12:15
* भजन-संहिता, 051:07
* नीतिवचन, 20:30
* यहेजकेल, 24:13
* मत्ती 23:27
* लूका 05:13
* प्रे.का. 08:07
* प्रे.का., 10:27-29
* कुलुसियों 03:05
* 1 थिस्लुनिकियों 04:07
* याकूब, 04:08

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1249, H1252, H1305, H2134, H2135, H2141, H2398, H2548, H2834, H2889, H2890, H2891, H2893, H2930, H2931, H2932, H3001, H3722, H5079, H5352, H5355, H5356, H6172, H6565, H6663, H6945, H7137, H8552, H8562, G167, G169, G2511, G2512, G2513, G2839, G2840, G3394, G3689

### शुद्ध, शुद्धि, शुद्धिकरण

#### परिभाषा:

“शुद्ध” अर्थात निर्दोष या “ऐसी कोई वस्तु मिलि न हो जो नहीं होनी चहिए। किसी वस्तु को शुद्ध करना अर्थात उसे किसी भी अशुद्ध या दूषित करनेवाली वस्तु से मुक्त करना, निर्मल बनाना।

* पुराने नियम के आदेशों के अनुसार “शुद्ध करना” और “शुद्ध होना” मुख्यतः किसी वस्तु या मनुष्य को एसी बातों से शुद्ध करना जो वस्तु या मनुष्य को अशुद्ध बनती है जैसे रोग, शारीरिक सुख या सन्तानोत्पत्ति से।
* पुराने नियम में मनुष्यों का पापों से शोधन के भी नियम थे कि कैसे पापों से शुद्ध या मुक्त हुआ जाए आमतौर पर पशुओं के बलिदान से है। परन्तु यह एक अस्थाई व्यवस्था थी, अतः बलि बार-बार चढ़ानी होती थी।
* नये नियम में शुद्ध होने का अर्थ है पापों से धुल जाना।
* मनुष्यों के लिए पूर्ण एवं सिद्ध पाप शोधन केवल मन फिराव और यीशु में विश्वास तथा उसकी मृत्यु के द्वारा परमेश्वर की क्षमा को ग्रहण करने के द्वारा होता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “शुद्ध करने” का अनुवाद हो सकता है, “शुद्ध बनाना” या “साफ करना” या “सब अशुद्धियों को दूर करना” या “पापों से छुटकारा पाना”
* “उनके शुद्ध होने के दिन पूरे हुए” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “जब निश्चित दिनों तक रूकने के बाद उन्होंने स्वयं को शुद्ध कर लिया”
* “पापों से शुद्ध होना” इसका अनुवाद हो सकता है, “मनुष्यों के लिए पापों से पूर्ण शोधन का मार्ग उपलब्ध करा दिया”।
* अनुवाद के अन्य रूप “शुद्ध होना” का अनुवाद “शोधन” या “आत्मिक मार्जन” या “रीति के अनुसार शुद्ध होना” हो सकता है।

(यह भी देखें: [प्रायश्चित](../kt/atonement.md), [शुद्ध](../kt/clean.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 तीमुथियुस 01:5-8
* निर्गमन 31:6-9
* इब्रानियों09:13-15
* याकूब 04:8-10
* लूका 02:22-24
* प्रका. 14:3-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1249, H1252, H1253, H1305, H1865, H2134, H2135, H2141, H2212, H2398, H2403, H2561, H2889, H2890, H2891, H2892, H2893, H3795, H3800, H4795, H5343, H5462, H6337, H6884, H6942, H8562, G48, G49, G53, G54, G1506, G2511, G2512, G2513, G2514

### शेम

#### तथ्यों:

शेम नूह के तीन पुत्रों में से एक था, उत्पत्ति की पुस्तक में वर्णित विश्वव्यापी जल-प्रलय के समय वह नूह के साथ उसके जहाज में था।

* शेम अब्राहम और उसके “वंशजों” का पूर्वज था।
* शेम के वंशज “सामी” कहलाए जो इब्रानी और अरबी भाषा जैसी सामी भाषाएं बोलते थे।
* बाइबल बताती है कि शेम लगभग 600 साल जीवित रहा।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [अरेबिया](../names/arabia.md), [बड़ा जहाज](../kt/ark.md), [प्रलय](../other/flood.md), [नूह](../names/noah.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 05:32
* उत्पत्ति 06:9-10
* उत्पत्ति 07: 13-14
* उत्पत्ति 10:1
* उत्पत्ति 10:30-31
* उत्पत्ति 11: 10-11
* लूका 03:36-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8035, G4590

### श्राप, श्रापित, श्राप दे, कोसता है

#### परिभाषा:

यह शब्द “श्राप” का अर्थ है कि नकारात्मक चीज़े किसी व्यक्ति या चीज़ के साथ हो जिसे श्राप दिया जा रहा है।

* श्राप एक उच्चारण है कि किसी की हानि हो।
* किसी को श्राप देना एक अभिव्यक्ति या मनोकामना भी हो सकता है कि उस व्यक्ति के साथ बुरा हो।
* इसका संदर्भ किसी के लिए किसी के द्वारा दण्ड देना या दिया जाना या कुछ अशुभ सोचना होता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद “अशुभ करवाना” या “अशुभ की घोषणा करना” या “बुरी बातें होने की शपथ खाना”, हो सकता है।
* आज्ञाकारी मनुष्यों पर परमेश्वर के श्राप के संदर्भ में अनुवाद इस प्रकार हो सकता है, “बुराई होने की अनुमति द्वारा दण्ड देना”
* “श्रापित” शब्द जब मनुष्यों के लिए हो तो इसका अनुवाद हो सकता है “(इस व्यक्ति) ज्यादा परेशानी का अनुभव होगा”।
* वाक्यांश "श्रापित होना" का अनुवाद किया जा सकता है, "(उस व्यक्ति) कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है।"
* वाक्यांश, "श्रापित भूमि है" का अनुवाद किया जा सकता है, "भूमि उपजाऊ नहीं होगी।"
* “श्रापित हो, जिस दिन मेरा जन्म हुआ" का भी अनुवाद किया जा सकता है, "मैं इतना दुखी हूं, बेहतर होता कि मेरा जन्म ही नहीं होता।"
* हालांकि, यदि लक्षित भाषा में वाक्यांश "श्रापित है" है और इसका अर्थ एक ही है, तो उसी वाक्यांश को रखना अच्छा है।

(यह भी देखें: [आशिष देना](../kt/bless.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 14:24-26
* 2 पतरस 02:12-14
* गलातियों 03:10-12
* गलातियों 03:15-16
* उत्पत्ति 03:14-15
* उत्पत्ति 03:17-19
* याकूब 03:9-10
* गिनती 22:5-6
* भजन संहिता 109:28-29

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **02:09** परमेश्वर ने साँप से कहा, “तुम **शापित** हों।”
* **02:11** “अब भूमि **शापित** है, और तुम्हें उसकी उपज खाने के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी।”
* **04:04** “जो तुझे आशीर्वाद देंगे उन्हें मैं आशीष दूँगा और जो तुझे **श्राप** देंगे उन्हें मैं **श्राप** दूँगा।”
* **39:07** तब पतरस शपथ खाने लगा, “यदि मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ तो परमेश्वर मुझे **श्राप** दे।”
* **50:16** क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की आज्ञा का उलंघन किया और इस दुनिया में पाप को लाए, इसलिये परमेश्वर ने इसे **श्राप दिया** और इसे नष्ट करने का निर्णय किया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H422, H423, H779, H1288, H2763, H2764, H3994, H5344, H6895, H7043, H7045, H7621, H8381, G331, G332, G685, G1944, G2551, G2652, G2653, G2671, G2672, G6035

### सच्चा, न्याय, न्याय से, अन्याय, औचित्य

#### परिभाषा:

इन शब्दों का अभिप्राय है परमेश्वर के नियमानुसार, मनुष्यों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना। मानवीय नियम जो मनुष्यों के साथ उचित व्यवहार के परमेश्वर निर्धारित मानकों को दर्शाते हैं वे भी न्यायसम्मत हैं।

* “सच्चा” अर्थात मनुष्यों के साथ निष्पक्ष एवं उचित व्यवहार करना। यह परमेश्वर की दृष्टि में नैतिकता में उचित कार्य करना भी है।
* “धर्मी” व्यवहार करना अर्थात मनुष्यों के साथ ऐसा व्यवहार करना जो परमेश्वर के नियमानुसार उचित उत्तम तथा न्यायसम्मत है।
* “न्याय” पाना अर्थात विधान के अन्तर्गत उचित व्यवहार प्राप्त करना, नियमों की सुरक्षा में या नियमों के उल्लंघन में।
* कभी-कभी “सच्चा” का अर्थ व्यापक होता है जैसे “धर्मी” या “परमेश्वर के नियमों का पालन करना”

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार, “सच्चा” का अनुवाद करने के अन्य रूप हैं “नैतिकता में उचित” या “निष्पक्ष”।
* “न्याय” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “योग्य परिणाम”।
* “सच्चा व्यवहार” का अनुवाद हो सकता है, “निष्पक्ष व्यवहार” या “निष्पक्षता का व्यवहार”
* कुछ प्रकरणों में “सच्चा” का अनुवाद “धर्मी” या “खरा” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: [न्यायी](../kt/judge.md), [धर्मीजन](../kt/righteous.md), [सीधा](../kt/upright.md),क्षमा, अपराध, न्यायाधीश, धर्मी,)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 44:16
* 1 इतिहास 18:14
* यशायाह 04:3-4
* यिर्मयाह 22:03
* यहेजकेल 18:16-17
* मिका 03:8
* मत्ती 05:43-45
* मत्ती 11:19
* मत्ती 23:23-24
* लूका 18:03
* लूका 18:08
* लूका 18:13-14
* लूका 21:20-22
* लूका 23:41
* प्रे.का. 13:38-39
* प्रे.का. 28:04
* रोमियों 04:1-3
* गलातियों 03:6-9
* गलातियों, 03:11
* गलातियों, 05:3-4
* तीतुस 03:6-7
* इब्रानियों 06:10
* याकूब 02:24
* प्रका. 15:3-4

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **17:09\_\_दाऊद ने कई वर्षों तक \_\_न्याय** व निष्ठा के साथ शासन किया, और परमेश्वर ने उसे आशीर्वाद दिया।
* **18:13** कुछ राजा अच्छे मनुष्य भी थे, जिन्होंने **उचित** रूप से शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
* **19:16** उन्होंने लोगों से कहा कि वह अन्य देवताओं की उपासना करना बंद कर दे, और दूसरों के लिए **न्याय** और उन पर दया करना आरंभ करें।
* **50:17** यीशु अपने राज्य पर शान्ति व **न्याय** के साथ शासन करेगा, और वह हमेशा अपने लोगों के साथ रहेगा।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H205, H2555, H3477, H4941, H5765, H5766, H5767, H6662, H6663, H6664, H6666, H8003, H8264, H8636, G91, G93, G94, G1342, G1344, G1345, G1346, G1347, G1738

### सच्चा, सच्चाई, सत्य

#### परिभाषा:

“सच्चा” और “सच्चाई” तथ्यों के विचार से संबन्धित हैं, घटनाएं जो वास्तव में घटीं, और जो बातें वास्तव में कही गई। ऐसी अवधारणाओं को "सच्चा" कहते है।

* सच्ची बातें, सच्ची, वास्तविक अधिकृत, वैध तथा तथ्य आधारित होती हैं।
* सत्य एक समझ, विश्वास, तथ्य या सच्चा कथन होता है।
* यह कहना कि एक भविष्यवाणी "सच हो गई" या "सच हो जाएगी" का अर्थ है कि यह वास्तव में भविष्यवाणी जैसा हुआ या ऐसा ही होगा।
* सत्य में एक विचार निहित्त होता है कि निर्भरता एवं विश्वासयोग्य का काम किया जाए।
* यीशु ने अपने वचनों में परमेश्वर के सत्य का प्रकाशन किया था।
* परमेश्वर का वचन सत्य है। वह यथार्थ में हुई बातों की चर्चा करता है और परमेश्वर के बारे में तथा उसकी संपूर्ण रचना के बारे में यथा तथ्यता की शिक्षा देता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* सन्दर्भ और प्रसंग के आधार पर "सच" का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वास्तविक" या "यथार्थ" या "सही" या "उचित" या "निश्चित" या "तथ्यपूर्ण"।
* "सत्य" शब्द के अनुवाद हो सकते है "जो सच हा" या "तथ्य" या "निश्चित बात" या "सैद्धांतिक"।
* "पूरा होना" वाक्यांश के अनुवाद हो सकते है: "वास्तव में हो जाना" या "पूर्ण हो जाना" या "भविष्यवाणी पूरी होना"
* "सच्चाई से चलते हुए" या "सच बोले" इन वाक्यांशों के अनुवाद हो सकते है: "सच कहना" या "जो वास्तव में हुआ वह कहना" या "विश्वास योग्य बात कहना"
* “सत्य को ग्रहण करना” का अनुवाद “परमेश्वर के बारे में यथा तथ्यों पर विश्वास करना”
* “आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की आराधना करें”, इस उक्ति में, “सत्य में” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर ने हमें जो शिक्षा दी है उसका निष्ठापूर्वक पालन करना”

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/believe.md), [विश्वासयोग्य](../kt/faithful.md), [पूर्ति](../kt/fulfill.md), [पालन](../other/obey.md), [भविष्यद्वक्ता](../kt/prophet.md), [अभिज्ञान](../other/understand.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 कुरिन्थियों 05:6-8
* 1 यूहन्ना 01:5-7
* 1 यूहन्ना 02:7-8
* 3 यूहन्ना 01:5-8
* प्रे.का. 26:24-26
* कुलुस्सियों 01:4-6
* उत्पत्ति 47:29-31
* याकूब 01:17-18
* याकूब 03:13-14
* याकूब 05:19-20
* यिर्मयाह 04:1-3
* यूहन्ना 01:9
* यूहन्ना 01:16-18
* यूहन्ना 01:49-51
* यूहन्ना 03:31-33
* यहोशू 07:19-21
* विलापगीत 05:19-22
* मत्ती 08:8-10
* मत्ती 12:15-17
* भजन संहिता 026:1-3
* प्रकाशितवाक्य 01:19-20
* प्रकाशितवाक्य 15:3-4

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **02:04** साँप ने औरत को जवाब दिया, “यह **सच** नहीं है ! तुम नहीं मरोगे।
* **14:06** तुरन्त ही कालेब और यहोशू, अन्य दो जासूस कहने लगे, "हाँ यह **सही** है कि कनान के लोग लम्बे और तेजस्वी है , पर हम निश्चित रूप से उन्हें पराजित कर देंगे ! परमेश्वर हमारे लिये उनसे युद्ध करेगा।"
* **16:01** इस्राएलियों ने यहोवा जो **सच्चा** परमेश्वर है उसके स्थान पर, कनानियो के देवता की उपासना करना आरम्भ किया।
* **31:08\_\_उन्होंने यीशु की आराधना करी, और उसे कहा, \_\_सचमुच**, तू परमेश्वर का पुत्र है |”
* **39:10** मैं परमेश्वर के बारे में सच बताने के लिये पृथ्वी पर आया हूँ | हर वह व्यक्ति जिसे **सच्चाई \_\_से प्रेम है, मुझे सुनेगा |” पिलातुस ने कहा, “\_\_सच** क्या है?”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H199, H389, H403, H529, H530, H543, H544, H551, H571, H935, H3321, H3330, H6237, H6656, H6965, H7187, H7189, G225, G226, G227, G228, G230, G1103, G3303, G3483, G3689, G4103, G4137

### सत्यानाश, नाश, नाश हो गया, नाश कर, उजाड़, खण्डहरों

#### परिभाषा:

किसी वस्तु को गवांना अर्थात उसे लापरवाही से फेंक देना या उसका निर्बुद्धि उपयोग करना। कुछ ऐसा जो "उजाड़" या "सत्यानाश" है, वह भूमि या एक शहर को संदर्भित करता है जिसे नष्ट कर दिया गया है कि इसमें कुछ भी नहीं रह सके।

* शब्द " नाश हो जाएँगे" एक अभिव्यक्ति है जिसका मतलब है कि अधिक से अधिक बीमार या बर्बाद हो जाए। जो व्यक्ति बर्बाद हो रहा है वह आमतौर पर बीमारी या भोजन की कमी के कारण बहुत पतला हो जाता है।
* किसी नगर या स्थान को “उजाड़ छोड़ देना” अर्थात उसे नष्ट कर देना।
* एक "उजाड़" के लिए एक और शब्द "रेगिस्तान" या "जंगल" हो सकता है। लेकिन एक बंजर भूमि भी यह दर्शाती है कि लोग वहाँ रहते थे और भूमि में पेड़ों और पौधों को खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यहेजकेल 06:6-7
* लैव्यव्यवस्था 26:37-39
* मत्ती 26:6-9
* प्रकाशितवाक्य 18:15-17
* जकर्याह 07:13-14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H535, H1086, H1104, H1110, H1197, H1326, H2100, H2490, H2522, H2717, H2720, H2721, H2723, H3615, H3765, H3856, H4127, H4198, H4592, H4743, H4875, H5307, H5327, H7334, H7582, H7703, H7722, H7736, H7843, H8047, H8074, H8077, H8414, H8437, G684, G1287, G2049, G2673, G4199

### सन्हेरीब

#### तथ्य:

सन्हेरीब अश्शूरों का एक महान राज्य था जिसने नीनवे को एक समृद्ध एवं महत्वपूर्ण नगर बना दिया था।

* सन्हेरीब बेबीलोन और यहूदा राज्य से युद्ध करने के लिए जाना गया है।
* वह एक अत्यधिक अभिमानी राजा था और यहोवा का उपहासक था।
* सन्हेरीब ने राजा हिजकिय्याह के राज्यकाल में यरूशलेम पर आक्रमण किया था।
* यहोवा ने सन्हेरीब की सेना को नष्ट कर दिया था।
* पुराने नियम में राजाओं और इतिहास की पुस्तकों में सन्हेरीब के राज्य की घटनाओं के वृत्तान्त हैं।

(यह भी देखें: [अश्शूर](../names/assyria.md), [बेबीलोन](../names/babylon.md), [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [ठट्ठा करना](../other/mock.md), [नीनवे](../names/nineveh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 इतिहास 32:1
* 2 इतिहास 32:16-17
* 2 राजा 18:13-15

#### शब्द तथ्य:

### सपन्याह

#### तथ्य:

सपन्याह भविष्यद्वक्ता, कूशी का पुत्र, यरूशलेम वासी था और यहूदा के राज्य योशिय्याह के राज्यकाल में उसने भविष्यद्वाणी की थी। उसका सेवाकाल यिर्मयाह के समय का है।

* उसने प्रजा को मूर्तिपूजा के लिए झिड़का था। उनकी भविष्यवाणियां पुराने नियम में सपन्याह की पुस्तक में लिखा गया है।
* पुराने नियम में सपन्याह नामक अनेक पुरुष भी हुए हैं जिनमें से ज्यादातर याजक थे।।

(यह भी देखें: [यिर्मयाह](../names/jeremiah.md), [योशियाह](../names/josiah.md), [याजक](../kt/priest.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 25:18-19
* यिर्मयाह 52:24-25
* जकर्याह 06:9-11
* सपन्याह 01:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6846

### समय, समयानुकूल, समय, असाधारण

#### तथ्य:

बाइबल में "समय" शब्द का प्रयोग आलंकारिक रूप से विशिष्ट मौसम या समय की अवधि के संदर्भ में किया गया है जब कुछ घटनाएं हुईं थीं। इसका अर्थ “युग” या “काल” या “ऋतु” के समान है।

* दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य दोनों पुस्तकों में "समय" का संकेत तकलीफ और पीड़ा से है जो पृथ्वी पर आएंगी।
* “समय, समयों और आधे समय” इस उक्ति में समय का अर्थ है, “वर्ष।” यह उक्ति साढ़े तीन वर्ष के समय के संदर्भ में है जो महान पीड़ा पूर्ण इस वर्तमान युग के अन्त का समय है।
* "समय" का अर्थ "अवसर" एक वाक्यांश में "तीसरी बार" के रूप में हो सकता है। वाक्यांश "कई बार" का अर्थ "कई अवसरों पर" हो सकता है।
* "समय पर" होने का मतलब तब आना जब आने की उम्मीद है, देर से नहीं।
* प्रकरण के अनुसार “समय” शब्द का अनुवाद “मौसम” या “काल” या “पल” या "घटना" या "घटन" हो सकता है ।
* “समयों और ऋतुओं” यह उक्ति, आलंकारिक तौर पर एक ही विचार को दो बार व्यक्त करती है। इसका अनुवाद हो सकता है, “किसी निश्चित समय में घटनाओं का होना”

(यह भी देखें: [युग](../other/age.md), [पीड़ा](../other/tribulation.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* प्रेरि. 01:07
* दानिय्येल 12:1-2
* मरकुस 11:11
* मत्ती 08:29
* भजन संहिता 068:28-29
* प्रकाशितवाक्य 14:15

#### शब्द तथ्य:

* स्ट्रांग'स: H116, H227, H310, H1697, H1755, H2165, H2166, H2233, H2465, H3027, H3117, H3118, H3119, H3259, H3427, H3967, H4150, H4279, H4489, H4557, H5331, H5703, H5732, H5750, H5769, H6235, H6256, H6440, H6471, H6635, H6924, H7105, H7138, H7223, H7272, H7281, H7637, H7651, H7655, H7659, H7674, H7992, H8027, H8032, H8138, H8145, H8462, H8543, G744, G530, G1074, G1208, G1441, G1597, G1626, G1909, G2034, G2119, G2121, G2235, G2250, G2540, G3461, G3568, G3764, G3819, G3956, G3999, G4178, G4181, G4183, G4218, G4287, G4340, G4455, G5119, G5151, G5305, G5550, G5551, G5610

### समाचार, समाचारों, समाचार दिया

#### परिभाषा:

“समाचार सुनाना” अर्थात घटनाओं की सूचना देना, या अधिकतर ब्योरा प्रस्तुत करना। समाचार वह है जो बताया जाता है और लिखित या उच्चारित हो सकता है।

* “समाचार” का अनुवाद, “कहना” या वर्णन करना” या “विवरण सुनाना” हो सकता है
* “किसी से न कहना” इस अभिव्यक्ति का अनुवाद “इसकी चर्चा किसी से न करना” या “किसी से इसका उल्लेख न करना” हो सकता है
* “समाचार” के अनुवाद रूप, “वर्णन” या “कहानी” या “विस्तृत विवरण” प्रकरण के अनुसार करें।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 05:22-23
* यूहन्ना 12:37-38
* लूका 05:15-16
* लूका 08:34-35
* मत्ती 28:14-15

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1681, H1696, H1697, H5046, H7725, H8034, H8052, H8085, H8088, G189, G191, G312, G518, G987, G1225, G1310, G1426, G1834, G2036, G2162, G2163, G3004, G3056, G3140, G3141, G3377

### सम्मति, मंत्री, सम्मति देनेवालों, युक्ति , युक्ति करनेवाला, मंत्रियों, सम्मति दी

#### परिभाषा:

“सम्मति” या “युक्ति” के अर्थ एक ही है जिसमें किसी को किसी परिस्थिति में काम करने के लिए बुद्धिमानी का निर्णय लेने में सहायता दी जाती है। बुद्धिमान “युक्ति करनेवाला” या “मंत्री”, वह व्यक्ति जो किसी को सही निर्णय लेने में सहायता करता है।

* राजाओं के पास सदैव अधिकृत मंत्री या परामर्शदाता होते थे जो जनता से संबन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लेने के लिए उनकी सहायता करते थे।
* कभी-कभी दी गई सम्मति या सुझाई गई युक्ति उचित नहीं होती थी। बुरे मंत्री राजा को ऐसी युक्ति सुझाते थे जिससे वह जनता को हानि की आज्ञा देता था।
* प्रकरण पर आधारित “युक्ति” या “सम्मति” का अनुवाद हो सकता है, “निर्णय लेने में सहायता करना” या “चेतावनी” या “समझना” या “मार्गदर्शन”
* “सम्मति” देने के कार्य का अनुवाद हो सकता है, “राय देना” या “सुझाव देना” या “प्रेरणा देना”।
* ध्यान दें कि “सम्मति” “सभा” से अलग शब्द है। सभा का अर्थ है मनुष्यों का समूह।

(यह भी देखें: [समझा](../kt/exhort.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [बुद्धिमान](../kt/wise.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1697, H1847, H1875, H1884, H1907, H3272, H3289, H3982, H4156, H4431, H5475, H5779, H6440, H6963, H6098, H7592, H8458, G1011, G1012, G1106, G4823, G4825

### सवार, सवारों

#### परिभाषा:

बाइबल के युग में “सवारों” का अर्थ था युद्ध में घोड़े की सवारी करनेवाला।

* रथों पर सवारी करनेवाले योद्धाओं को भी “सवारों” कहते थे। जबकि सवार वास्तव में घोड़े की सवारी करनेवाला होता है।
* इस्राएलियों का मानना था कि युद्ध में घोड़े काम में लेना यहोवा की अपेक्षा अपनी शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक शक्ति पर अधिक भरोसा रखना था, अतः वे अधिक घुड़सवारों को नहीं रखते थे।
* इसका अनुवाद “घोड़े के सवार” या “घोड़े पर सवार मनुष्य” हो सकता है।

(यह भी देखें: [रथ](../other/chariot.md), [घोड़ा](../other/horse.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 01:5-6
* दानिय्येल 11:40-41
* निर्गमन 14:23-25
* उत्पत्ति 50:7-9

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6571, H7395, G2460

### साक्षी, गवाहों, गवाह, बातों के देखनेवाले

#### परिभाषा:

“साक्षी” उस व्यक्ति के संदर्भ में है, जिसने व्यक्तिगत रूप से किसी बात का अनुभव किया है। गवाह प्रायः वह मनुष्य है जो किसी सच बात का साक्षी है। साक्षात गवाह अर्थात अपनी आंखों से किसी घटना को देखने वाला।

* किसी बात का गवाह होना अर्थात उसे देखना।
* अभियोग में गवाह “साक्षी देता है” या “गवाही देता है” इसका अर्थ वही है जो गवाही देने का है।
* गवाहों से अपेक्षा की जाती है कि उन्होंने जो देखा या सुना है उसको सच-सच बताएं।
* जो गवाह सच नहीं बोलता उसे “झूठा गवाह” कहते हैं। उसके लिए कहा जाता है कि वह “झूठी गवाही देता है” या वह “झूठा साक्षी है”।
* “के बीच गवाह होना” अर्थात वाचा बांधने का कोई गवाह है या कोई वस्तु साक्षी है। ऐसा गवाह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक पक्ष अपनी प्रतिज्ञा पूरी करे।

#### अनुवाद के सुझाव:

* “गवाह” और “साक्षात गवाह” का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ, “देखने वाला व्यक्ति” या “जिसने होते हुए देखा” या “जिन्होंने देखा और सुना” हो।
* कुछ ऐसा "एक गवाह" का अनुवाद "वादा" या "हमारे वादे का चिन्ह" या "कुछ ऐसा साबित करता है जो यह सच है।"
* वाक्यांश "आप मेरे गवाह होंगे" के रूप में भी अनुवाद किया जा सकता है "आप अन्य लोगों को मेरे बारे में बताएंगे" या "आप लोगों को सच्चाई सिखाना होगा जो मैंने आपको सिखाया था" या "आप लोगों को बताएंगे कि आपने मुझे क्या करते देखा है और सिखाते सुना। "
* '' गवाह होने के लिए '' का अनुवाद "जो देखा वह बताना" या "गवाही देने " या "क्या हुआ यह बताने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
* "किसी का गवाह होने के लिए" का अनुवाद "कुछ देखना" या "कुछ अनुभव करने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [दोष](../kt/guilt.md), [न्याय](../kt/judge.md), [सत्य](../kt/true.md), [साक्षी](../kt/testimony.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 05:6-8
* 1 थिस्सलुनीकियों 02:10-12
* 1 तीमुथियुस 05:19-20
* 2 पतरस 01:16-18
* प्रे.का. 13:30-31
* व्यवस्थाविवरण 31:27-29
* यूहन्ना 01:6-8
* रोमियो 01:8-10

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **39:02** घर के अन्दर प्रधान याजकों ने यीशु की जाँच शुरू की। वे कई **झूठे गवाह** लाए जो यीशु के बारे में झूठ बोल रहे थे।
* **39:04** इस पर महा याजक ने क्रोध में अपने वस्त्र फाड़े और अन्य धार्मिक नेताओं से कहा कि, “अब हमें **गवाहों** की क्या जरुरत। तुमने अभी सुना है कि इसने अपने को परमेश्वर का पुत्र कहा है। तुम्हारा क्या न्याय है?”
* **42:08** “पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा था कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त करने के लिये पश्चाताप करना चाहिए | वे यरूशलेम से इसकी शुरुआत करेंगे और हर जगह सब जातियों में जायेंगे, तुम इन सब बातों के **गवाह** हो।”
* **43:07**“इसी यीशु को परमेश्वर ने फिर से जिलाया, जिसके हम सब गवाह है।”

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5707, H5713, H5715, H5749, H6030, G267, G1263, G2649, G3140, G3141, G3142, G3144, G4828, G4901, G5575, G5576, G5577

### सादोक

#### तथ्य:

सादोक दाऊद राजा के राज्यकाल में इस्राएल का एक महत्वपूर्ण महायाजक था।

* जब अबशालोम ने राजा दाऊद के खिलाफ विद्रोह किया, तब सादोक दाऊद का समर्थन करता था और उसने वाचा के सन्दूक को यरूशलेम से वापस लाने में मदद की।
* वर्षों बाद उसने दाऊद के पुत्र सुलैमान का राज्य अभिषेक करने में योगदान किया था।
* सादोक नामक दो पुरुषों ने नहेम्याह के समय यरूशलेम की शहरपनाह का पुन: निर्माण करने में सहायता की थी।
* योताम राजा के दादा का नाम भी सादोक था।

(यह भी देखें: [वाचा का सन्दूक](../kt/arkofthecovenant.md), [दाऊद](../names/david.md), [योताम](../names/jotham.md), [नहेम्याह](../names/nehemiah.md), [राज करना](../other/reign.md), [सुलैमान](../names/solomon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 24:1-3
* 1 राजा 01:26-27
* 2 शमूएल 15:24-26
* मत्ती 01:12-14

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6659, G4524

### सामरिया, सामरी

#### तथ्य:

सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल में एक नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों का नाम था। यह स्थान पश्चिम में शारोन के मैदान और पूर्व में यरदन नदी के मध्य था।

* पुराने नियम के युग में, सामरिया उत्तरी राज्य इस्राएल की राजधानी थी। उत्तरकाल में इसके आसपास का क्षेत्र भी सामरिया कहलाने लगा था।
* जब अश्शूरों ने उत्तरी राज्य इस्राएल को जीत लिया था और अधिकांश इस्राएलियों को वहां से बलपूर्वक ले जाकर अश्शूर देश के विभिन्न नगरों में बसा दिया था।
* अश्शूर अनेक परदेशियों को वहां इस्राएलियों के स्थान में बसा कर चले गए थे।
* जो इस्राएली वहां रह गए थे उन्होंने उन परदेशियों से विवाह कर लिया था और इस प्रकार उनके वंशज सामरी कहलाए।
* यहूदी सामरियों से घृणा करते थे क्योंकि वे आधे यहूदी थे और क्योंकि उनके पूर्वज मूर्ति-पूजक थे।
* नये नियम के युग, सामरिया क्षेत्र उत्तर में गलील क्षेत्र ओर दक्षिण में यहूदिया की सीमाओं से घिरा हुआ था।

(यह भी देखें: [अश्शूर](../names/assyria.md), [गलील](../names/galilee.md), [यहूदिया](../names/judea.md), [शारोन](../names/sharon.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 08:1-3
* प्रे.का. 08:4-5
* यूह. 04:4-5
* लूका 09:51-53
* लूका 10:33-35

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **20:04** ब अश्शूरियों ने अन्यजातियों को उस भूमि पर रहने को कहा जहाँ पर इस्राएली राज्य था| अन्यजातियों ने उस विनष्ट शहर का पुनर्निर्माण किया, और वहाँ शेष बचे इस्राएलियों से विवाह किया| इस्राएलियों के वह वंशज जिन्होंने अन्यजातियों से विवाह किया वह **सामारी** कहलाए|
* **27:08** "अगला मनुष्य जो वहाँ से जा रहा था वह एक **सामरी** था| (**सामरी** यहूदियों के वंश के थे, जिन्होंने अन्य राष्ट्र के लोगों से विवाह करा था | **सामरी** और यहूदियों को एक दूसरे से नफरत थी।)"
* **27:09**"**सामरी** व्यक्ति ने उस घायल व्यक्ति को अपने गधे पर लाध लिया और उसे सड़क के पार एक सराय में ले गया जहाँ उसकी देख-भाल की|"
* **45:07** वह (फिलिप्पुस)**सामरिया** नगर में गया और वहा लोगों को यीशु के बारे में बताया और बहुत से लोगों बचाए गए|

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8111, H8115, H8118, G4540, G4541, G4542

### सारा, सारै

#### तथ्य:

* सारा अब्राहम की पत्नी थी।
* उसका मूल नाम "सारै" था परन्तु परमेश्वर ने उसका नाम बदलकर "सारा" रखा।
* सारा ने परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार पुत्र को जन्म दिया।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [इसहाक](../names/isaac.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* उत्पत्ति 11:29-30
* उत्पत्ति 11:31-32
* उत्पत्ति 17:15-16
* उत्पत्ति 25:9-11

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **05:01** तो अब्राम की पत्नी **सारै**, ने उससे कहा, "देख परमेश्वर ने मेरी कोख बन्द कर रखी है, इसलिये मैं तुझ से विनती करती हूँ कि तू मेरी दासी हाजिरा के पास जा | तू उससे विवाह भी करना ताकि, उसके द्वारा मेरी कोख भर सके |
* **05:04** "तुम्हारी पत्नी, **सारै** को एक बेटा होगा--वह प्रतिज्ञा का पुत्र होगा।"
* **05:04**"परमेश्वर ने **सारै** का नाम बदलकर **सारा** रखा, जिसका अर्थ है, "मूलमाता"
* **05:05**"लगभग एक साल बाद, जब अब्राहम सौ वर्ष का था और **सारा** नब्बे वर्ष की थी, **सारा** ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया| उन्होंने उसका नाम इसहाक रखा, जैसा कि परमेश्वर ने कहा था|

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8283, H8297, G4564

### सिंहासन, विराजमान

#### परिभाषा:

एक सिंहासन एक विशेष रूप से बनाई गई कुर्सी है जहाँ एक शासक बैठता है जब वह महत्वपूर्ण मामलों का निर्णय करता है और अपने लोगों के अनुरोधों को सुनता है।

* सिंहासन शासक का अधिकार और शक्ति का प्रतीक है।
* “सिंहासन” शब्द का प्रतीकातमक उपयोग राजा या उसके राज्य या उसकी शक्ति के लिए भी किया जाता है।
* बाइबल में परमेश्वर को राजा के रूप में सिंहासन पर विराजमान कहा गया है। यीशु को पिता परमेश्‍वर के दाहिनी ओर सिंहासन पर बैठा हुआ वर्णित किया गया था।
* यीशु ने कहा कि स्वर्ग परमेश्वर का सिंहासन है। इसका अनुवाद , "जहां परमेश्वर राजा के रूप में शासन करता है" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [अधिकार](../kt/authority.md), [सामर्थ्य](../kt/power.md), [राजा](../other/king.md), [राज करना](../other/reign.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* कुलुस्सियों 01:15-17
* उत्पत्ति 41:39-41
* लूका 01:30-33
* लूका 22:28-30
* मत्ती 05:33-35
* मत्ती 19:28
* प्रकाशितवाक्य 01:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H3427, H3676, H3678, H3764, H7675, G968, G2362

### सिदकिय्याह

#### तथ्य:

सिदकिय्याह यहूदा का अन्तिम राजा था (597-587 ई.पू.)। पुराने नियम में सिदकिय्याह नामक और भी पुरुष हुए हैं।

* राजा नबूकदनेस्सर ने यहूदा के राजा सिदकिय्याह को राजा यहोयाकीन को पकड़ कर बाबेल को ले जाने के बाद बनाया था। बाद में सिदकिय्याह ने विद्रोह किया और नबूकदनेस्सर ने उसे पकड़ा और पुरे यरूशलेम को नष्ट कर दिया।
* सिदकिय्याह, कनाना का पुत्र, इस्राएल के राजा अहाब के समय एक झूठा भविष्यद्वक्ता था।
* सिदकिय्या नाम का एक व्यक्ति नहेम्याह के समय प्रभु के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

(यह भी देखें: [अहाब](../names/ahab.md), [बाबेल](../names/babylon.md), [यहेजकेल](../names/ezekiel.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [यहोयाकीन](../names/jehoiachin.md), [यिर्मयाह](../names/jeremiah.md), [होशिय्याह](../names/josiah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [नबूकदनेस्सर](../names/nebuchadnezzar.md), [नहेम्याह](../names/nehemiah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:15-16
* यिर्मयाह 37:1-2
* यिर्मयाह 39:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6667

### सिद्ध, सिद्ध कराई, सिद्ध करनेवाले, सिद्धता, खरे

#### परिभाषा:

बाइबल में “सिद्ध” शब्द का अर्थ है मसीह जीवन में परिपक्वता प्राप्त करना। किसी काम को सिद्धता में करने का अर्थ है, उत्कृष्ट एवं त्रुटिरहित काम करना।

* सिद्ध एवं परिपक्व का अर्थ है वह विश्वासी आज्ञाकारी है न कि पापमुक्त।
* “सिद्ध” शब्द का अर्थ “पूर्ण” एवं “समग्र” भी होता है।
* नये नियम में याकूब की पत्री में लिखा है कि परखे जाने से विश्वासी में पूर्णता और परिपक्वता उत्पन्न होती है।
* विश्वासी बाइबल अध्ययन करके उसका अनुसरण करते हैं तो वे आत्मिकता में अधिकाधिक सिद्ध एवं परिपक्व होते जाते हैं।

#### अनुवाद के सुझाव:

* इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “बिना त्रुटि के” या “बिना चूक के” या “निर्दोष” या “निष्कलंक” या “बिना किसी दोष के”।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* इब्रानियों 12:1-3
* याकूब 03:1-2
* मत्ती 05:46-48
* भजन संहिता 019:7-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H724, H998, H1584, H1585, H3632, H3634, H4357, H4359, H4512, H8003, H8502, H8503, H8535, H8537, H8549, H8552, G195, G197, G199, G739, G1295, G2005, G2675, G2676, G2677, G3647, G5046, G5047, G5048, G5050, G5052

### सिय्योन, सिय्योन पर्वत

#### परिभाषा:

“सिय्योन” या “सिय्योन पर्वत” एक दृढ़ गढ़ के संदर्भ में है जिसे राजा दाऊद ने यबूसियों से जीता था। दोनो शब्द यरूशलेम के संबोधन के अन्य रूप हुए थे।

* सिय्योन पर्वत और मोरिय्याह पर्वत वे दो पर्वत थे जिन पर यरूशलेम नगर बसा हुआ था। आगे चलकर “सिय्योन” और “सिय्योन पर्वत” इन पर्वतों और यरूशलेम नगर के उपनाम हुए। कभी-कभी ये शब्द यरूशलेम के मन्दिर के संदर्भ में भी काम में लिए गए हैं।
* दाऊद ने सिय्योन या यरूशलेम को “दाऊद नगर” नाम दिया था। यह स्थान दाऊद के अपने स्थान, बैतलहम से भिन्न था जिसे दाऊद नगरी भी कहा गया है।
* “सिय्योन” शब्द के अन्य प्रतीकात्मक रूपों में भी काम में लिया गया है, जैसे इस्राएल के लिए या परमेश्वर के आत्मिक राज्य के लिए या उस नए स्वार्गिक यरूशलेम के लिए जिसे परमेश्वर रचेगा।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [दाऊद](../names/david.md), [यरूशलेम](../names/jerusalem.md), [बैतलहम](../names/bethlehem.md), [यबूसी](../names/jebusites.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 11:4-6
* आमोस 01:1-2
* यिर्मयाह 51:34-35
* भजन संहिता 076:1-3
* रोमियो 11:26-27

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6726

### सिर, माथे, चन्दुए, टोपियाँ, गुलूबंद

#### परिभाषा:

शब्द "सिर" एक मानव शरीर के ऊपरी भाग को संदर्भित करता है, गर्दन के ऊपर। इस शब्द का प्रयोग अक्सर "शीर्ष", "पहले," "शुरुआत," "स्रोत," और अन्य अवधारणाओं सहित कई अलग-अलग चीजों का अर्थ करने के लिए किया जाता है।

बाइबल में “सिर” शब्द को विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है।

“उसके सिर पर उस्तरा न चलाया जाए” अर्थात “वह न तो कभी अपने बाल कटवाए और न ही कभी दाढ़ी बनवाए।”

“इसका खून उसके सिर पर हो” अर्थात उसकी हत्या का उत्तरदायी यही मनुष्य हो और दण्ड पाए।

अभिव्यक्ति “गेहूं का सिर” अर्थात गेहूं या जौ के पौधे का वह ऊपरी भाग को संदर्भित करता है जिसमें बीज होते हैं। इसी तरह, अभिव्यक्ति "एक पर्वत का सिर" पर्वत के शीर्ष भाग को संदर्भित करता है।

“सिर” का अर्थ कभी-कभी किसी बात के आरंभिक चरण या स्रोत से होता है जैसे, “मार्ग का सिर (आरंभ)”

इस शब्द का उपयोग मनुष्यों पर अधिकार रखने वाले के लिए किया गया है। “तूने मुझे जाति-जाति का सिर बनाया है।” इसका अनुवाद हो सकता हैः "तू ने मुझे राजा बनाया है" या “तूने मुझे…. पर अधिकार दिया है।"

#### अनुवाद के सुझाव

* प्रकरण के अनुसार “सिर” का अनुवाद हो सकता है, “अधिकार” या “अगुआई एवं निर्देशन देने वाला” या “उत्तरदायी व्यक्ति”
* “उसके ही सिर पर हो” इस उक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, “उस पर हो” या “वह दण्ड पाए” या “वही उत्तरदायी माना जाए” या “वह दोषी माना जाए”।
* प्रकरण के अनुसार इस शब्द के अनुवाद हो सकते हैं, “आरंभ” या “स्रोत” या “शासक” या “अगुआ” या “ऊपर”।

(यह भी देखें: [अन्न](../other/grain.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 01:51-54
* 1 राजा 08:1-2
* 1 शमूएल 09:22
* कुलुस्सियों 02:10-12
* कुलुस्सियों 02:18-19
* गिनती 01:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H441, H1270, H1538, H1627, H3852, H4425, H4761, H4763, H5110, H5324, H6285, H6287, H6797, H6915, H6936, H7139, H7144, H7146, H7217, H7226, H7218, H7541, H7636, H7641, H7872, G346, G755, G2775, G2776, G4719

### सीदोन, सीदोनियों

#### तथ्यों:

सीदोन कनान का सबसे बड़ा पुत्र था। कनानियों के एक नगर का नाम भी सीदोन था, संभवतः कनान के पुत्र के नाम पर।

* सीदोन नगर इस्राएल के उत्तर-पश्चिम में भूमध्य सागर के तट पर बसा था जो आज के लबानोन देश का एक भाग है।
* “सीदोनियों” फिनीके के जाति के लोग थे जो प्राचीन सीदोन तथा उसके आसपास के क्षेत्र में निवास करते थे।
* बाइबल में सीदोन, सोर के निकट संबन्ध में दर्शाया गया है दोनों नगर अपने वैभव और अनैतिक व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [नूह](../names/noah.md), [फीनीके](../names/phonecia.md), [समुद्र](../names/mediterranean.md) , [सूर](../names/tyre.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 12:20-21
* प्रे.का. 27:3-6
* उत्पत्ति 10: 15-18
* उत्पत्ति 10: 19-20
* मरकुस 03:7-8
* मत्ती 11:20-22
* मत्ती 15:21-23

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6721, H6722, G4605, G4606

### सुक्कोत

#### परिभाषा:

सुक्कोत पुराने नियम में दो नगरों का नाम था। सुक्कोत शब्द का अर्थ है “शरण स्थान”

* पहला सुक्कोत नगर यरदन नदी के पूर्व में था।
* याकूब अपने परिवार और पशुओं के साथ सुक्कोत में रूका जहां उसने अपने लिए झोपड़ियां बनाई थी।
* सैंकड़ों वर्ष बाद गिदोन और उसके योद्धा मिद्यानियों का पीछा करते हुए थककर सुक्कोत में रूके थे परन्तु वहां के निवासियों ने उन्हें भोजन देने से इन्कार कर दिया था।
* दूसरा सुक्कोत मिस्र की उत्तरी सीमा पर था जहां इस्राएली लाल सागर पार करने के बाद रुके थे, जब वे मिस्र से पलायन कर रहे थे।

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 07:46-47
* निर्गमन 12:37-40
* यहोशू 13:27-28
* न्यायियों 08:4-5

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5523, H5524

### सुलैमान

#### तथ्यों:

सुलैमान दाऊद के पुत्रों में से एक था। उसकी माता बतशेबा थी।

* जब सुलैमान राजगद्दी पर बैठा तब परमेश्वर ने उससे कहा था कि वह जो चाहे उससे मांग ले। अत: सुलैमान ने अपनी प्रजा पर उचित प्रशासन करने के लिए बुद्धि मांगी थी। परमेश्वर सुलैमान की इस विनती से प्रसन्न हुआ और उसे बुद्धि और धन दोनों दिया।
* सुलैमान यरूशलेम के वैभवशाली मन्दिर को बनाने के लिए भी प्रसिद्ध है।
* सुलैमान ने आरम्भिक वर्षों में तो बड़ी बुद्धिमानी से राज किया परन्तु उत्तरकाल में उसने अन्यजाति स्त्रियों से विवाह करके मूर्ति पूजा आरम्भ कर दी थी।
* सुलैमान के इस विश्वासघात के कारण परमेश्वर ने उसके मृत्यु के बाद इस्राएल को दो राज्यों में विभाजित कर दिया, इस्राएल और यहूदा। ये दोनों राज्य प्राय: लड़ते रहते थे।

(यह भी देखें: [बतशेबा](../names/bathsheba.md), [दाऊद](../names/david.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [इस्राएल का राज्य](../names/kingdomofisrael.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:47-50
* लूका 12:27-28
* मत्ती. 01:7-8
* मत्ती. 06:27-29
* मत्ती 12:42

#### बाइबल के कहानियों से उदाहरण:

* **17:14** उसके बाद, दाऊद और बतशेबा का एक और पुत्र उत्पन्न हुआ उसका नाम उन्होंने **सुलैमान** रखा।
* **18:01** कई वर्षों बाद, जब दाऊद की मृत्यु हो गई, तब उसके पुत्र **सुलैमान** ने इस्राएल पर शासन करना आरंभ किया | परमेश्वर ने **सुलैमान** से बात की और उससे कहा, “जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूँ, वह माँग |” जब **सुलैमान** ने बुद्धि माँगी, परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसे संसार का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति बना दिया | परमेश्वर ने उसे बहुत धनवान मनुष्य बनाया |
* **18:02** यरुशेलम में, **सुलैमान** ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक भवन बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया |
* **18:03** परन्तु **सुलैमान** अन्य देशों की महिलाओं से प्रेम करता था |...अत: जब **सुलैमान** बूढ़ा हुआ तब उसकी स्त्रियों ने उसका मन पराये देवताओं की ओर बहका दिया |
* **18:04** तब परमेश्वर ने **सुलैमान** पर क्रोध किया, और **उसकी** अधार्मिकता के कारण उसे दंड दिया, और वाचा बाँधी कि **सुलैमान** की मृत्यु के बाद वह इस्राएल के राज्य को दो भागों में विभाजित कर देंगा।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H8010, G4672

### सेनापति, सरदारों

#### परिभाषा:

“सेनापति” शब्द सेना के अगुवे को संदर्भित करता है, जो सैनिकों के दल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार होता है।

* सेनापति एक छोटे दल या एक बड़े समूह का अगुआ हो सकता है, जैसे कि एक हजार पुरुष का समूह।
* यह शब्द यहोवा के संदर्भ में भी उपयोग होता है कि वह स्वर्गदूतों की सेना का अगुआ है।

सेनापति के अन्य अनुवाद रूप हैं “अगुआ” या “कप्तान” या “अधिकारी”

* सेना को “आज्ञा देना” का अनुवाद “अगुआई करना” या “प्रभारी होना” के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: [आदेश](../kt/command.md), [अधिपतियों](../other/ruler.md), [सूबेदार](../kt/centurion.md))

#### बाइबल संदर्भ:

* 1 इतिहास 11:4-6
* 2 इतिहास 11:11-12
* दानिय्येल 02:14-16
* मरकुस 06:21-22
* नीतिवचन 06:6-8

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2710, H2951, H1169, H4929, H5057, H6346, H7101, H7262, H7218, H7227, H7229, H7990, H8269, G5506

### सेला

#### परिभाषा:

“सेला” इब्रानी भाषा का एक शब्द है जो ज्यादातर भजन संहिता में देखा जा सकता है। इसके अनेक संभावित अर्थ हैं।

* इसका अर्थ हो सकता है “ठहरो और स्तुति करो” इसके द्वारा श्रोताओं का आह्वान किया जाता है कि वे उच्चारित शब्दों पर मनन करें।.
* अधिकांश भजन संहिता राग में लिखे गए थे, ऐसा माना जाता है कि “सेला शब्द संभवतः संगीत का कोई शब्द रहा होगा जिससे गायक को रूकने का संकेत दिया जाता था कि केवल वाद्य बजाए जाए या श्रोताओं को प्रोत्साहित किया जाता था कि भजन के शब्दों पर विचार करें।

(यह भी देखें: [भजन](../kt/psalm.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* भजन संहिता 003:3-4
* भजन संहिता 024:5-6
* भजन संहिता 046:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H5542

### सेवक, सेवकों

#### परिभाषा:

सेवक स्थानीय कलीसिया का परिचारक होता था, उनकी व्यवहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता था जैसे भोजन और आर्थिक व्यवस्था.

* सेवक शब्द यूनानी शब्द “डीकन” से निकला है जिसका अर्थ है, "सेवक" या "परिचारक."
* आरंभिक कलीसिया के समय ही से सेवक का दायित्व कलीसिया में एक सुस्पष्ट भूमिका एवं सेवा रहा है.
* उदाहरणार्थ नये नियम के युग में सेवक सुनिश्चित करते थे कि विश्वासी जो पैसा और भोजन उपलब्ध करवाते थे, उसका बंटवारा विधवाओं में निष्पक्षता से किया जाए.
* “सेवक” शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “कलीसियाई सेवक” या “कलीसियाई कर्मी” या “कलीसियाई परिचारक” या अन्य कोई उक्ति जिसके द्वारा स्पष्ट हो कि स्थानीय मसीही समुदाय के लिए लाभकारी विशिष्ट कार्य हेतु विधिवत नियुक्त किया गया व्यक्ति.

(यह भी देखें: [सेवक](../kt/minister.md), [सेवक](../other/servant.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 तीमुथियुस 03:10
* 1 तीमुथियुस 03:13
* फिलिप्पियों 01:01

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: G1249

### सोना, सोने का

#### परिभाषा:

सोना पीले रंग की उत्तम धातु है जिससे आभूषण तथा धार्मिक वस्तुएं बनाई जाती थीं। प्राचीन युग में यह सबसे अधिक मूल्यवान धातु थी।

* बाइबल के युग में, ठोस सोने की विभिन्न वस्तुएं बनाई जाती थीं या वस्तुओं पर सोना चढ़ाया जाता था।
* इन वस्तुओं में थे, कुन्दन तथा अन्य आभूषण, मूर्तियां, वेदियां, तथा निवास (मण्डप) या मन्दिर की अन्य वस्तुएं जैसे वाचा का सन्दूक।
* पुराने नियम के युग में सोना क्रय-विक्रय में मुद्रा स्वरुप काम में आता था। उसे तराजू में तोल कर उसका मूल्य ज्ञात किया जाता था।
* उत्तरकाल में सोने और चाँदी के सिक्के क्रय-विक्रय में काम में आने लगे।
* जब किसी ऐसी वस्तु की चर्चा हो जो ठोस सोने की नहीं है उस पर केवल सोना चढ़ा हुआ है तो “सुनहरा” या “सोना चढ़ा” या “स्वर्णआवृत” अनुवाद किया जा सकता है।
* कभी-कभी किसी वस्तु को “सुनहरा” कहा जाता है, अर्थात उसका रंग सोने जैसा है परन्तु यथार्थ में सोने से बनी नहीं है।

(यह भी देखें: [वेदी](../kt/altar.md), [वाचा का सन्दूक](../kt/arkofthecovenant.md), [झूठे देवता](../kt/falsegod.md), [चांदी](../other/silver.md), [मिलापवाला तम्बू](../kt/tabernacle.md), [मन्दिर](../kt/temple.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 पतरस 01:07
* 1 तीमुथियुस 02:8-10
* 2 इतिहास 01:15
* प्रे.का. 03:06
* दानिय्येल 02:32

#### शब्द तथ्य:

* Strong’s: H1220, H1722, H2091, H2742, H3800, H5458, H6884, H6885, G5552, G5553, G5554, G5557

### सोर, सोर के लोग

#### तथ्य:

सोर नगर कनान का एक प्राचीन नगर था भूमध्यसागर के तट जो आज लबानोन का एक भाग है। इस नगर के लोगों को "सोर के लोग" कहा जाता था।

* इस नगर का एक भाग द्वीप पर समुद्र में स्थित थी जो करीब एक किलोमीटर भूमि से दूर थी।
* उसकी भौगोलिक स्थिति और मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों के कारण जैसे की देवदार वृक्ष, सोर का व्यापारिक उद्योग समृद्धि पर था और वह एक धनवान नगर था।
* सोर के राजा हीराम ने राजा दाऊद के लिए महल बनाने में देवदार वृक्षों की लकड़ी और कुशल श्रमिकों को भेजा था।
* सालों बाद, हीराम ने भी मंदिर बनाने में मदद करने के लिए राजा सुलैमान लकड़ी और कुशल श्रमिकों को भेजा। सुलैमान ने उन्हें बड़ी मात्रा में गेहूं और जैतून का तेल दिया।
* सोर का नाम सदैव ही निकटवर्ती सैदा नगर के साथ आता है। यह कनान के क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण शहर थे, जिन्हें फीनीके कहा जाता था।

(यह भी देखें: [कनान](../names/canaan.md), [देवदारू](../other/cedar.md), [इस्राएल](../kt/israel.md), [झील](../names/mediterranean.md), [फीनीके](../names/phonecia.md), [सैदा](../names/sidon.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 12:20-21
* मरकुस 03:7-8
* मत्ती 11:20-22
* मत्ती 15:21-23

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H6865, H6876, G5183, G5184

### स्वर्ग, आकाश, आकाशमण्डल, स्वर्गीय

#### परिभाषा:

“स्वर्ग” वह स्थान है जहाँ परमेश्वर रहता है। प्रकरण के आधार पर इस शब्द का अर्थ “आकाश” भी है।

“आकाशमण्डल” वह है जिसे हम पृथ्वी पर से देखते हैं, सूर्य, चाँद और सितारे। उसमें आकाशीय पिण्ड भी हैं जिन्हें हम देख नहीं सकते।

“आकाश” वह स्थान है जो नीला है और उसमें श्वास लेने के लिए हवा है। सूर्य और चाँद को सामान्यतः “आकाश में स्थित” मानते हैं।

बाइबल के कुछ संदर्भों में “स्वर्ग” का अर्थ आकाश या परमेश्वर का निवास स्थान भी होता है।

#### अनुवाद के सुझाव:

* मत्ती की पुस्तक में “स्वर्ग का राज्य” को “स्वर्ग” ही रखा जाए तो उचित है क्योंकि यह शब्द मत्ती रचित सुसमाचार का एक विशिष्ट शब्द है।
* “आकाशमण्डल” या “तारागण” का अनुवाद किया जा सकता है, “सूर्य, चाँद और सितारे” या “ब्रह्माण्ड में सब सितारे”।
* “आकाश के तारों” का अनुवाद किया जा सकता है, “आकाश के सितारे” या “मंदाकिनी के सितारे” या “ब्रह्माण्ड के सितारे”

(यह भी देखें: [परमेश्वर का राज्य](../kt/kingdomofgod.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 08:22-24
* 1 थिस्सलुनीकियों 01:8-10
* 1 थिस्सलुनीकियों 04:16-18
* व्यवस्थाविवरण 09:1-2
* इफिसियों 06:9
* उत्पत्ति 01:1-2
* उत्पत्ति 07:11-12
* यूहन्ना 03:12-13
* यूहन्ना 03:27-28
* मत्ती 05:17-18
* मत्ती 05:46-48

#### बाइबल कहानियों से उदाहरण:

* **04:02** फिर उन्होंने **स्वर्ग** तक लंबी चोटी बनाने का निर्माण किया।
* **14:11** उसने (परमेश्वर) उन्हें **स्वर्ग** से रोटी दी, “जिसे मन्ना कहते थे।”
* **23:07** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “**आकाश** में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो।”
* **29:09** तब यीशु ने कहा, “इसी प्रकार यदि तुम में से हर एक अपने भाई को मन से क्षमा न करेगा, तो मेरा पिता जो **स्वर्ग** में है , तुम से भी वैसा ही करेगा।”
* **37:09** तब यीशु ने **स्वर्ग** की ओर देखा और कहा, “हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मेरी सुन ली है।
* **42:11** प्रभु यीशु उनसे बातें करने के बाद **स्वर्ग** पर उठा लिया गया और एक बादल ने उसे उनकी आँखों से छिपा लिया।

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1534, H6160, H6183, H7834, H8064, H8065, G932, G2032, G3321, G3770, G3771, G3772

### हठीले, हठीला, कठोर होकर, कठोरता

#### परिभाषा:

“हठीले”, बाइबल में इस्तेमाल किया जाने वाली उक्ति है जो उन लोगों के लिए है जो परमेश्वर की आज्ञा न मानते हैं और पश्चाताप करने से इंकार करते हैं। ऐसे लोग बहुत अहंकारी होते है और परमेश्वर के अधिकार के अधीन नहीं होते है।

* इसी प्रकार, "हठीला" शब्द का वर्णन उस व्यक्ति के बारे में किया गया है, जिसने ऐसा करने के लिए कहा जाने पर भी अपना मन या कार्य बदलना नकार दिया है। हठीले लोग अच्छी सलाह या चेतावनी नहीं सुनेंगे जो अन्य लोग उन्हें देते हैं।
* पुराने नियम ने इस्राएलीयों को "कठोर" कहा क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं से बहुत से संदेश नहीं सुने, जिन्होंने उन्हें पश्चाताप करने और यहोवा के पास वापस लौटने का आग्रह किया।
* यदि एक गर्दन "कठोर" है तो यह आसानी से मुड़ता नहीं । लक्षित भाषा में एक अलग मुहावर हो सकती है जो संचार करता है कि कोई व्यक्ति "असहनीय" है जिसमें वह अपने तरीके को बदलने से इनकार करता है ।
* इस शब्द का अनुवाद करने के अन्य तरीकों में "अभिमानी जिद्दी" या "अभिमानी और निराधार" या "परिवर्तन करने से इनकार कर सकते हैं" शामिल हो सकते हैं।

(यह भी देखें: [अभिमानी](../other/arrogant.md), [घमण्डी](../other/proud.md), [मन फिराव करना](../kt/repent.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:51-53
* व्यवस्थाविवरण 09:13-14
* निर्गमन 13:14-16
* यिर्मयाह 03:17-18

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H47, H3513, H5637, H6203, H6484, H7185, H7186, H7190, H8307, G483, G4644, G4645

### हथियार, शस्त्रों का घर

#### परिभाषा:

“हथियार” अर्थात सैनिक द्वारा युद्ध में काम में आने वाले अस्त्र-शस्त्र तथा शत्रु के वार से बचाने वाला कवच। इसका उपयोग प्रतीकात्मक स्वरूप आत्मिक हथियारों के लिए भी काम में लिया गया है।

* सैनिक के हथियारों में टोप, ढाल, सीनाबन्ध, पांव के कवच और तलवार आदि।
* प्रेरित पौलुस हथियारों की उपमा द्वारा आत्मिक हथियारों का संदर्भ देता है जो परमेश्वर ने विश्वासी को आत्मिक युद्ध के लिए दिए हैं।
* पाप और शैतान के विरूद्ध युद्ध करने के लिए परमेश्वर अपने लोगों को जो आत्मिक हथियार देता है, वे हैं, सत्य, धार्मिकता, शान्ति का सुसमाचार, विश्वास, उद्धार तथा पवित्र आत्मा।
* इसका अनुवाद ऐसे शब्द से किया जाए जिसका अर्थ हो, “सैनिक के हथियार” या “युद्ध के सुरक्षात्मक वस्त्र” या “सुरक्षात्मक आवरण” या “अस्त्र-शस्त्र”

(यह भी देखें: [विश्वास](../kt/faith.md), [पवित्र आत्मा](../kt/holyspirit.md), [शान्ति](../other/peace.md), [उद्धार](../kt/salvation.md), [आत्मा](../kt/spirit.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 31:9-10
* 2 शमूएल 20:8
* इफिसियों 06:10-11
* यिर्मयाह 51:3-4
* लूका 11:21-23
* नहेम्याह 04:15-16

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2185, H2290, H2488, H3627, H4055, H5402, G3696, G3833

### हल, हल चलाना, हल चलाया, हल जोतने, हलवाहों, जोतनेवाला, किसान, हल की फाल, अजोत

#### परिभाषा:

“हल” खेत में भूमि जोतने का यन्त्र होता है।

* हल में नुकीली टिंगलियां होती है जिनसे भूमि खुदती है। उनका एक डंडा होता है जिसे पकड़कर किसान उसे सीधा रखता है।
* बाइबल के युग में हल बैलों या अन्य पशुओं द्वारा खींचा जाता है।
* हल अधिकतर कठोर लकड़ी के होते थे जिनके फल तांबे या लोहे के होते थे।

(यह भी देखें: [तांबा](../other/bronze.md), [बैल](../other/cow.md)

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 शमूएल 08:10-12
* व्यवस्थाविवरण 21:3-4
* लूका 09:61-62
* लूका 17:7-8
* भजन संहिता 141:5-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H406, H855, H2758, H2790, H5215, H5647, H5674, H6398, G722, G723

### हाथ, हाथों, हाथ, सौपना, के द्वारा, पर हाथ रखना, पर हाथ लगाता, दाहिना हाथ, दाहिने हाथ, के हाथ से

#### परिभाषा:

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है, यह शब्द अक्सर किसी व्यक्ति की शक्ति, नियंत्रण, या कार्रवाई का उल्लेख करने के लिए आलंकारिक रूप से उपयोग किया जाता है, चाहे वह परमेश्वर का संदर्भ में हो या किसी व्यक्ति के संदर्भ में हो।

"हाथ" शब्द के विभिन्न उपयोगों में निम्नलिखित शामिल हैं:

​

“हाथ” को बाइबल में विभिन्न प्रतीकात्मक रूपों में काम में लिया गया है जैसे परमेश्वर कहता है, “क्या मैंने अपने हाथों से यह सब नहीं बनाया?”

“पकड़वाया जाएगा” या “हाथों में कर दिया जाएगा” का अर्थ है किसी के नियंत्रण या अधिकार में किसी को देना।

“दाहिने हाथ” अर्थात “पाश्र्व में दाहिनी ओर” या “सीधे हाथ की ओर”

“हाथ डालना” का अर्थ है "हानि करना"। "किसी के हाथ से बचाने" का अर्थ है किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नुकसान पहुंचाने से रोकना।

किसी के “हाथों से” अर्थात उस व्यक्ति “द्वारा” या “माध्यम” से किया गया। उदाहरणार्थ, “परमेश्वर के हाथों की” अर्थात परमेश्वर ने किया कि हो जाए।

"हाथ में" या "हाथ में देने" जैसी अभिव्यक्तियाँ किसी को किसी अन्य के नियंत्रण या शक्ति के अधीन होने के लिए संदर्भित करती हैं।

“हाथों के रखने” अर्थात किसी को परमेश्वर की सेवा में समर्पित करने के लिए या चंगाई की प्रार्थना करने के लिए।

पौलुस कहता है, “पौलुस का अपने हाथ से लिखा हुआ” अर्थात पत्र का वह अंश उसके द्वारा लिखा गया है न कि बोलकर किसी से लिखाया गया।

#### अनुवाद के सुझाव

* ये उक्तियाँ और अन्य रूपकों को अन्य प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है जिनका अर्थ वही हो। या अर्थ को सीधा शब्दशः अनुवाद किया जा सकता है।
* अभिव्यक्ति के रूप में "उसे पुस्तक सौंप दिया" भी अनुवाद किया जा सकता है "उसे पुस्तक दिया" या "पुस्तक को उसके हाथ में रख दिया।" यह उसे स्थायी रूप से नहीं दिया गया था, लेकिन उस समय उपयोग करने के उद्देश्य से दिया गया था।
* जब "हाथ" व्यक्ति को संदर्भित करता है, जैसे "परमेश्वर के हाथों ने ऐसा किया," इसका अनुवाद "परमेश्वर ने यह किया।"
* एक अभिव्यक्ति जैसे कि "उन्हें अपने शत्रुओं के हाथों में डाल दिया" या "उन्हें अपने शत्रुओं को सौंप दिया," का अनुवाद किया जा सकता है, "उनके शत्रुओं को उन्हें जीतने की इजाजत दी" या "उन्हें अपने शत्रुओं द्वारा पकड़ा गया" या "उनके शत्रुओं को उन पर नियंत्रण हासिल करने के लिए सशक्त बनाया।" "हाथ से मरने" के लिए का अनुवाद किया जा सकता है "द्वारा मारा जाएगा।"
* "दाहिने हाथ पर" शब्द का अनुवाद "के दाहिनी ओर" के रूप में किया जा सकता है।
* यीशु के संबंध में "परमेश्वर के दाहिने ओर पर बैठा", यदि यह उस भाषा में इसे उच्च सम्मान और समान अधिकार की स्थिति का संदर्भ नहीं देता है, तो उस अर्थ के साथ एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग किया जा सकता है। या फिर एक संक्षिप्त विवरण जोड़ा जा सकता है: "परमेश्वर के दाहिनी ओर, सर्वोच्च प्राधिकारी की स्थिति में।"

(यह भी देखें: [बैरी](../other/adversary.md), [आशिष देना](../kt/bless.md), [बन्दी](../other/captive.md), [आदर](../kt/honor.md), [सामर्थ्य](../kt/power.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* प्रे.का. 07:22-25
* प्रे.का. 08:14-17
* प्रे.का. 11:19-21
* उत्पत्ति 09:5-7
* उत्पत्ति 14:19-20
* यूहन्ना 03:34-36
* मरकुस 07:31-32
* मत्ती 06:3-4

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H405, H2026, H2651, H2947, H2948, H3027, H3028, H3225, H3231, H3233, H3709, H7126, H7138, H8040, H8042, H8168, G710, G1188, G1448, G1451, G1764, G2021, G2092, G2176, G2902, G4084, G4474, G4475, G5495, G5496, G5497

### हाय

#### परिभाषा:

“हाय” शब्द घोर निराशा को व्यक्त करता है। इससे किसी को घोर कष्टों की चेतावनी भी दी जाती है।

* “हाय उन पर” चेतावनी के साथ आता है कि वे पापों का दण्ड पाएंगे।
* बाइबल में अनेक स्थानों में “हाय” शब्द को दोहराया गया है जिसका अभिप्रेत अर्थ है भयानक दण्ड की प्रबलता व्यक्त करना है।
* मनुष्य कहता है, “हाय मुझ पर” तो इसका अर्थ है घोर कष्टों के कारण दुःख व्यक्त करना।

#### अनुवाद के सुझाव:

* प्रकरण के अनुसार “हाय” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “अगाध दुख” या “शोक” या “आपदा” या “विनाश”
* अभिव्यक्ति का अनुवाद करने के अन्य तरीके "हाय करने के लिए ("शहर का नाम)" में शामिल हो सकते हैं, "यह (शहर के नाम) के लिए कितना भयानक होगा" या "(उस शहर) में लोगों को गंभीर रूप से दंडित किया जाएगा" या "उन लोगों को बहुत भुगतना होगा। "
* अभिव्यक्ति, "हाय मुझे है!" या "मुझ पर हाय!" के रूप में अनुवाद किया जा सकता है "मैं कितना दुखी हूँ!" या "मैं बहुत उदास हूँ!" या "यह मेरे लिए कितना भयानक है!"
* अभिव्यक्ति "आप पर हाय" का भी अनुवाद किया जा सकता है "आपको बहुत दुख होगा" या "आपको भयानक परेशानियों का अनुभव होगा।"

#### बाइबल सन्दर्भ:

* यहेजकेल 13:17-18
* हबक्कूक 02:12-14
* यशायाह 31:1-2
* यिर्मयाह 45:1-3
* यहूदा 01:9-11
* लूका 06:24-25
* लूका 17:1-2
* मत्ती 23:23-24

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H188, H190, H337, H480, H1929, H1945, H1958, G3759

### हारान

#### तथ्य:

हारान अब्राहम का छोटा भाई और लूत का पिता था।

* हारान एक नगर का भी नाम है जहाँ अब्राहम ऊर से कूच करने के बाद कनान जाते समय ठहरा था।
* कालेब के पुत्र का नाम भी हारान था।
* बाइबल में हारान नामक तीसरा पुरुष लेवी वंशी था।

(यह भी देखें: [अब्राहम](../names/abraham.md) , [कालेब](../names/caleb.md), [कनान](../names/canaan.md), [लेवी](../names/levite.md), [लूत](../names/lot.md), [तेरह](../names/terah.md), [ऊर](../names/ur.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 19:12-13
* प्रे.का. 07:1-3
* उत्पत्ति 11:31-32
* उत्पत्ति 27:43-45
* उत्पत्ति 28:10-11
* उत्पत्ति 29:4-6

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2039

### हिजकिय्याह

#### परिभाषा:

हिजकिय्याह यहूदा राज्य का तेरहवां राजा था। वह परमेश्वर को माननेवाला और परमेश्वर का आज्ञाकारी था।

* अपने पिता दुष्ट राजा आहाज के विपरीत हिजकिय्याह भला राजा था, उसने यहूदा राज्य में से मूर्तियों को ध्वंस कर दिया था।
* हिजकिय्याह बहुत रोगग्रस्त हो गया था और मरने पर था, उसने परमेश्वर से विनती की कि उसे जीवनदान दे। परमेश्वर ने उसे जीवन दान दिया और उसकी आयु को पन्द्रह वर्ष बढ़ा दिया।
* हिजकिय्याह के लिए अपने वचन को सत्य सिद्ध करने हेतु परमेश्वर ने यह आश्चर्यकर्म किया और समय को पीछे कर दिया।
* अपनी प्रजा को अश्शूरी राजा सन्हेरीब से बचाने के लिए हिजकिय्याह ने परमेश्वर से प्रार्थना की थी और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनी।

(यह भी देखें: [आहाज](../names/ahaz.md), [अश्शूर](../names/assyria.md), [मूरत](../other/idol.md), [यहूदा](../names/judah.md), [सेन्हरीब](../names/sennacherib.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 03:13-14
* 2 राजा 16:19-20
* होशे 01:1-2
* मत्ती 01:9-11
* नीतिवचन 25:1-3

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2396, H3169, G1478

### हित्ती, हित्तियों

#### परिभाषा:

हित्ती कनान से हाम के वंशज थे। वे एक विशाल साम्राज्य बने जो आज के तुर्किस्तान और उत्तरी फिलिस्तीन क्षेत्र में था।

* अब्राहम ने हित्ती एप्रोन से भूमि खरीदी थी कि अपनी पत्नी सारा को वहां दफन करे। अब्राहम और उसके अनेक वंशज भी उस कब्र में दफ़न किए गए थे।
* एसाव ने दो हित्ती स्त्रियों से विवाह किया था जिसके कारण उसके माता-पिता दुःखी थे।
* दाऊद का भी एक योद्धा हित्ती था जिसका नाम ऊरिय्याह था।
* सुलैमान की परदेशी रानियों में भी हित्ती स्त्रियां थी। इन स्त्रियों ने सुलैमान को अपनी मूर्ति-पूजा में आकर्षित करने के कारण परमेश्वर से दूर कर दिया था।
* हित्ती अधिकतर इस्राएल के लिए शारीरिक एवं आत्मिक खतरा बने हुए थे।

(यह भी देखें: [वंशज](../other/descendant.md), [एसाव](../names/esau.md), [परदेशी](../other/foreigner.md), [हाम](../names/ham.md), [सामर्थी](../other/mighty.md), [सुलैमान](../names/solomon.md), [ऊरिय्याह](../names/uriah.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 राजा 09:20-21
* निर्गमन 03:7-8
* उत्पत्ति 23:10-11
* उत्पत्ति 25:9-11
* यहोशू 01: 4-5
* नहेम्याह 09:7-8
* गिनती 13:27-29

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2850

### हिम, हिम पड़ा, बर्फ गिरने के समय

#### तथ्यों:

"हिम" शब्द का अर्थ है जमे हुए पानी के सफेद टुकड़े जो कि बादलों से उन स्थानों पर गिरता है जहाँ हवा का तापमान ठंडा है।

* इस्राएल के ऊँचे स्थानों में हिम गिरता है परन्तु धरती पर अधिक समय नहीं रुकता शीघ्र पिंघल जाता है। पर्वतों की चोटी पर हिम जमता है। बाइबल में वर्णित हिम की जगह का एक उदाहरण लबानोन पर्वत है ।
* बहुत सफेद रंग का कुछ हिस्सा अक्सर उसके रंग की तुलना में हिम के रंग की तुलना में होता है। उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में यीशु के कपड़े और बाल को "हिम की तरह सफेद" होने के रूप में वर्णित किया गया था।
* बर्फ (हिम) का श्वेत रंग शुद्ध एवं स्वच्छा सा प्रतीत होता है। उदाहरणार्थ, हमारे “पाप हिम की नाई श्वेत” हो जाएंगे अर्थात “परमेश्वर अपने लोगों को पाप से पूर्णतः स्वच्छ कर देता है।
* कुछ भाषाओं में हिम को “जमी हुई बारिश” या “बर्फ के टुकड़े” या “जमे बरफ़ का टुकड़ा” कहा जाता है।
* “बर्फ का पानी” अर्थात पिघली हुई बर्फ का पानी।

(यह भी देखें: [लबानोन](../names/lebanon.md), [शुद्ध](../kt/purify.md))

#### बाइबल के सन्दर्भ:

* निर्गमन 04:6-7
* अय्यूब 37:4-6
* मत्ती. 28:3-4
* भजन संहिता 147:15-16
* प्रकाशितवाक्य 01:14-16

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H7949, H7950, H8517, G5510

### हिल्किय्याह

#### तथ्य:

राजा योशिय्याह के राज्यकाल में हिल्किय्याह महायाजक था।

* मन्दिर के पुनः निर्माण के समय हिल्किय्याह महायाजक को वहां व्यवस्था की पुस्तक मिली थी, उसने आदेश दिया था कि वह पुस्तक राजा योशिय्याह के पास ले जाया जाए।
* अतः उसने यहूदा राजा की प्रजा को यहोवा की उपासना और उसकी व्यवस्था के पालन हेतु प्रेरित किया।
* हिल्किय्याह नामक एक और पुरुष था, वह एलयाकीम का पुत्र था जो हिजकिय्याह राजा के महल में सेवा करता था।

(यह भी देखें: [एलयाकीम](../names/eliakim.md), [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md) , [महा-याजक](../kt/highpriest.md), [योशियाह](../names/josiah.md), [यहूदा](../names/kingdomofjudah.md), [व्यवस्था](../other/law.md), [आराधना](../kt/worship.md), [यहोवा](../kt/yahweh.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 2 राजा 18:16-18

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H2518

### हृदय, मन

#### परिभाषा:

शब्द "हृदय" आंतरिक शारीरिक अंग को संदर्भित करता है जो लोगों और पशुओं में पूरे शरीर में रक्त पंप करता है। हालाँकि, बाइबल में “हृदय” शब्द का उपयोग प्रायः मनुष्य के विचारों, भावनाओं इच्छाओं और लालसाओं के लिए काम में लिया गया है।

* “कठोर मन” एक सामान्य अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति हठपूर्वक परमेश्वर को मानने से इंकार करता है।
* “अपने पूरे हृदय से” या “मेरे पूरे मन से” अर्थात बिना आरक्षण, संपूर्ण समर्पण एवं इच्छा से।
* “मन में बसा लेना” अर्थात किसी बात को गंभीरता से लेते हुए जीवन में आत्मसात कर लेना।
* “दिल टूटना” अर्थात एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करता है जो बहुत दुखी है। वह व्यक्ति भावनात्मक रूप से बहुत आहत हुआ है।

#### अनुवाद के सुझाव

* कुछ भाषाओं में विचारों के लिए “पेट” या “कलेजा” जैसे शब्दों का उपयोग किया जाता है।
* कुछ भाषाओं में एक विचार के लिए एक शब्द दूसरे विचार के लिए दूसरा शब्द काम में लिया जाता है।
* यदि “हृदय” या अन्य दैहिक अंग इस अर्थ को व्यक्त नहीं कर पाते तो उन भाषाओं में सीधा-सीधा “विचार” या “भावना” या “इच्छा” शब्द काम में लिया जाए।
* प्रकरण के अनुसार “मेरे पूरे हृदय से” या “मेरे संपूर्ण मन से”, या इन उक्तियों का अनुवाद हो सकता है, “मेरी पूर्ण शक्ति से” या “पूर्ण समर्पण के साथ” या “पूर्णतः” या “पूर्ण समर्पण के साथ”।
* “मन से” का अनुवाद हो सकता है, “गंभीरता से व्यवहार करना” या “सावधानीपूर्वक विचार करना”।
* “कठोर हृदय” का अनुवाद हो सकता है “हठ के साथ विद्रोह करना” या “आज्ञा पालन से इन्कार करना” या “आज्ञा मानने से इन्कार करना” या “लगातार परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानना”
* “हृदय टूटना” अर्थात् “गहरा दुःख होना”।

(यह भी देखें: [कठोर](../other/hard.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 यूहन्ना 03:16-18
* 1 थिस्सलुनीकियों 02:3-4
* 2 थिस्सलुनीकियों 03:13-15
* प्रे.का. 08:20-23
* प्रे.का. 15:7-9
* लूका 08:14-15
* मरकुस 02:5-7
* मत्ती 05:5-8
* मत्ती 22:37-38

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1079, H2436, H2504, H2910, H3519, H3629, H3820, H3821, H3823, H3824, H3825, H3826, H4578, H5315, H5640, H7130, H7307, H7356, H7907, G674, G1282, G1271, G2133, G2588, G2589, G4641, G4698, G5590

### होमबलि, हवन, अग्निदान

#### परिभाषा:

“होमबलि” परमेश्वर के समक्ष वेदी पर जलाई जाने वाली बलि। यह बलि मनुष्यों के पाप के प्रायश्चित के लिए थी। इसे “अग्निदान” भी कहते थे।

* इस बलि के पशु प्रायः भेड़ या बकरी थे परन्तु बैल और पक्षी भी चढ़ाए जाते थे।
* त्वचा को छोड़कर संपूर्ण पशु जला दिया जाता था। खाल या त्वचा पुरोहित को दे दी जाती थी।
* परमेश्वर के आदेश के अनुसार यूहदियों को प्रतिदिन दो होमबलि चढ़ानी होती थी।

(यह भी देखें: [वेदी](../kt/altar.md), [प्रायश्चित](../kt/atonement.md), [बैल](../other/cow.md), [याजक](../kt/priest.md), [बलि](../other/sacrifice.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* निर्गमन 40:5-7
* उत्पत्ति 08:20-22
* उत्पत्ति 22:1-3
* लैव्यव्यवस्था 03:3-5
* मरकुस 12:32-34

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H801, H5930, H7133, H8548, G3646

### होशे

#### तथ्य:

होशे यीशु से 750 वर्ष पूर्व इस्राएल राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था।

* उसका सेवाकाल अनेक राजाओं के युग में रहा था, यारोबाम, जकर्याह, यातोम, आहाज, होशे, उज्जिय्याह, और हिजकिय्याह।
* होशे को परमेश्वर ने आदेश दिया कि वह एक वैश्या से विवाह कर ले, उसका नाम गोमर था, यद्यपि वह विश्वासघाती थी तौभी परमेश्वर ने उससे प्रेम करने की उसे आज्ञा दी।
* यह परमेश्वर की विश्वासघाती प्रजा के प्रति उसके प्रेम का चित्रण है।
* होशे ने इस्राएलियों के पाप के विरूद्ध भविष्यद्वाणी की थी और उन्हें मूर्ति-पूजा से विमुख होने की चेतावनी दी थी।

(यह भी देखें: [अहाज](../names/ahaz.md), [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md), [होशे](../names/hoshea.md), [यारोबाम](../names/jeroboam.md), [योताम](../names/jotham.md), [उज्जिय्याह](../names/uzziah.md), [जकर्याह (पुराना नियम)](../names/zechariahot.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* होशे 01:1-2
* होशे 01:3-5
* होशे 01:6-7

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1954, G5617

### होशे

#### तथ्य:

होशे इस्राएल के एक राजा का नाम था, वरन पुराने नियम में अनेक पुरुष इस नाम के हुए हैं।

* एला का पुत्र होशे ने इस्राएल पर नौ वर्ष राज किया था, उस समय यहूदा में आहाज तदोपरान्त हिजकिय्याह का राज था।
* नून के पुत्र यहोशू का पूर्वकालिक नाम होशे था। मूसा ने उसका नाम बदलकर यहोशू रखा था जब वह उसे और उसके साथ ग्यारह लोगों को कनान का भेद लेने भेज रहा था।
* मूसा के मरणोपरान्त यहोशू इस्राएलियों को लेकर कनान पर अधिकार करने आया था।
* एक और पुरुष का नाम होशे जो अजज्याह का पुत्र था, वह एप्रैमियों का अगुआ था।

(यह भी देखें: [अहाज](../names/ahaz.md), [कनान](../names/canaan.md), [एप्रैम](../names/ephraim.md), [हिजकिय्याह](../names/hezekiah.md), [यहोशू](../names/joshua.md), [मूसा](../names/moses.md))

#### बाइबल सन्दर्भ:

* 1 इतिहास 27:19-22
* 2 राजा 15:29-31
* 2 राजा 17:1-3
* 2 राजा 18:1-3
* 2 राजा 18:9-10

#### शब्द तथ्य:

* Strong's: H1954